

असाधारण EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1 PART III—Section 1 प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 7]

नई दिल्ली, सोमबार, मई 6, 1985/वैज्ञाख 15. 1907

No. 7) NEW DELHI, MONDAY, MAY 6, 1985/VAISAKHA 16, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ हं ख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

स: ायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रंज-2 आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा 269 घ (1) के अधीन सूचताए

वम्बई, 1 अप्रैल, 1985

निर्देश स. अई-2/37ईई/10008/84/85---अतः मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसमे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम'' कहा गया है की धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार भृत्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंग्र न 607, जो 6 वी मजिल, मोन्टाना सी-इमारत, प्लाट न. 4, एस. न 41 (अंश), 4 वगलोज, वसोवा, अधेरी (न), वम्बई 58 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसची मे और पुर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है नारीख 14/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ओर मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,

ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक/ अनरको ओर अंतरिती/अन्तरिनियो के बीच ऐसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्न- लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दिल्ल में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का भ) या अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गणा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उवन अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उद धारा (1) के अधीर, निम्निकिस्ति व्यक्तियों अर्थात '—

श्री/श्रीमती/र्मारी--मेसर्स लोखडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि. --(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी—श्रीमती, फरीदा इब्रहीम शेमना— (अन्तरिती) श्री/श्रीमती/कृमारी—- (वट ठाक्व 'सा अधिकाम म 'स्पनि टे)

श्री/श्रीमती/कुमारी—समर्स ओलिवरा चैन्ट डब्हलोपमेट कॅपनी (प्रायवेट लि । (वह व्यक्ति किसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति से रिजवड़ हैं)

को यह रचना पानी करने पर्योजन समित है। अर्जन के लिए कार्यवाहिया करू करना हा। उक्तर सिन्ह के अर्जन रोगं। मो कोई भी शक्षेप —

- (क) नर सकता की नजपन को प्रकाश की तारीब से 45 जिन की अविभि सा सत्यवंधी व्यक्तियों पर सकता की तामील 30 दिन की लबिय जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो। की भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति हो।
- (क) इस सचना नई राजगण मो एकाइस ती तारीस के 43 दिए हो भी जिसका गणपर सम्मत्ति सो हिन्द छ निर्मा तन्य त्यतिन हाजा अधोहस्ताक्षरी को पास निर्दि सो किए जा सकोसे।

स्टिनियण :-इसमे प्रयुत्त बन्दो और पदो का जो अस्टिन अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यार 20% में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्यार म दिया गया हो ।

उत्तराची

"फ्लैंट न. 607, जो, 6वी मिल्ला. मोन्टाता-मो उमारत, प्लाट न. 4, एस. न. 41 (अंश), 4 विगलोज बसोबा, अंधेरी (प) अबई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क. स अर्ज-:/37ईई/10008/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बग्वई द्वारा दिनांक 14/8/1984 को रजिस्टई किया गया है

तारीख . 1/4/1985

मोहर

. (जो लागु न हो उसे काट दीजिए)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQN. RANGE-II

Notices under section 269D(1) of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961)

Bombay, the 1st April. 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10008|84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referral to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000-and bearing Flat No. 607, 6th Floor, Montana, C. Building, Plot No. 4, S. No. 41(Pt), Four Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bambay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the propert or dozenide one is the apparent consideration therefore by now than the one cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly dated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforestid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)
- 2. Smt. Farida Ebrahim Shemna (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. M|s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made it writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires late:
- (b) he any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDUI E

Flat No. 607, 6th Floor, Montana, C-Building, Plot No. 4 (Part) Four Bunglows, Verseya Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EF 10008 84-85 on 14-8-1984

Date: 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निदेश म. नई-2/37 ईई/8953/84/85—अत मुझे नध्मण या जिल्लाम अविनियम 1961 (1961 का ५३ (जिस इनम भारत पण्वान् ",क्त अधिनियम कहा गया हु") की पार 2 भ पाँच ज्यीन नक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास 👉 का पारण ह - कि 😘 तर सम्पत्ति, जिसका उचित्र दाजार नूल्य 1,00,000/- रु से अधिक हे अःर जिला से पलट ने. 301, जो अरी मेजिल हमारत गेम कोर्ट, प्याट न 336, एस न. 41 (अंश), 4 दनलाज वर्तात्रा, अबेरी (प), जम्मई-58 में स्थित है (अर उन्तर उपात्र अन्यूची म अर पूज रूप से वर्णित है) अपर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब क अर्थान सक्षम प्राधिकारी क कार्यालय वस्त्रई के र्रानस्ट्री ह, तारोख 4/8/1981 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के जीवन बाजार मूल्य से कन क दृश्यमान प्रातफल के लिए अन्तरित की गई ह अ।र मुझे यह विज्वास करन का कारण हे कि यथापूर्वोक्त मन्पनि का वाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रति-फल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिजत से अधिक है नार अंतरक (को) आर अतारती (ना) के बाच ऐसे अनरण के लिए तब पाया गया। प्रनिकल निम्नलिखिन उद्देश्य से उवन अतरण लिखित ने वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया

- (ए) अजर में हई किनी आय की शब्द, आयकर अधि किएक, 1961 (1961 का 13) के अधीर कर देने के अन्तरक के दाहित्य में कभी करने या उन्हों करने मा सुविधा के लिए और पा
- (र) ऐसे किमी अराज्या किमी ६६ कर अन्य आस्तियों की जिन्हें शारतीज ग्रहार अधितिया, 1922 (1922 का 11) का काइका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का पान्तर अविकास, १९३२ (1957 का 27) का क्याजार किमारित निम् इक्टनहीं किन गान पा या किया जाना चाहिए था, छिणाने में न्निका ने लिए

अ. इ.स. उदा अिशियम की पार 2€3र को अन्सरण में, मैं उक्त अगितिका की भारा 200म की उप धारा (1) को अकी।, निकासिक्ति करितयों अभीस् —

। मेगम राखेउयत्ता प्रिमायसेम त्रायपेट लि.

(अन्तरक)

2 थीनती माबिस डाटटो

(अन्तरिती)

3. --

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति ह)

4 मेमर्स ओशिवरा लैंन्ड डेव्हलापमेट क० (प्रायवेट) लि. (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्गत्ति में हितबद्ध हे)

का यह सन्तराणी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो। उन्तरमणीत के अर्जन के संतर्थ में कोई भी आक्षेप —

> (1) इस ्चरा त्राति म हकता की तारीम हो तठ दिन की अवधि, या तत्मबधी व्यक्तियों पर

्रच्या की ताभील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों मो स किसी व्यक्ति द्वारा ।

(म) इन र्घन का राज्यक्र मा प्रकाशन की तारीख के 45 विन का भीवर उक्त स्थावर माश्रात्त में हितबद्ध किसी जन्द ब्योक्त द्वारा अधीहम्ताक्षरी के पास विवाद वो काप जा सकेंगे।

राष्ट्रोकरण .—इसम प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अव्याय में दिया गया हैं।

अग्मची

"फ्लंट न. 301, जो, 3री मिजल, इनारत होम कोर्ट, प्नाट न. 336, एस. न. 41 (अज), 4 त्रंगलोज, वर्सात, अत्रेरो (प), प्रस्वई-58 में स्थित हे।

ानुसूची जैसा कि न. स. आई-2/37ईई/8953/84-85 आर जो सदाम प्राधिकारी वस्पई ε ारा दिनाक 4/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया ह ।

तारीख. 1/4/1985 मोहर.

. (जा तागू न हो उस काट द जिए)

Ref. No. AR-II|37EE|8953|84-85.--Whereas, I, LAKMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B or he Income-tax Act 1961 (43 of 1951), (necessatter reserved to as the '5011 Act have reason to believe that the immovable properhaving a rair market value exceeding Rs. 100,000, and bearing Flat No. 301, HOME COURT, 4, Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described to the School of the described to the School of the described to the School of th fully described in the Schould a mexed heleto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of an income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes or the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mjs. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Mrs. Mavis Tatti (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- M|s. Oshiwara Land Development Co.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd floor, HOME COURT, Piot No. 336 of S. No. 41 (Part), 4, Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II] 37EE[8953[84-85, on 4-8-1984.

Date: 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अर्ड-2/37-ईई/8915/84-85—अतः मृझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 369 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गूला 1,00,000/- म. मे अधिक है और जिसकी मं० पनेट ने 1102 जो, 11वी मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स, प्लाट नं. 351 एस. न. 11 (अंग), 4 बगलोज, वर्सोवा अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपायक अनुसूची में और पूर्ण कर से विण्त है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यां व्यवह में रजिस्ट्री है

तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्यातत सम्पत्ति का बाजार मृल्य उसके वृष्यमान प्रतिफल से ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अंतरक (कों) और अतरिती(यो) के बीच ऐसे अतरण के लिए एम पाया गमा प्रतिफल, निम्नितिखित अद्देण्य से उक्त अतरण लिखन में वाम्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आर की शबत, आयकर जिथ-विष्म, 1961 (1961 का 43) के 1धीन कर देने के अन्तरक के द:णिन्य में कसी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किमी अग या किमी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म मिना के लिए

बनः अब उक्षा कि बिनियम की धारा 260म के अनुसरण में, में उक्न कि नियम की धारा 269म की उद धारा (1) के अधीत, निम्मिनियन व्यक्तियों अधीता —

- मेसमं लोखडवाला इस्टेटम एण्ड डेव्हलोपमेट कंपनी (प्रायवेट) लि. । (अन्तरक)
- 🖫 श्रीर जितेद्र सेहभल (अन्तरिती)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति हैं)

मेसमं ओशिवरा लंग्ड डेव्हलोपमेट कंपनी (प्रायवेट)
 लि. । वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
 जानता है, कि वह सस्पत्ति में हिनबंड है)

को यह गृष्णा जारी करके पृथों क्त स्माति के अर्जन के निष् कार्यवाहि। कार करता है। उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि, या तत्सवंधी व्यक्तियों पर राचना की गामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वाकित व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस राक्ता को राजपत्र में प्रकाशन की नारील के 45 दिन को भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितक दि किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधीहस्ताध्यी के एस लिखन म किए जा रक्षा ।

रपष्टीकरण :—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) के पद्याय 20क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुमूची

"फ्लैंट न 1102, जा, 11वीं मजिल, इगारत प्रिमियम टावर्स प्लाट न 351 एस न 41 (अश) 4 बगलाज वर्सोवा, अधेरी (प) बम्बई-58 म स्थित है।' अनुसूत्री जैसािक र स आई-2/37/ईई/8915/84-85 ओर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

माहर

(जा लागू न हो उमे काट दिजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|8915|54-85.—Whereas i, LAXMAN DAS, being the Component Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 o 1961), (neremafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding K 100,000 -No 1,62, bearing Flat and **PREMIUM** TOWER. 4. Bunglows, floor. Andheri (West), Bombay (and more fully describ a in 1. Schedule apprecia beacte), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB o the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4 8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have 12 1501 to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as ag eed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the abject of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability (the transferor to pay tax under the said / ct. in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any money of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s Lokhandwala Estate Development Company Private Limited (Transferor)
- 2 Mr. Jitendra Sehgal (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. M|s. Oshiwara Land Development Co.
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sudproperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nauce in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on it respective persons whichever period express later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 1102, 11th floor, PREMIUM TOWERS, Plot No. 351 of S No. 41 (Part), Four Bungalows, Versiva, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|8915|84-85, on 4-8-1985.

Date · 1-4-1985

SEAL

(Strike of where not applicable)

िर्देश स आई-2, √7-ईई/8917/84-85 —अत मुझे नदमण दास अप्यकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे उसमे इसके पण्चात् "उप्त अधिनियम कहा गया है") की बारा 26 रघ के अबीन सक्षम पाविकारी को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100000/- र में अधिक ह आर जिसकी म फ्लैट न 604, जो 6वी मिनिल, इमारत हरमनी-बी, प्लॉट न o43 एस न 41(अग), 4 जगताज, वर्मीवा, अवेरी(प), वम्बई-58 म स्थित है (आर उससे उपावड़ अन्सूची मे ओर पूर्ण म्प स विणित ह) और जिसका करारनामा आयकर अविनियम की धारा ३६९ के खे के अधीन सक्षम प्राविकारी कं कायालग उम्बई म रजीस्त्रों है तारीख 1/8/1984 को पूर्वीका सम्पति के उचिन बाजार घल्य संकत के दायमान प्रतिफन के लिये अनिरित की गई है आर मझे यह विश्वास करने का बारण हे कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का वाजार मूल्य उसके दुग्यमान प्रतिफल से ऐसे दृग्यमान प्रतिफल कि पद्रह प्रतिणम ने जिवक है और अनरव (को) और अगरिना (या) १ वाच एए अंतरण । लिए तय पाया गंभा प्रतिकल निम्न-र्तिष्यः। उद्दश्यस उप्त अतरण निखिनः मः वास्तविकः रूप स कथिन नहीं किया गया है —

(क) जनरण से हई किसी आय की बादत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममें इचने में सुविधा के लिए और/या

(ल) ऐसे किसी आए या किसी धन या उन्य आस्पियों की जिन्हें भारती आयहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अध्यान अधिनियम, 1961 (1961 था 43) या धा-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगन के बतारिती अस प्रयोगन के किया गान ना या किया जान चर्महुए था, छिपाने में ना या कि लिए

उन. यन उदा प्रिनियम की भारा 269र को विष्सरण में, नै उदा प्रिन कि की घर उन्यादी उपधारा (1) को अधो । किरावारिक दक्षियों उन्योता —

- 1 मेरार्स लोलंड । ला विभायरेन प्रारंग्ट शि. (जनारक)
- 2. श्री र्ता. एन. लाजा। (प्रन्तरिकी)
- (तह व्यक्ति, जिसके अविमोग में सम्पान हं)
- ग्रैससं त्रोणियरा लेन्ड डेबलगमेट भगनी (प्राइवेट) नि.।

(पह व्यक्ति जिसके वार्म अजीहरूका तरी जान गढ़, की पह सम्पति में हिता छ है)

को यह र निर्कासको पूर्वो दिस स्थिति के अपन को निर् कारकाष्ट्रित को करना हो। उदत सम्यक्ति को अर्जन के सजब भाकोई भी आकृतः—

- (क) इस पूजना के राजान में प्रकाशन की तारीख में 45 निया की प्रतियों पर मूच एकी की की में 20 दिन की अवधि वाद में समान्त होती हो, को भीतर पूर्वी बत व्यक्ति वों में से निया व्यक्ति हो ।
- (र) इता व हो स्वासमा पा प्रकासन की वासील क प्रति हो भी कि उत्तार पा अमान्ति में हितबद्ध ति वे भाग प्रतित द्वारा अभोतनाक्षणी के पास विक्रित हो किए जा सकेंगे।

ार्ज्याकरण .—इसमें प्रयुक्त रहा अन्य पदो का जो राजरण अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के जनान 20क में परिकाधित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया गया हो ।

अगरा बी

'११नेट न. 504, जो 6वी मिजित, इनारत हरमर्ना-बी, प्लाट नं. 343 एस. न. 41(अझ),4 वंगलोज, नर्सोधा, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. आई -2/37 ईई/8917/84-85 जोर जो मक्षम पाधिकारी वम्बई द्वारा दिनाक 4/8/1984को रिज-टर्ड किया गया है।

तारीख ' 1-1-1985

मोहर

(जो नागु नहो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-11/37EE/8917/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under section 269B of the income-tax Act 1901 (43 of 1961), (hereinaker referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a ran thanket value exceeding les. 115,000 - and bearing Flat No. 604 on 6th floor, HAR-MONY-B, Plot No. 343 S. No. 41 (Part), 4 Bunglows Andheri(W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has wen transferred and the agreement is registered under section 204Als of the income-tax Act, 1961, in the Once of the Competent Authority at Bombay on 4 8-1984 for an apparent consideration which is less man the fair nacks, value of the aforesaid propercy and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fineen per cent or such apparent consideration and that the considerauon tor such trans er as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income atising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I herebe initiate proceedings or nequestion of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons rankly.

- 1. M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Mr. C. M. Lala (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. M/s. Oshiwara Land Development Co.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 cays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(उन्दर्भ)

herein as are defined in Charle WA of the said Act shall have the same mean go given in that Charles

SCHEDULE

Hat No 604, 6th floor, HARMONY-B, Plot No 343 of S No 41 (Part), 4 Bunglows Andhen (W), Bombay-58

The agreement has been registe ed by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR II 37EE \$917[84-85, on 4 8-1984 (1984)

Date: 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not up 'all)

निर्देश म जार्ज-2/37-र्जि/8992/81-85 — अन मझे त्रमण राम अप्य कर अधिनियम 1961 (1961 का 13) (जिसे वसम उपवे पण्वात 'एक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा १८९घ ने अधी गक्षम प्राधिनारे को रूप विज्वार करने का बारण है कि स्थारर गाँचि जिसका उत्ति पत्र न 60? जा 6वी मजिए उमारत होए कोई. प्लाट न 3º4 एम न 41(शण 4 नगलोज, न्स्वा अधेरी(प) बस्टर्- 58 में स्थित है (जार इसमें उपान अनमची से गर पर्ण रूप से वर्णित ह) अर जिस्पा करारनामा आयवर अधिनियम की धारा 269 व ख के अधीन सथम प्राधिनारी के बार्गात्य, याकी में रिजरड़ी ह तारीय -8-1934 को खिंक्न सम्पति वे उचित च नार मुल्य में कम के दायमान प्रतिम्ल के नियं अन्तरित की र्न ह ओर मुझे यह विण्यास बरो लकारण ने कि ज्यापूर्वाक्त सम्पत्ति हा बाग्गर मत्य उनवे दायमा। प्रतिफतः से ऐसे दायमान प्रतिपल ने पट्ट एतिण्त से अधिक है और अतर-(को) आर अन्तरिती (गो) के बीच मेमे जन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपा निम्निपिधत उद्देश्य से ८४१ अ २ एण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं िया गया है --

- (क) अनरण ते हुई कि ी आन की वित्र आगकार अहिन किएम, 1961 (1961 के १४) हो भी किर देने के अनरक के दायित में तमी करने ए उससार में में सित्या के लिए और/या
- (१) ोमे किसी ३१ है। किसी इन या ३ न्य जासियों ही जिन्हें भागीस ३ महर उदिशियर, 1922 (1922 के 11) भागासर जी विनयम, 1961 (061 पा 13) है वन भाग उद्योगना १०३७ (१८७७ है। जारिसी दर अंदिश है। साम अर्थ किया जाना चाहिए था, छिटाने भी सादिश के लिए

िहित्स । चार्च वास्तास्य स्था । इत्यादान्य । तिथ्या २६९० ती उप्तास्त (1) किवाभीने, विस्तित्ति वर्षे पा ५११ —

1 नैसम वर्षका मागार गा।

2 श्रो तरदव प्रान (जन्तिरिती)

(तह सीक्ष जन्म जीसोन । स्मिलि के)

भ न नाशिवस्य तरः हैनत्रासट कपना (प्राप्टेट) ति ।

(त रिवारिकार स अब्राह्म की जानता है की बहु भारता है की बहु भारता है की स्थान है)

को हिन्दा परिकरा है। उसा स्याति के अपन को लिए प्रकार है। उसा स्यानि के आन्द्र स्थान राम्भी । 8। —

- () इसरचना ने गणपा म प्राण्यान जी तामित्र में 45 दिन को अविधि का तत्स्वी व्यक्तिया पर गूजना जी तक्षा 30 दिन को अविधि, जा भी जा गाइ मा पापत ताती है के शीकर गाँदित दें । ने गाँचे तिस्मी ना गाँव

सम्पर्धा समा स्थापन का जो समा का जो अपना का जो उस अभ्यास की समा का उस उत्तर के दिया गया हा।

3 गम्सी

* फ्लैटन 60 /, जो, 6वो मजिल, उमारत होम वोटें, जार त 33(एप न 11(अश), 4 वगलोज प्साधा अधेरी(प), प्रार्थ-58 में दिल त

जन त्वी जपाकि के से आई-1/37ईई/ 1992/84-85 आर ो रक्षय प्रानिकारी तस्तर्हे हारा किनाक 6 ९/1981 वो रजिस्टर्ड किया गया है।

सारीय 1-1-1055

सो र

। जा लाग न हो उत्ते काः दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8992|84-35.-Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 o 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Ro 100 000 and bearing Flat No. 602, 6th floor, HCME COURT. four Bunglows, Andheri(W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer ar agreed to between the part's has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax hader the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Yasmin Corporation (Transferor)
- 2. Mr. Baldev Dhawan (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. M|s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

- notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, HOME COURT, Plot No. 336 S. No. 41 (Pt), Versova, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Seriol No. AR-II 37EF 8992 84-85 on 4-8-1981.

Date: 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. आई-2/37-ईई/8990/84-85 -- अन: मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961(1961का 43) (जिसे. इसमें इसने पण्चान "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 369 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 1,00,000/- ग. में अधिक है और जिसकी फ्लैट नं 101, जा, पहला मजित, इमारत होमर्लन्डस. प्लांट न 341 एस. नं. 41 (अंग), 4 बगलोज, वर्लीवा, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपायद अनगुची में और पूर्ण रूप से बणित है) और जिसका करार-नामा आयकर अगिनियम की धारा 369क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य मे कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है। और गझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोदन सम्पन्ति का वाजार मुल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अतरक(कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐमें अंतरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वाराविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाइत, आयकर अधि निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दिशास से कमी करने या उससे इचने में सुविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आप या किसी धन गा अन्य टास्कियों वी जिन्हें भारतीय आरवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर श्रिधितयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविधा के लिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों अर्थात :—

- मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेम प्राइवेट (अन्तरक)
 लि.
- 2. अणोक मेहता और निरा मेहता (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. मैसमं ओशिवरा लैंन्ड डेबलरमेंट कपनी (प्राइवेट) लि ।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनवेद है)

को यह मूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिसा सुरू करता हो। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की नारीय से 45 दिन की अविधा, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधा, जो भी अविधा बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पर्वो विन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मूचरा के राजपंत्र में प्रकाशन की नारील ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के एक निक्ति में किए जा सकेस ।

स्पष्टीकरण :— इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

शतसंची

"फ्लैंट न. 101, जो, पहली मंजिल, इमारत होमलैन्डस, प्लॉट नं 341, एस. न. 41 (श्रंष), 4 बंगलीज, वर्मोवा, अधेरी(प), बस्त्रई -58 में स्थित है।

अन्सूची जैसा कि क. स. आई-2/37ईई/8990/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 6-8-1984 को रजीस्टई किया गया है ।

तारीख: 1-1-1985

मोहर:

(जो लाग नहों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37FE'8990'84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), 166 GI/85—2

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000[and bearing Flat No. 101, 1st floor, HOMELANDS, Plot No. 341, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri(W), Bombay-58 (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1934 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Ashok Mehta and Neera Mehta (Trasferce)
- (Person in occupation of the property)
- 4. M[s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 101, 1st floor, HOMELANDS, Plot No. 341, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE[8990[84-85 on 6-8-1984.

Date: 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई.-2/37-ईई/8956/84-85--अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी 1502 जो, 15वीं मंजिल, इमारत मंग्नम टॉवर्स, प्लाट नं. 357, एस नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज. वसीया, अंधेरी (प.) बम्बई-58 में स्थिति है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है तारीख 4-8-8.; को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य मे कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्दा, आयकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उसमें इचने में मुब्धिय के लिए और/या
- (ह) ऐसे किमी आम या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

श्वितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सरिक्षा की लिए

जत: अब उका अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उका अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिस्ति व्यक्तियों अर्थाता :~~

- मैसर्म लोखंडवाला इस्टेटम एण्ड डेबलामेंट (अन्तरक) कंपनी प्राइवेट लि.
- 2 श्री घरजनाल भरतलाल दामानिया (अन्तरिती)
- -- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- मैसमं ओणिवरा लैन्ड डेवलपमेंट कंपनी (प्राइवेट लि.)
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानना है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोकिन सम्पत्ति की अर्जन को लिए कार्यवाहिए। शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मैं कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ए) इस मूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनमची

"फर्लैट नं. 1502 जो. 15 वीं मंजिल इमारत मेरनम टॉवर्स, प्लॉट नं. 357, एस. नं. 41(अंग), 4 बंगलोज, वसौँबा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थिति है। अन्मूची जैमाकी क. मं. आई.-2/37ईई/8956/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाँक 4-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

तारीख: 1- 1-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

Ref. No. AR-II|37EE|8956|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|-1502, 15th bearing Flat No. **MAGNUM** TOWERS, 4 Bunglows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M|s. Lokhandwala Estate & Development Company Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Mr. Dhirajlal Bharatlal Damania (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

- the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1502, 15th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357, S. No. 41 Part, Four Bunglows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay, under Serial No. AR-II] 37EE[8956[84-85 on 4-8-1994.

Date: 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देण सं. अई.- 2/37-ईई/8955/84-85.—अत: मुझे, लक्ष्मणदास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् क्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 10,00,00 ह. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट. नं. 1501 जो, 15वी मंजिल, इमारत भैग्नम टॉबर्न, प्लाट नं० 357, एस० नं० 41 (अंग), 4 वंगलोज, वसींवा, अंधेरी (पं०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथाप विकत सम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयबार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सर्विधा की लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों अपीत्.—

- मैसर्म लोखडबाला इस्टेट्स डैव्हलोपमेट (अन्तरक) कंपनी प्रायवेट लि०
- श्रीमती गीता धिरजलाल दामानिया (अन्तरिती)

3

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

 मैसर्म ओश्रिवरा लेन्ड डैव्ह्लोपमेट कंपनी (प्रायवेट) लि.

> (वह व्यक्ति जिस के बारे मेअधौ-हस्ताक्षरी जनता है,की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह मूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रृष्ट करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन क संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा ।
- (क्) इस राज्या कं राज्यात्र मो प्रकाशन की तारीक क 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मो हितद द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण . इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

"फ्लैंट नं. 1501, जो, 15वीं मंजिल, इमारत मंग्नम टावर्स, प्लाट न. 357, एम नं.,41 (अश), 4 बंगलोज, वसीवा, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अन्सूची जैसा कि कर संरुथई-2/37ईई./8955/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

तारीखा : 1/4/1985

मोहर:

(जी लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|371:E. 8955|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing Flat No. 1501, 15th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357 of S. No. 41 (Part), Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully describ d in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mjs. Lokhandwala Estates and Development Co. Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Mrs. Geeta Dhiralal Damania (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- 4. M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1501, 15th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357 of S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Andheri (W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE, 8955[84-85 on 4-8-1984.

Dated: 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. आई० 2/37-餐:/8954/84-85.--अत मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं फ्लैट न० 1101, जो, 11वीं मजिल, इमारत प्रिमियम टावर्म, प्लाट न० 351 एस० न० 41 (अंग), 4 बंगलीज, वर्सीवा, अधेरी (पी), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 काख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजीस्ट्री है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अतिरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मत्य उसके दुष्यमान प्रतिफल से ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक (को) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसा अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उसमें अचने में मंदिशा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में एतिका के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

. मैसमं लोखडवाला इस्टेट्स एण्ड डैबलपमैट

कपनी (प्रा०) लि०

(अन्तरक)

2. श्रीमती आशा सहगल

(अन्तरिती)

3.

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

 मैसर्स ओिशवरा लैन्ड डैबलपमैट कंपनी (प्रायवेट लि.)

्रिं (बह व्यक्ति जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह मूचना जारी करके पर्वोक्त मम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपश्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्मबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मी समाप्त होती हो, के भीतर पर्वाक्ति व्यक्तियों मी से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबई किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एास लिखिन में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यूची

"फर्लेट न. 1101 जो 11वीं मजिल, इमारत प्रिमियम टावर्म, प्लाट नं. 351, एस नं. 41 (अंग्र), 4 बंगलोज, वसौँवा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क. सं. अई-2/37 ईई/8954/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रिजिस्टर्स्ट किया गया है ।

नारीख: 1-4-1985

मोहर:

(जो लागु नहीं हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE. 8954/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-No. 1101, 11th and bearing Flat floor. PREMIUM TOWERS. Four Bungalows, (W), (and Andheri Bombay-58 more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M|s. Lokhandwala Estates and Development Co. P. Ltd. (Transferor)
- 2. Mrs. Asha Schgal (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. M|s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Ltd.
 (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1101, 11th floor, PREMIUM TOWERS, Plot No. 351, S. No. 41 (Pt), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE, 8954|84-85, on 4-8-1984.

Dated: 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/8918/84-85 :---अतः मझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु० मे अधिक है और जिसकी सं० फ्लैंट सं० 603 जो 6वी मंजिल, इमारत हरमनी-बी, प्लाट नं० 343 एस० नं० 41 (अंग) 4 बंगलीज, वसोंवरा अधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद अनसची में और पर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दी है तारीख 4-8-1984 को पूर्वनित सम्पत्ति के उचित बाजार महय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अतरिती (थों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उनत अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्दा, आयकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिषक्षा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए धा, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अद उत्ता अधिनियम की धारा 269र क अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निमालिस्ति व्यक्तियों अधीन —

- मैंसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि० (अन्तरक)
- 2. श्री सी० एम० लाला (अन्तरिती)
- 3. (बह ब्यक्ति जिसके अधिभाग मे सम्पत्ति है)
- 4. मैसर्स ओणिवरा लेन्ड डेबैलपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि० (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधा-हस्ताक्षरी जानता है की बह सपत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कार करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गंबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि, या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी लन्स स्थिकत द्वारा अधीहम्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमुची

"फ्लैंट नं० 603, जो 6वीं मंजिल, इमारत हरमनी-बी प्लाट नं० 343, एस०नं० 41(अंग), 4 बंगलीज वर्मोवा अंधेरी(प०) बम्बई-58से में स्थित है।

अनुम्ची जैमा कि क०मं० अई-2/37ईई/8918/84-85 औरजो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नारीख 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9855|34-85.--Whereas, J, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. 603, 6th floor HARMONY-B, Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian

Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Mr. C. M. Lala (Transferce)

3.

(Person in occupation of the property)

4. M|s. Oshiwaca Land Development Co. Pvt. Ltd.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor. HARMONY-B, Plot No. 343, S. No. 41 (Pt). Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II¹ 37EE. 8918/84-85 on 4-8-84.

Dated: 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं० अई-2/37ईई/10313/84-85'--अतः मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43 (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- क० से अधिक है और जिसकी संर फ्लैट न० 304, जो, 3री मंजिल, प्राईम रोझ इमारत, प्लाट नं० 318, एस० न० 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सीवा, अंधेरी (पं) सम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रजिस्ट्री है तारीख 21~8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/ अंतरकों और अनरिती/अनरितोयों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की शावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मिविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आग या कियी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए शा, छिपाने में स्विधा की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्मलिस्ति व्यक्तियों अर्थात .—

- श्री/श्रीमनी/कुमारी :——मैंसर्म लोखंडवाला (अन्तरक)
 श्रिमायसेस प्राक्वेंट लि०
- श्री/श्रीमती/कुमारी:—श्री मोइझ वाय, गांधी (अन्तरिती) ओर श्रीमती, सिकना मोईम गांधी।
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारी ---

(वह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)

 श्री/श्रीमती/कुमारी:—मैंसर्म ओशिवरा लैंड डेवेलोपमेट कंपनी (प्रायवेट) लि०।

> (वह व्यक्ति, जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के ंग्या कार्यवाहियां शरू करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तागील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा !
- (क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सुची

"फ्लैंट नं० 304, जो, 3री मंजिल, प्राईम रोझ इमारत. प्लाट नं० 318, एस नं० 41(अंश), 4 बंगलीज. वर्सोवा, अंधेरी(प०), वस्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क०मं० आई-2/37-ईई/10213/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 21-8-1984 को रिजिस्टई किया गया है।

नारीख: 1-4-1985

मोहर:

* (जो लागून हो उमे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10213|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 190,000]-and bearing Flat No. 304, 3rd Floor, Prime Rose Building, Plot No. 318, S. No. 48 (Pt) Four Bung-lows, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more falls, Jean-John January). fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd; (Transfetor)
- 2. Shri. Moiz Y Gandhi, and Smt. Sakina Moiz Gandhi (Transferce)
- 3. (Pryon in occupation of the property)
- 4. M|s. Oshiwara Land Development Co Pvt. Ltd;

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 304, 3rd Floor, Prime Roc Building, Plot No. 318, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|10213|84-85 on 21-8-1984.

Dated: 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं० आई-2/37ईई/8971-84-85 :--अत: मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रू० मे अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, जो 3री मंजिल, पर्ल इमारत, अंबोली मावठाणा, प्लाट नं० 398, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपाबड अनुमूची में और पर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की घारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल मे ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निप्म्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है '---

- (क) उनारण में हुई किमी आप की बाबन, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उसमें दुखने में मुख्या के लिए और/या
- (ख) ऐसे जिसी आप या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

166GI 85---3

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

जात: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री इस्माईल अब्दुल्ला चुनावाला (अन्तरक)
- 2. श्रीमती वृशाली सुभाष खेटले : . . . (अन्तरिती)
- 3 अन्तरिती ।

(बह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. - (बहु व्यक्ति जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पृत्रों का सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्ष्क करता हा। उकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताणीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में, हिततद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट मं॰ 11, ओ, 3री मंजिल, पर्ले इमारत, अंबोली गौबठाण, प्लाट नं॰ 398, अंघेरी (प.) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कर्नं आई-2/37ईई/8971-84/85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रिजस्टई किया गया है।

तारीख: 1-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE. 8971,84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (herematter reterred to as the Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 160,0001and bearing Flat No. 11, 3rd floor, PFARL Amboli Gauthan, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule approved hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax hinder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Ismail Al-dulla Chunawala (Transferor)
- 2. Mrs. Vrishali Subhash Khetle (Transferee)
- 3. Transferee ... (Person in occupation of the property)
- 4.

(Person whom the undersinged knows to be interected in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd floor, Pearl, Amboli Gauthan, Plot No. 398, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II; 37EE. 8971/84-85, on 4-8-1984.

Dated: 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं० आई-2/37ईई/8972/84-85---अत: महो लक्ष्मण दान, आयरार अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इपमें इसके पण्चान् "उनत अधिनियम" शहा गया है) की धारा 260घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्याग सरने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- ह० से अधिक है और जिसकी सं ु फ्रैंट नं ु 7, जो अरो मंजिय, इमारत पर्वे, प्लाट नं ु 398, अंबोली गावठाण, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूनी में और पूर्ण रूप सेवर्णित है) और जिसका टराजनामा आयटार अधिनियम की धारा 269 कव के अधीन सक्षम प्राधिकारों के सार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य भे कम के दुण्यमान प्रक्तिफल के लिये अन्तरित की गई है और महा यह विश्वाम तरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उनके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिज्ञत ये अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 आ 11) या जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा

प्रकट वहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अयिकतयों अर्थात् :—

श्री इस्माईल ए० चुनावाला

(अन्तरक)

2. श्रो विलास गंगाराम खाटल

(अन्तरिती)

3. अन्तरितो। · · · · . . . · · · · . . · · ·

4. '' '' वह व्यक्ति जिसके अधिमोग)''' में सम्पत्ति है)

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोइस्ताक्षरी जानता है, कि बह सम्पति में हितबद है)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितब द किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगसची

"फ्लैट नं० 7, जो, 2री मंजिल, फ्लैं इमारत, प्लाट नं० 398, अंबोली गावठाण, अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ०सं० आई-2/37ईई/8972/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 1-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उमे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8972|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,0001and bearing Flat No. 7, 2nd floor, Pearl, Plot No. 398 Amboli Gauthan, Andheri (W), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Ismail A. Chunawala (Transferor)
- 2. Mr. Vilas Gangaram Khatle (Transferee)
- 3. Transferee (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd floor, PEARL, Plot No. 398, Amboli Gauthan, Andheri (W), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE. 8972|84-85 on 4-8-1984.

Dated: 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं० आई-2/37-ईई/8945/84-85.--अतः मुझे लक्ष्मण दान आवर्र अधिनियम, 1961 (1961 रा 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् "इक्त अधिनियम एहा गया है) की द्वारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वाप करने ता कारण है ति स्थावर सम्पन्ति, तिलता उच्चित बाजार मूल्य 100,000/- क० से अधित है और जिल्ही संवे फ्लैंट नं 0 106, जो, 1ली मंनिया, "मी" विग, मनदर पार्क, वीना देगाई रोड, आफ अधेरी दसौंदा रोड, अंधेरी (ए०) दावई-58 में स्थित हे (ओर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप रा वर्णित है) और जिल्हा रंगरनामा आयार अधिक्षिम की धारा 269 बख के अधील सक्षम प्राधि गरी के बायीलया, बम्बई में रिजिंग्टर्ड है, तारीखं 4-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य भे कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह वियवास करने का सारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति भ बाजार मृत्य उनके दण्यमान प्रतिफल भे ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पढ़ह प्रतिगत से अधिक हैं और अंतरक(को) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे, अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित इट्रेश्य में उपत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित न्हीं विया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुक्थित के लिए और/या
- (स) ऐसे किमी अार या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध्य के लिए

अत: अह उक्त व्यथ्नियम की धारा 269म के बन्सरण में, मौ उदत व्यभित्यम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों वर्धत्:—

मैसर्स रमेश बिहर्डर्स (८००)

इला अम्ण अगरवाल (जन्निती)

3. ** ** ** (त्हब्यक्तिः जित्र ोर अधिमोर जे तस्य ति है)

4. ` · · · (वह व्यक्ति जिन ने जारे में जयो-हमाश्ररो ानता है, की यह सम्मत्ति में हित**बद्ध** हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचना को राजपन्न मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उत्तन स्थादर राम्पत्ति मो हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति हारा अधोहम्ताक्षरी के पाम लिहिन मो किए जा सकोरों।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं० 106, जो, 1ली मंजिल, "सी" विंग, सुंदर पार्क, वीरा देताई रोड, आफ अंधेरी-वर्सोवा रोड अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि क॰सं० आई-2/37ईई/8945/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां न 4-8-1984 को रिस्टर्ड िया गया है।

तारोख ' 1-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उमें काट दाजिये)।

Ref. No. AR-II|37EE. 8945|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hercinaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 106, 1st floor, C-Wing,
Sunder Park, Veera Desai Road, Off Andheri-Versova Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believ that th fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Ramesh Builders (Transferor)
- 2. Ila Arun Agrawal (Transferee)
- 3. .. (Person in occupation of the property)
- 4.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 106, 1st floor C-Wing, SUNDER PARK, Veera Desai Road, Off Andheri Versova Road, Andhrei (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authoriy, Bombay under Serial No. AR-II|37EE, 8945|84-85 on 4-8-1984.

Dated: 1-4-85

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देण सं॰ आई-2/37ईई/8991/84-85 '--अत' मुझे नक्ष्मण दास आयार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इमी पण्चात "उक्त अधिनियम हो गपा है) की धारा 269घ के अधीन राक्षण प्राधिकारी का यह विश्वास क्षरने वा बारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 100,000/- रु० से अधिए है और जिसकी स० फ्लैट नं ० 103, जो, 1ली मंजिल, इमारत सिम्फोनी-बी, प्लाट नं ० 344, एस० नं० 41, (अंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 म स्थित है) और इसने उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है) और जिमा बरारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 ख के अधीर सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय बम्बई मे रिजम्ट्री है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य में राभ के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विग्याप उरने का कारण है ि यथापूर्वीयन भम्मति ा बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच लेसे अंतरण के लिये तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविह रूप से कथित नहीं हिया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने था उममें बचने में सविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अदा उद्या अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उर धारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति ब्यवितयो अर्थात् —

- मैसर्म लोखंडराला त्रिमायसेग प्राद्वेट नि० (अन्तरः)
- श्री गरत मुमनदेवाई और इला बी,दवाई (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति जित्त के अधिभोग ज सम्पत्ति है)
- मैनर्स अणिपरा लेंड देवेल्पमेंट कंपनी (प्राइवेट) निष्णाः

(बह व्यक्ति जिनके वारे में अबाह्माक्तरों जानता है, को बह में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके एवेक्नि सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करू करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तिया पर म्चना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस गुचरा के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर ममात्ति में हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्ताक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुभूची

"फ्लैंट नं० 103, जो, क्यो मंजिल, इमारत निम्फोती-बी, प्लाट नं० 344, एल०नं० 41(अग), 4 वंगलीज, वर्सोवा, बंधेरी(प), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैना ि फ॰मं॰ शाई-2/37ईई/8991/84-85 और जा सक्षम प्राधिनारों बम्बई द्वारा दिनांह 6-5-1984 को रजिस्टई दिया गया है।

दिनांक : 1-4-1985

मोहर

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 8991/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafte referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property. having a fair market alue exceeding Rs 100,000]and bearing Flat No. 103, SYMPHONY-B, 4 Bungalows, Versova, Andheir (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB or the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6 8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s Lokhandwala Premises Private Limited (Transferor)
- 2. Mr. Bharat Suman Desai and Mrs. Ila B. Desai (Transferec)
- 3. -Do-(Person in occupation of the property)
- 4 M/s. Oshiwara Land Development Co. Pvt. Limited.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103, 1st floor, SYMPHONY-B, plot No. 344 of S. No. 41 (Pt.), 4 bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 8991/84-85, on 6-8-1984.

Dated: 1st April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश ंसं. अई- 2/37-ईई/ 10404/84-85:-लक्षम्ण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. कमरानं. 51, जो. 1नी मजिन रोणन लाल अग्रवाल मार्पिंग आर्केड, प्लाट नं 65, 66, एस. नं. ⁸ 41 (अंग), आफ जे. पी रोड, लोखट-वाला काम्पलेक्स के पास, वर्सीवा, अंग्रेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूचा मे और पूर्ण ⊭प से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 28/8/1984 को सम्पत्ति के उचिन बाजार मुल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्नि का बाजार मृल्य उसके दुष्यमान प्रतिफल से ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत मे अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्य में कमी करने या उससे बचने में सबिधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-धन

4.

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजनार्थ उनक्तिनी वरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा की लिए

इन उह उदन दिश्विषम की धारा 260य को अर्थरण मो, मों उदन अरिविषय की धारा 200य की उप धारा (1) को अधीन. निमालिस्टि व्यक्तियों अथित —

- 1. मैसर्स आर. एन. ए. विन्डां। (अन्तरक)
- श्री नर्रांसगदास एन. अदनानी (एच. यु. एफ.)
 (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पित्त है)

(वह व्यक्ति जिसके जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह मम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्तं ने व्यक्तियों पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस स्वता के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर गमानि मो हितकह किमी अन्य क्यक्ति हारा अधोहम्ताक्षरी के पाम लिकित मो किए जा मकेगा।

स्पष्टीकरण: --इस्मे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अध्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"कमरा नं. 51, जो, 1 ली मंजिल, रोशन नाल अग्रवाल गांपिंग ग्रार्केड, प्लाट नं. 49,50,65,66, एस. नं. 41 (अंग), आफ जे. पी. रोड, लोखंडवाला कांम्प्लेक्प के पाम वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई.-2/375ई/ 10404/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 1/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दी जिये।

Ref. No. AR-II 37EE 10404 84-85.—Whereas, I, LAX MAN DAS, being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 109,000 and bearing Room. No.51, 1st floor Roshanlal Versova, Agarwal Shopping Arcade, Bombay-58 (W)Andheri and fully described in the Coholide annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered inder section 269AB o the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. R. N. A. Builders (Transferor)
- 2. Mr. Narsingdas Nadnani (HUF) (Transferee)
- 3. -Do-(Person in occupation of the property)
- 4. -Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fxplanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Room No. 51, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Plot No. 49, 50, 65, 66, S. No. 41 (pt.) Off J. P. Road, Near Lokhamawala Complex, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37FE/10404/84-85, dt. 28-8-1984.

Dated: 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/10359/84-85:- अर्त. मुझे लक्ष्मण दास अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चान ''उक्त अधिनियम'' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सुरुष 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी गं. फलैंट न. 71, जो, 7वी मजिल, ओम निकेतन, ओम मार्ग, 314, पाली राम रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क. ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है. तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल वे लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पन्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिपाल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अनरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की हाबत, आयकर अधि-निष्णम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें दत्तने में मुहिष्टा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किमी अप या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आरकर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा 166 GI/85—4

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए शा, छिपाने में मुक्किया के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नालिस्ति व्यक्तियों अधीत, .—

- 1 ओम विरुद्धेस प्राइवेट लि.। (अन्तरिक)
- 2 श्री. भरत मोनाजी पंडया। (अन्तरिती)
- (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) :

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पित्त में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम्भ करता हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि, या तत्सबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्वांकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस के 45 दिन के भीतर उक्षत स्थापर सम्प्रत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उम अध्याय म दिया गया है।

अगसची

"फलैंट नं, 71, जो, 7वीं मंजिल, ओम निकेतन, ओम मार्ग, 314 पाली राम रोड, अधेरी (प), बम्बई— 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37 ईई/10359/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्त्रई द्वारा दिनांक 25/8/1984को रिजम्टर्ड किया गया है

नागेख : 1/4/1985

मोहर

(जो लाग न हो उसे **काट** दो**जि**ये)

Ref. No. AR-II/37EE/10359/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000and bearing Flat No. 71, 7th floor, OM NJKEJAN, 31, Om Pali Ram Road, Andheri (W) Bombay-58 and fally discribed in the Schedule anaexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- 1. Om Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Shri Bharat Momaji Pandya (Transferce)
- 3. -Do-(Person in occupation of the property)
- 4. -Do(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 71, 7th floor, Om NIKETAN, Om Marg, 31 Om Pali Ram Road, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37FF/10359/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated: 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. अई-2/37- ईई/10355/84-85 - अन: मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया हैं की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 100000/- रु० में अधिक हैं और जिसकी सं. दुकान नं. 5. जो, ग्राउंड फलोर, ''पिक अपार्टमेंटस, (7 बंगलोज, गार्डन के पास, वर्सोवा, वम्बई-61 में स्थित है) और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका कारारनाम आयकर अधिनियम की धारा 269 क. ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अनरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया हैः ⊸

- (क) अन्तरण में हुई किसी आद की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक कें दारियत्व में कमी करने या उससे इंचने में स्विधा के लिए और/गा
- (स) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्थियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में स्टिधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उर धारा (1) के अधीन, निम्मिलिस्ति व्यक्तियों अर्थात् —

- 1. मैसर्स वर्धन इस्टेटस प्राइबेट लि. (अन्तरक)
- 2. श्री भदैया पोंकरा बगेरा मनोहर। (अन्तरिती)
- (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पिति है)

 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेग .—

- (क) इस मूचना को राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि, या तत्सवंथी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के एास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण - इसमे प्रयुक्त अब्दों और पदों का जो आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

"दुकान नं. 5, जो, ग्राउंड फ्लीर, "पिक अपार्टमेंटस", 7 बलोज, गार्डन के पान, वर्लीवा बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10355/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 1/4/1985

मोहर:

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37FE|10355|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Shop No. 5, Gr. floor, PINK APART-MENTS, 7 Bunkalows, Versova, Bombay-61 (and more fully described in the Schedule as cond hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Vardhan Estates Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Sri Chhandaya Pokra Bangera Manohar (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 5 on Gr. floor in 'PINK APPAR' I'MENTS' Bungalow, near Garden, Versova, Andheri, ambay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE/10355/84-85, dt. 25-8-1984.

Dated: 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. अर्ड-2/37ईई/ 8884/84-85 अतः मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) जिसे उसमे इसके पण्चान "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा घ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मन्य 100.000/- मा सं अधिक है और जिसकी पनेट संवन्व 202 जो, 2 री मजिल, कामगेट-ए इमारन, प्लाट नंग 334, एस्. न 41(अंग), 4वंगलोज, दर्सीवा, अंधेरे (प),बस्वई- 58 करारनामा आयकर अधिनियम 1961की धारा 269कल के अर्वान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्बई में रिकस्ट्री है। तारीख 3-8-1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य म कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दुग्यमान प्रतिफल से, ऐस दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक/ अंतरकों और अतरिनो/ अनरितोयों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उवत अंतरण निष्वित में वास्तिवक रूप से ऋथित ही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की शब्त, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्य में कसी करने या उससे बचने से सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किया जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर धीर्थायम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पविधा के लिए

अत अब उका अधिनियम की धारा 269र के अस्मरण में, मैं उदन अधिनियम की धारा 269र की उप धारा (1) के अधीन, निमालिखन ट्यांकनयों अधीन '---

- श्री/श्रीभनी/कुमारी -- मैसमे लीखदबाला श्रिमायसेस प्राइवेट लि । - (अन्तरका)
- श्री/श्रीमती/कुम(री श्री जोसफ़ड़ी, मेडेस और श्रीमती राझ जे, मैंडेस। - (अलारिकी)
- श्री/श्रीमती/कुमारी .- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पृतित है)
- अी/श्रीमती/कुमारी मैंसर्स श्रीमिवरा लिण्ड डिब्ल्यमेट कंपनी (प्राइवेट) लि.। (वह ब्यक्ति जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह गृज्ना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृक्ष करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना को राजपन्न मो प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि, या नत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त होती हो. को भीतर पर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस स्वता कं राजणत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर समात्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लाग . लिखन म किए जा सकेसे।

यार्ज्याकरण: इसम प्रयुक्त अन्दों और पर्वों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

उन्मंची

पर्लंट न 202 जी 3 जी मजिल कारागेट ग्राहमारत प्लाट न 334 एस न चे 41 (अंग्रा) 4 बंगलीज वर्सींबा अंधेरी (प) त्रस्वर्ट-58 में स्थित है।

अनुमुक्ती जैसा कि के. सं अई-2/ईई/8884/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 3/8/1984 की रिजर्स्ट किया गया है।

नागीखा. 1/4/1985

माहर

*जो लागू न हो उसे माट दिजिये।

Ref. No. AR-II/37EE/8884/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 or 1961), (hereinafter reterred to as the Said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a tair market value exceeding Rs. 100,000-and bearing Flat No. 202, 2nd floor, Crossgates-A, Versova, Andheri, Bombay-58 (and fully described in the Schedule analyed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-flux Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- M/s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Mr. Joseph Diogo Mendes & Mrs. Rose J. Mendes (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. M/s. Oshiwara Land Development Corporation (P) Ltd.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) he any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd floor, Crossgates-A, Plot No. 334 of S. No. 41 (pt.), Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE/8884/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated: 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देण मं. अई-2/37ईई/8883/84-85.--अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम"कहा गया है। को धारा व के अबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने कः कःरण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- π . से आंधक है और जिसकी नं. 303, जो अरो मंजिल प्रार्डम रोझ इमारत प्लाट नं. 318 एस. नं. 41(अंग) 4 बंगलोज वर्सीवा अंधेरो (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उप:बढ़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करारनामा आगकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्टी है नारीख 3/8/1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्यम कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दुश्यभान प्रतिकल से, तेसे दश्यमान प्रतिकल को पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/ अतरकों और अंतरिनो/अंतरियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) जन्नरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधि-निष्मा, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वारित्व में कमी करने या उमसे बचने में मुद्रिशा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या कियी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिका की लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्मर्ण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269र की उद धारा (1) के अधीन, विमालिस्ति व्यक्तियों अर्थात् —

 श्री/श्रीमती/कुमारी :- मैयर्म लखंडवाला प्रिमायंसस प्राइवेट लि. -(अन्तरक)

- 2. श्रो/श्रोमती/कुमारोः श्री कैलाण चंद्र बोहरा (अन्तरितो)
- 3. श्री/श्रीभतो/कृमार। ——

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

 अो/श्रीमती/कुमारी - भैमर्स ओणित्ररा लैण्ड र्ड बलपमेट कपनी (प्राइवेट) लि. (बह ब्यक्ति, गिमके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह स्वया जारी करके पर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हा। उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षर —

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की नामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस ग्रेश क राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति मो हितबद्ध कियाँ अस्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहम्माक्षरी के पास लिखित मा किए जा सक्तम ।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मादिया गया है।

अन्यची

'फ़र्लीट नं. 303 जो 3री मंजिल, प्राईम रोझ इमारत प्लाट नं. 318, एस. नं. 41(अंग), 4 बंगलीज वर्षावा अयेगी (प), बम्बई--58 में स्थित है।

अनुमूचे। जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/8883/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाक 3-8-1984 को रज़ोस्टई किया गया है।

नारीय . 1-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट ई।जिये)

Ref. No. AR-II/37EE/8883/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000-and bearing Flat No. 303, 3rd floor, PRIME ROSE, Andheri, Bombay 58 Versova, (and fully described in the Schedule ansexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bembay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have eason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- M/s. Lokhandwala Premises
 Private Ltd. (1ran/feror)
- 2. Mr. Kailash Chandra Bohra (Transferce)
- 3. Do. (Person in occupation of the property)
- M/s. Oshiwara Land Development Corporation (P) Ltd.
 (Person whom the undersigned knows to be

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazett.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd floor, PRIME ROSE, Plot No. 318 of S. No. 41 (pt.) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE/8883/84-85, dt. 3-8-1984.

Dated: 1-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. अई-2/37ईई/8815/84-85:- अन. मझ लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) र्जिमे. इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- म. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैंट नं. 104, जो पहली मंजिल सिम्होनी ए इमारत, प्लाट नं. 344, एस नं. 41 (अंग), 4 वंगलोज, वर्सीवा, अधेरा (प), बम्बरी-58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पर्णरूप से वर्णित है), और असका करारनामा आयकर अधि– नियम 1961की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीरही है तारीख 2/8/1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य स कम से सक के दुण्यमान प्रतिक्षल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक/ अंतरकों और अंतरिती/ अंतरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अलिग्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए

अन: अद उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्यरण में, मैं उबन अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्मतिक्ति व्यक्तियों अधीन,

- श्रो/श्रीमता/कुमारोः मैसर्म लोखंडवाला
 प्रिमायसेस प्राइवेट लि. (अन्तरक)
- 2. श्रा/श्रोमती/कुमारी :- श्री राज् दिवाकर नायर (अन्तरिती)
- 3. श्री श्रीमती कुमारी:-- --- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- श्रो(श्रोमती/कुमारी: मैसर्स ओणिवरा लैंग्ड दैवलोपभैट सपती (प्राइतेष्ट) लि । (वह त्यक्ति, जिसके बा-रे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचरा जारी करके पर्वोक्ति सम्पत्ति की अर्जात के लिए कार्यवाहियां गृग करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जान के सबध मों कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीच से 45 दिन की अवधि, या तत्सबधी व्यक्तिया पर सुचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी

अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस मूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिनबंब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टिकरण: — इसमा प्रयुक्त इन्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

"फ्लैंट सं. 10 !, पहली मिंजिल, सिम्फोनी-ए इमारत, प्लाट नं. 344, एस. नं. 41 (अंग), 4 वंगलोज, वसीवा, अंग्रेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम. सं. अई-2/37ईई/8815/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिसांक 2-8-1984 को रिजस्टर्ट किया गया है।

नारोख : 1-4-1985

मोहर :

(जो लागुन हो उसे कट देविये)

Ref. No. AR-II/37EE/8815/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing flat No. 104, 1st floor, SYMPHONY A, Plot No 344 of S. No. 41 (Pt.) Versova, (W) Bombay-58 (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Lokhandwala Premises Pvt.
 Ltd. (Transferor)
- 2. Mr. Raju Diwakar Nair (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- 4. M/s. Oshiwara Land Development Corporation (P) Ltd.

 (Per on whom the understand know to be

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, SYMPHONY A, Plot No. 344 of S. No. 41 (pt) Four Bungalows, Versova Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8815/84-85, dt. 2-8-1984,

Dated: 1-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देण सं. आई-2/37 ईई /8816/84-85:— अत: मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43 (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसकी उचिन वाजार मृल्य 100,000 क. से अधिक है और जिसकी स. पलेट न. 302 जो 3री मंजिल प्राईम रोज इमारत प्लाट न. 318 एस. एन. 41(अंण) 4 बंगलीज वर्सोवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावड अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख

के अर्थ न सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वर्ध में रजीस्ट्री है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशित में अधिक है और अतरक / अतरको और अंतरिता/अंतरोनियों के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिक स्प से कथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आए की बाब्ब, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के एपीयन्य में कमी करने या उसरों इचने में सिव्धा के लिए और ⁷सा
- (क) ऐसे किसी अगर या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिस्हें भारतीय आर्वार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आरक्तर अधिनियम, 1961 / 961 द्या 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विद्या जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए

अत अब उक्कत अधिनियम की भारा 269र के अनुगरण में, में उक्क अभिनियम की धारा 269र की उप धारा (1) के अधीन, निम्निकिक्त व्यक्तियों अर्थान् —

- श्री/श्रीमती/कुमारी- मैसर्स लोखदवाला (अन्तरक)
 प्रिमायसेस प्रायवेट लि ।
- 2. श्री/श्रीमती/कमारी -श्रीहजीतसिंह आनद (अन्तरिती) आर. श्री. हर्राबदर सिंह आनद
- 3. श्री / श्रीमती/ कुमारी:-- --- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है।)
- श्री/श्रीमती/कुमारी मैसर्म ओजिवरालेन्ड डेवलोपमेंट कपनी (प्रायदेट) लि.

(वह व्यक्ती जिसके बारे में अओहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबद्ध है।)

को यह मुचना जारी करके पृथो कित स्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां इन्ह करता हा। उत्तत स्म्यत्ति को अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 । दिन की अवधि, या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कन व्यक्ति हो। में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (र) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक ये 45 दिन के भीतर उटन स्थावर सम्पत्ति में हिनसद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहरताक्षरी के पास लिखित से किए जा स्केगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ं अध्याय 20क की परिभाषित हो, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

ਭਾਰਸ ਦੀ

"फलेट ने 302 जो 3री मंजिल प्राईम राझ इमारत प्लाट ने 318 एस न 41 (अण) 4 बगलोज वर्मीवा ग्रधेरी (प) बम्बई-58 मंस्थित है।

अनमूची में जैसा की क्र. स. अई 2 / 37ईई / 8816 / 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 2-8-1984 को रजीस्टई किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर

(जी लागु न हा उसे काट दिजिये)

Ref No AR-II|37ΓΕ|8816|84-95 —Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000 and bearing Flat No 302 31d floor. Prime Rose, Andheri. Bombay-58 (and tully described in the Schedul, annexed hereto) his been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the oforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- 1 M/s Lokhandwala Piemises Pvt 1 td (Transferor)
- 2 Mr Harjeet Singh Anand & Mr Harvinder Singh Anand (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
 166 GI/85—5

4 M/s Oshiwara Land Dev Corp. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Fyplanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No 302, 3rd floor, Prime Rose, Plot No. 318 of S No 41(pt) 4 Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No AR-II|37EE|8816|84-85, Dt 2-8-1984

Dated 1-4-1985

Scal

(Strike off where not applicable)

निर्देश स अई /2 / 37-ई ई / 10284 / 84 - 85 ---अन मझे लक्ष्मन दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269व के अधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 100,000 म से अधिक है और जिसकी म गाला न 1 एन जो लक्ष्मी इडस्टियल इस्टेट विरा देसाई रोड अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधन सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय रजीस्ट्री है तारीख 25-8-84 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से अस के दण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पन्ति वा बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक [मो] प्राप्त अन्तरियों [यो] में बीच ऐसे अन्याप्य के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अतरण लिखित में वास्तिबिक रूप से कथित नहीं किया गया है -

(क) उन्तरण में हुई किसी आय की रावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के जायिस्स में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और आ (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिक्धा की लिए

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269म की उद धारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों अर्थान्:---

- मैंसर्स इंडिया इलेक्ट्रक पोल्स मैन्यूफेक्चरीग (अन्तरक) कंपनी ।
- 2. श्रीमती अमीनाबेन फक्ददीन सैफी। (अन्तरिती)
- 3. अन्तरकों

4. -

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बह्र व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वो कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्म करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

"गाला नं. 1 - एन जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेंट वीरा देसाई रोड अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैमा की क. सं. अई -2/37 ईई /10284/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी जम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रिजस्टिंग कि था गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर

(जो लागून हो उसे काट दिजिये।

Ref. No. AR-II|37EE|10284|34-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 100000] and bearing Gala No. 1-N, Laxmi Indl. Estate, Vecra Desai Road, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax 'under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Mls. India Electric Poles Mfg. Co. (Transferor)
- 2. Smt. Aminaben Fakruddin Saifce (Transferee)
- 3. Transferor (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 36 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Gala No. 1-N, Laxmi Indl. Estate, Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IJ|37EE|10284|84-85, dt. 25-8-1984

Dated: 1-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37 ईई / 10276 / 84 -85:-अत: मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000 रु. मे अधिक है और जिसकी स. फलेट नं, 603 जो 6वें मंजिल "मिन मिनार" बीरा देसाई रोड निर्माणाधीन इमारत अधेरी (प) धम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 25 - 8 - 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के द्रष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में गृदिधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अत्यान अभिनियम, 1961 1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्षा के लिए

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निकिक्त व्यक्तियों अर्थात् —

- 1. मैसर्भ मन् बिल्डसं (अन्तरक)
- 2. श्रीमती शशिकला सी कोतवाल। (अन्तरिती)
- (बह व्यक्ति जिसके अधिक भोग में सम्पत्ति है)
- 4. (बह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है ि वह सम्√ित से हनस्द्र हे)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन की लिए कार्यवाहियां शुरू करना हां। उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनम ची

"फलेट नं. 603 जो 6वी मंजिल "मिनु मिनार" वीरा देसाई रोड निर्माणाधान हमारत अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ. सं. आई -2/37 ई ई /10276/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1/4/1985 मोहरः

(जो लाग न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10276|84-85.—Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter reterred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 603, 6th floor, Minoo Minar, Veera Desai Road, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, threfore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:

- 1. Mls. Minoo Builders (Transferor)
- 2. Mrs. Shashikala C Kotwal (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 603, 6th floor, MINOO MINAR, Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10276|84-85, dt. 25-8-1984

Dated: 1-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई— 2 / 37— ईई / 10407 / 84—85 :— अत: मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) को धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. (दुकान नं. 28 ए, जो, ग्राउड फलोअर, रोशनलाल अगरवाल शार्षिंग आकर्ड, प्लाट नं. 49, 50, 65, 66 एस. नं. 41 (अंश), आफ जें. पी. रोड लाखं-

डवाला के पास, में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधेन सक्ष प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 28 - 8 - 1984 वसंखा, अंधेरी (प), वम्बई - 58 को पूर्वोक्त सम्पितः के उचित वाजार मुल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिक की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पित का वाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह् प्रतिशत से अधिक है और अतरक (कों) ओर अतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अतरण विखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दारित्य में कमी करने या उससे तकने में मुद्दिश के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय टा किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) टा अल्लार अधिनियम, 1501 अ61 का 43) या धन-कल अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उका अधिनाम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनिया की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्मितिस्ति व्यक्तियों अभीतः —

- 1 मैसर्म आर. एत. ए. बिल्डमं (अन्तरक)
- 2. श्री लकमीचद एम : भागंवा (अन्तरिती)
- वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है
 - (वह व्यक्ति जिसके बारे में (अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा दन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू इ.र.गहू । उदन सम्पत्ति व्ध अर्जग के संबंध मो कोई भी आक्षेत्र:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सम्मा की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृव्यक्ति व्यक्ति गों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क्) इस ्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किभी अन्य व्यवित द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास लिक्टिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का जा आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

4.

अनमची

"दुकान न. 280, जो, ग्राउड फलोअर, रोगनलाल अगरवाल गापिग आकर्ड, प्लाट न. 49, 50, 56, 66, एम न. 41(अग), आफ जे पी राड, लोखडवाला के पाम, वमाँवा, अधेरी (प). वम्बई-58 में स्थित है रिअनुमूची जैया कि क म आई-2/37ईई/10407/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1981 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37|EE|10407|84-85.--Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 -No. 28Λ , bearing Shop Ground Shopping floor, Roshanlal Aggarwal Arcade, Lokhandwala, Off Ρ. Road, Near Versova, Andheii (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule anaeved hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stared in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s, R.N.A. Builders. (Transferor)
- 2. Mr. Lakmichand N. Bhargava (Transferce)
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 28A, Ground floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Plot No. 49, 50, 65, 66, S. No. 41 (pt), Off J. P. Road, Near Lokhandwala, Versova, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10407|84-85 on28-8-1984.

Dated: 1st April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अर्ह / 2/37 - ईर्ड / 10405 / 81/85 --- अन मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार, मृत्य 100,000 रू से अधिक है और जिसकी स० (कमरा नं 49, जो, 1 ली मंजिल, रोणनताल अभरवाल णापिंग आर्केड प्लाट न. 49, 50, 65, 66, एस. न. 41 (अग), आफ जे पी रोड, लोखडवाला काम्पलेक्स के पास, वर्सोवा, में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनाम आयकर अधिनिययम की धारा 269 कख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख़ 28-8-1984 अंधेरी (प), बम्बई-58, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दाप्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और भुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोवन सम्पन्ति का बाजार मृल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (को) और अतरिती (यो) के बीच ऐसे अनस्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शाक्त, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी टरने या उसने बचने में मुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अगर या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत: अद उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269र की उप धारा (1) के अधीन, निम्निकित व्यक्तियों अधीत :--

1. मैंसर्स आर. एन. ए. बिल्डमं (अन्तरक)

2. श्री विण्नी एन. अदनानी (अन्तरिती)

3 — (बह न्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वा कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद सा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस मृच्या के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के शस लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त ग्रन्थों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्य स्वी

"कमरा त. 49, जो, 1ली मंजिल, रोशनलाल अगरबाल शापिकुआकेंड ब्राट तं. 49, 50, 65, 66 एस. तं. 41 (अंश), आफ जे. पी., रोड, लोखंडबाला काम्प्लेक्स के पास. बार्सीवा, अंधेरी (प०), बम्बई -58 में स्थित है। अनुसूची जैंसा की कम . सं.आई-22/37 ईई 10406 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वास दिनाक 28 - 8-198 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10405|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, baying a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Room No. 49, 1st floor, Roshanlal Arcade, Aggarwal Shopping Versova, Bombay-58 Andheri (W) (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-ta; Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than hitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. R.N.A. Builders (Transferor)
- 2. Mr. Vishni N. Adnani (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

3.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned, -

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as give nin that Chapter.

SCHEDULE

Room No. 49, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Plot No. 49, 50, 65, 66, S. No. 41, pt.) Off J.P. Road, Near Lokhandwala Complex, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10405|84-85, dt. 28-8-1984,

Dated: 1-4-1985

Scal:

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37 ईई 10108 / 84-85~ अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसमें पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की घारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. (फलैंट न. 2 जो विग-बी 4थी मंजिल श्री पदमावती डे॰हलोपर्स, प्लाट 54, एस. नं. 41 (अंग्र). ओिषावरा, अंधेरी (प०), बम्बई में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). ᢏ और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वीक्न सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम क दुष्थमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे वह विभ्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजर मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरितो(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की दालत, आयकर आधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मुदिधा के लिए और/या (स) ऐसे किसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर क्षिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, में उक्त अभिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निक्ति व्यक्तियों अर्थान् —

मैंसर्स श्री पद्मवती डेवहलोपसं (अंतरक)

2 श्री राजक्मार योगराज आनद (अंतरिनी)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह म्चना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के रिए कार्यवाहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तिमयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की नारीस के 45 दिन के भीगर उक्त स्थादर सम्मत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिस्ति मो किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मं दिदा गया है।

अनमची

"फलैंट नं. 2 जो विग बी, 4थी मजिल श्री पट्मावती डेव्हलोपर्स, प्लाट नं. 54, एस. नं. 41 (अंश), ओशिवरा, अधेरी (प०), बम्बई बेस्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. आई /2/37 ईई /10108-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोंक 18-8-1984 को रिजस्टिङ किया गया है।

तारीख 20-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दिजिहे)

Bombay, the 2nd April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10108|84-85 - Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000[and bearing Flat No. 2, Wing B, 4th Floor, Shree Padmavati Developers Plot No. 54, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

1. Mls. Shree Padmavati Developers,

(Transferor)

2 Mr. Rajkumar Yograj Anand (Transferce)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expire, later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

Fxplanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Wing 'B', 4th Floor, Shree Padmavati Devedlopers, Plot No. 54 S. No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No AR-II/37EF/10108/84-85 dated 18-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

Seal:

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश म अई-2/37-ईई/10193/84-85---अत मझे, लक्ष्मण दास, अत्यवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चान "उक्त अधिनियम कहा गया है) की ध। रा 269 घके अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाहरार मुल्य 1,00,000 দ০ में अधिक है और ি মক) स प्रिमायमें मं । टो-3 111 और 112, जो, 11वी मजिल, सजीब टॉवर्र बेहराम बाग, अधेर –क्षमंखा, व्हिलेन ग्रीजिबरा. सर्वे न० 41 (अग), बम्बई में स्थित है (और इससे उनाबद्ध अनसूचों में ऑर पूर्ण इटप से विणित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कुख के अधीन सक्षम प्राधिकारो के कार्यालय बम्बई में रजिस्टो है, तारीख । 8-8-84 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गयो है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अनरक (को) और अनरिनी (यों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उहीण्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की गावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे नचने में महिला के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आग्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चरिह्रए था, छिपाने में गविधा के लिए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उप धारा (1) के अधीन, निमालिस्ति व्यक्तियों अधीन ---

1 मंजीय बिल्डमं प्राइवेट लि

(अक्तरक)

2 शांनीता गोएका

(अन्तरिती)

3

4.

(वह व्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वो कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस मूचना के राज्यश्र में प्रकारन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

'प्रिमायसेस नं. टी 62 111और 112 जो 11 वीं मंजिल, नंजीय टावर्म, बेहराम बाग, अंधेरी, वर्सोया, ओणिवरा व्हिलेज सर्वे नं. 41 (अंग) निर्माणाधीन इमारत बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क्र. मं. अई-2/37-ईई/10 19 3/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिमांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2-4-1985

मोहर:

*(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10193|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Area TII-111 and 112 Sanjeev Towers, Bahram Baug, Andheri (West), Versova, Oshiwara Village, Surve, No. 41 (Part), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Sanjeev Builders Private Limited
 (Transferor)
- 2. Shanita Gocaka (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazett for a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Area TII-111 and 112, Sanjeev Towers, Behram Baug Andheri (West), Oshiwara Village, Versov Survey No. 41 (Part), Bombay-58.

The agreement has been registered Competent Authority, Bombay under AR-II|37EE|10193|84-85 dated 18-8-19

Dated: 2nd April, 1985

Seal:

*(Strike off where not applicable.)

166 GI/85-6

निर्देश स. अई-2/37ईई/10171/84-85.--अन: मुझे, लक्ष्मण दाम, अ(यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजारमृल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लेट नं० 704, जो, ''बी' विग, 7वा मंजील, बेन्झेर इमारत, प्लॉट नं० 9 और 9-ए, एस नं० 41 (अंग), आंशिवरा, वर्सीवा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थिन है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 को घारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 18/8/1984 की पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अनरक/अनरकों और अंतरिनी/अनरितीयो के बीच ऐसे अंतरश के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अत उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अग्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्निलिसित व्यक्तियों अर्थात :--

श्री/श्रीमति/कुमारी:—-मैसर्स रवीराज कल्स्ट्रेक्शन्स (अन्तरक) श्री/श्रीमति/कुमारी:--श्रीमति सावित्री जी. खटटनहर। (अन्तरिती)

श्रो/श्रोमति/कुमारो :

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमति/कुमारी: ---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए ार्यवाहियां शास्त्र करना हं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी

अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के "सि लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मधी

"फ़लेट न. 704, जो "बी" विंग, 7वी मंजिल, बेन्सेर इमारन, प्लाट नं. 9 और 9-ए, एस. नं. 41 (अंग) ओिंशवरा, वर्सीना अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10171/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2-4-1985

मोहर:

*(जो लागून हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10171|84-85:--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. 704, 'B' Wing, 7th Floor, Benzer Building, Plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (Part) Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideraation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trasfer as agreed to between he parties has not been ruly stated in the said Insrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the diability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M/s. Raviraj Construction (Transferor)
- 2. Mrs. Savitri G. Khattanhar (Transferec)
- (Person in occupation of the property)

4. --

Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Versova, Andheri (West), Bombay-400058. Benzer Building, Plot No. 9 & 9A, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE. |10171 | 84-85 dated 18-8-1984...

Dated: 2nd April, 1985

*(Strike off where not applicable.)

निर्देण सं. अई-2/37ईई/10005/84-85:—अतः मुझे नक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिमे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है की धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिणारी को, यह विश्वास अरते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिक्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी मं. फ्लेट नं. 503, जी, 5वीं मंजिल, प्रार्थम रोझ इमारत, एसौंट नं. 318, एस. नं 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका इरारनामा आयक्षर अधिनियम, 1961 की धारा 269कच के अधीन सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हं तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य के कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास टारने हा कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति द्या उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत में अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं बिया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

श्री/श्रीमती/कुमारी :—–मैसर्स लोखडवाला प्रिमायर्सम प्राईवेट लि०

श्री/श्रीमती/कुमारी: -- -राझिया सुलतान शेरी (अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कृमारी:

(बहु व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(अन्तरः)

श्री/श्रीमती/कुमारी:---मैसर्स ओशिवरा लॅन्ड डेव्हलोपमेंट कंपनी (प्राईवेट) नि .

> (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एाम लिसिन में किए जा मकीये।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फलेट नं. 503, जो, 5वीं मंजिल, प्राईम रोझ इमारत, प्लॉट नं. 318, एम नं. 41 (अंश), ४ बंगलोज, वर्सीका, अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कं. सं. अई-2/37 ईई/1005/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनारू 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है:

तारीख 2-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE.|10005|4-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000-and bearing Flat No. 503, 5th Floor, Prime Rose, Plot 318, S1. No. 41 (Part), (Andheri (West). Bungalows Versova, Four described Bombay-400058 (and more fully hereto), Schedule annexed been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mls. Lokhandwala Premises Private Limited (Transferor)
- 2. Raiza Sultana Sheri (Transferee)

- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 503, 5th Floor, Prime Rose, Plot No. 318, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II| 37EE |10005|84-85 dated 14-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10251/84-85 :--अत: मुझे, लक्ष्मण दाल, आयरूर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिमे इसमें इसके परवात "उक्त अधिनियम," कहा गया है की धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिशारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्नि, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ह. से अधित है और जिसकी सं. दुझान नं. ६-बी, जो, ग्राउंड फ्लोअर, "ए" "पिक अपार्टमेटस", 7 बंगलोज, वर्सोबा, अंधेरी(प), बम्बई- 61 में स्थित है (ओर इससे उगाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिस*सा करार*नामा आयऋर अधिनियम 1961 की धारा 269 केख के अधीन सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 24-9-1984 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत स अधिक है और अंतरः/अंतरकों और अंत-रिती/अंतरिनियो के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से वृधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों अर्थात्:—

श्री/श्रीमती/कुमारी :→⊸मैंसर्स वर्धन इस्टेट प्रायवेट लि . । (अन्तरः)

श्रो/श्रीमती/कुमारी :---श्रीमती, साराबाई वालीमोहमद चुनावाला (अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी:---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी:---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध . किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्टित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त ग्रन्थों और पद्यों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्यी

"दुक्तान नं. 6-बी, जो, ग्राउंड फलोअर, "ए" "पि⊹ अपार्टमेट्म", 7 बंगलोस, अंधेरी (प), वर्सीवा, बम्बई-61 में स्थित हैं । अनुभूची जैसा कि कि. सं. अई-2/37 ईई/10251/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाः 24-8-1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

नारीख: 2-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दोजिए)

Ref. No. AR-II|37EE.|10251|84-85:--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 |and bearing Shop No. 6B, Ground Floor A' Pink Apartments, Seven Bungalows Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Vardhan Estate Pvt. Ltd. (Transferee)
- 2. Mrs. Sarabai Valimohd Choonawala (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 6B Ground Floor 'A' Pink Apartments, Seven Bunglows, Andheri (West), Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II] 37EE.|10251|84-85 dated 24-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37-ईई/10277/84-85.--अत. मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उन्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृहय 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ़लेटन. 602 जो 6वीं मंजिल "मिनू मिनार" वीरा देमाई रोड निर्माणाधीन इमारत अंधेरी (प) बम्बई 58. में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) और जिमका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय अम्बई में रजोस्ट्रो है तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पनद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अतिरती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उन्ह अतरण लिखित मे वास्तिधिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक वं दायित्य में कसी करने या उससे बचने मो साविधा के लिए और/या (स) ऐसे किमी आय या किमी भन या अन्य आम्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का निश्च) या बन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत:, अत, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुभरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीत, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. मैसर्स मिनू बिल्डर्स । (अन्तरक)
- 2. श्रीमती, मामिकला सी. कोतवाल। (अन्तरिती)
- 3 ---(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- ---(वह व्यक्ति जिसके वार मे अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (रु) इस मुचरा के राजपण में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के प्रास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयक्षत शब्दों और पति का ओ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

"फ़लेट न. 602 जो 6 वी मजिल "मिन् मिनार" घीरा देसाई रोड़ (निर्माणाधोन इमारत), बम्बई अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि क. सं. अई-2/37/ईई/10277/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2-4-1985.

मोहर:

(जो लागुन हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II[37EE]10277[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000-and bearing Flat No. 602, 6th floor, MINOO MINAR, Veera Desai Road, Andheri MINAR, Veera (West), Bomabay-58. and more fully described the Schedule annexed hereto), been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and Thave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Minoo Builders (Transferor)
- 2. Mrs. Shashikala C. Kotwal (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 602, 6th floor, MINOO MINER, Veera Desai Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II] 37EE[10277]84-85 on 25-8-1984.

Date: 2-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश मं. आई-2/37/ईई/10281/84-85.--अत:, मुझे, लक्ष्माणदास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269 घके अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- र. से अधिक है और जिसकी सं. फ़र्लंट नं. 501 जो , 5 वी मंजिल. "बी" बिग. बो-इमारत अरिपेक अपार्टमेंट, इ. एस. आर. सी. नगर के पीछे 4 बंगलीज वर्सीवा बम्बई. में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क्या के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीरटी तारीख 25/8/1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रस्ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की नाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथमें अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए:

अतः, असः, उक्त अधिनियमं की धारा 269ग के अनुमरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधील, निमालिखित व्यक्तियों अर्थातः :—

- 1. मैसर्स ओमप्रकाण एण्ड कंपनी। (अन्तरक)
- 2. श्री किरण रामसे। (अन्तरिसी)
- अन्तरको ।
 (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. डा. बोमसी वाडिया।

(वह र्ष्यांक शिमके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, को वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूच करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गृचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के एास लिखन में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन सची

"फ़लैट नं 501 जो, 5 वीं मंजिल, "बी" विंग "बी" इमारत अभिषेक अपार्टमेंट, इ. एम. आय. सी. नगर के पिछे, 4 बंगलोज, वर्मीबा, अंधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क. मं. अई-2/37 ईई/10281/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हार् दिनांक 25/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2-4-1985

मोहर:

(जो लागु न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]10281[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing Flat No. 501, 5th floor, B Wing, B Building, Abhishekh Apartment, Behind ESIC Nagar, Versova, Bombay (and more Four Bungalows, fully described in the Schedul annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

-ري ساي -- -ان ---<u>-</u> --<u>-----</u> --ي

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M|s. Omprakash & Co. (Transferor)
- 2. Mr. Kiran Ramsay (Transferce)
- 3. M/s. Omprakash & Co. (Person in occupation of the property)
- Mr. Bomsi Wadia (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Fiat No. 501, 5th floor, B Wing, B Building, Abhishck Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bungalows, Versova Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II] 37EE|10281|84-85, dated 25-8-1984.

Date: 2-4-1985

SEAL

'Strike off where not applicable.

लक्ष्मण दास, श्रायतन अधिनियम, 1961 (1961 हा 13) (जिसे इसमें इसकें पश्वान, "उक्त अधिनियम" हहा गया है) को धारा ३६९ गर्ने अधान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश-वास करने हा बारण है ि स्थापर सम्पत्ति, जिसा उचित बाजार मृत्य 100000/-रु भे श्रधिय है और जियकी सं फ्लैंट नं 102, जो, 1 ली मंजिल, "बी" विग, निर्मा-नाधिन इमारन, अभिषेत आपर्टमेंट, इ. एस. आय सी. नगर के पोछे, 4 बंगलं।ज, वर्मोवा, वस्बई. में स्थित है (और इन : उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसा करारतामा आयकर प्रधितियम की धारा 269 कख के श्रधीन, सक्षम प्राधि गरी के गर्यालय, बम्बई में रजी-स्ट्री है, तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिय अन्तरित की गई है और मझे यह विख्वास तरने का ट्रारण है जि यथापूर्वीका सम्पत्ति हा बाजार मृत्य, उपके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिणत सं प्रधित है और अंपरा(को) और अंपरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्-देश में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविए रूप से कथित नहीं दिया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि-नियम, 1981 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे इचने में महिष्ण के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियां की जिन्हें भारतीय आयकर किशीनयम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए

अत: अब उका अधिनियम की धारा 209ए के अनुसरण में, में उका अधिनियम की धारा 269ध की उप धारा (1) के अधीन. निम्नोलिखित व्यक्तियों अधीत् .—

- 1. मैसर्स ओमप्र एण एण्ड कंपनी। (श्रन्तरक्)
- 2 श्रीमती. भाटीया श्राणा राम । (अन्तरिती)
- 3 अन्तरको।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. डा. बीमाई याडिया।

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहरूनाक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंगां श्रम् करवा हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध से कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर 166 GI/85—7

मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पृवाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचरा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

"फर्लैट नं., 102, जो, 1 ली मंजिल, "बी" विंग, निर्माणाधित इमारत, अभिषेक अपार्टगेंट, इ एस. आय सी नगर के पीछे, 4 बंगलों, वसींदा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रमं. अई-2/37-ईई-10178/84-85 और जोसक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 18/8/1984को रिजस्टई हिया गया है।

नारीख 2/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10178|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000-and bearing Flat No. 102, 1st Floor, 'B' Wing, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Versova, Bombay-58 Bunglows. (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mls. Omprakash & Co. (Transferor)
- 2. Mrs. Bhatia Asha Ram (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, 1st Floor, 'B' Wing, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bunglows, Versova, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II' 37EF 10178 84-85 dated 18-8-1984.

Date: 2-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable.

यिर्देश मं आई-2/37ईई/10094/84-85.—अत: मुझे लक्ष्मणदाय, आयहर अधिनियम, 1961 (1961 टा. 43) /जिर इसमें इपके पण्चान् "उक्त अधिनियम" इहा गया (है की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधितारी को यह विण्वास राने ा नारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसला उचित वाजार मृत्य 100,000 रु० में अधिए है और जिसकी मंं. पलैट न 102, जो, 10 वी मंजिल, मंजू टावर, रोणनन्ताल अगरवाल काम्प्लेवस, मर्जे नं. 41(अंश), आंशविरा, अंधरी

(प) बम्बई- 58 म स्थित है । विर इस्से उराबह अनुसूचा में आर पूर्ण नव ने विणित है), और जिल्ला जान रनामा जाय र अधिनियम की धारा 369 ए ख के अधान, सबस प्राधितारों के नार्यालय, बम्बई से रिजिन्हों है, नारीख 18-8-1984 को पूर्वीकन सम्पत्ति के उतित बाजार मूल्यों ने इसे के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है आर मुझे बढ़ विज्ञा । एते हा गारण ह ि प्रथानुवींकर समाति । बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिज्ञा ने अधि । और अपन । को) आर अपनिति (यो) के बोच ऐसे अंगरण के लिए । पाता गारा प्रतिफल किम्बलिखिन उद्देश्य ने उका आरण विचित्त वान्यविष्ट स्थान नहीं िया गया ह --

n and see the are the gas and the second and the se

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शहत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में त्रपी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए और/मा
- (ख) ऐसे किसी अन या किसा धन या वन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयह र विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अगयकर अधिनयम, 1961 (1961 जा 33) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिषाने में स्विधा के लिए

अत. अब उचा अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अभिनियम की धारा 269ग दी उप धारा (1) के अधीन, निमानिक्ति व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैपर्भ आर. एन ए. बिल्डर्स

(अन्तर्ः)

2 श्री मोराब पी वेसूना और श्रीमती (अन्तरिनी) हिल्ला पो वेसूना

(वह व्यक्ति, जि के अधिसोग से सम्पति है)

(वह व्यक्ति. जिनके बार में अबोहरकाक्षरी जानता है, कि यह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिगां क्रूक करना हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अवित्त या तत्संबधी व्यक्तियों पर सचना की नामील से 30 दिन नी अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों मा से किमी व्यक्ति हारा।
- (क) इस स्वतः को राजगत्र मो प्रकाशन की तारीका के 45 दित को भीतर उद्भाग्धातर समास्ति मो हिन्द छ किसी अन्य व्यक्ति छ।रा अधीहस्ताक्षरी को अस्म निक्ति मो किए जा सकीरों।

म्पष्टिकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो का जो आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

उनम्बी

''फरैंट न 102, जो 10वी मजिल, मंज् टावर, रोणनलाल अगरवाल पाम्पलका, सर्वे नं 11 (अण), आणिवरा, अबेरी (प), बम्बई-58में स्थित है।

अनुसूची जैमा ित्रम स. अई-3/37 ई ई/10094/84-85 आर जो भक्षम प्राधि अरो, बम्बई द्वारा दिनाक 18/8/1984 को रिजस्ट ई िया गया है। कारीख 2/4/1985

(जो लागु न हा उसे कार दो जिये)

मोहर .

Ref. No. AR-II/37FE/10094/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the Said Act). have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 100.000, and bearing Flat No 102, 10th Floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Survey No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB or the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer a agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

1. M/s. R. N. A. Builders, (Transferor)

 Shri Sorab P, Vesuna and Mrs, Hilla P Vesuna (Transferee)
 —

4. — (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under igned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fxplanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, 10th Floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Survey No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE[10094]84-85 dated 18-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985 SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं আর্চ *-2/37-ইর্চ/*10065/81-85 - - अत. मझे लक्ष्मण दास आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चान "उक्त अधिनियम" एहा गया है) की धारा 269 घ के अबीन सक्षम प्राधि को यह विज्ञास अपने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 100000 में अधि है आर जिसकी ्र, जो, ग्राउड पतोअर, ''जा पानीट ।'' सं. फ्लैट नं इमारत, 7 बंगलोज, बसोबा, अंधेरी, बस्बई में स्थित है (और रममे जुपाउद अनुमुना में और पूर्ण रूप से वृणि है। ऑर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ट में रजीस्ट्री है। नारीख 17-8-84 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार मृत्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गयी है और मुझे यह विकास करने या शारण ह ि अथापूर्वोक्त सम्पन्ति ा बाजार मुरूप उसके दुरयसात प्रतिफल स ऐसे बप्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिगत से अधिक ह और अन्या(कीं) अंगि अवस्ति।(यों) क बीच ऐस अंबरण पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य के उका अनुरण लिखित से बास्त्रविक रूप में राधित नहीं िपा गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आर की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीर कर देने के अन्तरक के दायित्व मा कमी करने या उसमें दनने में मिलिधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) सा धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा पक्ति नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, दिक्यान मो म्विन्स के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्मरण में, मी उक्त अधिनियम की धारा 269य की उप धारा (1) के अधीन, निमारिताखित व्यक्तियों अर्थान् .—

- मैसर्म सी ब्रेझ इस्टेट्स प्राइवेट लि॰ (अन्तर⁻⁻)
- 2. श्री मध्मदन टी यादव (जन्मिरती)
- 3 —— (बहुव्यक्तिजिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बह ब्यक्ति जिसके बारे से अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति से हिनबढ़ हैं।

को यह मूचना जारी करके पृत्रोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया क्ष्म करना हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबध मा कोई भी आक्षप :—

- (क) इस मुचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वों क्र व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचरा का राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख़ के 45 दिन का भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मो हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अन्सची

"फलेट नं. ८, जो.ग्राउड फलोअर, "ओसियानिट।" इमारत 7 वंगलोज, वसोवा, अधेरी, बम्बई मे स्थित है।

अनुसूची जैसालि क. स अई-2/37 ईई/10065/84-85 और जो सक्षम प्राधिगारी वस्वई द्वारा दिनाक 17/8/1984 को रिजस्टई िया गया है।

तारीख . 2/4/1985 मोहर .

(जो लागू न हा उमे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10065/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing Flat No. 2, Ground and Versova, Bunglows, Seven Oceanic (West). Bombay-400058 (and Andheri fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for acquisition of the acoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- M/s. Sea Breeze Estates Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Mr. Madhusudan D. Yadav (Transferee)
- 3 .—Do—

(Person in occupation of the property)

4 .--Do--

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, Oceanic-I, Seven Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10065/84-85 dated 17-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37ईई/10101/84-85 → अतः मुझे लक्ष्मण दान, आय.च अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिल इनमें इसके पण्चात, "उन्त अधिनियम" एका पया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधि गरी को, यह विश्वास धरने हा भारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिस्हा उचित बाजार मृत्य 100,000-/ व्लाभे अधि : है ओप जिस्की सं. पतट सं. 31, जो, 3री मजिल, ऑम निकेवन, 314, पालीराम रोड़ अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिनात जरार-नामा आयहर अधिनियम की धारा 269 हम्ब के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के लायलिय, बस्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त पश्ति के उवित बाजार मूल्य : बाम के बुध्यमान प्रतिफल के लिये अरास्ति की गई है और मुझे बहु विश्वास अस्ते का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (कों) ओर अंतिनी (यों) के बोच ऐसे आरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उनन अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नही किया गया

- (क) अन्तरण में हुई किभी बाय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आग या किगी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भाग्नीय आरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ्य अनिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों अर्थाता :—

ओम बिल्डमं प्राइवेट लि.। (अन्तरम)

श्रीमिति, कोणत्यादेवी भारतीय, और
 श्री, रामकुमार रतनलाल (एच. यू. एफ) (अन्तरिती)

3. ---- (वह व्यक्तिः जिसके प्रधिमोग में सम्पत्ति है)

4. ~~~ वह व्यक्ति, जि को को के से अधी-हम्ताक्षरी जानता है, की बह सम्मित में हितबद्ध है।

को यह मूचना जारी करके प्योक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स सं 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी

अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस सचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त बद्धों और पक्षों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फनट नं. 31, जां, 3परो मंतिल, ओम निकेनन <math>314, पालीराम रोड, अंबेरो (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैजा जिला कि.स. सं. अई-2/37ईई/10101/84-85 और जो सक्षम प्राधिजारो, बम्बई द्वारा दिनाम 18/8/1984 को रिजस्टर्ड िया गया है।

नारीख . 2/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उमे काट दोजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10101/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-3rd Floor, OM and bearing Flat No. 31, NIKETAN, Paliram Road, 314, Andheri Bombay-400058 (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

3

4.

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the atoreseid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely:

- 1. Om Builders Pvt. Ltd., (Transferor)
- 2. Smt. Kaushlyadevi Bharatia, Shri Ramkumar Ratanlal (H.U.F.)

(Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 31, 3rd Floor, OM NIKETAN, 314, Paliram Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10101/84-85 dated 18-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985 SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अर्ट-2/37ईई/101222/84-85.--अन **म**झे, त्रथमण दाग , आय .र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इनके इनके पश्चात, "उनत अधिनियम इहा स्या है) की धारा 269च के जधीन सक्षम प्राधि गरी की, यह विश्वास करने का जारण है कि स्थापर सम्मति, जिसका उचित बाजार म्ह्य 100,000/-रु. में अबि हे और जिसकी सं. फ्रेंट नं. ए-305, जो, जिला अपार्टमेंटप गुलमोहर गार्डन के सामने यारी रोड, वसावा, वस्वई-61 में स्थित है (ओर इतसे उपाबद्ध अनुसूची मे ओर पूर्ण रूप म विणित है), ओर जिपका ्गरनामा आयार अधिनियम की धारा 269 टख ये अधीन, रक्षम प्राधि ारी के पर्यालय, वस्बई मे रजिस्ट्रो ह, तारोख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मल्य उस के दुष्यदान प्रिक्ति के लिए अन्नरित की गई है और मझे यह विश्वाय करने या दारण है कि प्यापूर्वोक्त सम्पत्ति ा बाजार मूल्या उपके दुष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिका क पान्नह पतियान में अधिक है और अनस्य (को) अंज अर्जान्ती (यां) के बीच ऐने अंजरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से रिथित नहीं िया गुगा है ---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की दावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 12) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अद उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्निक्टिन व्यक्तियों अर्थात् —

- मैसर्स अनीता इंटरप्रायजेस । (अन्तरः)
- 2. श्रीमती राजू मोहनदास णामदापानी (अन्तरिती) और श्रा मोहदनदान लालचंद णामदामानी

(पह व्यक्ति.जिस जितके अधिभोग से सम्पत्ति है)

--- (वह व्यक्ति, जिल्के बारे मे अधीहरताक्षरी जानता हे, की वह सम्पत्ति ने हित्तबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृष्ट करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध मैं कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (कः) इस मूचरा को राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी को पास लिखित मो किए जा मुकोगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

"फलंट नं.. ए-305, जो लिता जनार्टमेंटस, गुलमोहर गार्डन के सामने यारी रोड, वसौवा, बम्बई-61 मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क.स. आई-2/37 है है/10122/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनाक 18/8/1984 को रजीस्टर्ड िया गया है।

तारीख 2-4-1985 मोहर (जो लागू ने हो उसे बाट शॉकिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10122/84-85,-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000,-and bearing Flat No. A-305, Lila Apartments Garden, Gulmohar Yari Road. Opposite Bombay-400061 Versova, (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (5) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Anita Enterprises (Transferor)
- 2. Mrs. Raju Mohandas Shamdasani & Mr. Mohandas Lalchand Shamdasani

(Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-305, Lila Apartments, Opposite Gulmohar Garden, Yari Road, Versova, Bombay-400061. The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-11/ 37EE/10f22/84-85 dated 18-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं आई-2/37 ई ई/10170/84-85. · जन मझे त्थमण दार, आयार अधिनियम, 1961 (1961 ा 43) जिस इपसे इपके पश्चान "उका अधिन्यम" एहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधि ती की, यह निण्वात ारने वा गारण हे िस्थाबर समाति जिना उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- म ो अधि हे अ.र जिनकी म. फ्लैंट नं 201, जो 2 रां मजिल, "किटेझा" प्रताट नं 27, एस न 41(अभ) । वंगताज, ओं शिवरा, अंधेरी (पं) वम्बई, में स्थिति त आर इन्हें उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप म वर्णित ह), और जिसा वनरनामा आयार अधिनियम 1961 की धारा 269 टाख के अधीन सक्षम प्राधि गरी के टार्यालय, वस्बई पे रजिस्टो है नारीख 18-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से इ.म. के दुर्यनान प्रतिफल के लियों अन्तरित की गई है और मझे यह विण्यान एरने एा ारण है : दथापूर्वोक्त सम्पत्ति : उचि : का जार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐने दृश्यमा: प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधि: है आर आर /अंतरकीं ओर अतरिती/अंतरितियो के बीच ऐंने अतरण के दिए दन पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अं,रण लिखित में वास्तविक रूप के बित नही िया गया है कर

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बादत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें इचने में मुद्धित के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अभिनियम, 1961 (1961 वा 43) या हर-त्यर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंदिधा के लिए

अत अद उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण' में, मैं उक्त अधिनिगम की धरा 269 ह की उप धारा (1) के अधीन निम्नाबिस्ति व्यक्तियो अर्थान

र्श्वा/श्रीमती /कुमारी- मैपर्म रबीराज ापरिवान (उन्हरः) श्री/श्रीमती/कुमारी - जप जनदास घनशानी

(अन्तरिवी)

श्री/श्रीमती/कुमारी

(बह व्यक्ति, जिनके अधिभोग से सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी

(बह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पृत्रों कित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिगां शरू करना हूं। उक्त रम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निल्लित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसुची

्फ्लैंट नं. 201, जो 2 री मंजिल, "पिटीझन," प्लाट नं. 27, एउनं. 41 (अग्र), 4 बंगलोज, ओशि-वरा, अंधेरी (पं) बम्बर्ड में स्थिति है।

अनुसूची जैमा की कम संख्या आई- 2/37 ईई/ 10170/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि ारी, बम्बई द्वारा दिनां : 18-8-1984 की रिजस्टर्ड िया गया है।

तारीख *2*/4/1985

मोहर

(जो लागू नहीं होता उने बाद दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10170/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, 'CITIZEN' Plot No. 27, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Oshiwara, Andheri (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombav on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Raviraj Corporation (Transferor)
- 2. Mr. Jaikishandas P. Ghanshani (Transferce)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, 'CITIZEN' Plot No. 27, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10170/84-85 dated 18-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देण स. श्रई-2/37-ईई/10192/84-85:--- स्रत मुझे लक्ष्मन दास प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे उसमें इसके पश्चात् "उक्त भ्रश्चिनियम" कहा गया है) को धारा 269 घके श्रधीन सक्षम प्राधिक रोको यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका वाजार मूल्य 100,000/- रु. से ऋधिक है और जिसकी सं. प्रिमापमेस नं ही-2-113 और 114 जो 11वी मंजिल मंजीव टावर्स, बेहर।म बाग, अधेरी-बर्सीवा, ओशिवरा व्हिलेज, निर्माणाधीन इमारत सर्वे न. 41(अंश), बम्बई में ूस्थित है (और इसम उपाबद्ध ग्रनमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क,ख के अधीन मक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्रो है, तारोख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सप्पति के उचित बाजार मुल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने सा कारण हैं कि ययापूर्वोक्त सम्पति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दुष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अंतरक(कों) और अनिरतो(यो) के बोच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतर्ग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की शावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/भा
- (स) ऐसे किसी आग या किमी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-मा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिणाने मं संविधा के लिए

अत: अद उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उन्धारा (1) के अधीन. निम्ननिक्ति व्यक्तियों अधीन:

- 1. संजीव बिल्डर्स प्राइवेट लि. (प्रन्तरक)
- 2. म्नोता गोएंका (अन्तरिया)
- (वह व्यक्ति जिसके अधिकांग में सम्पन्ति है)
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहरूनाक्षरी जानशा है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां स्क करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(कः) इस मूचरा कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त अब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमधी

"प्रिमायनेम न टो-2-113और 114, जो 11 वी मंजिल मंजीव टावर्म, बेहराम बाग, अंधेरी-वर्मीवा, ओशिवरा विहलेज, सर्वे नं 41 (अंग), निर्माणाधीन इमारत, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि को.स. ऋई-2/37ईई/10192/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 की रजिस्टई किया गया है।

तारोख 2-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10192/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Area T II-113 and 114 Sanjeev Towers. Behram Baug, Versova, Oshiwara Village, Survey No. 41 (Part), Andheri (W) Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this \tilde{q}_{μ}

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Sanjeev Builders Private Limited

(Transferor)

2. Sunita Goenka (Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Area T II-113 and 114 Sanjeev Towers, Behram Baug, Andheri (West), Oshiwara Village, Versova, Survey No. 41 (Part), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|10192|84-85 dated 18-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985 SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देण मं. ग्रई-2/3 गईई/10004/84-85:— ग्रतः मुझे, लक्ष्मण वास, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961(1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त ग्रिधिनियम" कहा गया है। की धारा घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्तित बाजार मूल्य 100,000/- क में ग्रिधिक है और जिसकी म. फ्लेट तं. 507,जो, 5वी मंजिल, योन्टाना ए-इमारत प्लाट नं. 4, एस. नं. 41 (अंग), 4 बंगलोज वर्मीवा अंधेरी (प) बम्बई-58, में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची और पूर्ण रूप में विणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961की धारा 269क्व के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय बम्बई में रिजेस्ट्री है तारीख 14/8/1984 को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृण्यमान प्रतिकल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मूझे यह विण्वास प्रतिकल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मूझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार

मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफ़ल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफ़ल के फद्रह प्रतिणत से ग्रधिक है और अंतरक/अंतरको और अंतरिता/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ़ल, निरन्लिखित उद्देश्य से उक्षत अंतरण लिखित में भारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आरितयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंदिधा की लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उप धारा (1) के अधीर, निम्नलिस्ति ब्यक्तियों अर्थात :--

श्वी/श्रीमिति/कुमारी:-- मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस (श्रन्तरक) प्रायवेट लि. ।

श्री/श्रीमित/कुमारी. कुमारी श्रनीता मोलोनी । (श्रन्तरिती) श्री/श्रीमित/कुमारी (वह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में सम्पति है) श्री/श्रीमिति/कुमारी. — मैसर्म ओणिवरा लंड डेव्हलीपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि. ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध से कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

"फ़लैंट नं. 507 जो 5वी मंजिल मोन्टाना-ए इमारत प्लाट नं.4एग. नं. 41(अंग) 4 वंगलोज वर्मीना अंधेरी (प.) बम्बई-58 में स्थित है। श्रनुसूचो जैसा की कं.सं. ग्राई-2/37ईई/10004/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 14/8/1984 को रजिस्टई किया गया है।

तारोख 2-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10004|84-85,---Whereas, J Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961, (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and beau...

Montana-A,

theri (West),

in the state of t and bearing Flat No. 507, 5th Floor, Building Four Bungalows, Versova, Bombay-400058 (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor o pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

1. M/s. Lokhandwala Premises

Private Limited

(Transferor)

2. Miss Anita Malani

(Transferce)

3. -Do-

(Person in occupation of the property)

-Do

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 507, 5th Floor, Montana-A, Plot No. 4, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10004/84-85 dated 14-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ग्र ई-2/37ईई/10258/84-85:-- ग्रत: मझे, लक्ष्मण दास श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चान "उक्त ग्राधिनियम" कहा गया है की धाराघके अर्धान सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणह कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मुल्य 100000/- म. से ग्राधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 103-104, जो 1नी मंजिल रीटरी पार्क व्हय को-प्राप, हा जींसग सोसाइटी लि. "कृण अपार्टमेंट" निर्माणाधीन इमारत प्लाट न क्यू-1 वीरा देसाई रोड, अधेरी (प.) बम्बई-58 में स्थित है (और इसस उपाबद्ध श्रनसूचा मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 24-8-1984को पूर्वीकत सम्पतिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये मर्त्तारत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मृत्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत मे श्रधिक है और अंतरक/अतरकों और अंतरिती/अर्तारितयों के बोच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अतरण लिखित में बास्तविक ऋप म क्रथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि-निया, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायि ए में कमी करने या उसमें बचने में मित्रिक्षा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिगियम, 1922 (1922 का 11) एर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविभा की लिए

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण म, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन. निम्नित्सित व्यक्तियों अधीत्ः—

श्रो/श्रोमति/कुमारा भैसर्स ठक्कर एण्ड कारवा आसोसिएटम (श्रन्तरक)

श्री/श्रीमति/कुमारी डा. पी.सा. ब्रन्थोनी। (ब्रन्तरिते) श्री/श्रीमतो/कुमारी

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पन्ति है) श्रो/श्रोमती/कुमारी

> (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रश्लोहस्ताक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हु। अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि. या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 48 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के एास लिसित में किए जा सकींगे।

स्पन्धिरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दो और पद्यों का जो आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

पर्लीट नं. 103-104 जो 1 ती नीजल रोटरी पार्क इस्यू को-म्राप० हाउसिगं सोसाइटी लि. "नृण ग्रपार्टमेंट निर्मानाधीन इमारत प्लाट न. क्यू-1 वीरा देसाई रोड अंधेरी (प०) बम्बई-58में स्थित हैं।

श्रनुसूचो जैसा कि क. मं. श्र र्ह-2/3 7ईई/10258/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 24/8/1984 की रिजस्टिं किया गया है।

तारीख: 2-4-1985

मोहर ;

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10258|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 103-104, Rotary Park View Co-operative Housing Society Limited, Kush

Apartment, Plot No. Q1, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:

1. M/s. Thakkar & Karwa Associates

(Transferor) '

2. Dr. P. C. Anthony

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103-104, Rotary Park View Co-op. Housing Society Limited, Kush Apartment, Plot No. Q1, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 10258 84-85 dated 24-8-1984.

Date: 2-4-1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश मं . अ ई-2/37 ई ई/10068/84-85:--अनः म्झ, लक्षमण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात, "अक्त श्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मून्य 100000/- २० से अधिक है है और जिसकी सं. फलैंट न० 602, जो, 6वी मंजिल "'कन्वेरा" इमारन जय प्रकाण रोड, वसीवा, बम्बई, में स्थित है (और इसमे उपावद ग्रनसुची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करार नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269कल के श्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्ट्री है, तारीख 17-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दण्य-मान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दप्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्य-मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (का) और अंतरितः (यां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देणय में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में स्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्निचित्रित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1. मैसर्म देव कारपोरेशन । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री. इंदरजीत दारीया । (ग्रन्तरिती)
- (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिक्षिभोग में सम्पित्ति हैं)
- 4. (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे प्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पन्ति मे हिसबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गृख करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संस्था मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की नामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचरा के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिल्किन म किए जा सकीरों।

स्पष्टीकरण .—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

"फ्लैंट न० 602, जां, 6वी मजिल, कन्बेरा इमारत जयप्रकाण रोड, वर्मोबा, अंधेरी, वस्बई में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि कं० मं. श्र ई-2/37ईई/10068/ 84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख:- 2-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10068|84-85.-Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]and bearing Flat No. 602, Canvera, Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. M|s. Dev Corporation

(Transferor)

2. Mr. Inderjit Dariya

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 602, Canvera, Jay Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay-466058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|10068|84-85 dated 17 \(^{1}-1984\).

Date: 2-4-1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं० श्र ई-2/37 ईई/10006/84-85:→-श्रन: मुझे, लक्ष्मण दास, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात ''उक्त श्रधिनियम'' कहा गया गया है) की धारा घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100000/- ह से अधिक है और जिसकी सं, फलेट नं, 703, जो, मंजिल. हरमनी ए-इमारत, प्लांट न 343, एस् . नं. (अंग), 4 बगलोज, वर्सीवा अंधेरी (प), में स्थित है और इससे उपाबद्ध ग्रन्सूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है, , और जिसका करारनामा स्रायकर अधि-नियम, 1961 की धारा 269 कख के अधान व सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, ब्रम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 14-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से प्रधिक हैं और अंतरक/अंतरको और अंतरिती अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में म्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या उत्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अगण्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा की निए

अत: अब उका अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण में, मैं उका अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्नालिस्टिन व्यक्तियों अर्थान् :—

श्री/श्रीमनी/कुमारी मेसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्राइवेट लि.। ~(श्रन्तरक)

श्रीं/श्रीमती/कुमारी श्री. ए. श्रार. एस. चावला ।

-- (अंतरिती)

श्री/श्रीमतीं/कुमारी

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी मेसर्स ओशिवरा लैंन्ड डेव्हलोपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.।

(वह व्यक्ति, जिस के बारे में घ्रधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यश्रीहर्या श्रम् करणा हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील मे 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किंगी अस्य व्यक्ति द्वारा अश्लोहस्ताक्षरी के एास लिखित में किए जा सकी गे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त बब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मची

फलैंट नं. 703, जो, 7वां मंजिल, हरमर्ना-ए इमारत, प्लॉट नं. 343, एस. नं. 41(अंश), 4 बंग-लोज, वर्सीला अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

श्रन्यूची जैसाकि क. मं. श्रई-2/37ईहं/10006/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 14/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख 2/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दिजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10006|84-85.--Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter reterred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 703, 7th floor, Harmony-A. Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Lokhandwala Premises Private I imited (Transferor)
- 2. Mr. A. R. S. Chawla (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, Harmony-A, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scripl No. AR-II| 37EE|100006|84-85 dated 14-8-1984.

Date: 2-4-1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश ंग्रई-2/37ईई/10203/84-85:**— -**ग्रतः मं. मुझे, लक्ष्मण दास, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" कहा को धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिचारी को, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100000/-म्. मे प्रधिक है और मंजिल, फलेट नं. 501 जो, 5वी विग, निर्माणार्धान उमारत, बी-इमारत, श्रीभषेक श्रपार्टमेंट, एम. ग्राई० सी. नगर के पीछे, 4 बंगलोज वर्सीवा, बम्बई. में स्थित है) और इसमे उपात्रद्ध श्रनमुची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्ण्यमान प्रतिफल के लिये भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ऋधिक और अंतरक/ अंतरकों और अन्तरिती अंतरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद देश से उन्त अंतरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है .-

(क) अन्तरण में हुई किमी आयं की राजत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्य में कमी करने या उससे बचने में मृविधा के लिए और/या (ल) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में स्विधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उद धारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमती/कुमारी.–मेसर्न ,ेओमप्रकाण एण्ड (श्रन्तरक) कंपनी

श्री/श्रीमतीं/कुमारी.—-मुशिला वासवानी और कमलेश ए वासवानी । (ग्रन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी:--ग्रन्तरको । (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है ।)

श्री/श्रीमती/कुमारी ~डा. बीमसी वाडिया । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बढ़ है।)

को यह मूचना जारी करके पूर्योक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शास करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (रू) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उबत स्थानर सम्पत्ति में हितदाद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्यूची

"फलेट नं. 501, जो, 5 वी मंजिल, ''बी'' विंग, निर्माणाधीन इमारत, ''बी'' इमारत, अभिषेक अपार्टमेंट, इ. एस. ग्राई. सी. के नगर के पीछे, 4 बंगलीज, वर्सीबा, बस्बई में स्थित है। प्रनुस्ने। जैमाकि क.सं. प्रर्ड-2/37ईई/10203/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजीस्टई किया गया है।

नारीखाः 2/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10203[84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1901) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000and bearing Flat No. 501, 5th floor, 'B' Wing, 'B' Building, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bunglows, Versova, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;

- 1. M|s. Omprakash & Co (Transferor)
- 2. Miss Sushilla Vaswani and Kamlesh S. Vaswani (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, 'B' Wing, 'B' Building, Abhishek Apartment, Behind ESIC Nagar, Four Bunglows, Versova, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II| 37EE|10203|84-85 dated 18-8-1984.

Date: 2-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10095/84-85.-अत: मझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "जनत अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं. फलैंट नं. 84, जो, 8वीं मंजिल, मंजु टॉवर, रोशनलाल कॉम्प्लेक्स, सर्वे नं. 41 (अंश), ओशिवरा, अंधेरी (ध), अपनाघर के पास, बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 18/8/1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य मे कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वेक्ति सम्पत्ति का बाजार मुल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या 166 GI 85--9 (क) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आरितयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) ण आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्यकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा की निए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनूसरण' में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत: :—

मैसर्स आर. एन. ए. बिल्टर्स । (अन्तरक)

2. दिबाकर ललित बाग । (अन्तरिती)

3.---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शूरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मैं कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किगी अन्य स्थिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरण: इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फलैंट नं. जो, 84 जो, 8वीं मंजिल, मंजु टॉवर, रोणनलाल अगरवाल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नं. में सर्वे नं., 41(अंश), ओशिवरा, अंधेरी(प). बम्बई-58 स्थित है। (अपना घर के पास)

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10095/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 18/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2/4/1985

मोहर:

(जो सागू नही उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]10095[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax! Act 1961 (43 or 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 84 8th Floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwai Complex, (Part), No. Survey Oshiwara, No, 41 Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Jedian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. R. N. A. Builders (Transferor)
- 2. Shri Dibakar Lalit Bag (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 84, 8th Floor, Manju Tower, Roshanlal Aggarwal Complex, Plot No. Survey No. 41 (Part). Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II] 37EE:10095[84-85 dated 18-8-1984.

Dated: 2-4-1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश मं. अई-2/37ईई/10064/84-85.--अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा" गया है) की धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मत्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 701 जो 7वीं मंजिल "बी" विंग सी जिल, 7 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रजींस्टी है तारीख 17/8/1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशन मे अधिक है और अंशरक/अंतरकों और अतरिती/अंतरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक कें दाधित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/धा
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृदिभा की लिए

कत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नित्सित व्यक्तियों अर्गात्:—

- 1 मेसमं चेतन डेबलेपमैट्स । (अन्तरक)
- 2 श्री टांनींआंथर वाझ और श्रीमती रिटा एफ. वाझ (अन्तरिती)
- 3 श्री/श्रीमती/कुमारी --- --(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- , 4. श्री/श्रीमती/कृमारी .-- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है
 कि दह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्ष्य करता हूं। उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि, या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की शारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पाम जिल्ला में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सची

'फ्लैंट नं. 701' जो 7वी मंजिल, "बी" विंग, सी जिल, 7 बंगलो, वर्सोवा, अंधेरी (प) वम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10064/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]10064[84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1691 (43 of [1691], (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 701, 7th Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Banglow, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Chetan Developments (Transferor)
- 2. Mr. Tony Arthur Uaz, Mrs. Rita Felicia Vaz (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 701, 7th Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Banglow, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II| 37EE|10064|84-85 dated 17-8-1984.

Date: 2-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10063/84-85.--अतः, मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चातु "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लॅट नं. 702 जो 7वीं मंजिल "बी" विग् सी शिल, 7बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 289ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के वधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मैसर्स चेतन डेबलेंपमेंट्स । (अन्तरक)

श्री टॉनी ऑर्थेर वाझ, और श्रीमती रिटा एफ. वाझ । (अन्तरिसी)

श्वी/श्रीमती/कुमारी:-- १ ---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारी :-- ---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी, अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लैट नं. 702, जो, 7वीं मंजिल, "बी" विंग, सी शंल 7 बंगलो वर्सोबा, अंधेरीं (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10063/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2-4-1985

मोहर:

(जो लागु न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10063|84-85.-Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 702, 7th Floor, B' Wing, Banglow. Seven Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mls. Chetan Developments (Transferor)
- 2. Mr. Tony Arthur Vaz, Mrs. Rita Felicia Vaz (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 702, 7th Floor, 'B' Wing, Sea Shell, Seven Banglow, Versova Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II] 37EE[1063]84-85, dated 17-8-1984.

Date: 2-4-1985

SEAL

(*Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9071/84-85 -- तअः मुस्रे, लक्ष्मण दास, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्यास करने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित काजार मूल्य 1,00,000 रु. सं अधिक है और जिसकी सं. पलैट नं. 503/504, जो, 5वीं मंजिल, मॅग्नम टॉवर्स इमारत, प्लॉट सं. 357, एम. नं. (अंग), 4 बंगलोज, वर्मीका, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुभूची में और पूर्ण रूप में विणित है), और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधि-ारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, नारीख 9-8-1984 को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने द्या नारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) बीर अनुरिता(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उमन अंतरण लिखित में बास्यविक रूप से यथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/ण
- (स) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य अन्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम को धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- मैंसर्म लोखंडवाला इस्टेट्स एण्ड डेब्लपमैंट कंपनी लि. (अन्तरक)
- 2. अशोक यशवंत दिवेकर (अन्तरिती)

3. --

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. मैसर्भ ओजियरा लैन्ड डेबलैपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्तोक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्नंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।

(ल) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की लारील की 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति भ्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

फ्लैंट नं. 503/504, जो, 5वीं मंजिल, मॅंग्नम टॉबर इमारत, प्लांट नं. 357. एस नं. 41(अंग), 4 बंगलें। वस्ति, अंधेरी(प), बस्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क. मं. अई-2/37ईई/9071/8 4-8 5 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाँ ए 9-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

हारीख: 2/4/1985

मोहर:

(जो लागून हा उसे धाट दोजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9071|84-85.-Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 503 504, 5th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

- 1. M|s. Lokhandwala Estates & Development Company Private Limited (Transferor)
- 2. Ashok Yashwant Divekar (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- M|s. Oshiwara Land Development Corporation Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said oproperty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 503|504, 5th Floor, Magnum Towers, Plot No. 357, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II|37EE|9071|84-85 dated 9-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण मं. अई-2/37ईई/9795/84-85.—-अन., मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इसके पण्चात् "उक्न अधिनियम" कहा गा है) की धारा 269-घ के अधीन, सक्षम प्राधि गरी को, यह विश्वास इसने दा हारण है ि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000 क. में अधि है और जिसकी मं. फ्लैंट नं. 3, जो, चौथी मंजिल, "ए विग, माना महल", प्लॉंट नं. 53, श्री स्थामी समर्थ प्रनन्त सो आंडटो, आँक जे. पी. रोड, 4 बंगलोज, वसौंवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूपले विणत है), और जिसना करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कष के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के वार्यालय, बम्बई में रिकस्ट्री है,

तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्ट्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्ट्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्ट्यमान प्रतिफल के पदंह प्रतिजत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविष्ठ रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आयं की बाबत, आयं कर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिशा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिए था, छिपाने में सिविधा की लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निनिश्चित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1. मेसर्स डापना इस्टेटस प्राइवट लि. । (अन्तरक)
- श्री प्रशांत आर. भाटीया अंग्र श्रीमती हिना आर. भाटीया । (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

--- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहरूनाक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति सं हितबद्ध है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि. या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की अविधि. जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों किन व्यक्ति हो। में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मुच्या के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मो हिलबद्ध किसी अस्त व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाय लिस्कि मो किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरण . इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मां का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

"फ्लैंट नं. 3, जो, 4थी मंजिल, "ए" विग, "मोता महल", प्लॉट नं. 53, की स्थामी समर्थ प्रसन्न मोसाइटी, ऑफ जे. पी. रोड, 4 वंगलाज, वर्मीवा, अंधेरी (प). बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37/ईई/9795/8 4-8 5 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/198 4 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2/4/1985

मोहर:

*(जो: लागू न हों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9795|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000}and bearing Flat No. 3, 4th floor, A Wing of Mota Mahal, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mis. Dina Estates Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Mr. Prashant R. Bhatia 'Mrs. Hina P. Bhatia (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be inferested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3 on 4th floor, A Wing of 'Mota Mahal' Plot No. 53, Shri Swami Sammartha Prasanna Socy., Off J. P. Road, Four Bungalow, Versova, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9795|84-85, dt. 10-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37ईई/9089/84-85.--अन मुझे, मध्मण दास, आगाउर अधिनियम, 1961 (1961 हम 43) (जिसे इसमे इसके पंज्वात, "उका अधिकियम" सहा गना है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वान रुरने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिन्हा उचित बाजार मृत्य 100,000/- म. से अधि है और जिसकी सं फ्लैंट नं. 203, जो, सूसन इसारव, सी. टी. एस. नं 1206, गारी रोड, बर्सोश, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थि; है (और इसरे उपाबड़ अक्सूचो में और पूर्ण रूप स्विधिप है), ओर जिसका करायनामा आधार अधिनियम की धारा 269 ध्या के अधीन, सक्षम प्राधितारी के जार्यालय, बम्बर्ड में रजिस्ट्री है, तारीख 9/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य भे एम के दृष्टयमान प्रतिकल के लिये अन्तरि की गई है और मध्ये यह विख्यास अस्ते हा छाउल है जि यथापूर्वीकत सम्पत्ति भा बाजार मृत्य, उपने दृष्यमान प्रतिफल के, एके दुश्यमान प्रतिफल के पद्रंह प्रशिवन स अधि है और अंत्रि (कों) और अंतिस्ते (गों) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निमालिखित उद्देण्य भे उका अंतरण लिखित में वासानि । स्वा में प्रायन नहीं िया गया है .--

(क) अन्तरण में दूई किमी आय की शाबत, आयकर जिथ-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीय कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इसने में सिवधा के लिए और/या (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

जत. अब उका अधिनियम की धारा 269ए के अनुसर्ण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधौन, निम्नानिकित व्यक्तियों अधीत् —

- । मैं पर्म हितेश एन्स्ट्रक्शन कंपनो (अंतर ह)
- 2 मधु जनिशान सवनंदानी, और भोजीबाई लोक्नच सवनंदानो । (अन्तरितो)

⇒
 (कर क्षाकिक कि को अधिकारोग के क्षावानि के)

(बहु अपिका, जिनको अधियोग में सम्पत्ति है)

(यह व्यक्षित, जितके बारे में अधोहरूताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनवड़ हैं)

को यह मूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधि, या सत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अवाध बाद मा समाप्त हाता हा, क आतर पूचा वस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क्ष) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितब के किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्मध्यीकरण: — इससं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अग्यची

पतिट नं. 203, जो, सूपन इतारा, सी. टी. एप नं. 1206, जारी रोड, वर्सीका, अंधेरी(प), वस्वई-58 में स्थित है।

क्ष्ममूची जेता िक. सं. अई-2/37ईई/9089/84-85 अंग्र जी सक्षमप्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिना । 9/8/1984 को रिजय्टर्ड िया गया है।

নাসীয়া 2/4/1985

गोहर.

* (जो पागृत हो उने भाट दोजिये)

Rct No AR-II[37EE[9089]84-85 -Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), hereinetter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 100,000|bearing Flat No. 203, Suman Build-No. 1206. Yari Road, ìnσ C.T.S. Versova, Andheri(W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the aid Act, to the following persons, namely:

- 1 Ms Hitesh Construction Co. (Transferor)
- 2. Madhu Jaikishan Sachnandani & Bhojibai Lokumal Sachanandani (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 203, Suman Building, C. F.S., No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9089|84-85 dated 9-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण म. ग्रई-2/37ईई/9753/84-85---अत मुझे, लक्ष्मण दास ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिमें इसमे इसके पण्चात "उक्त ग्रधिनियम" कहा गया है) धारा 26 9घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास वरने के कारण है कि स्थावर सम्मन्ति जिसका उचित्र बाजार मल्य 100,000/- र मे ऋधिक है और जिसकी . फलैट न 302 जो 3री मजिल, डी-इमारत सदर पार्क ग्राफ कीरा देसाई रोड अधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपबद्ध श्रनसची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रासकर ग्रीधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय बम्बर्ड में रिजस्टी है तारीख-19/8/1984 को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का नारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पद्रह प्रतिभत से प्रधिक है आर अनरक (कों) अनिरिनी (यो) के बीच ऐसे अनरण के लिए तन पाया गया निम्नलिखित 'उददेश्य' स प्रतिफल लिखिन में वास्तरिक क्षण ने विधा नहीं निया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्द, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीर कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे उचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आग या किसी अन या उन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय शायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) या यन-अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269य के अन्सरण में, मी उक्त अभिनियम की धारा 269य की उप धारा (1) के अधीन, निम्नोलिकित व्यक्तियों अर्थात् :—

- I मैमसं स्दर कल्द्रकणन कपनी । (श्रन्तरक)
- श्रीमति वर्षा गणेशन । (श्रन्तरितें)
- 3 —

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति जिसके बार मे प्रधाहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रम करदा हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षण:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क्) इस मुकरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पार्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनम्ची

फलैट नं. 302, जो, 3 री मजिल, "डी' इमारत, सुदर पाक, फ्राफ बीरा देसाई रोड, अधेरी (प), बम्बई 58 में स्थित है।

ग्रन्मूची जैसा कि श्रं. सं. ग्रर्ड-2/37ईई/9753/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 10/8/1984 को रजिस्टई किया गया है।

नारीख . 2/4/1985

मोहर .

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|9753|84-85 --- Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter researed to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-No. 302, 3rd floor, D bearing Flat Park, Off Sunder Building, Desai Road, Andheri(W) Bombay 58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or; transferee for the purposes of the Indian or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by they transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Sunder Construction Co. (Transferor)
- 2. Mrs. Varsha Ganeshan (Transferee)
- 3. –

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 302 on 3rd floor, D Building, Sunder Park. Off Veera Desai Road, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9753|84-85, dt. 10-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण स. ग्रई-2/37ई2/9793/84-85—ग्रतः मृझे लक्ष्मण दास, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा घ के अधीन सक्षल प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 100000/-क से प्रधिक है और जिसकी स. फर्नैट न. 1002, 10वी मजिल मग्नम टावर्स इमारत प्लाट न० 357 एस न . 41 (अश) 4 बगलोज वर्सीवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रनुमुची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्य-मान प्रतिफल से ऐसे दुण्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत मे श्रधिक है और अंतरक/अंतरको और अंतरिनी।/अंतरितियो के बीच ऐसे अतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उददेश्य से उक्त अतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अनारण से हई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे इचने में सुविधा के लिए और/गा
- (ल) ऐसे किसी अय या किसी अन या, अन्य आस्तिया की जिन्हें भारतीय आरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धर-न्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए का, छिपाने में स्विधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उद धारा (1) के अधीन, निम्निक्षित ब्यवितयों अर्थास् —

श्री/श्रोप्पति/कुमारी — मैसर्स लोखडवाला उस्टेईस एण्ड डब्ह्लोपमेट कंपनी प्राय्वेट लि०। (ग्रन्तरक) श्री/श्रीमति/कुमारी — मास्टर होझायफा झाएब लोखडवाला और मास्टर शोहजाद झोरच लोखडवाला। ग्रन्तिर्ता) श्री/श्रीमति/कुमारी —

(बह प्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
श्री/श्रीमिति/कुमारी — मैंसर्स ओणिवरा लण्ड उब्हलापमेट कपनः
(प्राडवेट) लि.।

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानतः है कि व सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह स्चना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध स कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस स्चना के राज्यत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकित व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस स्वरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अस्प व्यवित द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय सुदिया गया है।

ग्रन्म् ची

फर्लंट न 1002, जो, 10 वी मजिल मग्नम टाबर्म इमारत प्लाट न 757 एस. न 41 (अण) 4 बग्लाज वर्मावा अधेरी (प) बम्बई—58 में स्थित है ।

श्रनुभूची जैसा की क्र. स. श्र\$-2/37\$\$/9793/84-85 आर जा सक्षम प्राधिकारी बम्ब\$ द्वारा दिनाक 10/8/1984 को राजस्ट किया गया है।

तारोष . 2-4-1985 मोहर .

(आ लागु न हा उस काट दीजीय)

Ref. No. AR-II|37EE|9793|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 19(1), (hereinafter refer if to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-1002, bearing Flat No. and Four Towers, Four Dunglows, West, Bombay-58 (and more Magnum Andheri Versova, fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Lokhandwala Estates & Development Company P. Ltd. (Transferor)
- Master Hozaifa Zoeb Lokhandwala & Master Shehzaad Zoeb Lokhandwala

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1002 on 10th floor, Magnum Towers, Plot No. 357 of S. No. 41 (pt) Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9793|84-85, dt. 10-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ग्रई-2/37ईई/9792/84-85:-- ग्रत: मुझे लक्ष्मण दास श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्ष्त श्रधिनियम" कहा गया है) की धारा घके श्रधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 100,000/→ म. से श्रिधिक है और जिसकी सं. फलैंट न० 404 जो 4थी मंजील प्राईम रोज दमारत प्लाट न० 318, एस न . 41 (अंश), 4 बगलोज यर्गीवा अधेरी (ए०) बम्बई 58 में स्थित है (और इससे उपायद्व श्रम्मूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा स्नायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्टी है तारीख 10-8-1984 को पूर्वक्ति सम्पति के उचित बाजार सुल्य से कम के दृश्य मान प्रतिफल के लिये ऋन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधापूर्वीका सम्पत्ति का उचिन बाजार मृत्य उसके दृश्यभान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से ऋधिक है और अत*र*क/अतरका और ³ अतरिर्त /अतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेण्य से उवत अतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की दादत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कसी करने या उससे बचने में सब्दिश के लिए और/सा
- (ख) ऐसे किसी अप या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए

अत. अब उका अधिनियम की धारा 269म के अन्मरण में, में उका अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निमालिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री/श्रीमति/कुमारी — मैसर्स लोख इवाला पिशायसेग प्राइवेट लि०। (प्रन्तरक)

श्वा/प्रत्यति/कुमारिः — श्वी झोएब एफ० लाख्यङवाला श्री मोहिमिन एफ० लोखङवाला, श्री हशीम एफ० लोखङवाला श्री शागत एफ० लोखंडवाला श्वार श्री श्रमीकददीन एफ० लोखड-वाला अन्तरितो

श्री/श्रीमिति/कुमारी.—— सेसर्स फ कूददीन इब्राह्मिजो एंड कपनी (बह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमित/कुमारी:— मैसर्म ओणिवरा लैण्ड डेव्हलोपमेंट (वह व्यक्ति जिसके बारे मे श्रश्लोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह सुक्रना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के पंबंध मों कोई भी प्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील 30 दिन की अवधि, जों भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस म्चना की राजपत्र मा एकाशन की तारीख की 40 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध जिल्ली अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी की पास किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण . इसमें प्रयंक्त शब्दा और पदा का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैंट न 404 जो, 4 थी मजिल प्राइम रोज इमारत प्लाट जो, न. 318 एस. न. 41 (अग) 4 बगलीज वर्सीवा अधेरी (प) ववई-58 ने स्थित है।

प्रनुसूचा जैसा की क. सं. धर्द-2/37ईई/9792/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 10/8/84 का रजिस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 2/4/1985

मोहर:

(अ। लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37EE 9792 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1301), thereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to be seve that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,0001and bearing Flat No. 404, 4th floor, Prime Rose Bldg. Bombay-58 Andheri(W) (and more rully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is le's than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to: such transfer as agreed to between the parties has not been trul stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M₁s Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)
- Mr. Zoheb F. Lokhandwala, Mr. Mohisin F. Lokhandwala, Mr. Hashim F. Lokhandwala, Mr. Shhagat P. Lokhandwala & Mr. Amiruddin F. Lokhandwala (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. M/s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Prime Rose bldg., Plot No. 318 of S. No. 41(Pt) Four Bunglows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9792|84-85, dt. 10-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/9788/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनयम" कहा गया है) की धारा घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति. जिसका उचित वाजार गन्य, 1,00,000/- रू. से अधिक है और जिसकी म फलट न. 104, जा, 1 जी मंजिल सिम्फोनी-डी इमारत ,लाट नं. 344, एस. नं. 41 (अंश), 4 वगलोज, वसॉवा, अधेरी (प), वस्वई -58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत हो), और जिसका करारनामा

आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजम्ट्री है तारीख 108 1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृण्यमान प्रतिफल के निये अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृण्यमान प्रतिफल के पन्बह प्रतिशत से अधिक है और अनरक/अंतरकों और अंतरिती/अतरितियों के बच्च ऐसे अनरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, , निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शब्दा, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक क दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धरा-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विध के लिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों अधीत् —

श्री/श्रीमतो/कुमारी:—मैंसर्स लाखडवाला प्रिमायसंस प्राइवेट लि.। (अंतरक)

श्री/श्रीमतः/कुमारी ---श्री पकज सुमन देसाई।

(अन्तरिती)

श्री/श्रीमनो/कृमारी .---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्रो/श्रीमतः/कृमारीः—मैसर्स ओणिवरा एण्ड डेव्हलोपमेट कपनी (प्राइवेट) लि.।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है (वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिंगों शक्त करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध सो कोई भी आक्षण .—

- (क) इस सूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मो समात होती हो, के भीतर पृथों क्त व्यक्तियों मासे किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस सचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम निक्ति में किए जा सकारी।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का जा अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है। अन्यू ची

"फलेट न 104, जो, 1 वीं मंजिल, सिम्फोनी-बी इमारत, प्लाट न . 344, एस न . 41 (अश) 4 वंगलोज वसीवा अधेरी (प), वंम्बई-58 मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/9788/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 10/8/1984 को रिजस्टिई किया गया है।

तारीख: 2/4/1985.

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9788|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 104, 1st floor, Symphony-B Bldg., Versova, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- M|s. Lokhandwala Premises P. Ltd. (Transferor)
- 2 Pankaj Suman Desai (Transferee)

3.

- (Person in occupation of the property)
- 4 M|s, Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi cation of this notice in the official Gazette o_τ a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 104, 1st floor, Symphony B Bldg., Plot No. 344 of S. No. 41(pt), Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9788|84-85, dt. 10-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37ईई/9785/84-85:--अत मझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात्, " उक्त अधिनियम कहा' गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु से अधिक है और जिसकी मं. फ्लैंट नं. 10!, जो, अंजली, प्लाट नं. 2, एस. नं. 121, 7 बंगलोज, वर्मीवा व्हिलेज, अधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है और इसमें उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रॉजस्ट्री है, तारीख़ 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शब्दा, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या (ल) ऐसे किसी आप या किसी अस या उन्हें आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हत्रा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निजिस्त व्यक्तियों अधीत् —

- 1. बाँम्बॅ हार्डासग कॉर्पोरेणन (अन्तरक)
- 2. श्रीमती रुखमाना सैयद रियास काद्री (अंतरिनी)
- ; —– (बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके प्रविक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शब्द करना हा। उक्तन सम्पत्ति के अर्जन के संबध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों मो से किमी व्यक्ति हारा।
- (क) इस मचता के राजपत्र मो प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम । 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हो, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो ।

्अनुसूची

"फ्लैंट नं. 104 जो, अंजली, प्लॉंट नं. 2, एस. नंतू 121, 7 बंगलोज, व्हिलेज वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अर्ह-2/37ईई/9785/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

नारीख: 2/4/1985

मोहरः

. (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/3/EF/9785,84-85 - Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1691 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000bearing Flat No. 104, Anjali Building, and 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Plot No. Versova, Andheri (W) Bowbay-61 (ml more fully described in the Schedule arrieved hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have 122 on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Trunsfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Bombay Housing Corporation (Transferor)
- 2. Mrs. Rukhsana Sayed Riyaz Kadri

(Transferce)

- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions need herein as are defined in Chapter MMA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 104, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalow, Versova, Village, Andheri West, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9785/84-85 dated 10-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985.

SFAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9786/84-85'~-अत' मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान, "उसन अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 100000/- ग. से अधिक है जिसकी सं. फ्लैट नं. 226. जो, अंजली प्लाट नं एन. नं. 121. ७ बंगलीज वर्सीया व्हिलेज, अधेरी (प). दभवई-61 में स्थित है (और इससे उपावद अनस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम भी धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी कं कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख़ 1)-8-1984 को पूर्वीदन सम्पत्ति के उत्तिन बाजार मुख्य ने कम के दण्य-मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह मिण्वास करने का कारण है कि बथापूर्वीका सम्पति टा बाजार मत्य. उसके दण्यमान प्रतिफल के ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशन से अधिक है और असरक (की) और अनिस्ति (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय गाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेण्य से उक्त अगरण तिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अस्तरण में हुई किसी आग की दाबत, आयकर जिथि-विषय, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए और/बा
- (ल) ऐसे किसी आस या किसी धन या अध्य आस्तियों की जिले भारतीय आयवण उथिनियम, 1072 (1922 का 11) या अध्यक्त असिनियम, 1961 (1961 का 43) था धन-तार अधिनेयम, 1957 (1957 का 77) ये ध्योजनार्थ अस्तिरि द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, कियाने में रित्हा के लिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात: .—

वाँम्बे हाउसिंग कांपेरिशन

(अन्तरक)

2. कुमारी फेनी बी. कोलाह

(अन्तरिती)

3. --

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 --

 (वह व्यक्ति, जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथोवित सम्पत्ति के अर्जन के लिए क्यमिवाहियां शरू करता हो। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वकिंत व्यक्तियों में से क्किमी व्यक्ति होरा।
- (ल्ं) इस सूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की शारील वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्रोहस्ताक्षरी के णस लिखन मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमुची

पर्लैंट नं. 226, जो, अंजली, प्लाट नं. 2, एस. नं. 121, 7 बंगलोज, वर्सीवा व्हिलेज, अंधेरी (प), बम्बर्ड 61में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. मं. अई-2/37ईई/9786/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/841985 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2/4/1985

मोहर:

*(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9786/84-85.—Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-Flat No. 226, Anjali, Plot bearing and 121, No. Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is 166 GI|85---11

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Bombay Housing Corporation (Transferor)
- 2. Miss Freny B Kolah (

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty-five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 226, Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9786/84-85, dated 10-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ग्रई- 2/37ईई/10383-84-85 ग्रत: मझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त श्रधिनियम,, कहा गया है) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को ्यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-रू. से ग्रधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 1401 जो 14 वीं मंजिल, इमारत प्रिमियम टावर्स प्लांट नं. 351 एस. नं. (अंग) बंगलोज वर्सीवा अंधेरी(प) वम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रतुसूची में और पूर्ण रुप से वर्णित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिध-ं नियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी कें. कार्यालय बम्बई में रजिस्दी है तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त मम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेशय मे उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किनी आय की शबत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक कं दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- मेसर्स लोखंड बाला इस्टेटस अंग्ड (श्रन्तरक)
 डेन्हलोपमेंट कंपनी (श्रायबेट) लि. ।
- 2. मेसर्स ट्रको इन्टरप्राइजेस । (भ्रन्तरिती)
 - 3. (वह व्यक्ति जिसके श्रीध-भोग में सम्पत्ति है)
 - 4. (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उबत स्क्यन्ति के अर्जन के संबंध को कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियाें पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अस्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्मुची

फ्लैंट नं. 1401 जो 14वी मंजिल, इमारत प्रिमियम टॉवर्स प्लांट र्न. 351 एस नं. 41 (अंग) 4 बंगलीन वर्सीवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है। श्रनुसूचीं जैसा की कं सं. श्रई-22/37ईई/10383/

84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक ्र 27-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख :-- 2-4-1985 --मोहरः

(जो) लाग न हो उसे काट दीजिये

Ref. No. AR-II|37EE|10383|84-85.-Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 1401, 14th Ploor, Premium Towers, Plot No. 351 S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (Wcst), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- M/s. Lokhandwała Estates & Develop. Co. (P), Ltd. (Transferor)
- 2. M/s. Traco Enterprises, (Transferce)
- 3. -Do-

(Person in occupation of the property)

4. -Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1401, 14th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400053.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10383/84-85, dated 27-8-1984.

Dated: 2nd April, 1985.
SEAL.

(Strike off where not applicable.)

सं.श्रर्थ-2/37ईई 10384 84-85 लक्ष्मण दास आयकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे ईसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100000-म. से अधिक है और जिसकी सं. फर्लंट नं. 1401 जो, 14 वी मंजिल इमारत प्रिययिम टाँवर्म प्लांट नं. 351 एम० नं. 41 4 बंगलोज वर्मोवा अंधेरी (प) बम्बई-58, में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप मे र्वाणत है और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की भ्रारा 269 क ख के भ्रशीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 27-8-3984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये

अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिल्त का बाजार मूल्य से उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से श्रीधक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल । निम्निलिखित बहेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप, से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीव कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 के 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- मेसर्स लोखंडवाला इस्टेंटस एंण्ड ं (भ्रन्तरक)
 डेव्हलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. ।
- 2. मेसर्स इस्टर्न फायतेंस कांपीरेशन (श्रन्तरिसी)
- 3. (वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- 4. ——(बह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह राजना जारी करके पृथोजित सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां क्षक करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उनद स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसुचैी

फलेंट नं. 1402, जो, 14 वी मंजिल इमारत प्रिम-यम टांवर्स प्लाट न. 351 एस. न.41(अण), 4 बंगलोज वसोंवा अधेरी(4) ब्रम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसाकी क.स.श्रई-2/37ईई/ 10384/ 8-4-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 27/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

सारीख 2/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10384/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 1402, 14th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule an lexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income, or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Lokhandawala Estates & Develop. Co. (P) Ltd. (Transferor)
- 2. M/s. Eastern Finance Corporation (Transferce)
- 3. -Do-

(Person in occupation of the property)

4, -Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1402, 14th Floor, Premium Towers, Plot No. 351, S. No. 41 (Part) 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II/37EE/10384/84-85, dated 27-8-1984.

Dated · 2nd April, 1985. SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश स अई-2/37-ईई/10379 /84-85 श्रत. मुझे लक्ष्मण दास श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात "उक्त श्राधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 100000 – हा. से श्रधिक है और जिसकी स. युनिट नं 4 क्यं, जो लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट, न्यू लिक रोड एक्सटेंशन अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित हे और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा स्रायकर अधिनियम की धारा 269 कख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 27/8/1984 को पूर्वोक्त सम्मन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त समपत्ति का बाजर मुख्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिणत से श्रधिक है और अंतरक (को) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तथ पाधा गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित से वारतिवक रूप में कथित नहीं किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की दावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए और/या (स) ऐसे किसी अार या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) केंद्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनूसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नालिकिन व्यक्तियों अधित् —

- ा. मैसर्म लक्ष्मी इंस्ट्रियल इस्टेट । (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स सोनियाणाम्स- विर्क । (श्रन्तरिती)

3. ---

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. --

(बह क्यक्ति जिसके बारे में श्रधाहरूताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके प्रविक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम्ब करता हा। उक्त रम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप '—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्साक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेग ।

स्पप्टीकरण :—इसमं प्रयुक्त शब्दों और पद्मां का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ग्रनुसूची

युनिट नं 4 क्यू जो लक्ष्मी इष्टम्ट्रीयल इस्टेट न्यू लिक रोड एक्सटेंशन अंधेरी (प) बम्बई 58 में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा कि क. मं श्रई-2/37ईई/10379/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 27/8/1984 को रजीस्टई किया गया है।

नारीख 2/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10379|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Unit No. 4 Q, Laxmi Industrial Estate. New Link Road, Extention. Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- 1. M/s. Laxmi Industrial Estate (Transferor)
- 2. M/s. Soniashams—Werke (Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 4|Q, Laxmi Industrial Listate, New Link Road Extention, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10379|84-85 dated 27-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण स० अर्द-2/37ईई/9**0**87/84-85- अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी स. गाला नं. 3-एन., जो, लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प). बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधि-कारीं के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, नारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मत्य, उसके दुष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की हाइत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 पा 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में स्विधा के लिए और/शा
- (स) ऐसे किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विधा की लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उर धारा (1) के अधीन, निम्नितिख्ति व्यक्तियों अधीत:—

- 1. मैसर्स हामी इडस्ट्रीज (अन्तरक)
- श्रीमनी, रमा हरेश धूत (अन्तरिती)
- 3. अन्तरको ---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्सवधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्कित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनसची

"गाला न. 3-एन., जो, लक्ष्मी इंडस्ट्रोयल इस्टैंट; वीरा देमाई रांड, अधेरी (प). बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैंमा कि ऋ. स. अई-2/37ईई/9087/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टैंड किया गया है।

नारीख: 2-4-1985

मोहर:

(जो लागु न हा उसे काट दिजिये)

Ref No. AR-II|37EE|9087|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Gala No. 3N, Laxmi Indl. Estate, Veera Desai Road, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed lereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Hami Industries (Transferor)
- 2. Smt. Rama Haresh Dhoot (Transferee)
- 3. M|s. Hami Industries

(Person in occupation of the property),

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Gala No. 3-N, Laxmi Industrial Estate, Vcera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9087|84-85, dt. 9-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9091/84-85 ---अत: मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति. जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. फर्लेट नं. 103, जो, सूमन इमारत सीं.टी. एस. न. 1206, यारी रोड, बमोबा, अंधेरी (प), बम्बई-58. में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनमुचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्दी है, तारीख़ 9-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मून्य में कम के दुप्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजि? मृत्य, उसके दध्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की दाइत, भायकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मिनक्षा के लिए और/या
- (स) ऐसे किमी आय या किमी धन या उन्य जास्त्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कम अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्निचित्रित ब्यक्तियो अधीन;

- ा मैसर्स हिनेश कन्म्द्रटृक्णन कंपनी। (अन्तरक)
- 2. श्री बी. जगदीण प्रमाद घराव । (अन्तरिती
- (वह र्व्याक्त, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है. की वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह रूचना जारी करके पूर्योदित गरानि के अर्जन के लिए कार्यदाहियां कम्ब करका हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त हांती हो, के भीतर प्योक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।

(रू) इस गुचना के राज्ञपत्र मो एकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उत्तर स्थानर गम्पत्ति मा हिनकड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एाम लिस्ति मो किए जो सकेंगे।

स्पान्टीकरण : इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

पर्लंट नं. 103, जो, सुमल इमारत, सी. टी.एस. नं. 1206, यारी रोड,वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनूसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/9091/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9091|84-85.—Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000,bearing Flat No. 103, Suman Bldg., Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereg for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Hitesh Construction Co. (Transferor)
- 2. Mr. B. Jagdish Prasad Ghuraboo (Transfereree)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103, Suman Building, CTS No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9091|84-85, dt. 9-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal -

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37ईई/9070/84-85:——अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिमे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और और जिसकी सं. पलैट नं. 703, जो, 7 वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स इमारत, प्लाट नं. 351, एस.नं. 41 (अंग), 4 बंगलोज बर्मीवा, अंधेरी (प), बम्बई-58. में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचीं में और पूर्ण रूप से बणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधिन, सक्षम प्राधिकारी

के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मृत्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की शब्त, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें इचने में मिविधा के लिए और/धा
- (स) ऐसे किसी आस या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सरिधा के लिए

बत अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निनिष्यत व्यक्तियों अर्थात् .--

. मैनर्स लोखंडवाला इंग्डेट्स अण्ड डेव्हलोपमेंट कपनी (प्रायवेट) लि.। (अन्तरक)

 कप्टन केन्नेथ खान और श्रीमती, दिलाराँ खान। (अन्तरिती)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

4 मैसर्भ ओणिवरा लैंग्ड़ डेव्हलीपमेट बंपनी (प्रायवेट) लि.।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पन्ति में हिनबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया क्रम करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध स कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस मचना के राजात्र मा प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अनिथ, या तत्संबधी व्यक्तियों पर सचना की तारील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस सचना के राजपत्र स एक इस की तारीख के 45 दिन के भीतर उदत न्थानर समाति मो हित बद्ध किसी पन त्यतित द्वारा अशोहम्बाधारी के पास लिकिट मो किए का सकेंग ।

म्पष्टिकरण — इसम प्रयुक्त शब्दा और पदों का जो प्रायुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्दाय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है। अन्म्ची

"पर्लंट नं. 703, जो, 7वी मंजिस, प्रिमियम टावर्स इमारत, प्लाट नं. 351, एस. नं. 41 (अंग), 4 बगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बंस्बई-58 में स्थित है।

अन्मूची जैमा कि क. स. अई-2/37 ईई/9070/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 9-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 2-4 1985

मोहर

*(जो लागू न हो उसे का दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9070|84-85.--Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000)bearing Flat No. 703, 7th Ver-Premium Towers, Four Bungalow, Andheri (W) Bombay-58 ~ sova. (and more fully described to the Schedule as necesi hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have were been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid projectly by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- M|s. Lokhandwala Estates & Development (Transferor)
- 2. Capt. Kenneth Khan & Mrs. Dilara Khan (Transferce)

3.

(Person in occupation of the property)

4. M|s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said, property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 703, 7th floor, Premium Towers, Plot No. 351 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE[9070]84-85, dt. 9-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

आई-2/37ईई/9092/84-85.—अतः मुझे निर्देश सं. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 100000 रु. से अधिक है और जिसकी मं. फ्लैंट नं. 102, जो, समन इमारत, सी टी एस नं. 1206, यारी रोड, वर्सीत्रा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ऋप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत मे अधिक है और अंतरिक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देश्य से उपन अंतरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की रावत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मिविधा के लिए और/या
- (र) ऐसे किसी आप या किसी धन दा अन्य आरित्यों की जिन्हा भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्य अधिनियम, 1861 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्तिका के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण मो, में एक्त अधिन की धारा 269ए की उए धारा (1) के अधीन, किसानिक्त व्यक्तियों अर्थान :—

- मैसर्स हितेश कल्प्ट्रनशन कंपनी (अन्तरक)
- 2 श्री कृष्णा नंद सिंग (अन्तरिती)

3 ---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

1 ---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्जवाहियां श्रम करता ह । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप——

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख़ में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होतीं हो के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की नारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में भोतर हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीह-स्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदी हा जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में, परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

इ.नम् च

फर्लंट न. 102, जो मुमन उमारत, मी. टी. एस. न. 1206, पारी भोड, वर्मीबा, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि ऋ ग. अई-2/37 ईई/9092/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक-9-8-1981 कोरजीस्टई किया गया है।

नारीख 2-4-1985

मोहर.

* जो लागू न हो उसे काट दीजिए।

Ref. No. AR-II[37EE]9092[84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing Flat No. 102, Suman Building C.1.S. 1206. Yari Road. No. Andheri (West): Bombay-400058 (and more sova. tully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M[s. Hitesh Construction Co, (Transferor)
- 2. Mr. Krishna Nand Singh (Transferce)
- 3. —

(Person in occupation of the property)

4. ---

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, Suman Building, C.T.S. No. 1206, Yari Road, Versova Andheri (West). Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9092|84-85 dated 9-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37ईई/9787/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं. फलैंट नं. 1-ए, जो, अंजली, प्लाट नं. 2, एस. नं. 121, 7 बंगलोज, वर्सीवा व्हिलेज, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण कूप से वणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए और/बा
- (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्विधा के लिए;

कन अब उका र्याधीनयम की धारा 269म के अन्मरण में, मी उक्त विधित्यम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नालिकित व्यक्तियों अर्थान् :—

- बाम्त्रे हार्डामण कार्परिणन। (अन्तरक)
- 2. श्री. ग्याम मेहता। (ग्रन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. --

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम् करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

प लैंट नं. 1-ए, जो, अंजली, प्लाट न. 2, एस न. 121, ७ बंगलोज, वर्सोवा व्हिलेज, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क्र. मं. श्रई-2/37ईई/9787/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रिजस्टर्ड किया गयो है।

तारीख : 2/4/1985

मोहर ;

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9787|84-85.—Whereas, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act's, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 1-A Anjali, Plot No. 2 S. No. 121, 7 Village, Bungalows, Versova Bombay-400058 Andheri (West), (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent - of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquirition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Bombay Housing Corporation (Transferor)
- 2. Mr. Shyam Mehta (Transferee)

3,

(Person in occupation of the property)

4,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1-A Anjali, Plot No. 2, S. No. 121, 7 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. * AR-II|37EE|9787|84-85 dated 10-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal:

' (Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई -2/37ईई/9794/84-85:---अन: मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान, "उक्त अधियनम" कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100000 /-रु मे ग्रिधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 2 जो 3 री मंजिल, बी-विग, "मोता महल", प्लाट नं. 53, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्न को-ग्राप सोसाइटी लि. 4 बंगलोज के पास श्राफ जे. पी. रोड वर्सीवा मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका बाजार मुल्य, उसके दुण्यमान प्रतिफल ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रति-गत मे प्रधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अतंरण से हुई किसी श्राय की बाबत आय कर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उगमे बचने में सिवधा के लिए और/ग
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के लिए

अतः अद उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों अर्थात :—

1. मैसर्म डायना इस्टेटस प्रायवेट लि. (ग्रन्तरक)

2. श्री. सतिष ग्रच्यत किणी। (ग्रन्तरिती)

3. --

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —

(वह व्यक्ति जिस बारे में ब्रधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूष्ट करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि, या नत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पृवीं बत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस सचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितब द्व किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन सची

पलैट नं. 2, जो 3री मंजिल, बी-विग, "मोता महल", प्लाट न. 53, श्री स्वामी समर्थ प्रसन्त को-ग्राप सोसाइटी लि. 4 बंगलोज के पास, ग्राफ जे.पी. रोड, बर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि कं. सं. ग्रई-2/37ईई/9794/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, त्रम्बई द्वारा दिनांकः 10/8/84 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9794|84-85,---Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 2, 3rd floor in B Wing, Mota Mahal, Shri Swami Samartha Prasanna CSL, Near Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Scheme annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax bunder the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Dina Estates Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Mr. Satish Achyut Kini (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd floor in B Wing of 'MOTA MAHAL' Plot No. 53, Shri Swami Samartha Prasanna CSL, Near Four Bungalows, Off J.P. Road, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9794|84-85 dt. 10-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/9760/84-85—अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार सल्य 100000/- स्. से अधिक है और जिसकी सं. युनिट न. 15/एल सी. जो, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट्स, न्यु लिंक रोड एक्सटेंगन, अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपावड अनुसूची में और पूर्ण चप में विणित है), और जिसका करारतामा आयवार अविनियम की धारा 269 कल्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में एजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्य-मान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति द्वाः ताजार मल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 की 45) के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविक्षा के लिए और/या
- (स) ऐसे फिसी आप या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में जिन्धा के लिए

अत अब उकत अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्न अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीत. निम्मालिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

- मैसर्स चिराग, इन्ब्हस्टमेंट ट्रेडिंग कपनी (अन्तरक)
- 2. मैसर्स लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट (अन्तरिती)
 - (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहम्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितकड़ है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंगां घरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हिन्दे द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णम लिखित में किए जा सकेंग ।

स्पट्छेकरण — इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

युनिट नं. 15 /एन.सी., जो लक्ष्मी डडर्स्ट्रायल डस्टेट स्युनिक राउएक्सटेशन, अधेरी (प), बम्बर्ट-58 मेस्थित है।

अनुसूची जैमा कि क म. अई-2/37ईई/9760/84-85 ओर जा मक्षम प्राधिकारी, बम्बईद्वारा दिनाक 10-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नारीख 2-4-1985

मोहर:

(जो लागुन हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-11/37EE/9760/84-85.---Whereas, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing Unit No. 15|LC in Laxmi Indus-LinkRoad trial Estate, New Bombay-58 Andheri (W) (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly dated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax hinder the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- 1. M/s. Chirag Investment Trading Co. (Transferor)
- 2. Ms. Laxmi Industrial Estate (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 15 LC in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EF|9760|84-85, dt 10-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. आई-2/37 ईई/9090/84-85--अत : म्झे नाध्मणदास आयक्य अधिनिया, 1961 (1961 की 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिवारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित तानार मल्य 1 00 000/- ए० से अधिय है और जिसकी सं फलेट न. 201, जो, सुमन इमारा, सी टी एसं नं. 1206, यारी रोड वर्सोता, अधेरी (ए) बस्बई 58 म स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्णरणसे वर्णित ह), आर जिलवा करारनामा आपकर की धारा 269वंख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्ट्री है. तारीख 9-8-1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वानार मृत्य से कम के दृष्यभान प्रतिफल है लिये अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास वरने का कारण है कि सवापूर्वित सम्पत्ति का बाजार मृत्य इसके दूरसमान प्रतिकृत, ऐसे दूरयमान प्रति*हा*न के पद्रह प्रतिभान ने अधिक है और अनरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित मे वास्तविक रूप से क्षित नहीं किया गया है-

(क) अन्तरण य हुई किसी भाय की राइत, आयकर जिल-निगम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर दने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उगमें इसने में मुख्या के लिए और/या (ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयंकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में मिथा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्निनिस्त व्यक्तियों अधीत, —

- गैसमं द्वितंश कन्स्ट्रक्शन कंपनी। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती, कलावंती आलमचन्द बालचंदानी (अन्तरिती)
- 3.· वही

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. वही ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबंध है।)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्ति मम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया ६ क करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबेंध में कोई भी आक्षेत्र :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त अविधि में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबड़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निकल्मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

फर्लौट नं. 201 जो सुमनं इमारत,सीटी एस नं. 1206 यारी, रोड, [बर्मीका, अंधेरी (प) ब्रम्बई-58 में स्थित है।]

अन्मुची जैसा कि क सं. अई 2/37 ईई/9090/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्धारा दिनांक 9/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 2-4-1985

मोहर:

(जो लागु न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II|37EE|9090|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 19(1), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-201, buildbearing Flat No. Suman 1206, Yari Road, ing, CTS No. Andheri (W) Bombay-58 (and sova, fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

__ -__ -__ -__

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Hitecsh Construction Co. (Transferor)
- 2. Mrs. Kalavanti Alamchand Balchandani (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, Suman Building, CTS No. 1206, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9090|84-85, dt. 9-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/9789/84-85 -- अतः मुझे लक्ष्मणदास, आयकर अधिनियम, 1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावार सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 1,00,000/- २० से अधिक है और जिसकी म. प्लैंट नं. 1001, जो, 10 वीं मंजिल, मंग्नम टावर्स इमारत, प्लाट नं. 357, एस नं. 41 (अंग), 4 बंगलोज वर्मीवा, अंधेरी (पं), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रजस्ट्री है तारीख 10-8-1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मह्य से कम के दुश्यमान प्रति-फल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथा पर्वेक्स सम्पन्ति का बाजार मत्य , उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक /अंतरकों और अंतरिती / अंतरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने था उससे बचने में सृष्टिक्षा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिक्श के लिए

अत: अब उका अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिश्वित व्यक्तियों अर्थाता:—

श्री/श्रीमती/कुमारीः—मैसर्स लोखंडवाला इस्टेंटस एण्ड डैबह्लोपमैन्ट कंपनी (प्रायवेट लिमिटेड) (अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी:--- श्रीमती ओनायझा झाएव लोखंडवाला (अन्तरिती)

श्री /श्रीमती/कुमारी वहीं (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुमारीः—मैसर्स ओशिवरा लेन्ड डैब्हलोपमेंन्ट कंपनी (प्रायवेट) लि.)

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथोिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क्ष) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : समें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

"फलैंट नं. 1001, जो 10 वीं मंजिल, मैंग्नेम टावर्स इमारन, प्लाट नं. 357, एस नं. 41 (अंश) 4 अंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प०) बम्बई-58 में स्थित है।

् अनुसूची जैसा की क मं. अर्ड०/2/37 ईई/9789/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टेंड हिया गया है

तारीख 2/4/1985

मोहर

(जो लागुन हो उसे सगट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9789|84-85,---Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hercinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000]and bearing Flat No. 1001, 10th floor, Magnum To-Andheri West, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Ms. Lokhandwala Estates & Development Company Private Ltd. (Transferor)
- Mrs. Onaiza Zoeb Lokhandwala (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. M|s, Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1001, 10th floor, MAGNUM TOWERS, Plot No. 357 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE|9789|84-85, dt. 10-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/9754/84-85 :---अठः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी सं. फलेट नं., 407, जो 4 वीं मंजिल, बी⊸-इमारत, सुन्दर पार्क, आफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधि-क्षारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का-उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-मान प्रतिर्फल के पन्द्रह प्रतिशित में अधिक है और अंतरक/ अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :⊸−

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/ना
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हांग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

श्री/श्रीमती/कुमारी:---मैसर्स सुन्दर क्रन्स्ट्रक्शन कम्पनी । ---(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/ कुमारी '---श्री रिवन्द्र वसंत नाईक । ---(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :---(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पित्ति है)

श्री/श्रीमती/ कुमारी ः--∸

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हु। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस म्चरा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किभी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची ै

"फलट नं. 407, जी, 4 थी मजिल, बी.-इमारत, सुंदर पार्क, आफ बीरा देशाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अई-2/37ईई/9754/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 10-8-1984 को रजिस्ट्रई किया गया है ।

सारीख: 2-4-198**5**

मोहर :--

. (जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|9754|84-85.—Whereas, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-4th and bearing Flat No. 407, floor, Building, Sunder Off Park. Veera Desai Road, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule antrexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Sunder Construction Co. (Transferor)
- 2. Mr. Ravindra Vasant Naik (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the ^{γ2}said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

3.

SCHEDULE

Flat No. 7, on 4th floor, B Building, Sunder Park, Off Veera Desai Road, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9754|84-85, dated 10-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई---2/37ईई/9068/8 4-8 5:-- अत: मसे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का फ़ारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और फलट नं. 701, जो, 7 प्वी मंजिल , प्रार्हम जिसकी रोझ इमारत ,प्लाट नं. 318, एस. नं. 41 (अंश), 4 बगलीज, बसोचा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) और जियका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कुछ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में एजिस्ट्री है, तारीख़ 9-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य के यम से कम दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वांस करने कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके द्यामान प्रतिकल के, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक(कों) अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देश्य म उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्दा, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए और/या
- (स) •ोसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्नीनिक्त व्यक्तियों अर्थात् .—

- मैं सर्व लोखंडवाला प्रिमायसर्व प्राइवेट लि. । (अन्तरक)
- श्री ताहेरभाई अलीहुसैन बाहराईनवाला । (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति , जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) _

4. मैंसर्स ओणिवरा लन्ड डेव्हलोपमेट कम्पनी (प्राइवेट) ति.।

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहम्पाटरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)-

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम्ट करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इ.स सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर प्रमूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखिन में किए जा सुकेगे।

स्पष्टीकरण: -इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची ,

"फलट नं. 701, जी, 7वी मंजिल, प्राईम रोझ इमारत, प्लाट नं. 318, एस. नं. 41(अण) , 4 बंगलोज, वसोवा, अंधेरी, बबई-58 में स्थित हैं।

अनुसूची जैंगा कि क.मं. अई--2/37ईई/9068/8 4-8 4 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिवांग, 9-8-1984 को रजिस्टुड किया गया है।

तारीख: 2-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे शाट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|9068|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 701, 7th floor, Prime Rose Bld. Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)
- 2. Mr. Taherbhai Alihusam Bahrainwala (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. Mls. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 701, 7th floor in the building Prime Rose, plot No. 318 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE]9068[84-85, dt. 9-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई /37/ईई/9069/8 4-85: --अतः मञ्जे, नधमण दाग, आयहर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधि हारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 10,0,000/- र. से अधिः है और जिसकी 704, जो, 7 वी मंजिल, प्रिमियम टाइर्स इमारत, प्लाट नं. 351, एस. न. (41) अंग 4 बंगलें(ज, यसींवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमे टपाबद्ध अनस्वी में ऑर पुण रूप से विशित है), और जिसका करारनामा आयवर अधिनियम की धारा 269 क्ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मेर्जिस्टी है, तारीख 9-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार महय से अम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास वारने का कारण है कि स्थापुर्वोकत सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐस दुष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंजिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया, गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविधा के लिए और/सा
- (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थाता :—

- 1. मैंसर्स लोखंडवाला इस्टेटस अण्ड डेव्हलापमेंट कम्पनी। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती दिलारा खान और कैंग्टन केनेथ खान। (अन्तरिती)
- 3. श्री/श्रीमती/कुमारो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. मैसर्स औशिवरा लैन्ड डब्हलोपमेंट कंपनी (प्रा) लि. । (यह ब्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हो। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

> (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी

अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(स) इस मूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स ची

"फलट नं. 704, 7वीं मंजिल, प्रिमियम टावर्स इमारत, प्लाट नं. 351, एस. नं. 41(अंश), 4 बंगलोज, बसोबा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37-ईई/9069/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजिस्टुई किया गया है।

तारीख 2-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|9069|84-85.—Whereas, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000; and bearing Flat No. 704, 7th floor, Premium Towers Bldg., Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- M|s. Lokhandwala Estates & Development Co. (P) Ltd. (Transferor)
- 2. Mrs. Dilara Khan & Capt. Kenneth Khan (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. Ms. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 704 on the 7th floor in the building Premium Towers at Plot No. 351 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9069|84-85, dt. 9-8-1984.

Dated: 2-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/8817/84-85:—अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) कि धारा घ के अधिन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति जिसका ऊचित बाजार मृख्य 100,000 से अधिक जिसकी फलट नं. 505, जो, 5वीं मंजिल, सिम्फोनी-बी इमारत, प्लाट नं. 344, एस नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्मोदा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है, (और जिनहा करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 करण के अधीन

सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, से उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत में अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितीयों के बीच ऐसे. अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त औतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई िक्सी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/मा
 - (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात :---

(अन्तरक) मैसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेट लि.।

श्रीः संजय कुमार भाटीया। (अन्तरिती)

> (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में नम्पस्ति है) मैसर्स ओशिवरा लैन्ड डेव्लपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

ह कि वह सम्पान्त माहतबद्ध ह)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से कि मी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है। अनुसूची

"पर्नट नं. 505, जो, 5वीं मंजिल, सिम्फोनी-बी इमारत, प्लाट नं. 344, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37 ईई/8917/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 की रिजस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 8th April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE|8817|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 505, Symphony B Building, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M|s. Lokhandwala Premises Private Ltd. (Transferor)
- 2. Mr. Sanjay Kumar Bhatia (Transferee)

- (Person in occupation of the property)
- 4. M|s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 505, 5th floor in the building Symphony-B, Plot No. 344 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8817|84-85, dt. 2-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable)

निर्देण मं. अर्ड-2/37 ईई/8879/84-85:--अत: मझे. लक्ष्मण दास, आयमर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) कि धारा घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 100,000/- मं. से अधिक है और जिसकी फलैंट नं. 1108, जो, 11वीं मंजिल, शेफिल्ड टावर्स इमारत, प्लाट नं. 354, एस नं. 41 (अंग्र,) 4 बंगलोज, वर्सोबा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। (और इससे उपाबड़ अन्मुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिपका करारतामा आयक्तर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कव के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्त्राग बारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरव/अंतरको और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिमनलिखित उद्देश्य से

उक्त अंतरण लिखित में वास्तवित क्य से लिखित नहीं जिया गया है।

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की वाबत, आयकर अधि-वियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व मी कमी करने या उसमें बचने में मिविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इस्प्रियन नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविधा के लिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों अधीत: —

श्री क्ञम पेस्टोनजी भाषा। (अन्तरक)

टवीणा वाधवान । (अन्तरिती)

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

मैसर्भ आमित्ररा लैन्ड डेब्लपमेंट कंपनी (प्रायवेट), लि. । (बह व्यक्ति, जिसके वारे में अधोहमाक्षरो जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूष करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षोर :—

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सबना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वीकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (म्ण) इस सूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीम के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर समात्ति मो हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के णस लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

"पर्नेट नं. 1108, जो, 11वीं मंजिल, श्रोफिल्ड टॉवर्म इमारत, प्लाट नं. 354, एस. नं. 41 (अंश), बंगलीज, वर्मोबा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसा कि क. मं. अई-2/37ईई/8879/ 84-85 आर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनात 3-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

नारीख: 8-4-1985

मोहरः

(जो लागू न हो उस काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8879|84-85,---Whereas, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000-and bearing Flat No. 1108, 11th floor, Sheffield Bldg., Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more ally described in the Schedule amesco hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB or the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Crrus Pestonji Bhadha (Transferor)
- 2. Twisha Wadhawan (Transferee)

3. ___

(Person in occupation of the property)

4. M|s. Oshiwara Land Dev. Corp. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1108, 11th floor, Sheffield Bldg., Plot No. 354 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8879|84-85, dt. 3-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. अई-2/37 ईई/10377/84-85:--अतः मझे. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिपकी फ्लैंट नं. 102, जो, 1ली मंजिल, चंद्रप्रभा, 84 इल शिक्र के पीछे, स्थामी विवे गनंद रोड़, अंघेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका अरारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 व ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बर्ड में रजिस्ट्री है। तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मुख्य से कम दण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे _____ यह विज्वास करने का कारण है कि **यथापूर्वीक्त सम्पत्ति** का बाजार मुल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफटा विस्तिलिखित उददेश्य से उस्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं शिया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मिष्शा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनाध्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. स्थिपने में जित्था की लिए

166 G1/85--- 14

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ए के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 289घ की उप धारा (1) के अधीत. निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

- मैसर्स संघवी डन्स्ट्रवशन्म । (अन्तर्ह)
- 2. श्री अमृतलाल रतनजी शहा और श्रीमती, व्रजकुंबर सोमचंद शहा ।

(अन्तरिती)

(वह ज्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- . (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों संजनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
 - (रू) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

 $^{\prime\prime}$ फ्लैंट नं. 102, जो, 1ली मंजिल, चंद्रप्रभा, 84इला क्रिज के पीछ स्वामी विवेशानंद रोड़, अंधेरी (प) ंबम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा ि क. सं. अई-2/37 ईई/10377/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि ारी बम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजिस्टई ़िया गया है।

तारीख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न ही उसे काट दीजीये

Ref. No. AR-II|37EE|10377|84-85.--Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-Flat 102, Chandraprabh, bearing No. Behind Bridge, Swami Irla nanda Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule anacked hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB or the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

27-8-1984 for an apparent consideration which is

- M|s. Sanghavi Construction (Transferor) 1.
- Shri Amrutlal Ratanji Shah and Smt. Vrajkoever Somchand Shah (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette. or a period of 30 days from the service of this notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 102, Chandraprabh, Behind 84 Irla Bridge, Swami Vivekananda Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10377|84-85 on 27-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई 8/88/84-85 .--अतः मझे, लक्ष्मण दाम, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् ''उक्त अधिनियम'' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्पत्ति जिसका उचित बाजार मृहय 100,000/ रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 2 जो पहली और दूसरो मंजिल, युनिट नं. 5, सनी साईड युनिटम्, प्लॉट नं. 355, एस. नं. 41(अंश), 4 बंगलोज, वसीया, अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम . 1961 की धारा 269क के अबोन सक्षम प्राधिक री के कार्यालय, बम्बई में रिजम्ट्रो है तारोख 3-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पुर्वेक्ति सम्पन्ति का उक्ति बाजार मृत्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्म लिखित उट्टेग्य मे उ≯न अंनरग लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के टायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ब) ऐसे किसी आर या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पिक्षा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, निम्निकिंग व्यक्तियों अर्थात —

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातु :---

मेसर्म लोखंडवाला इस्टेट्रम एण्ड डेब्ल्प-मेट कंपनी प्रायवेट लि. (अन्तरक)

श्री, एन, आर. अगरवाल औरश्रीमती एस, एन, अगरवाल। . (अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कुमारी :---

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) मेसर्स ओशिवरा लैन्ड डेब्लपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि.।

(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के क्षिये कार्यवाहियां शूरु करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वा कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक कि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का आं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 2 जो पहलो और दूसरी मंजिल युपिटनं. 5 सनो साईड युनिट प्लाट नं. 355, एस. नं. 41 (अंग) 4 बंगलोज, वसीवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क.सं. अई-2/37 ईई/888 1/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो, बम्बई द्वारा विमांक 3-8-1984 को रजिस्टड किया गया है।

तारीख:-8-4-1985

मोहर

(जो लागू नही उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8881|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 Flat No. 1 st bearing floor of Unit No. 5 of SUNNY SIDE UNITS, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more, fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

3-8-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Lokhandwala Estates & Development Company Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Mr. N. R. Agarwal & Mrs. S. N. Agarwal (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. Mis. Oshiwara Land Dev. Corp. (P) Ltd. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, 1st and 2nd floor of Unit No. 5 of Sunny Side Units, Plot No. 355 of S. No. 41 (Pt.) Four Bungaloes, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8881|84-85, dt. 3-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37-ईई/10382/84-85 .- अत: मुझे, लक्ष्मण दास् अध्यकर अधित्यम 1961 (1961 का 13) (बिर्स इसमे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269घ के अर्ध।न. सक्षम प्रास्कि।री को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000 र. से अधिक है और । जसकी स. फ्लेट न. 701, जॉ 7वी इमारत होमलेन्डम ब्लाट न. ३४१ वस. न. ४१(अण) য় ৰ্ণালীস, बर्मीका, अधेर। (ए) অম্বর্গ-১৪ ম ম্থিন ই (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकार अधिनियम की धारा 269क व के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वई में रजिस्दी नारीख 27-8-1984 को पुर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई हे और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पन्ति का बाजार मृत्य उसके दैण्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (का) और असरिता(यो) के बाच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय में उक्त अंतरण लिखित में कास्तविक रूप से कथित नहीं। किया गया है .--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आए की शावन, आयकर अधि-निएम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उममें दचने में मिविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे कियो आप या कियो अन या उन्य आस्त्रियों की जिन्हें भारतीय आरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के उयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए

अत अब उप्त अधिनियम की धारा 269र के अन्मरण मं, मी उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निनिष्टित व्यक्तियों अर्थात —

 में सर्म लोखंडवाला प्रिमायमेस प्राथवंट लि.। (अन्तरक)
 थश्रोमती मार्था फिलोमिना फ़र्नान्डीस और श्री मृकाबिका बालकृष्णन बालासदरन

(अस्तिरिसी)

3. --- (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संस्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बार में अधाहरताक्षरी जानता है, की यह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहार शुरू करताहा। उक्त रम्पत्ति के अर्जन के सबक मोकोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अर्वाध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भो अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मुचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क णम लिखन में किए जा सकेये।

स्पष्टोकरण: --इसमो प्रयुक्त शब्दा और पदा का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय मुदिया गया है।

अश्मची

फ्लंट न. 701 जो 7वी म Γ ल, इम Γ रत हामलेन्डस, प्लाट न 341, एस न. 41 (अश), 4 बगलोर्ज, वर्सींबा, अंधरा (π) , अम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूच। जेसाकि क.स.जई-2/37ईई/10382/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनाक 27-8-1984 का रिजरटर्ड किया गया है।

नारीख:-8-4-1985

मोहर

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No AR-II₁37EE₁10381 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Jucome-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, Rs. having a fair market value exceeding -100,000aud Flat 701. bearing No. 7th floor, Homelands, Four Bungalows. Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and morefully described in the Schedule mexed heratio), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
- Mrs. Martha Filomena Fernandez and Mr. Mookambika Balkrishnon Balasundran (Transferee)
- 3. (Person in occupation or the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHFDULE

Flat No. 701, 7th floor, Homelands, Plot No. 341 of S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10382|84-85, on 27-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10406/84-85 अन. मुझे, लक्षभण, दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसवा उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. कमरा नं. 50 जी पहली मजिल, राणनलाल अगरवाल शापिंग आवर्डेंड, प्लॉट न. 49, 50, 65, 66, एस. न.

41 (अंश) ऑफ़ जे.पी. रोड, वर्मींवा अंधेरी(प), बस्बर्ड-58 में स्थित है (और इसमें उप बद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बस्बर्ड में रिजिस्टों है तारीख 28-8-1984 को पृवींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफ़ल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वींकत सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफ़ल के पंद्रह प्रतिशत सं अधिक है और अतरक (कों) और अंतरितो(यों). के बोच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ़ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से क्षित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैसर्स आर. एन. ए. बिल्डर्स (अन्तरक)

श्री नर्रांमगदास एन. अदनानी (अन्तिरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुख्या जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो। उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (कः) इस सचना के राजपत्र मों प्रकाशन की नारीख के 45 दिन को भीतर उक्षत स्थातर सम्मित्ता मों हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

"कमरा नं. 50, जो पहली मंजिल, रोमनलाल अगरवाल गाँपिंग आर्केड, प्लॉट नं. 49,50,65,66 एस. नं. 41 (अश) आंफ़ जे.पा. रोड, लोखंडवाला कॉम्प्लेक्स के पास, वर्मीवा, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैसाकि क्र. सं. अई-2/37ईई/10406/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 28-8-1984

तारीख:-8-4-1985

को रजिस्ड किया गया है।

माहर

(जो लागू न ही उसैं काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10406|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incoe-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Room No. 50, 1st floor, Roshanlal Agarwal Shopping Arcade, Off J.P. Road, Near Lokhandwala Complex, Versova, Andheri(W), Bombay (and morefully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. R. N. A. Builders (Transferor)
- 2. Mr. Narsingdas N. Adnani (Transferee)

4.

- 3. (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Room No. 50, 1st floor, Roshanlal Aggarwal Shopping Arcade, Plot No. 49, 50, 65, 66 S. No. 41(Pt), Off J. P. Road, Near Lokhandwala Complex, Versova Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II|37EE|10406|84-85, on 28-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ए आर-2/37-ईई/10381/84-85:---अत: मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 100,000/- रु. मे अधिक है और जिसकी सं० पलेट न. 202 जो 2री मंजिल वर्सोवा सबेरा को-ऑप. हाउभिंग मोसाइटी लि. पिकनिक कॉटेज वर्सोवा रोड. बम्बई-61 में स्थित है और (इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिस्टर्ड है तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य में उनत अंतरण लिखित में बास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, आयकर **अधि**-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में मिश्रिया के लिए और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 31) या अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

कत. अब उच्या अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, में उच्या अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नितिस्थित व्यक्तियों अभीत् :—

1. स्किपर कन्स्ट्रक्शन कंपनी (प्रायवेट) लि. ।

(अन्तरक)

2. मिनव्ही सिल्क मील्स ।

(अन्तरिती)

3. अन्तरको ।

(वह र्व्याक्त जिसके अधिभाग मे सम्पत्ति है)

4

(वह व्यक्ति जिसके व रे में अधोहम्ताक्षरी जानना है की वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य वाहियां गरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तासील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस मूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिनबढ़ टिसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

"क्लैंट नं 202 जो 2री मंजिल वर्सोवा सवेरा की-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी ली पिकनिक कॉटेज वर्सोवा रोड तम्बई-61 में स्थित हैं।

अनमूची जैसाकि क. सं. आई-2/37ईई/10381/84-85 और जो सक्षम प्राप्धिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रजीस्टई किया गया है।

तारीखा 8-4-1985

माहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10381/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (herematter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the improvable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 202, 2nd Floor, Versova Sevara Co-opp. Housing Society Ltd., Piknic Cottage, Varsova Road, Bombay-ol (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

Skipper Construction Co. (P) Ltd.

(Transferor)

2. Minerva Silk Mills (Transferee)

3. Transferor

4.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knews to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Floor, Varsova Severa Co-op. Housing Society Ltd., Picknik Codage, Versova Road, Bombay-61.

the agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-III37EE 10381 84-85, dt. 27-8 1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. ए. आर 2/37ईई/8880/84-85 --अत: मझे. लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका बाजार मत्य 100,000/-5. में अधिक है और जिसकी सं, फ्लैंट न. 201 जो 2री मंजिल प्राजीम रोड इमारत प्लॉट न 318 एस. न. 41(अंश) 4 बगलोज वर्सीवा अंधेरी(प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनम्ची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्शरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रति-फल के पन्द्रह प्रतिणत में अधिक है और अंतरक/अंतरको और अंतरिती/अंतरिियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आयं की दाबत, आयंकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीर कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उगमें इचने में गुबिधा के लिए और/गु
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या यस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिन्ध के लिए

अतः अब उक्ता अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपभाग (1) के अधीन, दिमानिक्ति व्यक्तियो अधीन,

श्री/श्रीमनी/कुमारी :---मेंसर्स लोखंडवाल प्रिमायसेस प्रायवेट लि. ।

(अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कृमारी :--श्रीमती कमल अरोरा ।

(अन्तरिती)

श्री/श्रीमती/कृमारी :-- --(बह व्यक्ति जिसक अधिशोग मे सम्पत्ति है) श्री/श्रीमती/कुमारी ---मेसर्स ओजिवरी एन्ड डेव्ह्लोपमेंट कंपनी (प्रायतेट) लि. ।

> (वह व्यक्ति जिसके बारे में अब्रोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध हैं)

को यह सुनना जारी करके प्योक्ति सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहिए। यह करना हा। उत्तर रमपित के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस स्थना के राजाल में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अवधि, या नत्मवधी व्यक्तियों पर सचना की तामीन 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पृवोकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता।
- (क) इस सचना के राजगत्र मो प्रकारना की नारीख के 45 दिए के भीतर उबत स्थानर सम्पत्ति मो हित्बद्ध किसी जन्य त्यक्ति हारा अलोहस्ताधारी के यास लिस्सि मो किए जा सकीयों।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त बन्दां और पदों का जा आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

"पलेट नं. 201 जो 2री मंजिल प्राइम रोझ इमारत प्लाट नं. 318 एस. न. 41 (अण) 4 बंगलोज वर्मीबा अंधेरी (प). बम्बई-58 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि क. सं आई-2/37ईई/8880/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 3-8-1984 को रजीस्टई किया गया है।

तारीख 8-4-1985 मोहर (जो लागु न हो उस काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|8880|84-85 --- Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,0001and bearing Flat No. 201, 2nd floor, Prime Rose Bldg., Versova, Andheri(W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay en 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties 166 GT/85--15

has not been truly stated in the said Instrument of Iransfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trunsferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- M|s. Lokhandwala Premises Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Mrs. Kamal Arora (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. Mis. Oshiwara Land Dev. Corp. (P) Ltd.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd floor, Prime Rose Bld., Plot No. 318 of S. No. 41(pt) 4 Bungalows, Versova, Andheri West, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8880|84-85, dt. 3-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. एआ^२-2/37ईई/8818/84-85 .--अतः म्झे लक्ष्मण दास आप्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पणात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा व के अधीन नक्षा प्राधिकारी की यह विश्वस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1000,00/- ह. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लेट नं. 302 3री संजिल होम कॉर्ट इमारत प्लॉट नं. 336 ए. न. 41 (अश) वर्पीया अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसाहा करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में राजिस्टर्ड है तारीख 2-8-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार म्ल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित्र वाजार मुख्य उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक/अनरकों और अंतरिनी/अक्तियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देण्य से उका अंतरण लिखिन से वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व से कमी करने या उससे बचन मो सृक्षिण के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धरा या अन्य आस्तियों वर्त जिन्ही भारतीय शारदार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर एकट नहीं किए। गरा था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सिक्षा की लिए

अनः अब उका अधिनियम की धारा 269ए के उन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269य की उप धारा (1) के अधीन, निम्हिनिया व्यक्तियों अधीन् —

श्री/श्रीभती/कुमारी:— में सर्म लोखन्डवाल प्रिमायसेम प्रायवेट लि. ।

--- (अन्तरक)

र्श्वा/श्रीमती/कुमारी:--श्रीमती टेरेमा विगाग और अन्य । ---(अन्तरिती)

श्री/श्रीमंती/कुमारी — — — (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कुम री — मेसर्स ओणिवर लैंन्ड डेव्हलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट) लि. । (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबद्ध है) को यह मूचना जारी करके पर्योचित सम्पत्ति के तर्जन के तिए कार्यकारियों अन्य करना हा। उपन र स्पत्ति के अर्जन के संबंध में नोई भी आहते :—

- (क) इस ग्वना को गजाय मा प्रकाशन की नागील में 45 विन की अयिक, या नत्सवधी व्यक्तियों गर सचना को ताशील 30 दिन की अयिक, को भी अर्जाभ बाद मा समान होनी हो, को भीतर पर्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी न्यां पर द्वारा।
- (र) इस सकता को राजपण या प्रकाशन की नारीख के 45 दिए को भीतर उद्या स्थाना गायिन में हिनबढ़ कियी शस्य त्यक्ति हारा अक्षोह्साध्यरी के णम िरिक में किया हारा सकीये।

स्पष्टिकरण :-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो, आयकार प्रचित्यम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनसूनी

"फ्लैंट नं 302 जो 3री मंत्रित होप्त कार्ट इमारत, प्लॉट न. 336, एम. नं. 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्मोत्रा, अंधेरी (प), वस्बई-58 में में स्थित है।

अनसूची जैसा की क. मं. आई-2/37ईई/8818/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 का रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीय 8-4-1985

सोहर

(जो लागुन हो उसे काट दीजिए)

Ret. No. AR-II|37FE|8818|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1951), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,500|and bearing Flat No. 302, 3rd floor, Home Court Bldg. Plot No. 336 of S. No. 41(pt) Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax hader the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisttion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- M/s. Lokhandwala Premises Private Limited (Transferor)
- 2. Mrs. Teresa Viegas & Others (Transferee)
- 3. (Persons in occupation of the property)
- M[s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersinged knows to be mu rested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd floor, Home Court Bldg., Plot No. 336 of S. No. 41 (pt) Four Bungalows, Versova, Andhen (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8818|84-85, dt. 2-8-1984

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/8836/84-85 .- यत मृझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमे स्थक पण्चान् "उवन अधिनियम" कहा गया है) की धारा घ के अधीन गक्षम प्राधिकारा की, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार

सूल्य 100,000/— रु. से अधिक हे और जिसकी दुकान न. 2, जा, प्राउड पलीर, "सिटीजन" प्लाट न. 27, एस. न. 41 (अग्न) 4 बंगलीज ओिजन्य, अधेरी (प) बस्वर्ड —58 से वियत है (ओर इसमें उपायत जन्मूची में ओर पूर्ण रूप से विणत है), और जिसका करारनामा आपकर अधि—नियम 1961 की धारा 269 कुछ के अधीन सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय, नम्बई में रिजस्ट्री है नारीख 2/8/1984 को पूर्वोक्त रामात्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने का कारण है कि यआपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पिन्द्र प्रतिकान में अधिक है और अनरक/ आरकों और अनरिती/ अतरितीयों के बीच ऐसे अनरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्मिनियत उदेश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की दादत, आयकर जिध-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अर एक के दायित्य म कमी करने या उसने दवने में मुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किमी जार या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयवन अभिनियम, 1972 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 15) या गत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्तिश के निए

वन अद उदा अधिनित्रम की धारा 269स के उन्मरण मो, में उक्त अधिनित्रम की धारा 269म की उद धारा (1) के अधीन, निम्माणिकन व्यक्तियों अधीन,

- 2, मैसर्स रवीराज कार्परिशन। - (अन्तरक)
- अभिन्ती जया एत. गोगीया। -(अन्तरिती)
 - (बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग ग सम्पत्ति है)

(बर व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्ताक्षरा जानता ह कि वह सम्पन्ति म हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वांका सम्पत्ति के प्रजीत के लिए कार्यवाहिया शरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्बन्ध मा कोई भी प्राक्षेत .—

- (क) इस सूचना के राजपण मां प्रकाशन को तारीब स 15 दिन की अर्जाश, या नत्संवधी व्यक्तियों पर सचना की नामील से 30 दिन की उत्तिथ, जो भी अर्जाश बाद मा समाप्त होती हा, के शीतर पाजांक्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति हारा।
- (ग) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की भागील के 45 दिन के भीतर उका स्पादर मम्प्रीत्त में हितबढ़ किसी अच्छ त्यक्ति द्वारा असीहगाक्षरी के एाम लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मो परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुम्बी

दुक्तान न. 2, जो, ग्राउड फ्योर, 'सिटोअन'', प्लाट न. 27, एस. न. 41 (अश), 4 बंगलाज, ओगियराः अक्षेरी (प), बस्बई— 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स. अर्६-2/37ईई/8836/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनाक 2/8/1984 का रिजिस्टेंड किया सवा है।

नारीख: 8/4/1985

मोहर:

*(जो लागून हा उसे काट दर्जिये)

Ref. No. AR-II 37EE 8836 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Shop No. 2, Gr. floor, Citizen, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule at a ved hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than nifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the ludian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Raviraj Corporation (Transferor)
- 2. Mrs. Jaya N. Gogia (Transferce)

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the card property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

haplanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 2, Citizen, Ground floor, Plot No. 27 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Oshiwara, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement ha_S been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-U|37EE|8836|84-85, dt. 2-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

अई-2/37ईई/8882/84-85 - अन: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् "जक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह त्रिश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सृत्य 100.000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फलैंट नं. 1, जो ग्राउड पलोर, युनिट न. 5, मनी साईड य्निट्स, प्लाट नं. 355, एस. नं. 41 (अंश), া बंगलीज, वर्सीवा, अधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमे उपायद्ध अनुगुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिज-स्ट्री है नारीख 3/8/1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन वाजार मूल्य से कम के दुण्यमान प्रतिफल के निये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवन सम्पत्नि का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे देश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हे ऑर अंतरक/ अतरकों अं।र अतरिती / अंतरितीयों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निस्त- लिखित उद्देश्य में उबन अंतरण लिखित में बास्तितिक रूप में किथन नहीं किया गया है -

- (क) अनारण स हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व म कमी करने का उरले बचने में गृहिधा के निए और/शा
- (स) ऐसे किसी अस या किसी धन या अस्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय अयवर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या पन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अल्लिशी हारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, खियाने मा स्विष्टा की निए

अत अद उका अधिनिष्म की धारा 260ण के अन्मरण मा, मी उक्त अधिरिद्य की धारा 260ण की उप धारा (1) के अधीन, निम्मतिस्थित व्यक्तिमों अधीता —

র मेसस लोखउबाला इस्टेट एड डेब्<mark>नापमेट</mark> कॅपनी। (ब्राइबेट) नि

−(अंतरक)

(प्राइवेट) लि.।

अभी जी. एन अग्रवात अंत्रिक्षीमती मिना जी, अग्रवाल । --(अर्न्नारती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
 4 मेंसर्स ओशिवरा लैंण्ड डेब्रकंपमेट कंपनी

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वोक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां जास करता हा। उदान सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षण .—

- (क) इस स्चना के राजाज मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अर्जाम, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तारील 30 दिन की अर्जाध, जो भी अर्जाध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर प्रजेषित स्थितियों मां से किसी व्यक्ति होता।
- (र) इस सुचना के राजाल भी प्रकाशन की जारीख के 45 दिन के भीतर उक्तर स्थानर समानि भी हितबाइ जिल्हों के गास निक्ति भी किए जा सकेगी।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हो, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुमृची

फलैंट नं. 1, जो, ग्राउंड फ्लोर, यूनिट न 5, सनी साईड यूनिटस, प्लाट न. 355, एस नं. 41 (अंग्र), व वंगलोज, बसीबा, अंधेरी (प), बम्बर्ट में स्थित है। अनुमूची जंसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/8882/84-85 और जो सक्षत्र प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 3/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नारीख · 8/4/1985 मोहर

(जा लागू न हो उस काट दाजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8882|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,0001bearing Flat No. 1, Ground No. 5 of Sunny Side and Unit Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule at nexel hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB or the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is le's than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 209C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s Lokhandwala Estates & Development Pvt. Ltd. (Fransferor)
- 2. Mr. G. N. Agarwal & Mrs. Mecna G. Agarwal (Transferce)
- 3. (Persons in occupation of the property)
- 4. M|s. Oshiwara Land Dev. Corp. (P) Ltd.

 (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1 on ground floor, Unit No. 5 of Sunny Side Units, Plot No. 355 of S. No. 41(pt) 4 Bungalows, Versova, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8882|84-85, dt. 3-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37ईई/8813/84-85: अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फलैट न. 403, जो 4थी मंजिल, "सुदर पार्क", इमारत नं. ए, आफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण ह्नप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख़ 2/8/1984 को पर्ण सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित का रई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक/ अंतरको और अंतरिती/ अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय गाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है .-

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की यान्त, आयकर जिध-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उसने बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आप या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का

11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अनूसरण में, में उक्त अभिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निस्ति व्यक्तियों अर्थान :—

- 1 मैगर्स सुदर कल्स्ट्रक्शन कपनी ।
 —(अन्तरक)
- 2 श्री रजनीकांत नदनलाल गाधीयी और श्रीमती, पारुल रजनीकात गाधीया। —(अन्तरिती)
- 3 ---- (वह व्यक्ति जिसकं अधिभोग ुमे सम्पत्ति है)
- (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित्त में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त मस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहियां शरू करता हां। उक्त स्प्यन्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेत्र :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जः भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस मूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की नारीस की 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को जन लिखन मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदो का जो अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुमुची

फलैंट न. 403, 4थी अजिल, "मुंदर पार्क", गृ— इमारत. आफ बीरा देसाई रोड, अधेरी (प), बम्बई— 58 में रिधत है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/8813/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 की रिजिस्टंड किया गया है।

नारीखा . ह/1/1985

मोहर:

(जो लागू न हा उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II[37EE|8813|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000and bearing Flat No. 403, 4th floor, 'Sunder Park, A Bldg., Andheri (W), Bombay-58 (and morefully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Ms. Sunder Construction Co. (Transferor)
- Mr. Rajanikant N. Gadhia & Mrs. Parel R. Gadhia (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)

4. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, 'Sunder Park, A Bldg., Off Veera Desai Road, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8813|84-85, dt. 2-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-^{II} 37ईई/8814/84-85 - अत: मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का का 43) (शिसे इसमें इसके पण्चान् 'उनन आधनियम' कहा गया है) को धारा 269 ख के अपीन सक्षम प्राधिकारों की. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्नि, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं. युनिट न. 3 1/सी जो लक्ष्मी इंडरदोयल इस्टेट, न्यू लिक रोड एक्सटेंशन,अंधेरो (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णकृप से वर्णित है) और जिसका करारपामा आयकर आधिनियम, 1961 की. धारा 269कख के अधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिये ग्रन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उवित बाजार मृल्य उसके दृश्यमः न प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अजिक है और अंतरक/अंतरकों और अंकरिती/अंतरितियो के बोच ऐसे अंतरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल निस्त-लिखित उद्देश्य मे उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया पया है .--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शाबत, आयकर अधि-गियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में मुनिधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिन्ध के लिए

अत: अब उका अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण मो, मीं उका अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निमानिस्ति व्यक्तियों अधीत:—

मैंगां लक्ष्मी इडस्ट्रीयल इस्टेट

⊸ (अन्सरक)

श्री फ़रुरद्दीन एस. फ़ैसल्ला भाई

-- (अन्तरित<u>ी</u>)

श्रो/श्रोमतो/कुमारी :- ---

(वह व्यक्ति जिसके जिल्लान में सम्परित है)

श्रो/श्रोमनो/कृम रो : - ---

(वह व्यक्ति जिएक वरे में अबोहरा करे। जानता है कि वह सम्पत्ति में हि।बड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाहियां श्रूष्ठ करना हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बार में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति हार।
- (क) इस स्वता के राजपत्र में एकाशत की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हिता द्व किसी शन्य व्यक्ति द्वारा अधोहमाक्षरी के पास निक्ति में किए जा स्कोगे।

स्पष्टीकरण .—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

यूनिट न. 31/सी' जो लक्ष्मी इंडस्ट्र, यल इस्टेंट, न्यू लिंक रोड एक्सटेंशन, अधेरी (प); वम्बई 58 में स्थित है।

अनुमूचा जैसा कि कार्गा अई-II/3 7ईई/88 14/84-85 और जो सक्षम प्राविकारों, बम्बई द्वारा दिनाय 2-8-1984 को रिजस्टिं किया गर्मा है।

तारोख: 8-4-1985

मोहर :

(जो लागून हो उसे कट दोनिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8814 84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Ac. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have been to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Unit No. 31 C, Laxmi Road Estate, New Link Extension. (W). Bombay-58 Cand Andheri fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombav on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

grown below one substitutional or an arm and all the substitutions on the substitution of the substitution

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M's. Laxmi Industrial Estate (Transferor)
- 2. Mr. Fakruddin S. Faizullabhai (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respetcive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 31¹C in Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri(W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8814|84-85, dt. 2-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-II/37-ईई/8820/84-85:-अतः मुझे, लक्ष्मग दास, अत्यकर अधिनियम, 1931 (1961 क 43) पश्चात् "उक्त अधिनियम'' (जिसे इसमें इसके कहा गया है) की धारा 269व के अधीन, सक्षम प्राधिक री को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बार्गर मृल्य 100,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं. फलैट नं. 502, जो 5वी मंजिल बेनहर-बंग इम रन, प्लाट नं. 15,8 एस नं. 📲 (ग्रंग) 4 बंगलोज, वर्सीदा, अंधेरो (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उप बद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से विशित है। और िसका कररामा अयकरअभिनियम, 1961 को धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजिस्हो है तारीख 2-8-1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्व स करने का करण है कि यथापुर्वोक्न सम्पत्ति कः उचिन बन्नार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अंतरक/ अंतरकों और अंतरितो/अंतरितोयों के बोच एसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में व स्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर आधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ब) ऐसे किसी अब या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निमातिक्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

श्रीमती मोडक झुवेदा।

– (अन्तरक)

श्री अब्दुल कादीर यूसूफ़ भोमल

⊸ (अन्त∵रतीः)

श्री/ श्रीमती/ कुम री :- ---

(वह व्यक्ति िसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मैसर्स ओशिवरा लैण्ड डेब्लपभेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.।

(वह व्यक्ति, िसके वरि में अबोहस्त अरी कानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिहियां शरू करना हा। उक्त मन्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(६) इन म्चना के राजगत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर 166 GI/85—16

सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सचरा को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीगर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ़लैंट नं. 502, जो 5वीं मंजिल, बेन्हर बी इमारत, एलाट नं. 15,8 एम. नं. 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्षीय, अंग्रेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैगा पि कमामं. अई II/37ईई/8820/84-85

अनुसूचं जिंग दिंग कम सं. अई 11/3 7ईई/8820/84- 85 आर जो सक्षम प्राधिक री बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8820|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 190,000|and bearing Flat No. 502, 5th floor, Benhur-B, Versova, Andheri (W), Bombay-58 and morefully described in the Schedule arrexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby minate proceedings for acquisition of the afortial property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mrs. Modak Zabeda (Transferor)
- 2. Mr. Abdul Kadir Yusuf Bhomal (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. M|s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 502, 5th floor in the building Benhur-B, Plot No. 15¹B, S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58,

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8820|84-85, dt. 2-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण सं. अई-II/3 गईई/883 7/84-85:- अत: गुझे; नक्ष्मण दास अग्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्न अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000 इ. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 3, जो ग्राउंड फलोर; "स्टिन्डिन्" हिं हुकान नं. 27, एस. नं. 41 (अण), 4 बंगलो, ओणिवरा वर्षोवा अंगेरी (प) बम्बई-हि में स्थित है (और इससे उपावड अनस्वी में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की

धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कर्यालय बम्बई में रजोएट्रो है तारोख 2-8-1984 को प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफ्रल के लिये अतिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यम न प्रतिफ्रल से ऐसे दृश्यम न प्रतिफ्रल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/ श्रतरको और अंतरितो/अंतरितीयों के बोच ऐसे अंतरण के लिये तय पाथा गया प्रतिफ्रल निम्नलिखन उद्देश्य से उपत अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसे किसी अाव या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269म की उर धारा (1) के अधीन, निम्नितिष्टित व्यक्तियों अर्थाता :—

मैसर्स रविराज कार्पोरेशन

-(अन्तरक)

श्री रमेग एल. गोगीया

-(अन्तरितीः)

श्री/श्रीमती/कृमारी:----

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

श्री/श्रीमती/कृमारी:-

(वह व्यक्ति जिसके वारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबद्र है)

को यह सूचरा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की अर्वाध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस रच्या के राजपत्र में एक इस की तारीख के 45 दिन के भी तर उच्या स्थावर सम्मत्ति में हिनबढ़ किणी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस रिस्ति में किण्जा सकेंगे।

साष्टीकरण: —इसमे प्रयक्त रुखों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुगुची

"दुकान नं. 3' जो'ग्राउंड फलोर "सिटीजन" प्लाट नं. 27 एस. नं. 41 (अंग) 4 बंगलोज, ओणिवरा वसीवा, अंधेरा (प), बम्बई-58 मे स्थित है।

अनुसूची जैसा कि कम सं. अई -2/3 7ईई/883 7/84 - 85 और जी सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 2/8/1984 को रिजस्टिंड किया गया है।

तारीख: 8/4/1985

मोहर:

🍍 (जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8837|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000;and bearing Shop No. 3, Gr. iloor, Citizen, Versova, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M[s. Raviraj Corporation (Transferor)
- 2. Mr. Ramesh L. Gogia (Transferec)
- (Persons in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 3, Gr. floor, Citizeu, Plot No. 27 of S. No. 41(pt) Four Bungalows, Versova, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8837|84-85, dt. 2-8-1984.

Dated: 8-4-1985

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/ 8914/ 84-85:- अत: मझ. लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त" अधिनियम कहा गया की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- म. से अधिक है और जिसकी सं. फलैंट नं. 306, जी, उरी मंजिल, अकार्ट-बी इमारत प्लाट नं, 17 एस, नं, 41, 4 बंगलोज वर्मोवा, अंधेरी (प), बम्बई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसुवी में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आगकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दप्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दुरयमान प्रतिफल से एसे दण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है -

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की शब्द, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के र्रायत्व में कमी करने या उमसे बचने में मिनिधा के लिए और/या ==-5::5-7::7==---===

(स) ऐसे किसी अब या किसी धन या उन्य आस्तिया की जिन्हा भारतीय आरहर अधितियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) व प्योजनार्थ अन्तरिती हरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में स्तिधा की लिए

अत कर उका अधिनियम की धारा 269म के उत्ररण में, मैं उका कि नियम की भारा 269म की उद धारा (1) के लिधीन, निम्नतिक्ति व्यक्तिया वर्धात् —

- 1 श्रीमती गायवी एन. ग्लाटी। (अतरक)
- 2 श्रीमनी इदीरा बलवतराव बालके। (अन्तिन्ति)
- (बह व्यक्ति जिसके अधिसोग मे सम्पत्ति है)
- 4 मैंसर्स ओशिवरा लैण्ड डब्लोपसेट कपनी (प्राइवेट) लि. । (वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधाहरता जी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबढ़ है)

को यह गूचना जारी नारके पूर्वोधन सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहिंगा कार काराहा। जान रगारिय अजन का सबस मों कोई भी अध्या .—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि, या तत्मबंधी त्यक्तियां पर सचना की तामील 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मा समाप्त हानी हा, के भीनर पर्वोद्धत व्यक्तियों में से किमी लाबिन द्वारा।
- (ए) इस स्टा के सापण में प्रकाशन की तारील के 45 कि के भीतर उक्त स्थातर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य बाक्ति हारा अधोहरणाक्षरी के एउट लिखित में किए जा सकेसे।

स्पष्टीकरण: इसमं प्रयुक्त गब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क म परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची '

"फलैंट न. 306, जो 3री मजिल, अकार्ट-बी हमारत, प्लाट न. 17, एस न. 41, 4 बगलोज, वर्सीबा, अर्धरी (प), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई-2/37ईई/ 8914/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4/8/1984 को रिजर्स्टड किया गया है।

तारीख: 10/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

Ret. No. AR-II|37EE₁8914|84-85.—Whereas, I, LAAMAN DAS, being the Competent Authority under Section 209B of the income-tax Act 1901 (43 of 1901), (hereinagter generated to as the 'Said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a tail market value exceeding Rs. 100,0001and bearing Flat No. 30b, 31d floor, Bidg. Accord-B, Plot No. 17, S. No. 41, 4 Bungalows, Versova, Andhen (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule innexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1901, in the Office of the Competent Authority at Boinnay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. 1, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mrs. Gayatri N Gulati (Transferor)
- 2. Mrs Indira Balwantrao Walke (Transferee)
- 3. (Persons in occupation of the property)
- 4. M|s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 306, 3rd floor, Bldg. Accord-B, Plot No. 17, S. No. 41, Four Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8914|84-85 on 4-8-1984.

Dated: 10-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं, अई-2/37-ईई/ 10035/ 84-85:-अन: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फलैंट नं. 404, जो, 4थी मंजिल, रेजन्मी ए इमारत, प्लाट नं. बी-3, एम. नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूची में और पुण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिस्टी है तारीख 16/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दुण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक म्प से कथित नहीं किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में करी करने या उगसे बचने में यदिशा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य जाम्नियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के जिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों अर्थात :—

1. श्री नरेन्द्र मी. अवलानी। (अन्तरक)

2. श्रीमती आशा जी. आरोरा। (अन्तरिती)

3. ---

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1 मैसर्स ओणिवरा लैण्ड डब्लपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हिनबद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हा। उक्त रूप्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि, या तत्मं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क्) इस गूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त म्थावर गम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पाम निष्कित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

"फलैंट नं. 404, जो, 4थी मंजिल, रेजन्सी ए हमारत, प्लाट बी-3, एस. न. 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है। अनुमूची जैसा कि कम सं. अई-2/37ईई/ 10035/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजिस्टड किया गया है।

तारीख: 10/4/1985

मोहर:

(जो लाग न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10035|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000|and bearing Flat No. 404, 4th floor, Bldg. Regency-A, Plot No. B-3, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has

been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Ollice of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax 'under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Mr. Narender C. Awlani (Transferor)
- 2. Mrs. Asha G. Arora (Transferee)
- 3. (Persons in occupation of the property)
- M|s. Oshiwara Land Dev. Co. (P) Ltd. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette. or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th floor, Bldg. Regency-A. Plot No. B-3, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Versova, Andheri (West), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10035|84-85, on 16-8-1984.

Dated: 10-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37—ईई/ 10218/84-85:- अन: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फलैंट नं. 468, जो, ग्राउंड फलोर आजाद नगर स्वास्तिक को-आप. हाउसिंग सांसाइटी, 30, आजाद नगर बीरा देसाई रोड, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियन की धारा 269 कख के अधीन प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 21/8/1984 को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का बाजार मत्य उसके दश्यमान प्रति-फल से ऐसे दुण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अश्रिक है और अतरक (कों) और अंतरितो(यों) के बीच ऐसे अतरण के लिये तय पादा गया प्रतिफन्न निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के जियम में क्यी करने या उपसे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किनी आय या किनी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मविष्ण की लिए

अतः अद उका अधिनियम की धारा 269ए के उन्सरण में , में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निमातिस्थित व्यक्तियों अधीतः :—

1 भी योगेन्द्र पाल भल्ला। (अन्तरक)

- श्रीमती जबीन अली मोहमद। (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- ें (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं। उक्त स्मित्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस म्चना के राज्यक से प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हिनबद्ध किसी बन्द व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निष्टित में किए जा स्केंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्सूची

फलैंट नं. 468, जो ग्राउंड फ्लोर, आजाद नगर स्वास्तिक को-आप. हाउसिंग सोसाइटी, 30, आजाद नगर, वीरा देसाई रोड. अंधेरी (प), बस्वई-- 58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम सं. अई-2/37ईई/10218/84-85 और जो सक्षम पाधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 21-8-1984 को रजिस्ट के किया गया है।

तारीख: 10-4-1985

मोहर:

(जो लागु न हो उसे काट शिजय)

Ret. No. AR-II/37EE/10218/34-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000'and hearing Fiat No. 468 Ground floor, Azad Nagar Swastik Co-op. Hsg Society Ltd., 30-Azad Nagar. Veera Desai Read, Andheri(W), Bombay-58 (and more fally described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bon' av co 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- 1. Mr. Yogendra Pal Bhalla (Transferor)
- 2. Mrs. Jabeen Ali Mohmed (Transferee)

3.

(Persons in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 468, Ground floor. Azad Nagar Swastik Co-op. Hsg. Society Ltd., 30, A.ad Nagar, Veeta Desai Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II'37FE|10218|84-85, on 21-8-1984.

Dated: 10-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

लक्ष्मण दान, अध्यक्षण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "अकत अधिनियम" कहा भया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति िसका उचित बाजार मन्य 100000/- रु. में अधिक है आर जिसकी मं. प्लैट नं. मी-1,जी 3री मंजिल पूरव अपार्टमेट्स को-ऑप हा डॉमंग सोमा इटी लि. प्लॉट नं. 13 जिलबर्ट हिल अधिर। (प) बरवह में प्यित है (और हममें उपावद अनस्वा मे ऑप पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर आधिनियम की धारा 269कख के अर्धान सक्षम प्राधिकार। के कार्यालय बम्बर्ड में रजिरहा है। तारीख 2-8-1984 को पूर्वीका सम्पत्त के अचित बाजार मृत्य से कम के दुण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित का गई है और मुझे यह विण्वाम करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार भूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पद्रह प्रतिशत से आधिक है और अंतरक (कों) और अंतरितो(यो) के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित अनदेश में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की शब्दा, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे दबने में सिवधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी डाग या किसी धन या उन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंधा की लिए

अन अब उदन अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण मो, मौं उक्त अभिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निमालिखन व्यक्तियों अधीता :—

डिना डोसामॉय रडरंग्या (अंतरक)

2. स्रेश गंगाराम पवार (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति निमने अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति जिसके वारे में अधीहरत धरो अन्तर है, कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पृथोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यकारण काम करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेत्र .—

> (क) इस मूचना के राजात्र में प्रकाशन की तार्गिक से 45 दिन की अवधि, या तत्मंबंधी व्यक्तिस्य पर

सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी बत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।

(स) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिए के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबाउ किसी अन्य व्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के एास निरित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जां आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जां उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचीः

फ्लैंट नं. सी-1 3री मंजिल पूरव अप टेमेट्स को-ऑप. हा उतित सोमाइटा लि. अंधेरा, प्लाट न. 13, जिलबर्ट हिल, बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैराकि क. य. अई-2/37ईई/8812/84-85 और जो सक्षत प्राधिकारो वस्बई द्वारा दिनाक 2-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

नारीख: 10-4-1985

मोहर.

(जो लागुन हो उस काट दी अबे)

Ref. No. AR-II/37EE/8812/84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R., 100,000 and bearing Flat No. C-1, 31d floor, Putab Apartments Hsg. Society Ltd., Flot No. 13, Hill. Andheri. Bombay (and more Gilbert Hill. fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is reg stered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent confideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance or section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- 1. Dina Dossabhov Randeria (Transferor)
- 2. Suresh Gangaram Pawar (Transferce)
- 3. (Persons in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Oficial Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C-I, 3rd floor, Purah Apts. Co-op, Housing Society Ltd., Plot. No. 13, Gilbert Hill. Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II'37EF 8812 84-85 on 2-8-1984.

" - + " pr }

Dated · 10-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

166 GT/85-17

लिर्रेण म, अर्ह-2/37हिंह/ 9955/84-85 --- अत मुझे. लक्ष्मण दास, आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे इपके पण्चान् "इक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 264घ के अजीन मजम प्राधिकारी को यह विध्वास नारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका इचित बाजार मन्य 100000/- र में अधिक है और जिसकी स पलैट न 1506-ए जो 15नी मजिल, ब्राइटन टॉवर्स इमारत प्यांट न , 356 एम , न , 41, 4 बगलोज ऑशिबरा अधेरी (प) बम्बर्ड में स्थित हैं (और इससे उपाबद अन्यूची में जीर पूर्व रूप से बर्णित है। और विसका करारनामा भायकार जीधीनयम को धारा 369कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ट में रजिस्टी है तारीख 10-8-1984 की पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिकात के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापबीक्त सम्पत्ति का बाजार भरुष उसके द्ययमान प्रतिफल से गैस दुष्यमान प्रतिपाल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (कर) और अनिर्ना (यो) के बन रेंस अंनरण के लिए नय पाया गया प्रतिकल निम्न-लिखित उद्याप में उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक स्प में क्रियत मही किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई बिसी आग की बाबत, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 को अधि के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में स्थियां के तिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी बन या अस्य आस्तियों र्ना जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या आयकर र्नार्जन्यम 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रमुट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था छिपान में सुविधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 369 ग के अन्-सरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 369 ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्थिकतयों अर्थान्.—

- । श्रीमनी ज्यानी तेजवानी । (अन्तरक)
- 2 मास्टर हिनन नदा । (अनिरनी)
 - ---(यह व्यक्ति किसने अधिभोग में सम्पत्ति है)
- । ---(बह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि बह सम्मनि में हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करको पर्वोचित सम्पत्ति को बर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हु। उसत सम्पत्ति को अर्थन के संबंध मो कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस गचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्मंबंभी व्यक्तियों पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पृथांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क्ष) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण काम प्रयंक्त शब्दों और पदों का जो अपवास अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधिन्या 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

फौट नं. 1506-ए जो 15वी मंजिल बाईटन टॉवर्स इमारत प्लॉट न. 356 एम. नं. 41, 4वंगलोज, आणियरा अवेरी (प) वस्त्रई में स्थित है।

अनुमूत्री जैमानि क मं. अई-2/37ईई/9955/84-85 और जो संअम प्राधिक रो बम्बई द्वारा दिनाक 10-8-1984 को रिकिटड किया गया है।

नारोख: 10-4-1985

मोहर:

(नो लाग न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9955|84-85,--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]and bearing Flat No. 1505-A. 15th floor, Brighton Towers Bldg., Plot No. 356, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Oshiwara, Andheri(W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any meome arrang from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the 1 dian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Smt. Jyoti Tejwani (Transferor)

2. Master Hiten Nanda (Transferee)

(Persons in occupation of the property)

4. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1506-A, 15th floor, Brighton Towers, Plot No. 356, S. No. 41 (Part), 4 Bungalows, Oshi yara, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9955|84-85 on 10-8-1984.

Dated: 10-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

र्निर्देश मं . अई-2/37-ईई/10042/84-85.--अतः मुझे, नक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (िंशे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास नगरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बादार पूल्य 100000 ६० से अधिक है और जिसकी यं. पर्लंड नं. 604 जो 6वी मंजिल "कविता अपार्टमेंट्स," भो. टी. एस. 1030 यारी रोड बर्नीवा, अंधेरी(प), बम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विगित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम भी बारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वई में रजिस्ट्री है तारीख 16-8-1984 म को पूर्विक्त गलन के उचित बाजार मूल्य से कम के दुग्यमान प्रतिफन के नित्रे अन्तरिस की गई है और मुझे यह विकास कारने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाउ।र भूल्य उसके दुष्यमान प्रांतकल से ऐसे दुष्यमान प्रति-फ़ल के पद्रह प्रतियत से अधिक हूं और अंतरक (कों) और अन रती(यां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पत्या गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण निष्टित में वास्तावक रूप में कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आप की बाबत, आयकर जिल्हा किएस, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (व) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मूकिंग के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमरण में, मैं उद्देश अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- थी भोपतराम सेखानी । (अल्लरक)
- श्रो, मंगलदास रणछोड़जी मोट्टा और श्रीमती रंजनबेन मगलदास रणछोड़जी मोट्टा । (अन्तरिता)
- (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है,
 को वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुचना जारी करके प्योक्त सम्पत्ति के वर्णन के दिः कार्यशहिता शुरू करना हा। उक्त रम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तस्तवंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हितब दि किमी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त घट्यों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूचो

"फ्लैंट नं. 604, जो 6वा मंजिल, "कविता अपार्ट-मेंट्स", सी. टा. एस. 1030, यारी रीड,वर्जीवा, अधेरा(प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूचा जैसा का क. स. अई-2/37ईई/10042/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा बम्बई द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रजास्टर्ड किया गया है।

साराख - 10/4/1985

मोहर:

(जो सागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10042|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 or 1961), (hereinafter relerred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, ag Flat Apts" having a tair market value exceeding Rs. 100,000[-604, No. 6ւհ floor, and bearing "Kavita Apts" C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1901, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income crising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- 1. Mr Bhopatram Sekhani (fransferoi)
- Mi, Mangaldas Ranchodji Motta & Mis Ranjanben Mangaldas Ranchodji Motta (Fransferee)
- (Persons in occupation of the property)
- 4. (Person whom the understaged knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, "Kavita Apts", C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Andheti(W), Bombay-61,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II'37FE'10042 84-85 on 16-8-1984.

Dated: 10-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश में अई-2/37-ईई/10336/84-85 — अत: मर्ज़े लक्ष्मण दास आयक्र अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की बारा 269घ के अबोन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100000-र से अधिक है और जिसकी स. फ्लैंट नं. 102 जो 1ली मजिल मीनिया अपार्टमेंट्न, टी. एस. 1028 यारी रोड वर्मीवा अधेरी(प), यम्बई-61 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है। और जिसका करारनामा आधकर अधिनियम की घारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित काजार मृत्य से क्षम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापुर्वीक्त सम्पत्तिका बाजार मुह्य उसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह

प्रतिशत से अधिक है और अतरक (कों) और अतिरतो (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखिन उद्देश्य में उक्त अनरण लिखिन में बास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की रावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन का उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय अध्वतर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अध्वतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43, बा स्ट-जर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियों द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने म स्विधा के लिए

जत अब उक्त अधिनियम की भारा 200ए के अनुसरण में, में उक्त के पिनियम की भारा 260ग की उप धारा (1) के अभीन, निम्मानिक्ति व्यक्तियों अभीत्.—

- 1. श्री जोगाजीवन बर्शनक । (अन्तर्यक)
- 2. श्रीमनी अनीना यैनजी । (अन्तरिनी)
- (बहु व्यक्ति निसंके जिल्लामा से संस्पति है)

j. ----

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता ह की बह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोधित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया बुग करता हा। उक्त मर्म्पात्त को अर्जन के सबध सो कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी क्यक्तिया पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध्य हाली हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस स्कान के राजपत्र मो ब्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण : इसमे प्रयुक्त अन्दा और पर्वो का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय मे दिया गया है।

अन्मुसी

"फ्लैंट न. 102 जी. निशे मिजिल सीनिया, अपार्टमेंट्स. नी. टी. एसं 1028 यारी रीड, बर्मीबी, अंक्रेरी(ए). बम्बई-61 में स्थित है। अनुमुचा जेसानि क. सं. अई-2/37ईई-10333/84-85 और जा मक्षम प्राह्मकारी बम्बई द्वारा दिनाक 5-8-1984 को रजास्टड किया गया है।

तारोख : 10-4-1985

मोहर्.

(जालन्गून हा उस कन्ट दोजिय)

Ref. No. AR-II 37EE 10336,84-85.—Wheras, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 100,000 -102, Flat bearing No. C. I.S. 1028, Yari Sonia Apts, floor. Road, Versova, Andheri(W), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB o, the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for acquisition of the atoresaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Mr. Jogajiban Banik (Transferor)

2. Mrs Anita Banerii (Fransferce)

3.

(Persons in occupation of the property)

4,

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

- the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Hat No. 102, 1st floor, Sonia Apts, C.F.S. 1028, Yari Road, Versova, Andheri (W), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 10336/84-85 on 25-8-1984.

Dated: 10-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निवेश स. अई-2/37-ईई/8985/84-85 - - अन मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमे इसके पश्चात् ''उबत अबिनियम' वहा गया है) को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसकः उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है ओ िंसर्का स. फ्लंट न. 28, जो. 2री मजिल, दिल्ड फ्लॉटर लॉल यय त्वानी माता मार्ग, अवोली, अधेनी (प) वस्टई-ह९ मे स्थित हे, आर इसस उपाबद्ध अनुसची मे अर पूर्णरूप **स** र्वाणत है) ओर जिसका करारनासा आयकर अधिरियम की धारा 269 र, ख के अबीन सक्षम प्राधिक रा के ार्यालय, बस्वर्ड में रजोस्टो ह. तारीख 6-8-1984 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृष्यभान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई हे आर मुझे यह विश्वास करने क कारण हे कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके रूप्यमान प्रतिफल स ऐस दृष्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत स अधिक ह और अंतरक (को) और अतरितो (यो) के बोच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं विधा गया 훙:--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करन या उससे दचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अय या किसी धन या अन्य आस्त्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4') या धन नहरं अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणने मं सिविधा की लिए

अर्थ को उनके श्रीतीनगम की तारा १७०५ के ब्रन्सरण म , में उपन श्रीतियम की धारा 260म की उर धारा (1) के अधीन , निम्नालिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. श्रो इंदूर उवाराम अडवाना । (पानारका)
- 2. श्रा चार्णींग सिद्धियं आर योजना लिजना राद्धाः (जननारना)
 - . —— (बह व्यक्ति जिसके अतिशोग में सम्पत्ति है)

(वह बाक्ति जिसके वारे म अजार्क्त क्षरो जान त है. की वह सम्पास में हितबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोबत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवर्तहार कर करता हार उत्तर स्पत्ति के अवता के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्स्वाधी व्यक्तिया पर न्या की नामीय मे 30 दिए की उर्वाट, जी ता अविध बाद मा समाप्त होती हा, को भीतर पृव्यों कत व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति हाता।
- (क) इस मुच्या के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मान्त में हिना द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षाहरण के पास निक्ति मा किए जा सकेस ।

स्पष्टीकारण '—इसमें प्रयुक्त बन्मा और पदों का जा आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) क अप्राय 20क मा परिभाषित है, यही अर्थ हागा जा उस अध्याय मा दिया गया है।

जन् सूच,

ंपनेट न. 28 जो 2री भाजन जिल्ह फाउँ रिहान, च्यानकारी माना मार्ग, जवाला अनेरा (प), बस्तई-58 में स्थित है।

अनुम्चा जैसाकि का. ना. जर्ड-2/57-ईई 8985/84-85 आर जा सजन प्रतिकारा बम्बई द्वारा दनाक 6-8-1934 को रजस्टई किया गया है।

तारीख: 10-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37EE 8985 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1901 (43 o. 1961). (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000 and bearing Flat No. 28, 2nd Floor, Wild Flower Hall Jai Bhavani Mata Marg. Amboli, Andheti (West). Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fire market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefore by more than fifteen per cent (1 such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the purities has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment or any mome or any money or other assets which are not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act or the Wearth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate processings for acquisition of the aforesaid property by the said of house under sub-section (1) of Section 209D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Shri Indu Udharam Advani (Transferor)
- 2. Shri Charles Rodrigues & M.s. Lavina Rodrigues (fransteree)
- (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 28. 2nd Floor, Wild Flower Hall, Jai Bhavani Mata Marg, Amboli, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 8985 84-85 dated 6-8-1984.

Dated: 10 April, 1985

SFAI

*Strike off where not applicable.

निर्देश मं० अई-2/37-ईई/10254/84-85.--अनः नुझे, लक्ष्मण दास आयकार अधिनियम 1901 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चत् "इक्न अधिनियम" कहा पया है) को घरा १६९-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास के कर्पा है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जीवत बाजार मुल्य 100000/- ए० से अधिक है और िनको सं. फ्लैट, नं० बी-28 जो 1ली मीजिल इला दर्शन की-ऑप. हा डॉक्स को कड़ड़: लि॰ गिलबर्ट हिल, अंग्रेरी (प), वंबई-58 में स्थित है (और इसने उप बद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और िसक कर रहामा अधकर अधिनियम को धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजोस्ट्रो, हैतारीख 24-8-1984 को पूर्वीका सम्पत्ति के जिनत वाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरिन को नई है और मुझे यह दिश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का वाजार मृत्य उसके दृश्यभान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरितो (यों) के बोच ऐसे अंतरण के लिए तय पत्या गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अंतरण लिखिन में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की ताबत, आयकर अधि-विषय, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्य में करी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (छ) ऐसे किसी जार या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिहें भारतीय आयकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के ग्रेबोजनार्थ अन्तरिती द्वरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिथा के लिए

कत: अब उक्त श्रीधित्यम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त श्रीतियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के बधीन, निम्तितिकत व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. श्रीमर्तः प्रति । अन्तरक)
- 2. श्रीभती ज्योति प्रकाश राजवाडे । (अन्तिरती)
- (वह व्यक्ति, शिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ---

(वह व्यक्ति जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निर् कर्ण्यासितं कक करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस रचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि, या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क्ष) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उकत स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध

भक्तमा अन्य वर्षायत द्वारा अभोहम्माक्षरी के पाम विशेष हो ने किए पा सकोंगे।

स्तव्य अरण :—इसमें प्रयुक्त व्यव्यों और पदों का जो अस्कार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अव्यव्य 20क मा विरासिति हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अव्यव्य स्विया गया हो।

अनम्बं(

"पर्नट नं० वी-28 तो, 1लो मंजिल, इला दर्शन को-ऑप॰ हार्डीसा मोसाइटी लि० पिलवर्ट हिल,अंबेरी

(प) बस्बई-58 में स्थित है।

अनुपूर्व भेष. कि का मां अही-237-हिंही 10254/84-85 और जा सदाप प्राचिक्त से वस्वर्य द्वारा दिनिक 24-8-1984 को रिजिस्टर्य किया गया है।

तारीख: 10-4-1985

मोहरः :

(जो ल.गून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II'37EE 10254 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DA3, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000'and bearing Flat No. B-28, 1st Floor, Illa Darshan Co-op. Housing Society Ltd., Gilbert Bombay-400058 Andheri (West), (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Smt. Pratibha R. Bahulekar, (Transferor)
- 2. Smt. Jyoti Prakash Rajwade (Transferee)

.5-__-

(Person in occupation of the property)

(Per on whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-28, 1st Floor, Illa Darshan Co-op, Housing Society, 1 imited, Gilbert Hill, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II|37FE| 10254,84-85 dated 24-8-1984.

Dated : 10 April, 1985

SEAL

(Stri'. off where not applicable)

निर्देश मं० अई-2/37 ईई/10174/81-85 — अन मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा उचित वाजार मल्य 1,00,000/- र० से अधिक है और जिसकी सं० फलेट नंता, जो, ग्राउड फ्लोअर सी बेस्ट इमारत न. 1, 7 वंगलाम जे० पी० रोड अधेरी, बस्तई में स्थित है (और इसमें ज्यावद अनस्ती में और पूर्ण रूप से बर्णित है। और जिसका करारनामा आयवार अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्रानिकारी के कार्यालय, वस्वर्ट में रिजस्ट्री है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से तम के दृश्यमान प्रतिफल ने लिये अन्तरित की गई है और मसे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का वाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अतरक (कों) और अतिरती(यो) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है ---

(क) अन्तरण में हई किमी बाय की राइत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक देने वाधिक्य में अभी करन का उससे बचने मा समिन्ना के लिए और/या

(स) ऐसे किसी अन्य या किसी धन या अन्य आस्तियों भी जिल्हा भारतीय वास्कार अधिप्रियम, 1922 (1922 की 11) या अस्कार अधिनियम, 1961 (1961 की 43) या धर पर अधिनियम, 1957 (1957 के 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकृत नहीं किया ग्या था या किसा जाना नाहिए था, खिणाने में स्पित्था के लिए

अतः अदः उक्त राधितियम की धारा 269ग के अन्सरण मो, भी उक्त भीतियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, विम्नोतिस्ति क्यक्तियो अर्थात् .—

- । श्रीमित माला हरीप जैपानदानी । (अन्तरक)
- 2 काडेंसा संबोरटोरीज प्रार्चिट लिमिटेट। (अस्तरिती)
- 3 ---

(घह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 -

(बह व्यक्तिः, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह समान्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रवॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिया अस् करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबस् से कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सचना को राजपत्र मां प्रकाशन की नारील से 45 दिन की अविश्वास पर राचना की नामील से 30 दिन की अविश्वास जो भी अविश्व हाद मां रामाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सचना के राजपत्र में एकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त रथातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस त्रिख्ति में किए जा स्थोपों।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त अब्दो और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनमुची

"फ्लेट न०), जो प्राउट पलोक्षर भी क्षेरट इमारत, न० 1, 7 बगलाज, जे०पी० होड, अधेरी, क्षम्बई में स्थित है।

अनस्त्री जैसाकि कर्गर अई-2/37 ईई/10174/84-85 और जो सक्षम प्रिधिकारी बस्बर्ट द्वारा दिनीक 18-8-1984 का रजिस्टर्ड किया गया है ।

नारीखाः 10/4/1985

मोहर

(जो लाग नहां उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II'37FF 10174'84-85.—Whereas, I, I AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No 1, Ground Floor, Sea Crest Building No. 1, Seven Bunglows, J. P. Road, (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB σ_i the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-, tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in putsuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- 1. Smt Mala Harish Jethanandani (Transferor)
- 2. Cadila Laboratories Pvt Ltd. (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1. Ground Floor, Sea Cest Building No. 1. Seven Bungalows, J. P. Road, Andberi (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II]37EE| 10174|84-85 dated 18-8-1984.

Dated . 10 April, 1985 SFAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37 ईई/8457/81-85--अन मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षमप्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00 000 रु० से अधिक है और जिसकी से फ्लैंट न. 501, जो, 5वी मंजिल, कृष्णा अपार्टमेटम, प्लाट नं. 15, 4 बगलोन रोड, आफिस ने पी रोड अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 209कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी वे कार्यालय, बम्बई मे रिजस्टई है, नारीख 4-8-1984 को **ू**पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अर्तारत की गई है और 'मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार म्ल्य उसके दरपमान प्रतिकल से ऐसे दुष्यमान प्रतिकल पद्रह प्रति-शत से अधिक है और अतरक(को) और अतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्त-लिखित उद्देण मैं उक्त अश्वरण लिखित में बाम्तविक यप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधि-निरम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दारिता में कमी करने या उसमें बचन में स्विधा के लिए और/या
- (ह) ऐसे किसी उपर या किसी धन या अन्य जर्भिक्षों की जिन्हें भारतीय अगरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आरक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या शर किर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीर्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा स्तिथा के निष्

अतं अह उद्या अभिनियम की धारा 260र के अनुसरण में, मैं उदत अधिनियम की धारा 260ग की उद्द धारा (1) के अधीन, निम्मतिकित व्यक्तियों अर्थान् —

- 1 श्रीमति प्रकेण्वती एम. साध (श्रंतरक)
- 🥹 कुमारी तन्त्रीर बेगम मोहमद शरीफ 💎 (अतरिती)
- 3. ---(वह त्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)
 - (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधाहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुच्ना जारी करके प्योक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययहिंगां अरू करता है। उक्त रमात्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षंप --

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि, या नत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि टाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस स्वता के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मो हितद द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जो सकेंगे।

स्पर्धिकरण : इसमे प्रयुक्त अब्दो और पदों का जो आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गया हो।

अन्स्ची

फ्लेंट नं. 501, जो 5वी मजिल. कृष्णा अपार्टमेट, प्लाट नं. 154, बंगलोज रोष्ट, आफ जे. पी रोड, अधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अन्मूचे जैसाकि के सं अई-2/37 ईई/8957/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 10-4-1985

मोहर

(जो लाग न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8957|84-85.—Whereas, J. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 501, 5th Floor, Krishna Apartments, Plot No. 15, 4, Bungalows Road, Off. J. P. Road Andheri West, Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay en 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Mrs. Prakeshvati M. Sadh (Transferor)
- 2. Miss Tanveer Begum Mohamed Sharif (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used Mercin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 501, 5th Floor, Krishna Apartments, Plot No. 15, 4 Bungalows Road, Off J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8957|84-85 dated 4-8-1984.

Dated: 10 April, 1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8970/84-85—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लेटनं. 003, जो, (ए) विग, इमारत नं. 9 प्लाटनं. 142/1/वी, लक्ष्मी रत्तन को-आए हाउसिंग सोसाइटी, अंधेरी (प). वस्वई-58 में स्थित है (और उससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वई में रिजेस्ट्री है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और

4.

म्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्तिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्त, आयकर अधि-किएम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एमें किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को रिजन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अगयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 47) या अग-रिजर अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकटनहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान में मुविधा के लिए ।

अत: अब उका अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण मो, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों अर्थात्ः—

- 1. पी. रवीचन्द्र (मायनर) नैचरल गार्डी-यन पी. राधाकृष्ण कुमारी (अन्तरक)
- 2. आर. एन. अनिंद (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक्त करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (क्ष) इस म्चना के राजधन्न मा प्रकाशन की तारीक्ष स 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर समास्ति में हिन्दद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरों के पास विक्तिस किए जा सकता।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदा का जा आयकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची ' 🕻

फुलेट न 003, जो, 'ए'' विश्व, इंगारन न 09.7 प्लाट न 1.42/1/धी, लक्ष्मी रत्तन को-आप. हार्जीसग सोसाइटी, अंधेरी (\mathbf{u}) , बस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. स. ब्रई-2/37 ईई/8970/84-85 और जो सक्षम प्राधिकािरी, बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

No. AR-II|37EE|8970|84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000}and bearing Flat No. 003, 'A' Wing Building No. 9, Plot No. 142 [1]B, Laxmi Rattan Co-op. Housing Society Andheri (West) Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. P. Ravichandra (Minor) N|g P. Radhakrishna Kumari (Transferor)
- 2. R. N. Anand (Transferce)
 - (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

* *:* = = = =

notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 003, 'A' Wing, Building No. 9, Plot No. 142,1B, Laxmi Rattan Co-op, Housing Society, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE 8570-84-85 dated 4-8-1984.

Dated: 10 April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देण स. अई-2/37 ईंटी/10235/84-85 — अतः मुझ यक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269व के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लेट नं. सी-८, जो लक्ष्मी गोविद को-आप हाउसिंग सोसाइटो लि.. प्लाट न. 142 ए. 4 बगलाज, अधेरी (प), बम्बई-58. में स्थित ह (और इससे उपाबद्ध अनुमुची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 23/8/1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार सत्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्पत्ति का बाजार मुल्प उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यभान प्रतिकल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अवरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उहेण्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक मध सं कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के त्थीन कर देने के अन्तरक क सीयन्व मा कमी करने या उससे बचने मा सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तिकों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 तो 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 तो 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशीजनार्श अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जान। चाहिए था, खिगाने में मुबिधा के लिए;

अत: अड उसन अधिनियम की धारा 269ए क अन्सरण में, मैं उसत अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन,

- श्रीमिति, सराज के. रामनानी और श्री
 अनील के रामनानी (अन्तरक)
- 2 श्री विलाक दालाया (अन्तरिती)
- 3 अन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्साक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में टिनबड़ है)

तो यह गुल्ला शरी करके प्रवेकित सम्पति के अर्जन के लिए कथिताहो। अ्याकस्याहा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध माकोई भी अथल .—

- (क) दग भवना क राजपत्र भा प्रकाशन को लार्शिक सा 45 विज्ञ की अपिया या नत्स्वधी व्यक्तिया पर सम्भा की ताभील 30 विज्ञ का अविधि जा भी अविधि वाद मा समान हाती हा , के भीतर पृष्ठित व्यक्तिया मा सा किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (म) इस सबना के राजगंत्र मा प्रकाशन की तारीख़ के 45 दिन को भीतर उत्तर स्थादर सम्पत्ति मा हिन्द्र हिन्द्र किसी (स्र व्यक्ति द्वारा अधीहम्ताक्षरी के एक्स लिखित मा किए जा सकी ।

स्पर्ण्टाकरण: -इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा जी उन अभ्याय में दिया गया हो।

अन्यूची

"फलेट न. सी-8, जो, लक्ष्मी गोविद की-आप हाउसिंग सामाइटी लि , लाट ने 142/v, 4 बगलीज, अधेरी (v), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची नैमाकि क. स. अई-2/37 ईई/10235/84-85 भीर जो सक्षम प्रापिकारी बम्बई हारा दिनाक 23/8/ 1984 को रजीस्टई किया गया है।

नारीखः 10/4/1985. मोहरः

(जो लागु न हा उस काट दीर्गजय)

Ref. No. AR-II|37EE|10235|34-65. -Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to 5, the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000-and bearing Flat No. C-8, Laxnii Gobind Co-op. Howing Society Ltd., Plot No. 142|A, 4 Bangalows, Andhert (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for in apparent consideratio nimber is less than the fail market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Mrs. Saroj K. Ramnani & Mr. Anil K. Ramnani, (Fransferor)
- 2 Mr. Trilok Dalaya (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C-8, Laxmi Gobind Co-op. Housing Society Ltd., Plot No. 142/A, 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 10235|84-85 dated 23-8-,1984.

Dated: 10 April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं० अई-2/37-ईई/8963/84-85:-- अत मुले लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961का 13) जिससे इसमे इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है की भारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावस सम्पत्ति जिसका उचित बा गाप महा, 100000/- म. से अधिक है और जिसकी सर फ्लैट न ० ७ जी २ रे मि जिल इमारत अधेर, अनराय की-ऑप हाउसिन सोमाइटो लि० रात्रें न० ७२.१-ए एच न ए-४, ए-५ ए-६ भाडाकाडा रोड अधेरो (प) बग्बई में स्थित है (और इससे उपाव अनुसुची में और पूर्णस्य सेवर्णित हो), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टई हैतारीख = 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक/ अतरकों और अंतरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उट्टेण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आए की शहन, आयकर अधि-रियम, 1961 (1961 का 43) के अधीर कर देने के अन्तरक के दायित्व मा ठामी करनाया उससे पचने मा सविशा के लिए और/या
- (ल) एसे किसी आप राकिसी धन या अन्य आफियों भी जिस्हें भारतीय आयह,र उधिनियम, 1922 (1922 का क) या आगळर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में निर्मा के लिए

्त अर उका जीवितियम की धारा 269र को अनुसरण भा , में उक्त वितिसियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीत, विस्तितिकित व्यक्तियों जर्भाता —

- 1- विरफ़ल बहरामजी विमादलाल (अन्तरक)
- 2 भ्पेंद्रभाई गामजी भाई देसाई (अन्तरिती)

3. (अन्तरक)-- (बह व्यक्ति जसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 এ. (अन्तरिती)—(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करक पूर्वाकित सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां कर करना हा। उक्त सम्पत्ति की अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेत्र :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तारील 30 दिन की अत्रिधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त बगियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ल) इस स्वना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितकद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति मो किए जा सकीये।

म्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं. 7जां, 2 रो मजिल, इमारत अंधेरी अनुराग को-ऑंग्. हार्जभग सोताइटी लि., भाडाबाडा रोड, अंधेरी (प), सर्वे नं. 721 ए, एन नं. ए-4, ए-5, ए-6 बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसीक क. सं. श्रई-2/37ईई/8963/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 4-8-1984 को रजस्टिई िया गया है।

नारीख : 1/1/1985

मोहर .

(जालागून हो उसे काट दीजिए)

•Ref. No. AR-II|37EE|8963|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 7, Andheri Anurag Bhardawadt Road, Andheri (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Viraf B. Vimadalal (Transferor)
- 2. Bhupendra S. Desai (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. ----

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the suid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, Andheri Anurag, Co-op. Housing Society, Ltd., Bardawda Road, Andheri (W), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II, 37EE,8963,84-85 dated 4-8-1984

Date: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म० अर्ड-2/37-ईई/9759/84-85 .--अन. मुझे लथ्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है") की धारा 269 घके अधीन सक्षम प्राधिकारी को विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाधार मूल्य 100000/- में अधिक है और िसकी स० फ्लैंट न. 402 जो इमारत नं० 43 ए-वि- ग अथी मर्जिल मान्य नगर जे पो रोड अधेरी (प) बम्बई-58 (वसींबामानिय को-आँप हाउसिंग सोसाइटी लि.) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे र्राजम्टर्ड है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अनरक (को) और अनरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित मे वार्स्नावक रूप से कथित नही किया गया

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-निरुम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के टायिन्य में कमी करने या उसमें दचने में मुविधा के लिए और पा
- (स) ऐसे किसी अग या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गणा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए

अन अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269म की उर धारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों अर्थाता —

- 1 श्रीमता आरती कैलाण श्रिगी और कैलाण उधाराम श्रिगी (अन्तरक)
- 2. श्री जुरेश मणिलाल ठक्कर और कुमारी काशिबाई पिताम्बरदास ठक्कर (अन्तरिती)
- 3 -- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)
- (वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

- मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूच्या के राजपत्र मो प्रकाशन की लागील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिनकद्व किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एाम निष्कत मो किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कें अन्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

"फ्लैंट नं 402 जो इमारत नं. 43, विग-ए 4थी मंदिल मनिय नगर जे. पी. रोड अधेरी (प) बस्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाबि कि मं० अई-2/37 ई ई/9759/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख. 1/4/1985

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|9759|84-85.- Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 402, Bldg No. 43, Wing-A, 4th floor, Manish Nagar, Versova Manish Co-op. Hsg. Society Ltd., J. P. Road, Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schodele annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mrs. Arti Kailash Shringi & Mrs. Kailash Udharam Shringi, (Transferor)
- 2. Mr. Suresh Manilal Thakker & Miss Kashibai Pitambardas Thakker.
- (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 402, Bldg. No. 43, Wing-A 4th floor. Versova Manish Co-op. Hsg. Society Ltd., Manish Nagar, J. P. Road, 4 Bungalows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 9759,84-85 on 10-8-1984.

Date: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्वेण मं० अई-2/37-ईई 10000/84-85 -- अत मुझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "चक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 369 घ के अशीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार पूल्य 100000/- कर में अधिक है और जिसकी मं० फलैंट न. 5 जो ग्राउंड फ्लोअर, हिमाचल जुह लेल (वर्फीवाला कर्म), अंधेरी (प). बस्बई-58. में स्थित है) और इससे उपावध्द अनुसूची में और पूर्ण कप में विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई में रजिस्हीई है

तारीख 11-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल है लिए अल्लिस्त की गई है और मुझे यह विष्वास करने का तारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अनरक (कों) और अतिरती(यों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तम प्राप्त एम प्रतिफत, तिम्निलिखा उहेण्य से उक्त अतरण तिखित में वारतिक रूप से कथित नहीं किया गया है.——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) टी अधीर कर देने के अन्तरक की टायित्व में कमी करने या उगमें बचने में सविधा के लिए और/मा
- (क) ऐसे किसी अग गा किसी अस या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयह र अधितियस, 1922 (1922 का 11) या अयकर अधितियस, 1961 (1961 का 43) या गम-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से गरिन्हा है लिए

जन अब उक्न अधिनियम की धारा 260म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 260म की उर धारा (1) के अधीय, निमानिक्ति व्यक्तियों अधीन,

- । खलिंगलकनता अर्फन की हमैन हैंदर हमैन (अन्तरक)
- अव्यवसर हाजो अन्वर और मोहामद उमर हाजा
 अन्वर (अन्वरितः)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(तह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताशरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितवळ ह)

की यह स्चना पानी करके प्रतिबार स्पन्ति के अर्जन के नितार कार्यवाहियां काम करना हा। उन्नरमानि के अर्जन के संबंध न कोई भी अक्षेप .—

- (क) इस मुबना के राजाय मा प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर चिना की नामीय में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हा, के भीनर प्रविकत व्यक्तियों में में किभी त्यक्ति हारा ।
- (स) इन सबना के राज्यक्र में प्रकाशन की नागील है 45 दिन के भीतर उत्तर स्थानर समान्ति में हिनवड़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहरणकारी के गुण लिनिन से किस जा सकता ।

स्पष्टीकरण : इसमें अगुक्त अब्बों और पदों का जा आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस्स अध्याय में दिया गया है।

अन्मूची

"फ्लैंट नं. 5 जो ग्राउड फ्लोर हिमाचल, जुह लेंग (बर्फीवाल, मार्ग), अंग्रेगं (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अतुमूनी जैनाकि कर संरु अई-2/37 ईई/10000/84-85 और जो सञ्जम प्राधिकारी वस्बई द्वारा विनाक 14-8-1984 को रजिस्टई विषा गया है।

तारीख 1-4-1985

मोहर:

(जो लागुन हो उसे काट दिजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10000|64-55 -- Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of (1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 |-Flat No. 5, Ground and bearing (Bajfiwala Himacha) Juhu Lane Marg), Bombay-400058 (and Andheri (West), more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income acising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Khalish Lucknavi Alia Naqi Husain Haider Husain (Transferor)
- 2. Aboohakar Haji Anwar and Mohamed Umer Haji Anwar (Transferee)
- 3 Transferees.

 (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 5, Ground floor, Himachal, Juhu Lanc (Batiliwala Marg), Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-III 37EF 10000 84-85 on 14-8-1984.

Date · 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देण मं० अई-2/37ईई/10257/84-85---अत: मझे नक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उवत अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 100000/- म. मे अधिक है और जिसकी मं. पर्नंटनं. 204 जी 2 रीमिलि अंकार्ड ए इमारत प्लट - 17 एम नं. 41 (प्रंग) 4 वधलो । वर्गीकः अधेरो (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूर्व। में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और निसका करारनामा आयकर अविनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बमाई में रजीस्ट्री है नारीख 24-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मुख्य से यम के दश्यमान प्रतिफल के निये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापुर्वोक्त सम्पत्ति का वाजार मृत्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अनरक (हों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निखित में बास्तविक रूप मे कथित नही किया गया है --

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की शब्दा, आयकर अधि निष्म, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बनने में सुविधा के लिए और/धा (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए

अतः अब उका अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण भें, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निमालिखिन व्यक्तियों अर्थात्ः—

- ा श्री अगदीश एल. मल्होबा (अन्तरक)
- श्रामका विमना पो. आनंद (अन्तरिनो)
- 3. -- (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- मैसर्स ओक्ष्वरा लैन्ड डव्हलोपमेंट कंपनी (प्राइवेट) लि.।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह मूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत विस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (सं) इस मुच्या के राजपत्र मों प्रकाशन की नारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मों हितदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

" फ्लैंट नं 209 जो 2 री मंजिल अकार्ड ए इमारत फ्लाट नं० 17 एस० नं० 41/(श्रंण) 4 बंगलीज वर्मीवा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसािक कि० सं० अई-2/37ई%/10257/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया

सारीख: 1-4-1985 ।

मोहर:

जो लागू नहो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10257|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 100,000 and bearing Flat No. 204, 2nd floor, Bldg. Accord A, Plot No. 17, S. No 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (W) Bompay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-5-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Jagdish L. Malhotra (Transferor)
- 2. Mrs. Bimla P. Anand (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- M|s. Oshiwara Land Development Co. (P) Ltd,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late";
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, Bldg. Accord-A, Plot No. 17, S. No. 41 (Part), Four Bungalows, Versova, Andheri (W). Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II| 37EE|10257|84-85 on 24-8-1984.

Date: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश स अई-2/37-ईई/10118/84-85---अतः मुझे सक्ष्मण दास, ओय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000√- रू० मे अधिक है और जिसकी मं फ्लैट नं. 305 जो "बी" विग 3री मंजिल बेक्सेर प्लाट नं 9 आर 9-ए जे. पो. रोड़, ओगिवरा वसींवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावज अनुमूची मे और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, सारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए मय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अझ्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्पित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किमी डाय या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय दायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृषिधा के सिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्रो. सैयद अमीर याकुवचांद और श्रोमतो सैयद झाँहरा (अन्तरक)
- श्री आर. जे. विटर और श्रीमती
 गिर्वेडा जे. विटर।
 (अन्तरिती)
 - 3 --- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 ---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यकाहियां श्रम् करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

'पलैट नं. 305 जो ''बी'' विग 3री मंजिल बेन्सेर प्लाट मं. 9 और 9-ए आफ़ जे. पी. रोड़, ओशिवरा वर्सीवा अंधेरी (प) वस्बई-58 में स्थित है।'

अनुमूची जैसाकि क.मं. अई-2/37 ईई/10118/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 10-4-1985 -

मोहर:

(जो सागू नहों उसे काट दीजिये)

Rof. No. AR-II|37EE|10118|84-35.--Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 o' 1961), (h-reinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No 305, 'B' Wing, 3rd floor, Benzer, Plot No. 9 & 9A, J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on apparent consideration which is 6-8-1984 for an less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Syed Amir Yakubchand and Mrs. Syed Zaheera. (Transferor)
- Mr. Ryan J. Winter, and Mrs Giwenda J. Winter, (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

- notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 305, 'B' Wing, 3rd floor, Benzer, Plot No. 9 & 9A, J. P. Road, Oshiwara, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|10118|84-85 on 18-8-1984.

Date: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

भिदेंग मं. अई-2/37-ईई/8751/84-85.---अतः मृझे लक्ष्मग दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का/43) (जिस इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं. 404 जो 4थी मंजिल, अशरफ़ महल, 5/105 जे. पी. रोड़, अंबेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे याणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कव के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में रिजर्ड़ो है तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित का गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अतरितो (यों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ़ल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्नविक रूप से नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, आयकर अधिन नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किमी आय या किगी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्विधा के लिए

अतः अद उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्यरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्निन्छित अयिकत्यों अर्थात् :—

- श्रीमती बहीदा एस. गेख आप.
 श्रीमती शहेदा ए. रझाक। (अन्तरक)
- 2 श्री. मोहमद सिद्धीक छाप्रा आर श्री अब्दल गंफ़ार एम. छाप्रा। (अन्तरिती)
 - 3 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. --

(बह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता हैं, की वह सम्पत्ति म हितबड़ हैं)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहिए। शुरू करता हु। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कन व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा ।
- (क्र) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

म्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

"फ्लैंट नं. 404 जो 4थी मंजिल" "अशरफ महल" 5/105 जे. पी. रोड़ अग्रेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क. सं. अई-2/37 ईई/8751/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 10-4-1985

मोहर:

(जो लागू नहो उसे काट दीजिये)

Ref No. AR-II|37EE|8751|84-85,—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]and bearing Flat No. 404, 4th Floor, Asraf Mahal, 5,105, J. P.Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Smt. Waheeda S. Shaikh & Mrs. Zuheda A. Razak (Transferor)
- 2. Shri Mohmed Sidique Chhapra & Shri Abdul Gafar S. Chhapra (Transferce)
- (Person in occupation (f the property)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever ever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th Floor, Ashraf Mahal, 5|105, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|8751|84-85 dated 1-8-1984

Date: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/8986/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उस्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाबार सुस्य 1,00,000/-रू. में अधिक है और बी/28 जो, सन-एन-सी को-आप फ्लैंट नं. हाउसिंग सोमाइटी लि.जे.पी रोड़ अंधेरी (प) बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रजिस्ट्रो है तारोख 6/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरितः की गई है और भूझे । यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सभ्यत्ति का बाजार मृत्य उसके दुष्यभान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए सय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उट्टेण्य से उक्त अंतरण लिखित में धाम्सविक म्हण से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की साबस, आयकर अधिक नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे इचने में यिवधा के लिए और/मा
- (स) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, **छि**पाने में मिक्या के लिए

इत. अद उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नतिक्लिन व्यक्तियों अर्थात् ः—

ा. न्बोध विक्रमपाल मेहरा।

(अस्तरकः)

2. एच. एन, देसाई।

(अन्तरिसी)

 अंतरितो (बह् व्यक्ति जिसके अधिभोग में मम्पिल है)

4. —

(वह व्यक्तिजिसके वारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबङ है)

को यह मूचना जारी करके पृथिकित सम्पत्ति की अर्जन की लिए कार्यवाहिया श्रूष्ट करता हुं। उक्त सम्पत्ति की अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की .तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस मुख्या को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस को 45 दिन को भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी को पास लिसित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शक्यों और पदों का जो अपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्य भी

फ्लैंट नं. बो/28 सन-एन-सी को-आप. झाउर्सिंग सोसाइटी लि. जेपो टोइ वर्सीवा अंघेरी (प) अम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क. मं. अई-2/37-ईई/8986/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनीक 6-8-1984 को रजीस्टई किया गया है।

नारीख: 1-4-1985

भोहर :

(जो लागुन हो उसे काट दौजिए।)

Ref. No. AR-II|37-EE|8986|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. B|28, SUN-N-SEA Co.-op. J. P. Road, Varsova, Housing Society Ltd., Andheri (West), Bombay-61 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Subodh Bikramlal Mehra (Transferor)

2. H. N. Desai (Transferce)

3. Transferee

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

- the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-28, SUN-N-SEA Co op. Housing Society Ltd. J. P. Road, Varsova, Andheri (West), Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37-EE[8986]84-85 dated 6-8-1984.

Dated: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37/ई६/10085/84-85.--अत. महो सक्ष्मण दास अध्यकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पास जिसका उचित बजार मून्य 1,00,000/- स. में अधिक है और िसकी सं० फ्लैट न. 202 जो 2री मंजिल, लक्ष्मण झला इमारत जिला आर. नं. 47 जे. फी रोप अंधेरी (प). बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावक अनमुर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और ियका करीरनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कायलिय वस्वह में रिलर्टी है नारीख 17/8/1984 को पूर्वीक सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दुष्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का बाजार भन्य 'उसके वध्यमान प्रतिकल में ऐसे उच्यमान प्रिक्ति के पेष्ट प्रित्यान में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के खोच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निस्तितितित उद्देश्य मे रक्त अंतरण लिखित में तास्त्रविक रूप सं कथित हों। किया गुरा है ---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत. आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के द विस्था में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए और/पा
- (म) ऐसे किसी अप या किसी अन या अन्य आस्त्रियों भी जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1981 (1991 का 48) या भन-मन अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के अधेजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अत अब उका अधिनियम की धारा 209र के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269इ की उन धारा (1) के अधीन, निम्नतिख्ति व्यक्तियों अधीन,

- श्रो. के. पो. कधवा और श्रीमनी.
 आणा के. काप्रमा (अन्तरक)
- 2 श्रोभति नपनाबेन पो गहा। (अन्तरिनी)
 - 3. अवरिती

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(बह व्यक्ति जिस के बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है, की बह सस्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह मण्या आगि करके प्रोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहिया श्रुक करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संदेश मो कोई भी आक्षेत्र .—

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकासन की तारील से 45. दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गृचना की नामील से 30 दिन की उद्दिश, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता ।
- (स) इस मुचता के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितक द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकींगे।

रपष्टिकरण :— इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्याय के दिया गया है।

अनमची

क्लीट तं. 202, जो 2रो मंजित "लक्ष्मण झ्ला इमारत, गिता, आर. तं. 47 त्रेषी रोड अधेरी (प). बम्बर्ड-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि कस, अई-2/37-ईई/10085/84-85 और जो सतम प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनाक 17/8/1984 को रजिस्टो किया गया है।

मारीख: 10/4/1985

मोहर :

(जो नहीं उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II[37-EE]10035[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. Gecta 2nd Foor, R. Andheri (West), Bon No. 202, Laxman Jhoola R. No. 47, J. P. Road, Bombay-400058 (and more fully describ d in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mr. K. P. Wadhwa (Smt. Asha K. Wadhwa (Transferor)
- 2 Mrs. Nayanaban P. Shah (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

- <u>-</u>

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202, Laxman Jhoola, Gesta, 2nd Floor, R. No. 47, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37-EE 10085-84-85 dated 17-8-1984.

Data 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

अर्ध-2/37-ईई/9946/84-85---अन मसे लक्ष्मण दास आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 369 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात यरने का कारण है जि स्थायर संस्थित, शिक्षण उचित बाजार मत्य 1 00,000/-र . मे अधिक हे और जिसकी स. पर्लंट ने जे-३१ जो शितल, अविनाश के पिछे, जिल्पील रोड, ७ बनलां। ज अन्बेरी। पर) बम्बई 58, में नियन है (और इससे उपावद्ध अनमुची में और पूर्ण रूप से विणित्र है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 369 कष के अर्धन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्टी है तारीख 10-8-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लियें। अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति या बाजार मृत्य उसके दण्यमान प्रतिकल से ऐसे दण्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐस अतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल भीनम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की रावत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दरित्व में कमी करने या उसम बचने में मित्रिश के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अक या किसी अन या उस्य आस्तियों ती जिस्हें भारतीय आकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आध्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या तर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गठा था या किया जाना चाहिए था, **छि**णने में स्विधा के लिए 166 GI 85 - 20

दन अब उक्का अभिनियम की धारा 269ए के अन्सर्ण मों, मों उक्का अधिकियम की धारा 269क की उप धारा (1) के अधीन, विम्मालिकित व्यक्तियों अर्थात्।.—

randersamente de la companya de la c

- श्रीमित झेनाबत्राई एम, मांलेटिना। (अन्तरक)
- 2. श्री अशोक दी मंघानी श्रीमित करिश्मा ए. मंघानी और श्रीमित भगवंती पी. ठाकुर। (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. --

(बह व्यक्ति जिस के बारे में अधोहस्ताक्षरी जानतः है. की बह सम्पत्ति में हितबढ़ है।)

को यह मचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए साम्बाहित शरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोर्ड भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी में 45 दिन की अवित या तत्म बंधी व्यक्तियों पर स्चना की रासील से 30 दिन की अविश जो भी अवित बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोचन व्यक्ति मों से किसी व्यक्ति हो।
- (क) इस मुच्या के राजपत्र में प्रकाशन की लागीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबड़ फिसी लन्द व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास स्थितियाँ के किए जा सकीये।

स्पष्टिकिएण : स्मिमं प्रयुक्त कान्दों और पदों का जी आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुम्या

फ्लैंट नं. जे-21, जो शितल, अविनाम के पिछे. जे पी. रोड़, 7 बंगलोज, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैमाकि के. सं. अर्ड-2/37-ईई/9946/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

मारी**ख**: 10-4-1985

मोहर :

(जो लागु महीं हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37-EE|9946|34-85.--Whereas, a. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. J-21, Shectal. J. Road, Behind Avinash, Ρ. Bunglow, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mrs. Zainabbai M. Moledina. (Transferor)
- 2. Mr. Ashok D. Manghani, Mrs. Karishma A. Manghani and Mrs. Bhagwanti P. Thakur. (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 3. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable, property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J-21, Sheetal, Behind Avinash, J. P. Road, Seven Bunglows, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37-EE| 9946|84-85 on 10-8-1984.

Dated: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/9992/84-85.--अत: मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000 म० में धिक हैं और जिसकी सं० फ्लैट नं १ 105, जो, '"ए" विरा, जिलेन इमारत, प्लाट नं 95-ए जै॰ पी० गोंड, अन्धेरी (पी), बम्पूई-58 स्थित है (और इमसे उपाबद्ध अन्मुची में और पूर्ण कर से बर्णित है) और जिसका उपारनामा आयकर अधिनियम की घारा 369 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य मे कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की शावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीत कर देने के अन्तरक कं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिक्या के लिए और/धः
- (स) ऐसे किसी जाय या किनी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अद उका अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण मो, मौं उन्त र पिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निमालिगित व्यक्तियों अथीता :—

1. श्री. घी. वि. भट्ट। (अन्तरक)

श्री. वी. एम. झवेरी और श्रीमती
 आर वी. झवेरी। (अन्तरिती)

अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

. —— (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को वह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहिता शुरू करता हो। उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकींगे।

स्पब्दीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आपकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

क्लंट नं. 105, जो, 'ए" विंग, जितेन इमारत, प्लाट नं. 95-ए, जे॰ पी॰ रोड़, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37 ईई/9992/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 1~4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II]37EE|9992|84-85.--Whereas, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Flat No. 105, 'A' J. P. bearing 95A. Bldg. Plot No. Jiten (W), Andheri Bombay-58 (and described the Schedule fully in annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. D. V. Bhat. (Transferor)
- 2. Mr. B. M. Jhaveri and Mrs. R. B. Jhaveri. (Transferce)
- Transferor (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 105, 'A' Wing, Jiten Bldg., Plot No. 95A, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II 37EF., 9992-84-85 on 14-8-1984.

Dated: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable,)

निर्देश स अर्ड-2/37-ईई/10027/84-85 — अत. मझ लक्ष्मण दास आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं फ्लैंट न. 203-ए जो अधेरी महता कृज का आप. हार्जासम सोसाइटी लि . जयप्रकाश राइ, अधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुमुची में और पूण रूप से वर्णित है। और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम की धारा 269 कक्ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय अम्बर्ध में रजीस्दी है सारीख 16-8-1984 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझै यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्पत्ति का बाजार मत्य इसके दृष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक (को) और अनिर्नी (यो) के कीच ऐसे असरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अनरण लिखित मे बास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है.----

- (क) अन्तरण में हुई किमी जाय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसम बचने में स्विधा के लिए, और/या
- (स) ऐसं किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अति अब उबत व्यक्षिनियम की धारा 269र के बन्तर्ण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उद धारा (1) के व्योन, निमाणिकित व्यक्तियों अधीता —

- 1 भी, वाडीलाल हुगरर्गा नद्। (अन्तरक)
- श्री. नेनणी हगरणी नद्र। (अन्तरिती)
- .अ. अन्तरिर्ता और परिवार

(वह व्यक्ति जिस के अधिभाग में सम्पत्ति है)

1. --

(बह व्यक्ति, ज़िसके बारे मे अधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह मृज्या जारी करके पृवीदित सम्पत्ति के अर्जन के निग् कार्यवाहिया शक करता हो। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेग .—

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की सारीन सा 45 दिन की अवधि, या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वाचन व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितब इं किसी अन्य त्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के एस निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इ.समा प्रयुक्त शब्दो और पद्मा का जा आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मो परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसर्वा

फ्लैट नं. 203-ए जो अंग्रेरी मेहता कुज को-आप-हाउसिंग सोसाइटी लि., जयप्रकाण गेड अर्थेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क. सं. अर्ह-2/37 ईई/10027/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 16-8-1984 की रिजस्टई किया गया है।

नारीखा (10-4-1985

मोहर .

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-III37EF 10027 84-85,---Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 o. 1961), (herematter referred to as the Said Act). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000}-No. 203-A Flat bearing Andhei Co-up Housing Society Ltd., Mehta Kung. Jai Prakash Road, Andheri (W), Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-aid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meonic arising from the transfer; and, or
- (b) facilitating the concealment of any meone or any money of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1 Shri Vadilal Dungaishi Nandu (Transfeior)
- 2. Shii Nenshi Dungaishi Nandu (Transferee)
- 3. Fransferce and Family (Person in occupation of the property)

4. (Parson whom the under and known to

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

- the notice on the respective persons whee'rever period expues later;
- (b) by any other person interested in the 111 immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 203-A. Andheri Mehta Kunj Co-op. 1185 Society Ltd., Jaiprakash Road, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Schol No. AR-H 37F4-. 10027 84-85 on 16-8-1984.

Dated: 10-4-1985.

SF AL

(Strike off where not applicable).

निर्देश म अर्ड-2/37 ईई/In222/84-85.--अन मुझ तथ्मण दास आवकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उवत अधिनियम कहा गया है) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह की धारा 269घ विष्वास करने का कारण है कि स्थायर समानि जिसका डिचित वाजार मत्य 1 00 000/-रु. में अधिक है और न, 8 जो इमारत नं, डी. पर्ल ट एवरशाईन अपार्टमेट न 2 को-आप हाउसिंग जे. पी. रोइ, वर्मीवा, (T), बम्बई-58 में स्थित है। (और इसमें उपायद अनम्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम की धारा 269 करख के अधि∂न सक्षम बम्बर्ड में रजीस्टी है नारीख प्राधिकारी के कार्यालय 21/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का ब्राजार मल्य उसके बष्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यमान प्रतिज्ञता के पदह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (को) और अतरिती (यो) केबीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्नरण में हुई किमी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अय या किसी धन या अस्य आस्थियों की जिन्हें भारतीय आयकर श्रीधिनियम, 1922 (1922 का 14) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

किंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वरा प्रकट नहीं किरा ग्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा ग्रिथ के रिष

अत अब उका अधिनियम की भारा 269म के अन्सरण मो, मों उदात अधिनियम की धारा 269म की उद भारा (1) के अधीन, निम्निक्ति के लितियों अर्थात् :---

। श्रीमित कें ए० चगानी (अन्तरक)

2 श्रीमित मध नॅयर (अलिनिती)

उ जन्दरिक्षी

(बह व्यक्ति जिस के अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसके वः में अक्षोहस्ताक्षरी जानता हः, कि वह सम्पत्ति में डितबद्ध है)

को यह गृज्या पारी करक पर्वाक्त रस्पति के अजन के लिए कार्यशाहिया कर करता हो। उक्त रस्पत्ति के अर्जन के संबंध मानाई भी आक्षण .—

- (क) इस ग्चना के राजपण मा प्रकाशन की नारील से 45 विन की अविधा, या तत्सवधी व्यक्तिया। पर सम्भा की नामील सं 20 विन की अविधा, यो भी अविधा बाद मा समाप्त होती हा, को भीतर प्राक्ति व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सम्मा क राज्यात्र सा प्रकाशक नी नारीक के 15 दिस के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति सा, हिलाबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्याधारी के पार लिक्टिम में निग्ण जा सकीये।

स्पार्टीकारण : इसमां प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मां परिभाषित हो, वही अर्थ हागा जा उस अध्याय मा दिया गया हो।

अनुमूची'

पर्टन ८ जा, प्रमारत न जी, एवरणाईन अपार्टपेट न 2 का-आप हार्डोमग मासाइटी ति , जे. पी. राड वर्सोवा, अधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

अनुमुची जैसोिक क. स. अई-2/37 ईई/10222/84-85 और जो सक्षम दाविकारी बस्बई द्वारा दिनांक 21/8/1984 तो रजीस्टर्ड किया गया है।

नारीख: j 0~4~1985

मोहर :

(जा लागू न हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II-37[EE]10222[84-85.—V/hereas, I, LAYMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinatter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tair morket value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing Flat No. 8, Bldg. No. D, Evershine Aparthaving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-ment No. 2 Co-op. Hsg. Society Ltd., J.P. Poad Varsoya, Andheri (West). Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is regshered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the par ies has not been truly toxed in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) lacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpoles of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Mrs. K. A. Chugani. (Fransferor)

2. Mrs. Madhu Nayyar, (Transferee)

3. Transtciee.

(Potoon in occupation of the property)

4. ____

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other per on interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Odicial Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, Bldg. No. D, Evershine Apartment No. 2 Co-operative Housing Society Ltd., J. P. Road, Versova, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE. 10222/84-85 on 21-8-1984.

Dated: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश स. अई-2/37-ईई/9001/84-85:---प्रनः मुझे लक्ष्मण दास श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 2.69 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- ह. से श्रधिक है और जिसकी मं. फ्लैंट नं. 105, जो फ्ल्लिं मंजिल श्री शास्त्री कपा को-श्राप हाउमिंग सोसाइटी लि. इमारत नं, 44 बी-विंग, मनिप नगर, जे.पी.रोड, 4 बंगलोज, अधेरी (प) में स्थित है) और इससे अपायद्ध प्रनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, नारीख 6-8-1981 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोवट सम्पन्ति का वाजार मत्य उसके दण्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्धमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से ऋधिक है और अंतरक(कों) (यां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए और अंतरिती नच पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतर्ण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शब्दा, आयकर अधि-निण्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कुसी करने या उससे इचने में सृष्टिका के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 मा 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

हकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध में लिए

अतः प्रश्न उधन प्राधि। एम ती प्राण 200य के अस्मरण में, में उधन अधिरिध्य की धारा 200य की उप धारा (1) के अधीन, विमानिस्ति व्यक्तियों अधीन,

- 1. श्री पणवंध देव हडकर । (ग्रन्तरक)
- श्री. श्रमम कुमार नायगम । (श्रन्तरिती)
- 3 ---
- 4. (बह व्यक्ति जिनके बारे में अबोहरनाक्षरी नानता है, कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह राज्या जारी करके पर्योक्त रम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस स्वना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि, या नन्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवित यद मां समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सकरा के राजण्य में प्रकाशन की तारीस के 45 दिए के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अप्रयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

फ्लैंट नं. 105, जो. पहली मिजिल, श्री शास्त्री कृपा को-श्राप, हार्जींग सोसाइटी लि इमारत नं. 44, "बी" विंग, मनिष नगर, जे.पी. रोड, 4 बंगलोज, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है ।

श्रनुमूची जैंसा कि क. सं.श्रई-2/37ईई/9001/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 6/8/1984 को रजीस्टई किया गया है।

तारीख: 10-4-1985

मोहर : 🖁

(जो लागन हो उम्रेकाट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37LI- 9001 84-85 —Whereas, I, LEXMAN DAS, being the Compete t Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the mimovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 (0.000 and bearing Flat No. 105, 1st Floor, Shri Shastri Krupa Co-op Housing Secrety Ltd., Building No. 44 "B" Wing Manish Nagar, J. P. Road, 4, Bungalows, Bombay-400 058 (and more (West) fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on o-8-1984 for an apparent consideration which is than the fair market value or the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value aforesaid exceeds property the as the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any meome arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- 1. Shri Yashwant Dewoo Hadkar (Transferor)
- 2. Mr. Agam Kumar Nigam. (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are decrea in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 105, 1st Floor, Shi Shastri Krupa Co-op, Housing Society Ltd., Building No. 44, 'B' Wing Manish Nagar, J. P. Road, 4 Bunglows, Andhe.i (W), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37E1. 9001 84-85 dated 6-8-1984.

Dated: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

ग्रई-2/37-ईई/8823/84-85:--ग्रत निर्देश मं . मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात, "उक्त श्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- र. से ग्रधिक है और जिसकी स. फ्लेट न. "ए/303. जो, इमारत न. 9 रतन नगर प्लांट न. 142/1/बी. 4 बगलो. जे. पी. रोट, अधेरी (प). बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधनियम की धारा 269-कख के अधीन मजम प्राधिकारी कं कार्यालय, बम्बई मे रिजम्दी है, वारीख *2-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य मे कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये ग्रतिरित की गई है और मझे यह बिज्वास करने का बारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का बाजार मल्य उसके दत्यमान प्रतिफल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पढ़ह प्रतिशत में अधिक है और अतरक (को) और अतरिती(यो) के बीच ऐसे अनरण के लिए दद पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदेण्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिक म्प मे कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आधकार अधिनियम, 1961 (1961 का 13) के अधीत कर देते के अन्तरक के दाधित्व में क्सी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए, और श्रिया
- (ख) ऐसी विसी आय पा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सविधा के लिए.

अत अह उक्त शिक्षिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मी उक्त अधिनियम की भारा 269म की उन्धार (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों अर्थात् .—

1 राजु एम गगनानी । (भ्रन्तरः)

इसन्तितः ग्रलाभाजा प्रमारनवाला और (ग्रन्निरिती)
 युमफ हसनजली श्रमरनववाला।

3 .. (बहब्यक्तिजिस केश्रियोग में सम्पत्ति है)

4 '' (बह्व्यक्ति जिस के बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है, की बह्सम्पत्ति में हित्बद्ध हैं)

को यह सच्या जारी करक पृत्रों क्वार स्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य<mark>शाहिस श</mark>ुरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संदर्थ मो कोई भी आक्षेत्र —

- (क) इस सचना कें राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अविधि, या तत्सवंधी व्यक्तियों पर राजना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि लाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा '
- (क) इस गचना के राजपत्र मो एकाशन की तारीख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समाचित मो हितबद्ध किमी अन्य क्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास जिल्हित मा किए जा सकीयें।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

'फ्लेंट न n/30 , जो, इसारत न . 9, रतन नगर, प्लाट न 142/1/जी ा वगलों, जे पी. रोड, अंग्रेरी (प), बस्ब $\mathrm{s}=58$ में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क. स ग्रई-2/37ईई 882 3/84,85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्वई द्वारा 2-8-1984 की रिजस्टई किया गया है।

नारोख: 10-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उस काट दीजिये) । 166 GJ,85—21

Ref. No. AR-II|37EE 8823|84-85.—Whereas, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, h, ving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. A-303, Bldg. No. 9, Ratan Nagar, Plot No. 142,11B, 4 Bunglows, J. P. Road, Andheit (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Raju M. Gagnani (Transferor)
- 2 Hassanali Alibhai Amaranwala & Yusuf Hassanali Amranwala (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

4,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice in the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-303, Bldg. No. 9, Ratan Nagar, Plot No. 142|1|B, 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|8823|84-85 dated 2-8-1984.

Date: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

स . ग्रई-2/37-ईई/8750/84-85:---ग्रन: मुझे, लक्ष्मण दास, श्रायकर श्रिश्रिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 219घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसके उचित बाजार मूल्य 1,00,000/∸ रू. से श्रधिक है और जिसकी फलेट न . 23, जो, 2 री मंजिल, सिद्धार्थ सर्वे नं. 135, एच. नं.2, िसटी सर्वे ने. 1315. व्हिलेज वर्मोवा, बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रति-फल के पंद्रह प्रतिशत से भ्रधिक है और अन्तर्क(को) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद देश्य में उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप मे कथित नही किया है:---

- (क) अन्तरण से हई किमी आय की रावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसे किमी आय या किमी धन या अन्य आम्तियों को जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए ,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरणः में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मानिस्थित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. दिलीप हिमतलाल तलसानिया । (ग्रन्तरक)
- नूरमोहम मुलेमान शेख ग्रार सलभावी (ग्रन्तिरिती) नूरमोहमद ।
- (वह व्यक्ति जिया के अधिभोग मेमम्पत्ति है)
- 4. → (बह ब्यक्ति जिलके बारे में अबोह्म्नाक्षरी जानता है, कि बह सम्पत्ति से हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रम्थ करता हूं। उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस म्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी समें 45 दिन की अवधि, या तत्मं बंधी व्यक्तियों पर मृचना की तारी स स 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्ष स्थानर समात्ति में हिनबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मूची

"फ्लेट न. 23, जो 2 री मंजिल. सिद्धार्थ इमारत , सर्वे नं. 135 एच नं. 2, सिटी सर्वे नं. 1315, व्हिलेज बर्मोबा, बम्बई में स्थित है।

प्रनुम्ची जैसा कि करा ग्रई-2/37-ईई/8750/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रिजस्टिई किया गया है।

दिनोंक : 10-4-198 5

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीतियें)

Ret. No. AR-II|37EE|8750|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. 23, Siddharth Building, Village Versova, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hercto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cem of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome of any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Dilip Himatlal Talsania (Transferor)
- Noormohamed Syleman Shaikh & Salmabee Noormohamed (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made to writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 23, 2nd Floor, Siddharth Building, Survey No. 135, Hissa No. 2, City Survey No. 1315, Village Versova, Greater Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8750|84-85 dated 1-8-1984.

Dated: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देण प्रई-2/37-ईई/8886/84-85:--**भ**त: म्झे, लक्ष्मण दास भ्रायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त श्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से श्रधिक है और जिसकी स. एलैंट नं. 46, जो, प्लॉट बी-1, हिल लेक व्हय को-प्रांप हार्जामग मोमाइटी, वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58, में स्थित हैं (और इसमें उपाबद अनुमुची मे और पूर्णच्य से वर्णित है) और जिसका करारनामा भ्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दी है, तारीख 3-8-1984 अर्थोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दुश्य-मान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अतरक (को) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है .---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक कं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अद्याउक्त अधिनिषम की धारा 269स के अनुसरण मी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269द की उप धारा (1) के अधीन, निम्नालिस्ति व्यक्तियों अर्थान् —

- 1 श्री परीमल जे गाधी (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती भगवनी एम सामदेवी (ग्रन्तरिनी)
- (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता¦है, कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मच्या जारी करक प्रयोखित सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रम करता हो। उक्त सम्पत्ति को अर्जन को गद्यश मो कोई भी आक्षेप —

- (क) इस मुचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधार या तत्सवधी व्यक्तियों पर सचना की तारील 30 दिन की अविधार मों भी अविधार देशों के भीतर पृव्यों केत व्यक्तिया सा से किसी व्यक्ति देशा :
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस म 45 दिस के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिनद द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरनाधारी के पास व्यक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदो का, जो अध्यकर अधिनियस. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"र्लंट न ु46, जो, प्लाट न बी-1, हिल लेक व्हय् को-प्राप. हाउसिंग मोसाइटी, वीरा देसाई राड, अधेरी (प), अम्बई-58 में स्थित है।

प्रनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37-ईई/8886/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 3-8-1984 को रजीस्टई किया गया है।

तारीख: 10-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 8886 84-85,—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 46, Plot B-1, Hill Lake View Co-op. Hsg. Society, Veera Desai Road (West). Bombay-400058 (and fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Parimal J. Gandhi (Transferor)
- 2. Mrs. Bhagwati M. Samvedi (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

4.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

4.

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same morning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 46, Plot B-1, Hill Lake View Co-op, Hsg. Society, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE 8886/84-86 dated 3-8-1984.

Dated: 10-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश म . ग्रई-2/37-ईई/8810/84-S5:--ग्रत ग्रं लक्ष्मण दास, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् "उक्त श्रीधनियम कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी वो यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति. जिसका उचित वाजार युल्य 100,000/- म. से अधिक है और जिसकी सं फलंट न 301-बी(अंश), जो. 3री मंजिल, वर्मावा समीर को-आँप. हाउमिग सोसाइटी लि . 7 बंगलोज के पास, अंधेरी(प),वम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबह अनुसुची मे और पूर्ण रूप मे विणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनयम की धारा 169 क. ख. के अधोन सक्षम प्राधिकारी के कायालय. बम्बई में रजिस्टों है। तारीख 2-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है ओर मुझे यह विश्वास करने का के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति हा वाजार मूल्य. उस दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यामान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐमे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्न-लिखित उददेण्य मे उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिविक रूप में कथिन नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किमी आग या किमी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयवर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

श्कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में शिवधा के लिए

अतः अदः उक्त अधिनियम की धारा 269ग को अन्सरण मो, मो उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्मिनिक्ति वाहिनयों अधीन,

- 1. श्रीमता. बेला जीवन मंडल (ग्रन्तर्क)
- 2. श्री. समद अहमद गृहम्मः (ग्रन्तरिती)
- ः अन्तरक (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे मं अधाहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति मे हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके प्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए आर्यवाहियां शरू करता हा। उक्षत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेत :—

- (क) इस सूचना के जजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तासील 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वों क्त व्यक्तियों में स किमी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस मूचना कं राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कं राजित के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्बद्ध किया अस्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के प्रम लिख्त में किए जा सकेगा।

स्पष्टोकरण: — इसम प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मं परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अन्मूची

ण्लैंट न . 301—बी(अण), जो, उर्ग मिलल. वसींवा समीर को—आप. हार्जीसग सोसाइर्टा लि . 7 वगले ज के पास, अंधेरी (प), वम्बई—58 में स्थित है। प्रमूभूची जैसाकी कि सं ग्रई—2/37—ईई/8810/84—85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 2—8—1984 को रिजस्टड किया गया है।

तारीख: 19/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हा उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II₁37EE₁8810|84-85.--Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (42 o 1961), (hereinalter referred to as the 'Said Act'). having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 - and bearing No. Flat No. 301-B (Part), 3rd Floor Versova Sameer Co-op. Housing secrety Ltd., near Seven Bunglow, Bombay—400.058 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair mirket value of the atore sid pr perty and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per coat of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state I in the aid instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income prising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceaiment of any become or any money or other asset; which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby mitiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- 1. Mrs Bela Jeevan Mandal (Transferor)
- 2. Mr. Syed Ahmad Muhammed (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Circute or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons which ever period explicit later.
- th) by an other property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301-B (Part) 3rd Floor, Versova Sameer Co-op. Housing Society Ltd., Near Seven Bunglow, Andheri (West), Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE. 8810 84-85 dated 2-8-1984.

Dated: 10th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देग सं. प्रहे -2/37 -देही 10215/84 -85 ---मझे लक्ष्मण दार, श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इस है पश्चात्, "उनत अधिनियम" इहा गया है) भी अत्य 269 घ के अबीन यक्षम प्राधिकारी की यह विण्वास अस्त अ कारण ह कि स्थावर सम्पति। जिनका जिंच वाजार मूल्य ा00,000/ ∙ ६० में अधिज है और निमाने सं. फ्रेंग नं. थी/205, जो, जितन इसारत 7 बंगनोज वर्सोता जिनक को ओ०, हाउसिंग मोनाइटी लि. वर्सीवा न्नाफ जब प्रकाण चोड, अंबेरी (प) बम्बई 58, में स्थित ह) और अनंप उनावद अनुसूची से और पूर्ण रूप से विणित हे) और जिल्ला जयारनापा ज्ञायहर ग्रविनियम की धारा 269 : ख है अनीन नज़म प्राधिजारी के लाजीलया बम्बई में रजीस्ट्रो हे नतरीख 31 -8 -1981 वो पूर्वोक्त सम्पतिन के उत्तित बाबार मूल्य से उस के मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल ें। लिये प्रसारित को गई ह आर मुझे यह तिश्वास रास्ते का ारण हे जिनवासूर्वीस्त सम्बद्धि स वाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिकल न ऐन दुश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत र अबिए हु आ अंतरक (का) और अंतरिती (यां) के रोत है । अन्दर्ण र्वा तिए त्य याचा सभा प्रतिफल निस्तलिखित उद्देश सं उत्त अनरम लिखिन वास्तवि इस से कथित नहा जिला असा ह .-- -

- (क) अन्तरण म हुई किसी आप की दावत, आयकर अधि-नि म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के प्राप्तरण म कभी करने या उससे दचने में स्विधा के लिए और/गा
- (र) एसं किसी अग रा किसी अन या उन्य आस्तियों की चिन्ह भारतीय आफकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आकत्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर र्था निरम्भ 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा को नहीं जिल्ला प्रमाय का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्वेश के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन,, निम्निकिक्ति व्यक्तिगों अधीन —

1. श्रीमिति, सिन्सी मॅथ्यू । (ग्रनार:)

2. स्रनील बडार । (प्रन्यरियो

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पित्ति है)

 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त म्थादर सम्पत्ति में हिनदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

फ्लैंट नं. वी/205 जो, णितल इमारत 7 बंगलो न. वसींवा णितल को-स्राप हाउसिंग सोयाइटी, स्राप्त उन प्रकाण रोड, वसींवा, अंधेरी (प), बम्बई -58 के स्थित है।

श्रनुसूची जैमा कि क. मं-3ई2/37ईई/10215/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी बम्बई हारा दिनां 721/8/1984 को रजीस्टर्ड िया गया है।

तारीख: 10/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II₁37I-L 10215 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinnier relented to as the Said Act), have reason to believe that the inmiovable property, naving a fan market value exceeding Rs. 100,000'- and bearing Flat No. B-205, Sheetal Bidg. 7 Bunglows, Verseva Sheetal Co-op, Housing Society Ltd. Versova, Off J. P. Road, Andheri (A), (and more fully described in the Schedule ar nexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the The of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair muker value of the aforesaid property and I have reason to pelieve that the fair market value of the property as africe-aid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agree i to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the evicer of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other exacts which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Smt. Sinsi Mathew (Transferor)

2. Anil Badkar (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

a) by any of the oforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-205, Sheetal Bldg. 7 Bunglows, Versova Sheetal Co-op. Housing Society Ltd., Versova. Off. J.P. Road, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE. 10215 54-85 dated 21-8-1984.

Dated: 10th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देण मं. ग्रई-२/37-ईई/५ 984/84-85 --मुझे लक्षमण दास ग्रायार ग्रिधिनियम 1961 (1961 ला 43) जिसे इसरे इक्ते पण्चार "उक्त ग्रविनियम" इहा गया है) की धारा 269 घ के अबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास एरने या बारण है ए र स्थावर सम्पत्ति जिसदा उचित बाजार मुख्य 100000/- कु से प्रधित हे और जिसकी सं. फ्लेंट नं. जी -44, हो, 4 थी मंतिल न्यू अवीवली को-म्राप, हाउमिन सोमाइटी लि. बीरा देमाई रोड, अंधेरी (प), बम्बर्र-58 में स्थित है (और टान उपावट मन्-सुची में और पूर्ण रूप रे विणित है) ओर जिस: करारनामा ग्रायार ग्रिधिनियम की धारा 269 एख के ग्रझीन रक्षण प्रा-धिदारी के रार्यालय वस्वई मे रिजम्दी है तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मुल्य से जम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित को गई हे और मझे यह विश्वा। ारने ा बारण है ि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति या बाजार मुल्य उसके दृश्यभान प्रतिफल से एैं से दृश्यभान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और अंतरक (कों) और अंत-रिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निमालिखिन उद्देग्य में उक्न अंतरण लिखित में वास्तविया ऋष से पथित नहीं िया गर्ग है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसे किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियो। की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयहार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए

्ट अट उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, भाउता शीर्मान्यम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, स्मिनियिट कविनयों अर्थान —

1 देवेड चंद्रात देवनखंकर (ग्रन्नरः)

3 बमारी सरला के भटा (यन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके जिसकोग मे सम्पत्ति है)

ा. — (वह व्यक्ति जिसके वारे में अनोहस्त क्षरो जनता है कि वह सम्पन्ति में हिनवद्ध है)

को हिस्चा जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यव्यक्तिमां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध पो कोई भी अक्षेप —

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सवना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि हाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तिया में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थादर सम्पत्ति में हितबढ़ किभी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास त्रिस्थित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण .—इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदाँ का जो अध्यय अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्यय मे दिया गया है।

अनमची

फ्लैट नं. जी-44, जो--4थी मंजिल, न्यू ग्रवीवली को-न्राप हाउमिंग सोमाइटी लि. बीरा देमाई शेड, अंधेरी (प). बक्कई-58 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा कि क सं.ग्रर्ड-2/37ईई/8984/84-85 और जो सक्षन प्राधि.ारी वस्वई द्वारा दिनां -6/8/1984 को रजीस्टर्ड िया गया है।

नारीख: 10/4/1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|8984|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 260B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 100,000|and bearing Flat No. G-44, 4th Floor, New Ambiwali Co-op. Hsg. Society, Ltd. Veer Desai Road, (W). Bombay-400058 (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-thx Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax hinder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Devendra Chandrakant Deorukhkar (Transferor)

2. Miss Sarla J. Bhatt (Transferee)

3. (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. G-44, 4th Floor, New Ambivli Co-op. Housing Society Ltd., Veera Desai Road, Andheri (West) Bombay—400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authaority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|

8984|84-85, dated 6-8-1984. Dated: 10th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. श्रई-2/37-ईई/10184/84-85--- श्रतः मझे लक्ष्मण दास ग्रायकर ग्रधिनियम 1961, (1961 का 43) (जिसे इन में इसके पश्चान, "उक्न ग्रिधिनियम" कहा गय है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने वा शारण है िस्यावर अमगति जिपका उचित बाजार मुल्य 100,000/- र. में श्रिधि है और जिसकी सं. फलैंट नं. 11, जो, 2 री मंजिल प्लाट 52 ब्रावन, आफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई मे स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसची में और पूर्णरूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा स्नाय र स्रधितियम की धारा 269 ए ख के श्रधान सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री नारीख 18-8-1984 को पूर्वोकन सम्पत्नि के उचिन बाजार मल्य से इ.म के दुश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विस्वास करने का कारण है यथापूर्वोक्त सम्पन्ति । बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दायमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से ऋधिए है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप के कथिन नहीं किया गया ~—. हैं

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-ार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिकिश के लिए

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निचित्ति व्यक्तियों अथित्:—

श्री. यशवंत गंकर गोंडे । (श्रन्तरक)

4.

2. श्रोनतीः हिल्डा कुमार । (श्रन्तरिती)

3. ---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

A. --

(वह व्यक्ति, जिसके

बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू अरता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध से कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचता के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मत्ति मों हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ਲਾਜ **ਮ** ਚੀ

फनेट नं11, जो, 2 री मंजिल प्लाट 52 बृंदाबन, आफ बीरा देयाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि कि. सं. शई-2/37ईई/10184/94-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा 18-8-1984 की रिजस्टर्ड िया गया है।

नारीख: 10-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE.]10184]84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 100,0001and bearing Vrindavan, Flat No. 11, Second Floor, Plot S2, Off, Veera Desai Road, Andheri Bombay-400 058 (West), (and fully decribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeraid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the ollowing persons, namely:—

- 1. Mr. Yeshwant Shankar Shende (Transferor)
- 2. Mrs. Hilda Kumar (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vrindavan, Flat No. 11, Second Floor, Plot S 2 Off Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay— 400 058.

The agreement has been registered by the Competent Autority. Bombay under Serial No. AR-II| 37EE.|10184|84-85. dated 18-8-1984.

Dated: 10th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10338/84-85---अतः भुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्बान, जिसका उबित बाजार मुल्य 100000/- र. ते आंधक है और जिसकी सं. फ्लैंट न. 602, जा, 6वी मंजिल, कविना अगार्ट-मेंट्स, सी. टी. एस. 1030, यारी रोड, वर्सावा, अधेरी, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्यन्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अतिरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकत्त, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के धायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुकिधा के लिए और या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्विथा की जिए

कत. अब एका अधिनियम की धारा 269म के अनुसर्ण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निमालिस्ति व्यक्तियों अधीत्.—

1. श्री राजेश प्रेम-जीणहा । (अन्तरक)

2. श्रो मूरादअला बदूदीन भयानो (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
 (बह व्यक्ति, जिसके बारे
 में अबोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्मन्ति में दितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पृथीं कर सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध भो कोई भी आक्षप :—

(क) इस मुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सकत की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी

जविश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण क्समें प्रयुक्त इन्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पलैट नं. 602, जो, 6वीं मंजिल, किन्ना अपार्टमेंटस, सी. टी. एम. नं. 1030, यारी रोड, अर्सीवा, बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10338/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रिजस्टडं किया गया है।

नारो**ख** : 1-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10338|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing Flat No. 602, 6th Floor, Kavita Apartments, C.T.S. 1030 Vari Road Versova, Bombay-400061 more fully (and in the Schedule annexed hereto), has cribed been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the atoresaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mr. Rajesh Premji Shah, (Transferor)
- 2. Mr. Muradali Badruddin Bhayani (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 602, 6th Floor, Kavita Apartments C.T.S. 1030, Yari Road, Versova, Bombay-400 061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE:10338|84-85, dated 25-8-1984.

Dated: 10th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/10096/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया" है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. पलेंट मं. 6, जो, सुंदर पार्क "बी", बीरा देसाई रोड, ऑफ अंधेरी वर्सीवा रोड, अंबीवली, अंधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे विणत है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई

- है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से क्षिण नहीं किया गया है —
- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के रुपित्य में कमी करने या उमने बचने मो मिक्शा के लिए और नि
- (स) ऐसे किसी बाग या किमी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अध्यक्तर अधिनियम, 1961 ं 961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की निए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269र वो अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269श की उर धारा (1) के अधीन, निम्नालिखन ध्यिकनयों अर्थात् :-

- 1. कुमारी जबीन खान (बिङ्ग ए मायनर श्रुहर मदर एण्ड नेचरल गाडियन श्रीमती बादर खान (अन्तरक)
- 2. श्रीमती दयाबाई भगवानदास पहुजा । (अन्तरिती)
- अन्तरिती ग्रां र उनके परिवार सदस्य
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पित्ति है।)

A. ---

(वह न्यक्ति जिसके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शास्त्र करता हो। उक्त सम्पत्ति की अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:—

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क्ष) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्भत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरण : - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

4.

<u>अनुम</u>ुची

पर्लंड नं ० ६. जा सुरूर पार्क "वी", वीरा देसाई रोड, आफ अंबेरी वर्मीवा रोड, अंबीवली, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुभूची जेंमाकि क.मं.अई-2/37ईई/10096/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10096|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 6, Sunder Park 'B', Veera Desai Road, Off Anheri Versova Road, Ambivali, Audheri Bombay-400 058 (and fully described in the Schedule annexed hereto), his been transferred and the agreement is registered under Section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-81984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Miss Jaheen Khan Being a minor through her mother and natural Gurdian Mrs. Madar Khan.

(Transferor)

2. Mrs. Dayabai Bhagwandas Pahuja (Transferee)

(Person in occupation of the property).

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 6, Sunder Park 'B', Veera Desai Road, Off Andheri Versova Road, Ambivali, Andheri (West), Bombay—400 058,

Explanation: The terms and expressions used tent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 10096|84-85 dated 18-8-1984.

Dated: 10th April, 1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10034/84-85.--अत: मुझे, लक्ष्मण दास आयक्ररअधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 306, जो, 3री मंजिल, कॉनकॉई ए इमारत, प्लॉट नं. 16, एस. नं. 41 (अंग), 4 बंगलोज, वर्सोबा, अंधेरी (प), बम्बई-54 में रियत है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षय प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफलके लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दुष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिमत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में व स्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाहत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 कर 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यायत्व में कमी करने या अससे असने में सविधा के लिए और ग्रा (६) ऐसे किसी अप या किसी अस या उन्य पासित्यों की जिन्हें भारतीय अध्यक्तर अधितेयर, 1922 (1822 का 11) या व दक्तर अधित्यम, 2501 (231 का 3) या दन-कर विकासन, 2957 (1957 का 27) या प्रवेशन र अस्तिर हिस प्रकट नहीं किया गया था या किया पान या हिए का, छिनो मा स्विकानी निष्

करः अय उपा कि शिषम की ६६ र २०१६ वर्ग हो। ना, मीं उबता र ति चार की धरा ५०, का उप धारा (1) के अधीन, निमाति क्वित दावि व्याउन स्टुल्ल

1. मैसर्स हुनार पाल जि. जोरी । (जारक)

2. श्री जे. एन. हस्बर । (जन्तिसी)

3. —

(वह व्यक्ति जिल्ल अविनाग में सन्हिल है)

4. मार्ग जोलार नाउ शकानेश २०(१२२) ि । चुबह व्यक्ति जिल्ला कार न अवश्वासना करता ३ हे । बह उपार्ति गहिनाब १)

को त्स्व : पारी कर राजी हातीय का जी की है। का बेतहार क्षा करा हा। प्रात्तार ते के कर राह से दांडियों जाओंगे:—

- (क) उम एका के नगम राप्त में निर्देश के 45 किए का जमीत, पानला की किएको पर स्वना की तामीत से 30 तिककी नोध्य जो की अवधि कर मासमात में तिहा है। के भीतर दूर्या का कारितार्थी माने एकी जावा दासा।
- (५) इस राज्या अस्तावकार क्रम्म हारास स्तावित है अस्त के बीर्स उपन असर तमा रे को हिल्हस किसी अप अवेट इस अवस्तावित को प्रम स्तिराम से दिसम्बाद के से

साष्ट्राकरण : - इराज अनुवत अन्यों ओर पक्षों का पा शायकर कीर्णानयमा, १९३१ (1961 का 43) की अन्याय 20क मा परिभाषित हा तहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय मा दिया गया है ।

अमुर्घो

"फ्लैंट au 306 जा 3री नंजिर कॉन ई-ए इम.रau फ्लॉट न 16 एस. मं. 41(अंश), 4 बगनोज, बर्सोवा अंधेरी (प) प्रज्यई-5३ में स्थित है।

अनग्री कि कि कं रं. वर्ष-2/37 ने/10034/84-85 और जो सक्षम प्राधिकरा वस्वई द्वार दिनांक 16-8-1934 को रिस्टर्ड किया ग्या है।

नारीख 10- र- 1983

मोहर

(जो लागू न हो उते काट दिजिये।

Ref. No. AR-II 37EE. 10034184-85.—Whereas, I, LAYMAN DAS being a Course of Arthrope Section 2018 of 1 and property of the Section 2018 of 1 and property of the section 2018 of 1 and 1 an

having a fair market value exceeding Rs 160,000; and bearing riat No. 306, 3rd Floor, Concord-A, Plot No 16, Four Burglows, Versova, Andheri (Wese), Bourbay 400058 (and more fairly described in the Songade annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 200A3 of the luce re-tax Act, 1961, in the Onice of the Component Authority at Bombay on 16-6-10. I for on apparent consideration which is less training four results value of the property and inversation to believe that the fair market value of the property a supercaid exceeds the apparent consideration for such ap

- (a) Read committee reduction of Dission of the half its of the considerer to pay tox under the cast Act, in section of any mount arbitishment of transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other essets which has enoughed or which ought to be disclosed by the transpose for the narpoles, or the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I he ebornia are procedures for acquisition of the forest on (1) of Section 269B of the said Act to the following gersons namely:—

- 1 Ms. Kumar Pal V Javeri (Transferor)
- C ... J. W Halder (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the underwaged knows to be interested in the property)

Objections, it is to the acquisition of the said property resylor rands in writing to the under lyned—

- (a) by a left the inference persons within a period of 17 days from the date of publication contributes in 1900 all Greette or a period of 30 days som the service of the notice on the respect of persons whichever period expires later:
- (b) here to person interested in the said one, valle property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fyrianta, All into the action used to the last and have the same meaning a given in that Chapter

SCHEDULE

16. No. 30%, 2nd Thor. Concorded, Plor No. 16. Four Buncalows, Versova, Andheri (West), Combay-100058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No., AR-III 3777/10034/84-85 dated 16-3-1934.

Dat 7: 10 4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8916/84-85--अतः सृ**झे** लक्ष्मण दौसा अधिकर अधिनियस 1961 (1961 का 43 (जिनो इसमें इसके पण्यत्त "उला अधिनिषण" कहा सय है) की अपर 269 घ के अबीन सक्षम पात्रि परी को यह विश्वास करने हा गारण है कि स्थावर सम्पति, जिस्हा उचित नाजा मुल्य 100 000/- म. में अधिक है और जिसकी सं. पलैट नं. 1107 भी: 11 वी मंजिल शेफ फिल्ड टॉवर्स इमारत प्लॉट नं. 354 एस. नं. 41(अंग) 4 बंगतीन वर्गीना अंधेरी (प) वम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपावड अन सूची में और पूर्ण एप से विज्ञत है) और जिसान वारार-नामा आयकर अजिनियम की धारा :: 69 कख के अधीन सक्षम प्राधिजारी के अर्थालय वस्त्रई में रजीस्ट्री है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोस्त राम्पत्ति के उचित बाजार मृहप से दम के वौबमान प्रतिकल के जिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने ा पारण है कि यथापूर्वीन्त सन्पति ा वाजार मुल्य उसके द्रायमान प्रतिफल से ऐसे द्रायमान प्रतिफल के पंज्रह प्रतिगत में अधिक है और अन्तरंक (कों) और अंतरिती (में) के वीच ऐसे अन्तरंग है लिए तम पाया गया प्रतिकत्र निम्नितिजन उद्देश्य ये उस्त अंतरण लिखित में वास्त्विक रूप से किएत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई जिपी अपर की बावना, शायकर अधि-नियम, 1981 (1981 का उड़) को भिजिय कर देने की अन्तरक की निराम भी क्यों करने या उनसे बचने मों भिज्या हो लिए ही ए/पर
- (स) ऐसे किया जार या किया था या वन्य वारित्यों की जिल्हों भारतीय अयवस् अधिनाम, 1992 (1922 का 11) या अत्यास अधिनियम, 1931 (1981 वा 43) या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1987 का 97) नो प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गढ़ी किया गरा था या किया वारा गान्षिण भा, स्थाने में ग्रिया ने जिल्हा

दा. अस उत्तर विश्विष्य की कारा 200म को अस्सरण हों, भी उदा अभितिसा की कारा 269म की टा धारा (1) के अधीन, निकानिकत करिएसों क्यांक् :--

- श्रीमती फेनी सायरम एका । (अन्तरक)
- 2. दिवेश वाधवान । (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति जिसके अधिक्षोग में सम्पत्ति है)
- मेसर्य ओणिवर। लंन्ड डेन्हलोपसेंट संपत्ती (प्राइवेट) लि. ।
 (वह व्यक्ति जिसके गारे में अधोहन्ताक्षरी जानता है कि वह समाति में हितवढ़ है)

राहे हरण है हते हते हते ही जिल्लामित में दार्दा के लिए हाइन्हें, हा दारा करण जाता का काम राम है हते गाहिए हैं महिन्न के जाति है जिल्लाम

- (ा) हार साथा के एकपत्र मों एकप्तर की साधील में 45 भिजाती राजांकि मां स्त्मंदंकी त्यक्तियों पर भूजा को साधील 20 दिन की संशोध, जो भी राजीय बाद मों समान्त होती हो, को भीनर प्रवेतित का विकास मों के नेत्री का कि हान।
- (र) हम भूग का को गणाम में ग्रह्महक्त की नारीख के के के किन में भीएए एका स्थापक राष्ट्रित में हितबढ़ किनी अध्य क्योचल हारा अधीपुण असी के णम निर्माण के किन ना सहीते ।

सायक्षिरण: -- असमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का जो स्वयं या विधित्रका. 1961 (1961 का 43) के एकाय 20य में विधिक्षित हों। तहीं अर्थ होगा जो उस स्थार में रिया नक हों।

अनम्यी

पत्रैंड नं. 1107, जो 11वी मंजिल शेफिफिल्ड टावर्स प्रॉड नं. 354, एस. नं. 41(अंश) 4 अंगलीज वर्जीवा अंबेरी(र) उप्याई-58 में स्थित है।

यनुसूनी जैसानि या. सं. अई-2/37ईई/8916/84-85 और जो सज़म प्राप्ति तसे यन्त्रईद्वारा दिनांक 4-8-1984 को रिजस्टर्ड जिया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर:

(जो ला न हो से काट हं जिये)

Ref. No. AR-II|37EE, 8915|84-85,—Whereas, 1 LAMAN DAS, being the Competent Authority under Section 2000 of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (for inglier referred to got the Sail Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 190,000|-and bearing Flat No. 1107, 11th Floor, Sheffiled Towers. Plot No. 354, Four Bunglows, Versova, (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has boen transferred and the agraement is registered under logion 269AF of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the feir matter value of the aforesaid protierty and there moren to believe that the fair market value of the property of aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more the officen mer cent of such where count on the and their to consideration for such transfer as narged to between the porties has not been forther transit in the said in transment of Transfor with the string; of ; -

> (a) facilitating the reduction or overion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mrs. Freny Cytus Bhadha (Transferor)
- 2 Divesh Wadhawan (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1107, 11th Floor, Sheffiled Towers, Plot No. 354, Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II| 37EE. |8916|84-85 dated 4-8-1984

Dated: 10-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण सं. अई-2/37 ईई/9956/84-85.—अतः मझे. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसवा उचित बाजार मृन्य 100,000/ रु. में अधिक है और जिसकी मं फ्लैट नं. 1506-की जो 15वीं मंजिल, आईटन टॉवमें, प्लांट नं. 356, एस. नं. 41 4 बंगलो,

वसीवा अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपावस जनुसूचों में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोकन सम्पत्ति के उनिन नाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे वृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिफल में अधिक है और अंतरित (यों) के बोच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखन उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दारित्व में कभी करने या उससे जचने में सविधा के लिए और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अध्यार अधिनियम, 1961 का 43) या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया तथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवध के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 200म के अनुसरण, मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 200म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नालिस्ति व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. नद केवलराम तेजवानी । (अंतरक)
- श्रीमती बिष्ता नंदा । (अन्तरिती)
- त्वह व्यक्ति बिसके अधिभोग में सम्पित्त है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में (अधोहस्ताक्षरी जानता है, ि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह म्चना जारी करके पृत्रों क्त र स्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहियां श्रुष्ट करता हूं। उक्त सम्पत्ति व्य अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा।
- (स) इस स्वता के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन है भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हो, यही अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अन्स्ची

"फ्रौट न. 1506-बी जो 15वी मंजिल, बाईटन टांबर्स इमारत, प्लॉट नं 356, एस. न. 4 बगलो, यर्षीया अंभेरी (प) बम्बई में स्थित है।

अनुसूचा जैमानिक कि. सं. अई-2/37ईई/9956/84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांव 16/8/1984 को रजिस्टई किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|9956|84-85.--Whereps, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000₁and bearing Flat No. 1506-B, 15th Floor, Brighten Plot No. 356, Four Bunglows, Howers, Bombay-400058 Andheri (West), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesoid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Nand Kewalram Teiwani (Transferor)
- 2. Smt. Tripta Nanda (Transferce)
- (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

SCHEDULE

Flat No. 1506-B, 15th Floor, Brighten Towers, Plot No. 356. Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE.| 9956|84-85 dated 10-8-1984

Dated: 10-4-1985.

Seal: •

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/9954/84-85---अतः मझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को घत्रा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, िसका उचित बाजार मूल्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैट नं , ५०६, जो ५वीं मंजिल अर्कार्ड-ए इमारत, प्लॉट - 17, एस. नं. 11 (अंश), 4 बंगलो≓, **क्सों**वा अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनमूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कर्यालय, बम्बर्ड में रिजिम्ट्री है, नारीख 10/8/1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से बाम के दृष्य-नान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और म**झे यह** विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीक्त सम्पोत्त का वाजार मृत्य उसके दुष्यमान प्रतिकल से ऐसे दुष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधि है और अनरक (को)

अंतरितो(यो) के बीच ऐसे अंतरण के तिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमने बचने में मुविधा के लिए और/या

(म) ऐसे किसी अाय या किसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आस्त्रर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

कत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मर्फ में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निमानिक्ति व्यक्तियों अधीत् —

1 श्री नरेण मेओमल । (अन्तरक)

2 कुमारी संगिता ए० गुरवानी । (अन्तरिती)

 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 मैं ममं ओणिवरा लैंण्ड डेव्हलोपमेंट कंपनी (प्राहवेंट) लि०।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वो क्त रम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु। उक्त रम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यों हों से किसी व्यक्ति हों।
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम निष्टित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

"फ्लैट नं. 506, जो, 5 वीं मंजिल, अकॉर्ड-ए इमारत, फ्लॉट नं. 17. स. नं. 41(अंग) 4 बंगलोज, बर्सोबा, अधेरी(प), बम्बई-58 में स्थित है अनुसूची जैसाकि क. स. अई-2/37ईई/9954/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 10-4-1985

मोहर : 🧸

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 1995484-85 --- Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing Flat No. 506, 5th Floor, Accord-A, Plot No. 17, Four Bunglow Andheri (West), Bombay-400058 Four Bunglows, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tas Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than hiteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Naresh Seomal (Transferor)
- 2. Kum. Sangeeta A. Gurbani (Transferce)

3.

- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective ersons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 506, 5th Floor, Accord-A, Plot No. 17, Four Bungalows, Versova, Andheri Wesl), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE.|9954|84-85 dated 10-8-1984

Dated: 10-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable).

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/8887/84-85.--अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100 000 रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैट नं. जी-33 जो 3री मंज़िल, न्यू अबीवली को-ऑप. हार्जीमग गोमाइटी लि., जीवन नगर, ऑफ वीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनसूची में ऑर पूर्ण रूप से वर्णित है (और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुप्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, सिमालिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की दायत, आयकर अभि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने से स्विधा के लिए और/सा (क) ऐसे किमी अय या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1)) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर उधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अद उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

া टो. जो. वालसुग्रमण्यिन (अन्तरक)

2 श्रीमती भारती प्राणजीवनदास राजपूत । (अन्तरिती)

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 विस् की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तिमयों पर गूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की भारीक क 45 दिन के भीतर उक्त ग्थावर सम्पन्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निस्ति मों किए जा सकेये।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अन्स्ची

"फ्लैट न. जी-33, जो, 3री मंजिल, न्यू अबीवली को-आंप, हार्जीमग मीसाइटी लि., जीवन नगर ऑफ वीरा देसाई रोड. अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है

अनुसूची जैसाकि के. स. अर्ध-2/37ईई/8887/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 3/8/1984 को रिजम्दर्ड किया गया है।

नारीख 10-4-1985

भोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|8887|84-85.—Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. G-33, 3rd Floor, New Ambivali Co-op. Housing Society Ltd., Jeewan Nagar, Off Veera Desaid Road, Anderi (W), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB o' the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. T. G. Balasubramanian (Transferor)
- Smt Bharati Pranjivandas Raiput (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat, No. G-33, 3rd Floor, New Ambivalı Co-operative Housing Society Ltd., Jeewan Nagar, Off Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No AR-II[37EE[8887/81-85] dated 3-8-1984.

Dated . 10th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable).

निर्देण मं. अर्ड-2/37 ईई/8958/84-85.---अत[.] मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पण्चात 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सर्ग्याल, जिसका उचित वाजार मुल्य 100000 म. से अधिक और जिसकी संव फ्लैट न. 701, जो, 7वीं मीजल, कृष्णा अपार्टमेट्स, प्लाट न. 15. 4 बंगलीज रोड, अधेरा (प), बम्बई में स्थित है (ओर इंसमें उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्जिस्टी है, तारीख 4/8/1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य मे कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाक्षर मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकत के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (वो) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नॉलिखित उद्देश्य ने उनत अंतरण लिखित में व स्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व म कमो करने या उससे इचने में गृहिका के निए; और/या
- (छ) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उप धारा (1) के अधील, निम्निल्लिन क्यक्तियों अधीत: —

- श्री रमेश एच मधिका। (अन्तरक)
- 2 श्रो गिरघर एस. असुदानी आरश्री हरीप एस असुदानी । (अन्सरिता)

3.

(बद वांक (तयके अधिमाश में सम्यान है)

(वह व्यक्ति । जसके बार में अप्रोहस्ताक्षर। तनता है को वह रामान्त म हितवह है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वो जा रम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहित। राग करना हा। उनत सम्पत्ति के अर्जन के सबध मौ कोई भी आक्षय —

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस में 45 दिन की अविभि, या तत्संत्रधी व्यक्तियाँ पर रूचना की शामील में 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति हारा।
- (स) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीरत उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिनबद्ध किनी पर व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए ता सक्रमें।

स्पष्टीकरण .—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुस्ची

पलैंट नं. 701, जा 7वी मजित ब्रुण्णा अलर्टनेट प्लॉट नं. 15, ब वगतीय रींड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित ४।

अनुमूची जैसाकि क. स. अई-2/37ईई/8958/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी बाबई द्वारा विनात 4-8-1954 को रजास्ट्रा किया गया उ

तारीय: 10-4-1985

मोहर

(जी लागून हो। उसे काट दीनिये)

Ref. No. AR-III37EE. 8953 34-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing Flat No. 701, 7th Floor, Krishna Apart-No. 15, 4 Bungalows ments, Bombay-400058 (and more Andheri (West), fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bembay on 4-8-1984 for an apparent consideration which less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby miliate proceedings for acquisition of the al resaid property by the 1-sue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Girdhar S. Asudani and Ors

(Transferce)

- 2. Ramesh H. Makhija (Tran feror)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this nonce in the official Gazette for a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 701, 7th Hoor, Krishna Apartments, Plot No. 15, 4 Bunglows Road, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bomboy under Serial No. AR-II| 37EE|5958|84-85 dated 4-8-1984.

Dated: 10-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable).

निर्देश स अई-2/37ईई/9779/84-85.—अतः मझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्च त "अकत आधिनियम" कहा गया है) की धारा 269त के अर्धाम सजन प्राधिकारी की यह विश्वास करने कः कःरण है कि स्थापर सम्पत्ति जिसकः। उचित बाजार मृत्य 100,000 रु. से अधिक है और जिसकी म फ्लैंट ने. 524, जो, जुहु अगन को 0-आप 0 हाउमिंग सोमाइटी लि., इमारत न 9-सी, न्यू डी एन. नगर, अधेरी(प), बंबई-58, में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अबिनियस, 269कख के अर्धान सक्षम प्राधिकारी के कपीचा, बम्बई मे रजोस्रो है तारोख 10/8/1984 को पूर्वीक्त अम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्राम न प्रतिकल का लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विग्वत्म करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य ''कि द्रयमान प्रतिकत से ऐसे द्रयमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रशिशत में अधिक है और अतरक/अनरको और अतरिती/अतरितायो के बीच ऐसे अनरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निस्त-लिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक व्य में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में दूई किमी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे ६७ ने में मुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी अय या किसी धन या उन्य आस्तियां की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1!) या आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए

अत अत उदन अधिरियम की धारा 269ग के अनुभरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्निचित व्यक्तियों अर्गात् .—

- 1 कुमारी सक्कर गुलामहुसेन तिरानी। (अन्तरक)
- 2 महंदी सुलनानअली चदानी । (अन्तरिती)
- अलारिनोः

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे रापनि है)

(वह व्यक्ति शिसके बारे में अधोह-नाक्षरी शानतः हैं कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)

को यह मृचना जारी करके पृविकित स्भाति के अर्जन के ि कार्यवाहिया ज्रह्म करता हूं। उकत स्माति के अर्जन के स्वश् में कोर्डभी आक्षेत्र —

> (क) इस स्वता के राज्यात्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की द्विधि, जो भी

अविधि बाद मो समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थानर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के णस लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सृची

पर्लंट न 524, जो जुह अगन को 0-आप 0, हार्डीसग सोसाइटी लि , इमारन न 9-सी, न्यू डी एन नगर, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क.स. आई-2/37ईई/9779/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा वस्वई द्वारा दिनाक 10-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नारीख 10-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9779|84-85,---Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. O 524, Juhu Angan Co. Op. Housing Society, Ltd. Bldg. No. 9-C, New D. N. Nogar, Andhen (West), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trasfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

4.

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Kum. Shakkar Gulamhussen Virani (Transferor)
- 2. Mehandi Sultanali Chandni (Transferee)
- 3. Transferce (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 15 days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 524, Juhn Angan Co. Op. Hsg. Society Ltd., Bldg. No. 9-C, New D N Nagar, Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE. 19779 84-85 dated 10-8-1984.

Dated · 10-4-1985.

Seal:

*(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं० अई-2/37/ईई/8951/84-85/—अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- क से अधिक है और जिसकी मं फ्लैंट नं , 210, जो, इमारत नं , 29-मी, मिष नगर वर्मीवा रोइ, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 काख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वई में रजिस्ट्री है, नारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल

के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (को) और अतरिती (यों) के बीच ऐसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शब्दा, आयकर अधि-दिएम, 1961 (1961 का 43) के अधीर कर देने के अन्तरक के दिएक्व में कमी करने या उससे बचने में मितिशा के लिए; और/ए।
- (स) ऐसी किसी अग का किसी अन का अन्य अफिनयों की जिन्हें भागीय आयवर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आगण्य अभिन्यम, 1961 (1961 का 43) या अन-बार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत अह उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीर, निम्नागिक्ति क्दब्तियों अर्थात् :—

- श्रीमती उमा पोददार, बाईफ आंफ रामप्रकाण पोददार, (अन्तरक)
- 2 श्री ह्ममुखनाल कानजी भाई पटेल। (अंतरिती)
- 3. ---(वह व्यक्ति जिनके अधिसींग में सम्पत्ति है)
- (वह व्यक्ति जियके बारे मे अबोहस्ताक्षरी जानता हे ि घट सम्पत्ति मे हिर्बद्व है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि, या नत्संबंधी व्यक्तियों पर राचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस मूचना के राजगत्र में प्रकाइन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मिन में हितबद्ध किसी शस्य व्यिष्ठित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निख्ति में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण: -इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आसकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

्रवैद्य त 210 जो इमारत न 29-मी, मनिए नगर, बमावा रोड, अधेरी (प), बम्बर्ट-58 म स्थित है।

अनसूची जमािक क. स अर्ड-2/37ईई/8951/84-85 भीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाक 4/8/1981 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तार्राख 10-1-1985

गोहर.

(जो पापूनहां उथे गद्दीविए)

Ref. No. AR-II|37EE.|8951₁84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100 000]-and bearing Flat No. 219, Building No. 29, 'C' Manish Nagar, Versova Roard, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the tair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any noney or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in presumed of Section 269C of the said Act, I he eby incide proceedings for acquisition of the aforesaid poperty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Smt. Uma Poddar W₁o Sh Ramprakash Poddar (Transfero)
- 2. Sh. Hasmukhlal Kanji Bhai Patel (Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the afore aid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nonce in the official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 210, Building No. 29-'C', Manish Nagar, Versova Road Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EF |8951|84-85 dated 4-8-1984.

Dated: 10-4-1935

Seal:

(Strike off where not applicable.)

विशेष मं. जई-2/37 ईई/10227/84-85 : -- अन मुझे, लक्ष्मण दास, आयार अधिनियम, 1961 (1961 त 43) जिस इपि इपि परनात् "उका अधिनियम" बहा गजा है) की धारा 269 घ के जन्मी प्राज्ञान प्राज्ञान की, यह विण्वाप एने स भारण है ि प्यावर स्पितिः, जिनसा उचित्र तारार मृत्य 1,00,000 ह 👯 अधि है और जिसकी स फ्लैंट न. ६, जो, गाउड फ्नार, इमारत न उ9 नित्तकिर्तन को०प्राप० हार्डासग सोसाइटी लि नगर, व वगलोज जे पी रोड अबेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और दासे उगबंद जन्मूची में ऑर पूर्ण रूप रें वर्णित है), और जिसार जरारामा जायदरअधिनियस 1961 की धारा 269 क्व न प्रधीन क्कम प्राधिक्तरी वे **ार्यागय, बम्बर्ड मे रिजस्ट्री है तार्ग**ख 23/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति र उत्तित वा गांग मूल्य ने भ कदृश्यमान प्रतिफल के लिये जन्तरित की गई ह और सूझे यह विश्वास रणने सा साण है हि यथापूर्वीका संभाति जा उचित बाजार मृत्य, जात दुर्यभान प्रतिकत स, ऐस दुर्यमान प्रतिकत के पन्द्र प्रतिशा स अधिए है ऑस अंतर /आरसा और अत-रिनी/अर्तारिनियों के बीच ऐसे अंतरण के निए तय पाया

करा प्रतिषा, कि किया हो हो । उन्हारण विकास के अस्ति हुए हैं कि क्या है कि किया की किया है --

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, आयकर अधि-ोरफ, 1882-1961 का 13) के बधी। कर देने के अन्तरक के दायित का नेतरने या उससे उचने को गणिन के लिए, अोर/या

अह , अह , उण्ण किथानियम की हारा 269ग के असरण म मी उण्ज किशासिक की ध्रा 209ण की उपहारा (1) व अभीत रिकाल किशासिक अध्याप —

- 1 थी हरनाण सिंह हरन्यालिशह (अन्तरव)
- 2 श्रीमर्ता ोिचन बार्ष परपोत्ता शर्मा और (अन्तरिती) श्री पण्पोत्तम श्रीबर एनी ।

थ / बं मति / चे गरी. व्यापिता कि कार्या के सम्बंदित है)

र्थ । य = - , | न , । र्ग ।

(बहुन्यकिक्षिति । विकास स्थापना स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापन स्थापन स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना स्थापना

के हरका उसी करते पूर्णिता रणी के तिण के तिण कर्षाहित सकत्त्वाहा। सा सम्पत्ति के अर्जन के पहर र जो भी अरक्त

- (-) उर राजा जो राजाया हो एक इस की नारी ए के 4 कि वा भी तर उपा का का समित से हित्ब से कि पास कि का पास कि हा का कि वा पास कि वा का का कि वा कि वा का कि वा कि वा कि वा कि वा का कि वा कि वा का कि वा कि व

साठ एक इसमें प्रका शब्दों और पदों का जो जातार तीर्मनयम 1961 (1961 का 43) के आर्थ एक मार्ग भीवित हो बही अर्थ हागा जो उस राज्या विद्यागण में।

अनुर ची

फलैट स 6 जा एगाड पनोतर, इमारत न 39 नितक्ति भोजा। हार्डाणम सायप्टरी ति रह नगर 1 तगराग जे णी रोड जोगी (प०) तस्वर्ड-58 निरात है। अनुन्ची जेसािक क. स अई-2/37ईई/10227/84-85 आर जा सक्षम प्राधिकारी, बस्पई द्वारा दिनाक 23/8/1984 को रिजस्पई विया गया है।

तारीय 10-1-1955 मोहर (जोताग्तहो उ∶ाटदीतिए)

Ref. No. AR-11'37E1 [10227 81-85.- Whereas, 1, Laxman Das, being the Competen Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No 5, Ground Floor, Building No 39, Nickirtan Co-op Housing Society Ltd, Guiu Nagar, 4 Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the aid Instrument of Transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

- 1 Shri Ha nam Singh Hardayai Singh (Transferor)
- 2. Mrs Vinodni Bai Purshotam Sharma and Mr Purshotam Shridar Sharma (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the understaned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the under agned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 6, Ground Floor, Building No. 39, Nitkirtan Co-op, Housing Society Ltd., Guru Nagar, 4, Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400658.

The agreement has been registered by the Computent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10227[84]85, dated 23rd August, 1984.

Ented , 10th April, 1985

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37ईई/10044/84-85 --- अन. मुझे. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गयः है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिक रो को यह विभवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति िसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- म. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 104, जो, इमारत नं 45. मनिप नगर, जे. पी. रोड, अंधेरी (प०), बम्बई-58, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनाभा आयक्र की धारा 269कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजोस्ट्रे हैं, तारीख 16/8/1984 की पूर्वीक सम्पति के उचित बाजार मुल्य में कम के दुण्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का वाजार मृत्य, उसके दुण्यमःन प्रतिफल से ऐसे दश्यनान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कीं) और अंतरितो (यों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित पहेण्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक व दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में गुविशा के लिए; और/एन (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयळर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयळर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या धन घर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

उत., अत, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुस्रण में में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उग धारा (1) के अधीर, निम्लिकित व्यक्तियों, अधीत —

। डां श्रीकांथा राव (अन्तरक)

2. श्री मकसूद अहमद हिसामद्दीन मुल्ला (अन्तरिती)

3 —— (बह व्यक्ति सिके अधिमोभ में सम्पत्ति है)

को यह मुचना जारी करके पर्ताकित सभ्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हो। उकत रभपित के अर्जन के संबध में कोई भी आक्षेत्र —

- (क) इस मुचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्मबधी व्यक्तियों पर गुचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिस के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मो हिनबद्ध किसी तस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्याक्षरी के पास लिखिन मो किए गा सर्किसे।

स्पद्धीतरण — इसमें प्रयवन हाइदों और को का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्वी

"फलैंट नं. 10-4, जो, इमारत नं. 45, मिनप नगर जे. पें॰ रोड, अधेरें। (प॰), वम्बई-58 में स्थित है ।

अनसूर्च जैसाकि घ. सं अर्ड- $2/37 \frac{$}{5} \frac{10044/84-85}{10044}$ और जो सक्षम प्राधिकारों सम्बद्ध द्वारा दिनांक 16/8/1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

न्दोख 10-5-1985

मोहर

(जो ल गुन हो उमें क्टर्द जिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/10044/84-85.—Whereas, 1. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Re. 1,00,000 and bearing Flat No. 104, Building No. 45, Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-46,0058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proyerty as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Dr. Shrikantha Rao (Transferot)
- 2. Mr. Maqsood Ahmed Misamuddin Mulla (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

4.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 104, Building No. 45, Manish Nagar, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Serial No. AR-II/37EE, 10044/84-85, dated 10-8-1984.

Dated: 10th April, 1985

Seal

(Strike off where not applicable,

निर्देश स अर्ह-2/ 37ईई/ 9002/ 84-85.---अतः, मुझे, लक्ष्मणदास, आयकर अर्धानयम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269घ के अधान सक्षम प्राधिक रोको यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100.000 में प्रधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट न. 14ना, 4यो मंहिन इमारत नं. 18, ए विम मान्य कावेरा, ह्। र्रीसर्ग कीसाइटा लि० मनिय नगर, 🕠 बगलोज, जे.पी. रोड अधेर। (प०), बम्बई-58. में रियत है (और इसमे उपाबद्ध अन्भूचः में ऑप पूर्ण रूप से वर्णित है) और क्सिका कर।रमामा अ.नकर अधिनियम की धारा 269क्ख के अधीन मक्षम प्राधिकार। के कार्यालय वस्बई में रजीस्टी नाराख 6/8/।:)৪- को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐस दुण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से आधिक है अंदि अंतरक (कों) और अंतरिता (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में मिकिशा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी जात या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजराष्ट्री अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंद्धा के लिए:

अत., अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उन धारा (1) के अधीन, निमानिक्ति व्यक्तियों अथिता .—

- श्रो तेज मिंग चिमः। (श्रन्तरक)
- 2. श्री: हंसराज जी: पंजवानी और श्रीमती संवेता एच. पंजवानी। (ग्रन्तरिती)
 - (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरा जानता है, को वह सम्पात्त में (हतबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सब्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (कः) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयंक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पर्लंट नं. 44, जो, 4थी मंिल इमारत नं. 18, ए-विंग मनिय कावेरा हाउसिंग सोसाइटा नि. मनिय नगर, 4 वंग-लोज, जो.पो. रोड अधेरी (प०) त्रम्वई-58, मे स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क.सं. श्र $\frac{5}{2}$ / $\frac{37}{5}$ $\frac{5}{9002}$ / $\frac{84-85}{9002}$ और जो सक्षम प्राधिकारा वस्बई द्वारा दिनाक 6-8-1984को रजोस्टर्ड किया गया है।

तारोख: 10-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीनियं)

Ref. No. AR-II/37EE/9002/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 44, 4th Floor, Building No. 18, 'A' Wing, Manish Kaveri Housing Society Ltd., Manish Nagar, 4 Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the under the said Act, in respect of any macone arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposet of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate processing, for acquistion of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Teja Singh Cheema (Transferor)
- 2 Mr. Hans Raj G. Panjwani & Mrs. Savita H. Panjwani. (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 44, 4th Floor, Building No. 18, 'A' Wing, Manish Kaveri Housing Society Ltd., Manish Nagar, 4 Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AB-II/37EE/9002/84-85 dated 6th August, 1984.

Dated: 10th April, 1985

Seal.

(Strike off where not applicable,

নির্বিদ ব০ ধর্ই-2/37-ইছ/10228/84 85-- খ্রন मुझ ारमण दास ग्रयकर प्रधारान्म 1901 (1901 का 43) ार्ट इसमे इसके पश्चात अन्त आधानयम वहा ह) का बार 269य है अप्रात सक्षम । बकारा वा यह त्रकारा वरत वा संग्ण हे विस्तार प्रस ना गरि भूला 100,000/ म म ग्रावन है आर 'नका र ५५८ से २,८० जा फ्राउड फाइसर - न्यू च_{रा} को-प्राम हार्जीः सान्*द*ा वा । दर्राई २। उअरेरा (प) वस्य इ इठ र, १४० ह (अ। र र्सम उपवड अनुसूच। से आर १० नप मधाणन है। ओर िगदा द रिमामा प्राप्तार प्राप्तिम या वारा 269 के पा । । यन रहिन प्राप्तकरा पान वायालय वनेवद मे रजिट्ड हे, १२।७ 23 8-1984 रा पुवास सम्पत्न के उचा र १र रूल्लं न काम म दृश्यम र प्राप्तकाल व राय प्रत्ता व गई ह आर मुझ यह ।वस्वार्ग करने वर कारा है ,क नेनार्वाक्त मन्त्र के व तर मूल्य उपक प्रकार में पूर्व दश्यन अं, एक व क पद्रह प्रात्मन में प्राप्तक है कार अन्ति (का) जार जल-रता (या) के बाच एम अतरण क रंप तद पाय गया प्रक्रित । तन्त्र जा उर्देश्य स उस्त अंगरा । लाखन स व रचात्रक मा स कायत नहीं ।कर्मा प्य ८ -

- (क) अन्तरण से हुई किनी अाय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने ने उससे दचन में महिना के लिए और/या
- (स) ऐसे किमी अय या किमी अस या अन्य आस्तिया की जिन्हा भारतीय आदबार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अपयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 दार्पि) ये १०० हर निर्मा अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनात अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए जा, छिपाने मा स्विधा के टिए

अत अ उका अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण मा, मैं उपार्थाधीन्यम की धारा 269ए की उहिरास (1) के रहा, निकाल किनि एकिनियों, अवस्त् —

(पहरानिः जिल्लाअधिमागा सम्मानि ह)

।. — - (४४ नतीस, विच्चांगर संजंबहिणाजरा जास ह. संबह सम्बंति संक्रियड ह)

को यह सूचना जारी करके प्रांचित सम्पत्ति के अर्जन कि िक कायवाहिया स्माकर हूं। उत्तर राति का अर्जन के निष्ध मानोई भी अद्योग --

> (क) इस स्बना क राजान मा त्रकातक की ताल्य स् ।) दाका निर्माध या ल्लाबभी व्यक्तिया पर

सूचना की तामील स 30 दिन की अवधि, जो भी जारि बाद भा समाप्त होती हा, के भीतर प्योक्ति वा गाम साकमी व्यक्ति हारा।

्र) इस रचार के राज व मा प्रकाशन की तारी खसे 40 दिन दें, भी र उबा स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बर्ग व्यक्ति द्वारा अधोहसाक्षरी के प्रस िन्ति सं किए जा सन्हेंग ।

स्पष्टीकरण — इसम प्रयुक्त गब्दा और पदो का जो जायकर अगिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 के म परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जा उम ज्याय के दिया गया है।

उत्तर नी

ातैट 1 2 डा जाकाऊड फलाअर दि न्यू बदा का स्राप ह ऽिस्मा सास इटा वीरा देसाई रोड अधेरा (प), बम्बई 58 से ास्या हा

श्रन (चाजनाति न प्रार्घ 2/37रर् 10228, 84-85 आर जा नक्षम प्राप्तनारा बम्बर्ट होरा दिनास 23 8 1984 को रिजिस्टर्ड सिया रुप टा

तार्थ.ख 10/4/1985 माहर

(जा लागू न हा उं भाट दाजिए)

Ref. No AR-II/37EE/10223/84-85 — Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1301 (43 o. 1961), (heremaster referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100.000 and bearing No. 2 D. Ground Floor, Veera Desat Road, Andness (West), Bombay-400058 (and more fully description the Schedule annexed hereto), has been from feded and the agreement is registered under specion 26' AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Composed Authority at Borabay on 23-8-15 on for a apparent consideration, which is less than the tair marker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent con id ration and that the consideration for such the stated in the said Instrument of Transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax hader the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Miss K. P. Manghani (Transferor)
- 2. Prakash Umakant Sant (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 2|D, Ground Floor, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10228/84-85 dated 23rd August, 1984.

Dated: 10th April, 1985

SEAL:

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10185/84-85:--अतः मुझे लक्ष्मण दास आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात ''उक्त अधिनियम' कहा गया है) को धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित जिसका उच्चित बाजार मृल्य 100,000/- म म अधिक है और जिमकी सं. पर्लट न 202, जो नेवृला अपार्टमेटम, हिरानंदानी इस्टेट ओणिवरा अधेरी (प) वस्बई, में स्थित

- है (और इसंस उपावड अनुसूचा में और पूर्ण रूप से विणित है) और जित्त कर एता मा अप्यकर अधिनियम की धारा 269 का ख के अधीन सक्षम आधिकार के कार्यालय, बम्बई मे रिजिस्टई है ताराख 18-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उच्चत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्रल के लिये अन्तरित का गई है और मुझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिक्रल से ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रल के पद्मह प्रतिशत से अधिक और अतरक (को) और अतरता(या) के बाच ऐसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल निम्नलिखित उद्देण से उक्त अतरण लिखन मे बास्तावक रूप से कथित नहां कथा गया है ---
- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयंकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसे किसी अग या किसी धन या उन्य आस्थियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्मरण मो, मों उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उप धारा (μ) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों, अथएत् :—

- मेसर्न ग्रपेक्स कल्स्ट्रक्शतस्य । (ग्रन्तरक)
- असवत अवतालाल कोटक और पुनाता असवत कोटक। (प्रकारना)
 - 3. अं नरकों

(बहुब्यिक्ति, जित्त अधिमोग में सम्पत्ति है)

. चन--(वह व्यक्तिः, जित्तक प्रारं ने अधोहरूगक्षरी जाना। है, ि कह स्मान ने हिस्बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत ह्य किल्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स्त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 पिन के भीतर उक्त स्थाइर सम्पत्ति में भीतर हिन्-व्य किशी अन्य व्यक्ति द्वान अवोहस्ताक्षण के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

"फ्लैंट नं. 202 नेवूला अपार्टमेंट्स हिरानदानी इस्टेट, ओणिवरा अधेरी (प) वस्वर्ष में स्थित है। प्रन्मूचा जैसाकि क.मं.-2/37ईई/10185/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनीक 18-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

तारीख 8/4/1985

माहरः :

(जो लागून हो उने दाट दीजिये)

Bombay, 8th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10185/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 202/Nebula Apartments Hira-Fstate, Oshiwara, Andheri Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Apex Constructions (Transferor)
- 2. Jaswant Jayantilal Kotak Punita Jaswant Kotak (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazatte or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expire; later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202/Nebula Apartments, Hiranaudani Estate, Oshiwara, Andheri (West). Bombay-400058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10185/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated: 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10045/84-85.--अतः म्झॅ लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसभें इसके पश्चात ''उक्त अधिनियम'' कहा गया है) की धारा 269 घर्के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 100,000/- कर से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं डी-5 जो इमाएन नं. 2 ब्लू अर्च की-आप० हा उसिंग सोसाइटी 4 बंगलो रोड़ अंग्रेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसरे उपाबढ़ अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियमको धारा १६० क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड हैं, तारीख 16-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकलके निये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिणत से अधिक है और और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ़ल निम्मलिखित उद्देण्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की रावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दर्गिक रण कमी करने या उसमें बचने में गनिधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आग सा किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयह र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) सा धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के पर्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सितधा के स्थित

पत: अब-उन्न अधिनिषमें की गारा १६६म के क्लिप्य में, में उन्न विभिन्न की भारा १६६म की उन्धार (१) के अपीन, निकार्तिक्त व्यक्तियों अधीग् —

1 श्रीमती चंचल अरोग

(अन्तरक)

2. डा श्रोकाया एव।

(अस्तिरितंर)

(जनवाकित जिनके अधियोग से जमानि है)

. (यह व्यक्ति शिक्त घार है अग्रीहराबरे सारण है जिब्ह स्थाति ये हिज्बुड हैं।)

को यह गुरुता जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिता शरू करण हो। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गंबीश मीं कोई भी आक्षेत :—

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकारत की तारीस से 45 विस्त की अविधि, या तत्र्यंशी व्यक्तियों पर गाना की गणीन से 20 विष्यों के उदिया भी भी कार्य में समान होती हो, के जीहर पूर्वों के व्यक्ति गणीं मों से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स.) इस राज्या को राज्यासक यो प्राप्तकार गी। तारीका के 45 जिस को भी पर उक्ता स्थापन सम्पत्ति यो। हित्ता इ िशी राज्या बद्धिकत हुए, असीहरणाज्यश्ची को शास विक्रित भी विद्यापन सकेयो।

स्पष्टीकरण '—इसमें प्रयुक्त रुक्तो और एको छ छो आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) के अध्यक्ष 20क से परिभाषित हो, करी अर्थ होगा जो उस अध्यक्ष से दिन गया हो।

· अवस्ची

"फ़र्नेट स. चा-5 नो इफरवार्स 2 ब्लू अर्व हो-अ.प० हार्जीका सीम,इटो ४ याजों गीड, अंबेका (प) वस्सई 58 में स्थित है।

अनुसूता जैसाति कार्याः जर्द-2/37ईई/10045/84-85 और जो त्या प्राधिकारा वस्त्रई तारा विवास 16/8/1984 को रिजिस्टई विपा गया है।

तारीख: 8/4/1935

मोहर:

(जो पासून है। उने पह देशियो।)

Ref. No. AR-H/37EE/10045/34-83.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority and a Section 269B of the Income-tax Act 1931 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the Maid Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100.000 and bearing Flat No. D-5, Building No. 2, Blue Arch Co-op. Housing Society, Andheri (West), Bourbay-400058 (and more fully described in the School, annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the inc. metax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1921 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Irdina Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in presumee of Section 289C of the said Act. I hereby iniciate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Smt. Chanchal Arora, (Transferor)
- 2. Dr. Srikantha Rao (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquirition of the aid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this ratios in the official Grzet or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Grzette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. D-5. Building No. 2, Blue Arch Co-ep Housing Society, Andheri (West), Bombas-400058.

The agreement has been registered by the Commetent Authority, Bombay under Serial No. ARAII 37EE 10045[84-85] dated 16th August, 1934.

Dated: 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म ग्रई-2/37-ईई/9782/84-85.-- ग्र**न** म्जे लक्ष्मण दास ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पण्चात "उक्त ग्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रजीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ुचित ताजार मल्य 100,000/- ह. प्रधिक है और जिसकी मं. फलैट न 12-ए. जो. 1ली मंजिल. ''वी'' ब्लाक निर्मल ग्रातद को-ग्राप हाउसिंग सोसाइटी लि, 'लाट न 107 सी, नवरग सिनेमा के सामने, जय-प्रकाश राइ, अधेरी (प), वस्वई-58 में स्थित है और इससे उपावह स्रनसूची भे और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क ख. के अर्ध न मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. वस्वई में रजी-स्ट्री है तारीख 10-8-1984 वो पूर्वीवन सम्पत्नि के उचिन वाजार मन्य में कम के दर्भमान प्रतिकल के लिये ग्रन्तरित की गई है आर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल मे ऐमे दष्यमान प्रतिकल के पद्रह प्रतिशत मे ऋधिक है और अतरक (को) ओर अतरिती (यो) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अनरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहा किया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने ए। उसमें बचने में मिविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी अार या किसी धन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आरक्दर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 4), या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अप अद उका अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उन्न अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निमानिस्ति व्यक्तियों अधीन —

- 1. एम सजीवा रामा शेटटी। (ग्रन्तरक)
- 2 इद्रवदन पोपटलाल णाह आर भरत पोपटलाल णहा। (भ्रन्तरिती)
- 3 -- (वह ब्यक्तिः जिन्ने अधिमोग मे सम्रति है)
- 4. -- प्रहानिक, जिनके दारे में अधी-हमाक्षरी जानना है, की वह सम्पत्ति में हिल्लाह है।

को यह सचना जारी करके प्योक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सबंधी व्यक्तिया पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी 166 GI 85—25

अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क्) इस मुचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक स्थादर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिस्ति मा किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनमुची

"फलेट न 12-ए, जो, 1ली मजिल, "बी" ब्लाक, निर्मल म्रानद को, म्राप. हाउसिंग सोमाइटी लि., प्लाट न 107 सा नवर्ग मिनेमा के सामने, जयप्रकाण रोड, अधेरो (प), वम्बई-58 में स्थित है।

श्रनसूची जैमािक क. म. श्रई 2-|37ईई|9782|84-85 आर जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाक 10-8-1984 का रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख . 8/4/1985 मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दोजिये।)

Ref. No. AR-II/37EE/9782/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000-and bearing Flat No. 12-A, Nirmal Anand Co-Operative Housing Society Ltd., J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

3.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M. Sanjiva Rama Shetty, (Transfutor)
- 2. Indravadan Popatlal Shah and Bharat Popatlal Shah (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12-A, Nirmal Anand Co-Op. Housing Society Limited, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9782/84-85 dated 10th August, 1984.

Dated: 8th April. 1985 SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ग्रई-2/37/ईई/8959/84-85:-- ग्रन महो लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिमे इम_{र्ने} इमके पश्चात, "उक्त स्रधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 100,000/⊸रू. से ग्रधिक है और जिसकी मं. फलेट नं. 4-ए, जो 2री मजिल, दि एवरणाईन श्रपार्टमेंटस नं 1 को-श्राप. हा उसिंग सोसाइटी लि., जय प्रकाश रोड, अंधेरी (प), वम्वई-58. में स्थित है और इससे उपा-बद्ध ग्रनसूची सें और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा ग्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क. ख के अबींन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजीम्ट्री है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दष्यमान प्रतिफल के लिये ब्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प-त्तिका बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया ्रया प्रतिफत, निम्तिस्थित एहेस्स से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिव रूप से एथित नहीं िसा गया है: - -

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी उत्त या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय अप्यक्तर अधित्यम, 1922 (1922 दा 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिद्धा के लिए

अत: अब उबा अधिनियम की धारा 269य के अन्सरण में, मैं उन्ह अिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्मिनिक्ट व्यक्तियों अर्थान् —

- 1. श्री. रामचद एम ग्रहना। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री इन्तपवृमार एच दर्मा और श्री ग्रहिताभ एच. वर्मा (ग्रन्तरिती)
 - (घह व्यक्ति, जिसके अधिभोग के सम्पत्ति है)
- 4. --- (वह व्यक्ति, जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मी कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस राचरा को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर समात्ति मो हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिक्ति मो किए पा सकेगे।

स्पष्टीकरण —इसमे प्रयंत शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मची

"फलैंट नं. 4-0, जो. 2री मंजिल, दि एवरणाईन स्रापार्टमेंट्रम, नं 1 को-स्राप- हार्ज्ञासग सोसाइटी लि., जय प्रकाण रोड, अधेंरी (प) वस्वई-58 में स्थित है। स्रानुसूची जैसाकी क्र. सं. अई 2/37ईई/8959/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई हारा दिनांक 4-8-1984 को रजीस्टर्ट किया गया है

नारीख 8-4-1985

माहर

🖁 (जो लागून हो उसे बाट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8959/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000-and bearing Flat No. 4-A, 2nd Floor, The Evershine Apartments No. 1, Co-operative Housing Society Limited, Jai Prakash Road, Andheri (West). Bombay-400058 (and more fully described in the tully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

1. Mr. Ramehand M. Ahuja (Transferor)

Mr. Anoop Kumar H. Verma and Mt. Amitabh H. Verma. (Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knews to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

4.

- (a) by any of the inforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4-A 2nd Floor, The Evershine Apartments, No. 1, Co-op. Housing Society Limited, Jai Prakash Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II/37EE/8959/84-85 dated 4th August, 1984.

Dated: 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

- प्रहे. 2/37-ईई/10186/84-85:---सं. न्नतः मुझे लक्ष्मण दास, न्नायकर मधिनिदम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसके पश्चात "उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के स्रवीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका र्जीचत बाजार मृत्य 100,000/- रू. से स्रधिक है और जि-सकी सं. दकान नं. 12/बी,जो ग्राउंड फलोग्नर, सिल्वर संन्डस श्रपार्टमेंटस, हिरानंदानी पार्क, यारी रोड, अंधेरी (प), बम्बई. में स्थित है) और इससे उपावड़ ग्रनस्ची में ओर पूर्ण रूप से र्वाणाहै), ओर जिल्ला अपरामा आयार अधिनियम की धारा 269 .'ख के जबीन इक्षम प्राधि परी के वपर्यात्य, बम्बई पं रजिस्ट्री ह तारीख 18-8-1984 को पूर्वाक्त समात्ति के उचित बाजार मृत्य रे ... के दृण्यनान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई ह और मझे यह विख्यास एउने धा ारण है 🗔 यथापूर्वोका समानि 🔃 उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यनान प्रक्रिकत के ऐके दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अबि है आर अंदर /अदिको ओर अनिर्ति/आरिनियों के बीच ऐने आरण के लिए तप पाना गना प्रतिकल, निम्नतिखिन उद्देश्य ने उक्त अंतरण िर्षित में वास्त्रित हा है . 'थित तही िया गता है:- •
- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-वियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दादित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

उत. अद उदा अधिनियम की धारा 2**69ग के अन्**सरण' में, मैं उदा अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्लिन्ति व्यक्तियों अथीता .─

मैसमं हिरानंदानी कन्स्ट्रक्शन्स प्राइवेट लि.।
 (ग्रन्तरक)

 2. श्री. परमानंद घनणामदास मलकानी स्रार तुमारी नक-मीणी घनणामदास मलकानी।
 (ग्रन्तरिती)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिकांग 🕏 ३. अभागका-सर्गान है)

(बहार) सिना जिल्लाबार से अधोहरताक्षरी जानना हारिएट सम्पत्ति ने हिन-पढ़ है)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्ति सम्पन्ति के अर्जन के शिए कार्यवाहिमा करू करताहा। उक्त स्मर्गान के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सचना के राजधन्न में प्रकाशन की नारील से 45 दिन की अवधि, या नत्सबंधी व्यक्तियां रकता की तामील में 30 दिस की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त होती हा , के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबह किसी पत्य व्यक्ति द्वारा अधीहरणाक्षरी के अय किस्ति में किए जा सर्केग।

स्पष्टीकरण — इसमा प्रयुक्त शब्दो और पदो का आ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 কা 43) अध्याय 20क मं परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम 📭 दिया गया है ।

अनसची

"दुकान न 12/बी. जो सिन्वर मैन्ड ग्रपार्टमेंटस. हिरा⊸ नंदानी पार्क, यारी रोड, अबेरी (प), बम्बई में स्थित है।

स्रनसूची जेमार्का क.स. प्रई-2/37ईई/10186/84-85 श्रीर जो सन्नम श्राधिकारी बग्बई द्वारा दिनाक 18-8-1984 को रजीस्टंट किया गया है।

नारीख ४/४/19४३ मोहर

(जा लागू नहीं होता उसे काट वर्तजण)

Ref. No. AR-II/37EE/10186/84-85.-- Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 130,000 and bearing Shop No. 12/B. Silver Sands Apartments, Hiranandani Park, Yari Road, Andheri (West). Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- M/s. Hiranandani Constructions Pvt. Ltd.
- Parmanand Ghanshamdas Malkant Miss Rukmini Ghanshamdas Malkani (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expire later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 12/B. Silver Sands Apartments Hiranandani Park, Yari Road, Andheii (West), Bombas-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II/37FE/10186/84-85 dated 18th August, 1984,

Dated, 8th April, 1985

SEAL

(Strike of where not applicable.)

निर्देश म श्रई-2/37-ईई/10189/84-85-- अन मने लक्ष्मण दास ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 व के स्रजीत सक्षम प्राधिकारी को यह विग्वास करने का कारण है कि म्यावर सम्पत्ति जिसका र्जन वाजार मूर्य 100,000/--हे अर जिसनी म फ्लैट न जे/4017, जो ज्युपिटर प्रपा-र्टकेटस, हिरानदानो ३म्टेट, ओशिवरा, अत्रेजो (प०), बम्बर्ट, में स्थित है) ओर इससे उवाबह ग्रलसूच, में ओर पूर्ण मा से व'णत है े ार जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धार। 269 क ख के म्रानेन संभ्म पिधकारी के कार्यलग वस्बरे , रनास्टी है, तारीध 18-8-1984 को पूर्वास्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दप्नमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मड़े यह विश्वास करन 📆 कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के प प्रह प्रति-शत से प्रधिक हे और अंतरक (कों) आर अतिरनी (या) क बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखिन मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धर्य या उन्य आस्तियां की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अपयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धर्म नार्व अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए

अत. अब उक्त अधिनियम को धारा 269र क अन्यरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उ। धारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. हिरानंदानी बिल्लस। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री. शशिकात गोपाल खन्ना और श्री जीवाई खन्ना (ग्रातीरती)
- ३. -- (वह व्यक्ति जिसके या बमान में सम्पत्ति ह)
- 4 -- (बहु व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरे जानता है, की वह सभ्यात्त में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध मो कोई भी आक्षण :—

(क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि, या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान होती हो, की भीतर गर्वो किन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(") इस स्चरा के राजपण में प्रकाशन की धारी कि के 43 दिन के शीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्लाक्षरी के पास लिखित में किए जा स्केसे।

स्पर्धाकरण —इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

"फितेट न जे/ 401° , जो, ज्यूपिटर श्रपार्टमंटस, हिरा-नदान ६स्टेट, ओजिवरा, अधेरी(\circ), बम्बई में स्थित है।

प्रनुसूची जैसाकी घ.स प्रई-2/3752/10189/84-85 और जा । उम प्राधिवारी बम्बर्ड हारा दिनाक 18-8-1984 का रजीग्टर्ड किया गया है।

ताराख 2-1-1985 मोहर (जो लाग्न हो उसे कट दाजिए)

Ref. No. AR-11/37EE/10189/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100.000 and bearing Flat No. J/401 A in Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheii (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the at resaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Hiranandani Builders, (Transferor)
- 2. Mr. Shashikant Gopal Khanna and Mr. G. Y. Khanna. (Fransferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period express later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J/401 A, in Jupiter Apartments, Hiranan dani Estate, Oshiwara Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-IJ/37EF/10189/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated: 8th April, 1985

SFAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देण स ऋई-2/37-ईई/10271/81-85 ---मझे लक्ष्मण दास ग्रयकर प्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पण्चात "इक्त 'ग्रिशिनियम कहा गया है) की धारा ३69 व के स्रधीन सक्षम प्राधि≱ारी को यह विश्वास करने वा रारण है कि, स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 100000/-- से ग्रस्थिक है और जिसकी स फोरेट न जे/302 जा ज्यापिटर क्रमार्टमेटन हिरानदानी इस्टेट, क्रपनाधर के पीछे, ऑशिवरा, अधेरी (प) बम्बई से स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रममुची में और पुण रूप से बिणित हैं) ओर जिसका करार-नामा आयकर यधिनियम की धारा १६० क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्कालय बम्बई में रजीस्ट्रों है, तारीख 2 मे8/1981 को पूर्याक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मध्य में बाग के दण्यमान प्रतिकास के लिए यन्तरित की। गई है। है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त

सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से ऐसे दृश्यमान प्रतिपत्त के पन्द्रह प्रतिशत से ग्राधिक है और और अतरक(को) और अतरिता(यो) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त निम्नित्रिकित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित से वास्तिवक रूप से कथित नहीं नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की गायत, आयकर अधि-निष्ण, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मा सर्विका के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अय या किसी धन मा उन्य आरितयों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनयम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) मा धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिषाने मो सिन्ध की जिए

अत अब उक्त श्रीधानिकम की धारा 269क के अन्यरण मो, मों उक्त श्रीधानियम की धारा 269व की उत्थार (1) के अधीर, निमालिक्ति व्यक्तियो अथीता :—

- 1. मेगर्स हिरानंदानी बिल्डमं । (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती विना प्रभुलाल णहा, और कुमारी विमला भगवानदास श्राप्त । (ग्रन्नरिती)
- 3 श्रन्तरको ।

(बह व्यक्ति जिसके ग्रनिभाग में सम्पत्ति है)

पत्ता व्यक्ति जिसके यारे मे स्राटाहरताक्षरी जानता है, की वह सम्पन्ति में हिसबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गढ़श सालोई भी आक्षेप .—

- (क) इस मूचना को राजपत्र मा प्रकाशन की तारी स्था में 45 दिन की अवधि , या तत्सवधी व्यक्तिया पर राचना की नामीत स 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद मो समाप्त होती हां, को भीनर पूर्वों क्त व्यक्तिस्पों मो से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस मूचना के राजगत्र मा प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मी हिसबद्ध किरी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरनाक्षरी के पाम जिल्हा में किए जा सकेंगे।

रपष्टीकरण --डासमा प्रयक्त शब्दा आर् पदा का जा आयकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) कें अस्याय 20क में परिभाषित हो वहीं अर्थ हाना जा उन अस्याय में दिया गया हो ।

अगसची

पर्लंड न. 5/302, जो, उद्युपटर स्रपाटमेटरा हिरानदानी इस्टेट, स्रपनाघर के पीछे ओशियरा, अधेरी (प), बस्बई में स्थित है। श्रमसूची नैसाकी क.स.श्रई-2/37ईई/10271 /81-85 आर जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 24/8/1984 को रजीस्टई किया गया है।

नाराव 8-4-1985

मोहर :

(जा लागून हो उस काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EF/10271/84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. J'302, Jupita Apartments Huanandanı Estate Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West) Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the atotesard property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- 1. M/s. Hiranandani Builders, (Transferor)
- 2 Smt. Veena Prabhulal Shah Kum. Vimla Bagwandas Shroff. (Transferee)
- 3. —

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

- cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDUI E

Flat No. J/302 in Jupita Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghai, Oshiwara, Andheii (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10271/84-85 dated 24th August, 1984.

Dated: 8th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 🛺) जिसे इसमे इसके पण्चात "उक्त अधिनियम र'हा गया है) नी धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वाण करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचिन 100000/→₹. मृत्य म और जिसकी सं. पलेट न बि/609, जो. विनस अपार्टमेटस हिरानवानी इस्टेंट । नगलीज, अंधेरी (ए), बम्बई में स्थित है) और इसम उराबद्ध ऋनमुची में और पर्णमन पे बर्णित हैं अंग्र जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 😁 धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी के बम्बर्ड में रजीस्टी है, तारीख 18/8/1984 की पुर्वेतित सम्पन्ति के उचित बाजार मन्य में कम ते दृष्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरिय वी गई है और मझे यह जिल्लास करने का कारण है कि यथापुर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दृष्यमान प्रतिमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और यन्तरक (का) और अन्तरिती (यो) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नालिखित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्वविक रूप संकथित नहीं किया किया गया है -

- (क) अन्तरण में हई किसी आय की बादन, आयकर अधि-विया, 1961 (1961 का 43) वा अधीन कर देने के अन्तरक की दायि पोमें कसी करने या उससे दचने में सिविधा की लिए और/या
- (ल) ऐसे किमी अार या किसी अन दा अन्य आस्तियों की जिस्हें भारतीय आरकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या शहर व दिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए

अत: अद उवन अधिनियम की भारा 269म के अन्सरण मो, मैं उक्त अधिनियम की भाग 263म की उर भारा (1) के अधीन, निमालिस्न व्यक्तियों अधीत: :-

- 1. मेसर्म हिरानंदानी विल्डर्स । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री, भिपदर सिंग धिल्यन । (ग्रन्तिरिनी)
- 3. ग्रन्तरकों---

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके वारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनवढ़ है)

को यह सूचना जारी करके प्रविक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संदंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितइ इ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरनाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

"फनेट नं. वि/609, जो, विनम ग्रुपार्टमेंटम, हिरानंदानी इस्टेट, 4 वंगलोज, अंबेरी (प) वस्वई में स्थित है ।

श्रनुसूची जैसाकी ऋत्रस. श्रई-2/37ईई-10191/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 18/8/1985 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नारील: 8-4-1985

भोहण

(जो लागू न ही उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10191/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. V/609, Venus Apartment Hiranandani Estate, Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and

the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:

- 1. M/s. Hiranandani Builders, (Transferor)
- 2. Mr. Bhupinder Singh Dhillon, (Transferce)
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. V/609, Venus Apartments, Hiranandani Estate, Four Bunglows, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10191/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated: 8th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं . ग्रई-2/37-ईई/10190/84-85 : → ्रै ग्रन: मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 प क ग्रंधीन नजम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसहा उत्तित बाजार मृत्य 100000/- स्. से अधिक है और जिसकी सं. फनैट न. जे/601, जो ज्यपिटर भ्रापटिनेंटस हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अधेरी (प), बम्बई, में स्थित है) और इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से चर्णित है) और जिल्हा करारतामा ग्रायकर ग्रिशनियम धारा की 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिशारी के कार्यालय, बम्बई में रजोर्स्ट्रा है तारीब 18/8/1984 को पूर्वीमन सम्पत्ति के उवित बाजार मन्य से कम के दृष्यभान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वीता सम्पति का बाजार म्ल्य उसके द्ष्यमान प्रतिफल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक (को) और अनिर्ति। (बों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नव पात्रा गया प्रतिकन निमालिखिन उद्देशा में उक्त अंतरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आध की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने रा उसमें बचने में सुविधा के लिए और/बा
- (स) ऐसे किसी अप या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्ने सारनीय आसर प अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या ध--कर र्राथनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में स्रोजना की निष्

अाः अब उक्त अधिनियम की कारा 200म के उन्सरण मो, मी जान किंग्नियम की कारा 200म की उद धारा (1) के अधीन, निम्नीतिकित ब्योक्नियों उपनि :—

- मेमर्ग हिरानदानी जिल्डमें । (अन्तरक)
- 2 श्री गुर्गाः गोपाल खन्ता और श्री जी, वाई. खन्ता (श्रन्तरिती)
- 3. अन्तर्भे ।

(बह् व्यक्ति निसके प्रायमांग में समातिन है)

(बह दाक्ति, जिसके बारे मे अर्टहिस्ताक्षरी जानता है, को वह सम्पत्ति में हितबेढ़ है)

को यह ग्राचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हा । उत्कार सम्पत्ति के अर्जन क संबंध मो कोई भी अध्योग :---

166 GI]85---26

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्सं व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

"फ्लंट नं० जो ज्यूजिटर अवार्टमेंटस, ,हिरानंदानो इस्टेंट, अं/शिवरा अंधेरी, (प) बम्बई में स्थित है।

श्रनुभूची जैसा कि ऋं० सं. श्र ई-2/37ईई/10190/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख:- 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/10190/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. J/601, Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Hiranandani Builders, (Transferor)
- 2. Mr. Sunil Gopal Khanna and Mr. G. Y. Khanna. (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J/601, Jupiter Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10190/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated: 8th April, 1985

SEAL

Strike off where not applicable.

निर्देश सं.श्रई-2/37-ईई-/10188/84-85: अतः मुझे लक्ष्मण दास श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त श्रिधिनयम कहा गया है) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 100000/-कः. से श्रधिक है और जिसकी मं. दुकान नं. 12/ए, जो, सिल्वर संडम, हिरानंदानी पार्क यारी रोड, श्रधेरी (प), बम्बई में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रन्मूची में पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनयम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पति के अचित बाजार मूल्य से शम के दृष्यमान प्रतिकल के लिये श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का नाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशन से ग्रिधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्त, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-क अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए

बन: अह उना अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण मों, मों उक्त अधिन्यय की धारा 269ए की उद धारा (1) के अभीन, निम्नानिष्टित व्यक्तियों अर्थात् :--

- मेसमें हिरनंदानी कन्स्ट्रक्शन्स प्राइ लि० (ग्रन्तरक)
- 2. कुंमारी रूक्मीणी जी. मलकानी और श्री परमानंद जी. मलकानी । (श्रन्तरिती)
- ग्रन्तरकों ।
 (यह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गृचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स्) इस स्चना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्**स्ची**

"दुकान नं. 12/ए, जो, सिल्वर मैन्डस, हिरानंदानी पार्क, यारी रोड, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुमूची जैसाकी क.स.ग्रई-2/37ईई-101 88/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10188|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Shop No. 12/A, Silver Sands Hiranandani Park, Yari Road, Andheri (West), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- M/s, Hiranandani Const. Pvt. Ltd. (Transferor)
- Miss Rukmini G. Malkani Mr. Parmanand G. Malkani. (Transferee)
 - (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 12/A, Silver Sands, Hiranandani Park, Yari Road, Andehri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for AR-II/37EE/10188/84-85 dated 18th August, 1984.

Dated: 8th April, 1985

SEAL

*Strike off where not applicable.

निवेश मं. अई-2/37ईई/8753/84-85: ---अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 100000/-रु. से अधिक है और जिसकी सं. पलैट नं. वि/102, जो, 1ली मंजिल, विनस अपार्टंमेंट्स, ओशिवरा, अपना घर के बाजू में, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के बधीन कर देने के अन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या (ख) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की निए

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269ए के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269ए की उप भारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थातः :—

1. हिरानंदानी बिल्डमं । (अन्तरक)

2. श्री फोडडी भोपटी और श्रीमती निलोफर फेडडी भोपटी (अन्तरिती)

अन्तरकः। (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है।)

.— (वह स्यक्ति, जिसके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिंत-बद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं। उकत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (६) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हु 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त गब्दो और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लैंट नं. वि/102, जो, 1 ली मंजिल, विनस अपार्ट-मेंट्स, ओशिवरा, अपना घर के बाजु में, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है। अनसूची जैसा कि ऋ. मं. अई-2/37ईई/8753/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./8753/34-35. -Whereas, I, Laxman Das, being the Competent under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No V/102, 1st Floor, Apartments, Oshiwara, Near Ghar, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid propetty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meaning from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Hiranandani Builders (Transferor)
- Mr. Freddy Bhopti and Mrs. Niloufer Freddy Bhopfi (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this not ce in the Official Gazette.

Fxplanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No V/102, 1st Floor. Venus Apartments, Oshiwara, Near Apna Ghar, Andheri (West), Eombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./8753/84-85 dated 1-8-1984.

Dated: 8th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निदेश स. अई-2/37-ईई/8905/84-85: ---अन: मझ लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी नां यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उत्तित बाजार मृत्य 100,000/- म. से अधिक है और जिसकी फ्लैट न. 201, जो, 2 री मंजिल, निर्माण काँटेज: टी. भी. एस. नं. 1036, ऑफ जे. पी. रोड, वर्गावा. ्यायई-68. में स्थित है) और इससे जपाबद्ध अनुसूनी से और पूर्ण रूप से विणिश है) और जिसका करारनामा आयंकर अधिनियम की धारा 269क के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्टी है. 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य, उसके दुप्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक अ दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में संविधा के लिए और/या (इ) ऐसे किसी आग या किगी अन या अस्य आरित्यों की जिन्हें भागनीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) या तन कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उका ङिथिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उर धारा (1) के अभीन, निमाणिष्य व्यक्तियों अर्थात् .—

- 1. अब्दुल शकुर अब्दुल करोम । (अन्तरक)
- २ रेन देवी अन्हैयालाल विधानी और तुलमी-दास पर्सराम विधानी । (अन्तरिती)
- 3. अस्ति (तत्यो

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अक्षोहस्ताक्षरी जानता है.
 की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करकें पूनी कित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिता स्म करता हूं! उक्त रम्पति के अर्जन के संबंध म कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूबना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सकरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राम लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रधाय 20क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस सम्बाग में दिया गया है।

अन्मूची

''फ्लैंट नं., 201, जो, 2 री मिजल, निर्माण काँटेंज, सीं. टी. एस. नं 1036, आफ जे. पी. रोड, ार्सोबा, वम्बई-68 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/8905/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रिजस्टई किया गया है।

तारीख: 8/4/1985

मोहर:

(जो लागू नहों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./8905/84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, Nirman Cottage, Off J. P. Road, Verseva, Bombay-68 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 29AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asse's which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Abdul Shakoor Abdul Karim (Transferor)
- 2. Renudevi Kanayalal Vidhani & Tulsidas Parsram Vidhani (Transferee)
- 3. Transferces
 (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Nirman Cottage CT. S. No. 1036, Off J. P. Road, Versova, Bombay-68.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./8905/84-85, dated 4-8-1984.

Dated: 8-4-1985

SEAL

(Strike o/ where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9766/84-85: ---अत: मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- क. मे अधिक है और जिसकी फ्लैट न. 3, जो, 1 ली मंजिल. प्रिमायसेस, सिसर रोड़, अंबोली, अंधेरी (प), बम्बई-58. स्थित है) और इसमे उपाबद्ध अनुमूची रूप से वर्णित है) और पूर्ण और जिसका आयकर अधिनियम 1961 की 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/मा
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) य; धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में म्विधा के लिए

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269य के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269य की उप धारा (1) के अधीन, निमानिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री पिटी मार्टीन्स, और श्रीमती मार्गेरेट मार्टीन्स (अन्तरक)
- श्रीमती कविता पष्पू वर्मा, और श्री पष्पू बी. वर्मा (अन्तरिती)
- अन्तरिती और उनके परिनार सदस्य
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभीग मे सम्पत्ति है)
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रविक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्ष्म करना हो। उक्त सभ्यत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की नामीन में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकित व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस मूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख़ वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के भास लिस्ति मो किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरण : इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम । 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनमची

"फ्लैंट नं. 3, जों, 1 ली मेजिल, शिवा प्रिमायसेस, सिसर, रोड, अंबोली, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं।

अनसूची जैसा कि क. गं. अई-2/37ईई/9766/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी क्रस्बर्ड हारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता: 8-4-1985

मोहर:

(जो नाग नहों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./9766/84-85.-Whereas. I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 3, 1st Floor, Sheeba Premises, Caesar Road, Amboli, Andheri (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 256AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Piety Martins & Mrs Margaret Martins (Transferor)
- 2. Mrs. Kavita Pappu Verma & Mr. Pappu B Verma (Transferce)
- 3. Transferees

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, 1st Floor, Sheeba Premises. Caesar Road, Amboli, Andheri, Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II/37EE./9766/84-85, dated 10-8-1984

Dated . 8-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निदेश मं. अई-2/37-ईई/10397/84-85: ---अतः मझे लक्ष्मण दारा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्यान, "उनन अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका ∌चित बाजार मुल्य 100,000/- क. से अधिक है और जिसकी फ्लैंट ने, 201, जो, 2 री मजिल, ''बरुण'' हाउमिग सोसाइटी लि , जे. पो. रोट, वर्साता, बम्बर्ड-61. में स्थित है) और इससे अनमूची से और पूर्ण रूप मे वर्णित है), जिसका करारनामा आयकर विजिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राविशारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रजिस्ट्री है तारीख 28-8-1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दुश्यशान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उत्तित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकत से, ऐंगे दृश्यमान प्रतिकल के पन्दह प्रतिशत से अधिक हे और अनरक/अंतरको और अतरिती/अंतरितिया के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अनरण निखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी अाय की दावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मिविधा के लिए और/या
- (क) ऐसे किसी आप या किसी अन या उन्य आरित्यों की जिन्हों शारतीय अपरहार उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तिनी द्वारा प्रवाद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सविधा की लिए

कत अब उका कि नियम की धारा 269ण के अनसरण में, मैं उकत अभिनिया भी धारा 269ण की उप धारा (1) के अधीन, निमालिखन वर्षावन्यों पार्तता —

- श्री गोपात कृष्णा सम्मेना और श्रीमनी
 स्वरन कृष्णा सामेना (अन्तरक)
- 2. श्री विजय खेमका, और श्रीमनी सूषमा खेमका। (अन्तरिक्षी)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4.—
(वह व्यक्ति, जिसके वारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोका समाति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां राम्करता हा। उपन स्मित्त के अर्जन के सबक्ष में कोई भी आक्षेत्र —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि, या तत्मबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्ति हों। में से किसी व्यक्ति हारा।
- (ग.) इस सच्का के राज्यत्र में प्रकाणन की नारीख हो 13 दिन के भीतर उपत रथायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी असर त्यक्ति द्वारा असोहस्ताथरी के एस लिसिन में किए जा तकरी।

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो का जो आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यय 20क में परिभाषित है, यहां अर्थ होगा जो उस अध्याय सं विद्या गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं. 201, जो. 2 री मंजिल, "वरण" को-ऑप हा⊽सिंग सोसाइटी लि , जे.पी. रोड, वर्सोवा, वस्वर-61 में स्थित है।

अनुमूली जैसा कि क. स. जर्र-2/37र्र्रि/10397/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाक 28-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

भा · 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37CE /10397/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incompetent Authority under Section 269B of the Incompetent Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and beining Flot No. 201, and Floot, Valum CHSL, J. P. Poul, Versova, Bombay-61 (and more fully described on the Schedule annexed herein), has been transferred and the agreement is registered under section 269AR of the Incompeter Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consciention which is less than the fair market value of the affire aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforelated exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

an and management and the process of the contract of the contr

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the is the of this notice under sub-section (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, taggedy:

- 1. Shri Gopal Krishna Saxena & Smt. Swaran Krishna Saxena (Transferer)
- 2. Shri Vijay Khemka & Smt. Sushma khemka (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, 'VARUN' Co-op. Hsg. Society Ltd., J. P. Road, Versova, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE, 10397184-85, dated 28-8-1984.

Dated: 8-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable) 166 GI/85-27

निर्देश म. अई-2/37-ईई/10119/84-85 :--अतः मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम. 1961 (1961 'का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 100.000/- म. से अधिक है भौर जिसकी सं द्कान नं. 10, जो. ग्राइंड फ्लोअर, "बेन्झेर", (प्लॉट न. 9 और 9-ए, एम . नं. 41 (अंश), ओशिवरा, 4 बंगलोज, अंधेरी (प), बम्बई-58 मे स्थित और इसमे उपाबद्ध अनम्बी मे पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसमा करार-नामा आयार जिधिनियम की धारा 269 व्यव के अधीन, सक्षम प्राधितारी के तार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्रो है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वीका समानि के उचित बाजार मूल्य मे कम के दर्यमान प्रतिफल के लिये अनारित की गई है और मूल यह विज्वात करने का भारण है ि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रिक्त के पंद्रह प्रतिगत में अधि है और अंतरक (कों) ओं अंदित (यों) के बीच ऐं। अंतरण के लिए तय पाया गता प्रतिकत, निम्नलिखिन उद्देश्य भे उक्त अंतरण लिखिन में बास्तिक रूप से इधित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्द, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीय कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1952 (1952 का 21) या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए

जतः अब उपा अभिगिषम की धारा 269ग के अन्सरण मो, मौ उक्त अभिगियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों अभीत्: —

- 1. श्रीमती कविता ए अलरेजा। (अन्तरक)
- 2. काचन गोबिंद लिमानी । (अन्तरिती)

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

3 ---

. —

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्तोक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेप :—

(क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(स) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनस्**ची**

"दुकान नं. 10, जो, ग्राइंड फ्लोअर, "बैन्झेर", प्लॉट न. 9 और 9-ए, एस. नं. 41(अंग), ओशिवरा 4 बंगलोज, अन्धेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि के. मं. अई-2/37 = 2/37 =

ता: 8-4-85

मोहर:

(जो नागून हा उसे बाट वीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./10119/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act (43 of 1961) (hereinalter referred to as the Act'), have reason to believe that the immovable proper'y, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Shop No. 10, Gr. Floor, BENZER, Plot No. 9 & 9A of S. No. 41(pt) Oshiwara, 4 Bunglows, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afcressid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

- 1. Mrs. Kavita A Alreja (Transferor)
- 2. Kanchan Gobind Khimani (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)

4. ---

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 10, Gr. Floor, 'BENZER', Plot No. 9 & 9A of S. No. 41 (pt) Oshiwara, '4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./10119/84-85, dated 18-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/10335/84-85:—अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयगर अधिनियम, 1961 (1961 पा 43) (जिसे इपमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" क्षण तथा है) की धारा 269-ध के अधीन, सक्षम प्राधिपारी को, यह विश्वास करने ला ज्यारण है जि स्थावर सम्पत्ति, जिपण उचिन बाजार मूल्य 100,000/— रु. से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैंट नं. ए-11, जो, इमारत न. "ए" 1 ली मंजिल, मुनील निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसायटी लि., प्लॉट नं. 89 और 90, 4 बंगलो, जे.पी. रोइ, अंधेरी (प), में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणव है), बीर जिसका करारनामा आयगर अधिनियम की धारा 269 ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है

तारीख 25/8/1984 को पूर्वीकर सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य । बान के दृष्णमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और नक्षे यह विष्वाम बारने ता अरण है कि यथापूर्वीकर सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पदंह प्रतिगद से अधि है और आए (को) और अंशिरती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ एग्य गया प्रतिफत, तिम्नलिखित उद्देश्य में उका अंशिरण लिखि। में वास्ति इस्प में कथित नहीं किया गया

- (क) अनारण में हुई किसी आय की शावन, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित में दामी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/गा
- (स) ऐसे किसी अब या किसी भन या उन्य अग्लियों की जिन्हों भारतीय आरक्ष अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या अब्देश अभिनियम, 1961 (1961 का 40) **या अ**न-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं निया गया था या किया जाना चाहिए था, खिदाने में स्वित् के निया

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, में उक्त प्रितियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निकालिकिन व्यक्तियों अधीता '—

श्रीमती सुपमा के . घेहानी

(अन्तरक)

2. श्री विनोद के, शहा

(अन्तरिती)

3. अमिर्नि

(बंह कांक्नि, जित्रके प्रधिमांग में सम्बन्ति है)

4. --

(बड़ त्याक्त, जिएके बारे मे अबोहर एक्षरो जानता है, को बहु सम्पत्ति स हितबद्ध है)

को यह राजना जारी करके पृत्रोकित सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कृष्ट करका हूं। उनत सम्पन्ति के अर्जन के सर्वध मों कोई भी आक्षर :—

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील स 45 दिन की अवधि, या नत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ह) इस सबना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एाम लिकिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमुखी

"पुलैंट नं. ए-11, जो, इमारत नं. "ए", 1 नी मंजिन, मुनील निवास को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 89 और 90, 4 बंगलो, जे.पी. रोड, अंधेरी (4), त्रम्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क.सं. अई-2/37ईई/10335/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनाक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

নতে ৪-4-84

मोहर:

*(जो लागून हा उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE./10335/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. A-11, Bldg. A, 1st floor, Sunil Niwas CHSL Plot No. 89 & 90 4 Bungalows, J. P. Road (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Mrs. Sushma K Gehani

(Transferor)

2. Mr. Vinod K Shah

(Transferce)

3. Transferce

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-11, Bldg. A, 1st floor, Sunil Niwas Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Plot No. 89 & 90, 4 Bungalows, J. P. Road, Andheri West. Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II ' 37HE 10355 84-85, dt. 25-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Scal:

(Strike off where not applicable.)

् निर्देश स . अर्ड-2/37 ईर्ड/8982/84-85 :—-अत मुझे लर्थमण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चाम "उक्त अधिनियम कहा गया" है) की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का क)रण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/— रु. से अधिक है और जिसकी सं० पर्लेटन, 402, जो, 4थी मजिल, पुरुषोत्तम इमारत, रुखमणिपरषोत्तम को-ऑप, हार्डासग सोनाइटी लि., 21, जे.पी. रोष्ट, अंधेरी (प), बम्बई-58, में स्थित, है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप सेवर्णित है) और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कमा के अधीन, सुक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीका 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रें कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदंह प्रतिशत से अधिक है और अतरक(को) ओर अंतिरती(यो) के बीच एँसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित ्उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से बधित नहीं हिया गया है ---ं

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की दावते, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसस बचने में सुविधा के लिए और/या (स) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर किसीचयम, 1922 (1922 का 11) रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-पर र्याधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मा स्विधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण मा, मी उक्त अभिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के खधीन, निम्निचिखित व्यक्तियों अर्थाता :---

> श्री मृरेश रतीलाल गहा और श्रीमती ज्योस्त्मा मुरेश गहा।

> > (अन्तरक)

2 श्रा अनील जे सानी और श्री अन्य जे. सोनी। (अन्तरिती)

d. --

(बह व्यक्ति, जिनके अधिकांग में पम्पति है)

4. ---

(वह व्यक्ति, जिसके कारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति से हिनबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कृष्ट करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षण —

- (क) इस सूचना के राजएत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी। अश्राध बाद स समाप्त हाता हा के किना व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूकता के राजपण्ण में प्रकाशन की नारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त कब्दो और पदों का जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मां परिभाषित हो, वहीं अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया गया हो ।

अन्स ची

ंपलैट न. 402, जो, अथो मजिल, पुरुषोत्तम इमारल, मञ्जमणि पुरुषोत्तम का-आप हाउसिंग मोसाइटी लि. 21, जे. पी रोड़, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकि क. सं. अई-2/37/ईई/8982/84-65 और जो सक्षम प्राधिकारी सम्बई द्वारी दिलाक 6-8-1984 को रजीस्टई किया गया है।

तारीख 8-4-1985

मोहरं.

(जो लागुन हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37FE/8982/84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43) of 1961) (herematter referred to us the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, liaving a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 402, Purshottom Building, Rukhmani Co-operative Housing Society, 21, Purshottam J. P. Road, Andheri(W) Bombay-58 (and more tully described in the Schedule annuxed hercto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or,
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings to acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Suresh Ratiful Shah, Smt. Jyotsna Suresh Shah (Transferor)
- 2. Shrì Anil J. Soni & Shrì Ajay J. Soni (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 402, Purshottam Building, Rukhmani Purshottam Co-operative Heasing Society, 21, J. P. Road, Andheri West, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8982/84-85, dt. 6-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike of where not applicable.)

निर्देश मं अर्द-2/37/ईह/8983/84-85 ---अन मसे लक्ष्मण दास आयक्तर आधिनियम, 1961 (1961 का 45) (ित्र इसमे इसक पण्चात "उक्त अधिनियम" माना गया है) का धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारों का यह विगयास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुख्य 100,000 - रू. से अधिक रहा है और अिसकी फर्बंट म ३०४ जो ्यरुपात्तम् इमारत, स्खार्माण पुरुपात्नम को-अप हार्जिमग मोमायटो, २ 1, जे. पी. रोड. अधेर। (प) बम्बई-58 में स्थित है (और उपाबद्ध ग्रनसर्चा में पूर्ण रूप से यणित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्राधिनियम की धारा 269कख के श्रधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 6/8/1984 को पूर्वीक्त सम्मन्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापृत्रवित सम्पति का बाजार मन्य उसके दुश्यमान प्रतिकल के ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पद्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अंतरक (कों) और अतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया निम्नलिखित उद्देश्य से लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, आयकर अभि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ब) ऐसे किसी जार या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन्न-अ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अल. अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उद धारा (1) के अधीन, निमानिक्ति व्यक्तियों अधीत्:--

- 1 थोमनी एस जी गोपालानी । (अन्तरक)
- श सुरेग रक्तल ल शह और श्रीमती ज्योस्त्मा सुरेश शहा (अस्तरिता)
- 3. ---

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. —
(बह र्व्याक्त जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है
र्व वह सम्पर्तित में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ययाहिया श्रम करता हु। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षण —

- (क) इस राजना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि, या तत्सवधी व्यक्तिया पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मां समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थातर सम्मत्ति मो हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरों को एतम निष्यत मो किए जा सकीयों।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त बब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क म परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया हो।

अनमची

"फ्लैंट भ. 303, जो,पुरुषोत्तम इमारत व्यवमणि पुरुषोत्तम को०आप हार्जासम सोसाइटा, 21, जे पा.राष,अंधेरा (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि अ. स. अई-2/37ईई/8983/84-85 और जो सक्षम प्रश्चिकारी बस्बई हारा दिनाक 6-8-1984 को रजीस्रेड किया गया है।

नारीख 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8983/84-85,—Wherens, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 303, Purshottim Building, Rukhmani Purshottam Co-operative Housing Society, 21, J. P. Road, Andheri(W) Boinbay-58 (and more fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of I ansfer with the object of ...

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

transferee for the purposes of the Indian or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the In han Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Smt. S. G. Gopalani (Transferor)
- 2. Shri Suresh R. Shah & Smt. Jyotsana S. Shah (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, Purshottam Building, Rukhmani Purshottam Co-operative Housing Society, 21, J. P. Road, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/8983/84-85, dt 6-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

(पर्वेण म. अर्ड-II/37-र्टर/10102/84-85 -- अन मुझे, लक्ष्मण शुस प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (िने उपमे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) कर ब २० २६९ घ के अवान सक्षम प्राधिकार को यह विश्वास प्रस्ते वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका अचित बाजार मन्द्र 100,000 र से अधिक है और सिकी फ्लैट न. 84, जा, रूप दर्शन "ब्रा" इमारत सप्त तरग को-आंप. हार्जनग भौमाइटा ॉल, सी डो. वस्वई- 58 स्थित (प) मे (और उसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णिन है) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कव के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई मे रजिप्टी है तारीख 18~8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्य-मान प्रतिकल से ऐसे दुष्यमान प्रतिकल के पद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अर्तारितयो के बीच ऐसे अतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्न-लिजित अबदेश्य में अना अंतरण लिखित में वास्तविक स्प में कथित नहीं किया गया है.--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की राज्त, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (अ) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धर-न्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

बन अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उर धारा (1) के अधीन, निमालिचिन कावनियों अथीत् —

- प्रवीण बाब्लाल पचाल और काणिबेंग बाब्लाल पचाल।
 (अन्तरक)
- 2 वसंतलात रणछोडदास ठक्कर । (अन्तरिती)
- 3 (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में स्रधोहस्ताक्षरी जानतः है की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है) को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अ अर्जन के लिए कार्यकोहिया कारू करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोर्ड भी आक्षेप —

- (क) इस सचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 विन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस के 45 दिन को भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मो हित्ब ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी को पास विक्ति मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मी परिभाषित है, वहीं अभी होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनम्ची

"फ्लैंट न. ८। जो रूप दर्णन "क्ष" इमारत, सप्त सरग को-ऑप हार्जीमग मोमाइटो लि सी डो बर्फीवाला भार्ग अधेरी (प), वस्वई-58 में स्थित है।

अनुसूचो जैमािक अस अई-2/37ईई/10102/84-85 और जो मक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 18-8-1984 को रजीस्टई किया गया है।

नारीख . 8-4-1985

मोहर .

(का लागू न हो उसे काट दीजिय)

Ref. No. AR-II/37EE/10102/84 85.---Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000 and bearing Flat No 84, Roop Darshan B Building, Sapt Tarang Co-operative Housing Society I td., C. D. Bartuwala Marg, Andheri(W) Bombay 58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any mome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weath-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this rotice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Pravin Babula! Panchal & Kashiram Babulal Panchal (Transferor)
- 2. Vasanylal Ranchhoddas Thakkar (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 84, Roop Darshan B Building, Sapt Tarang Co-operative Housing Society, Ltd., C. D. Barfiwala Marg, Andheti(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Schal No. AR-II/37EE/10102/84-85. et 18-8-1984

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/9773/84-85.--अतः मझे, लक्ष्मण दांस आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- ६, से अधिक है और

जिसकी पत्रैटन - 707. जो - 7- वं। मजिल, णिक्स अपार्ट-संदर मेट्स. গিষ शाधिन को-अर्थ हा उमिग सीस(इटें कि जे. 11 योज अधेरी (q). में स्थित है (और इसमे उपायद ग्रनगुची पुर्ण रूप से बर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 कल के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 10-8-1984 को प्विकत सम्पति के उचित बाजार सुल्य से कम के दृष्य-मान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिणत से श्रीधक है और अतरक/अतरको और अतर्रित /अतर्रितयो के बीच ऐसे अतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उका अंतरण लिखित म बास्तविक रूप से कथित नहीं विधा गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्द, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अप या किसी थन या अन्य आस्तियों की जिस्हें भारतीय आहकर अधित्यम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधित्यम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1967 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिन्धा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उद्धारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों अधीन,

1. परवेश चंदर बाह्ना । (अन्तरकः)

2 देवेंद्र चंद्रयान देवस्ख्यार । (अन्तरिनी)

अन्तरितः।

(वह त्र्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

. (यह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कम करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षण :—

(क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधि, या तत्स बंधी व्यक्तियाँ पर मत्तना की तारी ल 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथी क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

_ -- -- _

(क्ष) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमधी

पलैट नं. 707, जो, 7 वी मंजिल, शिवम अ(पार्टमेंट्स, शिव गाँपिंग सेंटर कां-आंप. हार्जीसंग सोसाइटी लि., जे. पी. रोड अधेरी (प.), बम्बई में स्थित है।

अनुसूत्र जैसाकि क. सं. अई-2/37ईई/9773/84-85और जो मातन प्रतिवकारा बन्दर्वे द्वारा दिनाक 10-8-1984 की रजोस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9773/84-85.---Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 707, 7th floor, Shiv Shopping Centre Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Parvesh C. Batra (Transferor)
- 2. Devendra C. Dorubkhan (Transferee)
- 3. Transferee

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 707, 7th floor, Shivam Apartments in Shiv Shopping Centre Co-operative Housing Society Ltd., Andheri(W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9773/84-85, dt. 10-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/8840/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, अध्यक्तर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् "उन्त अधिनयम" कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विग्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है और जिसकी मं. पर्वेट नं. 504-मी जो. गोल्डन चारीओट को-औप. हाउसिंग सोसाइटो लि., 4 बंगलो, ओणिवरा, (प.), बम्बई -58 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा

3.

अायकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 2-8-1984 की पूर्वोक्तः सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिती की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचिन बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शबत, आयकर अधि-िक्यम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए

अत अब उका अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उका अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, विम्नतिस्थित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री इंदरजीत दारीया। (अन्तरक)

 श्री रजनीकांत आर. शहा, और श्रीमती एन. आर. शहा (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्ण्याहिया शक्ष्य करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्मंबंधी व्यक्तियां पर सचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस गुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मों हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्टिंग में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यूची

फ्लैंट न. 504-सी, जो, गोल्डन चारोआट को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., 4 बंगलो अंधेरी(प.),ओशिवरा, बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूच जैसा कि क. सं.अई-2/37ईई/8840/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजीस्टर्ड किया या है।

तारीख: 8/4/1985.

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II37FE./8840/34-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 504-C, Gold Chariot Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Inderjit Dariya (Transferor)
- 2. Shri Rajnikant R. Shah & Mrs. N. S. Shah (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 504-C, Gold Chariot Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 15-5, S. No. 41- 4 Bungalows, Oshiwara, Bombay-58.

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./8840/84-85, dt. 2-8 1984.

.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/9801/84-85.--अतः मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकार। को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 क. स अधिक है और जिसकी सं. पलैट नं. 505, जो, सी केस्ट 1, 7 बंगलीज, वर्सीवा, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुष्य-मान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सविधा के लिए और/या (स) ऐसे किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर र्राधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उन धारा (1) के अधीत, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् '---

- 1. लेप्टनट कर्नल वि. जी. कोतवाल । (अन्तरक)
- श्रीमती माला जेयानंदानी और श्री हरीण जेथानंदानी (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति, जिसके बार में अधाहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना आरी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हो। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मूची

फ्लैट नं. 505. जो. सी क्रेस्ट 1, 7 बगलोज, वर्सोवा बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. मं.अई-2/37ईई/9801/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8/4/1985

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE./9801/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. Crest, 1, 7 Bungalows, 505, Sea Versova, Bombay-61 (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- 1. Lt. Col. V. G. Kotwal (Transferor)
- 2. Mrs. Mala Jethanandan and Mr. Harish Jetanandani (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 505, Sea Crest, I. Seven Bungalows, Versova, Andheri, Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/9801/84-85. dt. 10-8-1984.

Dated: 8-4-1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/9757/84-85 :--अत: मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 प के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर स्म्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट न. ए-52, जा, 5वी मंजिल, गंगा भवन, जय रोष्ट, वर्मीवा, अधेरी (प.), स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सें, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच एवं अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप मे कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सर्विधा के लिए और/या
- (स्त) ऐसे किसी अग या किसी क्षत या उन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या क्षत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विष्ण की लिए

4.

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्मिसित क्यिक्तियों अर्थात् :—

- श्रीमती प्रमिला जसपाल हरयानी और श्री विजय जसपाल हरयानी। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती निंदिनी बाबू नाडकर्णी और श्री बाबू मांकर नाडकर्णी। (अन्तरिती)
- (वह र्व्यावत, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूत्रोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु। उकत रम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की रारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसकद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 कमें परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं. ए-52, जो, 5वीं मंजिल, मंगा भवन, जयप्रकाश रोड़, वर्सोवा, अंधेरी (प.), बम्बई-61 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/9757/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 5/4/1985

मोहरः

*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/9757/84-85.—Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat A-52, No. Ganga : Bhavan, Road. Versova, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Mrs. Pramila Jaspalharyani & Mr Vijay Jaspal Haryani (Transferor)
- 2. Mrs. Nandini Baboo Nadkarni & Mr. Baboo Shankar Nadkarni (Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty-five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-52, Ganga Bhavan, Jay Prakash Road, Versova, Andheri (W) Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-H 37EE./9757/84-85, dt; 10-8-1984.

Dated: 8-4-1985

SEAL.

4.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/10058/84-85:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी प्लीट मं. ए-1, जो, ग्रांउड फलोअर, "आशिर्वाद" इमारत, बीरा देसाई क्रोस रोड नं. 1, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधि-नियम की धारा 269 कहा के प्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पर्लि के उचित बाजार मृत्य मे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और अतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक कं दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंदिशा की लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्निसित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. इष्टदेव सदन को-आपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी । (अन्तरक)
- श्रीमती प्रमिला मुरलीधर। (अन्तरिती)
 - 3. --- (वह व्यक्ति जिसके भाध-भोग में सम्पत्ति है।)
 - 4. (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीचित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क्ष) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीका के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिनबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

पर्लंट नं. ए-1, जो, ग्राउंड फ्लोर, "आणिर्वाद" इमारत, बीरा देसाई कास रोड नं. 1, अंधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10058/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख:-- 8-4-1985

भोहर:

(जो) लागून हो उसे काट दीजिये

Ref. No. AR-II/37EE /10058/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. A-1, Gr. floor, Ashirwad Bldg., Veera Desai X Road No. 1, Andheri(W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Ishtadev Sadan Co-operative Housing Society (Transferor)
- 2. Smt. Pramila Muralidhar (Transferec)
- -Do-(Person in occupation of the property)
- 4. -Do(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-1, Gr. floor, 'Ashirwad' Bldg., Veera Desai Cross Road, No. 1, Andheri(W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. A-II/37EE./10058/84-85, dt. 17-8-1984.

Dated: 8-4-1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ई ई/8743/84-85 :—अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त ग्राधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिनारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन वाजार मूल्य 1,00,000/— रु० से श्रधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 604, जो, 6 वी मंजिल, बेनाहूर को—श्राप, हाउमिंग सोसाइटी लि. बिंग-सी ध्लाट नं. 15/8, एस. नं. 41 श्राफ 4 बंगलोज, वसिंग अधेरी (प०), बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबढ श्रनुसूची में और पूर्ण इप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की नाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्सियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा की जिए

जतः जब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उ। धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

- 1. श्रीमित जयवंती जेथ:नंद नागपाल । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रीचंद एस. ठाकूरेल । (श्रन्तरिती)
- 3. श्र[े] एस.एस. ठाकूरेल (वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- । —— (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सम्बना जारी करके पृथीं क्ल सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संकंधी व्यक्तियों पर गृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहस्ताक्षरी के पास निल्लित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

"फर्लैट नं. 604, जो 6 वीं मंजिल, बेनहूर को श्राप , हाउसिय मोलइट। लि , बिग-मी, ब्लाट ने. 15/8, एस. नं० 41, श्राफ 4 बंगलोज, बर्सीला, अधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है।

म्रनुसूची जैना की क. सं.म्र ई-2/37ईई/8743/84.85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई ढाग दिना 3/8/1984 की रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8/4/1985

मोहरः

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|8743|84-85.-Whereas, I Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 604, 6th floor, Benhur CHSL, Versova, Bombay Andheri, (and fully described in the Schedule an texed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Smt. Jaivanti Jethanand Nagpal (Transferor)
- 2. Shri Srichand S. Thakurel (Transferee)
 - 3. Transferee

(Person in occupation of the property)

4. -**D**o

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 604, 6th floor, Benhur Co-op. Hog. Soc. Ltd., Wing No. C, Plot No. 15/8 S N. 41, Off Four 8743/84-85, dt. 1-8-1984.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8743|84-85, dt. 1|8|1984.

Dated 8-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

सं ग्रहे--2/37—ईई/10149/84-85:---ग्रन: मुझे, लक्ष्मण दान, श्रायः र श्रधिनियम, 1961 (1961 दा 43) (जिसें इपने इसने पण्चात् "उतन श्रधिनियम, एहा गया है) की धारा 269 घं के ग्रधान सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास ्रने का कारण है ि स्थावर सम्पत्ति जिस । उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- र. में श्रधित है और जिसकी सं. पर्लंटनं. ३३-ए. जी, स्नित निवास की-ऑप. हाउमिन मींसाइटी लि०. 4 बंगलोज, अधरी (प) वम्गई-58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध प्रनुस्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्राधिनियम की धारा 269 कख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18/8/1984 को पूर्वीका सम्मत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त समपत्ति का बाजार मुल्य, उसके दुशयमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिगत से प्रधिक है और अंतरक(को) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे इचने में सुविधा के लिए और/या ļ

(क) एम किसी आर या किसी धन या उन्य आस्तिया वी जिन्ह भारतीय अथवर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अथव कर अधिनियम, 1961 (1961 वा ता साधान नाम अधिनियम, 1957 (1957 वा 27) वे प्रयोजनार्थ अपारिती द्वारा प्रकार नहीं किया गरा था या विया जारा नाहिए ता, छिपाने मा स्विच के लिए।

अत अह उका अभिनियम ती भारा 269ण के अनसरण मो, मौ उक्त अभिनियम ती भारा 269ग ती उप थारा (1) के अधीन, निमादिकित त्यिक्तिया अर्थात —

) ओ. एक करवानी (ग्रनार) 2 श्रीमिति . वि सट (ग्रनिर्ग)

(वह त्यक्ति जिसक ग्रधिमाग मे सम्पन्ति र)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधाहरू गुलरी जानता है की वह सम्पत्ति में हिनवड़ है।)

को यह रून्ना जारी करका पर्वोक्ति सम्पत्ति का । जाति हो। कार्यकाहिया इस करनाहा। उक्त सम्पत्ति का अर्जन का सदश सा कोई भी आक्षण —

- (क) इस सचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अविधि श तत्सवधी व्यक्तिया पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि जा भी अविध बाद मा समाप्त हाती हा, क भीनर पवी बार विधि सो से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सचना के राज्यात्र स प्रकाशन की नारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर समास्ति मा हित्बद्ध कियो जन्म त्यक्ति द्वारा अभोहसाक्षरी क प्रशासिक मा किए जा सक्या।

स्पष्टीकरण — इसम प्रयंतन क्षद्धों और पद्धों का जो आग्यंकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क म परिभाषित है वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय म दिया ग्या है।

ग्रनमची

फलैंट न ४४ ए, जा भनीति नि । प को स्राप हाउमिंग मो इटी, 4 बगला अधेरी (५०) बम्बई 5८ में स्थित है।

स्रमुसची जै। ती तस स्रदं 2/3755/10149/94-85 अगर जिल्हाम प्राप्ति गरा बम्बर्ट द्वारा दिना 19/9/1954 राज्य किन्न िंग गरा है।

तारीख 8 4/1985 मोहर

(जो लाग न हा उसे नाट दिजिये) 166 (जे 85—29

Rut No AR-II 37EF 10149 84-85 -Whereas I Laxman Das being the Competent Authority under Section _69B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 106,000 and bearing Flat No 33 A Sunil Ni is CHSL, 4 Andherr Bombay-58 Bungalows (and fully described in the Schefule amend Hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB o the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Boanbay on 18-5 1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefore by in it than fifteen per cent of such apparent considerate in and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and or
- (2) of 1957)

 the facilitating the concealment of any mome or any money or clice asset which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sud Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act. I he constitute proceedings for acquisition of the officesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the fellowing persons, namely

1 Mr O I Kotwani (Transferor)

2 Vasanti Vishnu Bhat (Transferce)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the unde signed knows to be interested in the property)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforestid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 33A, 3rd floor, Sunil Niwas Co-op. Hsg. Sec. Ltd., Andheri (W) Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE.|10149|84-85, dt. 18-8-1984.

Dated: 8-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ग्रई-2/37-ईई/9076/84-85:-- ग्रत: मझे, लक्ष्मण दास, आयकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- म. से अधिक है और जिसकी सं. प्रापर्टी व्हिलेज अंविवली सिटी सर्वे नं. 217 और 217 (1 से 4), अंधेरी, बग्बई. में स्थित है) उपाबद्ध अन सचे रे पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरितीं (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः :—

- 1. विन्सेन्ट डिमेलो, ओर रेनाल्ड डिमेलो (ग्रन्तारक)
- 2. मैसर्स इंटरीन्टेल कन्सट्रक्शन्स (श्रन्तारती)
- 3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

4. ---

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध हं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करना हा। उक्त मम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद इ कियी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताशनी के प्रकारिक में किए पा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

"प्रापर्टी व्हिलेज अंबिवली सिटी सर्वे नं. 217 और 217 (1 से 4), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क. सं. स्रई-2/37ईई/9076/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|9076|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 190.000|and bearing No. Property situated at Village Ambvali City Survey No. 217 & 217 (1 to 4) Mun. Ward No. K-5674(1) 46 BA Ambivali Pada Zavoli Shed (and fully described in the Schedule amexed here'o) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए और था

⁽स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए

value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera ion therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arisfrom the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Vincent D'Mello & Reynold D'Mello (Transferor)
- 2. M|s. Interintel Constructions (Transferee)
- 3. Transferors

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Property bearing Survey No. 217 & 217(1 to 4) Municipal Ward No. K-5674(1) 46 BA Ambivalia Pada Zavali Shed, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9076|84-85, dt. 9-8-1984.

Dated: 8-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ग्रई-2/37-ईई/9083/ 84-85 :-- म्रत: मुझे, लक्ष्मण दास, ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् "उक्त म्रधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका बाजार मूल्य 1,000,00/- रू. से ग्रधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. बी-13 जो चौथी मंजिल, पाप्युलर श्रपार्टमेंटस को-श्राप हाउसिंग सोसाइटी लि. 4 बंगली, जे.पी. रोड, अंधेरी (प) बम्बई-58में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-- '

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-िवयम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री जगजीत सिगं धरमसिगं श्रनेजा, (श्रन्तरक)
 ओर श्रीमित परमजीग कौर जे. श्रनेजा।
- 2. श्रीमित ज्योस्ता जनादंन प्रभु (श्रन्तिरिती) और कुमारी माधवी जनीदन प्रभु।
- -- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पित्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध भो कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन की अविधि, या तत्सं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, ओ भो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीक क 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मा हितब द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेगे।

स्पाष्टीकरण .— इसमा प्रयक्त शब्दा और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अन्मची

पर्तेष्ट न. बी-13 जो. चौथी मजिल. पाप्यूलर ध्रागटमेटस को-प्राप हार्जीसग सोसाइटी लि 4 बगलोज. जे पी. रोड. अधेरी, बम्बई- 58 मे स्थित है।

ग्रनम्ची जेसा की क म ग्रार्ड-2/3755/9083/84-85 आर जा मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 9/8/1984 का रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख . 8 1-1985

माहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37EE. 9083 84-85.—Whereas, I, Laaman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43) of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing Flat No. B-13, Popular CHSL, 4 Bunga-Andheii (W) Bombay-58 (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aircresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the rolloving persons, namely:

- Mr. Jesjitsingh Dhai unsingh Arneda and Mis. PParamjeet Kaur Jagjit Singh Arneda (Transferee)
- 2. Mrs. Jyotsna Janardhan Prabhu and Kum Madhavi Janardhan Prabhu (Fransteree)
- 3. Transferees

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-13, Popular Co-op, Hsg. Soc. Ltd. 4 Bungolows, J. P. Road, Andheri (W) Bombay 58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II 37EE 9083 84-85, dt. 9-8-1984.

Datec . 8-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. ग्रई-2/37-ईई/10043/84**-8**5 -ग्रन मझे, लक्ष्मण दास श्रायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इससे पण्चात "उक्त ग्रिधिनियम" कहा गया हे) वी धारा 269 घ के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्सास करने का कारण हे कि स्थावर जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00 000/- रू मे अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट न 605, जो. 6 वी मजिल सी ब्रेझ 7 वगलोज, वर्मोत्रा रोड. अधेरी (प). बम्बई-61 मे स्थित है) और इससे उपावद्ध ग्रनसची मे और पूर्ण न्य से र्वाणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रीधनियम धारा 269 कख के अधिन, प्राधिकारी मक्षम

के कार्यालय, वस्वर्ड में रजीस्ट्री है, तारीख 16-8-1981 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दगयमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई ह आर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दुरयमान प्रतिफल के पढ़ह प्रतिशत में अधिक है आर अंतरक (को) और अंतरिती (था) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नालिखन उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखन में बास्तिक म्य में हिंग नहीं किया गया है.

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मिष्धा के लिए और/या
- (क) ऐसे किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय अद्भार अधिनियम, 1922 (1922 का 1.) या आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती हरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म म्विधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मर्ण मो, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्मालिकित व्यक्तियों अर्थान् —

- । श्री नरीदर सिंह येटी । (ग्रन्तरक)
- श्रीमते तक्नीवाई के भ्वालानी आर (ग्रन्तारती)
 श्री कन्त्र्यालात डी स्वातानी।
- (वह व्यक्ति, जिसके आंत्रभोग मे सम्पित्त है)

(बह व्यक्ति, जिसके बार मे अधोहस्ताक्षरी जानता इ. की बह सम्पन्ति में हिनबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया अन्य करता हा। उक्त रम्पत्ति के अर्जन के सबक्ष मा कोई भी आक्षप:—

- (क) इस सचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारी खस 45 दिन की अविधि, या तत्सबधी व्यक्तिया पर सचना की तामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सचरा को राजगत्र मा प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर समात्ति मा हित इस कियो अन्य क्षितिक द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास लिकिन मा किए जा सकागा।

स्यादीकरण — उसम प्रयक्त बच्चा और पदों का जो जागाद अहारित्यम 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20क म परिभाषित हो, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय म दिया गया हो ।

अन्मची

फ्लैट न 605 जो, 6वी मजिल सी ब्रेझी, 7 बगल ज वर्मोवा गड, अबेरी (प), वम्बई-61में स्थित है।

श्रनुम्ची जैगा की कम स श्रई-2/37ईई/10043/84-85 ओर जा सक्षम प्राध्यकारी वस्वई हारा दिनाक 16/8/1984 का रजीस्टई किया गया है।

तारीख 8-4 1985

मोहर:

(जो लागू न हा उसे का दर्शनये)

Rcf No. AR-II 37EE. 10043,84-85.--Whereas, 1, Lannan Das, being the Competent Authorny under cenon 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000 flogi, SEA Freeze, and bearing Flat No. 605, 6th Andhera Road, 7 Bungalows, Versova fully described more (and Bombay-61 hereto). has been annexed Schedule transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bomboy on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have red been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Mr. Narındar Singh Bedi Co. (P) Ltd. (Transferor)

2. Mrs. Laxmibai K. Gwalani & Mr. Kanayalal (Transferce)

3.

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (v) by any other person interested in the said immovable property within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 605, 6th floor, SEA Brecze, 7 Bungolows, Versova Road, Andheri (W) Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-11 37LL. 10043'84-85, dt. 16-8-1984

Dated: 8-4-1985.

Seal

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. ग्रई-2/37-ईई/10337/84-85.—ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चान "उक्त श्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका र्जीचत वाजार मुल्य 100000/- ह. से श्रीधक है ओर जिसकी सं० दुकान नं० 6/ए जो, कविता ग्रपार्टमेटम सी०टी०एस० 1030. यारी रोड, वर्सोवा अंधेरी, (4), वम्बई-61 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), ओर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजीस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है ओर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत मे अधिक है और अंतरफ (फों) और अतरिती (यो) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

ारिति रिंह रहें। य से रहत अतरण रि. खित में दारर दिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दादत, आयकर अधि विष्म, 1331 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे दुचने में सदिका के लिए और/या
- (खं) ऐसे किमी अप या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयवार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिंगि के लिए

उन: अन उवा अधिनियम की धारा 269ग के **अनमरण में,** मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निमानिक्नि व्यक्तियों अर्थाता —

- 1. श्री केदारनाथ राय (प्रन्तर ह)
- 2. श्रीमितिः उपा जयराम चावला । (श्रन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ----

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए बार्णवाहियां शृरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्ति ों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में तामाप्त होती हो' के भीतर पुर्वोक्त व्यक्ति ों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (अ) इस सूवना के राजपत्त में प्राणन की तारीख़ के 45 दिन के भीतर उत्तत स्थावर सम्मित्त मे भेतर हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह-स्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पप्टीकरणः—इसमे प्रवृक्त शब्दों और पदों हा जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में, परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गा है।

अनुसूचिः

दुकान न. 6√ए, जो, कविता श्रपार्टमेंटरा सी.टी.एस. 1030 यारी रोड वर्सोवा, अंबेरी (प), बम्बई–61 में स्थित है।

श्रनुस्ची जैसा की त्रम स. ग्रर्ड-2/37ई=10337/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 25-8-1884 को रजीस्टर्ट किया गया है।

तारीख: 8-4-1985

मोहर

जो लागू न हो उसे काट जिए।

Ref. No. AR-II 37EE 10337 34-85.—Whereas, I, Lauman Das, being the Competent Authority under Section 109B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Lereinaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a tair market value exceeding Rs. 100,000, and tearing Shop No. 5|A, Kavita Apartments, CTS Road, Versova, Yarı (W) Bombay-61 (and more fully Andheri described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 2.9AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1934 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Kedarnath Rai (Transferor)
- 2. Mrs. Usha Jairam Chawla (Transferee)
- 3. —

(Person in occupation o' the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 6 A, Kavita Apartments, CTS No. 1030, Yarı Road, Veisovi, Andheri (W) Bombay-61.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37LL, 10337,84-85, dt. 25-8-1984

Dated · 8-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं ग्र^ह -2/37 -हेई/3744/84 -85. --ग्रन मझे. लक्ष्मण दास आध र आर्धान्यम 1961 (1961 T 43) (जिसे इ में इसी: पश्चात् "उत्तत ग्रधितियम" तहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रधीन नक्षम प्राधिनारी को यह विश्वास इरने हा दारण हे ि स्थावर सम्पत्ति जिसा उचित बाजार मृत्य 100,000/- ह. स अधिक है और जिन्दी सं. फ्लौट न.13 जो. "ए" इमारन, पहली मजिल, इंद्र-सुख को ग्राप हाउभिग सोबाइटो लि. प्लाट नं 143/ 1/3ा, 4 वंगार्ला रोड, जे पी.रोड, अबेरी (५), तम्बई -58म स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनमुची में ओर पूर्णरूप से विणित है), औ जिसका करारनामा आयक अधिनियम की धारा 269 कष्ट के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित मे यास्तविक रूप मे कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/ग
- (स) ऐसे किसी अय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1257 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गना था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत. अब उका अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उवन अधिनियम की धारा 269ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नानिस्ति व्यक्तियों अर्थान् :—

- 1. श्री राम तीर्थदास खती। (प्रनारण)
- 2. श्री सईद चौहान और ग्रहमद चौहान। (ग्रन्तरिती)

3. ──अनारक

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पन्ति है)

4. --

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है, · की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन क संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर राचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क्त) इस मुच्दा के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उधन स्थानर गमास्ति से हिन्द्र इ किसी अन्य व्यक्ति दारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

"फ्लैंट नं.13, जो, "ए" इमारा, पहली मंजिल, इंद्र-मुख को-श्राप, हाउसिंग मोप्ताइटी लि, प्लाट नं 143/ 4/बी, 4 बंगलो राइ, जे.पी.राइ, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क.सं. -2/37ईई/8744/84-85 और जो सक्षम प्राधितारो वस्बई द्वारा दिनांत 1-8-1984 की रजीस्टर्ड िया गया है।

तारीख: 8/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37EE. 8744 84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 100.000 and bearing Flat No 13, A Bldg, 1st floor, Indra-Plot No. 143⁷4 B, Sukh CHSL, 4 Bunglow Road (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombav on 1-8-1984 for an apparent consideration less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr Ram Tirathdas Khatri (Transferor)
- 2. Mr. Saced Chauhan & Mr. Ahmed (Transferee)
- 3. Transferor

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 13. A Bldg., 1st floor, Index-Sukh CHSL, Plot No. 143 4 B, 4 Bungalow Road, J. P. Road, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE, 8744-84-85, dt. 1-8-1984.

Dated: 8-4-1985.

Seal:

Strike off where not applicable.

- সার্ট-2/37-১5/10409/84--**8**5 - সুব सझे लक्ष्मण दास भ्रायपुर अधिनियम 1961 (1961 ह। াও) (বিশা ইম্ ভ্ৰমকী মহলাৰে ''ভৰৰ স্বাধিবিষ্দা'' ল'লা गमा है) वी धारा 269 च के ब्रधीन रूक्षम ब्राधि । वी को यह विश्वास धरने 🕾 भारण है पि स्थापर सम्पति। जिसवा उचित बाजार मत्य 100,000/ मा में ग्रधिक है और जिसकी स. फुलैंट नं 403, जा, 4 थी मंजिल, इमारत न ए/ 19, अपना घर यनिट नं.5 को आप हाउपिय सोगायटी लि., व्हिलेज ऑ:णिवरा, अंशेरी (प), बम्बर्ट-58 में स्थित है और इसके उपाबद श्रतसूची में और पुण रूपसे विगिन है) और जिसका करारनामा श्रिधिनियम ैंकी धारा 2.69 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ट में रिजस्ट्री है तारीख 28-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है अर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक नम्पत्नि का आजार मल्य, उसके दण्यमान प्रतिफाद ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रति-गत से अधिक है और अनरक (कों) और अतरितो (यों) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निग्ननिधित उद्देश्य में उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप ये कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अनंदण में हुई विकी द्याप की बाबन आय कर अधि नियम, 1961 (1961 का 42) के अधीन कर देने के उन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें इचने में मिकिया के लिए और का
- (ल) ऐसे किसी अन या किसी अन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आस्वर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) रा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नदी किया गरा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में गिविधा की लिए

अतः अब उका अधिनियम की धारा 209ग के उन्सरण में, मैं अकत अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन। निमालिखन व्यक्तियों अर्थान :—

मेनर्स समर्थ डेब्डलोपमेट पर्परिणतः (ग्रन्तरक)
 श्रमाद वास्देव कुलपणीः (ग्रन्तरिती)
 3. —

(बह व्यक्ति जिसके ग्रिधिमोग में सम्पन्ति है)

(बह व्यक्ति जिस तारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सबका जारी करके पृत्तोंकित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यबाहियां दास करता हु। उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मो कोई भी काक्षोप:—

(क) इस संजना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीय से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की नामीय से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि होद में समान होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्ति होता।

(क) इस सच्चा के राजगत्र में एकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उबत स्थानर सम्पत्ति में हितब द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त अन्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अन्याय 20क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होंगा जो उस अन्याय में दिया गया हैं।

अन्सची

"पर्तट नं० 103,जो. 1 थी मजिल इमारत नं० ए/19, श्रपना घर युनिट नं 5 को -श्राप हार्डीनग मीनाइटी ि० व्हित्त ओगितरा, अंग्रेरी (प),बम्बई--58 में स्थित है।

श्रममुची जैता की का संग्रह-2/4755/10409/84-९५ अ.र जो सक्षम प्राधि गरी वस्त्रहें द्वारा दिनोंक 2044-1984 की रजीस्टई िया गया है।

नारीख : 1/4/1985 माहर

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-JI 371-1 . 10409[84-85 -- Whereas, I, Laynum Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43) of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reas in to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 403, 4th floor, Bldg., No. A 19 Appa Ghar Unit No. 5 Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Oshi-Bombay~58 Ardheri (W) (and more annexed Schedule fully described. the hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Ms. Samartha Development Corpn. (Transferor)
- 2. Shri Prasad Vasudeo Kulkarni (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 403, 4th floor, Building No. A'19, Apna Char Unit No. 5 Co-op. Hsg. Soc Ltd. Village Oshiwara, Andheri (W) Bombay-53

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/57EE. 10409 84 85, dt. 28-8-1984

Dated: 1-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देग में श्रई -2/37ईई/8930/81→95: - - ग्रत: मस्रे. लक्ष्मण दास भ्रायार अधिनियम 1961 (1961 ए। 43) (जिसे इस में इसरे पश्चात "उक्त श्रधिनियम" क्हा गया है) की धारा 269 घ के प्रधीन यक्षम प्राधि ारी को यह विष्⊸ बास करने या कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसाम उचित बाजार मुल्य 100,000/- ह. से प्रधिए है और जिसकी सं. फ्लैंट नं 005, जो ग्रंपना घर युनिट नं 1 को-श्राप. हाउक्तिंग सोपाइटी लि॰ इमारत नं. ए-4(ए), ओणिवरा श्राफ जे.पी. रोड, 4 वंगलोज के पास, अंधेरी (प), बम्बई-হিখ∂ 흕 (औশ उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यातय, बस्बई में रिक्रिस्टी है, तारीख 4-8-1984

को पूर्वोक्त सम्यन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृण्य-मान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यन्ति का बाजार मृत्य उसके दृण्यमान प्रतिफल के पद्मह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गदा। एतिफल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप ने प्रणित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाकत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आरितयों की जिन्हें भारतीय आयकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिन्यम, 1961 (1961 का 13) या धन-त्रर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध के लिए

अतः अद उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के प्रीत. रिमातिस्ति व्यक्तियों.अर्थात्:—

- 1. समर्थ डेक्क्लयमेंट कारपॅरिणत । (भ्रतार १)
- श्रीमती. शकीला टी.णामम् और
 श्री. माहिब ग्रब्दल ादर। (ग्रनारिती)
 - (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. —
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता
 है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस स्चन के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिस के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मो हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहस्ताक्षरी के एस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यूची

"पर्लंड नः 005, जा, स्रताघर यूनिट नं । को-प्रापः हार्जान्य सोगाइटा ति., इनारत नं ए-प्र(ए), आंगि -वा स्राफ जे.पा.राइ, ४ वंगा। के नाम, अवेरा(प), वम्बई-58 में स्थितह।

श्रनुसूचा जिलाको क.स.श्रई-2/37ईई/8930/84-85 स्रोर जा सक्तन प्राधिकारा बस्बई द्वारा दिनात 4-8-1984 का रोजस्ट ो.चा भना हो।

ताराख 1-4-1985

माहर:

(जालागृत हा उन काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37HE., 8930|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000[and bearing Flat No. 005, Bldg., No. A-4(a) Apna Andheri (W) Unit No. I CHSL, Char Bombay-58, (and fully more described the Schedule annexed hereto). been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the On cc ct the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not be n truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax hunder the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- 1. Samartha Development Corporation , (Transferor)
- 2 Smt Shakila T Shamu & Shri Sahih Abdul Quadar (Transferec)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 005, Bldg., No. A-4(a), Apna Ghar Unit No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Off J. P. Road, Near 4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II 27EI 18930 84-85, dated 4-8-1984.

Dated . 1-4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. श्रर्थ-3/37ईईई/10088/84-85---श्रन. मुझे, ाटमण दास, स्राय र स्रवितियस, 1961 (1961 हा 43) (जि : इपर्ने इत्तरे परचात् "उरत अधिवियम" यहा गया है) की घारा 269 घ के प्रतार सज़म प्राधि गरो को, यह विए--वास परने पा पारणाहे कि स्थापर सम्मन्ति,, जिल पात्रपित बानार मृत्य 100,000/-व स अधि , हे आर जिसकी सं. पर्नेट नं 003, जो, ग्राउड फानीर, इसारत ने. ए-7, श्रपंता घर **यू**निट न 2 को-ग्राप हाउनिंग मोसाइटी नि अ शिवरा श्री रनामी समर्थ नगर, ग्राफ जे पो रोड, 4 बंगली ज के सामने अधेरः (ए(अम्बः 58 में विधन ह (और इसके उपावन अनुमूर्व) में और पूर्ण रुप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क्ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में र्राजस्ट्री हैं, तारीख 17-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल, ऐसे दृष्यगान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में स्विधा के लिए और/या (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1987 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंदिधा के लिए

कत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण मो, मीं उबह अधिनियम की धारा 269ए की उर धारा (1) के अधीन, निम्मलिस्ति क्यंदितयों अर्थात् :—

- मैंनर्ग समर्थ डेव्हलावमेट दापोरेशन। (अन्तरक)
 श्री तरीचट जीवनदास नलरेजा और श्रामती समन्ना हुरीचंद नलेर्जा। (अन्तरिती)
 - (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति , जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनबंद्ध है ।)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करू करवा हा। उन्नत रम्पत्ति के अर्जन के संबंध मां कोई भी आक्षप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी से 45 दिन की अवधि, या नत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृथीं कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ल) इस मुचना के राजपत्र मो प्रकाशन की नारील के 45 दिन की भीतर उक्त स्थानर गम्पत्ति मो हिनद छ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति मो किए जा सकेगे।

स्पाटीकरण '—हसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मो परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

अनुसची

"फ्लैंट न 003, जो, ग्राउन्ड फलोर. इमारत न ए-7 अपना घर यूनिट नं3 को न्य्राप. हाउतिंग मोसाउटी लि., ओणिवरा श्रीस्वामी समर्थ नगर, श्राफ जे. की रोड, अ बगलोज के सामने, अधेरी (प), बम्बर्ड-5९ में स्थित है।

श्रन्सची जैंसा कि के. सं. श्रर्ध- 2/37ष्टई/10088/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनोक 17-8-1985 को रजीस्टर्ड किया गया है ।

मारीखं : 1-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II,37EE.;10088;84-85.-Whereas, I, Laxinan Das, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act 1961 (45) of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 003, Bldg. No. A-7. Gr. floor, Unit No. Bombay-58 Andheri (West) (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M s. Samartha Development Corporation (Fransleror)
- Shri Harichand Jeevandas Talreja & Mmt. Tamanaa H. Falreja (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 003, Gr. floor, Building No. A-7. Apna Char Unit No. 2. Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara Shree Swami Samarth Nagar, Off J. P. Road, Cpp. 4. Bangalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE. 10088 84-85, dt. 17-8-1984.

Dated: 1-4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म अई-2/37ईई/10270/84-85:- अनः मुझे), लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 व । 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 🖫 ६९ घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विष्याम करने हा कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/-- म. से अधिक है और जिसको सं गर्नेट न. 106, जो, भी मीजल इमारन न. बी-14, अरना घर यनिट न. ५ को० आप हाउमिग सीमाइटी लि.. ऑशिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जै. पी रोड, य बंगनीय के मासने अंग्रेग (प), बम्बई--58 में स्थित है (और इससे उराबड़ अनुसूची में और पूर्ण म्य से वर्णित है), और जिसहा करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269हख के अधीन सक्षम प्राधिहारी के कार्यालय, बम्बई मे रजीन्द्री है. तारीख 24/8/1984 की पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के वश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने 🛪 कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पन्ति का बाजार मुल्य, उसके कृष्यमान प्रतिकल के, ऐसे दश्यमान प्रतिकल के प्रदेह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शब्त, आयकर अिंश-नियम, 1961 (1961 का 43) के अथीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए और/ग
- (स) ऐसे किसी अयं या कियी धन या अत्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 19) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सविधा के लिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण मा, मी उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उग धारा (1) के अधीन, निम्मतिस्थित व्यक्तियों अधीत:—

- मॅससं समर्थ डेब्लपमेट कारपरिशन। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती फिलोभिना डिसोझा (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित--बढ़ है)

को यह मूचना जारी करकं पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता है। उयत रम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षप:—

- (क) इस गुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि होद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (६) इस गच्दा के राजपत्र मो प्रकाशन की नारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मो हिनबद्ध फिसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरी के पाग चिक्ति मो किए जा गकेंगे ।

स्पष्टिकरण : इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होशा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमधी

पंत्रेट नं. 406, जो. 4थी मंजिल, इमारत नं. बी— 14, अपना घर यूनिट नं. 9को० आत्, हार्डासगमोमाइटी लि. ओणिवरा श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे. पी. रोड, 4 बंगलोज के सामने, अधेंरी (प), बम्बई~58 में स्थित है।

अनुसूची जंमा कि क. सं. अई- 2/37ईई/ 10270/ 84-85 और जो मधम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 24/8/1984 को रजीस्टई किया गया है। नारीख 1/4/1985

मोप्तर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।

Ref. No. AR-II|37EE.|10270|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 406, 4th floor, Bldg. No. B-14, Apna Ghar Unit No. 9 Co-op. Hsg Soc. Ltd., An-(West) Bombay-58 (and fully described in the Schedule appeared hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the conceanment of any income or any money or other assers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the isllowing persons, namely:

- 1. M.s. Samartha Development Corporation
- 2. Smt. Philomena Desouza (Transferee) (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 406, 4th floor, Bldg. No. B-14, Apna Ghar Unit No. 9 Co-op. Hag. soc. Ld, Osa vara, Shree Swami Samartha Nagar, Off. J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-53.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II₁37EE.|10270|84-85, dt. 24-8-1934.

Dated: 1-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण स. अई--2/37ईई/ 10089/84-85:- अतः मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम. 1961 (1961 वा 43) जिसे इसमे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" : हा गया है। (की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधि ारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन ा उचित बाजार मृल्य 100,000/- ह. से अविक है और जिसकी स० फ्लैट नं. 407, जो, 4धी मजिल इमारत नं. ए- 22, अपना घर युनिट नं. 4 को० आप. हाडसिर सं:रा-टटी लि ओणिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जे. पी. रांड, 4 वगलोज के सामने, अधेरी (प), वम्बई-58 में स्थित है (ओर इतो उपाबद्ध अनुपूत्री प आर पूर्ण रूप निर्वाण है), ओर जिल्ला गालामा जावार अधि-ियम 1961 को धारा 269 कख । अबो । उक्षा प्राधि-रारी हे पार्यालय, वस्बई मेर्रास्ट्री हेनारीख 17-8-1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य म उम ः दृण्य-मान प्रतिफा के निये अन्तरिं। की गई है और मुझे यह विश्वास धरने हा जारण है हि यथापूर्वीका सम्पत्ति हा-उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल रे, ऐन दृश्य-मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशित में अधि है और अंर रं/ अंतरकों और आंदिती/अंतरितियों के बीच ऐते अंतरण के लिए तय पाया गया प्रिक्त, निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासाविः रूप न ाथि। नहीं िया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए और/ा
- (क) ऐसे किसी अय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1951 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविधा की लिए

हत: अब उत्ता जिल्लानिक की भाग 269क के अनुसरण मो, मैं उबन के तिथक की ब्राग 269क की उद धारा (1) के अधीन, निम्तालिय के जिल्लों अधीन,

- 1 भैसमी समर्थ डेब्न्यमेट कारपेरिशन । (अन्तरक)
- 2. श्रीमती अन्ता जे. राड्रिग्ज। (अन्तरिती)
- 3. ----(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग से संग्पत्ति हैं)

(बह व्यक्तिः, जिसके बारे में अबोहस्साक्षरी जानता है ि िबह सम्पत्ति में हिसबद्ध है)

को यह सच्चा जारी करके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करवा हो। जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इप्यच्या के राज्यघ मो प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर समानि मो हितकद्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिकित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण : इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अस्पकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अस्पय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अस्पय में दिया गया है।

अनुमूची"

"फ़्लैंट नं. 407 जों. 4थी मंजिल इमारत नं. ए.- 22, अपना घर यूनिट नं. 4 को० आप हाउसिंग मोसाइटी लि.. ओणिवरां, श्री स्वामी समर्थ नगर, आफ जें. पी. रोड, 4 बंगलोज के सामने, अंधेरी (प), बम्बर्ट-58 में स्थित है।

अनुम्नी जैया कि अ. मं. अई-2/3755/10089/84-85 और जो सभ्य प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाक 17/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 1-4-1985

मोहर:

. (जो लागून हो उने एउट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE.|10089|84-85.—Whereas, I. Laxman Das, he no the Competent Authority under Section 2(9B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 407, 4th floor, Bldg., No. Acc Apna Ghar CHSL. Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (West) Bombay-58 (and more

fally described to the Schodule am exed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Component Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Samartha Development Corporation. (Transferor)
- 2. Smt. Asina Joequine Rodrigues (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 407, Bldg., No. A-22, 4th floor, Apna Ghar Unit 4 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Roed, Opp. 4 Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Sexual No. AR-II[37EE, 10089]84-85, dt. 17-8-1984.

Dated: 1-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश में. अई-2/37-ईई/8396/84-85 '- अन मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की घारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सभ्यत्नि, जिसका उचित बाजार मव्य 100.000/-- म. में अधिक है और जिसकी सं० फ्लैंट नं. 004, जो, ग्रांडन फलार, इमारत नं. ए⊸ ₄(ए) अपना घर यनिट नं. 1 को० आप हाउसिंग मोमाइटी नि ब्हिनेज ओणिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं (और इसने उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयक्तर अधिनियम की छारा 269 कप्त्र के अधीन, सक्षम प्राधिणारी के व्ययालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 की पूर्वोक्त सस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य के राम से राम दणामान प्रतिफल के तिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वांम करते। का क्षारण है कि प्रथापूर्वोका सम्यत्ति का बाजार मृत्य, उसके दुष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिमत से अधिक है और अंतरक(कों) अंतरिती(यों) के बीच तेसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नतिखा उटेक्स में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविष्ठ रूप से कथित नहीं किया गया।

- (क) अन्तरण में हुई किनी आय की बाबन, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सविधा के लिए और/या
- (क) ऐसे किसी अग या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय दायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या पत-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, रिम्मिनियम द्रियों अधीन,

- समर्थ डेक्टलोपमेंट कारपेरिशन। (अन्तरक)
- श्री अणोक वर्गन पाटकार और श्री वर्गन जी पाटकार। (अन्तरिक्ती)

(वह व्यक्ति , जिनके अधियोग में सम्पत्ति है)

4. ----

3. ----

(वट क्यक्ति, जिपके सारे ने जिल्लेक्स साथ गानता है कि वट सम्पत्ति में दिवबाद है),"

को यह सचना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां के संकरता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मंकोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्मबंधी व्यक्तियों पर राचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस स्वता हो राजपन्न में प्रकाशन की नारीख के 49 दिन को भीतर उक्तर रथातर सम्पत्ति में हिन्दद्ध किमी क्तर त्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिम्बिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमो प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमुची

फ्लैंट नं 004. जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं ए-4 (ए), अपना घर यूनिट स. नं. 1 बो० आप. हाउसिंग सोसाइटी लि , व्हिलेज ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनसूकी जैसा कि क. सं. अई-2/3788/ 8996/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई हारा दिनांक 6-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

नारीख: 1-4-1985

मोहर:

(जो लाग न हो उसे छाट दीजिए)

Ref. No. AR-II 37EE. 18996 84-85. Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43) of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000[and bearing Flat No. 004. Building No. A4(a), Apna Ghar Unit No. 1 Co-op, Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Andheri (W) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have chason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Samartha Development Corperation (Transferor)
- Mr. Ashok Vasant Patkar, Vasant Gpatkar (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 004, Building No. A4(a) Apna Ghar Unit No. 1 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Village Oshiwara, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II'37EF,8996[84-85, dt. 6-8-1984.

Dited: 1-4-1985.

Scal

(Strike off where not applicable.)

166 GI/85—31

- निर्देश मं. अई-2/37ईई/10209/84-85 :--अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन समक्ष प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 406, जो, 4थी मंजिल, इमारत नं. ए-22, अपनाधर हार्जीसंग सोनाइटी, जय प्रकाश रोड, चार बंगली, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित हैं),और जिन्नका करार-नामा आयार अधिनियम की धारा 269 बख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के लायलिय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 21-8-1984 को प्रवीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से क्षम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का कारण है जि यथापूर्वीकन सम्पत्ति या बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रक्तिपन के, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल केपंद्रह प्रतिशत से अधित है और अंतरह (कों) और अंतिस्ती(यों) केबीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया, गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में अथित नहीं किया गया है:---
- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधिन्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी अग या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के जन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्तिनिक्ति व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. समर्थ डेब्लपर्मेंट कारपोरेशन। (अन्तरक)
- 2 अनील चंदन मल सिंघवी। (अन्तरिती)

3.

- (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।
- ----(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति से हितवद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करू करना हो। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी

अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस मुच्दा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस तिस्वत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण क्षिमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमधी

"फ्लैंट नं. 406, जां, 4थी मंजिल, इमारत नं. ए-22, अपनाघर हाउमिंग सामाइटी, जय प्रकाश रोड, चार बंगलों, अंधेरी (प), बस्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसाकि क. मं. अई-2/375ई/10209/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनांक 31/8/1984 को रजिस्टई किया गया है।

বাৰ্টাৰ 1-4-1985

मोहर

(जो लागु न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE. 10209 84-85. Whereas, I, Lazman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43) of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000 and bearing Flat No. 406, A-22, Apna Ghar Hsg. Prakash Road, Society. Jay Iow, Andheri (West), Bombay-58, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income, or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisttion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Samanth Development Corporation

(Transferor)

2. Anil Chandmal Singhvi

(Transferce)

3. (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 406, A[22, Apna Ghar Hsg. Soc., Jay Prakash Road, Char Bungalow, Andhert (W) Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II/37EE 10209184-85, dt. 21-8-1984

Dated: 1-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

, निर्देश मं. अई-2/37ईई/9088/84-85:--अतः मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 369 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- र. में अधिक है और जिसकी सं फ्लैंट नं. 003, जो, गाउंड फ्लोर, इसार्त न ए-29, अपनाघर युनिट नं 3, मो-आप० हाउसिंग सोमाइटी लि., ओशिवरा श्री स्वामी समर्थ तगर, जाफ जे पी. रोड. 4 बंगलो के सामने अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं। (और इन्ह उपाबद्ध अनमुची मे और पूर्ण रूप से अणित है, (और जिना करारतामा आयगर अधिनियम 1961 की धारा 269 गण के अधीन सक्षम प्राधिकारी के आयिलिय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 9-8-1984 को पूर्वेक्ति सम्मिति के उचित बाजार मूल्य से यम के दृश्यमान प्रतिफात के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाप तरने ता लाएग है जिय्यापूर्वोका सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, में उपके दृश्यमान प्रतिफात से अधि है और अंतर त्रिंग्यमान प्रतिफात के पनद्रह प्रतिगत से अधि है और अंतर त्रिंगरिकों और अंतरिकीं/अंतरिकींयों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य के उचा औतरण तिखित में बास्तिक है क्य से लियत नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की शब्द, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुदिका के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी जाग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) या धर-नेर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हाल प्रकट नहीं किया गरा था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में स्तिधा के लिए

अतः अब उका अधितियम की धारा 269म के अनु-गरण में, 7, उका अधितियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों , अर्थान् :--

- मैससं समर्थ डैब्ल्पमेंट कारपेंग्णित । (अन्तरक)
- श्री प्रदीप कृष्णा पाटील। (अन्तरिती)

3.

(बह् व्यक्ति, जिपते अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(बहु व्यक्ति, जिपके बारे में अधोहरूनाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करना हा। उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध को कोई भी आक्षेप:—

- (कं) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गृचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की नागीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभीह्स्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकींगे।

स्पप्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के

अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं। अनसची

"फ्लैंट नं. 003, जो, ग्राउंड फ्लोर, इमारत नं. ए-29 अपनाघर युनिट न. 3 को-आप, हाउसिंग सोसाइटी लि. ओणिवरा, श्री स्वामी समर्थ नगर, ऑफ जे. पी. रोड ऑफ 4 बंगलोज, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसाकि क. स० अई-2/37ईई/9088/84~85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, द्वारा दिनांक 9/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 1-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे द्याट दोजिये)

Ref. No. AR-II]37EE.]9088]84-85.—Whereas, II, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000₁and bearing Flat No. 003, Gr. floor, Building No. A-29, Apna Ghar Unit No. 3 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar, Off J. P. Road, Opp. 4 Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .—

- 1. M/s. Samntha Development Corporation (Transferor)
- 2. Shri Pradip Krishna Patil

(Transferec)

3. — (Person in occupation of the property)

4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 003, Building No. A-29, Gr. floor, Apna Ghar Unit No. 3 Co-op. Hsg. Soc. Ltd., Oshiwara, Shree Swami Samartha Nagar Off J. P. Road, Opp. Four Bungalows, Andheri (W) Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE,|9088|84-85, dt. 9-8-1984.

Dated: 1-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

अई-2/37ईई/10163/84-85 :--अत: निर्देश सं. मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को विश्वास करने का क।रण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 28, जो सुनील णापिंग सेंटर, जे. पी. रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका दरारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधि हारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टुर्ड है तारीख 18-8-1984को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरको और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देशय से

उक्त अंतरण लिखित में वास्तवित रूप से रुपित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की शब्त, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अग या किसी अन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती त्राण प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निक्षित व्यक्तियों उधीता :—

- 1. श्री एम. के जुनेजा। (अन्तरक)
- 2. मैसर्स इलाईट प्रॉडक्टस । (अन्तरिती)
- , ——— (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अद्योहम्पाक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्योक्त मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रम् करता हूं। उक्त मम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्ता व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति होता ।
 - (क) इस सबदा के राजपण में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के णस निख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

"दुकान नं. 28, जो, सुनील गापिंग सेंटर, जे. पी. रोड अंधेरी (प), बम्बई—58 में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10163/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी यस्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रिजिस्टेड किया गया है।

नारीख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उभ काट दिनिये)

Bombay, the 8th April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE.|10163|84-85.--Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income ax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000,and bearing Shop No. 28, Sunil Shopping Centre, J. P. Road, Andheri (West) Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Shri M. K. Juneja

(Transferor)

2. M,s, Elite Products.

(Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

- or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 28, Sunil Shopping Centre, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE./10163/84-85 dated 18-8-1984.

Dated : 8-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable)

निर्देण मं. अई-2/3 7ईई/10286/84-85.--अत. म्रो, लध्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् "इक्त अधिनियम, कहा गया है) की बारा 269 घ के अबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रु. में अधिक है और जिसकी। सं. फ्लैट नं. डी-2, जो ग्राउंड फ्लोअर, कैन।म को-ऑप. हा उमिन मोम। यटी लि. मी. डी. बर्फ़ीवाला मार्ग, जहंगली, अधेरी(प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमे उपाबद अनुसूची में ऑप पूर्ण रूप के प्रियम है। और पित म एसपनामा आयहर अधिनियम की धारा 269 के ख के जबीन पक्षम प्राधिसारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और यह विषयाय करने या कारण है हि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार सूत्व उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधि है और अंतरक (कों) और अनरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नाशिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं विथा गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दारित्य में कमी करने या उससे इचने मे मिविधा के लिए और/ण
- (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आगकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में संविधा की लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269द की उप धारा (1) के अधीत. निम्मिलिस्ति व्यिवनियों अभीत :—

- 1 श्रीमती विमला देवी पिनाडीदास आनद । (अन्तरक)
- 2 श्री और श्रीमनी अर एम पंचीगर । (अस्त्रिनी)

3. ----

(बह ब्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पति है)

4 ------

(बहु व्यक्ति, जि.के बारे स अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पति से हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पृत्रोचित सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहिया कृत्र करता हा। उक्तर सम्पत्ति को अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेत्र —

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की नारील से 45 दिन की अर्थाध, या तत्संबधी व्यक्तियों पर राचना की नामील से 30 दिन की अर्थाध, जो भी अर्थाध साद मां समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वाकित व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस राज्या के राज्यात्र भी प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उपत्र स्थादर सम्मान भी हितबड़ किसी अन्य त्यक्ति हारा अधोहस्ताक्षरी के लास लिक्ति में किए जा राक्षेणे।

स्पष्टीकरण : इसमे प्रयुक्त जब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

"फ्लैट नं डी-2 जो ग्राउड फ्लोअर, कैलाश को-ऑफ, हार्डीसंग सोसायटी लि. सी.डी वर्फीवाला मार्ग ज्हागलो, अधेरी (प), बस्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसाकिक. स. अई-2/37ईई/10286/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई, द्वारा दिनाक 25/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 8-4-198 5

मोहर.

(जो लागुन हो उसे साट दीजीये

Ref. No. AR-II|37EE.|10286|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 100,000|-

and bearing Flat No. D-2, Ground Floor, Kailash Co-op. Housing Society Limited, Juhu Gally), An-(West), Bombay-400058 and fully described up the Schedule armixed heteto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely 27-8-1984 for an apparent consideration which is

1 Mrs. Bimladevi Pindidas Anand

(Transferor)

2. Shri and Smt. R. M. Panchigar

(Transferce)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette. or a period of 30 days from the service of this notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. D-2, Ground Floor, Kailash Co-op Housing Society, Limited, C. D. Barfiwala Road (Juhu Gally), Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37FE. 10286 84-85 dt. 25-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8904/84-85.- अत. मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) को धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारीको यह विश्वास करने का करण है कि स्थावर सम्पति जिसका उचित वाजार मूल्य 1000,00/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. पत्रैट सं० 204 जो 2 री मंजिल निर्माण कॉटेज, सी. डी. एस. 1036 यारी रोड, ऑफ़ जे. पी. में स्थित है) और इससे रोड, वर्सोवा, बम्बई-58 उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269क ब के अबीन सक्षम प्राधिक री के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारोख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति कः उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अंतरक/अनरकों और अंतरितो/अंतरिजियों के बोच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात निम्म लिखित उद्देश्य मे उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नही किया गया है: --

- (क) अन्तरण में हुई किरी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दर्भियत्व में कमी करने या उसमें बचने में महिक्षा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या कियी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयदार अधितियम, 1922 (1922 का 11) या अगदकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) या धन-गर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- मैयद अब्दुल कादर और भैयद फरीद । (अन्तरक)
- 2 जीतनराम हसानंद सावतानी और दुष्टेवी जीवनराम सावलानी । (अन्तरितो)

3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. do

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिये कार्यवाहियां णूरु करता हं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं. 204 जो 2री मंजिल निर्माण काटेज. सी.टी. एस. 1036 यारी रोड आफ़ जे.पी.रोड, वर्सीवा,बम्बई-68 में स्थित है।

अनुमुची जैसािक क. सं. अई-2/37-ईई/8904/84-85 और जो सक्ष्म प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रिजम्टर्ड किया गया है।

तारीख:-8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|8904|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000¹-and bearing Flat No. 204, 2nd Floor, Nirman Cottage, C.T.S. 1036 Yari Road, Off J. P. Road, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 260°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Syed Abdul Kadar Syed Farid (Transferor) (Transferoe)

Jiwatram Hassanand Sawlani Dutudevi Jiyatram Sawlani (Transferce)

- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforetaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDUI F

Flat No. 204, 2nd Floor, Nirman Cottage, C.T.S. 1036, Yari Road, Off J. P. Road, Versova, Bombav-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II[37EE.]8904 84-85, dt. 4-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण ग. अर्ड-2/37-ईई/10117/84-85.---अत. म्झे, लक्ष्मण दासं आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उपत अधि।यम"कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त जिसका उचित वाजार मुल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स ा। जो ग्राउंड फ्लोअर, बेन्झर प्लाट नं, 9 आर ९-ए, एस. न. 41 (अंग), ओंगिकरा 4 बगलोज, अधेरी (प), मे स्थित बम्बई 58 इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूपने वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियमकी धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्टर्ड त रीख 18-8-1984 की पूर्वीवन सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवन सम्पत्ति का बाजार मृहय उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे दुण्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रनिणत से अधिक है और अंतरक (कों) और अतस्ति (सों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रात्माल, निम्नलिखित उहेण्य में उनत अनरण निल्वित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधि-निण्या, 1961 (1961 का 43) के अधीर कर देने के अन्तरक के त्रायिक्य से कमी करने या उससे दलने में स्विधा के लिए और/बा
- (क) ऐसे किसी आप या किसी धन या उन्य आस्थियों की जिस्हें भारतीय आपक्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रोजनार्थ अक्तरिती द्वारा प्रकट नहीं यिए। गरा था या किया जाना चाहिए था, छिए।ने में स्पिक्ष के लिए

अट अब उका अधिनियम की धारा 269ए को अन्सर्ण मो, यो उक्त अधिनियम की धारा 269य की उद धारा (1) के अधीन, निमालिसिटन व्यक्तियों अर्थाता —

- ा. श्रीमती कविता अलरेगा। (अन्तरक)
- 2. जानकीवार्ष प्रि'दास खिमानी । (अन्तरिनी)
 - (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. --(बह व्यक्ति जिसके बारे में अओहण्वाक्षरी जानतः
 है, की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क्) इस सच्या को राजगत्त मो प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मों हिनबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णम विक्ति मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

"दुकान नं. 11, जॉ. ग्राउंड फीलोअर बेन्झेर, प्लॉटनं. 9 ऑर 97, एस. न. 41(अंग), ओगिविरा ४ वगलोज, अबेरी(प), यम्यई-58 में स्थित है।"

अनुसूची जैपाकि का गा. अई-2/37ईई/100,177/84-85 और जो सदास प्राधिक री, बस्बई ब्रास (दनाका 18/8/1984 को रिजस्टर्ड िस्पा स्था है।

तारीख :-- 8-4-1985

मोहर :

(जं। लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10117|84-85.--Whereas, 1, Lauman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43) of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing Shop No. 11, Ground Floor, Benzer Plot, No. 9 and 9A, S. No. 41(Part), Oshiwara, Four Bungalows, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or; (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Mrs. Kavita A, Alreja

(Transferor)

2. Jankibai Pribhdas Khimani

(Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 11, Ground Floor, Benzer, Plot No. 9 and 9A, S. No. 41 (Part) Oshiwara, Four Bungalows, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE.110117184-85, dt. 18-8-1984.

Dared : 8-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37ईई/10401/84-85.—अतः मुझे, नक्ष्मण दास अधकर अधिनियम" 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् "इक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका जीवत बाजार मूल्य 100000/- क. से अधिक है और जिसकी मं. फ्लैंट नं. ए-33 जो 3री मंजिल, मुनील निजास को-ऑप. हाउसिंग मोसाइटीं 4 बंगलोज अधेरी(५), बम्बई-58

में स्थित हैं) और इसगें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कल के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्रई हैं तारीख 28-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पेद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (कों) और अंतरित। (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तियक रूप से क्या गया है:---

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की शब्त, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दर्गियन्व में कमी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए और/या

(ल) ऐसे किसी आप या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्तर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सिन्ध की लिए

हत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण में, मैं उक्त की नियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निमालिकित व्यक्तियों अर्थाता :—

1 ओ, एल कोटबानी । (अन्तरक)

2. श्रीमती वामंती वि. भट्ट । (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पन्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृतीिवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्णवाहियां श्रम् करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्सर्वधी व्यक्तियाँ पर स्वता की तासील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पर्वोक्ति स्पृक्तियों में से किसी स्पृक्ति द्वारा ।
- (क) इस सचना को राजपत्र में प्रकाशन की नारीक के 45 दिन को भीतर उकर अधानर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एाम लिकित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुस ची

"फ्लैंट नं. ए-33, जो, 3री मंजिल, सुनील तिवास का-ऑप. हार्जीसा सोसाइटी, 4 बगलोज अधेरो (प). बम्बर्ट-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/375ई/10401/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई हारा दिनाव 28/8/1684 को रिजस्टर्ड किया गया है।

नारीख:-8-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 10401/84-85. Whereas, 1, Laxinan Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Acc'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. A|33, 3rd Floor, Sunil Niwas Co-op, Housing Society, 4 Bunglows, Andheri (West), Co-operative Housing Society, (West), Bombay 400058 (and fully described in the Schedule nnnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 28-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have teason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

1. O. L Kotwani (Transferor)

2. Smt. Vasanti V Bhat (Transferee)

4

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gizette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No A/33 31d Floor Sunil Niwas Co-op Housing Society, 4 Bunglows Andheri (West), Bombay 400058

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Scrial No AR-II]37EE [10401 84-85 dt 28 8-1984

Dated 8-4-1985
Scal
(Stude off where not apply

(Strike off where not applicable)

निर्देश स अई-2/37-ईई/8994/84-85 -- अन मझे, लक्ष्मण दास भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात उका अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घर अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने काकारण है कि स्थापर सम्पत्ति तिसका उचित बाजार मुल्य 100,000/ रुस अधिक है और जिसकी से प्लॉट न 140-बी कामगार नगर क पास 4 बगलो, अधेरी वर्सीका राड, बम्बई 51 में स्थित है) और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्णस्य में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजस्टर्ड है तारीव 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का क'रण है कि यथापूर्वात्रन सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान पनिकान से ऐसे दृश्यमान प्रनिकल के पद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अतरण के निए तय पाय। गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उनन अंतरण निखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) क अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयदर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

कत अब उक्त अधिनियम की भारा 269ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उद धारा (1) के अधीन, निम्निक्षिण व्यक्तियों अथिता —

- 1 श्रीमती तुमुमबाई आर ठक्कर और श्री पहित ताडीकान वेदालकार । (अन्तरक)
- 2 श्रीमती आशा राघवेद्र निराले अं र श्रीमती सरस्वती बाई दिगबर राव निराल । (अन्नरिती)
- 3 ---(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य बाहिया शर्र करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप ——

- (क) इस मूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि, या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद म समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मचना के राजपंत्र मा प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उबत स्थादर सम्पत्ति मा हितबढ़ किंगी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहमनाक्षरी के पास निस्ति मा किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

उप्तस स्त्री

"प्लॉट त 140-बी जो कामगार नगर के पास, 4 बगलो, अधेरी बर्मीवा रोड, बम्बई-59 में स्थित है।"

अनुसूची जैसाकि क स अई-2/37ईई/8994/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 6/8/1984 का रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8-4-1985

मोहर

(जो लाग न हो उसे बाट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|8994|84-85.—Whereas LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|bearing No. 140-B, Near Kamgar Nagar, Varsova Bunglows, Road, Four Andheri Bombay---400 058 (West), (and fully described in the Schedule annual hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Mrs. Kusumbai R. Thakkar & Mr. Pandit Tadikant Vedalankar (Transferor)
- Smt. Asha Raghavendra Nirale and Smt. Saraswatibai Digamber Rao Nirale (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned kn/ ws to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 140-B, Near Kamgar Nagar, Four Bunglows, Andheri (West), Varsova Road, Bombay-400058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8994|84-85 dated 6-8-1984

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37ईई/8946/84-85--अन मुझे. लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पण्यात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- ग. में अधिक है और जिसकी सं. युनिट नं. 109-बी,जो प्लॉट नं. 22, अंधेरी इडस्ट्रियल स्टेट को-ऑप. मोसाइटी लि., अंत्रीवली विहलेज, बीरा देसाई रोड अधेरी (प), बम्बई-58में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनसवा में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कव के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रति-फल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए और/गा
- (स) ऐसे किसी आय या किमी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुक्टा के जिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, नियानिक्ति व्यक्तियों अर्थान् :—

1. अकबर इन्नाहीम ब्टवाला । (अन्तरक)

2. टी. सिथयानाथ । (अन्तरिती)

3. --

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हा। उबत रूम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आधेष :-

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि. या नत्संबंधी व्यक्तियों सचना की तामील 30 दिन की अवधि, जॉ भी अविधि बाद में समाप्त होती हों. के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा ।
- (रः) इस सचना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीनर उक्त स्थातर समाप्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधोहरनाक्षरी के अस लिस्बिन में किए जा सकेंगे।

स्पप्टीकरण:--इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का जो आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) अन्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

"युनिट नं. 109बी, जो. प्लाट न . 22, अंधेरी इंडस्ट्रियल इस्टेट को-ऑप मोमाइटी लि., अबीवली व्हिलेज, बीरा देसाई रोड, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुमूची जैसाकि क्र. सं.अई-2/37ईई/8946/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख 8-4-1985 मोहर

(जो लागून हो उस काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|8946|84-85,—Whereas. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter reterred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No. Andheri Industrial Estate Co-op. Society Limited, Unit No. 109B Plot No. 22, Ambivli Village, Veera Desai Andheri Road, Bombay-400 058 (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideraion which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Akbar Ebrahim Bootwala (Transferor)
- 2. Thayyullathil Sathianath Prop. Laxmi Tools (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Andheri Indusrial Estate Co-op. Soc. Ltd., Unit No. 109B, Plot No. 22, Ambivli Village, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 8946 84-85 dated 4-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं अई-2/37-ईई/10121/84-85 --- अत म्झे लक्ष्मण दास आयवार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वारा बंदन का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 र से अधिक है और जिसकी रा. पलैंड न. (३५ जा पृरूषोत्तम भ्लापि पृरूषोत्तम हाउमिंग मोमाइटी ति . 21, जे भी रोड, अधरी(प). बम्बई-58 में स्पित है (और इससे उपाबद अनुस्वी म पूर्ण रूप से वर्णित ਫ਼ੋ) और करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269ক্ত के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में एजिस्हा है तारीख 18-8-1984को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मुल्य से कम के दण्यवान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दण्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिपाल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं। और अंतरक/अतरकों और अंतरिनी/अतरिनियों के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य मे उतन अंतरण लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयक्तर अभि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अवीन कर देने के अन्तरक के दायिक्व म कमी करन या उसमें बचने से स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी अग या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिस्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 13) या आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

जन अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण' में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नालिखिन व्यक्तियों अर्थान् :—

- 1. विजय एन गोपानानी । (जनस्क)
- 2 बाडीलाल नंद् आर जीमती मिना वि नदू। (अन्तरिनी)
- अन्तरिनियाँ

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति जिसके बारे भे अधोहस्ताक्षरी गानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है) को यह स्चना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यहाहिया शरू बराइडिं। उतन रम्पत्ति के अर्जन के संबंध म कोई भी अक्षण —

- (क) इस गूजना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीय में 45 दिन की अनिधि, या तत्सबधी व्यक्तियों पर म्चना की तारीय 30 दिन की जबित, जो भी अविधि बाद में गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वता व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा।
- (ए) उर स्टार को राजपत्र या प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर संगत्ति से हिल्बद्ध किसी पर दरिया द्वारा अशोहस्वाक्षरी के एस विकित से किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यूची

"फ्लैट न. 304, जो, पुरूषोत्तम. रूखमणि पुरूषोत्तम हार्जागम सोसाइटी लि., 21 जे पी रोड, अधेरी(प). बम्बई-58में स्थित है।

अनुभूची जैसाकि च स अई-2/37ईई/10121/84-85 और जो सक्षम प्राविकारी वस्बई द्वारा दिनाक 18-8-1984 को रजिस्टई विया गया है।

तारीख 8-4-1985

मोहर

(जी लागु ग ही उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II[37FE]10121[84-85 —Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 304. Purshottam, Rukmani Purshottam Housing Society Limited, 21 J. P. Road, (West), Bombay-58 (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay the funder the said Act, in respect of any income arising from he ransfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 et 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1 Vijay N. Gopalanı (Transferot)
- 2 Vadilal Nandu and Smt Meena V. Nandu (Transferee)
- (Persons in occupation of the property)
- (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by an other per on interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 304, Purshottam, Rukhmai Purshottam Housing Soc. Ltd., 21, J. P. Road, Audheti (West), Bombay—400, 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR II/37EP 10121/84-85 dated 18-8-1934

Dated: 8-4-1985

Scal:

(Strike off where not applicable)

निर्देश स. प्रई-2/37-देट/10066/84-85 — अत मझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसभे इसके पश्चान् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ ने प्रधीन सक्षम प्राणिकारी को यह विश्वास करने का नारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार

मुल्य 1 00 000 है. से अविक है और जिसकी स न 401, जो इसारत "जान" सी टी. एस ने. 1243 और 1243/1 आंफ भारी रोड, वर्याबा, अंधेरी(प), बम्बर्ड - 61 में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण म्प मे वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधि-अबीन सक्षम ক্র 市 धारा 269 प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है तारीख 17/8/1984 की पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुण्यमान प्रतिकत के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य--मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत रो अधिक हे और अंतरक/ अंतरकों और अनरिती/ अनरिनियों के बीच ऐसे अनरण के लिये नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उदेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है '-

- (क) अन्तर्ण में हुई किमी बार बी शबन, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने दचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अग या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयक्तर अविशियम, 1922 (1922 का 11) या अगणकर अणितियम, 1961 (1961 का 43) या भने-कर विविच्छा, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार अन्यस्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किणा जाना चाहिए था, छिणाने में सित्व के लिए

अत आर उद्या अधितिसम की धारा 269य के अनुसरण मो, मी उपन अधिनित्य की धारा 209म की उर धारा (1) के अधीन. निम्मतिस्ति व्यक्तियों अर्थाना —

- 1 कमारी गिता मूलचंद पंजाबी। (अन्तरक)
- 2 श्री फाजल मालबी। (अन्तरिती)
- 3 -- (बह व्यक्ति, जिसके अधिकांग में सम्पत्ति है)
 - (बह र्व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सच्चा जारी करके परोक्षित सम्पत्ति क अर्जन क लिए कार्यवाहियां याच करवा हा। उक्च सम्पत्ति के अर्जन के संबंध से कोर्ज भी आरोप —

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की अविध या तन्मंबंधी व्यक्तियों पर रचना की कामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पार्वाकित व्यक्तियों में से किसी वाकित हारा।
- (क) इस सचना के सामधा मा प्रकाशन नी नारीला हो 45 बिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी पन्य व्यक्ति द्वारा अधोतसाक्षरी के श्रम विकित में किए जा सकेंग ।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रगुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं. 401 जो, इमारत "शान", सी टी. एस. नं. 1243 और 1243/1, ऑफ यारी रोड, वर्सोबा, अधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क्र. मं. अई-2/37 ईई/10066/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी त्रस्वई द्वारा दिनाक 17-8-1984 को रिजस्टई किया गया है।

तारीख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10066|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter reteired to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 401, Building Shaan C.T.S. No. 1243|1, Off 1243 and Yari Road, (West), Andheri Bombay-58 (and fully described in the Schedule as lexist hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB o, the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which on less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of .-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Miss Geeta Moolchand Punjahi (Transferor)
- 2. Mr. Fazal Malvi (Transferce)

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDUL E

Flat No. 401, Building Shaan, C.T.S. No. 1243 and 1243|1, Off Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay—400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EF|10066|84-85 dated 17-8-1984.

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अर्ड- 2/37र्दर्ड/8998/84-85 : --अ स: मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पण्चात, ''उक्त नियम" कहा गया है) की धाग 269-প अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित मल्य 100,000 五、神 अधिक है और गं. यनिट नं. 109-वी, जो, प्लाट नं . 23, अधेरी इंडस्ट्रियल इस्टैट को आहर सोगाइटी लि०' अक्षीयतः व्हिलेज, वीरा देंगाई फ्लैट लं≎ 50 एबं, जो। नेब्द्रा हीराजनकानी रदेट, अश्रना घर हैं अं। विस रोब, अंधेरी (प), बम्बई, इह में स्थित है) (और इससे उपावद्व अनम्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अबिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्बई में स्ट्री है, तारीख़ 9-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के देवित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिये अत्वरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकत से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकत के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/ अंतरकों और अंतरिती / अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-

निखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निखित में बाराबिक धारी कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की हाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/शा
- (स) ऐसे किसी आग या किसी अन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयदार उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गतिथा के लिए

अर: अब उका अधिनियम की धारा 269र के अन्मरण मों, मों उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निमालिखिन व्यक्तियों अशित्:—

1. अपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स ।

2. पदमा एल. ओंगडी। (अन्तरिती)

3 अनारकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पिति है)

(अन्तरक)

1 —

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूनो किन सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शक्ष्यकरता हां। उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त होती हों, को भीनर प्रबोक्ति व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस मचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी उत्तर व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेसे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सू ची

"पर्लैट नं. 504/बी. जो. नेबूला अपार्टमेट्स, हिरानंदानी इस्टेट. अपना घर के पीछे, ओ-शिवरा. अंधेरी (प). बम्बई में स्थित है। अनुसूचा नेसा कि क. स. अई-2/37ईई/8998/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाक 6-8-1984 को रिजस्टई किया गया है।

तारीख . 8/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हां उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8998|84-85.—Whereas, 1, J.AXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a tair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 504 B, Nebula Apts, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar. Oshiwara, Andheri (West). Bombay-58 (and fully described in the Schedule armoved hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Apex Constructions (Transferor)

2. Padma Lhaden Wongdi (Transferce)

3.

(Persons in occupation of the property)

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 504|B. Nebula Apartments, Hiranandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombav under Serial No. AR-II'37EF[8998]84-85 dated 6-8-1984

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

अई-2/37-ईई/10187/84-85: —-अत: निर्देश म. चझे. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स दुकान नं. 11, जो सिल्बर सॅन्डस, हिरा-नदानी पार्क, यारी रोड, वर्सोवा, अधेरी (प), बम्बई, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 8/8/1984 को पूर्वोक्त राम्यानि के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मध्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक/ अंतरकों और अंतरिती/अतरितियों के बीच ऐसे अतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे अक्त अतरण चिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1981 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य मो कमी करने या उससे बचने मो सिवधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का

11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा, प्रकट गही किया गरा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सर्विधा के लिए

अत. अब उका अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निमालिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. मैसमं हिरानंदानी कन्स्ट्रक्णंस प्राइवेट ति.। (अंतरक)
- 2 श्री गोविंद चंदनानी, और श्री रमेण डी. देवानी। (अन्तरित्ती)
- 3 अत्तरकों (वह व्यक्ति जिसके अिषभोग में सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए किर्णविद्यां करू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध मंकोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जरें भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिश के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'दुकान नं. 11, जो, सिल्वर सॅन्डस, हिरानंदानी पार्क, धारी रोड, बर्सोबा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अई-2/37ईई/10187/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8/4/1985

मोहर 🗧

(जो लागू न हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10187|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing Shop No. 11. Silver andani Park, Yari Road, Versova. Hiranandani Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Mis. Hiranandani Const. Pvt. Ltd. (Transferor)

 Mr. Govind Chandnani Mr. Ramesh D. Dewani (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said roperty may be made in writing to the undersigned—

, 4.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officia! Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning a_S given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 11, Silver Sands, Hiranandani Park, Yari Road, Versova, Andheri (West), Bombay-58

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10187|84-85 dated 18-8-1984

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/8890/84-85: --अत मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है. कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 100000/- के. मे अधिक है और जिसकी सं. 50 प्रतिणत इन फ्लैट नं. 301 और गैरेज न. 2, "कन्वेरा" जय प्रकाश रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई. में स्थित है (और इसमें उप∃बद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णिन और जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रो है तारीख 5-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम केदृश्यमः न प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य उसके दुण्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरितो/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पत्या गया प्रतिफल निस्त-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आयं की वाबत, आयंकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविध के लिए

अत. अह उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

श्री ओम प्रकाण पंडित ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती लवलीन प्रभाकर।

(अन्तरितो)

, ---(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

> (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरों सनता है कि वह सम्पन्ति में हितबढ़ है)

का यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सबध में कोई भी आक्षण .—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्सबधी व्यक्तिया पर स्वता की तामील 30 दिन की अविधि, जांभी अविधि बाद मा समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 40 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मत्ति मो हितबद्ध किसी शन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन मो किए जा सकारों।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयक्रर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्च।

"50 प्रतिणत शेयर इन फ्लैंट न 301 और गैरेज न. 2, जो, "कन्वेरा", जय प्रकाश रोड, धर्मीवा, अधेरी, बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्र. स. अर्ह-2/37ईई/8890/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 3-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ताराख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8890|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 301 and Garage No. 2, 'Canvera' Prakash Jai Road. Versova. (West), Bombay-400 058 Andheri (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent considreation which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mr. Omprakash Pandit (Transferor)
- 2. Mrs. Loveleen Prabhakar (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301 and Garage No. 2. Canvera, Jai Prakash Road, Versova, Andheri (West), Bombay---400 058

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8890|84-85 dated 3-8-1984

Dated: 8-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10025/84-85: ---अतः मुझे. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उत्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी 606, जो, 6वीं मंजिल, इमारत सं, फ्लैंट नं. "गायत्री", वर्सोवा गायत्री को-ऑप. हार्जीसंग सोसाइटी लि०, प्रताप सोसाइटी के सामने, जे. पी. रोड़, अंधेरी बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कर्म के दुष्यमान प्रतिकल के लिये अतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्रीमती लक्ष्मीबाई के. ग्वालानी । (अंतरक)
- 2. श्री जगजीत सिंह डी. अनेजा और श्रीमती परमजीत कौर जे. अनेजा ैं(अंतरिती)
- 3. अन्तरितियों ग्रांर उनके परिवार (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति, शिसके बारे में अबोहरताक्षरी भागता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पृत्रोखित सम्पत्ति के तर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेप :--

> (क) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी

अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वो कता व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस मुचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन मो किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"पलैट नं. 606, जो, 6वीं मंजिल, "गायत्नी" इमारत, वर्सीवा गायत्नी को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., जे. पी. रोड़, प्रताप सोसाइटी के सामने, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37 ईई/10025/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारोख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref No. AR-II]37EE]10025]84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 606, Gayatri, Versova Gayatri Co-op. Housing Society, Ltd., J. P. Road, Opp : Pratap Society, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Smt. Laxmibai Kanhaiyyalal Gwalani (Transferor)
- 2. Shri Jagjit Singh D. Arneja Smt. Paramjit Kaur J. Arneja (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice o nhe respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1606, Gayatri, Versova Gayatri Co-op. Iousing Society Ltd., Opp.: Pratap Society, Andheri West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the ompetent Authority, Bombay under Serial No. R-II|37EE|10025|84-85 dated 16-8-1984

rated: 8-4-1985

eal:

Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9935/84-85:—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमे इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 100000/- क. मे अधिक है और जिसकी फ्लैंट नं. 303, जो, 3री मंजिल, मनिष गाउंन जे-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. "बी" विंग, बंगलीज, जे. पी रोड, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख

के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बंबई में रिजम्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यया पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है .—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

कत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- श्री दौलतराय शिवलाल, और श्री कमल दौलतराय,श्री हेमंत दौलतराय (एच.यू.एफ) (अन्तरक)
- 2. डॉ. (श्रीमती) प्रमिला विनायक केंकरे और श्री विनायक वसंत केंकरे। (अन्तरिती)
- (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (बह क्यक्ति जिसके बारे में अधोहश्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पृत्रोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किमी जन्य ध्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: च्हासमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

"फ्लैंट नं. 303, जो, 3री मंजिल, मनिष गार्डन को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि., 'बी'' विंग, 4 बंगलौज, जे. पी. रोड, अधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ. सं. 2/37ईई/9935/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्ट इंकिया गया है।

तारीख: 8/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9935|84-85,—Whereas, 1. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 303, 3rd Floor, Manish Garden Housig Society Limted, Ή, Co-op. Ĵ. P. Four Bunglows, Road, Andheri (West), Bombay-400 058 (and more fully describe I in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and Thave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Dolatrai Shivlal, Mr. Kamal Dolatrai and Hemani Dolatrai (HUF) (Transferor)
- Dr. (Mrs.) Paramila Vinayak Kenkre and & Mr. Vinayak Vasant Kenkre (Transferee)
- 3. (Persons in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned know sto be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, (3rd Floor, Manish Garden Co-ou. Housing Society Ltd., 'B' Wing, Four Bunglows, J. P. Road, Andheri (West), Bombay-400 058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9935|84-85 dated 10-8-1984.

Dated: 8-4-1985

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10028/84-85:--अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात, "उक्त अधिनियम कहा गया है) कि धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- म. से अधिक है और जिस की पर्लंट नं. 1, जो, ग्राउंड प्लोर, इमारत नं. 1, झकारिया आघाडी नगर नं. । को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., गुलमोहर गार्डन्स, यारी रोड, वर्सोवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूधी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रें है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरंक के टायित्स में कमी करने या उससे बचने मे सिवधा के लिए और/या (ख) ऐसे किसी जाग या किसी धन या कन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नित्थित व्यक्तियों अधीत्:—

- श्रीमती मुमताज मुख्ताक गेंख। (अन्तरक)
- 2. श्री अब्दल रणीद गार्ड और पमेला डिसिल्बा। (अन्तरिती)
- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पिति है)
- 4. --(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
 है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हा। जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (स) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णत लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"पलैट नं. 1, जो, प्राउंड फलोर, इमारत नं. 1, झकारिया आघाडी नगर नं. 1 को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., गुलमोहर गार्डन्स, यारी रोड, वर्मीवा, अंधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/10028/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 8/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

Ref. No AR-II 37EE 10028 84-85. Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Comptent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing : Flat No. 1, Ground Floor, Building No. 1 Zakaria Aghadi Nagar No. 1, Co-op Hsg., Society Limited, Gulmohar Gardens, Yari Road, Bombay-61 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered and the afigreement is 269AB registered under section Income-tax Act, 1961_{-} in the Office Authority Competent at Bombay 16-8-1984 for an apparen consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the lair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Mrs. Mumtaz Mustaque Shaikh (Transferor)
- 2. 1. Mr. Abdul Rashid Guard,
- 2. Pamela D'Silva (Transferec)
- (Persons in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette. or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Building No. 1, Zakaria Aghadi Nagar No. 1, Co-op Housing Society Limited, Gulmohar Gardens Yari Road, Bombay-400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE, 10028 | 84-85 dated 16 | 8 | 1984.

Dated: 8th April, 1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37⁵ई/8752/84-85:---अत[.] मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिस को मं. पलैट नं. 301, जो, स्कायवालकर अपार्टमेंटम, हिरानंदानी इस्टेट ऑशिवरा, अपना घर के पीछे, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कल के अधीन, सक्षम क्षयोलय र जिस्टर्ड प्राधिकारी: कें बम्बई तारीख 1-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भन्य में कम के दृष्यमान प्रतिक्रल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पर्वोक्त सम्पर्तन कः बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अवस्ति। (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिक्षल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से काँथत नहीं किया गया है ·---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 को 43) वो अधीन कर देने के अन्तरक कें दार्थिन्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्मियों की जिन्हें भारतीय आरंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए 166 GI/85—34

अतः अब उन्नतः अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नालिखन व्यक्तियों अर्थात् :—

- 🧜 । मैसर्न अपेर्वस कल्स्ट्रक्शान्स । (अन्त रक्ष)
 - 2. श्री राफेल थॉटटन। (अन्तरिती)
 - 3. अन्तरकों

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ---

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वहु सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेत्र '—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारी ख से 45 दिन की अवधि, या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एाम लिस्कित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमुची

"फ्लैंट नं. 301, जो, स्कायवालकर अपार्टमेंट्स. हिरा-नंदानी डम्टेंट, ओणिवरा, अपना घर के पीछे. अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क. सं. अई-2/37 ईई/8752/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, ब्रम्बई द्वारा दिनाक 1-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 8/4/1985

मोहर:

(जो लागु न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|8752|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 301, Skywalker Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Behind Apna Ghar, Andheri (West), Bombay-58 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has

1

been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. M/s. Apex Constructions, (Transferred)
- 2. Mr. Raphael Thottan (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette. or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, Skywalker Apartments, Hiranandani Estate, Oshiwara, Behind Apna Ghar, Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE.|8752|84-85 dated 1-8-1984.

Dated: 8th April, 1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

तिर्देश मं. अई-2/37-ईई/9067/84-85:---अतः मुझे, लक्ष्मण दास, अत्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को धारा 269-घ के अबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 100000/- म. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 604, जो "लव कुण" हिल सो को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., बोरा देसाई रोड, अंबेरी (प), बम्बई, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम को धारा 269-कन्न के अधीन संक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में र्राज्स्टई है, तारोख 9-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृष्य-मान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विग्व।सं करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजीर मूल्य उसके दुष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रति-फ़ल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरितो (यों) के बोच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वियम में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अप या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविधा के लिए

अतः अब उका अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उर धारा (1) के बधीन, निमालिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्रीमती चंद्रा जेथानंद लालक नी । (अन्तरकः)

- 2. श्रीमती शितू एल. गहानी और श्रा लाल-चंद जे. गहाना। ' (अन्तरिती)
- 3 अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ----

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम्भ करता हा। अक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि, या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के णाम निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस् अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

"फ्लैंट न. 604, जो, "लय कृण", हिल मी की-ऑप. मोसाइटी, वारा देसाई रोड, अधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूचो जैसा कि क स. अई-2/37ईई/9067/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारा, वस्त्रई, द्वारा दिनाक 9-8-1984 को रिशन्टई किया गया है।

मारीख: 8-4-198**5**

मोहर:

(जोलाग न हो उसे काट डोजि*ये*)

Ref. No. AR-II|37EE.|9067|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 604, Luv Kush, Hill Sea Co-operative Society, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay or 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Smt, Chandra Jethanand Lalwani,

(Transferor)

- 2. Smt. Gita L. Shahani and Shri Lalchand J. Shahani (Transferce)
- 3. -

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 604, Luv Kush, Hill Sea Co operative Society, Veera Desai Road, Andheri (West), Bombay-40058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II| 37EE. 9067 84-85 dated 9-8-1984.

Dated: 8th April, 1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण **सं० अई-2/37-ईई 9780/84-85 :--** अन मुझे, लक्ष्मण दास, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात् "उवत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-य के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 100 000/- र० मे ग्राधिक है और जिसकी सं० फ्लेट न , 2, जो 3री मजिल, इसारत नं 2, झकारीयप ग्रघाटी को-श्राप हाउसिंग सोसाइटी लि. यारी रोड. वर्सोवा, बम्बई-61 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनम्ची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख, 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मुल्य में कम के दृष्यमान प्रनिफल के लिये श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दुष्यमान प्रतिफल से ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (को) और अतरिती (को) के बीच ऐसे अतरण के लिए पर पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेशय उक्त अतरण लिखित से वास्तविक रूप से कथित नी किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भाग्तीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्निन्थिन व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. नझरग्रली गुलामग्रली मुख्दानी । (ग्रन्तरक)
- 2. सुभाष बाबू हेजमाडी । (ग्रन्तरिती)
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. -(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है,
कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृतींकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्रकारताहा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि. या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त ब्यं किंग्यों में से किसी ब्यंक्टि द्वारा।

(क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण . इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्च :

"फलेट न . 2, जो, 3री मजिल इमारत, नं . 2, झकारीया ग्रवाडी को-ग्राप . हाउसिंग सोसाइटी लि . , यारी रोड, वर्सोवा, बम्बई-61 में स्थित है।

प्रनुमूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/9780/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टडं किया गया है।

नाराख: 8-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|9780|84-85. -Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 2, 3rd Floor, Zakharia Agadi Co-op. Housing Society Limited, Versova, Bombay-400058 (and more fully described in Schodule approved horsets) has Schedule annexed hereto), been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- 1. Nazarali Gulamani Mardani (Transferor)
- 2. Subhash Babu Hejmady (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, 3rd Floor, Zakaria Agadi Co-operative Housing Society Limited No. 1, Versova, Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 9780|84-85 dated 10-8-1984.

Dated: 8th April, 1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

स . श्रई—2/37ईई/10036/84-85:-- श्रतः निर्देण मुझे लक्ष्मण दास, भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त ग्रिधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100000/- रू. से ग्रधिक है और जिसकी सं. फ्लेट न. 303, जो, 3री मंजिल, इमारत होम कॉर्ट, प्लॉट नं 336,एस. नं. 41 (अग), 4बंगलोज, वर्सीवा, अंधेरी (प) बम्बई - 58में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और िसका करारनामा आयकर अधिनियम को धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिक रो के कार्यालय बम्बई, में रिजम्दो है तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिक्रल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार न्ह्य उसके दुश्यमान प्रतिफ़ल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफ़ल के पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरितो (यो) के बोच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरितीं द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 369-ग के अनु-सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 369-ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- मैसर्स लाखंडवाला प्रिमायसेस (म्रन्तरक)
 प्रायवेट लि.।
- 2. श्रीमर्तः मधु अगरवाल । (म्रन्तरिती)
 - (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - 4. -- मैसर्स ऑशिवरा लेन्ड डेम्ल्पमेंट कंपनी (प्रावेयट) लि॰ (वह व्यक्ति शिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्णवाहियां श्रूष्ट करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस मूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध िकमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 303, जो 3 री मंजिल, इमारत होम कोर्ट, फ्लॉट न 336, एस. नं० 41 (अंग), बंगलीज धर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि ऋ० सं.श्यर्ह-2/37ईई/10036/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टडें किया गया है।

तारीख: 6-4-1985

मोहर:

(जो ल।गून हो उमें क।ट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10036|84-85.---Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'(, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing No. Flat No. 303, 3rd Floor, Home Versova, Court Bldg. Bungalows, Bombay-400058, Andheri (West) and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—-

- 1, M]s. Lokhaudwala Premises Pvt. Ltd.; (Transferor)
- 2. Smt. Madhu Agarwal (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. M|s. Oshiwara Land Devp. Co. (Pvt.) Ltd. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Part), 4 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bomaby 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II 37EE. 10036 84-85 on 16-8-1984.

1 2 5 .

Dated . 6th April, 1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स . श्रर्व-2/ 37-ईई/ 10032/ 84-85.-- श्रत मुझे, लक्ष्मण दास, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात, "उक्त प्राधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 100000/- क. से अधिक है और जिसकी स. फ्लेट न. 1809, जो, क्ष्वो मंजिल, इमारत मैंग्नम टावर्स प्लाँट न . 357, एस नं . 41 (अंभ), 4 बंगलोज, बर्सीवा, अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है (और इसमे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधि-नियम की धारा 269 कखा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तर्शेख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पात का बाजार मृल्य उसके द्यमान प्रतिकल से ऐसे द्यमान प्रति-फ़ल के पंद्रह प्रतिगत में अधिक हैं और अंतरक (कों) और अंतरितो (यों) के बोच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तावक रूप में काथेत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किमी अय या किमी धन या अन्ये आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 33) या धन-कर अधिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नाविखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- मैसमं लोखंडवाला स्टेट्स एण्ड (श्रन्तरक)
 डेव्हलोपमेंट कंपनी प्रायवेट लिमिटेड ।
- मास्टर सैयद मशहरूद्दीन और (प्रन्तरितं)
 श्रीमतो प्रविदा बेग्म।

3. --

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

मैसमें अभिवारा लेन्ड डेब्सलोपमैट कंपनी प्रावेट लि०।
 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है,
 कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्णवाहियां शास्त्र करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

(क) इन्हें भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गृजना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अओहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लेट नं. 1809, जो, 18वी मंजिल, इमारत मैक्नम टावर्म, प्लॉट नं 357, एसनं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (प), बबर्म्ड-58 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि क. सं. अई 2/37-ईई/10032/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनांक 16-8-1984 को रिजस्टई किया गया है।

तारोख : 6-4-1985

मोहर:

(जो सागू न हो उसे काट दाजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10032|84-85.-Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 1809, 18th Floor, Magnum Towers, Bungalows, Versova, Andheri Bombay-400058 (and more fully describin the Schedule annexed hereto), been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notive

(अन्तरक)

under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

- 1. M/s. Lokhandwala Estates & Devp. Co. Pvt. Ltd., (Transferee)
- 2. Master Seiyad Mazaharuddın and Smt. Abida Begum (Transferce) (Person in occupation of the property)
- 4. M|s. Oshiwara Land Devp. Co (Pvt.) Ltd.; (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1809, 18th Floor, Magnum Towers Building, Plot No. 357, S. No. 41 (Part) 4 Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE.|10032|84-85 on 16-8-1984.

Dated: 6th April, 1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई -2/37-ईई/993/84-85.--अत: मक्षे, लक्षमण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुसे अधिक है और जिसकी सं. (फ्लैंट नं. 17 नार्थ-ईस्ट साईड , जो 5वी मंजिल, मार्था पैलैंस, प्लाट बेअरिंग सी. टी॰ एस. नं. 385/बी, जय भवानीमाता भागें, आफ सिसर रोड, अंबोली, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है) और इसमें उपाबद्ध अनुमूची में और पुर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारमामा आयकर अधिनियम की घारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के क(र्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,तारीख 10-8-1984 को पुर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफ़ल के लिये अन्तरित की गई है और मझे *यह* विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्तिका बाजार मृहय प्रमुके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह

प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरितो (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) मा ध्र-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए

बत: अब उका अधिनियम की धारा 269% के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उद धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- मैसर्स गिरीराज कन्स्ट्रवशन्स
- 2. कुमारी अनीता मोंटेंगे (अन्तरिती)
- 3. -

(वह ध्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

4. ---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अघोहस्ताक्षरो जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20के में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

"पर्लंट नं. 17, जो (नार्थ-ईस्ट साइड), 5वीं मंजिल मार्था पैलेस प्लांट बेऑरंग सी०टी०एस० नं. 385/बी, जय भवानीमाता मार्ग, आफ सिसर रोड, अंबोली-अंधेरी (पं), बम्बई में स्थित है। अनुमूची जैसाकि क॰सं. अई-2/37 ईई/9934 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

तारोख: 10-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दोनिये)

Ref. No. AR-U|37EE.|9934|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bear mg No. Flat No. 17 (North-East side), 5th Fl. Martha Palace, Jai Bhawanimata Marg. Off. Ceaser Road, Amboli, Andheri (W), Bombay 100058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. M/s. Giriraj Constructions (Transferor)

2. Miss Anita Montexiro (Transferee)

3.

(Persons in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of 166 Gt/85-35

the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notige in the Official Gazette.

Explination: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 17 (North-East side), 5th Floor, Martha Palace, Plot bearing CTS No. 385|B, Jai Bhawanimata Marg, Off. Ceasor Road, Amboli-Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 9934|84-85 on 10-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9953/84-85--अत : मुझे लक्ष्मणदास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभ्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मृल्य 100000/-रु मे अधिक है और जिसकी सं. फर्लेट नं. 203 जो, 3 री मंजलि इमारत होम कोर्ट, प्लाट नं. 336 एस नं. 41 (अंश), 4 बंगलोज, वसीवा, अंधेरी (पं) बम्बई-58 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और से पूर्ण स्य वर्णित ੜੇ) जिसका करारनामा अधिनियम आयकर को धारा 269 में, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. वस्वर्ड में रजीस्दी है, नारोख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य उसके दृष्यभःन प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की शब्त, आयकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें इचने में मिविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्त्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अप्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 41) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में विवाध की लिए

अतः अब उका उधिनियम की धारा 269ग के अन्यरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप **धारा (1) के अधीन,** निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात् :— मैंसर्स लोखंडवाला प्रिमायसेस प्रायवेंट लि. 1 (अन्तरक)

2. श्री कौशिक कांतीलाल शाहा। (अन्तरिती)

3

 मैसर्स ओणियवरा लैंन्ड डैंन्हलोपमेंट कंपनी (प्रायवेट लि.)
 (वह व्यक्ति, िसफे बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्तित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क्ष) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन् सूची

"फलट नं. 203, जो, 2 री मंजिल, इमारत होम नेाड् कार्ड प्लाट नं. 336 एस नं. 41 (अंश), बंगलोज, वर्सोवा, अंधेरी (पं) बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-2/37 ईई/9953/84-85. जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है ।.

तारोख: 10-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9953/84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a Fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 203, 3rd Floor. Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Pt.) Four Bunglaws. Versova, Andheri (W), Bombay 400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which lave not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. M|s. Lokhandwala Premises Private Limited (Transferor)
- 2. Shri Kaushik Kantilal Shah (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. M/s. Oshiwara Land Devp. Co. Pvt. Ltd., (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 203, 3rd Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 19953 84-85 on 10-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable.

निर्देश मं. अई .-2/37-ईई/9933/84-85 --- अत: मुझे लक्ष्मणदास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इससे इसके पश्चातृ "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण हे कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100000/⊸ रु०से अधिक है और जिसकी स. फलैंट न. 7 (साउथ) जो 3री मंजिल, "अल्फोन" प्लाट बेअरीय सी. टी. एस. नं० 406, भवानीमाता मार्ग, सिसर रोड, अंधेरी (पं) बम्बई-58 निर्माणा-धिन इमारन में स्थिति है) (ऑर इससे उपाबद्ध अन्यूची में और पूर्ण क्ष स और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम का धारा 269 स, ख के अधीन सक्षम प्राधिक रा के कार्यालय, बस्बई में रजास्ट्रा है, तारीख 10-8-1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बा । र मुल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विम्वास करने का करण है कि यंशापृत्रीतन । सम्पत्ति का बाजीर मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल स ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पट्टह प्रतिणत से अधिक है और अनरक (कों) और अंतरितो (या) के बाब ऐसेअंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उयत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किनी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत अब उक्त अभितियम की धारा 269म के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थान :—

मैयर्स गिरीराज आसोसिएट्स। (अन्तरक)

2. अन्योनी गाड्गित । (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, सिसके अधियोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके प्रवीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूष्ट करना हां। उक्त रूपित के अर्जन के संबंध में कोई भी आओप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर लूचना की नामील से 30 दिन की उविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा !
- (स) इस गुजरा के राजपण में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध

किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाम निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20कं में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

"फलैंट नं. 7 (साउथ) जो, 3 री मंजिल "अल्फोन" प्लाट बेअरींग सी टी एस नं. 406, भवानीमाता मार्ग, सिसर रोड़ अंधेरी (पं) बम्बई-58 में स्थित है। निर्माणाधीन इमारत)

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-2/37/ईई 9933/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 10-8-84 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 6-4-1985

मोहर :

(जो लाग न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|9933|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mark at value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 7 (South), 3rd Floor, "ALPHONE" Bhawanimata Marg, Ceasor Road, 400058 Bombay (and fully described in the Schedule appexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '—

1. Mls. Giriraj Associates

(Transferor)

2. Anthony Rodricks

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7 (South), 3rd Floor "ALPHONE" Plot bearing CTS No. 406, Bhawanimata Marg, Ccasar Road, Andheri (W), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II] 37EE. 9933 84-85 on 10-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/9937/84-85 .--अत: मझे लक्ष्मणदास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु० से अधिक है और जिसकी सं. युनिट नं. 30/के जो, ग्राऊंड फ्लोर, लक्ष्मी इंडस्ट्रि-यल इस्टेट, न्यू लिंक रोड़, एक्सटेंशन, अंधेरी (प), बम्बई-58 है मॅ स्थित (और इससे उपबाद्ध अनुसूची में वर्णित पूर्ण से स्प जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यभान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृण्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्त, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सविधा के लिए और/या

(स) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उक्त अभिनियम की भारा 269ए के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की भारा 269ग की उए धारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. मैसर्म लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट । (अन्तरक)
- 2. श्री विजयमिह मथुरादास पालिचा श्री जितेन्द्र जयराम संपत्त एच यू एफ (और श्री नेनसी जयराम संपत्त एच. यू एफ) (अन्तरिती)

3. —

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

4. --

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृष्ट करता हो। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (क्) इस मूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की लारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट नं. 30/के. जो ग्राउंड फ्लोर, लक्ष्मी इंडस्ट्रियल इस्टेट न्यू लिंक रोड एक्सटेंगन, अंधेरी (प.), बम्बई-58 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क्रम सं. अई-2/37ईई/9937/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-84 को रिजस्टडं किया गया है।

तारीख 6/4/1985

मोहर :

(जो लागून हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II|37EE|9937|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having

a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Unit No. 30|K, Ground Floor Laxmi Indl., Estate, New Link Road Extension Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Mls. Laxmi Industrial Estate (Transferor)
- Shri Vijaysingh Matburadas Palicha, Jitendra Jayram Sampat (H.U.F.) and Shri Nensi Jasram Sampat (H.U.F.)

(Transferee)

3. (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 30|K, Ground Floor, Laxmi Industrial Estate, New Link Road Extension, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 9937 84-85 on 10-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं, अर्ह-2/37-ईई/10033/84-85.--अतः : आयकर अधिनियम, मसं, लक्ष्मणदास, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चान् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 100000/- मृत से अधिक है और जिसकी सं फ्लेंट न. 1810, जो 18 वी मजिल, इभारत मग्नम टावर्स प्लाट न. एस. न. 41 (अश) 4, अगलोज, वर्सीवा, अंधेरी (प) बम्बई-58 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है. तारीख 16-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है आर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रति-णत से अधिक है और अनरक (को) और अंतरिती (यों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उददेश्य में उनत अन्तरण लिखित में बाम्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मूबिधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी जाय या किसी अन या अन्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अर-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिनिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिंच्छा के लिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निक्ति व्यक्तियों अर्थात् .—

- मैसर्स लोखडवाला इस्टेटस एण्ड डैब्ह्लोपमेट कंपनी
 प्रायवेट लि० (अन्तरक)
 - श्री सैयद ख्याजा मुईनूहीन और श्रीमती अबिदा बैगम (अन्तरिती)
 - (बहु क्विन जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)
 - 4. मैसम ओशिवरा लैंन्ड इँब्हलोपमेट कंपनी (प्रायबेट) लि.

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्नाक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यशहिया क्ष करना हू। उक्त रम्पत्ति के अर्जन के संबंध

में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखिन में किए जा सकेंगे।

स्पर्धंकरण : इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आधवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लॅंट न. 1801, जो 18वी मंजिल, इमारत मग्नम टावर्स प्लाट न. 357 एस न. 41 (अश) 4, बगलोज, वसोंवा अधेरी (प) बम्बई-58में स्थित है।

अनुसूची जैसािक कम स. अई-2/37 ईई /10033/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारोख: 6-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10033|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mark at value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 1810, 18th Floor, Magnum Towers Bldg; Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay-400058 (and more fully described in the Schehas been transferred dule annexed hereto), under section and the agreement is registered 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. M|s. Lokhan wala Esates & Devp. Co. Pvt. Ltd., (Transferor)
- 2. Mr. Saiyad Khawaja Moinuddin, and Smt. Abida Begum (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. M_{|s}. Oshiwara Land Devp. Co. (Pvt.) Ltd., (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1810, 18th Floor, Magnum Towers Building Plot No. 357, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova, Andheri (West), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE. 110033 [84-85 on 16-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9983/84-85:- अतः मुझे लक्ष्मण दान, आय र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इन्में इसके पश्चात् "उन्न अधिनियम" गृहा गया है) की घारा 269 घ के जंबोन सभप प्राधिकारी को यह विश्वास करने ना रिंग है ि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित याजार मूल्य 100,000/- रु. में अधि है और जिसकी सं. पलट नं. 12-ए, जो. ए-1नो मंजिल, बो-ब्ला हिर्मल आनंद को-आप हाउगि सोनाइटी लि., प्लाट नं. 107सी, नवरंग सिनेमा के सामने, जे. पी. रोड, अधेरी (प), वस्वई-58 में स्थित है (और इससे उपाव इ अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की घारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्वई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से किथा नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण में हई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने मो सुविधा के लिए और/या
- (स) एसे किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को निन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) या धन-तर अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविभा के लिए ।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित ब्बितयों अर्थान:—

1. एम . संजीवा शेट्टी (अन्तर:)

2. श्री इंद्रवदन पोत्रटलाल शहा और श्री भरत पोयटलाल शहा . . . (अन्तरिती)

3. --

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोकिन सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्न स्थातर समात्ति में हित इद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पाम लिक्नि में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनम्ची

"फलैंट नं 12-ए, 1ती मंजिय, वी- ब्लाय, निर्मेल आनंद को० ऑप. हाउनिय सी पहटी लि , प्याट नं. 107मा, नक्षरी पिनेचा के अभने, जयत्र एए रोड. अंबेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। अनुसूची जैमा ि क. सं. आई-2/37ईई/9983/84-85 आर जो सक्षम प्राधिकारा, बम्बई द्वारा दिनाई 13-8-1984 को रजीस्टर्ड िया गया है।

तारीख: 6-4-1985.

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|9983|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 12-A, 1st Fl. B-Block, Nirmal Anand CHSL., Opp. Navrang Cinema, J. P. Road, Bombay 400058 (and more fully described in the Scheannexed hereto), has been transferred and agreement is registered under 269AB of the Income--tax Act, 1961, in the 13-8-19984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent considuation and that the con-ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Mr. M. Sanjeeva Shetty (Transferor)
- 2. Mr. Indravadan Popatlal Shah, and Mr. Bharat Popatlal Shah (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12-A, 1st Floor, B-Block, Nirmal Anand Co-op Housing Society Ltd., Plot No. 107-C, Navrang Cinema, J.P. Road, Andheri (West), Bombay 400058,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE 9983 84-85 on 13-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. जर्द--2/37 ईई/8829/84-85:-अतः मुझे लक्ष्मण दास आग्रार अधिनियम 1961 (1961 🕆 43) (जिं इसमे दपके पण्चात् "उकः अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधि गरी को यह जिण्लाम रापने ता प्रारण है ि स्थावर सम्पति, जिस्ता उचित बाजार मल्य 100,000/ - म. में अबिए हे और जिमकी सं. फलैंड नं. 405, जो, 4थी मंजिल, इमायन नं. ए० 20, अपना घर यिनट नं ५ को० ऑप, हाउगिंग मोभाष्टी लि. ओणिवरा श्री स्थामी समर्थ नगर आफ जे. पी. रोड, अधेरी (प),बम्बर्ध-58. में स्थित है (और इससे उपाबड़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप में बर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्टी है, तारीख 2-8-1981 को पूर्वीक सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्पत्ति का बाजार मल्य उसके द्रष्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रष्यभान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक(का) और अतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अनरण लिखिन मे वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की ताबत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्द्र मों करी करने या उससे बचने से सबिधा के लिए और/गा
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 ता 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रतीजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उर धारा (1) के अधीन, निम्मतिज्ञित व्यक्तियों अधीत् :—

- 1. भैसर्स समर्थ डेव्हलापमेंट ारपोरंणन । (अन्तर्य)
- 2. जगदीण मीमा अयर। (अन्तरिती)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ---

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोचन सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम् करता हो। उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के संबंधा में कोई भी आर्थन :—

- (क) इस मचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्मंबंधी व्यक्तियों एर सचना की तामील 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स.) इस स्वता के राजपत्र मो प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उद्युत स्थानर सम्पत्ति मों हिनबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एास निक्ति मो किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण .—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमुची

फ्लैट नं 405, जा, 4थी मंतित, इमारा नं. ए 20 जाना घर गूनिट नं. 5 की० ऑन० हार्जीन सो नइटी लि., आशिपण, श्री स्थामी समर्थ नगर आफ जे पी. रोड, 4 बंगलों के सामन, अधेरी, (प), बम्बडें∼58 में स्थित है।

अनुमूची जैता ि कम सं. अई-2/37 ईई/8829/ 84-85 और जो सक्षम प्राधितारी बम्बई द्वारा दितार 2/8/1984 का रिजन्टर्ड जिया गया है।

तारीख: 6-4-1985.

मोहर:

(जो लागु न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|18829'84-85.--Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 100,000 and hearing Flat No. 405, 4th Fl. Bldg, A-20, Apna Ghar Unit No. 5 CHSL., Oshiwara, Shree Swami Samarth Nagar, Off J.P. Road, Andheri (W), Bombay-58 (and more fully described in the annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under 269AB section the Income-tax Act, 1961, Ιn

Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. M|s. Samarth Development Corporation (Transferor)
- 2. Shri Jagdish Soma Ayyar (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 405, 4th Floor, Building No. A-20, Apna Ghar Unit No. 5 Co-operative Housing Society Ltd., Oshiwara Shree Swami Samarth Nagar, Off. J. P. Road, Andheri (W), Bombay 400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE.|8829|84-85 on 2-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं, अई-2/37ईई/10007/84-85 अनः म्झै लक्ष्मण दाव, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 २७ ४३) (जिले, इसमें इसके पण्यात "उवत अधिनियम" कहा गया है) की धारा घ के अधीन सक्षम प्राधितारी का, यह विश्वास ारने प पारण है ि स्थावर समाति जिसा। उचित बाजार मत्य 100,000/- क. ने अधि है और निप्ती सं. फलैंट नं. 704, जो, 7वीं मंजिय, हम्नी ए इमारत, प्याट नं. 343, एव. नं. 41(अंग), 4 बंगलोग, अमेंबा, अंबेरी (प) बम्बई 58 में स्थित ÷ (और इमसे उपाबद्ध और पर्णरूप से वर्णित है), और जिसका अनुसची मे करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टई है तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/ अंतरकों और अंतरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफात. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्त्रविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, अध्यकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में म्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्सियों की फिन्हें भारतीय आयह र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या मन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा की लिए

अत अब उटा अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, में उक्त अभिनियम की धारा 269र की उप धारा (1) के अधी।, निमालिसिन व्यक्तियों अधीत '—

श्री/श्रीमती/कुमारी — मैपर्स लेखंडत्राला प्रिमायसस्य वि. । (अन्तरक)

श्री/श्रीमती/कुमारी :--श्री ए. आर एस. चावला (अस्तरिती)

· · · GI/85---36

श्री/श्रीमती/कृमारी ---

(बह व्यक्ति, जिल । अधिभोग में सम्पन्ति है)

मैपसं अर्शणवना लैण्ड

डेब्न-भेट कंपनी (प्राडवेट) लि.

(वह ज्यक्ति जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुचना जारी करके पृत्रोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करना हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेत्र.—

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि. या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस में 45 दिल के भीतर उक्त स्थागर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी जन्य ब्यक्ति द्वारा अधीहम्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फलैंट नं 704, जो. 7वीं मंत्रिल हरमनी ए इमारत, शाट नं 343, एस. नं. 41 (अंश), 4 बंगली त. क्सींबा, अंधेरी (प), बम्बई \sim 58 में स्थित है।

अनुमूची जैपा ि क. मं. अई-II/37हर्ड/10007/ 84-85 और जो सक्षम प्राधि:ारी बम्बर्ड द्वारा दिनांछ 14-1-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 6-4-1985

मोहर :

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II]37EE[10007|84-85.-Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 704, 7th Floor, Harmani-A Building, Plot No. 343, S. No. 41 (Pt.), Four Bunglows, Veersova Andheri (W), Bombay-400058 (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. M|s. Lokhandwala |Premises Private Ltd.,

(Transferor)

2. Shri A. R. S. Chawla (Transferee) (Person in occupation of the property)

3.

4. M|s, Oshiwara Land Development Company Pvt. Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 704, 7th Floor, Harmani-A Building, Plot No. 343, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Versova Andheri (West), Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE 10007|84-85 on 14-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

Seal

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं० अई-11/37-ईई/9939/84-85 :--- यतः मुझे नक्ष्मण दान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन इनने इनह पण्वान् "उनन अधिनियम" बाहा गया है) क अबीन. मक्षम ्र 6 9 घ प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 रू० फ्लैंट नं० जें/101, जो, में अधिक है और जिसकी अपार्टमेटम, हिरानंदानी इस्टेट, मे स्थित है (और अंधेरी (प), बम्बई, उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णम्प में वर्णित है) जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. रजिस्टर्ड है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रति-फल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में चास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुविधा के लिए और ⁷या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या उत्त्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिजियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिजियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अनुसरण भे, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269र की उर धारा (1) के अधीन, निमालिक्ति व्यक्तियों अर्थात् —

1. मैसमं हिरानदानी बिल्डसं (अन्तरक)

2. रेगीना, ए० भेठी (अन्तरिती)

3. अस्परकों

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह मूचना जारी कारके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :—

> (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

सूचमा की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस मूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एास लिखित में किए जा सकेंगे.

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हो, वही अर्थ हागा जो उस अध्याय म दिया गया हो।

अन्सची

पर्लंट न० जे/101, जो, ज्यूपिटर अपार्टमेटम, हिरानंदानी इस्टेट, ओणविरा, अंधेरी(प), वस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसािक ऋ०म० अई-II/37ईई)9939/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है ।

तारीख: 6-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II[37EE]9939[84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. J 101, Jupiter Apartments, Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedele annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Hirchandam Builders (Iransteror)
- 2. Regina A. Shethi (Transferce)
- Transferor (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J[101, Jupiter Apartments, Hinchandani Estate, Oshriwara, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II1 37EE 19939 184-85 on 10-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निदम सं० अई-11/37ईई/10062/84-85:---यत: मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की घारा 269घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ हु० से अधिक है और जिसका फ्लैट न० 203, जो, दसरी मंजिल, हिरानंदानी इस्टेट, अपनाघर गोछे, ओशिवरा. अंधेरी (प) , स्थित है और इसस अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है,

तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्मित्त के अचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (को) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफत, निम्तिलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में स्विधा के लिए और/ए।
- (ल) ऐसे किसी आग या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अभीन, निम्निक्षित व्यक्तियों अर्थात् —

- मैसर्म अपेक्स कन्स्ट्रक्शन्स (अन्तरक)
- 2. श्री ए० डिसोझा, और श्रीमती, मरीया डिसोझा (अंतरिली)
- 3. अन्तरको

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह क्यक्ति, जिसक बारे में अघोहस्ताकारी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाचित रुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृष्ट करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध भी कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि, टा तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा।
- (स्) इस मूचना को राजपण मो प्रकाशन की तारीक्ष कं 45 दिन को भीतर उक्त स्थापर सम्भत्ति मो हितक ब्र िक्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निक्ति मो किए जा गकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जां आयकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय से दिया गया है।

अनुमूची

"फ्लैट नं० 203 जो, २री मंजिल, हिरानंदानी इस्टेट, अपनाघर के पोछे, ओशिवरा, अंधेरी(प), बम्बई में स्थित है।"

अनुमूची जैसाकि ऋ०स० अई-II/37ईई/10062/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टडं किया गया है । -

Ref. No. AR-II|37EE|10062|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 203, 2nd Fl. Hirachandani Estate, Be-Oshiwara, Andheri (W), hing Apna Ghar. more fully described Bombay (and in Schedule annexed hereto), has been transferred is registered under section the agreement 269AB of the Income-tax Act, 1961, in Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- i M|s. Appex Constructions (Transferor).
- 2. Shri A. D'Souza, and Smt. Maria D'Souza (Transferee)
- 3. Transferer.

 (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 203, 2nd Floor, Hirchandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II] 37EE. |10062|84-85 on 17-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

Scal.

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं० अई-II/37ईई/9938/84-85 :---अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- क० से अधिक है और जिसका फ्लैंट नं० 501, जो, बी-विंग, स्कायवलकर, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंधेरी (प) बम्बई, में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और मेवर्णित है) और जिसका करारनामा अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य मे कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिगत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की शबत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे इचने में सुविधा के लिए और/या (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिस व्यक्तियों अर्थात् :---

- मैससं अपेक्स कन्स्ट्रक्यन्स । (अन्तरक)
- 2. जगल्लाथा बाबू, और श्रीमती, सुनीता जगन्नाथा। (अंतरिती)
- 3. अंतरकों (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. (बह व्यक्ति जिसके बारे में अम्रोहस्ताक्षरी जानता है की बह सम्पत्ति में हिलबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पृत्रोकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्णवाहियां शक्क करता हूं। उच्चत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:—

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की नामील में 30 दिन की अविधि, ओ भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो अध्ययकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस्य अध्याय में दिया गया है।

अनस्वी

"क्लैट त० 501/बी-विंग, जो, स्कायक्लकर, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंग्रेरी (प), बन्धर्ड में स्थित हैं।"

अनुसूची जैसाकि क०सं० अई-II/37ईई/9938/84485 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा विमांक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

सारीख: 6-4-1985 ।

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 501, B-Wing, Skywalkar Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apprarent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-(a) facilitating the reduction or evasion of the

Ref. No. AR-II|37EE.|9938|84-85.-Whereas, I,

Laxman Das, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Apex Constructions (Transferor)
- 2. Mr. Jagganattha Babu and Smt. Sunita Jagannatha (Transferce).
- Transferer (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 501, B-Wing, Skywałker Hirachandani Estate, Oshiwara Andheri (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II 37EE. 19938 84-85 on 10-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable).

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/10109/84-85:-- अनः मुझे, लक्ष्मण दाप, आय. ए अधितियम, 1961 (1961 ला 43) (जिसे इयमे इयके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विभवास करने हम लगरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसान उचित बाजार मूल्य (100,000/-- रु. से अधिक है और फ्लैंट नं. 3, जो, बिग-बी, 4वी मंजिल, श्री पदमावती डेव्हले पर, प्लांट नं. 54, एस. नं. 41 (अंग), ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है. (औ इससे उपाबद्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, अम्बई मे रजिस्टुई है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे ग्रह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अन्तरिनी(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उनमें दचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उद धारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों अर्थात्:—

मैसर्स श्री पदमाबतो डेव्हलेपर्स

(अन्दर्ध)

श्री भरत राजकुमार आनंद और
 श्रीमती स्तेत्रला राजकपार आनंद

(अन्तरिती)

श्रीमती स्नेह्लता राजकुमार आनंद।

(वह व्यक्ति जिसकें अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.----

(यह व्यक्ति, जिनके बारे में अबॉहर गक्षरी जानता है ि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वी क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यश्राहियां ग्रुष्ट करता हूँ। उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जब्धि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा।
- (स) इस सृषदा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेगे।

स्पन्दीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यूची

"फ्लैंट नं. 3, जो, विग-बी, 4थी मंजील, श्री पदमावती डेक्सेपर, फ्लैंट नं. 54, एस. नं. 41 (अंग), ओशिवरा, अंग्रेरी (प), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अई-2/37ईई/10109/ 84-85 और जो सक्षन प्राधि गरी बस्बई द्वारा दिनाक 18-8-1984 की रिजस्टर्ड रिया गना है।

ृनारीखाः 6~4—1985

्मोहर:

(जो लागून हो उस भाट रीजिये।)

Ref. No. AR-II[37EE, 10109]84-85. Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 3, 4th Floor, B-Wing, Shree Padmawati Developers, Oshiwara, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Ins trument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Shree Padmavati Developers (Transferor)
 - 2. Shri Bharat Rajkumar Anand and Smt. Snchlata Rajkumar Anand (Transferee)
 - 3. ——— (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

- notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, Wing-B, 4th Floor, Shree Padmawati Developer, Plot No. 54, S. No. 41 (Part), Oshiwara, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE. |10109|84-85 on 18-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10115/84-85 : --अन्: मझे, लक्ष्मण दास, आयः र अधिनियम, 1961 (1961 दा 43) (जिस इसमे इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन समक्ष प्राधि तने की यह विश्वास रापने का भारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 क. से अधिक है और जिपकी सं. द्वान नं. 10, जो, निर्मला आ गर्टेमेंटस. ग्राऊंड फ्लोर, वर्गोता रोड, अधेरो(प), बम्बई 161 में स्थित है (और इसमे उक्तबढ़ अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका कर।रनामा अत्यकर अधिनियम की धारा 269 कब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रई है तरोख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये अत्तरित को गई है और मसे यह विकास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्यक्तिका उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अतरितो (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया भया प्रतिफल पिम्नलिखिन उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शब्द, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मिश्रधा के लिए और/श
- (स) ऐसे किसी अग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आदकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (19**57 का** 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में Section 26913 1961) (herein

अत: अब उक्त अभिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मौ उन्त अभिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निर्मित व्यक्तियों अधीन: —

- श्री अल्फान्सी डिसोझा और (अन्तर्रहर)
 श्रीमतो तेनी प्रम्।
- श्री शिशन अमर खन्ता श्रीर (अन्तरिती)
 श्री सीहन नाप अर्शनदास विजन।
 - .-- (बह् ब्यक्ति जिगरें अधिभोग में गम्पत्ति हैं) (बह ज्यक्ति, जिसके बारे से अधोहरूताअगी जाना है की बह सम्पत्ति में हिनबद्ध हैं)

को यह म्हना हारी करके पृत्वीं क्य सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यकाहिया श्रुष्ट करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि, या तत्यंबंधी व्यक्तियों पर मूचना को नामील 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त हानी हा, के भीतर पूर्व कित स्थिकारों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस यचरा को राजपत्र में प्रकाशन की नारील है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिलबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के णस निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित ही, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय मा दिया गया ही।

अन्म ची

"दुकान नं 10. जो. निर्मला अपार्टसेट्स, ग्राउंड फ्लोर. बर्मोबा रोड. अधेरी (प), बम्बई-61 में स्थित है।

अनुमर्चा जैसा कि के सं अर्ड--2/37ईई/10115/84-85 और जो सक्षम प्राधिनारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रिजिन्टर्ड निया गया है।

नारीख : 6-4-1985

मोहर:

(को लागू न हा उसे काट दीजियें)

Ref. No. AR-II|37EF.|10115-84-85.—Whoreas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under 166 G1/85-37

Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing Shop No. 10, Nirmala Apts Ground Floor, Versova Road, Andheri (W), Bombay 400061 and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mr Altinso D'Souza and Smt. Leni Prabhu (Transferor)
- 2. Shri Kishan Amar Khanna and Shri Sohanlal Arjundas Vijan. (Transferce)
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever ever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Versova Andheri, Bombay 400061.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|10115|84-85 on 18-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9942/84-85:-- अनः मुझी, लक्षमण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिस इसमें इसके पण्चात, "उक्त अधिनियम" इहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास अरने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिप ा उवित बाजार मूल्य 1,00,000 ह. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. एम/508, जो, मर्कयुरी अपार्टमेंट्य, हिरानं रानी इस्टेंट, अपना घर के पीछे, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है) (और इसमे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका बरान्यामा आयकर अधिनियम की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्टर्ड है तारीख 10/8/1984 को पूर्वीक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और भुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दुष्यभान प्रतिफल से ऐसे दुष्यमान प्रतिफल पंद्रह प्रतिभान से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिविधा की लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्निचिक्त व्यक्तियों अधीत; :--

मससँ हिरानंदानी बिल्डमें ।

(अन्भरः)

2. श्री पी. रघनाथन।

(अन्तरिती)

 अंतरिकों (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाहिया शूरू करता हूं। उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिश्व में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ग्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क्ष) इस स्वता के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

"पर्लंट नं. एम/508, जो, मक्ंगुरो अपार्टवेंट्स, हिरा-नंदानी इस्टेट, अपनाघर के पीछे, ऑजिया, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि क. मं. अई--2/37ईई/9942/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां है 10-8-1984 को रजिस्टई दिया गया है।

तारीख: 6-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दी जिए।)

Ref. No. AR-II[37EE]9942[84-85.---Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. M[508, Mercury Apartments, Hirachandani Estate, Behind Apna Ghar Oshiwara Bombay and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1 M/s. Hirchandani Builders (Transferor)
- 2. Shri P. Raghunathan (Transferce).
- 3. Iransferor,

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

- the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. M|508, Mercury Apartments, Hirachandani Estate, Behind Apna Ghar, Oshiwara, Andheri (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II1 37EE 9942 84-85 on 10-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable).

निवंशा सं. अई-2/37/ईई/9943/84-85.--अतः मुझे लक्ष्मग दास आयकर आधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसक पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारा की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्त जिसका बजार मूल्य 1,00,000/- ह. से आधिक है और जिसकी सं० फ्लैंट न. जे 601, जो, अनार्टमेटम, हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अंग्रेरी (प). बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमुषी में और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करास्तामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के ज़बीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टुई है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मल्य से कम के दुष्यमान अतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दुष्यमान प्रतिकल से ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिनी (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से इक्त अंतरण र्लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायितन में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/आ
- (स) ऐसे किमी आय या किमी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ असारिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने मा स्विधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण, माँ, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269व की उप धारा (1) के पर्धात, निम्मतिस्थित व्यक्तियों अर्थात् .—

मेसम हिरानदानी विल्डमं

(भ्रन्तरक)

2 मुनील गोपाल खन्ना

(भ्रन्तरिती)

त. अन्दरको

(यह व्यक्ति,
जिसके अधिभाग

में सम्पत्ति हैं)

(प्रह व्यक्ति,
जिसके आर्टि से
अधोहस्ताक्षरा
जानता है, कि

हिनबद्ध है)

का यह मूचना जारी करके पूर्वा क्रिंग सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिए। शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षर .—

- (क) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविश्वि. या तत्मंबंधी व्यक्तिया पर गृचना की मामील में 30 दिन की जबिध, जो भी अविश्व बाद मा समाप्त होती हा, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति झारा।
- (क) इस सचरा के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति माँ हिनक्छ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिमिन मा किए जा सकेंगि।

स्पष्टीकरण .—हसमा प्रयूक्त कब्दो और पदो का जो अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मची

क्लैट सं. 601, जो, उधुपिटर श्रपार्टमेंटस,हिरानंदानी इस्टेट, ओशिवरा, अधेरी (प), बम्बर्ड में स्थित है।

अनुभूको जीमाकि ए० ५० भई-2/37-ईई/9943/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

मारीस: 6/4/1985

भौहर:

(जो लागुन हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II,37EE.]9943[84-85.—Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act 1961 (43) of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. J 601, Jupiter Apartments, Hirchandam Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M.s. Hirchandam Builders (Transferor)
- 2. Mr. Sunil Gopal Khanna (Transferee)
- 3. Fransferor (Person in occupation of the property)
- 4. —
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHI DULE

Flat No. J.601, Jupiter Apartments, Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri (West), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II 37-EF 9943[84-85] on 10 8 1984.

Dated: 6-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देण ग्रई-2/37-ईई/9941/81-85 -- प्रत मुझे लक्ष्मण दास, ग्रायकर ग्राधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके दसके पण्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ वे अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100 000 र से ग्राधिक ह और जिसकी स फ्लंट न एम/205 जा, सक्यंरी श्रपा-र्टमेटम, हिरानदानी इस्टेट ओशिवरा अधेरी बस्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में बर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम वी धारा 269 कम्म के अर्धान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजम्हर्ड हे तार्शेख 10-8-1981 का पूर्विक सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझ यह विश्वास करन का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल स ऐसे दृष्यमान प्रतिफल क पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (को) और अतरिती (यो) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य स उक्त अतरण लिखित में वास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण संहर्ष्ट किसी आयं की दाबत. आयंकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सिवधा के लिए और/या
- (म) ऐसे किसी अन या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयवर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1967 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सर्विधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्भरण मा, मी उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उग भारा (1) के अभीत, निमालिकित व्यक्तियों अर्थाना —

- १ मैसर्स हिरानदानी विल्डमं (अन्तरक)
- अभि चेतन बी जनेराय और श्याम बी. (अन्त(रती) उनेराय
- अन्तरकों
 (बह ब्यक्ति जिगक अधिभाग में सम्प्रित है)
- ·I -----

(वह रुपित जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

का यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहित्य राष्ट्र करना हू । उक्त सम्पत्ति के अजन के संवध म कोई भी आक्षप .—

- (क) इस स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की सारीस में 45 दिन की अविधि, या तत्मवधी व्यक्तियों पर राचना की नामील स 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हा, के भीतर पर्वाकत व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मूचरा को राजपन्न में प्रकाशन की नारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस लिफिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .—इसमो प्रयुक्त शब्दा और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क म परिभाषित हो, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय म दिया गया हो।

अनुम्ची

"पर्नैट न. एम $\sqrt{205}$, जा, मक्येरी अपार्टमेंट्स, हिरा-नदानी डम्टेंट, ओणिवरा, अधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्रम संख्या अई-2/37 ईई/9941/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनाक 10-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

नारीख: 6-1-1985

माहर:

(जो नागु न ही उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II 37EE, 9941 84-85.—Whereas, L. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and beating Flat No. M(205, Mercury Apartments, Hirchandam Estate Oshiwara, Andheri, Bombay (W) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquirition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M_Is, Hirchandam Builders (Transferor)
- 2. Shri Chetan B. Oberoi, and Shri Shyan B. Oberoi (Transferee)
- 3. Transferor (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the understanted knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. M₁205, Mercuty Apartments, Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by he Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE. 9941 84-85 on 10-3-1984.

Dated: 6-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण स० अई-2/37- ईई/9910/84-85 :---अत. मझे लक्ष्मण दास आपवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चान् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की घारा 269 घ के अधीन राक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर समरन्ति जिसा उचित बाजार मृत्य 100,000/-रु० में अधिक है (और जिसका पूर्वट नं० जे/401 ए. जो, ज्यपिटर अपार्टमेट्स हिरानंदागी इस्टेट, श्रीणिवरा, अंधेरी (ए) बम्बई में स्थित है) (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण मप से बर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रिकस्टर्ड है, तारीख 10-8-1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के बुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पद्वह प्रतिक्षत अधिक हे और अंतरक (को) और अंतरिसी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अंतरण लिखित मे बास्तिबिक म्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण म हुई किया आग की शब्दा, आग्रकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अजीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने मा महिषा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आत या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में राविधा की लिए

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269य के अन्सरण में, में उदन अधिनियम की धारा 269म की उर धारा (1) के अधीन, निम्मित्सिक त्यिक्तियों अर्थान,

हिरानंदानी विरुद्धं

(भ्रन्तरक)

2 श्राणकांत गोपात खन्ना

(ग्रन्तरिती)

3 अस्तरक

(बह व्यक्ति जिसके अधिभाग मे सम्पत्ति है)

4. ---

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है कि बह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह गणना जारी करके पृश्वेक्ति रम्पत्ति की अर्जन के निए कार्रवाहियों श्रम्भ करता है। उक्त रम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षण :—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि, या नत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत प्रवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उवत स्थानर सम्मित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास व्यक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण: — इसमे प्रश्कत शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

"क्वं ट सं. जे/401 ए, जो, ज्युपिटर श्रपार्टमेंटस, हिरा— संदानी इस्टेंट, ओशिवरा, अंधेरी (प), बम्बई में स्थित है।

श्रनसूची जैसा की क.सं. श्रह-2/37ईई/9940/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 10-8-1984 को रजीस्टई किया गया है।

तारीख: 6-1-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|9940|84-85.--Mhereas. I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act 1961 (43) of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market kalue exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. J'401, Jupiter Apartments, Hirchandani Estate, Oshiwara, Andheri (W), Bombay (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of : -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Hirachandani Builders (Transferor)

2. Shashikant Gopal Khanna (Transferee)

Transferor • (Person in occupation of the property)

4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. J/401, Jupiter Apartments. Hirchandani Estate Oshiwara, Andheri (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE. 19940 84-85 on 10-8-1984.

Dated: 6-4-1985.

SEAL:

Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ग्रई-2/37ईई/10145/84-85.-- ग्रनः मझे, लक्ष्मण दास. ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्क्ष ग्राधिनियम" कहा गया है) की धारा घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी वो, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 100.000/-स. मे अधिक है और ेजसकी सं. क्लैंट नं. 402, जा.4थी संजिल,होस कोर्ट इमारत, प्लाट नं. 336, एस. नं 41 (अश). 4 बंगलोज, बसंत्रिा, अंधेरी (अ), बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम 196। की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्टी है नारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृत्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य जसके दृण्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और के बीच ऐसे अनुरण अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने में मृतिथा के लिए, और/या
- (ख) ऐसे किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिस्हें भारतीय अयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में गविधा के लिए

खात अब उयत अभिनियम की नारा 269म क अन्सरण मा, मी उक्त अभिनियम की धारा 269म ती उप धारा (1) को अभीन, निम्नित्यिक व्यक्तियों अभीत्.—

- मैसर्स लाखडवाला प्रिमायनेस प्रायवेट लि. । (ग्रन्तरक)
- थ्री टी के मिथा अंग्यीमती माया मिथा। (ग्रन्तिती)
- 3. अन्तरिनी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 मैसर्स श्रोणिवरा लैंग्ड डेव्हतापसेट कपनी (प्रा०) लिंग ।
 (बह स्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्यक्ति में हितबद्ध है)

को यह सचना जारी करके पर्नोक्त सम्पन्ति की अर्जन को लिए कार्यवाहियां शक् करना हा। उक्त सम्पन्ति को अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अवस्थि, या तन्सवधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर प्रबंकित व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मुचरा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक के 45 दिन के भीतर उक्ष्य स्थावर सम्पत्ति में हिनझ इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के एम निक्ति में किए जा सकी सं।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो ।

अन्मची

"फ्लैंट न 402 जो. 4थी मंजिल, होम कोर्ट इमारत, प्लाट न. 336 एस न 41 (अण), 4 बगलोज, थर्मींबा, अंधेरी(प् बस्बई-58 में स्थित है।

धनुमूची जैमा की क.सं. सर्ह-2/37 है है /10145/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाँक 18-8-1984 की रजीस्टई किया गया है

सारीख: 6-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो इसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EF, 10145-84-85. -Whereas, I, Layman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 cf 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and hearing Flat No. 402, 4th Floor, Home Court Budding, Plot No. 336, S. No. 24 (Pt), Four Bunglows, Andheri (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M's. Lokhandwala Premise, Private Ltd., (Transferor)
- 2 Shri T. K. Mishra and Smt. Maya Mishra (Transtcree)
- (Person in occupation of the property)
- 4. Ms. Oshiwara Land Development Co. (Pvt.) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of 166 G1 85-38

- the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 402, 4th Floor, Home Court Building, Plot No. 336, S. No. 41 (Part), Four Bunglows, Andheri (West) Bombay-400058.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37121, 10145-84-85 on 18-8-1984.

Dated: 6-4~1985.

 $S\Gamma AL$

(Strike off where not applicable).

निर्देश स. अर्ट-2/37-5**र्ट**/4085/84-85---अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चान, "इक्न अधिनियम" कहा गया है) की भ्रापा 269म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं यनिट न बी 117 पहली मंजिल हिंद मौराप्टा इंग्डॉन्ट्यल इस्टेट अधेरी कर्ला रोड अधेरी (पुरुष), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपाबद अनगुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है नारीख 1.4/8/1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापुर्वीक सम्पत्ति का बाजार मल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे द्रष्यमान प्रतिकता के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निर्मालिखन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्दा, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व मा कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/धा
- (स) ऐसे कियी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

र्शाधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सिविं की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नतिस्ति व्यक्तियों अर्थात्ः --

- मैंसर्स आश्विन प्लास्टिक कार्पोरेगन। (अंतरक)
- 2. मैसर्स शाह प्लास्टिक एंड इंजीनियरिंग वर्क्स (अंतरिती)

3. --

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को गह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूष्ट करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की प्रामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर प्वांकित व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति हारा।
- (%) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में, हिनबद्ध किसी अन्य ज्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार्र लिस्ति में किए जा सकेसे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

यूनिट बी/117 जो पहली मंजिल, हिंद सौराष्ट्रा इंड-स्ट्रियल इस्टेंट, अंधेरी, कुर्ला रोड, अंधेरी (पूरव), बम्बई-69 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. सं. अई-2/37ईई/9085/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE/9085/84-85.--Whereas, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 'Said Act'), 1961) (hereinafter referred to as the have reason to believe that the immovable proce y, having a fair market value exceeding Rs. 100 000 and bearing Unit No. 8 117, 1st floor, Hind Saureshtra Kurla Andheri Industrial, Read. Andheri (E) Bombay-59, more fully described (and Schedule annexed hereto), been transferred and the agreements is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bom ay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Ashwin Plastic Corporation (Transferor)
- 2. M|s. Shah Plastic & Engineering Works (Transferee)
- 3. Transferee

(Person in occupation of the property)

4. Hind Saurashtra Indl. Estate

(Person whom the undersigned knews to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. B|117, 1st Floor, Hind Saurashtra Industical Catalo, Andheri Kurla, Andheri (E) Bombay-59.

The agreement has been registered by the Comptent Authority, Bombay under Schal No. AR-II| 3/11-19085184-85, dated 14-8-1984

Dided 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

अर्द-2/37-ईई/1015 1/84-85--अत मुझे, न नग दार, आपक्रण अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (ति इस्ते इस्ते पश्चान "उक्त अधिनियम" कहा गया है) को बाग 269 घ के अधोन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 100000/- रु स अधिक है और जिसकी स फ्लैंट न 10, पर्भवः दणन, आण्ड नागरदास रोड, अवेरी (पूरव), तम्बर्द, से स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और गण रूप में विणित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम वर धारा 269 कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याक्य बम्बई में रजीस्ट्रें है, तार्राख 1-8-1984 को विशेष सम्पति के अचित बाजार मुल्य में कम के दुरामा। प्रीका ते विकासित की गई है और मुझे पह जिल्लान करने वा रारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति दा बाजार ग्रंथ उसके दुश्यमान प्रतिकत से ऐसे दशकान प्रतिफन के पढ़ह प्रतिणन से ग्राधिक है और अंतरक(को) और अनरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखिन उद्देशय मे उक्न अंतरण निखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है .---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्य में कमी करने या उससे बचने में मिवधा के लिए और/या
- (म) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिस्हें भारतीय आयतर अधिनियम, 1922 (1922 क. 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1981 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्विधा के लिए

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269ग के अनुमरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों अर्थास् —

- 1 श्रीमती पी जे. शाह और केतन कुमार जे णाह (अतरक)
- श्रामती वी एव. खाटर और ।
 श्री हुकूमराज एव. खाटर (अतिरिती)

3. --

(वह ब्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति ह)

 (यह क्विंक्त जिन्न बारे म अधाहरताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति म हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त रूम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रम् करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गर्बंध मों कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हां, के भीनर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ल) इस म्चना के राजएक में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भौतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितक द विज्ञी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए का सकेंगे।

रपप्टोकरण .— इसमे प्रयुक्त शब्दा और पद्मों का जो सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अग्सृची

फ्लैट न 10 जो पसंवा दर्शन, ओल्ड नागरदास रोड, अधेरी (पूरब), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/10154/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 12-4-1985

मोहर :

(तो सागृनहों उपे दाट दीजिये)

Ref. No. AR-IJ 37EE. 10154-84-85.—Whereas, L. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. 10, Perswa Darshan, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income ansing from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 2691° of the said Act to the following persons, namely:

- 1. Mrs. P. J. Shah & Shri Ketankumar J. Shah (Transferor)
- 2. Mrs. V. H. Khanter, Shri Hukumraj H. Khanter (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 10, Parswa Darshan, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EL 10154[84-85, dated 1-8-1984.

Dated 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देण म. अई-2/37-ईई/9949/84-85.---अत. मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात ''उक्त अधिनियम'' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्याम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 100000/- रु. से अधिक हे और जिसकी सं. पर्लैट न. 1. जी, ग्राउड फ्लोर पूष्प का-आप हार्जागग सोसाइटी लि., टी. पी. एस. 2, 22 लिकिंग रोड एक्सटेशन पलिस स्टेशन के सामने, साताकृत (प). बस्बई-इय में स्थित है)। अीर् इमन उपावद अनु मर्च । ੜੇ) अं∤र जिसका करारनामा ग्रधिनियम की धारा 269-कस के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारी**ख** 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संस्पत्ति का बाजार मत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में श्रधिक है और अनरक (को) और अंतरिनी(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरना के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में मुबिधा के लिए; और/ या
- (ख) ऐसं/ किसी अाय या किसी धन या अत्य आस्तियों की, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या विधा जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए.

अत अब उका अधिनियम की धारा 269र के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269श की उन्धारन (1) के अधीन, निमालिकिन व्यक्तियों अर्थाता —

- श्रीमती वि. पिटो, 2 श्री जोसेफ पिटो
 और 3 नोर्सन पिटो। (अतरक)
- त. सालाउद्दीन जे काझी, ओर 2. अलीम्बीन झेड. शंखा (अलिरिता)
- 3 ... (घह व्यक्ति जिस्से अधिमोन से सम्मन्ति है)
- 4. **
 (बह व्यक्ति जिपके चारे में अधा-हर गक्षरी जानना है, की वह सम्मन्ति में हित्बद्ध है)

को यह मण्ना जारी करके पत्रोचित सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूम करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षंप —

- (क) इस सचना के राजपण में प्रकाशन की सारीय में 45 दिन की अर्थाथ. या नन्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की नामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त हानी हा, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा '
- (क) इस सचना के राजपत्र में एकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उद्योग स्थातर सम्पत्ति मा हिनक इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षीहरूसाक्षरी के पाम लिकित में किए जा सकेसे।

स्पर्णाकरण : — इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधितियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैट नं. 1. जो, ग्राऊड फ्लोर पृष्प को-आप. हाउमिंग सोमाहर्टी लि., टी पी एम 2, 22, लिकिंग रोड एक्सटेंशन, पुलिस स्टेशन के सामने सांताकूज (प), अम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की क. स अई-2 37ईई/9919/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी यम्बई द्वारा दिनाक 10-8-1981 को रजिस्टई किया गया है।

नाराख: 12-4-1985

मोहर '

(जो लागू न हो उस काट दीजिये)।

Ref. No. AR-II|37EF. 9949|84-85,---Whereas, 1, Laxmun Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 o (hereinafter referred to as the 'Said A 1) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Pushpa Co-Op. Hos. Soc. Ltd., IPS-II, 22 Linking Road, Police Station. Santacruz (W) Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mrs. Valdumira Pinto & Others (Transferor)
- 2. Mr. Salauddin J. Kazi & Others (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Pxplanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the 'ame meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Pushpa Co-Op. Hos Soc. Ltd., TPS-H, 22 Linking Road, Extn. Opp. Pelice Station, Santacruz (West), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EF 9949[84-85, dated 10-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देग म अई-2/37-ईई/10041/84-85 ---अन मझे लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त शिवितियम" कहा गया है की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विण्वास करने का कारण है। कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार। मुल्य 100000 - र में अधिक है और जिसकी स पत्नैटन, 4, पहली मजि : पियेना, प्लाटन ३४०, श्रद्धानन्द रोड, जिलेपार्ले पुरव बम्बई में स्थिन है) और इससे उपावड़ अन्सूची में और पर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनासा आयकर श्रधिनियम की धारा 269कख के अधीन प्राधिकारी के कार्यालय बस्वई में रिजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोत्त सम्पत्ति के उतित बाजार मृत्य से क्स के दश्यमान प्रतिफार के निए प्रस्तरित की गई है जीन मझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वाकत सम्पत्नि का बाजार मस्य उसके दृश्यभान प्रतिफल से ऐसे दृश्यभान प्रति-फल वे पड़ह प्रतिशत से श्रधिव है और और अतरिर्ता(यो) के बीच एस असरण के नग पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से प्रवत अतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया \$.---

- (क) उत्तरण से हुई किसी आए की शाकत, आयकर आधि-निएम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्स मा कमी करन या उससे बचने मा सुविधा के लिए, और/एग
- (म) ऐसे किसी आय भा किसी भन या अन्य आस्तियों का जिन्हा भारतीय आयक्तर अनिस्थिम 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अभिरासिका, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी हरा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिलाने में म्थिता के लिए ;

अत अब उदा अधिनियम की धारा 269म के अन्मरण में, मैं उत्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन रिम्मतिस्ति व्यक्तियो अर्थात .--

- श्री हरिनाई ओ चावडा और (अनगड) जपाबेन हरिभाई चावडा
- मैसर्व उदय करतकता कानी (क्लिपा)
- ः --(तहस्यक्तिजित्ते अधिभोगः सम्पत्तिः है)

को पह स्थान जारी करके पृत्रोधित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया युग्न करना हा। उत्तन सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस रचना के राजात्र मों प्रकाशन की लागीन से 45 दिन की अभीच, या तत्संबंधी न्यित्नयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हां, के भीनर पूर्वों कत न्यत्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (य) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उद्देग स्थावर सम्मान में हिमबद्ध कियी वन्य व्यक्ति द्वारा अबोहरगाक्षारी के णाम गिष्वित में किए पा मकेगे।

रपण्डी हरण — इनसे प्रयक्ष थव्यों और पदों का, जो आयदार जीधिनिण्म, 1961 (1961 वा 42) के राष्ण्य 20क में परिभाषित है वही अर्थ होंगा जो सम अध्याय में दिया गया हो।

अनुसुची

पलैट नं. 4, जो पहली मजिल, पियेना प्लाट न 340 श्रद्धानद रोट, विलेपार्ले (पुण्य), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37/ईई/10041/84-85 और जो सक्षम प्रश्चिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रिजस्टई किया गया है।

दिनांक : 12-4-1935

मोट्ट

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE. 10041/84-35.—Whereas, I, LANKAR DAS, being the Competent Authority under section 209B of the Income-tax Act 1961 (43 or 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act)', have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 100,000]and bearing Flat No. 4, 1st Floor, Piena, Plot No. 340, Shradianand Rd. Vile Parle (L) Bombay. (and more tully described in the Schedule annexed hereto), has been arm deried and the agreement is registered under servon 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8 1984 for an apparent consideration which is le, than the fair market value of the afore aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent con ideration therefore by more than fifteen per cem of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the aid Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforestid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Haribhai O. Chawda & Jayaben H. Chawda (Transferor)
- 2. Uday Construction Co. (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned know, to be interested in the property)
- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
 - (b) he any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Oficial Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHFDULE

Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. Prema Plot No. 340, Shardhanand Road, Extension, Vile Parle (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE. 10041 84-85, dared 10-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. श्राई-2/37ईई/10269/81-85 :- श्रत भने। लक्ष्मण दास श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 दम 43) (जि: इ.में इर्ने पण्चात् "उक्त प्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वाम रुपने या लाएम है कि स्थावर सम्पति, जिससा उचित बाजार, मन्य 100000/- ह. संग्रिधि है और जिपकी सं. फ्लैंट नं 17-ए, जो: इल्को श्रार्केड, 46, दिल रोड, बांद्रा बम्बई-50, में स्थित है (अंदि इस्। उपाबद्ध प्रमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्टी है, तारीख 24-8-1984 को ∤र्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दश्य-मान प्रतिफल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उददेश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप सेकथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किमी अय या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयटार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयळा अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिक्यिम, 1957 (1957 का 27) के प्रोक्तार्थ अन्तरियों के प्राक्ति नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने म स्विधा के लिए क

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उप धारा (1) के अधीन, निमालिक्ति व्यक्तियों अर्थात् —

श्रीमती वेरोनिया पाल। (ग्रन्तरह)

2 श्री जेकब मी. परेरा । (श्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

(बह व्यक्ति, जिसके जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पन्ति में हितबछ है)

को यह सचना जारी करके प्रवेचिन सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां इक्त करता हो। उक्त सम्पत्ति की अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की अविधि, या तत्मवंधी व्यक्तियों पर रूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पृष्ठां कर व्यक्तियों में में किसी व्यक्तित दुवारा;
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण : इसमे प्रयुक्त गव्दो और पदों का, जो आयहार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं. वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

"फ्लैट नं. 17-ए, जो, इस्को प्रार्केड, 46, हिल भोड, बांबा, अम्बर्ड-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा की ऋभ मं. ऋई-2/37ईई/10269/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनां " 24/8/1984 को रजस्टिई जिया गया है।

सारीच: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. N. AR II 37F1, 10269 84-85. -Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 17-A, Eleo Axcade, 46, Hill B. mbay-50, Bandra, (and fully described in the Schedule anaexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the pattose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Mrs. Veronica Paul (Transferor)

2. Mr. Jacob C. Parrira (Transferce)

(Person in occupation of the property)

4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

4.

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 17-A, Elco Acrade, 46, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE. [10269]84-85, dated 24-08-1984.

Dated: 12-0-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

श्र^ई-2/37ईई/8809/84-85—श्रतः महो. नक्ष्मण दान, श्राय पर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्नात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन यक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का पारण है ि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से प्रधि है और जिसकी सं. फलैट नं 8, पहिली मिजिन, मिनाक्षी अनार्टमेंट, मरोल, मरोशी रोड, ग्रन्धेरी (पूरव), बम्बई, मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनभूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसहा करारनामा भ्रायकर मधिनियम की धारा 269रुख के श्रदीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय. बम्बई मे रजिस्ट्रा है। तारीख 2-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का के कारण है कि यथापूर्वोतन सम्मन्ति का बाजार मृत्य, उस वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से ग्रुधिक है और अंतरक(को) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उब्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की शाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसे किसी बान या किसी धन या बन्य आस्तियों को जिन्हें भागीय गामकर अधिनिटम, 1922 (1922 का 11) या वण्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा 166 GI/85—39

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए गा, छिपाने में सिवधा के लिए ।

अतः अब उक्त श्रिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्नालिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. मेमर्स विरत जन्स्ट्रक्शन (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बिन्दी ग्रार. बेलानी और ग्रन्य (ग्रन्तरिती)
- (यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

—— (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को गह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्टित व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उवत स्थादर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) अं अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

फ्लैंट नं. 8, जो पहिली मंजिल, मिनाक्षी ग्रापार्टमेन्ट मरोल मरोशी रोड, श्रन्धेरी (पूरत्र), बम्बई में स्थिन है।

श्रनुसूची जैनाकि क.सं. ग्रई -2/37ईई/8809/84-85 और जो नक्षम प्राधितारी, बम्बई द्वारा दिनांत 02/08/1984 को रजीस्टर्ड िया ग्या है।

तारीख: 12/4/1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-Π|37ΕΕ.|8809|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 8, 1st Floor, Minakshi Apt., Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M/s. Virat Construction (Transferor)
- 2. Mrs. Bindi R. Belani & Others. (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, 1st Floor, Minakshi Apartment, Marol Maroshi Road, Village Marol, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II! 37EE[8809[84-85, dated 02-08-1984.

Dated: 12-04-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देग सं. ग्रई-2/37ईई/8980/84-85 .-- ग्रन. मुझे, लक्ष्मण दास, भ्रायहर भ्रधिनियम, 1961 (1961 वर्ग 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात "उक्त प्रधितिसम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिहारी को यह विश्वास करने का पारण है हि स्थावर संपत्ति, जिनहा उचित बाजार मृत्य 1,00,000/न र. ने ग्रधिष्ठ है (और जिसकी सं. युनिट नं. ए-60, दूररी मंझीत, नन्दिल्लीर इस्टेट, महाजाली केवन रोड, अन्धेरी (पूरब), बम्बई, में स्थित है (और इसने उराबंद ग्रनुम्ची में और पुर्ण 😸प से वर्णित है) और जिस .ग करारनामा प्रायक्य प्रधितियम की धारा 269 एवं के प्रधोन सक्षम प्राधि गरी के ार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्रो है नारीख 1-8-1984 की पूर्वीरन पम्पिटन के उचित बाजार मुल्य से वभ के मुल्य स कम दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह शिश्वास दारने हा जारण है जि यथापुर्वोक्त सम्पतिन का बाजार मुख्य उसके दुण्यमान प्रतिफल से ऐसे दुण्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिणत में प्रधित है और अंतरक (कों) और अंतरिसी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त्रविज्ञ रूप से विधित नही िया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक वं दारित्व में कमी करने या उसमे तचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसे किसी अय या किसी धन या उत्य आसिश्यों को जिन्हें भारतीय अध्यकर अधिनियम, 1922 (1922 क 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरित्ती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. चियाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उग धारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों अर्थात् —

1. मेसर्स वर्षा रभणलाल शाह् (भ्रन्तरक)

2. श्री रमेण यु. भेट्टी (श्रन्तिग्ती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

युनिट नं. ए-60, जो दूसरी मंझील, नन्दिश्मोर इण्डस्ट्रियन इस्टेट, महाकाली केंवज रोज, भ्रन्धेरी (पूरव) बम्बई-400093 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी कं मं. अई-2/37ईई/3980/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 01/08/1984 को रजीस्टर्ड किया या गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(भो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|8980|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent' Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing Unit No. A-60, 2nd Floor, Nandkishore Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), (and more fully described in the hereto), Schedule annexed has bee_{n} ferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mis. Varsha Ramanlal Shah (Transferor)
- 2. Shri Ramesh U. Shetty (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. A-60, 2nd Floor, Nandkishore Indl. Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay-400093.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II] 37EE[8980[84-85, dated 01-08-1984.

Dated: 12-04-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

तिर्देश सं. अई-2/37-ईई/9945/84-85,---अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयक्रर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसको परचात् "उक्त अधितियम" यहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधि गरीको यह विश्वात करने का धारण है हि स्थावर समाति, जिल्ला उचित बाजार मृत्य 1,000,00/- रु. से अधि ह है और जितकी सं. फ्लैंट नं. 2, बिल्डिंग नं., 21, तलमाला, रम्य जीवन को-ऑप. हा. सोगा. लि., महाःगली केवत रोड, अन्धेरी (पूरव), बम्बई-400093, में स्थित है (ओर इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम की घारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 12-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है ओर मृझे यह विश्वास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक (कों) और अंत-रिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थान: :—

- श्री एस. के. पदमानन्द (अन्तरक्)
- श्रीमती विजया डी. मृझुमदार (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्मित्त के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदा का ज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वं अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगस्ची

फ्लैट नं. 2, तलमाला, जो विल्डिंग नं. 21, रम्य जीवन को-आप. हार्ऊोन्ग मोपाइटी लिविटेड, महाजली केवज रोड, अन्धेरी (पूरव), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूचो जैसाति क. मं. अर्ड-2/37ईई/9945/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई ब्रारा दिनांक 12/08/1984 को रजीस्टर्ड जियागया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|9945|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 2, Bldg. No. 21, Ground Floor, Ramya Jeevan Co-op, Hos, Soc. Ltd. M. Caves Road, (E), Bombay (and fully described in the Schedule assexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tux Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12-8-1984 for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the atoresard property and I have ceason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- I. Mr. M. K. Padmanand (Transferor)
- 2. Mis. Vijaya D. Muzumdar (Transferce).
- 3. (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be

objections, if any, to the acquisition of the said

property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Bldg, No. 21, Flat No. 2, Ground Floor, Ramya Jeevan Co.Op. Hos. Society, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II 37EE, 19945 84-85, dated 12-08-1984.

Dated: 12-04-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश स अर्थ-2/37-ईई/10128/84-85. -- अन. मझे, सक्ष्मण दास, जायार अधिनियम, 1961 (1961 शा 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् "अका अधिनियम" एहा गया है) की धारा 269 घके अधीन तक्षम प्राधि गरी को यह विश्वास करने हा पारण है किस्थाना सम्मति, निषण उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-र. से अधिए है और जिसकी सं. युनिट नं. 304, निगरी मंजिल, माहिम इण्ड,,-इस्टेट, 571. मॉर्ग रोड, माहिम, बम्बई 400016, में स्थित है (और टरसे उपावड अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसारा करारनामा आयाज्य प्रधिनियम को धारा 269कख के अधान सक्षम प्राधिवासी के पार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री तारीख 18-8-1984 को पूर्वीस्त सम्पन्ति के उचित बाजार मुल्य से एम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई र्ह और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति ११ नाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतर (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबिक्ष रूप के जिथत नहीं किया गया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिक नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुख्या के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी अय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-जर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्विया के लिए।

वत अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अनुमरण में, में उवन अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नानिक्ति व्यक्तियों अर्थात् —

श्रीमती निजया हिरालाल श्रेठ ' (अन्तरक)

pare a r

2. मेप्तर्स जी. विणिन एण्ड सन्म

(अन्तरिती)

3.

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पति है)

4.

(वह व्यक्ति, जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूष करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चन की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया गया है।

उन मची

गाला नं. 304, जो तिगरी मंजील, माहिम इण्डस्ट्रियल इस्टेट, 571, मोरी रोड, माहिंग, बम्बई 400016 में स्थित है।

अनुसूची जैपाल क. सं. अई-2/37ईई/10128/8 4-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, वस्बई द्वारा दिनां र 18/08/1974 रिजस्टर्ड िया गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागु न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10128|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Gala No. 304, 3rd Floor, Mahim Indl. Estate, 571 Mori Road, Mahim, Bombay-16, (and more fully decribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con-ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the ollowing persons, namely:—

- 1. Mrs. Vijaya Hiralal Sheth (Transferor)
- 2. M/s. G. Vishin & Sons (Transferce)
- (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Cazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Gala No. 304, 3rd Floor, Mahim Industrial Estate, Mahim, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|10128|84-85 dated 18-08-1984.

Dated: 12th April, 1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई 10212/84-85.-- भन: मझे. लक्ष्मण वास, आभाग अधिस्थित, 1961 (1961 सा 43) (जिने इपमें इनके पश्चान् 'उका अधिनियम' .सा गया है) की धारा 209 घं ने अबों। क्षिम प्राधि गरी की यह रिष्ट्याप बरने हा राज्य है हि स्यावर यम्मिन, विवास द्विन बानार मुल्य 1,00,000/- र. में अधिए है ऑस्टिनिमा में जमीन, प्लाट नं. 93, टी. पी. एय. च्नीन, माहिस , बालगी विन्ददाप रोड, बम्बर्ड-400016, में स्थित है (जीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित जिसका करारनामा आयकर अधिनियम धारा 269-मुख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीम्ट्री है, तारीख 21-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुःयमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का बाजार मुख्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दूरयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरितीं (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निष्वित में वास्तविक एप मे कथित नहा किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 18) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिक में कमी करने या उसमें बचने के मृतिधा के लिए; और/बा
- (स्) ऐसे किगी उान या किमी धन या अन्य आस्तियं की जिन्हें भारतीय आपकार अधिनियम, 1922 (1932 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सविधा के लिए।

बतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269य के अनुसरण में, मैं उदह अधिनियम की धारा 269य की उप धारा (1) के अभीन निम्नालिस्ति व्यक्तियों अर्थातः —

- 1 श्रीमती सी. के. क्रपलानी और श्रीमती कीना नारी पलानी (अन्तरज)
- श्रीमती डॉ. अंजना अजी त्यानिया (अन्तिनी)

(बह ब्यक्ति, िसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

4.

(यह त्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह संस्कृति में हिनबद्ध है)

को यह म्चरा जारी करके पर्वोचन सम्पत्ति की अर्जन को जिए कार्यवाहिया शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मो कोई भी आक्षेप :—

> (क) इस सूचना के राज्यात मा प्रकाशन की तारीख से अह दिन की अवित्र या तत्संबंधी व्यक्तिया एर सचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी

अविभ बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वास्ति इपिकत्यों में से किसी स्यक्ति द्वारा ।

(क) इस म्चना के राजपण में प्रकाशन की नारीख में 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिस्नि में किए जा सकेंगे।

गण्डीकरण - इसमें प्रयुक्त कक्दी और पद्यों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनसची

जमीन, जो प्लाट नं. 93, टी.पी. एस. तीन, माहिम, बालगीतिन्ददास रोड, बम्बई-400016 में स्थित हैं।

अनुसूची जैमाकि क. मं. अई-2/37ईई/10212/84-85 ऑर जो भक्षम प्राधिसारी, बम्बई द्वारा दिनौत 21/08/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 12-4-1985

मोहर :

(जो लागून हो उसे काट दानिये)

Ref, No. AR-II/37EE./10212/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-fax Act 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Plot No. 93, TPS III, Mahin, Balgovindas Road, Rombay-400016 (and more fully desin the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (h) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquistion of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mrs. C. K. Kriplani and Smt. Lila Nari Kripalani (Transferor)
- 2. Mrs. Dr. Anjana Ajıt Tolia (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

4. -

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective perions whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Plot No. 93, TPS III, Mahim, Balgavindas Road, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II| 37EE|10212|84-85, dated 21-08-1984

Dated: 12-04-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देण सं अई-2/87-ई/8935ए/84-85 -- जत मुझे, राक्ष्मण दास, अग्रदण अधिनियम, 1961 (1961 टा 43) (जिसे इपसे एक्से पानाम् उता अधिनियम, 1961 (1961 टा 43) की धारा 269 घ के उजीन पक्षम प्राधिनारा को यह विण्ना करने ता रारण है जिल्लान सम्मित, निप प उजिला वाजार मूल्य 1,00,000/- र. स अधिल है और जिलकी स. फ्लैंट नं 707, आयमण्ड अत्रदेनेस्टन, रूपीत निप राड, धाराती, माहिम (पूरव), वम्बई-400017, मे स्थित है (तील इपो उपावद्ध अनुस्ची मे और पूर्ण रूप से वणिन है) और जिसका करारनामा आग्रकर अधिनियम की धारा 260 रख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, वम्बई में रजीस्ट्री है. नारीखात-8-1981 को प्रांस्त सम्मित के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्यान प्रतिकृत के निये अन्तरित की गई

है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार सूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकात रो अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के तीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप भे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की दानत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के दायिन में कमी करने या उम्में दचने में मुन्धि के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी अब या किसी अन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गयिधा के निए।

अत: अय उक्त श्रिभित्यम की धारा 260म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269य की उप धारा (1) के अधीन निम्नित्सित व्यक्तियों, अथीन — ा

- 1 श्री फहर्म्हीन एच. ताह्न्या (अन्तर्ह)
- 2. श्री लैंग मोहम्मद इन्मानली (अन्तरिती)
- अनारम
 (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पिति है।)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहम्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है।)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया कम करा हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध सो कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध, या तत्सबधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी ब्यक्ति द्वारा।
- (स) इस स्वता के राजपत्र भी प्रशासन की नारीक में 15 दिन के भीतर उक्त स्थादर गम्पत्ति में हितबढ़ किसी जन्म व्यक्ति हारा अनोहरनाधारी के णाम किल्ति में किए जा सकेंग ।

स्पटन हरण — इसमे प्रयक्त शब्दों और पदो का जो आगकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) व् अभ्याय २०क में परिभाषित है, वहा अर्थ होगा जो उस अध्याय भे दिया गया है।

4

अन्सची

पलट नं. 707, जो डारभण्ड अपार्टमेन्ट्स, जस्तेल मित रोड, धारावी, माहिम (पूरव), वस्वई-400017 मे स्थित है ।

अनुमूची जैनाकी क. सं. अडे-2/37हैई/8935-ग/84-95 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बहेहारा दिना: 04/08/1984 की रजीस्टर्ड । भागवा है।

तारीख: 92-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|8935-A|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 707, Diamond Apts., Jasmine Mill Road, Daravi, Bihim (È), Bombay-400017. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mr. Fakhruddin H. Takulla (Transferor)
- 2. Mr. Lais Mohammed Insanali (Transferee)
- 3. Transferor.

(Person in occupation of the property). 166 GI/85-40

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 707, Diamond Apts., Jasmine Mill Road, Dharavi, Mahim (E), Bombay-17.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II¹ 37EE, 8935-A¹84-85, dated 04-08-1984.

Dated: 12-04-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं . अई-2/37/ईई/10248/84-85: --अतः मझे . लक्ष्मग दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अजीत पक्षम प्राधिकारी की यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00 000/- रु. से अधिक है और जिस की सं. प्लैट नं.इ-43, पहली मंजिल, कुकन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि. पी. एन. कोटनीस मार्ग, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (और इसमे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 2.4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रनिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में व स्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हु**ई किसी आय की बाबत, आयकर अधि**-नियम, 1961 (1961 **का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक** के रायित्व में कमी करने या **अससे बचने में** स्विधा के लिए और ¹आ (स) एस किसी जान या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयक्षण अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या लागन्तर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 48) या ६८१-किर अिविनियम, 1957 (1967 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरियों ब्राना प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिथाने मा सिंधा के जिए

अत. अत अक्त जिल्लामिक की धारा 269र के वस्मरण मा, मी उक्त जिल्लामिक की धारा 269म की उद धारा (1) के अधीन, निम्नानिक्ति व्यक्तियों उभाग ~

- श्रीमती मध्तमी गुरेण सरमतकर
- (왕주주 * 주)
- 2. श्री रामचन्द्र मी, द्वारयागर

(अन्द्रांग्ला)

3.

4.

(वह व्यक्ति जिसके अधिमांग में सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हिनअउ है)

को रह सूचना पारी करवी पूर्वो बन सम्पत्ति की अर्जर की निग् कार्यवाहियां कम करता हा। उक्त समाति की अर्जन की समध् में कोई भी अक्षेप —

- (क) इस ग्चम को राजाब में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि, या तत्म्बंगी व्यक्तियों पर सच्चा की तामीत से 30 दिन की अवधि, जों भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, को भीतर प्रविधित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इव रचना के राजण्य में प्रकाशन की तारीख वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिन्ब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहरगण्यरी के एम लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आग्रजर अगिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभ्याय १०वर में परिभाषित हो, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिया गया हो।

अनुसची

"फ्लैंट नं र-43, जो पहली मंदिल, कुन्त को-ऑग-रेटिय ह फ्रिंग पोसाइटी लिखिटेड, पो एन कोटनीस मार्ग, माहिए बस्बर्ट-400016 में रिश्त ।

अनुम्च नैमः वि क मं अन् १/37ईई/10248/84 85 और जो सञ्जम प्रतिकारो, बम्बई द्वारा दिनाक 24-8-84 को रजिस्टई किया गया है।

तारींख : 1:-4-1985

मोहर:

(जो लागु न हो उसे काट दिजिये।

Ref. No AR-III37FE 10248184-85—Whereas I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property,

having a fan market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No E-43, 1st Floor, Kookan Co-Op Housing Soc. Ltd., P.N. Kotnis Marg, Mahim, (and fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is lets than the fan market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asse's which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

- 1 Mrs. Saptami Suresh Sarmalkar (Transferor)
- 2 Ramchandra C. K. Shirsagar (Transferee)
- 3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 36 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) hy any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. E-43, 1st Floor, Kookan Co-Op. Hos. Soc. Ltd., P. N. Kotnis Marg, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE. 10248 84-85, dated 24-08-1984.

Dated: 12-04-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37-ईई/10082/84-85:---अन मुझे लक्ष्मण दास अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात ' उवत अधिनियम'' गहा पत है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिक री को ये जिल्लास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/ रु में अधिक और िसका पलैट न . 9 जो पहली मंित गिरीण बिल्डिंग, श्रो काणिविश्वेश्वर हाउसिंग सोमाइटी लि, प्लाट न 224-ए टीएच. के. मार्ग माहिम, बम्बई-400016 मे स्थित है (और इनसे उदाबद्ध अन् सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने 🗇 बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरंक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अन्तरंण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में मृदिधा के लिए अपर/या
- (ख) ऐसे किमी अप या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिहे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, अधिनियम, अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अन अन उक्न अधिनियम की धारा 269र के अन्तरण मा, भौ उक्न अधिनियम की धारा 269र की उर धारा (1) के अधीन, निमानिस्ति व्यवनियों अर्थान् -

1. श्री मोमनाथ के. गावडे (अन्तरक)

2. श्री विजय जे ठक्कर और अन्य। (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

3.

. (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त स्म्पत्ति की अर्जन की लिए कार्यवाहिया शुरू करता हा। उक्त स्म्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के णस लिए तमी किए जा रकोगे।

स्पष्टीकरण .—इसमे प्रय्कत शब्दों और पदा का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुपृची

पलैट न. 9. को पहलो निश्वल, गिरोश बिल्डिंग, श्री काणानियवेश्वर हाउसिंग मोस इटो लिमिटेड, प्लाट नं. 224-ए, टी एच. कटारिया मार्ग, माहिम, बम्बई 400016 में स्थित है।

अतुमूची जैस कि क. म. अई-2/37ईई/10082/84-85 ओर जो सक्षम प्राधिकारी बन्बई द्वारा दिनाक 17-8-1984 को रिजिटई किया गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहरः :

(जो लागुन हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10082|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing Flat No. 9. 1st Floor, Girish Bldg., Shri Kashivshveshar Co-cp. Hos. Soc. Ltd. Plot No. 224-A T.H.K. Marg, Mahim, Bombay-16, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 fr an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- 1. Mr. Somnath K Gawade (Transferor)
- 2, Mr. Vijay J. Thakkar and Others

(Fransferee)

(Person in occupation of the property)

4. - ————
(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 9, 1st Floor, Girish Building Shri Kashiv-shveshwar Co-Op Society, Offi T. H.K. Marg, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Senal No. AR-H[37EF] 10082[84-85] Dt. 17-8-1984.

Dated: 12-4-1985

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स अई'2/37ईई/8742/84-85 — अत मृझ लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पण्चान "उक्त अधिनियम" कहा गया है। की धारा 269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विण्वाश करने के कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत वाजार सूत्य 1.00 000/- र म अधिक है और जिसकी पलैंट न 302 नीसरी मजिल, पानील अपार्ट, प्लाट न 47, णिवाजी पाक माहिम, वस्वई-400016

में स्थित है (आप इसस उपावत अग्यून, में और पूर्ण रूप में विणा है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनयम की धारा 269क के अधीन नक्षम प्राधिकार के कार्यात्रप वस्वई में रिजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984 को पूर्वेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विस्वास करने का कारण है कि प्रथापुर्वेकित सम्पत्ति का वार्यार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिकत से एसे दृष्यमान प्रतिकल के पद्रह प्रतिकल से अधिक है और अतरिक (को) और अतरितो (यो) के बोच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गय प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की दाइत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दारित्व में कसी करने या उससे वचने में सिविधा के लिए और/या
- (ल) ऐस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या था ११२ जी शीन्यम, 1911 (961 का 43) या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गरा था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए

अत अब उका अधिनियम की धारा 269ग के अनमरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्मिलिकित व्यवित्यों अर्थान् —

- 1 श्रोमतो अस्य के हस्थि। अस्य । (अन्तरक)
- 2 श्रामतः कमला किंगनचन्द्र ल खानी और अन्य (अन्तरिनी)
- (वह व्यक्ति निसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(बह व्यक्ति जिसके बार्ग में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पन्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पर्वोक्त र स्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहिया करू इ.रना हूं। उक्त सम्पत्ति व्यं अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजगत्र मा प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अवधि , रा नत्संबनी व्यक्तिया पर सचना की नामील 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पृत्रों क्ल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (म) इस सचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीस के 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मां हितबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षणी के पास जिल्हित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदा का जां अप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अन्याय 20क में परिभाषित हो, बही अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया गया हो ।

अनमची

"पलट न . 47, जो तोसरो मिल्ल पलेट न .302, पाटील अपार्टवेन्ट माहिम, णिवाजा पार्क, बम्बई-400016 में स्थित है।"

अनुसूच। जैसा कि न . स अई-2/37ईई/8742/84-85 और जा सक्षम प्रात्थकार। बम्बई द्वारा दिनाका 1-8-1984 की र्रायस्ट किया गया है।

नारीख 12-4-1985

मोहर

(जो लागून हा उस कोट दीजिय)

Ref. No. AR-JI₁37EE₁8742₁84-85.—Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-ta. Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000₃- and bearing Flat No. 47, Shivaji Park, Flat No. 302, 3rd Floor, Mahim Patil Apt., Bombay-400016, (and more fully describe (in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have rea on to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any moome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mrs. R. K. Haria and Others (Transferor)
- 2. Mrs. Kamla Kishanchand Lakhani and Others (Transferce)
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said unmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 302, 3rd Floor, Patil Apt., Plot No. 47, Shivaji Park, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombov under Serial No. AR-II]37EE[8742]84-85 Dt: 1-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्मेण न अई-2/37 ईई/ 9768/84-85 --अत मझ लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमे असके पश्चात् "इनत अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राध्किली का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका চুলি। बाजार गुरुष 100000/- र. से अध्वर है और जिसकी "" विश शाईत कलातीः, र पाल्ट न. एफ-2, को-जाय ता. मामा लि. एल. जे मेवड काम रोड, माहिम, बम्बई-400016 में स्थित है (और इससे उपाबद अनुमुर्चा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा अध्वर अधिनियम को धारा 269 करत वे अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, यम्बर्ड में रजिस्ट्रो हैं, त'र्राख 10/8/1984 का पूर्वोक्त सभ्पत्ति के उचित बाजार मृल्य में कम के दण्य-मान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके वष्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक(को)

अतिरिती(ची) के बीच ऐसे अंतरण वे लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य स ६ मन अतरण लिखिन में वास्त्रविक राप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि- ' नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/गा
- (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या उन्य जास्तियां की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 17) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्नरिती द्वारा घकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के निए

आत. अब उका अभिनियम की धारा 269ए के अन्यरण मो, मो उका अभिनियम की धारा 260ए की उप धारा (1) के अधीन, विमालिकत व्यवितयों अर्थाता —

1 था माणंजाए ।डाकाना

(अन्तरक)

2. थोमतं। इरेजा फर्नाडिस

(अन्तरिती)

~~ (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

यः — (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाकित सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध पाकोई भी अक्षेत्र :—

- (क) ? स स्चना के राजपत्र मा प्रकाशन की लारीस मा 45 दिन की अविधि, या तत्सबंधी व्यक्तिया पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद मो समाप्त होती हा, के भीतर प्रविक्त स्थितियों मो से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस राच्या के राजपत्र स एकाशन की तारीख के 15 दिए के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति सो हिनबद्ध िक्सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिकित सो किए जा सकेसे।

स्पष्टीकरण: -इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का जो जियकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

असम्बी

"फ्नैट नं एफ 2. जो "ए" विश, गार्डन कालोनी नं. 2. को-ऑप. हाउसिंग मोसाइटी निमिटेड एन जे. सेकंड कांस रीड़ माहिस, बस्बई-400016 में स्थित है" अनुसूचा जैमा कि क. सं. अई-2/37ईई/9768/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनाक 10-8-1984 को र्राजस्टिं किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दं जिये)

Ref. No. AR-II[37EE]9768[84-85.—Whereas, 1 Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. F|2, A Wing, Garden Colony of 2, Co-op Hos. Soc. Ltd. L. J. Second Cross Read Mahim. more fully Bombay-16 (and described in Schedule annexed hereto). been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tas Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Mr. Marshal A D'Souza (Transferor)

2. Mrs. Irena Fernandez (Transferce)

- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid per ons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. F[2, A Building, Garden Colony No. 2 Co-Op Hos Soc Ltd., L J. Second Cross Road, Mahim. Bambay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II]37EE] 9768[84-85 Dt . 10-8 1984.

Dated . 12-4-1985

Scal:

(Stake off where not applicable).

निर्देश म अर्ड- 2 / 37- ईई- / 10246 / 84-85 ---अत मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनयम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चान "उक्त अधिनियम" कहा गया है का धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की पह निस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजीर मल्या 1,00 000 र से अधिक है और यानिता १००० विमल उद्योग भवन को. आप ्राम् लि , तैकालवादी राइ, माहिम,चम्बई ४०००।६, (और इस्स अनसुची मे और पुर्ण रूप से वर्णित जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख ने अधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है तारीख 23/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दुष्यमान प्रतिकत के लिये अन्तरित बी गई है और मुझे यह विश्वास वरने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्बन्ति का वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दप्यमान प्रतिफल ने पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (को) और अनिरती(यो) के बीच ऐसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण किखित मे बास्तिवक रूप से कथित नही किया गया है ---

(क) अनारण में हुई किसी आय की शब्त, आयकर अधि-निगम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सिष्टिंश के लिए और/बा (स) ऐसे किमी आप या किमी धन या उन्य आस्तियों भी जिन्ह भारतीय शायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिति दारा प्रकट नहीं किया गया था भा किमा जाना चाहिए था, छिपाने में स्टिशा टिला।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्यरण में, मैं उक्त अ िनियम की धारा 269म की उर धारा (1) के अधीन, निम्मिलिकित व्यक्तियों अर्थात् →

1 श्रा वरणाजी गोपाल पार्टे (अन्तरक)

🙎 'श्रीमती पुती मधेकर (अस्तिरिना)

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे से अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति से हितबढ़ है)

को यह सचना जारी करके पर्वोक्त संस्पत्ति की अर्जन के निर्धा कार्यवाहिया श्रम करना हा। उक्त संस्पत्ति के अर्जन के सबध मा कोई भी आक्षीर —

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिए की अवधि, या तत्मबधी व्यक्तियो पर राचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाण होती हो, की भीतर पर्योधिन व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति हो।
- (क) इस सचना कं राजपत्र म प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीनर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अच्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस िस्त म किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिदा गया है।

अनम्ची

''यूनिट न 8-ए, जो विमल उद्योग भवन को आप हौंमिंग सोसाईटी लिमिटेड नायकलवाई। राट माहिस बम्बई 400016 में स्थित है

अनमूनी जैसा कि क रा अई-2/37 ईई / 10240 / 81-85 और तो सक्षम प्राधिकारी तम्बई द्वारा दिनाक 23-8-1981 की र्जास्टई विधा गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर

(जो लागून हो "उसे वाट दीजिये)

Ref. No AR-II|37Et | 10240 | 81-83. - Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (herematter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]- and bearing Unit No. 8A, Vimal Udyog Bhavan Co-Op-Housing Society Ltd , Laikalwadi (and Mahim Bombay-16 more Juliy described in the Schedule ar lexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair mulet value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of . -

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax lunder the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

- 1 Mr Kr hnaji Gopal Pandre (Fransferor)
- 2 Mrs U V Mayekar (Transfere)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the nequisition of the said property may be made in writing to the undersigned;—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Unit 8A, Vimal Udyog Bhavan Co-Op Hos. Soc Ltd., Taikalwadi Road, Mahim, Bombay-16

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II 37EL 10240[84-85] Dt. 23-8-1984

Dated . 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable)

निर्देश म . अई-2/37- ईई /8893/84-85 --अत मुझे, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाझार मल्य 1,00,000 – र से अधिक है और जिसकी द्कान न 10, 423 मेनापर्ना बापट मार्ग, माहिम, बम्बर्ड 400016 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अन्भूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 3/8/1984 को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के ९इंड प्रतिणत में अधिक है और अनरक (को) और अतिरती(यो) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखिल मे वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की रावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दार्यांच्या में कमी करने या उससे बचने में गुरिधा क लिए, और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) एा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में राविधा के लिए।

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269**ग के अन्**सरण में, में उकेन अधिनियम की धारा 269व की **उप धारा (1)** के अधीर, निम्नाविणित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 श्री, मनोहरलाल लालचन्द थापर (अन्तरक्)
- 2 श्री खासाराम डी. प्रजापती और अन्य (अन्तरिती)

3.

(बद्ध व्यक्ति जिसके अधिभौग में सम्पॉल है)

(बह र्व्याक्त जिसके वार में अधोहस्ताक्षणे जातता है की बह सम्पत्ति से हिनबद्ध है)

को यह मूचना आरी करके पृविकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्ब मा कोई भी आक्षप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील में 45 विन की अवधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर राजना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस सचना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य वरिक्त द्वारा अक्षीहस्ताक्षरी के पास निक्तिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण . इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क म परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसची

"दुकान न 10 जो 423 सेनापती बापट मार्ग, माहिम, बम्बई 400016 में स्थित हैं

जनुसूची जैसा की किस अर्ड-2 / 37 ईर्ड / 8893 / 84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी बम्बर्ट द्वारा दिनाक 3-8-1981 को रजोस्टर्ट किया गया है ।

नारीख: 12-4-1985

मोहर.

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II'37FE'8893₁84-85,---Whereas, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 10, 423 Senapati Bapat Marg (and more Bombay-16 fully Mahim, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent 166 GJ 85-41

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- F Mr. Manoharlal Lalchand Thaper (Transferor)
- Mr. Khasaram D Prajapati & Oths. (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 10, 423 Senaputi Bapat Marg, Mahim, Bombay-16,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EF18893-84-85 Dt. 3-8-1984.

. !

Dated: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable).

नि^{र्र}ण म अर्ह 2/ 37 ईई / 8748 /84-85 — अत मुझे, लक्ष्मग दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 कः 43) जिसे इसमे इसके पण्चात "उक्त अधिनियभ" कहा गया है) कि धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्नि, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 - रु. से अधिक है (और शेष्ठ न. 18, सर्वीदया इण्डस्ट्रियल इस्टेट, अन्धेरी कुर्लारीड के सामने, अन्धेरी (पूरब), बम्बई, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिस्का करारनामा आयकर अधिनियस, 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है नारीख 01/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अतिरती (यो) के बीच ऐसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ़ल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बादत, आयकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देते के अन्तरक के दायित्व में कपी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आग या किसी अन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नदी किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविष्ण के निए

अतः अत्र उक्त अधित्यम की धारा 269ग के अन्मरण में, में उत्र अभिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिक्ति व्यक्तियों अधीत्:—

1 थोमती आर.एम.श्राफ और अन्य (अन्तरक)

श्रीमती जैंड बी. गोम्स (अन्तरितो)

3.

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता हैं कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूच्या जारी करके पूर्वो का सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यकाहियां कार करता हा। उक्त सम्पत्ति को अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप .—

> (क) इ.स. मूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी

अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीनर पृत्रों किन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सचना के राजपण में प्रकाशन ती तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के लास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदा का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मची

"भोड नं. 18 सर्वीदय इण्डस्ट्रियल इस्टेट अन्धेर कुर्ला रोड के सामने, अन्धेरी (पूरव), वस्वई मे स्थित हैं।

अनुसूची जैसा की क. स. अई-2/37 ईई / 8718/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाक 0.1/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 12-4-1985

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE'8748|81-85.-Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shed No. 18, Sarvodaya Indl. Estate. Off Andheri Kurla Road, Andheri (F), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax, Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trasfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mrs. R. M. Shro/ & Others (Transferor)
- 2. Mrs. Z. B. Gomes

(Transferec)

3. ~

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shed No. 18, Sarvodaya Industrial Estate, Off: Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II'37EE | 8748184-85 Dt.: 1-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्वेण मं अई-2/37-ईई/10181/84-85:- अतः मुझे लक्ष्मण वाम आयार अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इससे इसके पम्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की घारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विम्वास करने वा बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- क. से अधि है और जिसकी फलैट ने. 16, बिल्डिंग न. 9, ब्लॉमम को आप हा मोगा. लि, मरोत्र, अंधेरी (पूरब), बम्बई, में स्थित है (आंर इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 20/8/1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के वाजार मृल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल

के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के ५ द्रह प्रतिगत से अधिक है और अतरक (कों) और अतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐमी किसी अय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, हिणाने में मृविधा के लिए;

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीत, निम्नानिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :--

- ा श्रीमतो एस. वी. गावजर। (अन्दरण)
- 2. श्री के. ए, श्रेख। (अन्तरितीः)

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ता प्ररी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिन उद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मंकोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सवंधी व्यक्तियों पर गृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मुकेगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

''फलैट न. 16, जो बिल्डिंग नं. 9, लॉसमं को० आपरेटिव हाउसिंग मोसाईटी लिमिटेड. मरोलः अंधेरी (पुरुब), बस्बई में स्थित है।''

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10181/ 84~85 और को सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 20/8/1984 को रजीस्टई किया गया है।

नारीखा 12-4-1985

मोहर.

(जो लागू न हो उसे बाट दी जिए)

Ref. No. AR-III37[[E]10181]84-85 —Whereas, 1. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000,- and bearing Flat No. 16 Bldg. No. 9 at Blossom Co-Op Hos. Soc. Ltd., Marol, Andheri (E), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, ir pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

L. Smt. S. V. Gaokar (Fransferor)

2. Mr. K. A. Shaikh (Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days, from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 16, Bldg. No. 9 at Biossom Co-Op Hos. Soc. Ltd., Marol Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE] 10181-84-85 Dt: 20-8-1984

Dated: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण सं. अई-2/37-ईई/8928/84-85:- अनः मुझे लक्ष्मण दास आप्रकण अधिनियम 1961 (1961 द्या 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिसारी को यह विण्वास करने हा नारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचिन बीजार मुल्य 1,00,000/- रुङ से अधिक है और जिसकी फलैट नं. 1, पहली मंजिल ,आणिबाद बिल्डिंग साम्रड हण्ड. इस्टैंट के सामने, एल. जे. रोड के सामने, बम्बई 400016, में स्थित है (और इससे उवाबद्ध असमुची मे में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम 1961 की धारा 269 कव के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सेकम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विण्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक/(की) और अंत-रिती/(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देण्य में उक्त अतरण लिखित में बास्तिबिक रूप से ब्रिथित नहीं शिया गया है .--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की राख्त, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दने के अन्तरक के दार्थित्व में कमी करने या उससे बचन मा गुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी अग या किसी अन या अन्य आस्तियां की जिन्हें भारतीय आरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्थिषा के निए।

अतः, अतः, अवतः अधिनियम की बारा 269म के अनुमरण में मैं उवत अधिनियम की धारा 269य की उप व(रा (1) के अधीन, निम्मितिस्थित व्यक्तियों, अधीत् —

डा कान्होजी अर्जन पराडकर। (अन्तरक)

डा देखा निर्वान चोमामी कोर श्रीमती.

एन : एम देसी (अन्तरिती)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4

(बह व्यक्तिः, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबद्ध हैं)

को यह मृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया क्रकारता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षप —

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन को अविधि, या तत्मंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो. के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सचना के राजपत्र मो प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संगत्ति मो हिलबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय म विया गया है।

अनुसुधी

"फलैट ने 1, जो पहिली मंजिल, आणिवाद विल्डिंग भागड इण्डस्ट्रियल के सामने, एल जे. रोड के सामने, बम्बर्ट 100016 से स्थित है।" अनुमुची जैसा कि के सं. अई-2/37ईई/8928/84/85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाए - 4/8/1981 को रिजरटर्ट किया गया है।

নাসীয়া . 12/04/1985

मोहर्

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EF 8928'84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Ashirwad Bldg., 1st Floor, Opp. : Kakad Indl. L.J. Road, Bombay-400016 Off : Estate. described Cand more fully Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said. Instrument of Transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Dr. Kanhoji Arjun Paradkar (Transferor)
- 2. Dr. Rekha Nitin Chokshi And Mrs. N. M. Desi (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Hat No. 1st Floor, Ashirwad Bldg, Off L. J. Road, opp. Kakad Industrial Fstate, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent authority. Bombay under Serial No. AR-II₃37EE¹ 8928¹84-85 Dt : 4-8-1984.

Dated: 12-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

अर्ह-2/37-ईई/10097/84~85 :--अन मझे, तक्षमण दास, आयरर अधिनियम 1961(1961रा 43) (जिसे इससे इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" "हा गया ह) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधि पति को यह विश्वास घरने बा बारण है जिस्थावर सम्पन्ति, जिस । उचित बाजार महस 100,000/- ह. ये अधिक हं और जिसकी फ्लैट न ए-14, जागनी को-आप. हार्डीसग नीमाइटी लिमिटेड एल, जे. रोड, माहिम बम्बई-100016 में स्थित है है (और इससे उपाबढ़ अन्सूची मे और पूर्ण रूपसे वर्णित करारनामा आयकर अधिनियम जिसका की धारा 269क्ष के अर्धान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई म रजिस्टी है, तारीख 18/8/1984 की पूर्वीक सम्पत्ति के पुचित बाजार मुल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्वीक सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यम।न प्रतिफल से ऐसे दुण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरका(को) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अनरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है .--

(क) अन्तरण से हई किसी आय की दावत, आयकर अधि-चिल्ला, 1961 (1961 का 13) के अशील कर दने के अन्तर्या वं दायित्व मा कसी करने या उससे बचने से स्लिधा के लिए; और/ए। (स) ऐसे किसी आय या किसी धन था उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्विधा के लिए।

अत , अत्, उक्त अधिनिष्म की धारा 269ग के अन्यरण भे में उक्त अधिनिष्म की धारा 269घ की उन धारा (1) के अधीन, निम्नालिखन व्यक्तिया, अधीन .—

ा-श्री एस ए अमृत्र (स्टार्ड)

2. श्री एम. एस. पै। (जनान्ति)

3 ---(बह र्स्यांक जियारे अधियोग में सम्मति है)

 (तह व्यक्ति जिसके वारे से अधीहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मुचना जारी करके प्रांक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अ्न करका हा। उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षोर .—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्मबंधी व्यक्तिया पर स्चना की नामील से 30 दिन की अदिधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होता।
- (क) इस सचरा को राजगत्र में प्रकाशन की नारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

माप्टीकारण: —इसमें प्रमुक्त बब्दों शौर पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनसची

फलैट नं. ए→14, जो जागृती को० आपरेटिब हार्ऊमिग साक्षाउटी निमीटेड एल जे. रोड, मार्म, बम्बई— 400016 में स्थित है।

अनुसूची जैंगा हि क. सं अई-2/37िं10097/84-85 और जो सक्षत पानिज्ञार, वस्प्रेट द्वारा दिनाफ 18/8/1984 को रजोस्टर्ड किया गया है।

नारीख . 12/01/1985

मोहर :

(जा लाग न हो उसे भट वीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10097|84-85.--Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing Flat No. A-14 Jagruti Co-op. Hos. Soc. J. Mahim, Bombay-16 Road, L. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under seec on 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Mr. S. A. Kamat (Transferor)

2. Mr. M. S. Pai (Transferce)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A|14, L. J. Road, Jagruti Co-Op Hos. Sec. Ltd., Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II[37EE] 10097,84-85 Dt. 18-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/3*7-*ईई/10051/84-85 :--अत. मुझे. लक्ष्मण दास. अ.यकर अधिनियम 1961 (1961) का াও) (जिसे इसमे इसके पश्चात् ''उक्त अधिनियम'' बहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सजम प्राधिकारी की यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मन्य I00.000 — म. मे अधिक है और जिनको सं. फ्लैट नं. 29-को त/मरी मजील जयगणेश को-आप हा. गोमा, लि० सेपापति बापट मार्ग, महिम (प.), वस्बर्द से स्थित है (और इसमें श्रन्**भूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और** जिसका कराण्नामा आयकर अधिनियम की धारा _269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्बई में रजीस्टी है तारीख 16/8/1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुण्यमान प्रतिफ़ल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पत्या गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:~~

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शास्त, आयकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर हेने के अन्तरक के दायिन्य में कमी करने या उममें बचने में मिविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इस प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें स्विधा के लिए

अतः, अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उप धारा (1) के अधीतः, निम्मतिस्थित व्यक्तित्यों अर्थातः :—

- া श्रीमती पी एम धौषण्वरकर और अन्य (अन्तरक)
- 2. श्रीमती ईला रश्मीकान्त पारीखाँ (अन्तरिती)
- 3. ----(वह ध्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

4.

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है, की बह सम्प्रत्ति में हितबढ़ है।)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहिया श्रम् करता हु। उक्त सम्पत्ति के अर्जन क गर्वथ मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की नारील में 4.5 दिन की अवधि, या तत्सवंधी व्यक्तिया पर गूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस स्वरा के राजपत्र में प्रकाशन की नारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के एास लिखित में किए जा सकरों।

स्पष्टिकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

पलैट नं, 29-बी जठगणेण को-आपरेटिव हो उसिग सोसाइटी लिमिटेड, सेनापान बापट मार्ग, महिम (प), बम्बर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि या सं अई-2/37ईई / 10054 / 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी जम्बई द्वारा दिनाक 16/8/1984 को रजास्टई किया गया है ।

नारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागुन हो उमें काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE|10054|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 29.B Janganesh Co-Op Hos. Soc. Ltd., Senapati Bapat Marg, Mahim (West), Bembay fully described in Sche-(and more dule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mrs. P. M. Dhopeshwarkar and Others (Fransferor)
- 2. Mrs. Ha Rashmikant Paukh (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 29B Jaignnesh Co-op. Hos. Soc. Ltd., Senapati Bapat Marg, Mahim (West), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seriai No. AR-II|37FF-10054|84-85 Dt. 10-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable).

निर्देण न. अई-2/37-ईई/10075/84-85 मा मुझे, तक्षमण दस, अ।यहर अजिलयम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसके उसके पश्चान "उक्त अधिनियम, वहा नया है) का धारा 269व के अक्षेत्र सक्षम प्राधिकार, को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर सम्पत्ति, सिता इचित वाजार मृत्य 1,00,000/- र. से अधिक है ऑर िस्ति। मि० द्कान न । 19, नामाता, अध्य शापिण सन्टर, टी जे लटर्परया मार्ग, माटंगा (पिण्चम), प्रम्पेट में शिपन हैं (और इसमें उपावद्र अनुसूचा में और पूर्ण रूप ने विणित ह) और जिसका करारनामः। स्राथकर अधिनियम को धारा 269-क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्टई है तारीख 17-8-1984 तो प्रतीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये श्चर्तारत की गई है और मुमे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके हें म प्रतिफान से द्ध्यम्।न के पद्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अतस्य (को) और अत-रिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पत्या गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य में उनत अनगण लिखिन में वास्तविक रूप से कायत नहां किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की राबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व मो कभी करने या उमसे बचने मो महिधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां की जिन्हें भारतीय आयाजर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) रा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिलाने में स्विधा के लिए

अन अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उप धारा (1) के अधीन निम्निचिन व्यक्तियो, अथएत् —

1. मैंसर्न फार्मा मर्विमेस (अन्तरक)

2. मैसर्न सर्विम इन्डिया (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिनके अधिमोग से सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जित्त बारे में अवाहस्वाक्षरों जानता है, की यह सम्पत्ति में हिलबह है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया अस्ट करना हा। उपन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी प्राक्षण —

(क) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तालीख म 45 दिस की अवधि, या सत्सवधी व्यक्तिया पर 166 (स) 85-42 मूचना नी नामी न से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद मा समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ख) इस सूचना के राजधन था पकाशन की गारीख से 45 दिन दा भीगर उत्तर स्थानर सम्पत्ति मा हिनबुद्ध तिभी जना प्रांतित क्षारा अशोहरनाक्षरी की पाम निस्ति मा किए पा सका ।

स्पष्टीकरण — इसम प्रयुक्त अख्वो और पदो का जो आयकर ाभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय राविया गण है।

यनसूची

''दुक न न 19, जा नलमाजि , अज्या **णापिंग नेन्टर**, टी. जे कडारिया मासे, माटगा (प^{्रि}चम), बम्बई स्थित है।

जर्भनी जैस कि क ग अर्ड-2/37ईई/10075/84-85 और जो सक्षम प्रातिकारा, बष्तर हारा दिनाक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नारीख : 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे पाट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10075|84-85 —Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Shop No. 19, Ground Floor, Ajay Shopping Centre, T. J. Kataua Marg, Matunga (West), Bombay fully described in the more dule annexed hereto), has been trans-ferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-fax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforefaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aloresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax funder the raid Act, in respect of any meome arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transfered to the paperes of the Indian Income-tax Act, 1972 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-ter Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of rotice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

1. M . Pharma Services.

(Tradsferor)

2. M' Service India

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDIJI E

Shop No 19, Ground Floor, Ajay Shopping Centre, T.J. Kataria Marg, Matunga (West), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II[37LE] 10075 81-85, Dt 17-8-1984

Dated: 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

नार्इ, ९ आनेन, 1985

निर्देश स अर्ड 2/37 हैई/10291/84-85- अतः मुझे, लक्ष्मण दक्ष्म, अयनग् अधिनियम, 1961 (1961 का 13) िंग दमपे दसी पण्चान "उन्न अधिनियम" कहा गया है) तो धारा 269प के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का करण है जि स्थायर सम्पत्नि, जिसका प्रक्ति वाजार मूल्य 1,00,000/- क से अधिक है और जिन्ही स पलैंट नं 11, जी प्याट न 581-जे, श्री रामा नगर को,-आप सोसाइटी खार (प) वस्वई-52 में स्थित है

(और एसरें उपावड़ कन्यूचा में और पूर्ण रूप से तरियत है) जोर तिर एस एस सा प्राप्त कर अधित्यम की धारा 269कव के प्रवान सक्षम प्राप्ति रो के कार्यालय, वस्वर्ध में रिजस्ट है ते तारोख 25 8-1981 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बर्जार मूल्य से ताम के दृश्यमान प्रतिकार के लिये प्रस्ति ती गई है पीर मुझे पह विख्या करने का करण है कि स्वाप्तवीक्त सम्पत्ति हो बजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकार में ऐसे दृश्यमान प्रतिकार से प्रदेशमान प्रतिकार में ऐसे दृश्यमान प्रतिकार से प्रदेश प्रतिशत से प्रदेश अंग अत्रय्व (को) और अत्रय्ती(धो) के बोच ऐसे अत्रयण के लिए तय पाय गया प्रतिकार निम्नलिजित उद्देश में उक्त अत्रयण जिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहां कथा। भारी है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक कं दा⁹शन्य से किसी करने या उससे बचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (स्र) ऐसे किसी अस या किसी धन या अन्य आसिएसो की जिन्हें भागीय अपरान्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयहर अधिनियम, 1961 (1961 'टा 13) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्रीविधा के निए;

अत अब उबन अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उसन प्रितिसम सी धारा 269द की उर धारा (1) के अधीर, निम्सलिक्ति व्यक्तियों अथ्यस —

1 भी ईश्वरकी बच्च नी। (अन्तरक)

2 श्रो राधारियान में निल नी। (अन्तरिनी)

3.

(बहरातिक, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

(ता नायित, तिराह गारे से अबोहस्थाक्षरी जानता है, कि वह सम्मत्ति से हिन्दद है)

को यह मूचना जारी करके प्रविक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यश्वाहियां शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबधी व्यक्तियां पर स्चना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस कलना के राजपत्र में पकार न की तारील से 15 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति मां भीतर हिल-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वान अबोहरताक्षरी के पास स्थितिक में किए जा सकेसे ।

स्पष्टीकरण .—हासमे प्रयुक्त शब्दा और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20क में परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्रैंट न 1। जा ल्लाट न 58-1-जे था राम। मन्द्र का- अप नाप्साइटा प्रार (प) बम्बई-52 स्थित है।

अनसूवा जैन कि ए भई $2/37 \xi \bar{z}/10291/84-85$ आर जा सजा गांजिकरा वन्बई द्वारा दिनाक 25.811984 को रजास्ट किया स्था है। नारीख 8/4/1985 मोहर.

(जो नागृतहो का अट दीजिये)

Bombay, 4th April, 1985

Ret. No. AR. II₁37EE|10291|84-85 —Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatici referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 11, Plot No. 581-J, Shree Ramnagar Co-op Hsg. See Khar (West), Bombay-400052 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18 8-1981 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, hy more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- 1 Shri Ishwar B Bachwani (Transferor)
- 2 Shii Radhakishan J Tilani (Transferce)
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objection, if any, to the acquisition of the baid property may be made in writing to the under-igned—

- (a) by any of the afore-aid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the oilicial Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other puron interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Galette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter NXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 11, Plot No. 581-J, Shree Rama Nagar Co-operative Society Khar (West), Bombay-400052

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A R.H 37EE 10291 84-85, on 25-8-1984

Dated · 4-4-1985 SFAL.

(Strike off where not applicable)

निर्देश स अई-2/37-ईई/9826/14-35 +-97 मले. त्रदमण दान आयार अधित्यम, 1961 (1961 🕆 43) (जिपे इसमे इसके पश्वात "उका पश्चिरियम, एहा पता है) की धारा 269 घं के नधीर पक्षय पाक्रियार्ग की सर्विकास रक्ते का गाण है हि स्थान हमालि, जिला उचित बाजार मुख्य 100,000 र ने इबिट है और जिल्ही स दुकान न ६, जो, ग,पर फ्या ह, मिर्गिय से उमारन, इभारा की, गरनिर्दा प्रिता । को-अप पाते । लें उर्द ि , पर्टर राउ, खाप-राउर, बावई-इंड प पिथा ३ (अपर इसमें उपावद अनुमूचा में और पूज रूप से विणित है) और निमक, करारनामा अधना अधिनामक धरा 269 क ल के अधाप सक्षम प्राधिकार। के वा यीराय बम्बई ने रिजिस्डर्ड ह, तारीख 2-8-1984 को पुर्वीतन मन्पत्न के अचित वाजार मृत्य से कम क दृश्यम न प्रतिकत के लिये अरारित की गई है और मझे यह भिग्यान काने का कारग है कि यथापूर्वीका सम्पान का बाजार मृत्य हो। दश्यान प्रतिकल से ऐसे दण्यमान प्रतिकल के पद्रह प्रशिष्ण के जीवक है और अतरक (को) अप्र अनितः (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पत्या गांग प्रतिकटा निम्नीतिजन उद्देग्य में उनत अंगरण में लिखिन से प स्तरिक मण से बायत नर्हः किया। गया है ----

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की दावत, आयकर अधि-निरम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दणयन में कमी करने या उससे बचने में मुख्या के टिए; और/या
- (ल) ऐसे किसी अप या किसी धन या उत्य ासित्यों वी जिन्हें भारतीय आयाजर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) हा अध्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) मा भारतक अधिनियम, 1907 (1957 का 177) के प्रयोजनार्थ अगिलिय ब्राम प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, उत्तानों में स्विधा के जिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त ब⁸धनियम की धारा 269घ की उपधारा (11) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

- 1. पॅटसन ्नस्ट्रकगन्य । (अन्तर्यः)
- 2. श्री मुरली चेतराय लाला और श्री अनील मुरली लाला (अन्तरिती)
 - (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग से सम्पत्ति ह)
 - a. —— (बह व्यक्ति जिपने वारे में अबोहरताक्षरी जानता है ि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (कः) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताभरी के एम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

"दु गन न . ८, जो, ग्राउंड फ्लोअर, निर्माणाघोन इमारत, इमारत वा, गगनिगरी प्रिमायनेस को-ऑप . सोसायटी लि . गर्टर रोड, खार-दांडा वस्बई-52 में स्थित है ।

अनुसूचो जैता कि क. सं. अई-2/37ईई/88 26/8 4-8 5 और जो सक्षम प्राधितारा वम्बई द्वारा दिनांक 2/8/198 3 की रिजस्टर्ड िया गया है।

तारीख: 4/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उने बाट दोजिये।)

Ref. No. AR. II|37EE|8826|1984-85.—Whereas I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 8|Gr. Floor, Prop. Bldg. Bldg.-B., Gangagiri Premises Co-op. Hsg. Society Ltd; Carter Road, Khardanda, Bombay-52 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Patson Constructions (Transferor)
- Shri. Murli Chainrai Lala & (Transferee)
 Shri. Anil Murli Lala
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 8, Ground Floor, in Proposed Building, Bldg.-B, Gangangiri Premises Co-operative Housing Society Ltd; Carter Road, Khardanda, Bombay-400052

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II|37EE|8826|84-85 on 2-8-1984.

Dated: 4-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10152/84-35 ---अतः मुझे. लक्ष्मण दाय, यास र जिबिनियम, 1961 (1961 🕮 ४३) (जिसे इसमे इसके पण्चात् "उका अधितियम "हा गया है) की धारा 369व के अधीन सक्षम प्राधि प्रशिकोयह विश्वास रासने ता तारण ह ि स्थापर नमानि, जिन्हा उनित बाजार मृत्य 100,000/- र भे अबिड है और जिसकी स. पलेट नं . २ नलमाला , रोशन दिय, को-आप . हा जीसग मो उड़िटी लिमिटेट 15वा रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है (ऑर इससे अपाबद्ध ग्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा आयकर आधिनियम की धारा 269 क ख. के अबीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रजी-स्ट्री है, तारीख 13--3-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिये प्रन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार सुन्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अतरक (कों) आर अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से जनत अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहा किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसे किसी डाय या किमी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आएकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 डा. 43; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्विधा के निए।

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण मा, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्मीतिस्ति व्यक्तियों अधीत —

- श्री इडल फॅमरोझ दे ाई, मेरवान फॅंगरोझ दे गई ऑप दिनणा फॅमरोझ देनाई। (अन्तरात)
- 2 श्री शाहताझ मेहरअली सूलेमान और श्री मेहेरअली सूलेमान। (अन्तरित)
- 3. --- (वह व्यक्ति, जिसके अधिकोग मे सम्पत्ति है)
- 4. → (वह ब्यक्ति, जिनके बारे मे अघो-हस्नाक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति मे हिनबद्ध है।

को यह मृजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सर्वध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अर्थीन, या तत्संबंधी व्यक्तियां पर मचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(स) इस मुच्दा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनम्ची

पलैट न. 3, जो, तलमाला, रोणन दिप, को-ऑपरेटिब हार्जीमग मोसाइटी लिमिटेड, 15वा रास्ता, खार. बस्वई 400052 में स्थित है।

अनुसूची जैनाकि क सं. अई-2/37ईई/10152/84-85 अंग् जो पक्षम प्राधि परी बम्बई हाग दिनाक 13/8/1984 को ग्जीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 10/4/1985

मोहर.

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II|37FE|10152|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 2, Ground Floor, Roshan Deep Cooperative Housing Society Limited, 15th Road, Khar, Bombay-52 (and more fully described in Schedule annexed hereto), transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Mr. Edal Framroze Desai Mr. Meiwan Framroze Desai and Mr. Diushaw Framroz Desai (Transferor)

2. Mrs. Shahbaz Meharali Suleman and

Mr. Meherali Suleman. (Transferce)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, Shan Deep, Co-operative Housing Society Limited, 15th Road, Khar, Bombay-400052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE. 10152|84-85 dated 13-8-1984.

Dated: 10 April. 1985. Seal.

(Strike off where not applicable.)

निर्देण मं. अई-2/37-ईरी/988 5/8 4-8 5. - -अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयगर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" एहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधि ारी को यह विश्वास करने भा गारण है पि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 100,000/- इ. से अधि है और जिसकी स. ऑफीस नं. 14-ए, जो, 1 ली मंजिल, विना बिना शाँपिंग सेंटर प्रिमायमेस को-आंप, सोमाइटी लि., बम्बई-50 में स्थित है और इसमे उपावद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क. ख के अबीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प-त्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल में ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वाम्तिविहां रूप से रिधिन नहीं िया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीय कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के निए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में , में उबत विभिन्यम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों अर्थात —

- मैसर्स एम एन : यनस्ट्रवयन । (अन्तर उ)
- 2 मैंसर्स अबोध ास्ट्रक्शन प्राह्मवेट ि । (अन्तरितो)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 --- (यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहरूनाक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपश मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (स) इस सचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण क्समो प्रयुक्त शब्दो और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

"औंफिंग नं. 14-ए, जो, 1ली मंजिल, बिना बिना गाँपिंग सेंटर प्रिमायनेन को-औंग, सोनाइटी लि., बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जी। ि क. सं. अई-2/37ईई/888 5/8 4-8 5 और जो सक्षप प्राधिारी बम्बई हारा दिनांक 3/8/1 98 4 को रिजस्टर्ट या गया है।

नारीख 11-4-1985 मोहर

(जो लाग् न हो उसे शाट दीजिए)

Bombay, the 11th April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE|8885|84-85.-Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Office No. 14-A, 1st Floor, Veena Beena Shopping Centre Premises Co.-Op Housing Society Bombay-50, (and more fully described the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the ferred Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s, M. N Construction (Transferor)
- 2. M|s. Abode Construction Pvt Ltd (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the raid property may be made in writing to the undersigned—

4.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Office No. 14-A, 1st Ploor, Veena Beena Shopping Centre, Premises Co- Op-Housing Society Ltd., Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37EE] 8885[84-85.

3-8-84.

Dated: 11-4-1985.

Seal.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं अई-2/37-ईई/10294/84-85 --अन मुझे, न्धमण दाय, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 चा 43) (जिसे इसमे इसके पश्चान "उक्त अधितियम" यहा गया है) वी धारा 269घ है पधान सक्षम प्राधि गरी को यह विश्वास करने का दगरण है कि स्थावर पमानि, जिस्हा उचित बाजार मल्य 100000/- र संधि है और जिपकी स. फ्लैंट ं 6, जो, लिटरा गिफ्ट को-ऑन. हार्डानग सोनाइटो लि., 19वा रास्ता, खार दाडा. बबई-52 में स्थित है (अं(र श्रन्सुची में और पूर्ण रूप मे उपाबद्ध र्वाणक्षहै), और जिसा क्यारनामा आयार अधिनियम की धारा १६९८ ख के अधीन सक्षम प्राधि . रिरो के नार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रों है नारीख़ 25-8-1984 को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रम ने दृश्यसान प्रतिफल के लिपे अन्तरित की गई है और मझें यह विश्वास टारने का ारण है : यथापूर्वोक्त सम्बन्ति ा त्रचित दाजार मूल्य. उसके दृण्यमान प्रतिकल में ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के प्रतिशत ने अधि है और अवरा/अवरंको और अंतरिती/अतरितियो के बीच ऐसे अंतरण के किए तय पासा गया प्रतिफल, निम्बलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्क्वि: ऋह ते विश्वत नहीं दिया गरा है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, आयकर आधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सबिधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

उत अब उका अधिनियम की धारा 269ग के उन्सरण मो, मों उन्त अधिनियम की धारा 260व की उप धारा (1) के अधीर, निम्मतिक्ति व्यक्तियों अर्थात —

- अीनती उमिता अभिप्रकाण खन्ता। (अन्तरक)
- 2. श्री महेण केणबदास मैनानी (अन्तरिती)

3. अन्तरिती— (बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

। — (बह ब्यक्ति, जिसके दारे मे अधाहरताक्षरी जानता है िबह सम्पत्ति में हित-पढ़ हैं)

को यह मूचना जारी करके पृत्तीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम् करना हा। उकन सम्पत्ति के अर्जन के संबध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजध्य में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्यंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस मूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

"फ्लैंट नं. ६, जो, लिटल गिफ्ट को-ऑं। हार्डिन्स सोसाइटी लि., 19वां रास्ता. खार दांडा, वम्बई-52 में स्थित है।

अनुमूची जसाकी क. सं. भई-2/37ईई/10294/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनाय 25/8/1984 को रजिस्टई िया गया है।

नारीख 11/4/1985 मोहर (जी लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10294|84-85.--Whercas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 6. Little Gift C.H.S.Ltd., 19th Road, Khar Danda, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Smt. Urmila Omprakash Khanna (Transferor)
- 2. Shri Mahesh Keshwdas Sainani ((Transferce)
- 3. Transferee

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 6, Little Gift Co-op. Housing Society Ltd., 19th Road. Khar Danda, Bombay-400052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 10294 84-85 on 25-8-1984.

Dated 11-4-1985.

Scal.

(Strike off where not applicable)

गिरीम स. खर्ड-2/37, ईई/10208/84-85 -- मन मुझे. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त श्रश्चिनियम कहा गया हैं) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित मूल्य 1,00,000/ म. मे ग्रधिक है और जिसकी मं. फ्लेट न. 3 जो पहली मंजिल, प्लाट नं. 1, गोल्फ लिक्स, ५ पाली हिल पोड, खार. बम्बर्ध-५० मे स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रम्युची में और पूर्ण रूप मे वं(णत है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्राधिनियम की धार। 269 क ख के अधीन सक्ष्म पाधिकारी के कार्यालय बम्बर्ट में रहीक्ती है, तारीख 21-8-1984 की पुत्रीत सम्पन्ति के उचित बाजार मन्य में कम के दष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मन्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के प्राह प्रति-गत से प्रधिक है और अनरक(को) और अंतरिती(या) के बीच ऐसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है ---

Harrier Harrie

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शाबत, आयकर प्रिधिन्यम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए और/धा
- (स) ऐसे किसी द्वाय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-नर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपान में सिविधा के लिए

जनः अब उक्न अधिनियम की धारा 269ए के अनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उप धारा (1) के अधौन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों जर्भान् —

(बह व्यक्ति जिसके ग्रंधिभोग में सम्पत्ति है)

(बहु व्यक्ति जिसके बारे में अश्रोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद है)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोचित सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शरू अरना हा। उक्त स्म्पन्ति के अर्जन के सबस में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविश या तस्मबंधी व्यक्तियों पर समान की तामील से 30 दिन की अविश , जो भी अविश बाद में समान होती हो, के भीतर पर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(ए) इस मुक्ता क राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 35 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शम लिखित में किए जा सकार्य।

स्पष्टिकरण :-इसमं प्रयुक्त शब्दा और पर्दों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हाता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

"पनेट नं. 3 जो पहली मंजिल, प्लाट नं. 1, गोल्फ लिक्स 5पाली हिल रोड,कार. बस्बई-52में स्थित है।

अनुमूचे। जैसा की क्र. मं. अर्ड-2/3 र्वर्ड / 10208/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी अम्बर्ड हारा दिनाक 21/8/1984 का रिज टर्ड किया गावा है।

तारीख 11-4-1985 मोहर .

(जो नागृत हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II'37EF:10208'84-85.--Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000;- and bearing Flat No. 3, 1st Floor, Plot No. 1, Golf Links, 5 Pali Hill Road, Khan, Bombay-52 (and more in the Schedule annexed fully described hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this

166 GI/85-43

3.

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Minoo Jokhi Dinshan and Mrs. Mani Minoo Dinshan (Transferor)
- 2. Mrs. Hilla Erach Kooka and Mrs. Roshan Kmoorshed Kuka (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, 1st Floor, Plot No. 1, Golf Links, 5 Pali Hill Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 10208|84-85.

Datd: 11-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं श्रई-2/37-ईई/8830/84-85: - स्रतं मुझे, जधमण दास, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाप् "उक्त श्रधिनियम" कहा गाथा है) की धारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजर मूल्य 1,00,000 रु. से श्रधिक है और जिसकी मं. पलेट नं. 6 जो प्लांट नं. 532, ज्युपिटर निकेतन को-श्राप. हा उसा लि. खार बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबद श्रमुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 2)8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भार मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

सम्पिति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिष्ठिक है और और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है -

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की रावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आरित्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए

अतः अव उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- 1. गिरीश सुरचंद बेलानी । (श्रन्तरक)
- 2. श्री सुकरनदास शेवारामानी और (श्रन्तरिती) 'श्रर्जनदास शेवारामानी ।
- o. -----(वह व्यक्ति, जिसके मधिभोग में सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त रम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक्ष से 45 विन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

"पलेट नं. 6, जो प्लाट नं. 532, ज्युपिटर निकेतन को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी खार बम्बई-52 में स्थित है।

श्रातृत्वा जैसः कि कं.सं. ई-2/37ईई/8830/84-85 ओर जो सज्जन प्राधिकारी गम्बई द्वारा दिनांक 2-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 11-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II 37EE 8830 84-85.—Whereas, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 6, Plot No. 532, Jupiter Niketan Co. op, Hsg. Society Ltd., Khar Bombay-52. (and more described in the Schedule has been transferred and the agreehereto), ment is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- 1. Girish Surchand Belani (Transferor)
- 2. Shri Sukarandas Shewaramani andshri Arandas Shewaramani (Transferee)
- 3. —

(Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 532, Jupiter Nikketan Co-op. Housing Society Ltd., Khar, Bombay-52,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II|37EE| 8830|84-85.

Dated: 11-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/10113/84-85:-- ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त ग्राधिमियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारो को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सन्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्रोनेट नं. 6, जी प्लाटनं. 532, ज्यपिटर निकेतन हाउसिंग सीसाइटा रोड नं. 17 खार बम्बई-52. में स्थित है (और इससे उपाबदा श्रनुसूची में और पूर्णहरा से प्रणिप्त है) और जिसका करारनामा क्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 18/8/1984 की पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृण्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विक्शास करने का कारण है कि यथापूर्वक्ति सम्पन्ति का बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रष्ट प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्विवक रूप से कथित नहीं किया किया गया है :-

- (क) अन्तरण से दुई िकमी आय की शक्त, आयकर अधि-निया, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायि ए में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आर्रिक्षयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में नुविधा के लिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण' में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उर धारा (1) के विधीन, निम्मतिक्ति व्यक्तियों अर्थान् .—

- 1. थी गिरीण मुरचन्द बेलानी। (प्रान्तरक)
- श्री मुख रामदाम जेवारामानी और (अन्तरिनी)
 श्री अर्जन दास णेवारामानी।
- (बह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पन्ति है)
- 4. —
 (बह व्यक्ति जिसके बारे मे ग्रधोहस्ताक्षरी जानता
 है, की वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रुष्ट करता हा। उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबंध को कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस स्वेना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारी मासे 45 दिन की अविधि, या तरसंबंधी व्यक्तियों पर शृंचना की कामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति होता ।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की नारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिनबद्ध किमी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहरनाक्षरी के पास निकास मा किए जा सकीगे।

स्पष्टीकारण .— इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो का जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ हागा जो उस अध्याय मा दिया गया है।

अन्यमी

"क्लीट न. 6, जो प्लाटनं 532, पोड न. 17, ज्युपिटर निकेतन को.—श्राप हार्जीमग सोमाइटी, खार बम्बई-52 में स्थित है।

श्रनुमृकी जैसा कि क. मं. अई-2'37ईई/10113/81-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

ता**गीकः** 11-4-1985

भोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-III37EE 10113 34-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing Flat No. 6, Plot No. 532, United Niketan Co. op. Hsg. Society, Road No. 17, Khar Bombay-52 (and more fully described in the Sche-

dule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:

- 1. Shri Girish Surchand Belani (Transferor)
- 2. Shri Sukhramdas Shewaramani and Shri Arjandas Shewaramani (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 6, Plot No. 532, United Niketan Co. op, Hsg. Society, Road No. 17, Khar, Bombty-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II₁37EE 10113₁84-85.

Dated: 11-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स० अर्ह-2-37-हिंह, 10275/84-85'--ग्रत: म्हो, लक्ष्मण दास, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चान् "उक्त श्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मत्य 1,00,000/- क. से श्रधिक है और स पलैंट न 601, जो 6वी मजिल, मंगल भड़ार, लाट न. 539 टो. पी एस 3, 13वा रास्ता, खार, बस्बई-52 मे स्थित है। और इसमें उपाबद्ध ग्रनसची में और पूर्ण ऋप से बर्णित है) और जिसका करारनामा स्रायकर श्रधिनियम धाराकी 269कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यावय, बस्बई में रजीस्टुर्ड है, तारीख 25/8/1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मन्य से कम के दृष्टयसान प्रतिफल के लिये मन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पति का बाजार मन्य उसके दण्यमान प्रतिपाल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए: त्य पाया गया प्रतिकल निम्नलिखिन उददेण्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, आयंकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में सविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आउ या किसी धन या उत्य आक्तियों की जिल्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर स्थिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिया द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के निए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269व ती उपधारा (1) के अधीत, निम्मतिभित व्यक्तियों अर्थात् —

श्रीमिति सतर्जात आनंद और
 मास्टर मनिप्रत आनद थ्रा हिल फादर
 प्रण्ड नंचरल गाडियन तरलोजन सिग
 आनंद।

(भ्रन्तर्भः)

 श्रीः कीस्मल मेहरूमल, श्रीमिल हूरबाई कोहमल, श्री सक्क राम कोस्मल। और श्रीमित कमलाबाई सक्कराम।

(अस्तरिती)

भ्रनियाँ

(वह व्यक्ति जिसके श्रीधभोग में राम्पत्ति है)

4. ---(बह व्यक्ति, जिसके बारे वे

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रद्धोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पन्ति में हितबद्ध है)

को यह सचना रारी करके पृत्रोंबत सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहिया अर्थ करना है। उनम सम्पत्ति के अर्जन क संबंध म कोई भी आक्षप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि, या तत्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मुखरा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेत्रस्ताक्षरी के पान निस्ति में किए जा सकी गं।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्म्**ची**

"फ्लैंट नं. 601, जो, Gबी मंजिल, मगल भंडार, प्लाट न. 539, टो. पो. एस. 3, 13वां रास्ता, खार, बम्बई—52 में स्थित है।

अनुसूर्च। जैसा की भ.मं. अई-2/37ईई/10275/84-85 जो मक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 25-8-1984 को और रजिस्टई किया गया है।

तारीख: 11-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37E1]10275,84-85.—Whereas, I, Luxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000 and bearing Flat No. 601 6th Floor, Mangal Bhandar, Plot No. 539, T.P.S. 3, 13th Road, Khar, Bombay-52, fully described more Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

3

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mrs. Manjeet Anand and Master Manpreet Anand (Transferor)
- (1) Shri Kauromal Mehrumal (2) Smt.
 Hoorbai Kauromal (3) Shri Shewakram
 Kauromal (4) Smt. Kamalabai Shewakram.
 (Transferee)
- 3. Transferce (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 601, 6th Floor, Mangal Bhandar, Plot No. 539, T.P.S. No. 3, 13th Floor, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II|37EE| 10275|84-85 dated 25-8-1984.

Dated: 11-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण सं. अर्ह-2/37 र्र्ड/10290/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आवर्षण अधिनियम, 1961 (1961 रा 43) (जिप इसमें इसके पण्चान् "उक्त अधिनियम" राष्ट्रा गया है) की धाणा 269६ के अधीन सक्षम प्राधिराणि को यह-विण्याम दारने दा राजण है कि स्थावर संपत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- क. से अधिर और जिसकी सं प्लैट नं. 588-एन, जो श्री रामनगर वो-ऑपरेटिब हाउसिंग सोसाइटी ति, खार, बस्वई-52 में स्थित है और इसके उपाबद्ध श्रमृसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है और इसके उपाबद्ध श्रमृसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा श्रायकर स्रधिनियम की धारा 269कख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्वई में रजीस्ट्री है, तारीख 25/8/1984 को पूर्वोक्त संस्पति के उचित बाजार पत्रा में या में दण्यमान प्राप्तित के जित्र सन्ति को उचित कार्य में दण्यमान प्राप्ति के कार्यालय कारण है कि

यथापूर्विक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक (कीं) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शहत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुझिका के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी घर या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कः अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में मृविधा के तिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण भीं, मीं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के बबीन, निम्नितिष्यिन व्यक्तियों अर्थात् :—

- 🗓 श्रीमती रिताबाई मोहनदास आहुजा। (अंतरक)
- 🤈 श्री हंसराज किणिनदास चात्रला। (अंतरिनी)
 - (वह व्यक्ति जिसके भ्रधिभोग में सम्पत्ति हैं)
- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम करता हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबभ मं कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकित विविध विष्य कियी के सीतर पूर्वाकित विविध विश्व के सीतर पूर्वाकित विश्व के सीतर पूर्व के सीतर पूर पूर्व के सीतर पूर पूर्व के सीतर पूर्व के सीतर पूर पूर पूर पूर पूर पूर
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पर्धाकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसभी

पाँट नं. 588-एर, जो, श्री रामनगर को-ऑप ब्राइंग्सिम मोताइटा जि., उरा रास्ता, खार, बम्बई-52 में स्थित है।

अनुमूची जैमा ि क. स. अई-2/37ईई/10290/84-85 और जो सक्षम प्राधि परी बम्बई द्वारा दिनाल 25-8-1984 को रजिस्टई स्थि गया है।

तारीख : 11/4/1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10290|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 588-N, Shree Ramnagar Co-op. Hsg Society Ltd., 3rd Road, Khar, Bombay-52, (and more the Schedule annexed described in hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mrs. Sitabhai Mohandas Ahuja (Transferor)
- 2. Mr. Hansraj Kishindas Chawla (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. N-588, Shree Ramnagar Co-op. Hsg. Society Ltd., 3rd Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 10290|84-85, dated 25-8-1984.

Dated: 11-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं अई-2/37-ईई/10172/84-85 ---अतः म्झे. लक्ष्मण दास, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" बहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- म. में अधिल है और जिसकी स. फ्लैट इं. 13, जो, 3री मजिल, लिलीयन अपार्टमेंटस को-ऑप. हाउभिंग सोभाइटी लि , चुइम व्हिलेज के पास, खार दोडा, आंबेडकर रोड, खार, बम्बई-52 में स्थित है (और इससे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुण्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहां किया गया है:---

(क) अन्तरण में हुई किमी जाय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के बाधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मृतिषा के लिए और/या (म) ऐसे किसी आग या किगी भन या अन्य अभिन्या वी जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-अर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नित्यिक व्यक्तियों अधीन् :—

- श्री णिद्धम एच गियानी और श्रीमती तिनिता एस गियानी। (अंतरहा)
- उ डा. दयाराम गुल्मल खंदनानी। (अंतरिती)
- अन्सिरिती। (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4. → (बह व्यक्ति, जिसके बारे मे श्रधोहस्ताक्षरी जानता है, कि सम्पत्ति में हिन-बख है)

यो यह मूचना जारी करके पृथिकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करना हु। उक्त रम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क्ष) इस मृचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णम् लिखित मों किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण : इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसूची

"फ्लैंट मं. 13, जो. 3री मंजिल, लिलीयन अपार्टमेंट्स. को-ऑप. हार्जीसम सोसाइटी लि , च्हंम व्हिलेज के पास. खार दोंडा, डॉ. ऑबेंडकर रोड, खार. बस्वई-52 में स्थित है। अनुसूची जैसा वि या सा. अई-2/37हैंहै/1017 श्री81-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनार 18-8-1984 को रिजस्टई िया गया है

तारीख: 4-4-1985

मोहर:

(जो लागुन हो उमे काट दीजिये)

Bombay, the 4th April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE 10172 84-85.-Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing Flat No. 13, 3rd floor, Lilian Apartments Coop. Housing Society Ltd., Near Chuim Village, Khar Danda, Dr. Ambedkar Road, Khar, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Shivam H. Giani and Smt. Lahta S. Giani (Transferor)
- 2. Dr Dayaram Gulmal Chandanani (Transferee)
- 3 Transferee (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 13, 3rd Floor, Lilian Appartments Co-op Hsg. Society Ltd., Near Chuim Village, Khar Danda, Dr. Ambedkar Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE/10172, dated 18-8 \$4.

Dated 44-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8843/84-85.--अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयक्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. प्लैट नं. 7, जो, 2री मंजिल, इमारत नं. 3, प्लॉट नं. 8. भवानी नगर, मरोल-मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भृत्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किमी आय की शाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के हायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या 166 GI/85—44 (स) एसे किसी आग या किसी धन या अन्य आगित्यों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या यन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सिविधा की लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्मिलिस्ति व्यक्तियों अर्थात्:—

दीपना जिल्डमी प्रायवेट लि.। (अंतरक)

2. थापी. एत. डिमेलो। (अंतरिती)

(बह र्व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पन्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंगां श्रम् करना हूं। उकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मों कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूकरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मूची

फ्लैंट नं. 7, जो, 2री मंजिल, इमारत नं. 3, क्लॉंट नं. 8, भवानी नगर, मरोल-मरोणी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित हैं।

अनुसूची जैपाधि क. मं. अर्ड-2/37ईई/8843/84-85 और जो सक्षम प्राधिचारो, बम्बई द्वारा दिनांक 3-8-84 को रिजस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 4/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE,8843(84-85,---Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable propery, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 7, 2nd Floor, Bldg. No. 3, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol-Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 fully described (and more hereto), has been Schedule annexed the agreement transferred and the is negistered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid properly and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of : --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assers which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the 1 dian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Shri P. I. D'Mello (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Plot No. 7, 2nd Floor, Bldg. No. 3, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Matol-Maroshi Road, Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authoriy, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 8843|84-85, dated 3-8 1984

Dated: 11th April, 1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37ईई/8844/84-95.---अत: मझे, लक्ष्मण दास, आयरार अधिनियम, 1961 (1961 सा 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" यहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधि गरी को, यह विण्वास करने ए। तारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसुरा उचित बाजार म्लय 1,00,000/- क. ते अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 12, जो, 3री मंजिल, इमारत सं. 1, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल-मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), ब्रम्बई-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप ने वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दूरयभान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित ब।जार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शब्दा, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुदिक्षा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर किथिनियम, 1922 (1922 का 11) या अध्यक्तर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना साहिए था, छिपाने में सिविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, गैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निमालिक्ति व्यक्तियों अर्थात् .—

- 1. दाप : बिल्डर्स प्राइबेट जिल्ला (अ स्क)
- 2. अतिकया दागर मकोर आर सफुदोत मध्ये। १४ हिना) वर्षानाना (अं.िना)
- 3. --

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. --

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि यह सम्पत्ति में हितबढ है)

को यह मूचना जारी करके पर्योक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्ष्य करना हु। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्सेबंधी व्यक्तियों पर गूधना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचना को राजपत्र मो प्रकाइन की वारील वें 45 दिन को भीतर उसन स्थातर समात्ति मो हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मो किए जा सकेसे।

सण्डीकरण :—इसमें प्रमुक्त इन्दी और पदी का, जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

फ्लैंट न. 12, जो, 3री मंजित. इमारत नं 1, फ्लाट नं. 8, भवानी नगर, मरोत मरोग्री रोट, अंधेरी (प्वी), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुभूची जैना िक. सं अई-2/37ईई/8844/84-85 और जो सक्षम प्राधि भरो, बम्बई द्वारा दिनों भे 3/8/1984 को रिजस्टर्ड थिए सुरा है।

ना 4-4-1985

मोहर:

(जो लागू नहों उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8844|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 12. 3rd Floor Bldg. No 1, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 256AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 2960 of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Alefiya Asger Shakir and Saifuddin Shabburhusein Charbiwala (Transferce)
- 3. Transferees

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the aid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 clays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd Floor, Bldg. No. 1, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8844|84-85 Dt. 3-8-1984.

Dated: 4th April, 1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. अई-2/37 ईई/10273/84-85 —अत: लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इवके पण्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00 000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैंट न 15, जि. 4थी मजिल, इमारत न 🕢 'लॉट न भवानी नगर, मरोल मराशी गोड अंधेरी (पुर्व) बम्बई-61, में स्थित है (और इसमे गुपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्ट्री है तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक(कां) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शब्त, आयकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आप या किसी अन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण मो, मों उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्नानिष्टित ब्यक्तियों अधीत्:—

- दोपक विल्डर्स प्राइवेट लि.। (अतरक)
- 2 धिरजलाल जयंतीलल शहा और मिना धिरजलाल शहा। (अतरिता)

. (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.--

3. --

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबड़ हैं)

को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्णवाहियां शुरू करना हु। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की नारीक्ष की 45 दिन को भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी को पाम लिक्ति में किए जा सकेगें।

स्पष्टिकरण: -इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैंट न. 15, जो, 4थी मंजिल, इमारत न 4, प्लाट न. 16, भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड, अर्बेरी (पूर्व), बस्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10273/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता: 4-4-1985

माहर:

(जो लागुन हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II₁37EE[10273₁84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1061) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 15, 4th Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 16, Bhavani Nagar, Marol Marosli Rd., Ancheri (E) more (and fully described the dule annexed hereto), has been transferred agreement 15 regstered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961. in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Deepak Builders Pvt. Ltd., (Transferor)
- Dhirajlal Jayanthilal Shah and Meena Dhirajlal Shah (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 15, 4th Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 16, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II, 37EE|10273|84-85 Dt. 25-8-84.

Dated: 4th April, 1984.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई-2/37ईई/10144/84-85.--अतः मुझे. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चान् "उक्त अधिनिम" कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 रु. में अधिक है और जिसकी फ्लैट ने. 404 जो 4थी मंजिल, राजेंद्र को-आंप, हाउसिंग सोसाइटी, चकाला, अंबेरो (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसरा अरार-नामा आयार अधिनियम की धारा 269 तख के अधीन, सक्षम प्राधि गरी के जायीलय, बम्बई में रजिस्दो है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वीका सम्बन्धि के उचि वाजार मूल्य स कम के दुष्यमान प्रतिकल के लिये अनारित की गई है आए मुझे यह विक्यास करने का ारण है ि यथापूर्वीका सम्पत्ति वा बाजार मुल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृष्यमान प्रतिफन के पंद्रह प्रतिशन ने अधि है और अंतरक (कों) और अंदितो(यों) के बीच ऐंदे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उका अंतरण लिखिन में बार, बिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में सिवधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किमी आय या किसी धन या उन्य आखियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत: अब उक्न अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. मैसर्स आमेक्स बिल्डर्स एंड कांट्रेक्टर्स। (अंतरक)
- 2. श्री एस. कुमार गोपाल। (अंतरिती)

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

3. --

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरो जानता है, की वह सम्पत्ति में हिन्बद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की नामीन से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क्) इस म्क्टा के राजपत्र मो प्रकाशन की लारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाग लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमे प्रय्क्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

श्रनुसुची

फ्लैंट न. 404 जों, 4 थीं मंजिल राजेंद्र को-आप. हार्जिसम सोसाइटी, चकाला, बस्बई, अंधेरी (पूर्व), में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क. मं. अई-2/37ईई/10144/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ता: 4-4-85

मोहर:

(जो लागुन हो उसे बाट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]10144|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 404, 4th Floor, Rajendra Co. Op. Housing Society, Chakala, Andheri (E), Bombay. described (and more fully in the Schebeen transferred dule annexed hercto), has agreement is registered and the section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. M|s. Omex Builders and Contractors

(Transferor)

2. Shri M. S. Kumar Gopal (T

(Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4. –

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 404, 4th Floor, Rajendra Co. Op. Housing Society, Chakala, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE 10144|84-85

Dated: 4th April, 1984.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण स. अर्ड-2/37ईई/10141/84-85.—अत: मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/-रु. से अधिक है और जिसकी पलैट नं. 303 जो, 3री मंजिल राजेंद्र को-आप हाउसिंग मोमाइटी. चकाला अंधरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण हप से दिणत है), अंदि जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रिकिस्ट्री है,

तारीख 18/8/1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रें अस के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास अरने जा जारण है ि यथापूर्वोका सम्पत्ति का वाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्रंह प्रतिशत के अधि है और अंतरक (कों) और अंतरक (यों) के बीच ऐस अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखा में वासाविक रूप से अधित नहीं जिया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शब्दा, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अग या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्मरण में, मैं उवन अधिनियम की धारा 269म की उर धारा (1) के अधीन, निम्नानिम्ति व्यक्तियों अर्थात्:—

- मैसर्स ओमेक्स बिल्डर्स एंड कांन्ट्रक्टर्स । (अंतरक)
- 2. एस. ए. बंचीनाथ। (अंतरिती)
- (वह ब्यक्ति, जियके अधिशोग में सम्पत्ति है)

की वह सम्पत्ति मं हितवद है)

् (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहसाक्षरो **जानता है,**

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम् करना हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध िकमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति मो किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अन्मुचो

फ्लैंट नं. 303 जी 3 री मजिल राजेंद्र को-आप. हार्जिसग सोसाइटी, चकाला, अधेरी (पूर्व), बम्बर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/3755/10141/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजिस्ट हं किया गया है।

तार 4-4-84

भोहर:

(जा लागून हो उन काट दोजिय)

Ref. No. AR-II|37EE|10141|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 303, 3rd Floor, 'Rajendra Co-operative Housing Society Ltd.. Chakala, Andheri (East), Bombay-400093 (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M's. Omex Builders & Contractors (Transferor)
- 2. S. A. Vanchinath (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be unterested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, Rajendra Co-op. Housing Society Lto, Ground Floor, Chakala, Anuheri (F), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37f E|10141|84-85 dated 18-8-1984.

Date: 4-4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37ईई/10139/84-85.—अत[.] मझे, लक्ष्मण दास, अयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहाँ गया है) की धारा 269 घ के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/-म. से अधिक है और जिसकी दुकान नं, 1 जो ग्राउंड फ्लोअर विद्यादानी को-आप. हार्जिसग सोसाइटी, इमारत न, ए-1 चकाला अंधेरी (पूर्व) बम्बई में स्थित है) (और इसने उपायद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिक्का करारतामा आधश्रर अधिनियम की धारा 269 कुछ के अधीन, सक्षम प्राधि ारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्टी है, तारीख 18-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तिः की गई है ओर मुझे यह विषयाम करने दा कारण है ि एथापूर्वोका सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल के, एके दुश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत के अधि है और अंश्क (कों) और अंतिरती(यो) में अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य में उवः अं।रण लिखित में वास्-विक रूप से कथिन नहीं िस गश हैं:→-

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की नाइत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या (ख) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पृतिथा की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों अर्थात् :—

मैसर्स इंडिको कंस्ट्रक्शन कंपनी।

(अतरक)

2 श्री स्टिफन फिलिप डिसिल्वा।

(अंनरिनी)

3. --

(वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. --

(बह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहरताक्षरी जानता है, की वह सम्बन्ति में हित्बद्ध है)

को यह मूचना जारी करके प्योक्ति मम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां क्ष्य करता हा। जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मंकोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर र्चन की कामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि इस मासाप्त होती हो, वें भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) उर सचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्मत्ति में हितबद्ध विग्नी तन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '—इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसभी

दुकान नं. 1 जो, ग्राऊंड फ्लोअर विद्यादानी को-ऑप. हाउमिंग मोमाउटी, इमारत ए-1, चकाला अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/10139/84-85 जो सक्षम प्राधिकरी बम्बई द्वारा दिनाक 18/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

हारीख: 4-4-1985

महिंग:

(जो लागून हो उसे काट दोजिये)

Rel. No. AR-II|37EE|10139|54-85 -- Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,0001and bearing Shop No. 1, Ground Floor Bldg. A-1, Vidyadani Co-op, Housing Society Sahai Village. Andheri (East), Bembay-400069 (and fully described in the Schedule annixed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforciaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- I. M.s. Indico Construction Co. (Transferor)
- 2 Mr. Stephen Philip D'Silva (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;

166 GI/85--45

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning * as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vidvadani Co-op. Housing Society, Shop No. 1, Bldg. No. A-1, Ground Floor, Chakala, Andheri (E),

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37F1 10139 84-85 dated 18-8-1984.

Date 4-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण मं. अई-2/37ईई/10138/84-85 --- अत मझे, लक्ष्मण दास, आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा १८१६ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/∼रु से अधिक है (और जिसकी सं दुकान नं 1 और 2, जो, गाउंड फ्लोअर, विद्यादानी को-आप हा उसिग सामाइटी, इमारत न , बी-2, चकाला अंधेरी (पूर्व), बबई में स्थित है और इससे उपायद श्रन्मची में पूर्ण चप से बॉलत है। और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के अधोन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्बई से रिजस्टई है नारीख 18/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य में कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये प्रत्तिरत की गई है और मुझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पति का वाजार मूल्य उसके दृण्यमान प्रतिफल के ऐसे दृण्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिणत से श्रधिक है और अनरक (को) और अनरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया निम्नलिखित उददेश्य स लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है 🚤

- (क) अन्नरण में हुई किमी आप की शहन, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्नरक के दियाब में कमी करने या उसमें इचने में सिविधा के लिए और/म
- (ल) ऐसे किसी अस या किसी धन या अन्य आस्थियों की जिस्हे भारतीय आयत्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 431 मा अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिणाने में सिविभा के लिए,

अत अब उदा अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण भो, भी उक्त अभिनियम की धारा 269म की उद धारा (1) के अधीन, निमारिस्वित व्यक्तियों अधीत्:—

मैसर्न इंडिको कंस्ट्रकणन कंपनी। (अंतरक)

2. श्रीमती मिनानी फर्नान्डीम । (अन्तरिती)

3. ---

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उकन सम्पक्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्सबंधी व्यक्तियों पर मृचना की तामील 30 दिन की अविधि, जों भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस राज्या के राज्याश सी प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उबत स्थानर सम्पत्ति मी हितब खे किसी अन्य त्यवित द्वारा अधोहम्लाक्षणी के पास लिखित मी तिए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं; वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगमची

दुकान नं. 1 और 2, मो, प्राऊंड फ्लोर, विद्यादानों। की-आभि. हाउभिग मीमाइटी, इमार्ग नं. वी-2, विश्वाला, अन्धेरी (पूर्व), बम्बई में रिषत हैं।

अनुसूची जसा कि क. मं. अई-2/37ईई/10138/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्वई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 4/4/1985

मोहर :

(जो लाग न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10138|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the unmovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000'- and bearing Shop No. 1 & 2, Ground Floor, Bldg No. B-2 Vidyadani Co-op, Housing Society, Sahar Village, Andheri (E), Bombay-400069 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset; which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuence of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1 Ms. Indico Construction Co. (Transferor)
- 2 Mrs. Minano Fernandes (Transferce)
- .3. —

(Person in occupation of the property)

interested in the property)

(Person whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette
- Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

idyadani Co-op. Housing Society, Shop No. 1 & 2 Ground Floor, Bldg. B-2, Chakala, Andheri (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 2/FE[10138]84-85 dated 18-8-1984.

Date. 4-4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37ईई/8949/84-85.--अत मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर मपिन, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-म. से अधिक है और जिसकी स. (द्कान न. ५, जो, म्राइंड फ्लोअर, विद्यादानी को-आंप. हाउसिंग मोसाइटी, इमारत न . वं:-2. चकाला, अधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिम्ट्रई है तारीख 4-8-1984 की पूर्वक्ति सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्य-मान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत म ग्रधिक है और अंतरक(को) और अतर्ग्नि(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तद पात्रा गया प्रतिकल निम्न-निजित उद्देश में उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप में कथित नही किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दाणित्व में कमी करने या उममें इचने में मुक्किश के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आप या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अपयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-पन अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनिधम की धारा 269र के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निमालिकित बर्किनयों अर्थात् .—

- मैसर्स इंडिको कन्स्ट्रवणन कपनी। (अतरक)।
- 2 श्री मानजी जेस्सा पटेल । (अन्तरिती)
 - (तह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पति ह)

4.— (बह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहरनाजरी जानतः है की बह सम्परित में ब्रित्बढ है)

को यह स्वना जारी करके पृत्तीकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध या कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 विन की अविधि, या नत्संबंधी व्यक्तियों पर नूचना की नामीन से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस म्इरा क राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीगर उन्न स्थादर नम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति हारा अधीहमाक्षरी के शस लिकिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रधाय में दिया गया है।

ग्रन्मूची

"दुकान न 9. जी. ग्राउड फ्लाअर, विद्यादानी की-आंप. हाउसिंग मीमाठ्टी, डमारत बी-2, चकाला, अधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37 ईई/8949/84-85 अगैर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 4-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4-4-1985

मोहर .

(को लागू न हो उमे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8949|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the unmovable property, having a fan market value exceeding Rs 100,000]-and bearing Shop No. 9, Ground Floo, Vidyadani Co-op, Housing Society, Bldg, No. B-2, Chakala, (East), Andheri Bombay fally described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is le's than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any mome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 263C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. M_Is. Indico Construction Company (Transfetor)

2 Manji Jessa Patel (Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fxplanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vidyadani Co-op. Housing Society. Shop No. 9, Ground Floor, Bldg. B-2, Chakala, Andheri (£), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE 8949/84-85 dated 4-8-1984.

Date: 4-4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स अई-2/37-ईई/10140/84-85.--अन मझे. लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमे उसके पण्चान् "उका अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उसिन वाजार मृत्य 100,000/- ह. से अधिक है और

जिसकी में दुकान न 11, जी, प्राउद फ्लार, बिद्यादानी की-आप हाउसिंग मीनाइटी, हमारन ने एना, चराला, अंधेरी (पूर्व) बस्पई में स्थित हैं (और इससे उपावड़ प्रमुप्ती में और पूर्ण क्ष्म में विणित हैं) और जिसका करारनामा प्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 कल के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यान्य बस्बई में रिजिस्ट्री हैं तारीख़ 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई हैं और मुझे यह विण्याम करने का वारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक हैं और अंतरक/अंतरको और अंतरित /अंतरितयों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से वाश्वत नहीं सिया गया हैं —

- (क) अन्तरण में हुई किसी आग की शहत, आयकर आधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें दुरूने में सिव्धा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी अग या किसी ध्रम या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविधा के जिए

अत अब उका अधिनियम की धारा 269र के अनुसरण में, में उका अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों अर्थान् :---

1. मैसमं इडिको कंस्ट्रक्शन कंपनी। (अंतरक)

2 श्री पीटर अन्द्राङे। (अंतरिती)

(वह व्यक्ति जिसके श्रिधभाग में सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति जिसके बारे में ऋघोहस्ताक्षरों जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबद्ध है)

को यह गच्या जारी करके पत्नोंक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध मों कोई भी आक्षेप :--

> (क) इस सचना के राजपद्य में प्रकाशन की तारी का में 45 दिन की अविभि, या तत्से वंधी व्यक्तियों प राचना की तासील स 30 दिन नी अविध, जो में अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोक्ति व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सच्चा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील 45 दिन को भीतर उबन स्थानर समासि में किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम लिख्तिमो किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: इसमा प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकार अधिनियम. 1961 (1961 का 43) अध्याय 20 कमें परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न . 11, जो, ग्राउंड फ्लाअर, विद्यादानी को-ऑप . हा उमिग सोसाइटी, इमारत ए-1, नकाला अंधेरी (पूर्व), बम्बई में स्थित है:

अनम्बी जैमा कि क म. अई-2/37 ईई/10140/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को राजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर:

(जो लाग न हो उसे काट दीजिये)

Rcf. No. AR-11|37EE|10140|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000-and hearing Shop No 11, Ground Floor, Vidyadani Co-op. Housing Society, Bldg. No. A-1, Chakala, Andheri (East), Bombay (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (**27** of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Ms. Indico Construction Co. (Transferor)
- 2. Shri Peter Andrede (Transféree)
- 3. (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Vidyadani Co-op. Housing Society, Shop No. 11. Ground Floor, Bldg, No. A-I, Chakala, Andheri (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 10140 84-85 dated 18-8-1984.

Pate: 4-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्वेष सं. अर्ड-2/37ईई/8976/84-85---अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 100,000/-रु. से अ**धिक** है और जिसकी सं.

आयकर अधिनियम की धारा 269क्ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुण्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिती (यो) अतरक (को) और गेरी अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल. लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की दाबत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे इसने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्तर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अथकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मं स्तिथा के लिए

जत अब उका अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण में, मैं उबन अधिनियम की धारा 269घ की उन धारा (1) के अधीन, निमालिखन व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. दीपक विल्डर्स प्राइवेट लि. (अंतरक)
- 2 गीता बन्धी भ्रांर अवतार नारायण बन्धी, एच . यु . एफ (अंतरिती)
- 3 —— (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बह र्व्याक्त, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुम्ब करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि, या तत्संबधी व्यक्तिया पर एचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (म) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की नारीस के 45 दिए के भीतर उक्त स्थानर सम्मिना मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरनाक्षरी के प्रमिलिख मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के गन्याय 20क मे परिभाषित हो, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है ।

अनुसूची

प्लैट न. 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, इमारत नं. 4, प्लॉट न. 14, भवानी नगर मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/8976/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई ब्रारा दिनाक 6-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 4/4/1985.

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-11/37EE/8976/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 14, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (East), Bombay-400659 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Geeta Bhakshi & Avtar Naiayan Bhakshi H.U.F. (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 1, Ground Floor, Bldg, No. 4, Plot No 14, Bhavani Nagar, Marol Mareshi Road, Andheri (F), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 8976 84-85 dated 6-8-1984.

Date: 4-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं . ग्रई-2/37ईई/8979/84-85'→-ग्रनः मझे, लक्ष्मण दास, श्राय पर श्रिधिनियम, 1961 (1961 टा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, 'उयत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास रारने हम रामिण है िं स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मृत्य 100000/-रु से प्रधित है और जिसकी सं. फलैंट नं 4, जो 1ली मंजिल, इमान्त नं 5, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बर्ट-59 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बर्ड में रिजस्ट्री है, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्न सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिमत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की रावत, आयकर, अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए और/या (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) मा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वर्ग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पिश के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीर, निमालिखित व्यक्तियों अर्थात् '---

1 दीपा बिल्डमे प्रायवेट लि । (ग्रनारक)

2. बिरोस्ट डिसोजा। (ग्रहारिती)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां धारू करता हा। उकत सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील में 30 दिन की उद्धित, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्योक्ति व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति हारा।
- (स) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एास निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया गया है।

अनुसूची

फलैंट नं 4, जो 1ली मजिल, इमारत नं 5, प्लॉट नं 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई--59 वे स्थित है।

श्रनुसूची नैं।ा ि के. मं श्रई-2/37ईई/8979/84-95 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनौंक 6-3-1984 को रजिस्टई किया गंगा है।

तारीख: 4/4/1985

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|8979|84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1.00,0001and bearing Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No 5, Plot No 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (Fast), Bombay-400059 (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Deepak Builders Pvt 1 td. (Transferor)
- 2. Vinsent D'Souza. (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons which-ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Hat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. 5, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andlheri Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE 8979[84-85] dated 6-8-1984.

Date: 4-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. ग्रई-2/37ईई/9752/81-85 --ग्रत मझे लक्ष्मण दास. भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात, "उक्त श्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने हा हारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 100000/- रु. से म्रधिल है और जिसकी मं. फ्लैंट नं. ३, जो, ाली मंजिल, इमारत नं. 4, ष्याँट नं. ८, भवानी नगर, सराल रोड. है (ओर (पूर्व) बम्बर्ड−59 मे स्थित हसंस अंधेरी और पुर्ण वर्णित अनसूची Ħ आयकर अधिनियम 269 कखा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दुण्य-मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का बाजार मत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यो) के बीच एमें अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शबत, आयंकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानै में स्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उर धारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों उशीत :—

- 1. दिपाल चित्रदर्भ प्रायवेट लि.। (श्रन्तर हो)
- स्टेब्स टेबिड ऑल स्टिलिया टो जे.काभर। (ग्रन:पिना)
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की तासीत में 30 दिन की अहि के, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (रू) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्भक्ति में हितबद्ध िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त बन्धों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनम्ची

"फलैंट नं. 3, जो, पहली मंजिल, इमारत न. ।, प्लॉट नं 8, भवासी नगर, मरील मरीजो रोड, अंधेरी (पूर्व) बस्बर्टे~59 में स्थित है। स्मृत्या जैसा कि के सं अई-2/37ईई/9752/84~85 और जो सक्षम प्राधिारी, बस्बई द्वारा दिनों. 10-8-1984 को रजीस्टर्ड िया गया है। तारीख: 4/4/1985

मोहर:

*(जो लागु न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|9752|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001and bearing Flat No. 3, 1st Floor, Bldg. No. 4. Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road. Andheri (East), Bombay-400059 (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is 166 GI/85-46

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Fransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Steve David & Stanilaus T J, Fraser (Transferee)
 - (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty-five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, 1st Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 370E 9752[84-85] dated 10-8-1984.

Date: 4-4-1985.

3.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ग्रई--2/37ईई/9749/84-85'---ग्रत मझे, दान, भाररू भ्रिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इनमें इसके पश्चान, 'उक्त ऋधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिहारी को, यह विश्वास एरने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजारम्ह्य 1,00,000/-- क से श्रधिक हैं और जिसकी फ्लैंट नं. 4, जो पहली मंजिल,इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 8, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), त्रम्बई⊸59 में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रधिनियम की 269 क ख के ग्रधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है और अंतरक (कीं) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ददेश्य ने उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक वं दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृदिधा की जिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्मर्ण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों अर्थात :—

- 1. दिपक बिल्डर्स प्रायवेट लि.। (श्रन्तरक)
 2. डयगो मॅस्कॅरेन्हस। (श्रन्तरिती)
- (बह व्यक्ति जिसके प्रिधि-भोग में सम्पित्ति है।)
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोह्स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पित्त में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(स) इस मुखना के राजपण में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबड़ किया अभोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त अब्दो और पदीं का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्युची

फलैंट नं. 4, जो, पहली मंजिल, इमारत नं. 4, प्लाट नं. 8, भगानी नगर, मरोल मरोणी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है।

असूची जैसा कि क. सं. श्रई -2/37ईई/9749/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरी, बम्बई द्वारा दिनां हे 10-8-1984 को रजीस्टई जिया गया है।

तारीख :- 4-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9749|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. 4, 1st Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Bombay-59 (East), (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Deepak Builders Pvt. Ltd., (Transferor)
- 2. Diago Mascarenhas (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, 1st Floor, Bldg, No. 4, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (Fast), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II| 37EE|9749|84-85.

Date: 10-8-1984.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. ग्रई-2/37ईई/10090/84-85 -- ग्रन. मुझे लक्ष्मण दार प्रापार प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपमे इसके पश्चान, "उका अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 व के प्रजीन सक्षम प्राधि गरी को यह विश्वा 'रने " कारण है हि स्थावर सम्पत्नि, जिया उचित बाबार मूल्य 100000√ क से अधि: हैं और जिसकी मं. फर्नेंट न. 12, जो, 3 री मजिल, इमारत नं. 4, प्लॉट नं. 6, भवानी नगर, गरोप मराशी रोड, अधेरी (पूर्व) बम्बई-59 में स्थित ें ऑह पूर्ण भ्रन्मूची मे और वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, जिम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में बास्तविक रूप से क्वित तही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधिन नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क प्रायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किमी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए

जत. अब उकत अधिनियम की घारा 269ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उन धारा (1) के अधीन, निम्निकियन व्यक्तियों अभीत्:—

- 1. दिपाः भिल्डमं प्रायवेट लि (ग्रन्तरकः)
- 2. जगदाण माधव दाते (ग्रन्तरिती)
- (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

का यह सचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति हारा।
- (क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थाहर सम्मत्ति में हितब स्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुर्चा

'फ्लैंट त 12, जे. जा मित्रा, अगरा न 1. फ्लाट त 6, भनाती नगर, नरार मर्राण राह, अंबेरी (पूर्व), बस्बई-59 भ स्थित है।

न्नमुचा जैया ि श्र म ग्रई-2/37ईई/10090 /84-85 आर जो सक्षम प्राधिजारो बम्बई द्वारा दिनाक 18-8-1984 को रजिस्टई क्या गया है।

तारीख 4/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हा उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10090|84-85.---Whereas, 1 LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 12, 3rd Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 6, Bhavani Nagai, Maiol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59 (and more fully described in the Schedule an texed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of S.c.ion 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Deepak Builder, Pvt Ltd., (Transferor)
- 2. Jagdish Madhav Date (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the and property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 6 Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri(E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II|37EE|10090|84-85, dt. 18-8-1984.

Dated: 4th April, 1985

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म श्रई-2/37ईई/10347/84-85 :-- श्रत. म्झे लक्ष्मण दान, न्नाय एर म्रधिनियम 1961 (1961 बर 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् उक्त ऋधिनियम वहा गया गया है) की धारा 26 घ रे अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वार अस्ते । पत्र है किस्थावर सम्पत्ति जिना उचित बाजार मुल्य 100000/- रुप्ते प्रधिक है और जिक्ती स फ्लैट नं 1, जो, इमारत नं. 2, प्लाट न 17, भवानी नगर. मरील मरीकी रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-59 में स्थित है और इसमें उपावद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा श्रायकर श्रक्षिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बाई में रजिस्ट्री है नारीख 25/8/1984 की पृत्रोंकन सम्परित में उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये प्रनारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (कीं) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अतरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण में हुई किमी आय की शावत, आयकर अधिक नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सामक्षा के लिए और/या (स) ऐसे किसी अस या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिस्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिन्ध के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निमालिस्ति व्यक्तियों अभीत् '---

1. ग्रानंदी एम. सिरोया । (ग्रन्तरः)

2. श्री राज् अवनेम । (अन्तरिती)

3.

(बह व्यक्ति जिसके प्रधिभाग में सम्पत्नि है)

4.

(वह क्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह मूचना जारी करके पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शृक्ष करता हा। उकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभि, या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की उविधि, जो भी अविभि दाद मो समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मुख्ता के राजपत्र मो प्रकाशन की नारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णाग लिखित मो किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण . इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनगुची

"फ्लैट नं. 1. जो इमारत नं. 2. प्लाट न. 17. भवानी नगर मरोत मरोणी रोड. बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा क . स अर्ह-2/37ईई/10317/84-95 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिना: 15/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 4/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ret. No. AR-II|37EE|10347|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 1, Bldg. No. 2, Plot No. 17, Maroshi Marol Nagar, Bombay (and more Andheri (E), fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Anandi M. Siroya (Transferor)

2. Shri Raju Abenes (Transferce)

3. ---

(Person in occupation of the property)

4. -

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Bldg. No. 2, Plot No. 17, Bhayani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay--69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10347|84-85, dt. 25-8-1984.

Dated: 4th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

मुझे लक्ष्मण दास आयार अधिनियम 1961 (1961 रा 43) (जिसे इगमे इनके पण्चात "उक्त ग्रिधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के श्रदीन नक्षम प्राधिगारी की यह विक्वा रास्ते । रास्या है ि स्थावर सम्पत्ति जिस् । उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से श्रिश्चित्र है और जिसकी स फलेट नं. ३ और 4, जें। पहली मजिल इमारत 2, प्लाट स. ४ भवानो नगर, मरोल मरोशी, राङ्, अधेरी (पूर्व) बम्गई-59 में स्थित है। (और इसमे उपाबड अनुमुन) में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्दी है, नारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये. अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का वाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (कि) अंतरण से हुई किसी आर की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिष्धा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा या विकास जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की लिए

अतः अज उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्निनिख्त व्यक्तियों अधीत: —

- दिपक बिल्डमं प्रायवेट ति । (ग्रन्तरक)
- 2. परमेण्वरा सास्ती रामताथन । (अन्तरिती)
- 3. --

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है

4. --

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबढ़ हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध माकोई भी आक्षण:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध, या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मो समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (न) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी जन्द ज्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्ठित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसंची

"फलट न. 3 और 4, जो, पहली मजिल, इमारत नं. 2, प्लाट न. 8, भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड, अधेरी (पूर्व), ब्रम्बई-59 में म्थित है।

श्चनुसूची जैसा कि क. स. श्रई~2/37ईई/10274/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 25/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 4-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उमें काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10274|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinalter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 3, 4, 1st Floor, Bldg. No. 2, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Andheri (E) Road, (and Maroshi fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 to believe that the have reason fair market

4.

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Deepak Builders Pvt Ltd. (Transferor)
- 2. Parameswara Shastri Ramanathan

(Transferor)

4.

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3 and 4, 1st Floor, Bldg. No. 2, Plot No. 8, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II|37EE|10274|84-85, dt. 25-8-1984.

Dated · 4th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं . श्रर्ष- 2/37ईडी 9947 84-85 .—-শ্বন मुझे लक्ष्मण दास भ्राय:र श्रधिनियम 1961 (1961 हा 43) (जिस इससे इन्हि पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की घारा 2.69 घ ने श्रघीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास अपने ता शारण है जि स्थावर सम्पति जिसुका उचिन वाजार मूल्य 190000/- म. ने अधिन है और जिसकी सं फलेट नं. 9, दूसरी मंजिल, जिल क्यिज अपार्टमेट, महाभाली केवज रोड, अंधेरी (पुर्व), वस्वई 4000०3, में स्थित है और इससे उपाबढ़ श्रन्मुची में और पूर्ण रूप में बर्शिन है) और जिसका सरारनामा क्रायकार क्रिधिनियम 269 कख के अधीन, मक्षम के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कीं) और अतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतर ग लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शब्दत, आयकर अधि-िएम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने एा उससे बचने में सिविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्टियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा की जिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उद धारा (1) के अधीन, निम्निनिष्टित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री लैंग ग्रहमद । (अंतरक)

2. श्री जी. बी. प्राण । (ग्रन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां शरू करता हुः। उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध भो कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा।

(क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 15 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिनद्वाद किया अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के एम लिक्किन में किए जा सकेमें।

स्पष्टीकरण : - इसमे प्रयुक्त राज्यों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनम्भी

"फलट न ५, हो दूसरी मजिल, बिलक्विस श्रपार्टसेट महाकाली देवज रोड, अधेरी (पूर्व) बम्बई-400093 में स्थित है "

अनुसूची जपा की क स. अई-2/37ईई/9947/84-85 और जो सक्षम प्राधिनारा वस्वई हारा दिनाक 13-8-1984 का रजोस्पर्ध रिया गरा है।

तारीख: 9-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37EE 9947 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|bearing Flat No. and Caves Floor, Bilguis Apt., Mahakalı Andheri (E). Bombay-93 (and more Road. fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfereg for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

I. Laiq Ahmed (Transseror)

2. Shri G. B. Prakash (Transferee)

3. ---

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fxplanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd Floor, Bilquis Apartments, Mahakali Caves Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37FE|9947|84-85, dt. 13-8-1984

Dated: 9th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

तिर्देश मं अर्ह-2/37-ईई/1007 1/84-85 — अत मुझे लक्ष्मण दाग श्रायकर श्रिधित्यम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त श्रिधित्यम" वहा गया है) की धारा 269 घ के श्रिधीत सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसतों उचित बाजार मृत्य 100000/- रु. में श्रिधक हैं और जिसकी सं. जमीत द्या अंग्र या भूखण्ड महाकाली केयज रोड, अंग्रेरी (पूर्व) वस्वई में स्थित हैं इसमें उपावद श्रनुसूची में और पूर्ण कप में वर्णित हैं और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधित्यम की धारा 269 कख के श्रिधीत सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वई में रजीरही है तारीख 17-8-1954 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से इम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास

के कार्यालय, बम्बई में एजिल्टर्ड है, तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिक्रल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृण्यमान प्रतिक्रल के, ऐसे दृण्यमान प्रतिक्रल के पंद्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, निम्निलिखत उद्देश्य से उवन अंतरण लिखित से वास्तविक रूप से क्यान नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1981 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए और/या
- (स) ऐसे किया आग या किया धन या उत्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) या पन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्मिनिक्ति व्यक्तियों अर्थान् —

- । श्रीमती तृष्णा यपुर । (अनेनर)
- ्र. ध्रामनी प्रभा ६५७ । (अन्यस्ति)
 - 3. ————— (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह महना जारी करके पूर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हा। उत्तत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी अर्थिय :—

- (क) इस सचना के रातपात्र मा प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्सवधी व्यक्तियों पर गचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समात होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क्) इस सक्या के राजपत्र मा एकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति मो हिनाइ क्ष किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के एक निरित्त मा किए का स्कोरी।

रगप्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनमधी

"जमीन का अंश या भृष्यण्ड जो महा गली केवज रोड, अंधेरी (पूर्व) बम्बर्ड में स्थित है।"

अतम्बीजैला कि क.मं भई-2/37/10072/84-85 ओर जो सक्षम प्राधि । र्या वस्थई द्वारा दिनाए 17-8-1984 को रिजिस्टर्ड प्रिया समा है।

तारीख: 9-4 1985

मोहर:

(जो लागृ न हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10072|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing a piece or parcel of land at Mahakali Caves Road, Andheri (F), Bombay (and more 17-8-1984 for an apparent consideration which is fully described in the Schedule annexed hereto), has transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have rribbeen or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid projectly by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Mrs. Krishna Kapur (Transferor)

2. Mrs. Prabha Kapoor (Transferee)

3. — (Person in occupation of the property)

4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

A piece or parcel of land, Plot No. 182, Shere Punjab Housing Society Ltd, Mahakali Caves Road, Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-JI|37EE|10072|84-85, dt. 17-8-1984,

Dated: 9th April, 1985

Scal:

(Strike off where not applicable)

निर्देश स. अई--2/37-ईई/10026/84--85:- अत: मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसेमें इस इसके पण्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वारा करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं.. जमीन, गिटीएम नं. 371, वीलेज गण्डवली, अधेरी क्ी रोड के सामने, अधेरी (पूरव) बम्बई- 400069 में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्टर्ड है, तारीख 16-९-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्बन्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिपाल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के कीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया हैं .--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आप की शाबत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) को अधीन कर देने को अन्तरक को दायित्व में किसी करने या उससे युक्ते में सिविधा को निए और/या
- (ख) ऐसे किसी आग या किसी धन या अस्य जास्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किए। गरा था या किए। जाना चाहिए था, छिपाने में सिंदिध के लिए

बत: अद उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269र की उर धारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों दर्थात् :—

1. मैसर्स लीव होम्स । (अन्तरक)

2. श्री नीतिन हरमुखलाल दोशी तथा श्रीमती उपा नितीन दोशी (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 --

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो' के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की नारीख के 45 दिन के उपन स्थावर सम्पत्ति में भीतर हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह-स्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पप्टीकरण — इसमे प्रयुक्त णब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में, परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमृनी

"जमीन, जो मि. टी. एस. नं. 371,वीलेज गूण्ड्वली, अंधेरी कुर्ला रोड के सामने अंधेरी (पूरव) बम्बर्ड 400069 में स्थित हैं।

अनूमूची जैसा कि क. सं. अई--2/37ईई/10026/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 16/08/1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 9-4-1985

मोहर:

जो लागून हो उसे काट दीजिए।

Ref. No. AR-II|37EE|10026|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000; bearing No. 371, CTS Village Gundavali, Off Andheri Kurla Road, (E), Bombay-400069 (and more fully Andheri described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Live Homes (Transferor)
- 2. Mr. Nitin Harsukhlal Doshi and Mrs. Usha Nitin Doshi (Transferee)
- 3. --

(Person in occupation of the property)

4. --

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as arc defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

CTS No. 371, Village Gundavali, Off Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-69.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10026|84-85, dt. 16-8-1984.

Dated: 9th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

वम्बई, 10 अप्रैन, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9061/84-85 :- अत: मझे लक्ष्मण दास, आकथर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 100,000/- रु. ये अधिक है और जिसकी स. फ्लैंट न. 3, जो, ग्राउंड फ्लांर, महाकाली केव्ज रोड, इमारत नं. 29, रामया जीवन को–आप. हार्डासग सांसाईटी लि., अंग्रेरी बम्बई-93 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप म वर्णित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ड हं, तारीख 4-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल, में ऐसे दुव्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर विध-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/गा
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसर्फ में, में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों अर्थातः :—

- 1. श्रीमती कमला जवाहर वैद्य! (अन्तरक)
- 2 श्री दिलीप सदाशिय सकपाल और श्रीमती (अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

4. ---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहम्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पन्ति में हितबद्ध हैं।)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोवित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शृक्ष करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सृचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस सूचरा के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के एास सिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसुची

पलैट नं. 3, जो, ग्राउंड फलोर, इमारत न. 29, महाकाली केंक्ज रोड, रामया जी वन को- आप. हाउसिंग सोसाइटी लि., अग्नेरी, (पूर्व) वस्वई-92में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क. सं. अई-2/37ईई/9061/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई, हारा दिनाक 4/8/1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख : 10/4/1985

मोहर:

(जो लागुन हो उसे काट दोजिये)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE|9061|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (heremafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. 3, Ground Floor, Mahakali Caves Road, Bldg. No. 29, Ramaya Jeevan Co-op. Hsg. Society Ltd., Andhers (E), Bombay-93 (and more 4-8-1984 for an apparent consideration which is fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Smt. Kamala Jawahar Vaidya (Transferor)
- 2. Shri Dilip Sadasiv Sakpal and Mrs. Sharmila Dilip Sakpal (Transferee)
- 3. Transferor

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the properate)

Objections, if any, to the acquisition of the property may be made in writing to the under signed—

- (a) by any of the aforesaid persor

 period of forty-five days from a within a publication of this notice Gazette or a period of thir service of notice on the whichever period expire the service of notice on the whichever period expire states;
- (b) by any other person immovable proper the date of the pu the Official Gaze interested in the said within 45 days from of this notice in tte.

herein as ar the said A e defined in Chapter XXA of ct, shall have the same meaning n that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3.
Bldg. No.
Ltd., And 29, Ramaya Jivan Co-op. Hsp. Society eri (E), Bombay-93.

The Compe' agreement has been registered by the AR-J' tent Authority, Bombay under Serial No. 137EE 9061 84-85, dt. 4-8-1984.

De ted: 10th April, 1985

seal:

(Strike off where no applicable.)

निर्देश में अई~ 2/ 3 7ईई/ 8977/84-85 .-अन. मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4.3) (जिसे इसमें इसके पण्चान् "उनन अधिनियम" कहा गया है) की घारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- म. से अधिक हे और जिसकी स पलॅट न. 2, जो, ग्राउड फलोर, इमारत न 4, प्लाट न भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड, अभेरी (पूर्व), बम्बई–59 में स्थित है (आर इसरे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण म्प से वर्णित है), और जिसका करारनामा ग्राधिनियम, 1961 की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्बई. में रजिस्ट्री हे, तारीख 6-8-1984 को पूर्वोक्त राम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य सेकम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है आर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का अचिन बाजार मुल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल में. ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रति-गत से ग्रधिक है और अंतरक (को) आर अंतरिनी (यों) के बीच अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्येश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अतंरण में हुई निर्मी श्राय की बाबत आय नर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के बधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसमें बचने मो मिविधा के लिए और/ग.
- (स) ऐसे किसी आग या किसी धन या उत्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में मृदिधा की लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप भारा (1) के अधीन, निम्मिनिक व्यक्तियों अर्थान् —

 श्री/श्रीमती/कुमारी - दिपक बिल्डर्ग प्राइवेट लि । (अतरक)

3,

4.

 श्री/श्रीमती/कुमारी — अवतार नारायण बनगी एच. यू. एफ.। (अन्तरिनी)

(वह व्यक्ति. जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे मे श्रष्ठोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्यक्ति में हिनबद्ध है)

कां यह मूचना जारी करकं पृथेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त मग्पत्ति के अर्जन के संबंध मं कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख सं 45 दिन की अवधि, या तत्मंबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समास होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उकत स्थादर सम्पत्ति में हिनक्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्लाक्षरी के णम लिखित मो किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरण: - इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं. वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

फर्लट न 2, जो, ग्राउड फलोर, इमारत न 4, प्लाट न 14, भवानी नगर, मरोल मरोणी रोड, अधरी (पू), बम्बई-59 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/8977/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी. बम्बई द्वारा दिनाक 6/8/1984 को रजीस्टई किया गया है।

तारीख : 4/4/1985

मोहर:

(जी नागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]8977[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incomutuk Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000]-and bearing No. Flat No. 2, Ground Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 14, Bhavani Nagar, Murol Maroshi Road, Andheri(E). Bombay-59 (and more described the Schedule in hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideraion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Avtar Narayana Bhakshi H.U.F.

(Transferce)

- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Ground Floor, Bldg. No. 4, Plot No. 14, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8977|84-85, dt. 6-8-1984.

Dated: 4th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण स. अई-3/37ईई/8978/84-85 :-मुझ, लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसनें इसके पश्चात "जकत अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- म. से अधिक है और जिसकी मं. क्लैंट नं० 11 जो, 3री मंजिल इमारत नं. 1, ष्लाट नं. ६, भवानी नगर, मरोल मरोणी, रोड, अंधरी (पूर्व), में स्थित ਲੈ (और इसमे अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, तारीख 16-8-1984

को पूर्नोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार सूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक्क कृप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए और/या
- (क) ऐसे किसी आय या कियों धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उग धारा (1) के अधीत. निम्नतिक्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. दीपक बिल्डर्स प्रा. लि. (अन्तरक)
- श्री गीपाल कृष्णन के. (अन्तरिती)
- अन्तरकों

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं। उक्त रूम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ग्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : इसमे प्रयुक्त बन्दों और पर्दों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

"क्लैंट न. 11, जो, 3री मंजिल, इमारत न 1, प्लाट नं. 6, भवानी नगर, मरोल मरोशी रोड, अंधेरी (पूर्व), वम्बई--59 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि ऋ सं. अई-2/37ईई/8978/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 6/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख 4-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|8978|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 1, 3rd Floor, Bldg. No. 1, Plot No. 6, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Andheri (E), Bombay-400059 (and more 4-8-1984 for an apparent consideration which is Bombay-58, (and тоге fully described Schedule annexed the hereto), been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Deepak Builders Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Shri Gopal Krishnan K. (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing o the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 11, 3rd Floor, Bldg. No. 1, Plot No. 6, Bhavani Nagar, Marol Maroshi Road, Bombay-59,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8978|84-85, dt. 6-8-1981.

Dated: 4th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं० अ। ई-2/ 37ईई/ 10151/84-85:--अत मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसनें इसके पश्चात्. "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारीको यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- ४० मे अधिक है और जिसकी स गार्डन फ्लैट न०, पहिला मालि, श्रि०न० 10, श्रेर-ए-पञ्चवको-अ।प०हा० सासा० लि०, म० केवज रोड, अधेरी (प), बाबई में (स्थत है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्ण रूप में वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की बारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में राजिस्ट्री हैं, तारीख 18-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपाल के लिये अन्तरित की गई हैं और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्न सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल , ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है.---

(क) जनगण में हुई किसी आय की बादत, आयकर अधि-नियम, 1981 (1961 का 43) के अधीन कर देने के जनगरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए और/या (ल) ऐसे किसी अप या किसी अस या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या वर्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधोजनार्थ अलिशि हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने माराधिश के लिए

अत अब उबा अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निनिस्ति क्रियिनयों अथित् —

1. श्री एक्एम्क कोंच्चर (अन्तरक)

2 श्री अमरजात सिंह परी। (अन्तरिती)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति , जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनबंद्ध है।)

को यह सच्चा जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शक करण है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :—

- (त) इस सचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि, या नत्सवंधी व्यक्तियों पर मृचना की नामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त उपक्रियों में से किसी त्यक्ति हारा।
- (स) इस राज्या के राज्यात्र में प्रकाशन की नारीस के 45 पिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हिनब्द किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एम लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पर्ध्वाकरण — इसमें प्रयुक्त जल्दों और पद्मों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं. वहीं अर्थ होंगा जो उस अभ्याय में दिया गया है।

अनसची

"गार्डन साईड पलैंट, जो पहिली गणिल, बिल्डिंग नें० 10, जेर-ए-पजाब की-आप०हा०सामाईटी लिमिटेड, महाकाली केया रोट, अंथेरी पुरव वस्तर्ह में स्थित है"

अनुसची जैसाकि कर्णन आई-2/37ईई/10151/81 85 और जो सप्तम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांस 18-8-81 को रिज्टई किया गया है।

नारीख : 11-4-1985

मोहर.

(जो लाग न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No AR-II/37EE/10151/84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]-and bearing No. Garden Side Flat, First Floor, Bldg. No. 10. Sher-E-Punjab Co-op Hos. Soc. Ltd., M. Caves Road, Andher (E), Bombay (and more fally described as No. Sci. Albert 1988. fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afore-aid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section. (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mr A. S. Kochhar (Transferor)
- 2 Mr. Amarjit Singh Puri (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)

4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) hy any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Garden Side Flat, First Floor, Bldg. No. 10, Sher-E-Punjab Co-op. Housing Soc. Ltd., M. Caves' Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EF|10151|84-85, dt. 18-8-1984.

Dated: 11th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं ० आई-2/37ईई/9974/84-84:--अन[.] मझे लक्ष्मण दास, आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसक उचित बाजार मृल्य 1,00,000-/ क० से अधिक है और युनिट न० ए-48, न्यू एम्पायर इन्ड० अन्योरी, कुर्ला राड के सामते, अन्धेरी (पूरब) बम्बई-400059, मे स्थित है (और इसमे उपावड़ अन्मूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीरड़ी है, तारीख 14/8/1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मन्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हई किसी आय की शब्त, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सिवधा के लिए और/या

(स) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिमस, 1922 (,1922 का 11) या आयकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सविधा की लिए

166 GT/85-48

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों अर्थात् ः—

श्री अमीचन्द चोकसी, और (अन्तरक)
 श्री चन्द्रकुमार अमीचन्द चोकसी।

2 मैसर्ग फेनको कार्परिणन

(अन्तरिती)

अतन्तिर्णः

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4 ----

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हित– बढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पृथोकित सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यशाहियां शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मुचरा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के पार निकास में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकिरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

"यूनिट नं० ए-47, जो न्यू एम्पायर इस्टेट, कोमडीवेटा रोड, अन्धेरी, कुर्ला रोड के सामने, अंधेरी (पूरब), बम्बई 400059 में स्थित है। "

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/9974/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

नारीख: 11/4/1985

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9974|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-No. A-48, New Empire bearing Unit Road. Industrial Estate, Andheri Kurla Bombay-59 Andheri (E) (and more fully described in the Schedule appeared hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair macket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Shri Amichand Chowkshi and Shri Chandrakumar Amichand Choksi (Transferor)

- 2. Ms. Frezco Corporation (Transferee)
- 3. Transferee

(Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. A-48, New Empire Indl. Estate, Andheri Kurla Road, Andheri (E), Bombay-59.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9974|84-85, dt. 14-8-1984.

Dated: 11th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं ० अई-2/ 37ईई/ 10169/ 84-85 :-- अतः मझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ह० से अधिक है पलौट बी-टाइप, चक्रवर्ती अशोक को-आप० हाऊसिंग मोस इटी लिमिटेड, सहार रोड, अंधेरी (पूरब) वम्बई-400099 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनसचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है); और जिसका करारनामा आयहर अधि-नियम 1961 की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधि-कारी के दार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 18-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति कें उचित बाजार मृत्य से कम के दश्य-मान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशित से अधिक है और अंतरक और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/ा
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियो अथोत् —

- । श्रो विनाद अभतलाल पाचोली। (अन्तरक)
- 2 श्रामा (न्याबेन जनात कुमर शह। (अन्तरिता)
- 3 --- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

—— (वह व्यक्ति, जिसक बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता ह कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया २ रू करता हू। उक्त स्म्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सबधी व्यक्तिया पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क्) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनमुची

"फ्लैंट बो- टाइप, चक्रवर्ती अशोक को-आप० हाऊसिंग सोसाइटो लिमिटेड सहार रोड, अधरी (पूरब), बम्बई-400099मे स्थित है।"

अनुमूची जैसािक क०म० अई-2/37ईई/10169/84-85 आर जो स्त्रम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 18-8-1984 को र्राजस्टर्ड किय गया हे ।

तारीख 11-4-1985 मोहर (जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No AR-II|37EE|10169,84-85—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|and bearing Flat B-Type, Chakravorthy Ashok Co-op Housing Society Ltd, Sahar Road, Andheri (E), Bombay-99 (and more

fully described in the Schedule air excel hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atorevaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1 Shri Vinod Amrutlal Pancholi (Transferor)
- 2 Smt Sudaben Jateen Kumar Shah (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the 'aid property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

3. ----

SCHEDULE

Flat No. B-type, Chakraworthi Ashok Co-op. Housing Society Ltd., Shar Road, Andheri (E), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10169|84-85, dt. 18-8-1984.

Dated: 11th April, 1985

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म० अई-2/37ईई/10253/84-85 ---अत: मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 100000/- रु० से अधिक है और जिसकी फ्लैट न० बी/3, 19 सिदिया को-आप० हा० सोसाइटी लिमिटेड, सर एम०वी० रोड, अधेरी(पूरब), बम्बई मे स्थित है हैं (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिन्हा क्रारनामा आयहर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, नारीख 24-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य के इत्य के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वान धरने का कारण है कि यथापूर्वीका सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दुष्यभान प्रतिफल के, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिणत से अधिक है आर अंतरक(को) अत्रस्ति।(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिखित उद्देश्य थे उक्त अंतरम लिखित में बास्तविक रूप से अथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की दाइत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी अन या उन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269ए के अनमरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निमालिक्टित व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. श्री एस०एम० सबनीस (अन्तरक)
- 2 श्री एम०आर० कानोद्रा ऐंड एम०एम० कानोन्द्रा । (अन्तरिती)

(बह व्यक्ति , जिपाँ अधिसींग से सम्मति है)

. —— (बह् व्यक्ति, जिसक बारे में अबोहस्ताक्षरी जानता

है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ ह)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहिया कृष्ट करना हा। उक्त रुप्पत्ति के अर्जन के सबक्ष मोकोई भी आक्षेप:—

- (क) हस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि, या तत्सबंधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितंबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मूची

"फ्लैट न० बी/3, जो 19, सिदिया की-आप० हार्ऊसिंग मोसाइटी लिमिटेड, सर एम०वी० रोड अंधेरी (पूरब), बम्बर्ड में स्थित है प"

अनुसूची जैसा कि ऋ०म० अई-2/37ईई/10253/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 24-08-1984 को रिजम्टर्ड किया गया है।

नारीख: 11-4-1985

मोहर :

(जो लागुन हो उसे हाट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/10253/84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 bearing Flat No. B|319. Sindhya and Housing Society Ltd., Co-op. M. V. Road, Andheri (E), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri S. M. Sabnis (Transferor)
- 2. Shri M. R. Kanondra and M. M. Kanondra (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B|3, 19, Sindhya Co-op. Housing Society Ltd., Sir, M. V. Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II|37EE|10253|84-85, dt. 14-8-1984.

Dated: 11th April, 1985

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं० अई-2/37ईई/10236/84-85:--अतः मुझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० फ्लैंट न० बी/2. जो, ग्राऊंड फ्लाअर. ''मिनत अपार्टमेट'', ओल्ड नागरदास रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित है (और इससे उपावह अनस्ची म पूर्ण रूप से वर्णित है), अंर जियका करारनामा आयक्तर अधिनियम अवीन सक्षम प्राधिकारी की धारा 269 न् ख 4, के दार्यात्य, बम्बई में रिजम्ट्री है, तारीख 23-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम दुश्यभान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास ारने का कारण है कि यथापूर्वीवन सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल व, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधियं है और अंतरस (कों) और अलिस्ती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पासा, गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अतरण लिखित में वास्तिव र रूप में अधित नहीं शिया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमने बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 200ए के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 260ए की उद धारा (1) के अधीन, निम्नतिक्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

- गायल बिल्डर्स प्रायवेट लि०। (अन्तरक)
- 2 श्रीमती, केटी टी० कासद। (अन्तरिती)

3. --

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. ---

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनबड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंगां शरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचता की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी

अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो किन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(स) इस सबता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबुद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधौहम्साक्षरी के णम लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, _ 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनमची

''फ्लैंट न० बी/2, जो, ग्राऊड फ्लोअर, ''मिनल अपार्टमेट'' ओल्ड नागरदास रोड, अधेरी (पूर्व), बम्बई-69 में स्थित हे ।"

अनमची जैसा कि ऋ० स० अई-2/37ईई/10236/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्वई द्वारा दिनाक 23-8-1981 को रजिस्टर्ड किया गया है। तारीखा 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हां उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10236|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. B-2, Ground Floor. Apartment, Old Nagardas Minal Andheri Bombay-69 (and more (E), fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

unusur nununnun nan dina Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Mis. Goyal Builders Pvt. Ltd.

(Transferor)

2, Smt. Ketty T. Cassad

(Transferce)

Э.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of his notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-2, Ground Floor, Minal Apartment, Old Nagardas Road, Andheri (E), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10236|84-85, dt. 23-8-1984. Dated: 12th April, 1985

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स० अई-2/37ईई/10183/84-85 ---अन. मझ लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात्, ''उक्त अधिनियम'' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- ४० से अधिक है और जिसकी मं० यनिट नं० 139, जो, पहली मजिल, दागजी गामजी इंड्रस्ट्रीयल काम्प्लेक्स प्लाट नं० 28, महल इडस्ट्यल इस्टेट, महाकाली केव्ज रोड, अंधेरी (पूर्व), बम्बई म स्थित (ऑर इसम उपाबद्ध अनुसूची म ीर पूर्ण रूप से वर्णित है,) और जिसका करारनामा यार अधिनियम 1961 की धारा 269 केख के अधीन

सक्षम प्राधिकारी के बार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है तारीख 18-8-1984 को पूर्वोका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के निये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास अरने का आरंग है अयापुर्वोकर सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, से उपके दृश्यमान प्रतिफत से, ऐस दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अबिक है और अंतरहा/अंतरको। आर अंतरिकी/अंतरितीयो के बीच ऐसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उददेश्य में उका आरण लिखित में वास्तवित रूप में तथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की दावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (म) ऐसे किसी आग या किसी धन या उत्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) रा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-सर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में मिविधा के लिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्-सरण में, ५, उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) वे अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- मैसर्म दामजी णामजी ऐंड सन्स ।
- जलाराम कैमिकल्स एड फार्मास्यटीकल्स प्रायवेट (अंतरिती)

3. ----(वह व्यक्ति, जिसने अधिभोग में सम्पत्ति है)

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हा। उवत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस मुचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर गम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एाम लिखित में किए जा गकेंगे।

म्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय मादिया गया है।

अनम्बी

"यनिट न० 139, जो. पहली मजिल दामजी शामजी इडस्ट्यल काम्प्लेक्स, प्लाट न० 28, महल इंडस्ट्रियल इस्टेट, महाकाली केवन रोड, अधेरी (पूर्व), बम्बई मे स्थित है।"

अनमची जैमाकि अ०म० अई-2/37ईई/10183/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा दिनाक 18-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न ही उसे धाट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10183|84-85,-Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Unit No. 139, 1st Floor, Damji Shamji Indl. Complex, Mahal Indl. Estate, Mahakah Caves Road, Andheri (East), Bombay (and more the Schedule described in annexed been transferred and hereto), has agreement is registered under section 269AB 1961, Income-tax Act, Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Mis. Damji Shamji & Sons
- Jalaram Chemicals & Pharmaceuticals Pvt. Ltd. (Transferee)

(Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 139, 1st Floor, Damji Shamji Indl. Complex, Plot No. 28, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10183|84-85 on 18-8-1984.

Dated: 12th April, 1985

Scal:

(Strike off where not applicable) वस्बई, 8 अर्जन, 1985

निर्देश मं. श्रई-2/3 7ईई/10148/84-85:--ग्रतः मुझे लक्ष्मण दास, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिमे डममें इसके पश्चात् "उक्त श्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- म. मे ग्रिधिक है और जिसकी मं० यनिट नं ० 140. जो, पहली मंजिल, दासजी णासजी इडम्टीयल काम्प्लेक्स, प्लाट नं. 28, महल इंडस्ट्रीयल इस्टेट महाकाली केब्ज रोड अंधेरी (पूर्व) बम्बई-93 में स्थित है (और इसमें उपाद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णिन है), और जिसका जरारनामा आयजर अधिनियम, की धारा 269 बख के अधीत सक्षम प्राधि हारी के कार्यालय, बम्बई में रजिरदी है लारीख 18-8-1984को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से इस के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने हा। प्रारण है पि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति हा उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिष्ठ है और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य

से उक्त अतरण निखित में वास्त्रविष्ठ रूप ते प्रथित नहीं किया। गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की नाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मिविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आप या किसी अन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अपयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अप-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्राप्त प्रकर नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विध के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसर्ण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निमालिकित क्यिक्तयों अर्थाता :--

- मैंसर्म दामजी शामजी छेण्ड सन्स । (अन्तरक)
- मैसर्म सर्वविजय इंटरनेशनल प्राईवेट लि.।

(अन्तरिती)

3. अन्तरितियों।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हा। उक्त सम्पन्ति के अर्जन के सबध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्मंबंधी व्यक्तियाँ पर मूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस मूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति मों हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस निस्ति मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

्रयूनिट नं. 140, जो, पहली मंजिल, दामजी गामजी इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्त, प्लॉट नं. 28, महल इंडस्ट्रीयल इस्टेट, महाकाली केटज रोड, अंधेरी (पूर्व). बम्बई-93 में स्थित है।

अरूमूनी जैसाकी क. मं. आई-2/37ईई/10148/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक 18-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है। तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उस बाट दिजिये)

Bombay, the 8th April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10148|84-85.--Whereas, 1. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Unit No. 140, 1st Floor, Damji Shamji Indl. Complex, Plot No. 28, Mahal Indl. Estate, Mahakali Caves Rd., Andheri(F), Bombay-93 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Damji Shamji & Sons (Transferor)
- 2. M|s. Subvijay International Private Ltd, (Fransferce)
- 3. Transferee

(Person in occupation of the property)

4,

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette
 166 GI/85-49

or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 140, 1st Floor, Damji Shamji Industrial Complex, Plot No. 28, Mahal Industrial Fstate, Mahakali Caves, Road, Andheri (East), Bombay-400093

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II'37EE|10148|84-85 on 18-8-1984.

Dated: 12th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. श्रई-2/37-ईई/10147/84-85'---श्रत' मुझे लक्ष्मण दास, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसकी उचित वाजार मृत्य 100,000/- में संधिक है और जिसकी सं. युनिट नं. 114, जो,1ली मंजिल दामजी शामजी इंडस्-टीयल कॉम्प्लेक्त प्लॉट न 28 महल इडस्ट्रीयल इस्टेट, महा-काली केब्ज अंधेरी (पूर्व), बम्बई-93. में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका रारनामा जायकर अधिनियम की धारा 269 ए ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के आर्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 18-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृहय से कम दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है ि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स अधि है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐने अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देग्य मे उन्न अंतरण लिखिन मे वास्तविक रूप से कथित नही सिया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्य में कमी करने या उससे बचने मो सविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी अय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-का अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए

अत पर उट्टा अधिनियम की धारा 269म के अन्गरण में, मैं उद्या अधिनियम की धारा 269म की उन धारा (1) के अधीत. निम्नानिस्टिट व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. मैसर्स दामजी शामजी अण्ड मन्म। (ग्रन्तरक)
- 🤈 श्री. ग्रजय नायर। (ग्रन्तरिती)
- 3. अन्तरितं।

(बह व्यक्ति, जिनते अधिमोग ने लम्बितः है)

(वह व्यक्तिः, जिनके बारे मे अबोहस् ग्राक्षरी जानना ह, की वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके प्रवेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कि प्रविद्या शरू करता हू । उक्त रम्पत्ति के अर्जन क संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की नामील से 30 दिन की उनिध, जो भो अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (६) इस सचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उबत स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध कियी अन्य व्यक्ति होरा अधोहरून क्षरी के पास लिक्टियों किए जा सकते।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

"यूनिट न 111, जो 1 ली मंजिल, दामजी शामजी इंडस्ट्रीयल कॉम्प्लेक्स, प्लॉट नं. 28, महल इंडस्ट्रीयल इस्टेट महाकाली केटज रोड, अंबेरी (पूर्व) बम्बई-93 नें स्थित है।

ग्रनस्वी जैसाकी क.सं.ग्र $\frac{1}{2}$ -2/37ईई/ $\frac{10147}{84}$ -85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक $\frac{18-8-1984}{18}$ को रजीस्टई किया गया है।

तारीख: 8-4-1985

मोहर

(जो लाग न हो उसे काट दीर्जाये)

Ref. No. AR-II|37EE,10147|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reasonto belive that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing Unit No. 114, 1st

Fl, Damji Shamji Indl. Complex, Mahal Indl Estate, Caves Rd, Andheri Mahakali Bombay-400093 (and more fully described annnexed hereto), the Schedule been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Damji Shamji & Sons (Transferor)
- 2. Shri. Ajay Nair (Transferee)
- 3. Transferee (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days trem the date of publication of this notice in the Official Gazette. or a period of 30 days from the service of this notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 114, 1st Floor, Damji Shamji Industrial Complex, Plot No. 28, Mahal Industrial Estate, Mahakali Caves Road, Andheri (East) Bombay-93

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE 10147 84-85 on 18-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

श्रई-2/37ईई/10040/94-85*-*-श्रत निर्देश सं. मझे लक्ष्मण दास आयक्तर अधिनियम 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसके इसके पश्चात "उक्त ग्रिधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचिन बाजार मृत्य 100,000/–रु. से ग्रधिक है और जिसकी सं. क्लेट नं. 8, 2रो मझील, प्रेमा, प्लाट नं 340, श्रद्धानन्द रोड एक्स्टे, विलेखाले (पूर्व), बम्बई, में स्थित है (ऑ) र इसर्वे उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारतामा आयकर अध्यतियम को धारा 269मव के अधीन सक्षम प्राधिकरी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रो है तारोख 16-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीका सम्पत्ति का अचित बाजार मृत्य उसके दुश्यमान प्रतिकल से ऐसे दुश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक/अंतरकों और अंतरितो/अंतरितियों के बाच ऐसे ऑपरण के लिए पय पाया गया प्रशिक्त निम्मतिश्वित उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथिय नहं किया गया है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की रावत, आयकर अधि-निर्मा, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के आयित्व में कसी करने या उससे बचने में मिविधा के लिए और/या
- (स्) एसं किसी अप या किसी धन या अस्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-१५ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की निए

अतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (१) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

श्री. डी.डी.ए माधास्ता। (ग्रन्तरक)

2. मैसर्स उदय कन्स्ट्रक्शन कम्पनी। (श्रन्तरिती)

o. त्या प्याप्त (वह व्यक्ति गिसके अधिनोग में सम्पत्ति हैं)

4.

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह समाति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया णूक करता ह । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी अक्षिप--

- (क) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविभि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वा कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स्) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्नाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

्पलैंट नं. 8, दूसरी मंजिल, पेमा, प्लाट नं 340, श्रद्धा-नन्द रोड, विस्तार, विलेपाले (पूर्व), बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूकी जैसाकी कम स. श्र $\frac{5}{4}$ -2/37 $\frac{5}{4}$ -2/37 $\frac{5}{4}$ -10040/84-10040-10040-10040-10040-10040-10040-10

नारीख:-11-4-1985

मोहर

(जो लाग न हीं उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10040|84-85.-Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to belive that the immovale property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and No. 8, 2nd Floor, bearing Flat Prema. No. 340, Shradhanand Road Extn. Parle (East), Bombay-400057 (and more No. 340, Plot Vile fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on

16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. D. D. A. Madhastha (Transferor)
- 2 M|s. Uday Construction Co. (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, 2nd Floor, Bldg. Prema, Plot No. 340, Shradhanad Road, Extension, Vile Parle (E), Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 10040 84-85 Dated 16-8-1984.

Dated: 11-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. শ্রন্থ 2/37-ইই/9060/84-85:--শ্রন: मुझे लक्ष्मण दान, ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान "उक्त ग्राधिनियम" कहा गया है कि धारा 2,69प कें अधीन समझ प्राभिरारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित ब्राजार स्ल्य 100,000/– रू.से ग्राधिक है और जिसकी सं. दुकान नं2 जो, ग्रांउड फलोग्नर, इमारत नं "ए, शितल अपार्टमेट, बामणवाडा, विल पार्ले तालका अंधेरी बम्बर्ड में स्थित है (और इससे श्रन्यूची में उपावद रूप स् पूर्ण वणित है) और आयकर अधिनियम की धारा 2690के अर्धान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टीई तःरोखः 9-8-1984 को पृबंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मुख्य उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिता (यों) के दोच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बस्तविक रूप से कथित नहीं विधा गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे दचने मों मुनिका के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी अन या उन्य आस्थियों की जिन्हें भारतीय आयश्चर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्नारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सरिधा की लिए

बत: अब उक्न अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269म की उर धारा (1) के अधीन, रिम्निक्षित व्यक्तियों अर्थात :—

- श्रब्दुल करीम हसनग्रली जमाल और जी,एच,विन्सेन्ट।
 (श्रन्तरक)
- 2. श्री. शमिम अहमद। (अन्तरिती)
- अन्तरकों
 (वह ध्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- --(बह व्यक्ति जिसके बारै में अधोहस्ताक्षरी जानत है, की वह सम्पत्ति में हिन्बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रह करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन की अर्वाध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अर्वाध, जो भो अर्वाध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सृच्दा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख क 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर समानि में हितद ख िकनी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यची

"दुकान न2 जो ग्राउड क्लोर, इन्तरित नं. "ए" जिनल ग्रेपार्टमेट, वामणवाडा, विलेपार्ले, तालुका अंधेरी, बम्बइ में स्थित हैं।

|अनुसूची जँसा कि के. स. आई 2/37-ईई/9060/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई ढारा दिनाक 9-8-1984को रजिस्टई किया गया है।

तारीख :-- 12-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II/37EE.19060/84-85,--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing Shop No. 2, Gr. Floor, Bldg. A, Apartments, Bamanwada, Sheetal Parle, Taluka Andheri Bombay land more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

> (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (II of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Abdul Karim H. Jamal & Georing H. Vincent (Transferor)
- 2. Mr. Shamim Ahmed (Transferce)
- 3. Transferors

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 2, Gr. Floor Bldg. No. A, Sheetal Apartments, Bamanwada, Vile Parle, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE,19060184-85, dt. 9-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

Scal

(Strike off where not applicable.)

निर्देण सं. अई.-2/37-ईई/9059/84-85.—जन मुझे लक्षमण दारा आवकार अधिनियम, 1961 (1961 या त.3) जिसे इसमें इसके एण्डाा उक्त अधिनियम कहा गथा है की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर गम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- १. से अधिक है और निसर्का स. पुकान ने 3. जो गाउंड फ्लोर णितल अपार्टमेंट, इमारत नं. ''ए'', बामगवाडा, विले पार्ले, ताल्का अंग्रेर' बम्बई

में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची से आर हुण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा अध्यक्तर अधिनियम की धारा 269क के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजिस्टई है तारीख 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिसते बाजार मूल्य में कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पद्र ह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिक ति यो) के बोच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिख उद्देण्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवित स्पन्न संवरण लिखित में वास्तिवित स्पन्न संवर्ण लिखित में वास्तिवित स्पन्न संवर्ण लिखित में वास्तिवित स्पन्न

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दर्भियत्व में कमी करने या उससे इचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आदित्र उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती हुए प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में ग्विधा के लिए

अत: अद उवन अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्निक्ति व्यवितयों अर्थताः—

 अब्दुल करीम हसनअली जमाल और जी. एच विन्सेट (अ'तरक)

शमिम अहमद

(अन्तरिर्तः)

3 अन्तरकों

(वह व्यक्ति सिके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

4 ---(वह र्घ्याक्त िसक बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पृत्नोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम करना हा। उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवधि, या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त उपवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सथा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में शिवाय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का जो आयकर अधिनियम . 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसची

सकान नं 3, जा, ज्राउंड फ्लोर, इमारत न. "ए", बामणवाडा, णितल सपार्टमेट, विले पार्ले, तालुका अधेरी, बम्बर्ड में स्थित है।

श्रनुसूची जैंसा कि क. स. श्रई-2/37ईई/9059/83-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9/8/-1984 नारोख: 12-4-1984 का रिजिस्टर्ड किया गया है। मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-JI 37EE. 9059 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1901 (43 of 1961) (heremalter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing Shop No. 3 Gr. Floor and Car Parking apace in Sheetal Apartments, \mathbf{Baman} Vile Andheri, (and Parle, Taluka fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Abdul Karım Hasanəli and Georing H Vincent (Transferor)
- 2. Shamim Ahmed (Transferee)

(Person in occupation of the property)
4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) hy any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 3 on ground floor and Car parking space in the building A. Sheetal Apartment, Bamarwada, Vile Parle, Taluka Andheri, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE.|9059|84-85, dt. 9-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable)

निर्देश स. गर्द-2/37ईई/9058/84-85:---ग्रतः म्ब, लक्ष्मण दास, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमे इसके इश्वात, "उक्त प्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रधीन सञ्जन प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर जिसका उन्तिन मृत्य 100000/- ह. वाजार श्रधिक है और जिसकी सं.दुकान नं. 1 और 2, जो ग्राउंड पलोर, इमारत नं. "ए", बामणवाडा, विलेपार्ले तालका अंधेरी, बम्बर्ड में स्थित है) और इससे उपाबद्ध धनसूची और पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्टर्ड है तारीख ५~8-1984 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार सुल्य से कम के दण्यमान प्रतिकत के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का बाजार मृहय उसके दश्यमान पतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक दे और अंतरक (कों) और अंतरितो (यों) के बीच ऐसे अंतरण के तिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्न-निखित उद्देण्य से उक्त अंतरण निखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किभी आय की राबत, आयकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (क) एस किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर पिश्वनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में निधा में जिए

अतः अत उक्त अधिनियम की घारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अभिन्यम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निर्माणिक व्यक्तियों अधीन् :—

- अब्दुल करीम हमनअली जमाल और जीएच विसेन्ट। (अंतरक)
- 2 अमिम ग्रहमद।

के संबंध में कोई भी आक्षेव :--

(अंतरिती)

3. अनार हों

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4

(वह व्यक्ति. जिसके वारे में अधोहम्ताक्षरी जानता है ि वह सम्पत्ति में हितवढ़ है) को यह मुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य बाहियां शुरू शरता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तारील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस एचता के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के ३० दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मो हिनबढ़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति मो किए १० सकोगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मी परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस

ಎಎ.ಎ.ಎ)

दुकान न. 1 और 2, जो, ग्राउंड फ्लोर, इसारत न. ''ए'', बामणवाडा, विले पार्ले, तालुका अंधेरी, बस्बर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/9058/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

नारीखाः 12-4-1985

मोहर

(जो लागून ही उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE, 9058, 84-85.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000[- and bearing Shop No. 1 and 2, Gr. Floor, Building A, Bamanwada, Vile Parle, Taluka Andheri (and more fully described in the Schedule and sed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have geason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- 1. Abdul Karim H Jamal and Georing H Vincent (Transferor)
- 2. Shamim Ahmed (Transferce)

(Transferers)

3. — (Person in occupation of the property)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knews to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

4.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 1 and 2, Gr. floor, Building A, Bamanwada, Vile Parle, Andheri Taluka, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II 37EE, 9058184-85, dt. 9-8-1984, Dated: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स्रई-2/37ईई/10356/84-85 **--**श्रन मुर्झे, त≄मण दास. भाषकर ऋधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इस रें इसके पश्चात "उक्त स्रश्चितियम" कहा गपा है) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजर मूल्य 100000/–क. से ऋबिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं 5, पहला मजिल, झनोबिआ िल्डिंग प्तत्वनं 8/ा, जे.बा.पी.डिस्कीम, विते पार्ले बम्बई-400056, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्बई में रजिस्टर्ड है तारीख25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुष्ट्रमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रति-फल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय और अंतरिती(यों) पाया गया प्रतिकल निम्नलिखिन उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या उत्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा की जिए

अत: अह उका अधिनियम की धारा 269म के अनुसर्ण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्निचित्र व्यक्तियों अधीन;

- 1. श्री इस्माईल अब्दुशा चूनाबाला। (अन्सरक)
- 2. श्री राजेण एम. वर्मा। (अन्तरिती)
- 3. --

(वह व्यक्ति जिसके अधिभौग में सम्पत्ति है)

4. ---

(वह व्यक्ति , जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पर्चोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यव।हिना स्म करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सचना के राजधन्न में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि, या तत्मंबंधी व्यक्तियां सूचरा की तामील सं 30 दिन की अवधि, जो अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस सचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख़ को 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के आस लिक्ति में किए जा सके गे।

स्पष्टीकरण .—इसमें प्रयुक्त शक्को और पदों का जो आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभ्याय 20 क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय मा दिया गया है।

"फलैट न - इ. जा पहली मजिल, झनोबिआ बिल्डिंग, $^{\mathrm{ren}}$ ाट न. 8/1, जे वी. $^{\mathrm{ol}}$ डी स्किम, विलेपार्ले बम्बई 400056 में स्थित है।

अनुसुची जैसा कि क सं, अई-2/37ईई/10356/ 81-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाक 25/08/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीखा 9-4-1985 मोहर (जो लागून हो उस काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37.EE.|10356|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,100/- and bearing bearing Flat No. 5, 1st Floor, Junubia Building, Plot Flat No. 5, 1st Floor, Junubia Building, Plot No. 811, J.V.P.D Scheme, Vile Parle, Bombay-56 (and more been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the considera-166 GI/85-50

tion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Mr. Ismail Abdulla Chunawala (Transferor)
- 2. Shri Rajesh M. Vaima (Transferee)
- 3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHFDULE

Flat No. 5 1st Floor, Zunubia Building, Plot No. 8'1. J.V.P.D. Scheme, Vile Parle, Bombay-56,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II/37EE] 10356|84-8 dt. 25-8-1984.

Dated: 9-4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं, अई--2/37ईई/9997/84--85:---अत: मूझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961का 43) जिस इसमे इसके पण्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) (की धारा 269 घ के अबीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पान्त जिसका र्जाचन बाजार मन्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं फ्लैंट नं 2 साङ्य पाण्ड रोड, माध्य कूज, विलेपार्ले (पश्चिम) बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड और पूर्ण रूप से वणित 8) करारनामा आयकर अधिनियम की धारा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टो है तारीख । 1-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिज्ञत से अधिक है। और अंतरक/अंतरकों और अंतरिती/अंतरितियो के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे इचने में सृद्धा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिध के लिए

अत अब उका अफितियम की धारा 269ए के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निमातिस्थित व्यक्तियों अधीत्.—

- मैसर्न स्वस्तिक एन्टरप्राइजेस । (अन्तरक)
- 2 श्रो अनुज जी. कप।डिया और अन्य । (अन्तरिनी)
- (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध से कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस मूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस स्चना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एाम ⁴ लिखन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .— इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय महिया गया है।

अन्मूची

"फ्लैंट न 2, जो साउध पाण्ड रोक, माध्याकुज, रिलेपार्ले (पण्चिम) बम्बई का स्थित है।"

अनुसूची जैसा कि कम स अर्ड-2/375ई/9997/84-85 भीर जो सक्षम प्राप्तिकारी बम्बई होरादिन।क 14/8/1984 को रजीश्र्र किया गया है।

नारीख 9-4-1985

मोहर

(जो लागून हो उसे काट दोजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|9997|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. 2, South Pond Road, Madhav Kunj, Vile Parle (Wast), Bombay (and more fully described in the Schedule annuxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M/s. Swastik Enterprise (Transferor)
- 2. Mr. Atul G. Kapadia & Oths. (Transferee)
- 3. Transferor (Persons in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, South Pond Road, Madhev Kunj, Vilc Parle (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II| 37EE[9997[84-85] Dt. 14-8-1984.

Dated: 9-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-2/37ईई/10394/84-85 - अतः मुझे, लक्ष्मण दाम आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और जिसकी स. फलैंट न. 1, तलमाला, झुनोविआ, विन्डिंग, प्लाट में 8/1, जे वी पी डी. रिकम, विलेपार्ले (पण्चिम),

बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबन्ध अनुमूची मे पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करीरनामा अधिनियम की धारा 269कख के अधीन प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्दी है तारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृल्य से कम के दुण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्य-मान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक/ अंतरकों और अतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेएय में उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममें अचने में मुविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आग या किसी धन या उन्य आस्सियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सिदिधा के सिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों अर्थात् —

- 1. श्री ईस्माईल अब्दुलला चुनावाला। (अन्तरक)
- 2 कुमारी अनुराधा पटेल । (अन्तरिती)
- 3 --- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पन्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिहार्ग शिक्ष करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '--

- (कं) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 विस्त की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर राज्यना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पा्वाँकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्तित् द्वारा ।
- (क) इस म्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकींगे।

स्पष्टीकारण: --इसमो प्रयुक्त गब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मो परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मो दिया गया है।

अनुसूची

"फलैट नं. 4, जो तलमाला भुनोबिआ बिल्डिंग, प्लाट नं. 8/1, जुह बिलेपार्ले डेब्लपमेट स्किम, बिलेपार्ले (पश्चिम), बम्बई में स्थित हैं।

अनुसुची जैसाकि क. स. अई-2/37ईई/10394/84-85 और जा सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 27.8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख 9-4-1985 मोहर:

(ओ लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-11/37EE/10394/84-85.—Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing Flat No. 4, Ground Floor, Zunobia Building, Plot No. 8|1, J. V. P. D. Scheme, Vile Parle (West), Bombay-400056 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Ismail Abdulla Chunawala (Transferor)
- 2. Miss Anuradha Patel (Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Floor, Zunobia building, Plot No. 8,1, J.V.P.D. Scheme, Vile Parle (W), Bombay-56

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|10394 84-85 dt. 27-8-1984.

Dated: 9-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म. अई-2/37-ईई/10153/84-85 .-अत: मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 100.000/- रु से अधिक है और जिसकी में फ्लैंट सं. ७. दूसरी मंजित. अनोविजा विल्डिंग एताट नं 8/1. जे -र्वी पी डी स्किम, त्रिलेपार्ले बस्पर्ड-56 में स्थित है (और इससे उपायद अन्सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारतामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्बई मे स्ट्री है, तारीख 18-8-1984 की पूर्वीका सम्पत्नि के उचित बाजार मुख्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वाक्त सम्पत्ति का उचित्र बाजार मृत्य, उसके दण्यमान प्रतिकत से. ऐसे दश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक/अनरको और अनरिती/अनरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न- लिखित उद्देश्य में उक्त अतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है --

- (क) अनारण में हुई किमी आप की शब्द, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्य में कभी करने या उसमें बचने में स्विधा के लिए और/या
- (म) ऐसे किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या पन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में ग्विधा के लिए

अत: अब उक्रत अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, में उक्रत अभिनियम की धारा 269ग की उद धारा (1) के अधीन, निम्नालिक्ति ब्यक्तियों अधीत्:—

1. श्री ् इस्मालिया इस्मईल ए चुनावाला । (श्रतरक)

2 श्रीमती फाताओ अब्बास मामाजी बाला। (ग्र तरिती)

3 ----

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पित्त है)

4 ---

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पृष्टोक्ति सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करू करता हा। उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क्) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो शयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फर्लैट नं 7 जो दूपरी मर्झाईल जुनोबिआ बिल्ङिंग, प्लाट न ४/1, जे पीजी स्विम, लिलेपार्ले, बस्बई 400056 में स्थित है। श्रनुसूची जैसा कि क सं.. श्रई-2/37ईई/84-85 और जो सक्षम प्रोधिकारी बस्बर्ट द्वारा दिनांक 18-8-1984 की रजीस्टई किया गया है।

तारीख: 9/4/1985

माहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II₁37EE|10155|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing Flat No. 7, 2nd Floor, Zunobia Building, Plot No. 8|1, J. V. P. D. Scheme, Bombay-400056 Parle, (and fully described in the Schedule ai nexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Ismail A, Chunawala (Transferor)
- 2. Mrs. Fatia Abbas Mamajiwala (Transferce)

3.

(Persons in occupation of the property)

4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, 2nd Floor Zunobia Building, Plot No. 8|1, J.V.P.D. Scheme, Zunobia Building, Vile Parle, Bombay-56

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE|10155|84-85 dt, 18-8-1984.

Dated: 9-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

बम्बई 10 अप्रैल 1985

निर्देश सं. ग्रर्ड-2/37-ईई/10392/84-85:-- ग्रन. मझे लक्ष्मण दास श्रायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त ग्राधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अर्धन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति. जिसका उचित बाजार मुल्य 100000/- रू. से श्रिश्रिक है और जिसकी स. पर्नेट स डो-11ए जो मेल्फ हेल्प को-आप० हा बींसग सो पाइटी लि० मेंट फ्रान्सीस रॉंड विने पालें (प), बम्बई. म स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णिन है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बर्ड में रजिस्ट्री है तारीख 27/8/1984 की पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से यम के दृश्यमान प्रक्रिल के लिए अन्तरित का गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि बधापूर्विक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नर्लिखित उद्देण्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शब्त, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने रा उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियो की जिन्हों भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का

11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

कुमारी लक्ष्मी एक क्रयलानी और (ब्रन्तरक)
 कुमारीलिला एक क्रयलानी

এ श्रीमती रेखा हिरो बासवानी (श्रन्तरिती)

्र (षह् व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

्वह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृष्ट करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील 30 दिन की अवधि, जों भी अवधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकेगा।

स्पष्टीकरण : इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्मों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फलैंट नं डी-11ए जो, जो, सेल्फ हेल्प की-आप हार्जीसग सोसाईटी लि॰ सेंट ब्रान्सीम रोड, बिले पार्ले (प), बम्बई में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा कि क सं. श्रार्ट-2/37ईई/10392/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 27-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 8/4/1985

मोहुर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 10th April, 1985

AR-II|37EE.|10392|84-85.--Whereas, I, Ref. No. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. bearing Flat No. D-11A, Self 100.000[- and Help Co. op. St. Francis Housing Society Ltd., Road. (West) Parle Bombay Vile (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (h) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Miss Lachhimi F. Kripalani Miss Lila F. Kripalani (Transferor)
- 2. Mrs. Rekha Hiroo Vaswani (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

4.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. D-11A Self Help Co. op. Hsg. Society Ltd., St. Francis Road, Vile Parle (West) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE. [10392]84-85 Dt. 27-8-1934

Dated: 10-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं अर्ड- 2/37-ईई/8846/84-85 - -अन मझे लक्ष्मण दास, आयार अनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इपके पश्चान "उक्त अधिनियम" यहा गया है) की धारा 269 घं के अधीन सक्षम प्राधि गरी को यह विण्यास रास्ते भा ारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिस ग उचित वाजार मृत्य 100000√-रु में अधिक है औं≀ जिसकी सं. फ्लैंट नं. 301, जो, 3 री मंजिल इसारत न. 16. सर्वे नं. 41, ब्हिलेज ऑशिवरा, बैहराम बाग के जोगे क्वरी (प) बम्बई में स्थित है (ऑ)ए इसम उपाबद अनुमृत्ती में और पूर्ण रूप से और जिसका करारमामा आधकर अधिनियम की धारा 269कव के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टुई है तारीख 5-8-1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम केदश्यमान प्रतिफल के लिये भ्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पन्ति का वाजार मन्य उसके दृष्यमः न प्रतिफल से ऐसे दृष्यमः न प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर(कों) औंर अत्रिती(यो) बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथिन नही किया गया है .-

- (क) अन्तरण से हई किमी आय की बाबत, आयकर अधि निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसने बचने में मुदिशा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आप या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्गरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्मालिस्ति व्यक्तियों अधीत्:—

1. श्री झिभाउद्दीन बुखारी (अन्तरक)

शेख मोहमद आझम (अन्तिन्ति)

्राहुट्यक्ति जिसके अधिसोग में सम्पत्ति है)

"
(वह ध्यक्ति जिसके वारे में अधाहरनाक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करवा हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मा कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी समें 45 दिन की अवधि, या तत्सबधी व्यक्तियों पर सचना की नामील 30 दिन की अवधि, जां भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवीं क्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस मूच्या के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लैंट नं. 301, जो तीनरी मजिल इमारत नं 8 गर्वे न . 41 जिलाज ऑणियरा, बैहराम बाग के पीछी, जागेक्दरी (प) बम्बई 56 में स्थिति है। अनुसूची जैलाकी कम अई-2/37 ईई/8866/84-85 और सक्षम प्राधि गरी बम्बई हारा दिना; 3-8-1984 को रिजस्टई पित गया है।

नारीखा: 11-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[8846]37EE[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing Flat 301, 3rd Floor, No. Building. Village Oshiwara, behind Baug, Jogeshwari (West), Bombay, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
- 2. Nasim Ahmed Khan (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor, Bldg. No. 8, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE | 8766 | 84-85 dt. 3-8-1984.

Dated: 11-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

िर्देग न. अहे-2/37-हेंग्रे 10060/84-85. - मार हुते, लक्ष्मण दार, जाब ए अधिनियम, 1961 (1961 जा 43) (निभ इ भे इ कर पश्चात् "उक्त अधिनियम" छहा गया ह) की धारा 269व है अधीन तक्षम प्राविशरा की यह विश्वार उसे ा अरण हे हि स्यावर सम्बत्ति, िता. त्रा बाजार सूल्य 1,00,000 ए० से अधिह हें और जित्ला लं. क्वडनं. 404, जा, 4वी मंजिल, इसारत न. 16, विं तं. 41 व्हिं ज अधिनरा, बैहराम बाग पा तिके, जोगेम्परी (प०), अम्बई में स्थित ह (ओर इसले उपा-बद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप च वर्णित ह) आर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम को धारा 269-कब के अधीन सक्षम प्रावि-कारी के काया तय, वम्बई में रजिस्ट्रो है, तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्भात क उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकत क निये अन्तरित को गई हे और मुझे यह विश्वास करने का कारण ह कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है ओर अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरग लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दियाद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रिया की जिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, गौ उक्त नार्धान्यम की धारा 269व की उन धारा (1) के अधीन, निर्दातिस्त व्यक्तियों अर्थात्:—

2. ते० ए १० हमीद (अन्तरिती)

3. --

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पित्ति है)

4. ---

(वह व्यक्ति, िसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह रूपना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिना क्र करना हा। जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध म वोर्डिनी अप्रत्य — 166 GI/85—51

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहत्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

फ्लैट नं. 404, जं: 4थी मंजिल, इमारत नं. 16, सर्वे नं० 41, व्हिलज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जै एकि क. मं. अई-2/37ईई/10060/84-85 आंर जो सक्षम प्राधि गरी बम्बई द्वारा दिनां र 17-8-1984 का रजिल्टर्ड िया गया है।

तारोख : 11-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II₁37EE₁10060₁84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 404, 4th Floor, Building No. 16. S. No. 41, Oshiwara, Village Behram Baug, Behind Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the 18-we of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

- 1. Mr. Ziauddin Bakharí (Transferor)
- 2. Mr. K. S. Hamid (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property, may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flut No. 404, 4th Floor, Bldg. No. 16, Village Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE,10060-84-85, dt. 17-8-1984.

Dated : 11-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-55/9987/81-85.---अत: म्झे, लक्ष्मण दास, आयन्य अधिनियम, 1961 (1961 राजि) (जिसे ष्टममं इसके पश्चान ''उक्त अधिनियमं कहा गया है) की धारा 269घ के अर्थान सक्षम प्राधिशारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसा उचित बाजार मुख्य 100000 है, से अधिक है और जिसकी स. फलंट न. 103 ाली मंजिल इमाण्त नं० ६, सर्वे न० 👍, व्हिलेज ऑ शिवरा, बहराम बाग के पीछे जोगेण्वरी (प) बम्बई में स्थित ह (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बबई में - रजिस्ट्री है, तारीख 15-8-1984 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल स ऐसे दुण्यमान प्रतिकल के पद्रह प्रतिजन से अधिक है और अतरक (का) और अतरिती (या) के बीच ऐसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण म हुई किसी आय की शकत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे दचने में मिलिश के लिए और/पा
- (स) ऐसे किरी आप या किसी धन या अन्य आफ्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के द्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारों प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविश के लिए।

अत अब उक्त श्रीधिनयम की धारा 269म के अनुसरण में , मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप भारा (1) के अधीर , निम्नालिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्री सिक्षाव्हींग वृद्धारी (अन्तरक)
- 2 अमीनाची अन्दृत गफूर। (अन्तरिती)

3.

---(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संस्पत्ति है)

(वह टयपित जिसके बारे में अधाह-ताक्षरी जीति।
 है कि वह सम्पत्ति में हिनवड़ है)

को यह सचना जारी करकी पर्वोचित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यव्यक्तिता करू करना ह। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की नार्गण से 45 दिन की अविध या तत्संबधी व्यक्तियाँ पर राचना की नामीण से 20 दिन की अविध बाद म समाप्त हानी हा के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सकता के राजपन्न मो प्रकाशन की तारीम के 45 दिस के भीतर उत्तर स्थादर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहम्साक्षरी के एक लिम्बित मो किए जा सकेंगे।

माष्ट्रीकरण — इसमा प्रयुक्त शब्दा और पदा का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मां परिभाषित हो, वहीं अर्थ होंगा जा उस अध्याय मादिया गया हो ।

अनुसृची

पलैट न 103 जा, ! ती मजित, इमारत न 6, सर्वे न 41, व्हिलेज ऑलिक्स, पेहराम बाग के पिछे, जोगेण्वरी (प) बम्बर्ट में थियत है।

अनस्यी जैसा की त्र. स. अर्ह-2/37-ईई/9987/84-85 और जो नक्षम प्राधिकारी जम्बरी द्वारा दिना रे 13-8-1984 को रिजस्टर्व किया गया है।

नारीख 11/4/1985 माहर (जा नागुन हा उसे काट बीजिये)

Ref No AR-II 37ΕΓ | 9987 | 84-85 --- Whereas. Laxman Dus, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (heremalter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000[- and No 103. 1st Floor Building bearing I lat Village Oshiwara, Behind Behram No 6, Jogeshwani, Bombay (and more fully describ 14 the Schedule unnexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is

less than the fan market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any meeme arising from the transfer, and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1 Mr Ziauddin Bukhari (Transferoi)
- 2 Mr Aminbai Abdul Gafoor (Transferce)
- (Persons in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 day, from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Fxplanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

3 -

SCHFDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Bldg. No. 6, Village Oshiwara, Jogeshwari ((W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE.|9987|84-85 dt. 13-8-1984.

Dated: 11-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं ग्रई-2/37ईई/10363/84-85:--ग्रत. मुझे, लक्ष्मण दास, ग्रावरर ग्रधिनियम, 1961 (1961 हा 43) (जिसे इममें इनके पश्जात, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के ग्रधीन सक्षम प्राधि तारी को यह विश्वा । एने का गारण है िस्यावर गमारित, निवास उचित बाजार मृल्य 100000 रु. ने म्रधि ' नै और जिनकी सं० फ्लैट नं , 401, जो, 4थी मंजिल, इनारत नं 4, नर्वे नं 41 व्हिलेज ओणिवेरा, वेहराम बाग के जिले, जोगेश्वरी (प), बम्बर्ट 58, में स्थित है (और इसरे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन मक्षम प्राधिकारी के बार्यालय, वम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 27-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देण्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए और/या
- (ह) ऐसे किमी आय या किमी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सिविधा के लिए

अत: अब उक्न अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, पैं उस्न अधिनियम की धारा 269व की उप धारा (1) के अधीन. निमालिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी (ग्रन्तरक)

2. एम एस भेख (ग्रन्नरिती)

(वह व्यक्ति जिसके अधिशोग मे सम्पत्ति है)

4. —
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी फानना
है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करना हूं। उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के लग्नंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अपिंग, या तत्यं वंशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पावाँ कन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (%) इस मचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर गर्मित में हिनद द्व किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभीहणाक्षरी के णान लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टीकरण: -इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्यय 20क मे परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा जो उस अभ्यय से दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं 401, जो 4थी मंतिल, इपारत नं 4, सर्वे नं 41 विहतेत्र ओजियरा, बेहरात वाग के पिछे जोगेश्वरी (प) बम्बई-58 में थियत है।

अनुमृत्री जैना कि क्रम मं अई-2/37ईई/10363/84-85 और जो सक्षम पाधि गरी वन्नई द्वारा दिना । 27-8-84 को रजिस्टर्ड अिया गया है।

तारीख: 11/4/1985

मोहर:

(जो लागु न हो उसे काट दीजिए।)

Ref. No. AR-II|37EE.|10363|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 - and bearing Flat No. 401, 4th Floor, Bldg. No. 4, Village Oshiwara, Jogeshwari (W), Bombay (and more the Schedule anneved described in hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB the

in the Office Act, 1961. Income-tax Competent Authority at Bombay on 27-8-1081 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 26°C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 26°D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Mr. Ziaunddin Bukhaii (Transferor)
- 2. Mr. M. S. Shaikh (Transferee)
- (Persons in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Lylanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning a given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 401, 4th Floor, Bldg. No. 4, Village Oshiwara, Behind Behiam Baug, Jogeshwari (W), Bomaby.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II, 37EE. [10363]84-85 dt. 27-8-1984.

Dated: 11-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं, अई-2/37/ईई/10200/84-85: --अतः मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इममें इमके पण्चान, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 र. से अधिक है और जिसकी मं. फ्लैट नं. 504, जो, 5वी मजिल. इमारत नं 3, सर्वे नं. 41, व्हिलेज आणिवरा, बेहराम बाग के पीछे. जोगेश्वरी (प.)बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका आयकर अभिनियम की धारा 269-कव के अधीन, सक्षम के कार्यालय, बम्बई में रितस्टर्ड प्राधिक री तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है ओर मुने यह विस्त्र,म करन क, क,रण है कि यया-पूर्वोक्त सम्पत्ति का वाजार मृल्य उसके द्प्यमान प्रतिफ़ल मे, ऐसे द्व्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अतरक (कों) और अनिरतो (यों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत्व निम्नलिखिन प्रहेण्य से उत्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उमसे बचने में सुविधा के लिए और/या (स) ऐसे किसी अाथ या किसी अल या अन्य आस्तिया की जिन्हें भारतीय अस्वर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसा जाना चाहिए था, छिपाने में सिंबिधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधिर, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्.—

श्री झियाउद्दीन बुखारी।

(अन्तरक)

2. कादीवाल जवीर दब्राहीम

(अन्तरिनी)

3. ---

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

4.---

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति मे हितबढ़ हे)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए क'र्यवाहिया क्षरू करना हा। उक्त सम्पन्ति के अर्जन के संबद्ध मो कोई भी अक्षर :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्सवधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (रू) इस स्चरा के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के एास लिख्ति मो किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनसूची

पलैट नं. 504, जो. 5वी मंजिल. इमारत न. 3, सर्वे नं. 41. व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), वम्बई-58 मे स्थित है।

अनुस्ची जैसा कि क स. आई-2/37ईई/10200/84-85 आर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 18-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

नारीख: 11-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref No. AR-II 37EE. 10200184-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 bearing Flat No. 504, 5th Floor, Building, Survey No. 41, Oshiwara Village, 3. Behram Village, Jogeshwari, Bombay-58 (and more fully described in the Schedule as nexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombav on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the eforesa'd property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

3.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—-

- 1. Mr. Zrauddin Bukh ei (Transteror)
- 2 Kadiwaj Jabii Ibrahim (Tran ferce)
- (Person in recupation of the property)
- 4. —

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on — the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 504, 5th Floor, Bldg. No. 3, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behram Bang, Jogeshwari (W), Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II' 37EE.]10200[84-85, dt. 18-8-1984,

Dated: 11-4-1985.

Scal -

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अर्ह-2/37^{ईई}/10201/84-85: ~~अत[.] मसं, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पण्चात, "उक्त अधिनियम" बहा गया है) नी भारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 भे. से अधिक हे और जिस की फर्लेट न. 503, जी, 5वीं मेजिल इमारत मुठ 3. सर्वे न . 41, व्हिलेज आणिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बवई-58 में स्थित है (जार इससे उपावक जनसर्च, में पूर्ण रूप से वर्णित है), ऑर जिसका करारनामा आधकर अधिनियम की धारा 269-क्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बड में जिस्टा है ठाई।ख 18-8-1984 का पूर्वातन सम्पत्ति के जीवन बाधार मृत्य से क्या के दृग्य-गान प्रतिफल क लिये अन्तरित की गई ह आर सुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वकित सम्पत्ति का पाजार मृत्य असके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रति-फल के पंद्रह प्रतिशात से अधिक हु आर अंतरक(कों) और अवरिनो(यो) के बीच एमें अवरिण के लिए तय पाया गया प्रतिप्राल, निरनलिखिन उदृश्य में उबन अंतरण निष्वित में वास्तविक रूप से कथित नहीं। किया गया है .--

(क) अन्तरण में हुई किनी आय की बाबत, आयकर अधि-भिष्म, 1961 (1961 की नः) के अधीन कर देने के अन्तरक व्हें रियत्व में कमी करने थे। उसमें बचन में मिविधा को लिए और/या (ख) ऐसे किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269व की उन धारा (1) के अधीन । निम्नलिख्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री झियाउद्दीन बुखारी। (अन्तरक)

2. कादीबाल अब्दुल रहीम । (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 4. —
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थादर सम्पत्ति में हितड द्व किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फलैंट न. 503, जो, 5वो मिजल, इसारत न. 3. सर्वे नं. 41, व्हिलेज आणिवरा, बेहराम बाग के पीछे, जोगेरवरी (प), वस्त्रई-58 में स्थित है।

अनुसूची जा कि क.स. अ \hat{c} - $2/37\hat{c}\hat{s}/10201/84$ - 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, यस्व \hat{s} द्वारा दिनांक 18-8-1984 का र्राजस्टडं किया गया है।

नारीख: 11-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट क्रीजिये)

Ref. No. AR-11/37EE/10201/84-15.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 503, 5th Floor, Bldg. No. 3, Survey 41, Village Oshiwara, Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay-400058 (and fully described in the Schedue annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bon'. 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arore aid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tox under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely

1. Mr. Ziauddin Bukhari

(Transferor)

2. Kadiwal Abdur Rahim

(Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

* 1 lat No. 503, 5th Floor, Bldg No. 3, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behram Baug, Jogeshwari, Bombay-58.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|10201|84-85 dated 18-8-1984.

Date: 11-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.) 166 GI/85—52

निर्देश म अई-2/37ईई/8910/84-85:--अत , मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 301, जो, 3री मंजिल, इमारत नं. सर्वे न , 41, व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पीछे जोगेश्वरी, बम्बई, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की घारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई, मे रिजस्ट्री है तारीख 4-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवन बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार न्त्य उसके दश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बोच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्त-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आध की बाबत, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में मृविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी ध्रन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने से सुविधा के लिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण मे, मै उक्त अधिनियम की धारा 369-ग की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखन त्र्यक्तियों अर्थात्:—

श्री झिया उद्दीन बुखारी ।

(अन्तरक)

2. अशफक अहमद खान ।

(अन्तरिती)

(यह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

----(वह व्यक्ति जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जामता है, कि वह सम्पत्ति में द्वितबब है) को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्ण्याहिया शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की नारीं से 4.5 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि शद में समाप्त होती हो, के भीतर पृविक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस रचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त गब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूच।

फर्लैट न 301. जो, 3री मजिल इमारत न 20. सर्वे न 41. ओशिवरा व्हिलेज, बेहराम, ब्राग के पीछे, जोगेश्वरी (प), ब वर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स अई-2/37ईई/8910/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाक 1-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

तारीख : 1?-4-1985

मोहर

(जालगुन हो उसे कट दोशिये)

Rel. No. AR-II|37EE|8940|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 196 1 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000|-and bearing No. Flat No. 301, 3rd floor, Bldg. 20 Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Jogeshwan, Bombay (and 16-8-1984 for an apparent consideration which is fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:——

- 1. Mr. Ziauddin Bukharı (Transferor)
- 2. Ashfarve Ahmed Khan (Transferce)
- (Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersinged knows to be

interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor Bldg, No. 20, Survey No. 41, Oshiwara Village Behind Behram Baug Jogehwari (W), Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|8940|84-85 dated 4-8-1984.

Date: 12-4-1985,

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अर्ह-2/37-ईई/8941/84-85.—अत मझे लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमे इसके पण्चात ''उक्त अधिनियम'' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स फलैंट नं. 201, जो, 2री मजिल, इमारत न. 19. सर्वे न. 11. व्हिनेज ओशिवरा, बेहराम बाग के पोछे, जोगेश्वरी (प), ब्रम्बई. में स्थित है (और इसमे उपाव्य अनुसूच में आर पूर्ण वर्णित है) और जिसक करारतामा आधकर अधि-नियम का धारा 269 कखा के अधीन राजम प्राधिकारी के या प्रतिया वस्त्रई में रिजिस्ट्री है, तराख 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उन्तित बाजार मूल्य स क्षम के दय्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विज्ञास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रति-फ़ल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (को) और अंतरितो (यों) के बाच ऐसे अवरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकार निम्नलिखिन उद्देश्य में उक्त अनरण लिखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आयं की धाबत, आयंकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के लिएक में कमी करने था उसमें इचने में मुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अगर या किसी अन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अध्यक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का २३) या धन-स्म्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्राग प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उका श्रिशियम की धारा 269र के उन्मरण मों, मों उक्त श्रिशियम की धारा 269र की उप धारा (1) के अधीन, निम्लिक्ति व्यक्तियों अर्थान्:—

श्री झियाउद्दीन बुखारी। (अन्तरक)

🙎 मोहम्मद इमरान । (अलिरिती)

3. --

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं) (बह व्यक्ति जिसके बारे में अश्रोहस्काक्षरी जानता है, कि बह सम्पत्ति में हितबढ़ हैं)

कः। यह सचना जारी करके प्योक्ति सम्पत्ति के अर्जन के कि कर्यव्यक्ति का कर्यकाहिया काम करना हा। उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के सबंध में कोई भी आक्षा :—

(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि, या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर स्चना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस मुच्या के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्ते स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मूचः

"फलैंट न 201, जो, 2री मजिल, इमारत न 19, सर्वे न. 11, व्हिलज आशिवरा, बेहराम बाग के पीछे. जोगेण्यरी (प), बस्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/8941/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 4-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

तार(ख . 13-4-1985

मोहर:

(जो लागून हा उसे काट दाजिये)

Ref. No. AR-II]37EE|8941|84-85.—Whereas, 1. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, Bldg. No. 19, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari Bombay. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any mome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely '--

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)

2. Mohammed Imran (Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Bldg. No. 19, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W) Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 8941 84-85 dated 4-8-1984.

Date: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

सं. अई-2/37-ईई/8943/84-85 मुझ लक्ष्मण दास भ्रायकर श्रव्धनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चान् 'उक्त (श्रिश्रिनियम कहा गया है) की घारा 269 घर्क ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्याम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/-- रु. से ग्रिधिक है और जिसकी सं. क्लेट नं. 303, जो, 3री मंजिल, इमारत न. 20 सर्वे नं. 41. व्हिलेज ऑशिवरा, बेहरांम बाग के पीछे, जोगेशवरी (प) बम्बई में स्थित हैं (सीर इसस उपावद अनुसूचि में आंर पूर्ण रूप मे वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवन बाजार मृल्य में क्षम के दृश्यमान प्रतिफ़ल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य जसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिणत से अधिक है और अनरक (को) और अनिरती (यो) के बीच ऐसे अनरण के लिए नय पाथा गया प्रतिफल, निम्न-लिखिन उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित से बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की राबत, आयंकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे कियी डाप या कियी धन या उत्य आफ्तियों की जिस्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अपस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिधा की जिए

कतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269ग को अनुसरण में, में उक्त अभिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) को अधीन, निमालिक्ति क्यवित्यों अर्थात् :—

भी झियाउददीन बुखारी। (भ्रन्तरक)

2. फिरोझा खानुम । (भ्रन्तरिती)

3. --

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है),

4. ---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिनां शुरू करना हैं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की कविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्राम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरण '— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो' आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनम्ची

फलैट नं 303 जो, 3 री, मंजिल इमारन न. 20, मर्वे न 41, व्हिलेज ओशिबरा, बेहराम बाग के पिछे जोगेणवर (प). वस्त्रई में स्थित है।

श्रनूस्ची जैसा की क. सं. ग्रई-2/37ईई/8943/84~8 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्राग दिनांक रा 4 को रजीस्टर्ड किया गया है। अनुमूची जैसाकि ऋ०मं. अई-2/37 ईई/9934 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 10-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 10-4-1985

मोहर:

(जा लागू न हो उने काट दोजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8943|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]and bearing Flat No. 303, 3rd Floor, Bldg. No. 20, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)

2. Feroz Khanum (Trasferce)

3.

(Persons in occupation of the property)

4. (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of 166 GI/85-35

- the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explination: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 303, 3rd Floor, Bldg. No. 20, Survey No. 41, Village Oshiwarax, Behind Behran. Baug, Jogeshwari (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II₁ 37EE|8943|84-85 dated 4-8-1984.

Date: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. श्रई/37-ईई/8944/84-85:- श्रत: लक्ष्मण दास भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 के। 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात ''उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269घ स्र के ऋधीन सक्षम प्राधिकारी को यह वि-श्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति ऋ। जिसका उचित बाजार मुख्य 100000/- म. मे अधिकः है और जिसकी मं. फलेट नं. 304, जो 3 री मंजिल इमारत नं. 20, सर्वे नं. 41, व्हिलेज ओणियरा, बेहराम बाग के पिछे, जोगेणवरी (प), बम्बर्ड, में :स्थित है) अनुमूची में और पूर्ण रूप से वणित जिसका करा रन(मा आयकर अधिनियम धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय,

धारा 269 के, ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यभान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यभान प्रतिफल से ऐसे दृष्यभान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिगत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिक (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी अन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 4°) या अन्न तर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ्म अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिधा के लिए

अनः अब उका अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नतिस्थित व्यक्तियों अर्थात् :-- 1. श्री ज्ञिया उददीन बूखारी । (ग्रन्तरक)
2 ग्रह्मारी खानम । (ग्रन्तरिनी)

3

(अन्तरक)

(क्ट व्यक्ति, शिसके बःरे में अबोह्प्तःक्षरी शानता है, को वह सम्पत्त में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिता शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सबक्ष से कोई भी आक्षेतः—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अविधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर राचना की तामील से 30 दिन की उन्होंध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (फ) इस सूचरा को राजपत्र मो प्रकाशन की नारील के 45 दिन को शीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास निष्टित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण किसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होंगा नो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूच।

"फलेट न 301, जो. 3 री मजिल, इमारत न. 19, मर्बे न 41, व्हिलेज ऑशिवरा, बैहराम बाग के पिछ जोगेश्वरी (ए), बम्बर्ड में स्थित है।

श्चन्मची जैसा वीक. सं स्र्ड $|2|375 \hat{\epsilon}/894 > 84-85$ और जा सक्षम प्राविकारी बस्बई हारा दिनाक 4/8/1984 का रजीस्ट के किया गया है।

तराम्ब : 10-4-1985

मोहर:

(ब्रो लागून हो उस काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8944(84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to 35 the 'Said Act'), have reason to believe that the initiovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing Flat No. 304, 3rd I loot, Oshivara Village, Bldg. No. 20, Survey No. 41 Behind Behram Baug, Jogeshwari (West), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which 1 less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent

consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

ı Mr. Ziauddin Bukhari

· Fransieror)

2 Akthari Khanam

(Transferce)

(Person in occupation of the property)

(Transleror)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

flat No. 304, 3rd Floor, Bldg, No. 20, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behram Baug Jogeshwari (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37FF[8944]84-85 dated 4-8-1984.

Date: 12-4-1985.

SEAL

*Strike off where not applicable

निर्देश म . प्रई-- 2/37-ईई/8943/84-85 :-- प्रत--मञ्जे लक्ष्मण दास स्नायकर ऋधिनियम 1961 (1961 🗥 43) 'जिसे एसमे इसके पश्चात् ''उक्त श्रधिनियस हहा गया है) धारा 2,69 घि के स्रधीन सक्षम प्राधिक्षारी को यह विश्वास करने वा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 100000/- मा से अधिक है और जिसकी स॰ फलेट नं - ३००, जो, ३ री मंजिल, इमारत न , २० सर्वे नं 🕠 व्हिनेज ऑशिवरा बेहराम बाग के पिछ जोगीश्वरी (प), बम्बर्ड में स्थित है) (और इसमे अनुसूची से और पूर्ण ऋष ग विणित और जिसका करारनाम। आयकर अधिनियम को धारा 269 क, ख के अधीन सक्षम प्राधिक री के कार्यालय, वस्बई में रजाय्द्रा है, तारोख 10-8-1984 को पूर्वीतन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित को गई है और सुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाक्कार मृत्य इसके दृश्यमान प्रतिफल स ऐसे दुइयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरितो (यों) के बाच ऐसेअंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण विखित में क स्तविक सप से कथित नहीं किया गया है : ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबता, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के द यित्व में कमी करने या उससे बचने मो सविधा के लिए और/गा
- (क) ऐसे किसी अगर या किसी धन या उन्य आरित्यों की जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिक्यिम, 1922 (1922 का 11) या आयक्तर अधिक्रियम, 1961 (1961 का छ) या धन-कर अधिक्रियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए का, छिपाने में स्विधा के लिए

उत अब उक्ता अधिनियम की धारा 269र के अन्मरण में, मैं उब्द अ तिराफ, की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निमानिक्ति ब्योक्सियों अधीन,

- 1. श्री. जिया उददीन वृष्यायर्थः । (ग्रन्तरकः
- मोडम्मद शीएब खान । (श्रन्तेरिती)
- (वह व्यक्ति, िसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बहु व्यक्ति, जिसके आधिभाग मासम्पान हु) 4. --

(वह व्यक्ति जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्त में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्**योक्ति सम्पत्ति के अर्ज**न के लिए कार्यवाहिया अर्च करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर रचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीनर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (को इस मुचरा को राजपत्र मो प्रकाशन की तारील के 43 दिन को भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मो हिनबद्ध

किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हागा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अनुभूच ।

"फलेट नं. 301, जी, 3 री मंजिल इमारत नं. सर्वे नं. 11, क्ष्मिलेज ओणिबरा बेहराम बाग ने पिछे. (\mathbf{U}) , बम्बर्ट में स्थित है।

ग्रनूम्ची जैसा की सं.ग्रर्ड-2/37ईई/9842/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बेम्बई हारा दिनांक 4/8/1984 को रागेस्टर्ड किया गया है।

तारोख: 6-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो अभे काट दोजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8942|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Flat No. 301, 3rd Floor, Bldg. 19, No. 41, Oshiwara Village, Behind Behram Baug, Jogeshwari (W), Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meone or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
- 2. Mohammed Shoeb Khan (Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor, Bldg. No. 19, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Behtam Baug, Jögeshwari (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE,8942|84-85 dated 4-8-1984.

Date: 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देण सं. ऋई-2/37-ईई/8981/84-85 :-- श्रन. मझे लक्ष्मण दास भ्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 क 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धार। १६९ घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिक। री को यह विण्वास करने दा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 100000/- रू मे अधिक है और जिसकी स , गाला न , ४८-ए जो सत्यम इडस्ट्रीयल इस्टेट 2 री मंजिल जोगेश्वरी पूर्व), बम्बई-60 में स्थित है) उपबाद्ध अनुसूर्व। रूप मे वर्णित ਰੈ) म और पुर्ण जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कखा के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 10/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिसी(यों) के बीच ऐसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में व स्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आदकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अदकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43, या ध्य अप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की लिए

अत अब उक्त अधिगियम की धारा 269ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात :--

- 1. सत्यम बिल्डर्स । (ग्रन्तरक) -
- 2. शी, रमेश गोकुलचंद बूबना। (भ्रन्तरिती)
- --- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करका हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविभि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविभि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (६) इस मुचना को राजपत्र मो प्रकाशन की लारीस को 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मो हिनबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखन मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"गाला नं. 48-ए, जो, सत्यम इंडम्ट्रीयल इस्टेट, 2री मंरजल जोगेव्वरी (पूर्व), बस्बई-60 में स्थित है। ग्रन्सुची जैंसा की ऋम सं.ग्रई 2/37ईई/8981/84-84 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाक 6/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

सारीख 6/4/1985 —

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II|37EE|8981|84-85 — Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (42 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property,

having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing Gala No. 48-A in Satyam Indl. Fstate, 2nd floor, Jogeshwari (E) Bombay-60 (and more fully described in the Schedule ann xed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1. Satyam Builders (Transferor)

2. Mr. Ramesh Gokulchand Bubna

(Transferee)

3. Transferor

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Gala, No. 48 A in Satyam Indl. (State 2nd floor, loge-hwart (F), Bombay-60.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II-37Ec 8981 84-85, dated 6-8-1984.

Date 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देग मं. अई-2/37-ईई/9055/84-85.-- अत: मुझे, लक्ष्मणदास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु० से अधि ग है और जिसकी सं फलेट न० 703, जो 7वीं मंजिल इमारत न० 2 नं० 41, व्हिल्ज ओजित्ररा, बेहराम बाग के पीछे जंगोंश्वरी (प), वम्वई से स्थित हे (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) ओर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्रें है, तारीख 9-8-1984 की पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रति-णत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधि-निक्रम, 1961 (1961 का 43) के विधीन कर देने के शन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसे किसी आग या किमी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयदार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अग्यकर अधिनियम, 1961 (1961 दा 40) या भग-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थित हो लिए;

अतः अद उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, गैं उक्त अभिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नितिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

शी भियाउदीन बुखारी (अन्तरक)

फकीर मोहम्मद अली ठान (अन्तरिती)

3. -- (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1 ----

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सचना जारी करके प्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करू करता हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहम्ताक्षरी के णम निलस्त में किए जा मकींगे।

स्पर्ट करण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो बागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याप 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याप में दिया गया है।

अनुसूची

"फलेट नं० 703, जो, 7 वी मंजिल, इमारत नं० 2, सर्वे नं० 41, विहलेज ओणिवरा, वेहराम वाम ने पीछे जोगेश्वरी (प) बम्बई में स्थिति है।

अनुसूची जैसािक कम सं० अई-2/37 ईडी/9055/84-85 और सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनां प 9-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9055|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing Flat No. 703, 7th Floor, Bldg. No. 2. Survey No. 41, Oshiwara Village. Behind 41, Behind Jogeshwari, Bombay (and Behram Baug, fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreemnt is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the

said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transferor)
- 2 Fakhir Mohammed Ali Khan (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Officia! Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the time meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Firt No. 703, 7th Floor, Bldg. No. 2, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behram Baug Jogoshwari.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37FU 9055'84-85 deted 9-8-1984

Date 12-4-1985

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देण मं अर्ड-2/37-ईई/9056/84-85:- अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयहार अधिनियस, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इससे इसके पण्चात् "उक्त अधिनियस" कहा गया है) की धारा 269घ के अर्धन सक्षम प्राधि गरी को यह विश्वास रुपने दा दारण है हि स्थावर प्रमत्ति जिस ग उचिक वाजार मृत्य 100,000/क से निध्य है और विश्वास में एक एक है विश्वास ते 15 सर्वे ने 41 व्हिनोव और दिस्स वैज्ञास वाग है कि जोगेण्वरी (प) प्रम्वई-58 से स्थित ह (और उससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण इस से विणित है) आर जिसका करारनामा आयकर अधिनियस की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वर्ध में रिजस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और

एके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का वाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अनिरती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन **कर देने** के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें वचने में मुविधा के लिए और/या
- (ख) एसं किसी आय रा किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अस-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 26) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपान से स्विधा के लिए ।

अतः अब उका अविनियम की भारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269म की उप भारा (1) के अधीन, निम्नीविष्यित व्यक्तियों अर्थात् .—

झियाउवदीन ब्यागी (अन्तरहा)

2. स्प्रा वी प्रव्वाभ परकार । (ग्रन्तिरती)

3. ---

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

1

(बह व्यक्ति, जिसके बार में अधोहस्नाक्षरी जानना है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मुचना जारी करके पृत्रोंकित सम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुष्ट करता हा । उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबध मैं कोई भी आक्षप

- (क) इस सूचना क राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस ग्वना के राजपत्र भा प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भीतर उक्त ग्थानर सम्पत्ति मो हिल्ब्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिस्ति मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :-इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदो का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है. वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुर्घा

"फोनट न 202, जो, 2री मिजिल इमारत न. 15 रावें न 11, व्हिनोज ओणिवरा, बेहराम बाग के पीछे गिंगोणवरी (प) तस्वरी-58 में स्थित है। श्रमुम् जैमा कि क.स.श्रई-2/37ईई/9056/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनाह 9/8/1984 को रिजस्ट के किया गया है।

नारीख: 12-4-1985.

मोहर:

(जो लागून हा उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9056|84-85,---Whereas, 1 Laxman Das, being the Competent Authority under under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafte, referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 202, 2nd Floor, Bldg. No. 15, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behram Baug, Bombay (and more fully described in the dule annexed hereto), has been transferred and agreement is registered under 269AB of the Income--tax Act, 1961, in the office of the Competent Authority at Bombay 9-8-1984 for an apparent consideration which less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stried in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely —

- 1. Shri Ziauddin Bhukhari (Transferor)
- 2. Sugra B. Abbas Parker (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 202, 2nd Floor, Bldg. No. 15, Survey No. 41, Village Oshiwara, Behind Behram Baug Jogeshwari (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE.|9056|84-85 dt. 9-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37 ईई/10022/84-85:-अत: मुझे लक्ष्मण दाम आय.र अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके पश्चात् "उक्त अधिनियम" यहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रजीन सक्षम प्राधि गरी को यह विश्वास एरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसान उजित बाजार मूल्य 100,000/-ह. स स्रधिन है और जिसकी सं. फलेट नं. 703, जो,7वी मंजिल, इमारत नं० 12, सर्वे० नं० 41 व्हिलेज ओशिवरा, बहराम बाग के पिछे, जोगेश्वरी (प), वम्बई-58 में स्थित है) (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 14-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुख्या के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 हा 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

इत: अद उक्त अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269र की उर धारा (1) के अधीन, निम्निन्छित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री ज्ञिया उददीन बुखारी।

(स्रन्तरङ)

2. नजमा हत्रीब शुत्री।

(ग्रन्तरिती)

3. ---

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. --

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता व है, कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस म्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखन में किए जा सकेंगे।

स्यप्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभ्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'फलेट न. 703, जो, 7वी मंजिल, इमारत नं. 12, सर्वे नं 41, व्हिलेज ओशिवरा, बेहराम वाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), वम्बई-58 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसाकि क. सं ग्रई-2/37-ईई/10022/84-85 और जी सक्षम प्राधिकारी वस्वई हारा दिनोंक 14-8·1984 को रजिस्टर्ड िया गया है।

तारीख: 12-4-1985.

मोहर:

(जो लागू न हा उसे काट दीजिये) .

Ref. No. AR-II 37EE 10022 84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000-and bearing Flat No. 703, 7th Floor, Bldg. No. 12, Village Ochiwara, Survey No. 41, Baug, Jogeshwari (W), Bombay, Behram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), ha been transferred and the section 269AB agreement is registered under Income-tax Act, 1961, In of the

Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aloresaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely—

- 1. Shri Ziaudding Bhukari (Tiansferor)
- 2. Nazma Habib Zukri (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Hat No. 703, 7th Floor, Bldg. No. 12, Survey No. 41, Oshiwara Village, Behind Beram Baug, Jogeshwari (W).

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE 10022/84-85 14-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश म प्रहेन <u>अ</u> 37--हेर्ह 8952/84-95 1--ग्राप मञ्ज नाक्ष्मण दास आयार अधिनियम, १५५१ (1961 दा 13) (पिसे इमरेडनरे पण्नान, "उना यविनियम" जहा गया है। की धारा 269 घ के खाति सक्षम प्राधिकारी की यह विण्यात एरने का कारण है कि स्थावर सम्मतिक जिस्ता डचित बातार मल्य 100000√ क० से अधिक है और जिसकी स फलेट नं० 103, जो, 1 की मंजिल, मन्स विला एस० न० 51 ए/1, एच नं० औं। सी ही एस न० इ.र/इप. जुहु गावधाम वस्पई-,₊9 में स्थित है । और इससे प्रपाबद्ध अनुसूची से और पूर्णरूप से वर्णित है), और विसका करारनामा आपकर अधिनियम की धारा 269 कन्द्र के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टई ह मारीख 4-8-198। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पन्ति का उत्तित बाजार मृल्य, उसके दृश्यभान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक/ अंतरकों और अंतरिती/अन्तरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफात, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक गए से कथित नहीं किया गया हे :---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की थाबत, अरयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुविधा के निए और/या
- (श) ऐसे किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 17) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर रिधिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के तिए

अत अब उक्षर अधिनियम की भारा 200र के शन्सरण मो, मौ उक्षत अधिनियम की भारा 200म की उप धारा (1) के अभीन, निम्मतिस्थित व्यक्तियों अधीता —

1. रमाकात एम रावत (अस्तरक)

😩 महेंद्र संसू। (ग्रन्तरिनी)

अन्तरितो और सुनंदा
 (बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को गह मुच्ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां अरू करवा हा। उक्त स्पन्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि, या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर समात्ति में हिनक दि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयंक्त गब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क म परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय म दिया गया है।

अनुसूची

"फलट नं 103, जां, पहली मिजल, सयूर, विला, एस नं. 51 ए/1, एच. नं 7 और सी.टी.एस.नं. 53/53, जुहु गावटाण, बम्बई-49 से स्थित है। प्रमुखी जैसानी क्ष. सं.क्षई-2/37 ई/895 /94-85 और नं। सक्षम पाधि हारी बम्बर्ट द्वारा दिनांक 4-8-1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

नारीख: 11-4-1985

मोहर :

(जो लागु त हा उसे काट वीजिए)

Ret. No. AR-II|37EE|8952|84-85.--Whereas, I, the Competent Authority being Laxman Das, under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Ast'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000}and bearing Flat No. 103, 1st Floor, Mayur Village S. No. 51 A 1, H. No. 7 and C.I.S. No. 53 53, Juhu Bombay-100049 Gaonthan, (und described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 26°D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Ramakant M. Raut (Transferor)
- 2. Mahendra Sandhu (Transferee)
- 3 Transferce and Sunanda (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 103, 1st Floor, Mayur Vila, S. No. 51-A|1, H. No 7 and C.T.S. No. 53|53, Juhu Gatothan, Bombay-400049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrint No AR-II 37EE.18952184-85 on 4-8-1984,

Dated: 6-4-1985.

Seal

(Strike off where not applicable.)

निदेश स. अई-237-ईई/10259/84-85.---अन. मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-भ के अधीन भक्षम प्राधिकारी की यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 100000/- रु. से अधिक है और जिस की सं. फलैट न बी-1, जा, 1ली मजिल, पूष्पक की-ऑप हाइमिंग सोसाइटी लि., 4था रस्ताः साताकक (पूर्व) वम्बर्ड-55. म स्थित है। और इसमे उपाबद्ध अनुमूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित हो। और जिसका करारनामा आय-कर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टई है तारीख 2 1-8-198 । को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मुख्य में कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिये अंतरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करन का कारण है कि यथा पूर्वेक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिपाल से ऐसे दापसान प्रतिफल के एक्ट ! तिणत से अधिक है। और अंतरक (को) और अंतरिती (सो) के बीच ऐसे अनरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उत्तेण्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आए की राहत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1981 का 4%) के अभीन कर देने के अन्तरक के टारिस्ट में करी करने गा उसने रहाने मो सहिशा के लिए और या
- (स) ऐसे किसी अस सा किसी धन या इसा आस्तियों की जिस्हें भारतीय आस्टार अधितियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) मा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रसेक्सपं अस्तिरिती हास प्रकट सही किया गरा था सा किया जाना साहिए था, विधान में स्विधा के लिए

अतः अब उका अभिभियम की शाका २००म के अनुसरण मो, में उदान अभिनियम की धारा २००म की उप शाका (1) के अभीय, रिमालिसिक व्यक्तियों अभीत् :—

ा श्री बेंकटाचलम रामकृष्ण अस्वर (अंतरक)

2 श्री हरेण बल्लभ दास वागराना (अन्तरिती)

კ. −-

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग मे सम्पत्ति है)

 म् त्वित्व इंट्रल्विमेंट फायनान्स कार्पोरेणन लि०
 (बह व्यक्ति, जिसके बारे से अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का गह गुजना जारी कारके पर्योक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यदाहियां शुरू करता हा। उत्तर सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी राक्षण —

(म) तस मूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर

मृचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(क) इस सचला के राजपत्र मो प्रकाशन की लागीय के 45 दिस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिनक्कड़ किसी अस्य व्यवित द्वारा अधोहस्ताध्वरी के पास निस्ति मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण '—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का जो आग्रवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमची

फलैट सं. बी-1, जो, 1 ती मंजिल, पुष्पक को-ऑप, हार्जीसम सोपाउटी लि., 4था रस्ता, सो तकुत (पूर्व), वस्वई-55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि घ मं अर्ट-2/37ईई/10259/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दितांक 21-8-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख. 11-4-1985 मोहर

(जो लागून हो उसे काट दोजिए)

Ref. No. AR-II¹37EF[10259[84-85.—Whereas, Laxmon Du., being the Competent Authority under tunder Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bacting Flat No. B-1, first floor, Pushpak C.H.S. Ltd;, 4th Road, Santaciuz, East, Bombev-100055 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shii Venkatachalam Ramakrishna Iyer (Fransferor)
- 2. Shri Haresh Vallabhdas Kagrana

(Transferee)

- 3. Transferor
- 4. Housing Development I-mance Corporation I td.

(Person in occupation of the property)
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-1, first floor, Pushpak Co-operative Housing Society Ltd; 4th Road, Santacraz (East), Bombay-400055.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 10259|34-85 on 24-8-84.

Dated: 11-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अर्ड-2/37-ईर्ड/9078/84-85:—अत[.] मझे. लक्ष्मण दास आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100000/- रु. से अधिक 흈 7, जो, जिसका फ्लेट न० मंजिल, 1ली दानेग नेहर रोड, कोज, माताक्झ, (पूर्व), में स्थित ≱ और उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कम्ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बस्वरी में रजीस्ट्री हैं

शारीपा 9-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाकार में मृत्य कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरिक (को) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अतरण के तिए एम पाया गया प्रतिफल, निम्तलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक एम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी शाय की दाइत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीर कर देने के अन्तरक की नायित्य में कमी करने या उसमें इचने में सविधा के निए और/ण
- (ल) ऐसे किसी आग या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजनार्थ बन्नियन प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अन: अब उक्त अधिनियम की भारा 269र के अनुसरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अभीथ, निम्नानिष्यिन व्यक्तियों अधीत :--

१. कुमारी पृष्पा राठी

(अंतरक)

2. श्री बालकृष्णा यन्लापांतृला

(अन्तरिती)

3.

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है, कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह मूचना जानी करके पृत्तीक्त सम्पत्ति की अर्जन के जिला कार्यवाहियां कुछ करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मंबंध में कोई भी आक्षोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक स 4.5 दिन की अविधि, या तत्संबधी त्यिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्याकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (स) इस स्चारा के राजगत्र में प्रकाशन की नारीच ं 45 दिन के भीतर उबत स्थादर सम्पत्ति में हितद द्र किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहरताक्षरी के एक निम्ति में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फर्तेट न. 7, जो, 1 जी मिलित, वा भा कुन, नेहरू रोड, सालाकुंज (पूर्व), बराई-55 ते स्थित है अनुसूक्षो जैसा कि क. स. अई-2/37ईइ/307384-85 और जा सक्षन प्राविकारा' दम्बई हारा दिनाक 9-8-1984 को रिनस्टिं किया गया है।

Ref. No. AR-II,37EE|9078|34-85.—Wherea. I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act 1961 (43 or 1951) (hervinalter referred to as the 'Cad Act'), have realer to believe that the immovable property, having a for mothet value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 7, 1st Floor, Danesh uni, Nehru Road, Santacruz (Fast), Bombay 400 055 (and more more fully described Bomoay (and Schelule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registeed under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state I in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue c. notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Kumari Pushpa Rathi (Transferor)
- 2. Shri Balkrishna Yəllapətu'lı (Transferee)
- 3. Transferer.

 (Person in occupation of the property)
- 4. ——— (Person whom the undersioned known to be inforested in the property)

Objections, if any, to the acquirition of the said property may be made in writing to the undersigned—166 GI/85-54

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the cute of publication of this notion in the or all concete or a period of our days from the service of the notice on the respective process whichever period carles later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7|1st Floor, Danesh Kunj, Nehru Road, Santacruz (East), Bombay 400 055

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9078|84-85 on 0-8-1984

Dated: 11-4-1985.

Seal.

'Strille off where not applicable.

निर्देश मं० अर्ड-II/37ईई/10100/84-85 :---अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 व्य 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् "उक्त अधिनियम" त'हा गया है) की धारा 269व के अर्जन सक्षम प्राधिवारी को यह विश्वास करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसणा उचित उचित वाजार म्ल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिप, की सं. फनैट न. 12, जो, 2री यजिल, इगारत नं. 5ए जुह संगीता अपार्टमेंट को-ऑप हाउसिंग सोसाइटी, सांताक ज (प), वम्बई-49 में स्थित है और इससे उए वद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणत है), आंर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-ऋख के अधीर सर्म प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजम्टर्ड है तारीख 18-2-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित वाजार मल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमग्न प्रतिकल से ऐपे दृष्यगान प्रतिप्त्र के पंद्रह प्रतिसत से अधिक है और अंतरक (कों) और अनरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, तिम्न-लिखित उद्देश्य से उक्न अतरण लिखित में वास्नविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अनर्ण से नई निक्त आप दी बाबत, अग्यकर अधि किएस, 1961 (1961 का 42) के अभीय कर देने के अन्तरक के दाबित्व में करी करने या उपसे बचने में स्विधा दे लिए और या (स) ऐसे किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीत, निम्नानिस्ति व्यक्तियों अर्थाता :—

1. श्री सिरी राम खन्ना

(अन्तरक)

2. श्री दर्णन सिंह गुजराल

(अन्तरिती)

3. अंतरकों (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति मे हिनबद्ध है)

को यह मचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रृक करता हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्मंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस म्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णम लिखित में किए जा मकोगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयक्त शब्दों और पदी का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फलैंट नं. 12, जो, 2री मंजिल, इमारत नं. 5ए, जुहु संगीता अपार्टेमेंट को-ऑप. सोसाइटी, सांताकंज (\mathbf{q}) , वस्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. मं. अई-2/37ईई/10100/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 18-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सारीख: 6-4-1985 ।

मोहर:

(जो लागून ो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]10100[84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 12, 2nd Floor, Bldg, 5-A, C.H.S. Apt. Sangita Ltd., Santaeruz Juhu (West). Bombay 400 059 (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Siri Ram Khanna (Transferee
- 2. Shri Darshan Singh Gujral (Transferee)
- 3. Transferer (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12, 2nd Floor, Building No. 5-A, Sangita Apartment Co-operative Housing Society, Santacruz (West), Bombay 400 059

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10100|84-85 on 18-8-1984.

Dated: 11-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable).

निर्देश में अई -2/37-ईई/10350/84-85-- अत. म्झे, ल्क्ष्मण दात, आयत्र अधितियम, 1961 (1961 🗥 43) (जिसे इपमें इनके पश्चात "उक्न अधिनियम" एहा गया है) की धारा 269घ ने अबीत सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास सरने ए। पारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिस प उचित बाजार मुल्य 10/- रु. से अधिक है और जिस की सं. दुकान नं 2, जो, "अलोक, ग्राउंड फलोअर. प्लॉट्स, नं. 104 और 10 इटइ, टी.पी एस. कंज (प), बम्ब-54इ में स्थित हे और इसमें उपायद्ध, अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है). और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269-कख के अधीन अधीन सक्षम प्राधिवारी के कार्यालय, बस्बई में रजिस्टुई है, तारीख 18-8-1984 को उर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुभ्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और तिरक (कों)और अन्तरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे इचने में स्विधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी जाय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जागा चाहिए था, छिपाने में सुविध्य के लिए

अत. अब उक्त अधिनिगम की धारा 269ए के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, निम्नानिस्ति व्यक्तियों अधीन: :—

- 1. श्री अछेलाल माणिकचद जनमञ्जल और श्री वांकेलाल माणिक चंद जनमञ्जल (अन्तरक)
- 2 मैंसमं जय मंडप डेकोरेटमं एण्ड कैटरमं

(अर्लारती)

3 ---

(वह ब्यंतिक जिनको अधिसीम से सम्पन्ति है)

1 ---

(वड व्यक्ति, जिनक बारे में अबॉह्म तक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह मृच्या जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शृष्ट करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेत :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होंती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितक क्र किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अघोहम्ताक्षरी के ए। लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अभ्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

दुगात न. 2, जो, "अलोक", ग्राउंड फलोअर, प्लॉट्स न. 104 और 105, टी पी, एस. 4, सोताकुंज (प), वस्पर्द-54 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसा कि क. स $\pi = \frac{5}{2} \cdot \frac{2}{37} = \frac{5}{10350/85} \cdot \frac{1}{10350/85} \cdot \frac{1}{103$

नारीख: 6-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उस काट दोजिये।)

Ref. No. AR-II|372E|1000|84-85.-Whereas, I, LAAMAN DAS, being the Competent Authority under Section 2691 of the income-tax Act 1961 (43 of 1901) (heremanter remained to as the 'odd Act'), have reason to believe that the immovable property, having a rair market latte exceeding as. 100,000 and bearing Shop No. 2, 'Allow' Ground Floor, Piots & 105, Nos. 104 I.P.S. 4. Santacruz 400 054 (and more Bombay (West), more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax. Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-5-1984 for an apparent consideration which is less than the rair market value of the aloresaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as afore aid exceeds the apparent consideration therefore by more than futeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Ins trument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other uses s which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes or the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby instiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Mr. Abhelal Manikchand Jaisawal Mr. Bankelal Manikchand Jaisawal (Transferor)
- 2. M|s. Jay Mandap Decorators & Caterers. (Transferee)
- Transferors
 (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of

- notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immediate property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Cher No. 2, 'Alba', Cro. A From Nos. 104 and 105. T.P.S. 4, Santacruz (V.). Bombay 54.

The agreement has been registered by the Connector Authority, Bombay under Serial No. AR-H/37EE/10350/84-85 on 25-8-1984.

Dated: 11-4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable).

िर्दे । सं. ्डिन्2/37 -्डि/8938/34 उ**5** :--अतः मुझे, लक्ष्यण दाप, भाग र अधिनियम, 1961 (1961 धा 43) (ति: इन्नि इक्ति परवात्, "उतः अविधिम" :हा यन है) की बारा 209 घार जजेर जाज प्राविजारों को यह जिस्ताव इस्ते अ असम है हिस्यानर उम्हत्ति, विसास उनित्वा तर गूल्य 10000०∤- रु. से अबि∴ है और जिल का सं. फलैट नं. बी-3, जी 1 ली मीजिन, पाइनुंज, की-आं: हा िंस मी पहटा दि., दिश्चित रोड़ (एकडेंगन), तातकुं। (प), वस्बरि-54 दे स्थित ह (जोर इत्र उपा-हे (और इससे उपायद अनुसूर्वा में और पूर्णहप से विणित है) और जिसक कर रन मा जन्यकर अधिनियन की धारा 269 का के जागीन पक्षन प्राधिक री के कायलिय, वस्वई मे रजिल्ट्रई है तरीव 18-8-1984 को पूर्वीक्त समात के उचित व गर मूल्य से कम के दृश्यन न प्रातक्रत के लिये ात.रा हो गई हे और नुझे यह (वरत.स करने का कारण है ।क जप्रापूर्वीक नन्यत्ति का उचित वाजार गुरय उसके दृश्यमान प्रातकन सं ऐसे दूरपान प्रशिक्त के पद्रह प्रातिशत से अधिक है और अंतरक (कों) ओर अतारता (यां) के बोच ऐसे अनरण क लिए तम पाम पान प्रतिकल । नमनालिखित उहेश्य से उक्त अंतरन जिल्ला में यह्तिज्ञ रूप से कर्यत नक्षा किया गया है:--

- (क) अत्वरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि वियम, 1981 (1981 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे फिरी २.५ या किती धन या उन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय अत्यद्गर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो सविधा की लिए

कत: अय उत्ता प्रिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मौं उक्त अर्थित्यन की धारा 269म की उर धारा (1) के अधीन, निरातिस्थित काकिन्यों अर्थात्:—

1. बैंड १४ विष्णु आदृत्ये। (उन्तरः)

2. िरोट चुरूर गुप्ते। (अनःरिती)

3 अस्तरित

(वत् व्यक्ति जिपके अधिभोग में उम्मति है) (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहर तक्षरी जानता है की वह सम्मत्ति में हित्बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के तिए कार्यकाहिए। गुरू करता हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध भे कोई भी आक्षेत :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविध, जो भी अर्जीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (द) इत र पता के राजपण में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : —इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

प कैट नं. वी-3, जो पहुनी मंजिल, स्नेहकुंज को-ऑप. हार्डींग सोजाइटी, विकिश रोड़ (एक्सटेंशन), सांता-कू- (प), बस्पई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैता ि क. सं. अई-2/37ईई/8938/84-85 ऑर जो नक्षम प्राचि ारी बम्बई हारा दिनां 4-8-1984 को रिजस्टर्ड िया गया है।

तारीख: 11-4-1985

माहर:

(जो लागू न हो उपे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8938|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the mmovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. B-3, 1st Floor, Snehkunj C H.S. Ltd., Linking Road Extn., Santacruz 400 054 (and Bombay fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18 8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Vaijnath Vishnu Aathalya (Transferor)
- 2. Shirish Madhukar Gupte (Transferee)
- 3. Transferee

(Person in occupation of the property)

1. ———

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever ever period expires later; (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Hat No. B-3, 1st Floor, Snehkuni Co-operative Housing Society Ltd., Linking Road (Excention), Santacruz (West) Bombay 400 054

The agreement has been registered by the competent Authority, Bombay under Serial No AR-II[3717]8938184-85 on 4-8-1984.

Dated 11-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं अर्ध-2/37-ईई/10265/84-85:-- अत. मुझे, लक्ष्मण दान, आए॰ अविवियम, 1961 (1961 🖰 43) (जिसे इपमे इसके पश्चात्, "उक्त प्रविनियय" वहा गया है) को धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधि पर्ग को यह विषवास ुरने का दारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विगाप उतिप बाजार मृत्य 100000/- र से अप्रिक्त आर जिस्की स फ्लैटन 10, जो, अशोरा पैना को-जोर कोमाइटी वि., 15, एस. बि. रोट, लानाकृत (प), (अं(र इसमे उपान्द अनमुर्चा पूर्णरूप से वर्णित है) और जिसका आयकर अधिनियम की धारा 26,6कख के अधीन सजम प्राधिकार। के कार्यालय रिजम्टर्ड है नारीख 24/8/1984 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बागार मृत्य में कम के दृण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरि । पी पई है और स्झे यह विशास करने का कारण ह कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यभान प्रतिफल में ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पढ़ह प्रतिशत से अधिक है और अनरक (को) ओर अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उर्ग्ण्य से उभा अंतरण लिखित में बास्तविक रूप में किथन नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में तहीं विशी आय की हाडत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 13) तो अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व मो कमी करने था उसमें बचने मा गणिशा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आराज्य अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गविधा की लिए

अत. अद उबत अधिनियम यी धारा 269ए के कनसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अधीन, किस्तिमित व्यक्तियों अधीत् --

1 श्री भाग प्रमाद श्रीपारनदा

(अन्तरः)

🚅 श्री पर्नार इम्राहीम नावानाला ।

(अन्तरिती) 🍃

3 अंतरको (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

i --

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है, की बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पन्ति की अर्जन को लिए कार्यजाहिया शक्ष करता हा। जक्त सम्पन्ति को अर्जन को संबंध सो कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस ग्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविभि, या तत्मंबधी व्यक्तिया पर ग्वना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त तोती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्ति सो में से किसी व्यक्ति होगा।
- (क) इस रचना को राजपण में प्रकाशन की नारील ने 45 दिन के भीतर उक्त म्थानर समास्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताक्षरी के पाम निष्टित में किए जा सकेसे।

स्पष्टीकरण '— इसमे प्रयुक्त शब्दा और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

परीट नं. 10, जा, जन्नोहा पैलेम को-ऑर मांताइटी ति , 15, एम. दि. रोट, साताक्रण (प), बम्बई-७४ में स्थित है।

जनुसर्चा जैला कि क. स. अर्ड-2/37ईई/10265/84-85 और जो सक्षय प्राधितारी बग्बई द्वारा दिनांग 24-8-1984 को रिक्टई लिया गया है।

नारीख : 11-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए।)

Ref. No. AR-II|37EE|10265|84-85,---Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 10, Ashok Palace Co. op. Society Ltd., 15, S. V. Road, Santacruz Society Ltd., 15, (and 400 054 more Bombay (West), annexed the Schedule described in fully hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than inficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax lunder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mr. Mathura Prasad Srivastava (Transferor)
- 2. Mr. Sabbir Ebrahim Tambawala (Transferce)
- 3. Transferor.

 (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

- the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 10, Ashok Palace Co. op. Society Ltd., 15, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay 54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10265|84-85 on 24-8-1984.

Dated: 11-4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable).

निर्देण सं. ४६-३/३७-६२/10150/84-85. +-अत् महो, लक्ष्मण दास, जायाज अधिनियम, 1961 (1961 द्य 43) (िं इनमें इपीर पमतात्, "उन अधिनियम गहा" गशा है) नी धारा 269-म के अर्धक रधाव प्राधि पर के पह विष्यात असे हा अस्य है दि स्थावर नार्यान, जिल्हा इचित बाजार मुख्य 1,00000/-र भे अधि है और जिस की सं. फराँट नं. 17, जी, महेण्यण निवास, 44-15, निरास्त्रीड सांताकांत्र (प), बम्बई-५५ पं रियत है) और इसने उपाबन्द अनम्बं: में आर पूर्ण रूप में विशित है) और जिसका करायनामा अध्यक्तर अधिनयम की धारा 269 कख के अर्धान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्वई में रजिस्टी हे तारीख 8/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान जीतफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (कों) । और अंतरिती (यों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नालिखित उद्देश्य से उवन अंतरण लिखित मे बास्तविक रूप स कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की हाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन्य में कमी करने था उसमें बचने में स्विधा के लिए और/पा
- (ल) ऐसं किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उग धारा (1) के अधी , निमालिक्ति व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रो अरुण आर. रावल (अन्तरः)

2 श्री सुरेश जे. मुछाला ओर श्रीमती निता एप मुछाला (अन्तरिती)

3. — (घह व्यक्ति, वित्रके अधिभोग पे सन्पत्ति है)

1. -- (बड् व्यक्ति, जिन्हे वारे में बंबोहस्ताक्षरी जानता है, दि बह सम्पत्ति में डिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्र्रू करता हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितब इस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों गौर पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सची

फलैंट नं. 17, जो, महेश्वर िवास, 44-45, तिलक रोड, सांताकुंज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

्तुप्ची जैवा ि क. सं. अई-2/37ईई/10150/84-85 और जो पक्षम प्राधि । री बम्टई द्वारा ि का 18-8-1984 को रजिस्टई विधा गया है।

तारीख: 11/4/1985

मोहर:

जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10150 64-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immedable property, having a fair marlet value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 17, Maheshwer Niwas, 44-45, Tilak Road, Scritecruz (W), Bombay 54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the par'ies has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Arun R. Raval (Transferor)
- Shri Suresh J. Muchhala & Mrs. Neeta S. Muchhala (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. —
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the afor said persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 17, Maheshwar Nivas, 44-45, Filak Road, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10150|84-85 on 18-8-1984.

Dated: 11-4-1985

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अर्ड-2/37-ईई/10001/84-85: ---अतः मुझे नक्ष्मण दास, आयर्ग अधिनियम, 1961 (1961 🖰 43) (जिले इसमें इसके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" यहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिटारी को पह विण-वास एरने हा हारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिस ा उचित बाजार मन्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी मं. प्रिमायसेन नं. 1. जो, ग्राउंड फलोअर,आणा अपार्टमेंटस को-ऑन, हाउमिंग सो बाइटी, निर्मानाधीन इमारत, सांताकज (प), बम्बई, में स्थित है (अं)र इनसे उपाँबद्ध अनसूची से है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कुख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टर्ड है तारीख 14-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंक्षरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उमसे दचने मो सिवधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या कियी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए 166 OI/85—55

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन, निम्नालिस्ति व्यक्तियों अर्थात :--

- श्रीमती लिमयानवंती पी होहरा, ओर
 श्रामती मत्रु इंदरकुमार महानी । (अन्तरक)
- 2 श्री हारानंद लष्ठभनदास मखीजा और श्रीमिती रेनु एच. मखीजा। (अन्तरिती)
 - अस्तरकों
 (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. --

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है।)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति की अर्जन को लिए नार्यवाहियां राष्ट्र करता हूं। उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्थित मो किए जा सकेंगे।

स्पप्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रिमापनेत नं 1, जो, प्राउंट फलोअर आगा, अपार्ट-मेंट्स को-और, हाउतिंग सोताइटी, (तिर्माणाधीन इमारत सांमाकुंज (प); बस्बर्ड में स्थित है।

अनुमुची जैंगा ि क सं. अई-2/37ईई/10001/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाह 14-8-1984 को रिजस्टई किया गया है।

नारीख: 11-4-1985

भोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10001|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 bearing Flat No. and J, Asha Apts. C.H.S. (Prop. Building), Floor, (West), Santacruz Bombay (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Smt. Khymyanvanti P. Rohra, and Smt. Madhu Inderkumar Sahni (Transferor)
- 2. Shri Hiranand Lachmandas Makhija, and Smt. Renu H. Makhija (Transferce)
- 3. Transferor

(Person in occupation of the property)

4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Asha Apartments Cooperative Housing Society (Prop. Building), Santacruz (West), Bombay

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10001|84-85 on 14-8-1984.

Dated: 11-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं.आई 2/37-ई / 1)239 84-85-अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/- रु. से अधिक है और प्लैट नं. ए-303, जुह संस्कार प्रीमायसेस को-आपरेटिव्ह मोसायटी लिमिटेड, जुह चर्च, अम्बई 400049 में स्थित है) और इससे उपाबढ़ अनुसूची में और रूप से वर्णित है) और जिसकाष्करारनामा आयकरण नियम की धारा 269 क ख के अधिन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है, तारीख़ 13-8-1984 को पूर्वोक्त उम्पत्ति के उकित बाजार मल्य मे कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दम्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत मेण्अथधक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफलद्र निम्नलिखितः उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखितप में प्यास्तविक रूप से कथित नही किया गाप्है ---1 श्रीमती नीना फिरोशा रंगुनवाला और श्री फिरोझा

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयं की दाइत, आयंकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नित्विकत व्यक्तियों अधीत: ---

- 1. श्रा मृतो निना फिराझा रगूनवाला और फिरोझा जनशेद रगूनवाला (अन्तरक)
- 2. श्रीकेशवजी जेठालाल सोनी और श्रीमती अमतबेन सोनी । (अन्तरिती)
- 3. (बह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)
- 4. —— (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त रुम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हा। उक्त रुम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर रूचना की नामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवित बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकित व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उवत स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति हारा अधीहम्ताक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदो का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लैंट नं ए-303, जुह सस्कार प्रीमायसेस को-आपरेटिय सोसायटी लिमिटेड उरी मजिल, जुहु चर्च, जुहु, बम्बई 49 में स्थित है।

अन्मूची जमािक क्रम स. आई -2/37ईई/10289/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

सारीख: 10-4-1985

मोहरः

(जो लागू न हो

Ref. No. AR-II|37EE.|10289|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing Flat No. A-303, Jahu Sanskar Premises Co-operative Society Limited, 3rd floor, Juhu Church, Juhu, Bombay-49 (and more fully des-Bombay-49 the Schedule annexed in hereto), cribed transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mrs. Neena Firoze Rangoonwalla and Mr. Firoz Jamshed Rangoonwalla. (Transferor)
- 2. Mr. Keshavji Jethalal Soni and Mrs. Amrutbehn Jethalal Soni. (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

4.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression, used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. A-303, Juhu Sanskar Piemises Co-operative Society Limited, 3rd floor, Juhu Church, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-11/37EE:10289/84-85, dated 13-8-1984.

Dated: 10-4-1985.

SEAL : .

*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. श्र**६-2/37**ईई/9765/84-85:-- ग्रतः मुझे, लक्ष्मण दास, भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, "उक्त र्श्वधिनियम" कहा गया है) की धारा घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 रु. से अधिक है और फ्लैट न. बी-17, पहली मंजिल, कृष्णा सोसायटी, डूइ रोड, प्जुह (नार्थ). वम्बई 400,049 में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम अधिन सक्षम प्राधिकारी के -काय(लय. बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल दण्यमान के पंद्रह प्रतिशत रा अधिक है और अंतरक(को) अंतरिती (यो) बीच ऐस अंतरण ਜ਼ਿਦ गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण मं हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसे किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 1) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्यिधा के लिए

कान अब उक्त अभिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अभिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्तिलिएन व्यक्तियों अर्थाता :—

- ३ हबर्ट जान डिमोझा (अन्तरक)
- 2. धनवंतराय एम, विवेद और दश्यन्त डी, व्रिवेदी (अन्तरिती)
- ं (वह र्व्याक्त जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह समात्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्वोंक्स सम्पत्ति कें अर्जन के जिए कार्यवाहियां शरू करता हू। उक्त स्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्मबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (रू) इस सचरा के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख़ के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य त्र्यकित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस निस्कित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दां और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमुची

फ्लैट नं. बी-17 पहली मंजिल कुष्णा, सोसायटी जुंह रोड. जह (नार्थ) बम्बई 100049 में स्थित है

जनुसूची जैसा कि कमस. पुर्द-2/37ईई/9765/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी दम्बई द्वारा दिनाक 10-8-1984 का रिजस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 10-4-1985

भोहर:

(पोलागूनही उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II]37EE,[9765]84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the meome-tax Act 1961 (43) of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000₁and bearing Flat No. B-17, 1st floor, Krishna Society, Juhu Road, Juhu (North), Bombay-49, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Herbert John D'Souza (Transferor) (Transferor)

2. Dhanvantray M. Trivedi and Dushyant D. Trivedi (Transferce)

(Person in occupation of the property)

4. M's. Oshiwara Land Development Co. (Pvf.) Ltd.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of

- the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Fiat No. B-17, 1st floor, Krishna Society, Juhu koad, Juhu (North), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-H 371-E 19765[84-85] on 10-8-1984.

Dated: 10-4-1985,

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश स. पर्ध-2/37-ईई/9784/84-85---अत लक्ष्म ण दाभ आयक्षर अभिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) 269घ के अर्बन सक्षम प्राधिकारी का विष्वास करन का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 100000 र से अधिक है और ं संख्या फ्लैट, प्लाट न : 21, सुबोध, प्रेमीडेन्सी को-आपरिट्वह मोमा लि नार्थ माउथ रोडन 7 जे बी पी डी रवीम जह, बम्बर्ध 1000।9 में स्थित है (और इसने उताबद्ध अनुपूची में और पूर्ण स्प से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रजीस्टी है शारीख 14/8/1981 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरिप्त की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिकता के पंद्रह प्रतिफल से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मिल्शा के निए और/जा
- (स) ऐसे किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1982 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

कांभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए शा, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उवर अधिनियम की धारा 269र के अन्सरणं में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269र की उप धारा (1) के अधीन, निम्निनिस्त व्यक्तियों अर्थात्:—

ा. श्रीमतोः वसुमतो एमा चौकमी और श्री दिलीप एमा चौकमी (अस्तरक)

2. श्री श्याम मुन्दर. आई. मारावागी (अन्तरिती)

3. --

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4. -- (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वो क्रित सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की भीतर उवरु स्थावर सम्पत्ति मो, हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाण किस्ति मो किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

पलैट, जो . प्लाट नं . 21. सुबोध, प्रसीडन्सी को-आप हार्जीसंग सोंसयटी लिमिटेंड नार्थ साउथ रोड नं . 7, जह बिल पार्ले डबलपमेंन्ट सीम, जूह बम्बई 400049 में स्थित है ।

अनुसूचीं जैंगा कि क्रम मं. अई-2/37ईई/9784/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 9-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

(Per

3. —

ताप 7, 49 Section 209B of the ancome-tax Act 1961 (43) of 1961) (heremafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000-and bearing No. Plot No. 21, Subodh, Presidency Coop. Hos. Soc. Ltd., North South Road No. 7, Juhu Vile Parie Development Scheme, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule anneed hereto), has been transferred and the agreements is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

Ref. No. AR-II|37EE.|9784|84-85.-Whereas, 1,

Laxman Das, being the Competent Authority under

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Mrs. Vasumati M. Choksi and
 Mr. Dilip M. Choks
 (Transferor)

2. Mr. Shyam Sunder I. Sarawgi (Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. Plot No. 21, The Presidency Co-op Hos. Soc. Ltd., Subodh, North South Road No. 7, Juhu Vile Parle Development Scheme, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-11/37EE. 19784 84-85, dt. 10-8-1984.

Dated 9-4-84.

SEAL

(Strike off where not applicable).

निर्देश मं. अई-3/37ईई/1087/84-85.-- अन[.] मुझें लक्ष्मण दास, आयकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बप्जार मृत्य 100000 रु. मे अधिक है और जिसकी मं. दुकान नं. 2, जो, प्लाट न. 45 मरीन एण्ड प्रिमीीयसेस को-आप हाउसिंग सोसायटी लि., जुह तारा रोड, जह, बम्तेई-49 में स्थित है) और इसमे उपाबदा पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रजीस्ट्री है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सुल्य से कम के दायमान प्रतिफल के लिये श्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक (कों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए और अंतरिती (यों) तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उममें बचने में संविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिणाने में गविधा की निए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्निलिखन व्यक्तियों अर्थात् —

- 1. श्रीमती, मनजीत कोर ग्रपौल सिंह अयोगा (अन्तरक)
- 2. श्रीमती, रंजनशाला एस. जुन, (बोहरा) (अन्तरिती)
- 3. —

(बहुब्यक्ति जिसके श्रिधिभीग में सम्बक्ति हु)

 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहरताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति से हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पृथोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस मूचना के राजपञ्च गो प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितब ब िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षीहस्ताक्षरी के पास लिलिय मो किए जा सकेगे।

स्पष्टिकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दूकान नं. 2, जो, प्लाट नं. 45 मरीन एण्ड प्रिमायसम कोआतू सोसायटी लिश्व, जहु तारा रोड. जुहु वम्बई-4 में स्थित है।

अनुसूची चैंसा कि ऋमसं. ्अई-2/37ईई/10089/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17/8/1984 को रजिस्टई किया गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उमे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.110087|84-85.--Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43) or 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Shop No. 2, Plot No. 45, Marine Premises Co. Op. Society Juhu I vara Road., Juhu fully described in the Schedule annoxed hereto) has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value property สร aforesaid by more the apparent consideration therefore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) lacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°C of the said Act to the following persons, namely:

1. Mrs. Maujit Kaur Gurpal Singh Arora

(Transferor)

2. Mrs. Ranjaubala S. Jain (Bohra)

(Transferee)

- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

Faplanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Aet_i shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 2, Plot No. 45, Marine End Premises co. op. society Ltd., Juhu Tara Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competen Authority, Bombay under Seria No. AR-II 37LE. 10087 84-85.

Dated . 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable.)

निर्देण म. ग्रर्ड-2√37-ईई 8845/84-85.— **ग्र**न: मझे लक्ष्मण दारा भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961(1961 का 4.5) (जिसे इसमे इसके पश्चात् "उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की धारा 2.69 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिक।री हो। यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति. जिसका अचित बाजार मत्य 10,0000 - स. से ग्राधिक है और र्याधर, कोलीबाडा रोड, जह, बम्बर्ध-49 में स्थित है) से वर्णित ੜੈ) और जिसका करारनामा अधिनियम की धारा 269-कलाके प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्द्री हैं, तारीख ।0-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) **के** बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उददेश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तविक 👟 प मे कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किनी आय की वाबन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/ या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुनिधा के लिए;

तत. अब उक्त अधिनियम की धारा 268ए के अनुसरण मा, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269व की आ धारा (।) के अधि निम्निविच्यित व्यक्तियों अर्थात् ---

1 श्री नपन चंटर्जी। (ग्रन्नरक)

अभिनती सिमा कपूर। (श्रन्तरिती)

3 — (बहु व्यक्ति जिसके अधिमोग मे सम्पत्ति है)

4. — (बह व्यक्ति जिसके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जातता है, की बह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम् करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मं कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कन व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा '
- (ल) इस म्चरा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण . इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ़लैट नं 301, जो, 3रो मजिल, अंब्होरी टॉवर कोलीवाडा रोड, जूह, बम्बर्ट-49 में स्थित है। ग्रनुसूची जैसाकि क स.ग्रई-2/37-ईई/8845/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनाक 3-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

ংগেজ: 11-4-1985

भाहर:

(बा लागू न हो उस काट दीतिये)। 166 GI/85—56 ਜ਼ਾਂ 1 4— ਪਾਲ 4.

Ref. No. AR-II|37EE.|8845|84-85.--Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000-and bearing Flat No. 301, 3rd Floor, Ivory Tower, Koliwada Road, Juhu, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Shri Tappan Chatterji (Transferor) (Transferor)

2. Mrs. Seema Kapur (Transferee) (Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 301, 3rd Floor, Ivory Tower, Koliwada Road, Juhu, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE [8845]84-85, dated 3-8-1984.

Dated 11-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable).

निर्देश मं. ग्रई-2/37-ईई/8873/84-85---ग्रत. मुझे लक्ष्मण दास ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961(1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पश्चात, "उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की बारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000 - रु. में ग्रिधिक है और जिसकी (सं.फर्लैंट नं० 62 जो, 6 वी मजिल, उदाधी तरंग को-ऑप हार्डीसंग सोसाइटी लि. ज्हू, तारा रोड, जुह होटेल के पास. बम्बई-49 में स्थित है) (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिसका करारनामा आयकर ग्रिधिनियम की धारा 269कख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विज्ञ्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रति-फल के पंद्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच गेस अंतरण के तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसे किमी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आगकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

ाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में राविधा क लिए ;

जतः अद उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरणः में, मैं उक्त आधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों अर्थात् :—

- श्रीमती लता ब्रार हंसोटी और डॉ रमेश सी. हंसोटी (ब्रन्तरक)
- 2 श्री तपन चंदर्जी (ग्रन्तरिती)
- (वह व्यक्ति जिपके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. →
 (वह व्यक्ति जिसके बार्रे में अधोहस्पाक्षरी जानता है,

 कि वह सम्पत्ति से हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रम् करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पूर्वों कन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्र) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनम्ची

"फर्लैंट नं 62, जो, 6 बी मंजिल उदाधी तर्ग को-ऑप हार्डीस्ग सोस/इटी लि , जुहू, तारा रोड, जुहू होटेल के पास, बम्बर्ड-49 में स्थित है।

स्रापुत्री जैसाकि क. मं. प्रई- 2/37- ईई/8873/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वस्बई द्वारा दिलांक 3-8-1984 को रजीस्टई किया गया है।

दिनांक : 11-4-1985

मोहर:

(जो लागुन हो उसे काद दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|8873|84-85.--Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act 1961 (43) 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 62, 6th Floor, Udhadi Tharang Co. op. Hsg. Society Juhu Tara Road, Near Juhu Bombay 49. Hotel, (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mrs. Lata R. Hansot & Dr. Ramesh C. Hansoti (Transferor)
- 2. Shri Thappan Chatterji (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 62, 6th Floor, Udhadi Co. op. Society Ltd., Juhu Tara Road, Near Juhu Hotel, Bombay 49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37FE.|8873|84-85.

Dated: 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. श्रई-2 37-ईई 10342 84-85:--- श्रत मझे. लक्ष्मण दास. ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्. "उक्त श्रधिनियम् कहा गया है) की प्रारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 100000 - स. से श्रधिक है और जिसकी सं.फ़लैंट नं.बी-27, 4 थी मंजिल, कृष्णा का-ऑप हाउसिंग सोमाइटी लि., जह रोड(उत्तर), बम्बर्ट-50, में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ट में रजिस्ट्री है, तारीख 24-8-1984 की ।वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विकत सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्य-मान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) एमं किसी अाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर

अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुए प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिविधा की लिए

कत अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्यरण में. मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नानिक्ति व्यक्तियों उर्धात् —

- I श्री श्रानध मगेश सावूर। (श्रन्तरक)
- अो ओमप्रकाण चतुर्वेदी और श्रीमतो. मिना चतुर्वेदी । (ग्रन्तरिनी)
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति, जिसके जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां झुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ल) इ.स. स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितब इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

"फ़लॅट न. बी-27, जो, 4 थी मंजिल कृष्णा की-ऑप, हार्जींग सोसाइटी लि. जह रोड (उत्तर), बम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-2/37-ईई/10342/-84-85 और जो सक्षम प्रासिकारी बम्बई द्वारा दिमांक

तारीख: 12-4-1985

नोहर:

(जो लागू च हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10342|84-85 - Whereas. I, I axman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,0001and hearing Flat No B-27, 4th Floor, Krishna Co. on, Housing Society Ltd. Juhu Road, (North) fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Anand Mangesh Savoor (Transferor)
- 2. Shri Omprakash Chadurvedi & Mrs. Mecna Chadurvedi (Transferec)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) he any other person interested in the said immovable property within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B-27, 4th floor, Krishna Co, op. Hsg Society Ltd., Juhu Road (North), Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II|37EE|10342|84-85 on 25-8-85.

Dated: 11-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 4 अप्रैल 1985

निर्देश स. श्रई-2/37-ईई/9986/84-85'-- श्रन मुझे लक्ष्मण दास ग्रायकर ग्रिशिनियम. 1961(1961 का 43)(जिसे इसमे इसके पश्चान् "उक्त ग्राधिनियम कहा गया है) को धारा 269 घ के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचिन बाजार मृत्या 100000 रू से अधिक है और जिसकी स० () में स्थित है । और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रीर्धानयम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी है। तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दुख्यमान प्रतिफल के लिये प्रन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का के कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न- लिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए, और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा

प्रकट नहीं किया गया था या किया जानी चाहिए भा, छिपाने में सुविधा के लिए !

अतः अब उक्त अधितियम की धारा 269र के अन्मरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थान् :—

- 1 सजय कन्स्ट्रवणन एण्ड फ़ायनास्य प्रायवेट लि.०। (ग्रस्तरक)
- 2 कुमारी मुजाना मनोहर भाटीया (ग्रन्तरिना)
- 3.-- -- (वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पित्त है)

4.---

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां भूच करता हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 4.5 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में में किमी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना क राजण्य में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के पास जिल्ला में किए जा सकेंगे।
- स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

"दुकाम न 6 जो, "ग्रलोक", टी.पी एस 4 प्लांट न 104/105, खोतवाडी, पी एम. रोड, बम्बई- 54में स्थित है।

न्ननुसूची जैसाकि क. स० ई-2/37-ईई 9986/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बस्बई द्वारा दिनाक 13-8-1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 4/4/1985

गोहर् -

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Bombay, the 4th April, 1985

Ret. No. AR-II|37EE|9986|84-85.--Whereas, i, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing Shop No. 6, "Alok". 1'.P.S' IV, Plot No. 104[105, Khotwadi, P. M. Road, Bombay-400054 Bombay (and more fully dessituated at in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the tan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incorre-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M/s. Sanjay Construction & Finance Pvt. Ltd. (Transferor)
- 2. Kum. Sujata Manohar Bhatia (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from

the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 6, "Alok", TPS VI, P. M. Road, Plot No. 104-105, Khothwadi, Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9986|84-85, on 13-8-1984.

Dated 4-4-1985

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. अ ई-2/37-ईई/10084/84-85:→ अन: मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम गृहा गया है) की धारा 269 घ के अधोन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- ह . से अधिक है और जिसकी सं. युनिट न. ।।, जा, 5वी मजिल, पटेल अपार्टमेंट सी. टी एस. नं. एच/305, एच/306, एच/307, प्लाट नं०77 डी. टी.पी.एस. 4, 84, एस वि. रोड, साताश्रूस(प) बम्बई-54 में है (अंग इसमें उपाबड़ अनुमूची में अंर पूर्ण रुप से विणित हे) अर जिपका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधान सक्षम प्राधिशारी के शायांत्रय बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है ि यथापूर्वोक्त सम्बन्ति का बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिणत से श्रिधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के वीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं हिया गया है .--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की बाइत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक **के** दाणित्व में कमी करने या उससे अचने में सिविधा क लिए, और/या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आग्रकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्षिपाने में गिविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उपन अधिनियम की धारा 260ध की उप धारा (1) के प्रधीय, निम्नित्सित व्यक्तियों अर्थान् :—

- 1 मोहम्मद यु. पटेल आर असीना एम पटेल (अन्तर ६)
- 👱 श्याम रुपचंद सुगंध

। अन्तरितो)

3. मिनाक्षर बी० गणावा

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

अन्तरको अंतर अन्तरियो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिनबड़ है)

को यह मूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति कें अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारित्य में 45 दिन की अविध, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर रूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनगची

"युनिट नं० 11 जी, 5 बी मंजिल, पटेल अपार्टकेंट्र 84, एस, वि. रोड, सी. टी. एस. नं. एच/305, एच/306, एच/307, प्लाट नं. 77 टी. सान्तिकृज (प). बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा ि क. सं. अ ई-2/37ईई/10084-84/85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनाक 17/8/1984 को रिक्टर्ट िया गया है।

सारीख: 4-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे क्वाट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10084|84-85:---Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]and bearing Unit No. 11, 5th Floci, l'atel Apts, S. V. Road, Santacruz (W), Bombay 54 (and more been transferred and the agreement is registered under Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly state I in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any meconic or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mohd, U. Patel & Amina M. Patel (Transleror)
- 2. Shyam Roopchand Sugandh (Transferee)
- 3. Minakshi B. Ganatra (Person in occupation of the property)
- 4. Transferor & Transferoe
 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fyplanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Unit No. 11, 5th Floor, Patel Apartments, CTS No. H₁305, H¹306, H|307, Plot No. 77-D, TPS IV, 84, S.V. Road, Santacruz (West), Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Seria! No AR-II|37EE.|10084|84-85. on 17-8-1985.

Dated 4-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अई--2/37~ईई/8872/84~85 → मुझे, लक्ष्मण दास आयज्ज, अधिनियम 1961 (1961 जा 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" इहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास अस्ते ए। सारण है जि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- म से अधिक है और जिसकी सं फलैट नं 401, जो, 4थी मंजिल, ''बी'' विग, शालिमार, टागार रोड. साताऋज (प), वस्वई-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्युची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका उरारनामा ग्रायन्तर ग्रधिनियम करखा के ग्रधीन सक्षम 269 के धार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 3-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पन्ति का बाजार मुल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक (कों) और अंत-रिती (यों) के बीच ऐसे अनरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखिन मे बास्तविक ऋष से एथित नहीं दिया गया है:---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए

बन. अब उबन अधिनियम की धारा 269ग के अनुसर्ण मो, में क्ला प्रिवियम की गरा 260ए की उप धारा (1) के अधीन निमालिखन व्यक्तियों, अथिता .~

- श्रीमती पदमाबाई हेमनदास बुधरानी । (अन्तरक)
- अभित्याक्षी देराज गहा और श्रीम्ती रंजन नवाक्षी णहा । (अस्तरिनो)
- 3. अनरक

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पन्ति है)

4.

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कें अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूच करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णम लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदोँ का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

"फलैंट नं. 401, जो, यथी बंजिल , "बी" विग शालीमार, टागोर रोड, साताऋज (प), बम्बई-54 में स्थित है।

अनुसूची जैंपा कि क सं. अ $\hat{\varepsilon}-2/37\hat{\varepsilon}/8872/81-85$ और को सलम प्राविकारी, बम्बर्ड द्वारा दिनांक 3/8/1984 को रिजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 4-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II 37EL.8872|84-85.--Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and fearing Flat No. 401, 4th Floor, B Wing, Shalimar, Tagore Road, Santaciuz West Bombay, (and more 400054 fully described in the Schedule anneed hereto), has been ferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-fax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Smt. Padmubai Hemandas

Budhrani (Transferor)

- 2. Shri Talakshi Deoraj Shah and Smt. Ranjan Talakshi Shah (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. ----

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 401, 4th Floor, "B" Wing Shalimar, Tagore Road, Santacruz (West), Bombay 400054. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II₁37EE18872[84-85] on 3-8-1984.

Dated: 3-8-1984.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निवेंग स. अई- 2/37-ईई/10225/84-85 .-/ अतः मझे रथमण दास आयदप अधिनियम 1961 (1961 जा 4.3) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है। की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधियारी की यह विषयार, अरने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उनित बाजार मरप 100,000/- रु. से अधिक है और जिसका स. दशान सं 15, जो, ग्राउंड फलोर, "शार्लामार" इमारत, रिटी सर्वे नं जी/ 10 में जी/46 और जी/48 आफ दाडा, सानाक्ष्म (५), दम्बर्ट में स्थित है (अंप इसन उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप 🔆 वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम को धारा 269कुख के अधान सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी भारतेख 21-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मुख्य से वाम के दृष्यभान प्रतिफल के लिये भ्रन्तरित की गई है और मझे यह विख्वास अस्ते का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति भा बाजार सृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दुण्यमान प्रतिफल 🖟 पंद्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अतरक (कों) और अंतरिनी (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखिन उबदेश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप के कथित नहीं किया गया

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-ित्यम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मा कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनिष्टम, 1922 (1922 का 11) या अध्यार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-हर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के लिए।

अतः अबं उन्नतं अधिनियमं की धारा 269मं के जन्मरण में, मैं उन्न अधिनियम की धारा 269मं की उप धारा (1) के बंधीन, निम्मिलिसितं व्यित्तियों अधिता :—

मसर्म विनस डॅक्नपसेट कारपोरेशन । (अन्तरक)

2. श्री अमार्था अपनम गाला और श्री जानजी हंसर फरीया (अन्तरिनी)

3. अत्रकों

(बह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवढ़ है)

को यह सचना जारी करके प्रवेकित रूम्पिन के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी में 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की उविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिख्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकारण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमची

"दुरात नं. 15, जो, ग्राउंड फलोर, "णालीमार" इमारत, विटी वर्षे नं. जी/40 में जी/46 और जी/48 लाफ दांडा, सांताकुज (प), बम्बई में स्थित है। अन्मूती जैपा ि क. मं. अई→2/37ईई/10225/ 84.95 और जो सक्षम प्राधिलारी बम्बई द्वारा दिनांडा 21/8/1924 को रिजिस्टई किया गया है।

नार^{भे}ख 1-4-85

मोहर :

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10225|34-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing Shop No. 15, Ground Floor, Shalimar Bldg., Santacruz (West), Bombay (and more fully decribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act. 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the ollowing persons, namely:—

- 1. M|s. Venus Development Corporation (Transferor)
- Shri Amershi Karsan Gala, and Shri Kanji Desar Faria (Transferee)
- 3. Transferee

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 15, Ground Floor, Shalimar Building, City Survey No. G|40 to G|46 and G|48 off Danda, Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10225|84-85 on 21-8-1984.

Dated: 4th April, 1985

SEAL:

(Strike off where not applicable)

वम्बई 10, अप्रैंन 1985

निर्देग मं ई-2/37 वेई/10176/84-85 — अतः मुझे नक्षण दान आधार अधिनियम, 1961 (1961 प्रा 43) िप इन्में इ के पण्चात "उक्त अधिनियम घटा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधि गरी को यह विश्वाय गरने ता बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसा उचि वाजार मूल्य 100,000/— रु. से अधित है और जिली से फलैंट ने 4, जो, सी 6, सगीता को जाप हाजीन मोताइटी, ग्राउड फलोर, जुहुं रोड, साताकुज, बम्बई 49 में स्थित हैं:——

इससे उपावज अनुसुचां में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिस 71 कारनामा आयकरभ अ 9धनिवम की धारा स! भू उपाबद्ध अनुभूची। मे और पूर्ण रूप से वर्णित है) भभग्रभ ०भलेड अनुसूर्य में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है। और जिस 71 कारनामा आयकर अ 9धनिसूम की धार,ा प्राधिकारी कें कार्यालय 269 क ख के अधीन सक्षम बम्बई में रजिस्ट्री हैं, तारीख 10-8-1984 को पूर्वीका सम्पत्तिक अचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के तिए अन्तरित की गई है और और मुझ यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मन्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से एमे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरियों (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखि,न उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आयं की साबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिन में कमी करने या उसमें बचने में मुनिधा के निए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आग या किसी अन या अन्य आस्तियों वी जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंगा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269थ की उपधारा (1) के अधीन निमालिस्ति क्टिविनयों अथीता .—

- श्री हुःनी अब्दुल भावर भावनगर बाला । (अन्तरः)
- श्री मुग्ता । अहमद और श्रीमती झैतून । (अन्तरिती)
- 3. अंतरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(वह य्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कृष्ट करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्राख सं 45 दिन की अविध, या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वों करा व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्प्टीकरण: —इसमें प्रयुक्त कन्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

"फलैंट नं. 4, जो, मीं-6, संगीता को० आपः हाडिया सोनाइटी, प्राउंड फलोर, जुहू रोड, साताक्रूज, शम्बई-49 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क्ष. सं. अई-2/37हेई/10176/ 84-85 ओर जा सक्षम प्राधिनारी बम्बई द्वारा दिनाक 13/8/1984 की रजीस्टर्ड किया गया है।

नार्खा 10-4-85

माहर :

(जो लागु न हो उसे काट वीकिये)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10176|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing Flat No. 4, C-6, Sangecta Co-op. Housing Society, Ground floor, Juhu Road, Santacruz, Bombay-400049 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 21-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Husseini Abdul Kadar Bhavnagarwalla (Transferor)
- . Shri Mushtaq Ahmed & Smt. Zaitoon
- 3. Transferor

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, C-6, Sangecta Co-op. Housing Society, Ground floor, Juhu Road, Santacruz, Bombay-400049.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10176|84-85, dt. 13-8-1984.

Dated · 10th April, 1985 SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देण मं. अई-2/37-ईई/9016/84-85 :- अतः मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उम्रत अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फर्नेट नं. 3, विजय णूभ निवास. टि पी एस- 2, माल्ताक्रज (प), बम्बई-54 में स्थित हैं और इसे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम को धारा 269क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री हैं, तारीख 4-8-1984 की पूर्वेक्ति संगत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई

- है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (को) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक एप से कथित नहीं किया गया है:—
- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधिक नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित में कमी करने या उसमें देलने में गृतिका के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी अन या बन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में मुक्थिम के लिए।

अतः अब उक्त अभिनियम की धारा 269म को अन्यरण में, मैं उक्त अभिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन निम्तिनियत व्यक्तियों, अर्थात .—

- 1. श्रीमती वीना प्रताप सिंह ।
- (अन्तरक)
- 2. श्रीमती नुरजहान एम. बाझरी।
- (अन्तरिती)

3.

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है।)

4.

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह मुखना जारी करके प्रवेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया इन्ह करना हूं। उवत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख स 45 दिन की अवधि, या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की हारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टीकरण : इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हो, वहा अर्थ हागा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनम्ची

फल्टून 3, विजय णूभ निवास, तलमाला, प्लाट मुर 13, टि शो एस-९ सान्ताक्ष (प), वस्बई 100054 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स अर्ह-2/37-ईई/9016/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई हारा दिनाक 4/8/1984 की रजीस्ट्री किया गया है।

ृतारी**च** 92ु-4-1985

माहर .

(जो लागू न हा उसे काट दीजिय)

Ref. No. AR-II 37EE/9016 84-85. -Whereas, L. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs. 100,000|bearing Flat No. 3, Vijay Ground floor, Plot No. and floor, Niwas, No. TPS II. Santaciuz (W), Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), his been transferred and the agreement is registered under Section 296AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax lunder the said Act, in respect of any meome arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Scetton 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Smt. Bina Pratap Singh (Transferor)
- 2. Smt. Noorjehan M. Nazii (Transferee)
- 3. Funsferor.

(Person in occupation of the property),

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Olicial Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3, Vijay Subh Niwas, Ground floor, Plot No. 13, Fown Planning Scheme No. 2, Santacruz (W), Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-IJ137FE|9016|84-85, on 4-8-1984.

Dated · 10th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म अर्ध-2/37-ईई/8745/84-85 -मझे लंदमण दास आयकर अधिनियम 1961 (190) का এএ) मे जिसे इसी इसके पण्चात "उक्त अधि प्रम उहा गया है) की बारा 269वं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/– र. से अधिक है और जिसकी स फलैंट न 18 3री मजिल, रनुराज को-आपरेटिय हार्जिमग सोमाइटी (प्रणेझक), जह रोष्ट, सान्ताक्र्ज, बम्बई 54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख क्रे मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 24-8-1984 को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का बारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में व स्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है .---

(क) अन्तरण से ह**ई किसी आस** की शब्द, आयकर अधि-किस्म, 1961 (1981 द्वा 43) के भीन कर दन के अन्तर्य के स्थित्व में कमी करने य**े उससे अज़ने में** सविधा के लिए और ⁷म (स) ऐसे किमी जाम या किमी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में राविधा के लिए

अत: अब उक्त अधिभियम की धारा 269र के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्मतिस्थित व्यक्तियों अधीत्: --

1 श्री सतीण कुमार खन्ना।

(अन्तरक)

थी अमित बी. दमानिया और श्रीमती मोना ए. दमानिया ।

(अन्तरिनी)

3.

(बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बहु म्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके प्रवेक्ति स्म्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हा। उक्त स्म्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्मंबधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस मूचरा के राजपत्र मो प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हिनबाई किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्लाक्षरी के प्राम निष्यत मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमे प्रयुक्त शक्यों और पदी का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गरा है।

अनुस्ची

फलैंट नं 18, उरी मजिल, रतूराज की- आपरेरिब हाउसिंग सोमाइटी (प्रभोझड), जृह रोड, सान्ताऋज (प), बम्बई 54 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/8745/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 1/8/1984 को रजीस्ट्री किया गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये।

Ref. No. AR-II|37EE|8745|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) Thereinafter referred to at the Said Act), have reason to believe that the mimovable property,

having a fan market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing Flat No. 18, 3rd floor, RUTURAAJ, Co-operative Housing Society (Proposed), Juhu Road, Santacruz, Bombay-54 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1901, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as atoresaid exceeds the apparent consideration therefore by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269B of the said Act to the following persons, namely:—

- 1. Satish Kumar Khanna (7 ransferor)
- 2. Amit C. Damania & Mrs. Mona A. Damania (Transferce)

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 18, 3rd floor, Ruturaj Co-operative Housing Society, (Proposed), Juhu Road, Santacruz, Bombay-54.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8745|84-85 on 1st August, 1984.

Dated: 10th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/8746/84-85 **-**मझे लक्षमण दास आयकर अधिनियम 1963 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) 61 धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी नो यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 100,000/- म. मे अधिक है ऑर जिसकी स प्लाट न 70/डी/डी/3, जो, 2री मजिल, रामैया कूंज, गोलीवार, सांनात्रज (पूर्व) बम्बई-55 शे स्थित है। मार्ग माहिम, बमवर्ड-400016 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनमूची मे और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करार-नामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन .सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरंक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अन्तरंण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखिन उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की दाबत, आयकर अधि-फिएम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने हा उससे बचने में ग्विधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी अग या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारमीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अर्थ अधिनियम, 1961 का 43) या धन-वर्ष अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना नाहिए था, खिपाने में स्विधा की जिए
- का अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निक्तिक क्षितियों अर्थात् :---
 - 1. एम. बी अन्तर्वणन कंपनी। (अन्तरक)
 - 2. मणिबोन वापूभाई माई। (अन्तरिती)
 - (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पिति है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन की अवधि, या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हो ।
- (क) इस सचरा को राजगत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन को भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णाम लिखित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरण :-इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का जां आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मूची

प्लाट न . 70/ डी/डी/3, जो. 2री मजिल, रामैया कुंज गोबार, मांताकज (पूर्व), बस्बई -55 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. मं. अर्ड-3/37र्ड्ड/8746/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी व बर्ड द्वारा दनाक 1/8/1984 को रजीरटर्ड किया गया है।

नारीख - 12-4-1985

मोहरः :

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8746|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to a₃ the Said Act'), have reason to believe that the imme vable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000and bearing Land bearing Plot No. 701D|D|3, alongwith building at Ramya Kunj, 2nd Road, Golibar, Santacruz (E), Bombay-55 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not ben truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any mecome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following person, namely:

- 1. Maniben Bapubhai Desai (Transferor)
- 2. M. B. Construction Co. (Transferce)
- Trivedi Maniben Dhanwantiai, Dr. Narendra D. Trivedi, Jaganath J. Desai Dhirubhai K. Desai

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person, within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHFDULE

Land bearing Plot No 70¹D₁D₃ alongwith building standing a Ramya Kunj, 2nd Road, Goltbar, Santacruz East, Bombay-55.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 8746 84-85, dt. 1-8-1984

Dated: 12th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण मं अर्ड-2/37—र्हर्ड/9936/83—85:— अन मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पण्चात "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100.000/- म. से अधिक है और जिसकी स फलैंट न. 001, जो, ग्रांटिड फलार, इरोलेट विला, प्लाट न. 976, एस न. 16, एच न. 4, जुहू व्हिलेज फलाइग क्लब के पास, बस्बई-49ीं स्थित है।

(अंधर त्या उपायत अनम्भा म आर पूर्ण रूप में विणित है) और जिसका कारारनामा आयकर अधिनियम की धारा 260का के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, वस्तर्र में रिजिस्ट्री है तारीख 1-8-1984 की पूर्वेक्ति संस्पान के उचित बाजार मूल्य में कम के दूषमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संस्पान का बाजार मूल्य उसके दुष्यमान प्रतिकल में ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पद्रह प्रतिकल में अधिक है और अतरक(को) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया र गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्रेण्य में उक्त अनरण लिखित में वास्तिवक रूप में कथित नहीं विषया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की बाबत, आयकर अधि-निष्म, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सिविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों की फिन्हें भारतीय आयब र अधिपियम, 1922 (1922 का 11) या अस्ति अधिनियम, 1961 का 43) या धन-पर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गनिधा के लिए

अत: अब उका अधिनियम की धारा 200ए के अन्मरण में, में उका अधिनियम की धारा 200म की उद धारा (1) के अधीन, निम्मालिस्ति व्यक्तियों अधीत:

- 1. मैंसमं इरोले इंटरप्राइमेंस । (अन्तरक)
- श्री कार्मो एफः, राडिग्ज और श्रीमती
 मी बी रोड्रिग्ज (अन्तरितः)
 - —— (बह्द्यक्ति जिसके अधिमोग में सम्पन्ति है)

(बह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को गह मूचना जारी करके पर्वोक्ति सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुप टारता हूं। उक्त सम्पत्ति व्ध अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस स्चना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविध या तत्में बंधी व्यक्तियां पर सम्बना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मा समाप्त होंनी हो, के भीतर पर्वाकता व्यक्तियों मो से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस गचना को राजपत्र मो प्रकाणन की शारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के हरम क्रिकित मो किए जो सकेंगे।

स्पन्दीकरण : इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का आतें आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

"फर्लंट न. 001, जो, ग्राउंड फलोर, इरोलेट बिला, प्लाट नं. सी. टी. एस. 976, एस. नं. 16, एच. नं. 4, जुहू व्हिलेज, फ्लाइंग क्लब के पास, बम्बई-49 में स्थित है।

अनुमूची जैसा कि क. म अई-2/37ईई/9936/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 को रजीस्ट्री किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर

(जो लाग न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9936|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'); have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 001 Ground Floor, Irolette Villa, Plot No. 976, S. No. 16, H. No. 4, JUHU Village Near Flying Club, Bombay-49 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stared in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1 Ms. Irolette Enterprises (Transferor)
- 2. Mr. Carmo F. Rodrique, & Mrs. Tessic B. Rodriques (Transferee)
- 3. Transferor (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 001, Ground Floor, Irolette Villa, Plot No. C.T.S. 976, S. No. 16, H. No. 4, Juhu Village, Near Flying Club, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9936|84-85, dt. 10-8-1984,

Dated: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. श्रई-2/ 37-ईई 10092/84/85.--- श्रतः लक्ष्मण दास म्रायकर ऋधिनियम 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात. "उक्त श्रिधिनियम कहा गया है) को धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी वो यह विश्व स करने का कारण है कि स्थावर सुस्पत्ति. जिसका उचित बाजीर मुल्य 100000 - म. मे प्रधिक है और जिस्की सठ. फलॅट नं. 5, जो, 3री मंजिल, पाम ब्रेझे को-ऑप. हा उसिंग सोमाइटी लि. टी. पी. एम 4, बेस्ट ॲब्हॅन्यू रोड, सांताकूज (प), बम्बई - 54. में स्थित है) (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचीमें और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयक अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, नारीख 10/8/1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से वस के दृष्य-मान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पक्षि का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल मे ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों)

अं & रिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफ़ल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयंकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए !

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1. श्री. जुगल किशोर ग्रगरवाल। (श्रन्तरक)
- 2. श्री. शभु दयाल गुप्ता और श्रीमती. चंद्रा लेखा एस. (ग्रन्तिरी)
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
- 4. —
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
 है, की वह सम्परित में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जर के लिए कार्यवाहियां श्रूष्ट करता हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (स) इस स्चता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहम्ताक्षरी के एास लिख्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरण: — इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का जो जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसमी

"फ़लॅट नं. 5, 3री मंजिल, पाम ब्रेझे को-ऑप. हाउ-सिंग सोसाग्रटी लि., टी.पी.. उस. 4, वेस्ट ग्रव न्यू रोड, साताकुझं (प). बस्वई-54 में स्थित है। श्रनुसूची जैसाकी क. सं.शई-2 37-ईई 10092-84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई द्वारा दिनाक 18-8-1984 की रजीस्टड क्विया गया है

तारीख 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10092|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing Flat No. 5, 3rd Floor, Palm Breeze Co-op. Hsg. Soc. Ltd., T.P.S. IV, West Avenue Road, Santacruz (West), Bmbay-400054 (and more been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tag Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideratin which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Jugal Kishore Aggarwal (Transferor)
- 2. Mr. Shambhu Dayal Gupta & Mrs. Chandra Lekha S. Gupta (Transferce)
- 3. Transferor
 (Person in occupation of the property)
- 4. Family Members
 (Person whoc the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 5, 3rd Floor, Palm Breeze Co-op. Housing Society Ltd., T.P.S. IV, West Avenue Road, Santacruz (W), Bombay-400054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10092|84-85 on 18-8-1984.

Dated: 4th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. ग्रई-2/37-ईई/10399/84-85:--ग्रपः मुझे. लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्. "उक्त प्राधिनयम कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजर मूल्य 100000-क. से अधिक है जिसकी सं. फलट नं. 11,1ली मंजिल, सोनल श्रापार्टमेटस, मझदर्भ प्रायबंट स्कित, माताकझट, बम्बई-54. मे स्थित है (और इंससे उपाबद्ध और पूर्ण रूप से म वणित जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 23/8/1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सभ्पत्ति का बाजार मुल्य, उसके दुष्यमान प्रतिफल से ऐसे द्य्यमान प्रतिफल के पंष्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में जास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधिन-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विभा के लिए और/या (स) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनूसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नालिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

ा मेसर्स गुंचा बिल्लस। (श्रन्तरक)

2. श्री: ग्रजीत सिंग ग्रानंद। (ग्रन्तरिती)

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है,)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो क्ति सम्पत्ति की अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तिमयों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्वी कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस मुकरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अनसची

"फ़लॅट नं. 11, जो, 1 ली मंजिल, मोनल प्रपार्टमेंटस, गुझदामं प्रायवेट स्किम, सांताक्झ, बम्बई-54 में स्थित है

श्रनुसूची जैसाकी श्रनू सं. श्र ξ -2/37-ईई 100399/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई ारा दिसांक 28-8-1984 को रेजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट सीजिये)

Ref. No. AR.II|37EE|10399|84-85.--Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 11, 1st Fl., Sonal Santacruz, Guzdar's Pvt. Scheme, Apts, Bombay-400 054 situated at Bombay (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Gundecha Builders (Transferor)
- 2. Mr. Ajit Singh Anand (Tansferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersinged knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 11, First Floor, Sonal Apartments, Guzdar's Private Scheme, Santacruz, Bombay-400 054.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II|37EE| 10399|84-85 on 28-8-1984.

Dated 4-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable).

लक्ष्मण दास. भ्रायकर भ्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त भ्रधिनियम कहा गया) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका जीवत बाजार मूल्य 100000-स. से प्रधिक है और जिसको सं. दुकान नं बी−2, जो, ग्राउंडफलोधर, इमारत "बी", एस. ती.रोड, सांताऋझ(प), बम्बई. में (और इससे अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 3/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार महय से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे द्यामान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिगत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

जन: अब उक्न अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अधित्:—

 मेसर्स विनस डेन्ह्लोपसेंट कापीरेशन (मन्तरक) मैसर्स जयझल इंटरप्रायजेस। (झन्तरिती) ्या (**बह्न** व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता हैं की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (स) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मुकोंगे।

स्पष्टीकरण : इसमे प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस ची

"दुकान नं. बी-2, जो ग्राउंड फ़लोश्चर, इमारत बो, एस. टी. रोड, मांताकूज (प), बम्बई में स्थित है।

ग्रनुपूचो जैसाकी क. सं.श्रई-2/37-ईई/9832 -84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा

तारीख: 4-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8932|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing No. Shop No. B-2, Ground Fl., "B" Bldg., G.T. Road Santacruz (W), Bombay (and more described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent

of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M/s. Venus Development Corporation (Transferor)
- 2. M|s. Jaizal Enterprises (Transferce)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette for a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. B-2, Ground Floor, in Building-B, S.T. Road, Santacruz (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 9832 84-85 on 4-8-1984.

DDated: 4-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. श्रई-2/37-ईई/10243 84-85:--श्रतः मझे लक्ष्मण दास. श्रायकर श्राधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम कहा गया है) का धारा 269 घ के ब्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 - स. मे अधिक है और जिसको मं. फल नं. 506, जो,जमूना महेल, प्रभात कॉलानी, प्लॉट नं ७३ टा.पा.एस., सोताऋसे(पूर्व), में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसकः करारनामा आयकर अधिनियम, 269कला के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रो है तारोख 01/8/1984 को पूर्वीक्त सम्पति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफ़ल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफ़ल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) अंतर अंतरिनी (यों) के बोच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किमी आयं की बाबत, आयंकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अत उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों अर्थात्ः—

1. मेसर्स जमनावास एम. चोकसी ग्रार ग्रासोसिएटम। (श्रन्तरक)

राजकमल गोर्विदलाल ठक्कर। (भ्रन्तरितो)

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता हैं कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्पना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यदाहियां गुरू करता हू । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:—

> (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि. या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी

अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा ।

(स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रास लिखित में किए जा सकोगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

फ ' नं. 506, जो, जमूना महल, प्रभात कॉलनी, ज्लॉट नं. 73 टो.पो.एस., सांतात्रृक्षपूर्व, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूचा जैसाका क. स श्रई -2 37-ईई 10243 -84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्वई द्वारा दिनांक 41-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ना रोख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR.II 37EE 10243 84-85.—Whereas, 1, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000[and bearing No. Flat No. 506, Jamuna Mahal, Prabat Colony, Plot No. 73, T.P.S., Santaacruz (East), Bombay (and more situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trasfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely •—

- 1. M|s. Jamnadas M. Choksi & Associates (Transferor)
- 2. Shri Rajkamal Govindlal Thakkar

(Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 506, Jamuna Mahal, Prabhat Colony, Plot No. 73, T.P.S. Santacruz (East) Bombay,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R.II|37FE|10243 84-85 on 24-8-1984.

Dated: 4-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्वेश सं. ग्रई-2/37-ईई/10029/84-85 ; -- ग्रनः मुझे लक्ष्मण दाम श्रायकर श्रिधिनयम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त ग्रिधिनियम" कहा गया है) की धारा 269त्त के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृय 100000/- स. मे श्रधिक है और जिसकी मं. फलेट नं. 201, जो 2री मंजिल इमारत नं.15 विहलेज ओणिवरा बेहराम वाग केह पीछे, जोगेश्वरी (त), बम्बई, में स्थित है)

(और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण ऋप से बर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क.ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है. तारीख 20/8/1984 की पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल

के लिये अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के दृषीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की शब्त, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में ग्विधा के लिए; और/एः
- (स) ऐथी किसी उाय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय कायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिंबिश के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उग धारा (1) के अधीत, निम्निनिम्न स्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री. भिया उददीन बत्तारी (श्रन्तरक)
- 2. नुझंम काझी (श्रन्तरिती)
- (वह व्यक्ति जिलके अधिभोग में सम्परित है)

(क्ह् व्यक्ति जिसके बारे में अओहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुक करता हूं। उन्नत रम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षरे:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य कावित द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पाम तिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

3.

अनुसूची

"क्लेट नं 201 जो, 2री मंजिल, इमारत, नं. 15, सर्वें 41, व्हिलेज ओणियरा बेहराम बाग के पीछे, जोगेश्वरी (प), बम्बई में स्थित है

श्रनुमूची जैसा की ऋस.श्रई-2/37ईई/10029/84-85 और जो सक्षम प्राधिका,ी बम्बई ढारा दिनाक 16/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है

तारीख 11-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उमे सट दीजिए)

Ref. No. AR-II[37EE]10029[84-85.—Whereas, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing No. Flat No. 201, 2nd Floor of Bldg. No. 15 forming Part of S. No. 41 of village Ochivera, Opp. Behiram Baug, Jogeshwari(W) Bombay and moe more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 20-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Mr. Ziauddin Bukhari (Transeror)

2. Nazim Qazi ('Transferee)

- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor of Building No. 15 forming part of Survey No. 41 of village Ochivera, Opp. Behiram Baug, Jogeshwari (West), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under SerialNo. AR-II|37EE 10029|84-85 dt. 11-9-1984.

Dated: 11-4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ऋई-2/37ईई/10344/84-84 ·-- ऋत; मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त ग्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विज्ञास करने का कारण है कि स्थावर सपत्ति जिसका उचित बाजार म्य 100000/- रू. से श्रधिक है और जिसकी सं. क्लेट नं. 8 जो 2 री मंजिल रामकष्ण इमारत रोड एस.ग्राय.सी. ग्राफिस के पास विलेपार्ले बम्बई-56, में स्थित है (ओर इसने उगवद अनुसूची में में वर्णित है), और जिपा करारनामा आयक्त अधिनियम 1961 की धारा 269 जब के अधीन सक्षम प्राधितारी के कार्यालय, बम्बई मे रिजिस्ट्री है नारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त पमाति के उवित बाजार मूल्य सेक्स केद्रस्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास क्षरने हा बगरण है ि यथापुर्वोक्त सम्पति हा उचित बाजार मरुष, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणा: -: अधि : है और अंतर :/(की) और अंत-रिती/(यों) वे बीच ऐंसे अंतरण के लिए तय पाया

4

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में १थित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की शाबत, आयकर अधि-चियम, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आरकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अहं:, अत्र, उक्त अधिनियम की वारा 269म के अनुसर्ण में में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप भारा (1) के अधीत, निम्नित्वित व्यक्तियों, अभीत् :--

श्री. के.बी.कारिया और (ग्रन्तरक)
 श्रीमति. इला के. कारिया

श्रीमिति गुण्पा छिबलिभाई ठक्कर (श्रन्तरिति)

अन्ति-नी।
 (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रुक करना हां। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि, बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर समात्ति मों हिनबद्ध किया अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधरी के पास व्यक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयंकत बब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्**ची**

"क्नेट नं. ८, जो 2री मंजिल रामकष्ण इमारत. एरा. वि. रोड, एल.श्राई.मी. ग्राफिस के पास, विले पार्ले (प), बम्बई-56 में स्थित है। ग्रनसुची जैंमा की कर्म. 2/37ईई/10344/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजीस्टई किया ग्या है।

तारीख: 12-04-1985

मोहर :

(जो लागून हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 12th April, 1985

Ref. No. AR-II/37EE/10344/84-85.--Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43) of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable proptrty, having a fair market value exceeding Rs. 100,000[and bearing No. Flat No. 8, 2nd Floor, Ram-krishna Building, S. V. Road, near LIC Office, Parle (West) Bombay-400 056 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Incometax Act, 1961, in the Office of the Competent Bombay on 25-8-1984 an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mr. K. B. Karia & Mrs. ILA K. Karia (Transferor)
- 2. Smt. Pushpa C. Thakkar (Transferec)
- 3. Transferee (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

166 GI/85-59

_ = =----

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 8, 2nd Floor, Ramkrishna Building, S.V. Road, near LIC Office, Vile Parle (W) Bombay-56.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 10344 84-85, dt. 25-8-1984.

Dated: 12 4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. ग्रई-2/37-ईई/10226/84-85 :-- ग्रन: म्झे लक्ष्मण दास श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त श्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मल्य 100000/- रू मे ग्रधिक है और और जिसकी मं. फ्लेट नं. 64, जो, इमारत नं. 10, जह रजनी गंधा को-श्राप, हाउसिंग सोसाइटी लि. इमारत, जे.बि.पी. डी एचग्रायजी स्किम, गलमोहर ऋास बम्बर्ड -- 49. जप्त विले-पाल, है (और इससे उपाबद्ध अन्यूची में और पूर्ण रूपसे वर्णित करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिरदी है, तारीख 23-8-1984 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास क्रिने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल ने पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उट्टेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित मही किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाइत, आयकर अधि-निरम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दारियत्व के कमी करने या उससे इचने में समिधा के लिए; और/स्म (ल) ऐसे किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन फर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए।

अत , अत , उक्त अधिनियम की भारा 269ग के अन्मरण में मैं उक्त अधिनियम की भारा 269घ की उप भारा (1) के अधीन , निम्लिक्ति व्यक्तियों, अथित .—

- 1, जयसिंग दौलतिमगं रावल । (श्रन्तरक)
- 2 पटेल विठ्ठलभाई गोकलभाई। (ग्रन्तरिती)

3 ---

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4

(वह व्यक्ति शिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शृष्ट करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर गूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकीगे ।

स्पष्टीकारण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

"फ्लेट नं 64जो, इमारत नं. 10, जुहू रजनीगंधा को – भ्रापः) हार्जीसग सोसाइट लि. निर्मानाधिन इमारत, जे वि प . डी. एच श्राय.जी. स्थिम, गलमोहर कास रोड नं 11. जुह, विले पार्ले, बम्बई–49 में स्थित है।

ग्रनुमूची जैसा क क्रमं. ग्रर्ह-2/37ईई/10226/84-85 और जो सक्षम प्राधिकार बम्बई द्वारा दिनांक 23-8-1984 को रिजम्टई किया गया है।

नारीखा : 12-04-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10226|84-85.—Whereas, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing No. Flat No. 64, Bldg. No. 10, Juhu Kajanigandha Co-op. Reg. Sec. Ltd. JVPD Scheme Gulmo-hur cross Road No. 11. Juhu Vile Pearle, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 23-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the conceaiment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Jaysingh Daulatsingh Rawal (Transferor)
- 2. Patel Vithalbhai Gokalbhai (Transferee)
- 3. Transferec

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 64, Bldg., No. 10, Juhu Rajanigandha Co-op. Reg. Sec. Ltd., J.V.P. HIG Scheme, Gulmour cross Road, No. 11, Juhu-Vile Pearle, Bombay 49.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II] 37EE|10226|84-85, dt. 23-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable)

निर्देश मं. ग्रई-2/37-ईई/10076/84-85 :-- प्रत. मुझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमें इसके पण्चात, "उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजर मुत्य 100,000 / ⊸ रू. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 52 जो, इमारत, 1, गोल्डिमिस्ट को-ग्रापइ सोसाइटी गुतमोहर गड, जे. वि. पी. डी.. स्किम मम्बई-49. में है रिथत (और इसम श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन गक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीम्टी है नारीख 17-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार सृत्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से आधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की दावत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवधा के लिए और/पा
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हुर प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत , अब , उक्त अधिनियम की भारा 269न के अन्मरण में में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उप धारा (1) के अधीन, निम्नानिस्थित व्यक्तियों अर्थात् '—

- श्रीः मुकेण गांतीलाल पटेल । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री राज कुमार शहाबादी । (श्रन्तरिती)

3.

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

 (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है।)

को यह मूचना जारी करके प्रविक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्ब में कोई भी आक्षप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मां समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किशी व्यक्ति हारा।
- (क) इस स्पार के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्तिन द्वारा अभोहस्नाक्षणी के एास लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मुची

"फलेट नं. 52, जो, इमाएत न. 1, गोरडॉमस्ट की-आप. सोसाइटी, गुलमोहर रोड, जे.वि.पी.डी.स्किम, एच आय.जी. अंडव्हान्स कन्स्ट्रीव्यूणन स्किम, बम्बई-49 में स्थित है।

भ्रनुसूची जैसा असं.-2/37ईई/10076/84-95 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 की रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10076|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing No. Flat No. 52, Building No. 1, Gold Mist Co-op. Society, Gulmohar Road, JVPD Scheme HIG Advance Contribution Scheme, Bombay-49 (and more fully described in the Sche-(and more fully described in the dule annexed hereto), has been transferred the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mr. Mukesh Shantilal Patel (Transferor)
- 2. Mr. Rajkumar Shanabadi (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 52, Bldg., No. 1, Gold Mist, Co-op. Society, Gulmohar Road, J.V.P.D. Scheme HIG Advance Contribution Scheme, Bombay-49.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|10076|84-85, dt. 17-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable).

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/9084/84-85:—-श्रत: मुझे लक्ष्मण दास आवधर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात. "उक्त ऋधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण हे कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मूल्य 100000/-म्ब. से ऋधिक और जिसकी स. फर्लंट न 3-सी, जो, मध्गंधा को-ऑप. हार्जसग सोमाइटी लि. वामणवादा, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई-99. में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारतामा ऋधिकर ऋधिनियम की धारा 269-क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, नारीख़ 4-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के 'इचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई हु और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके प्रतिक्रम स ऐस दृष्यम्।न के पंद्रह प्रतिशत में प्रधिक है और अंतरक (कों) और अत-रिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उस्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की याबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक कं दायित्व म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां स्ती जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् '---

- া. श्री. गेरालर्ड अन्थोनी फर्नान्डीस। (ग्रन्तरक)
- श्रीमतीः अंजली ग्रामोक दिवेकर। (ग्रन्तिरिती)

3.

(बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूष करता हूं। उकत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ---

> (क) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर

यूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति हारा।

(श्वा) इस मूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी सामें 45 दिन को भीतर उकत स्थादर सम्पत्ति में हितज्ञ अ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिएन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण .— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यूची

''फलैंट नं. 3–सी. जो, मधुगंधा को–आप. हाउसिंग सोसा-इटी लि., बामणवाडा, विले पार्ले (पूर्व), बम्बई–99 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की का. सं. ग्राई-2/37–ईई/9084/84–85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्बई द्वारा दिनांक -3–8–1984 को रजीस्टर्ट किया गया है।

नारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|9084|84-85.—Whereas, J, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000and bearing Flat No. 3-C, Madhugandha Co-op. Soc. Ltd., Bamanwada, Vile Parle (E), Bombay-99 (and more fully described in the Schehereto), ferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the annexed has been Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the

transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mr. Gerard Anthony Fernandes (Transferor)
- 2. Mrs. Anjali A. Divekar (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 3-C, Madhugandha Co-op, Hsg. Soc. Ltd. Bamanwada, Vile Parle (E), Bombay-99.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II] 37EE|9084|84-85, dt. 4-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

बम्बई, 8 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. ग्रई-2/37-ईई/9982/84-85.—ग्रत: मुझे, लक्ष्मण दास. ग्रायकर श्रिधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्. "उक्त ग्रिधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजर मूल्य $100000/-\pi$ मे ग्रिधिक है और जिसकी सं. इनॉक नं. 20, जो, श्री ग्रादुंबर निवास को—ऑप. हाउमिंग मोसाइटी, पी.एम. रोड, विले पार्ने (पूर्व), वम्बई-57. में स्थित है (और इससे उपाबड ग्रनुसूची में और पूर्ण

स्प से विणित है। और जिसका करारनामा आयकर प्रिधिनियम की धारा 269कल के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है, नारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विग्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में गविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1861 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की भारा 269ग के अनुसरण मैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीत, निम्नित्सिखत व्यक्तियों, अधएत्:—

- 1. श्री भरत लक्ष्मण चव्हाण। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री पदमाकर यादवराव जानवे और श्रीमती मोहिनी पदमाकर जानवे। (श्रन्तरिती)
 - (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके प्वोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मृत्यों की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वांक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा ।
- (ल) इस मुखना के राजपत्र मों प्रकाशन की तानील से 45 दिस के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति मो भीतर हिंग-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति हान अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक न. 2ए, जो श्री औदुबर निवास को-औप हाउ-सिंग सोसाइटी, पो.एम.रोड, विले पार्ने (पूर्व),बम्बई-57 में स्थिन हैं।

श्रनुसूची में जैसाकी क. सं. श्रई-2/37-ईई/9982/84-85 ओर जो सक्षण प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनाक 13-8-1981 को गजीस्टई किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे बाट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9982|84-85.--Whereas, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing No. Block No. 2A, Shri Audumbar Niwas Co-op. Hsg. Soc., P.M. Road, Vile Parle (E), Bombay-57 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not, been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

- J. Mr. Bharat Laxman Chavan (Transferor)
- 2. Shri Padmakar Yadavrao Janve

& Smt Mohini P Janve (Transferce)

3 ---

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Block No. 2A, Shri Audumbai Niwas Co-op. Hsg. Society, P.M. Road, Vile Parle (E). Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 9982 84-85, dt. 13-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं ग्रई-2/37-ईई/9054/84-85--- ग्रन मुझे लक्ष्मण दास श्रायकर श्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात "उक्त ग्रधिनियम" कहा गया है) की घारा 269 घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- ह. से श्रधिक और जिसकी सं. फर्लैट नं. 2, जो, ग्रांउड फलोग्रर, दि विरेश्वर विहार को--ऑप हाउसिंग सोसाइटी लि. ग्लॉट न. 6, तेजपाल रोड, विलेपालों (पूर्व), बम्बई-57 म स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दी है, तारीख 9-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पन्ति का बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफ़ल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (को) ऑप अतरिती (यो) के ऐसे अंतरण के लिए तथ पःया गया प्रतिफ़ल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण में लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-विष्या, 1961 (1961 का 43) के अभीन कर देने के अन्तरक के दा⁹यान्य सा कभी करने ए। उससे बचने मो गविधा के निए; और/का
- (ल) ऐसे किसी अग या किगी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-का अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरणः में, में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपधारा (4) के अधीय, निम्नानिस्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

- प्रविण केणवलाल मेहता और कुय्म प्रविण मेहता (प्रन्तरक)
- 2. महेंद्र कूमार पुखराज जैन। (भ्रन्तिरिनी)
 - (बहुव्यक्तिजिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

् (वह ब्यक्ति जिसके बारे में अधाहस्ताक्षरी जानता है िवह सम्पत्ति में हितबढ़ हैं ।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त रम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप '—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (क) इस मुक्ता के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्नाक्षरी के एम निस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यची

"फलैंट नं. 2, जो, ग्रांउड फलोश्चर दि विरेश्वर विहार को-श्राप हाउसिंग सोसाइटी लि., प्लॉट नं. 6 तेजपाल रोड, विलेपार्ले (पूर्व), बस्बई-57 में स्थित है।

न्ननुसूची जैसाकी क. सं ग्राई-2/37-ईई/9054/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12: /4/1985 मोहर

(जो लाग न हो उसे बाट दीजिये।)

Ref. No. AR-II|37EE|9054|84-85.—Whereas, I. Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43) of 1961) (heremafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000|and bearing No. Flat No. 2, Gr. Floor, The Vireshwar Vihar CHSL, Plot No. 6, Tejpal Road, Vile Parle (E), Bombay-57 (and mor fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferec for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid preperty by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Pravin Keshavlal Mehta & Kusum Pravin Mehta (Transferor)
- 2. Mahendrakumar Pukhraj Jain (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 2, Gr. Floor, Vireshwar Vihar Co-op, Housing Soc, Ltd., Plot No 6, Tejpal Road, Vile Parle (E) Bombay-57.

The agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-III 37FE|9054|84-85, dt. 9-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

SFAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. मुझे, लक्ष्मण दास, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात, "उक्त ग्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजर मृत्य 100000/- म. से प्रधिक है और जिसकी स. फ्लंट नं. बी-53-573, जो, ग्रांउड फलोर, वाद्रा(पूर्व), बम्बई-51. में स्थित है (और उससे जपाबद्ध श्रनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजी-स्ट्री है, तारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दण्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की राबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिका के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी अय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्रिधा के लिए।

अत: अद उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अन्मरण में, रैं उक्त अधिनयम की धारा 269ए की उल धारा (1) के अधीन, नम्निक्ति व्यक्तियों अर्थात्:—

श्री. नगदीप सिंग चोपड़ा। (ग्रन्तरक)
 श्री. लेखा राज टंडन। (ग्रन्तरिती)

3. अन्तरितो (बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

4. — (वह व्यक्ति, जियके बारे में अद्यो-हस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

ते यह मुखना जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए तर्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध ैं कोई भी आक्षेप:--

(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

"पलैंट नं. बी-53-573, जो, ग्रांउड फलोर, एम श्राय. जी. कॉलोनी, बांद्रा (पूर्व), वस्बई-51 में स्थित है। श्रनुमूची जैसाकी क.सं. श्रई-2/37-ईई/8441/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 10-8-1984 को रजिस्टई किया गया है।

तारीख: 12/4/1985

मोहर: "

(जो लागून हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8441|84-85.---Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]and bearing No. Flat No. B|53|573, Gr. Floor, MIG Colony, Bandra (E), Bombay-51 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the assue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mr. Jagdeep Singh Chopra (Transferor)
- 2. Mr. Lekh Raj Tandon

(Transferee)

3. Transferee

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. B|53|573, Gr. Floor, M.I.G. Colony, Bandra (E) Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE 8441 84-85, dt, 10-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 10 अप्रैल, 1985

निवेश सं. अई-2/37 ईई/10247/84-85.--अत: मुझे लक्ष्मण दास, आयक्र अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 100000 - र. से अधिक है और जिसकी सं फ़लैट नं. ए-4 जो, ग्राउंड फ़लोर, ए-विंग हैपी हा उस. प्लाट नं. 1282 टी. पी. एस. 4, ओल्ड प्रभादेवी रोड़, माहीम बम्बई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृल्य से-कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्प-त्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के मंद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया

गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तविक रूप से कृथित नहीं िज्या गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 12) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधिन, निम्नलिख्ति व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. बसंत धुंडीराज पाटणकर दत्ता धुंडीराज पाटणकर (अन्तरक)
- 2. श्रीमती विना शंकरलाल वर्मा वी (अन्तरिती)
- 3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. -- (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (छ) इस स्चरा के राजण्त्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमे प्रयक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

"फ्नैंट नं. ए-4, जो, ग्राउंड फ़लोर, ए-विंग हैपी हाउस प्लाट नं. 1282, टी. पी. एस. 4, ओल्ड माहीम बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसाकी क. सं. अई-2/37-ईई/10247 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 10th April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE|10247|84-85.—Whereas, I, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing No. Flat No. A-4, Gr. Floor, A Wing, Happy House, Plot No. 1282, TPS IV, Old Prabhadevi Road, Mahim, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transthe agreement is registered under ferred and section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have leason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Vasant Dhundiraj Patankar and Datta Dhundiraj Patankar (Transferor)
- 2. Mrs. Veena Shankarlal Varma (Transferee)
- 3. Transferee

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4-A, Gr. Floor, A Wing, Happy House, Plot No. 1282, TPS IV, Old Prabhadevi Road, Mahim, Bombay.

The Authority has been registered by the Competent Authority Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|10247|84-85, dt. 13-8-1984.

Dated: 10-4-1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 12 अर्रेल, 1985

निदंश सं. अई-2/37-ईई/9083/84-85.- अतः मझे, लक्ष्मण दत्स अत्य कर अधिनियम, 1961 (1961 का का 43) जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 100000 ह. से अधिक है और जिसकी सं. 25 प्रतिशत प्रापर्टी में "हरी निव स" एल जे रोड. शिवाजी पार्क बम्बई-25 में स्थित है उपाबद अनस्वी में और पूर्ण रूप से बर्णित है), और जिलका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पर्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है तारीख 9-8-1984 को प्रवीक्त रम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से ःम के दुश्यमान प्रक्षिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वाप परने का कारण है : यथापूर्वीक्त सम्पत्ति अ उचित वा तर मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐंगे दृश्यमान प्रतिफल के प्रतिशत से अधि है और अंतरक/अंतरंकों और अंतरिती/अंतरितियों के वोच ऐने अंतरण क तिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तवि इस्त्र से .थित नही िया गया है: --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की राबत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा की लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीर, निम्मालिक्ति व्यक्तियों अर्थातः :—

- 1. श्रीमती मणिबेन एम. चौहान (अन्तरक)
- केशव जी कानजी चौहान एच. यू. एफ. श्री दामीदर कानजी चौहान और श्री जेंटालाल कानजी चौहान (अन्तरिती)

3. 151 माडून (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

। — (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया श्रुह करता हूं], उन्नत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मं कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पष्टिकरण : इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) वं अध्याय 20क मंपरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मंदिया गया है।

अनुभूची

25 प्रतिशत प्रापर्टी में, "हरी निवास", एल. जे. रोड, शिवाजा पार्क, बम्बई-25 में स्थिति है।

अनुभूचो जैसाको फ. सं. अई-2/37ईई/9086/84-85 और सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनाक 9-8-1984को रिजस्टर्ड किया गया है।

तारोख 12/4/1985 मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 12th April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE|9086|84-85.--Whereas, Laxman Das, being the Competent Authority under Section 209B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000]and bearing No. 25 per cent Share in Property known Niwas" ''Hari as L. J. Road, Park, Bombay-25 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the libility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the usual of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Smt. Maniben M. Chuvan (Transferor)
- 2. Huf of Keshavji Kanji Chuhan, Shri Damodar Kanji Chauhan and Shri Jethalal Kanji Chauhan (Transferee)
- 3. 151 tenants

(Person in occupation of the property)

4. None

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

25 per cent Share in Property known as "Hari Niwas" at L.J. Road, Shivaji Park, Bombay-25.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II| 37EE|9086|84-85, dated 9-8-1984.

Dated: 12-4-1985.

SEAL :

(Strike off where not applicable)

निर्देण स. अई-2/37-देई/887C/84-85.-- अतः मब्बे राइमण दास आध्वार आंधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे छपने इसके परतात् "उनत अधितियम" कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति , जिसका अधिन बाजार मन्य 1,00,000/- र. से अधिक है और दकान नं. 5, जो बा-इमारन, भावेष्यन मेरणन को आंप. हा उसिंग सोसाइटो लि., दिलोप गुप्ते मार्ग, माहाँम, वम्बई-- 16 में स्थित है (ओर दर्मन उपाबद्ध प्रतुसुचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धार 269 के ख के प्रजीन सक्ष्म प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रिजिस्ट्री है, तारीफ 3-8-1984 की पूर्विस्त सम्पत्ति के अचित बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये ब्रन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने के। कारण है कि यथा पूर्ववित सम्पन्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान अनिकल ने ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रति-सत में प्राधिक है और आपक (कों) और अंतरिती (गो) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है.---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धर-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुदिधा की लिए

अह. अब उक्त र्राधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उन धारा (1) के अधीर. निम्नजिस्ति व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमतीः पी.मुलीचद। (भ्रन्तरक)

 मैसर्थ वासवंत्रे आहं प्रिटिंग। (अन्तरिती)

3. (अह व्यक्ति जिसके श्रीधभीग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति जिसको वारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है, को वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्चना जारी करके प्रोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हो। उक्त मम्पत्ति के अर्जन के संबंध मं कोई भी आक्षेप :--

> (क) इस स्वना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अप्रिया स्तरसंबंधी अयिकतयों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समान हांती हो, के भीतर पूर्वोंकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा।

(छ) इस सच्चा के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 कि के भीतर उदत रशावर सर्वात्त में हितबद्ध किमी अन्य प्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास तिस्ति मी किए जा सके गे।

स्पष्टीकरण: -इसमं प्रयुक्त कव्यो और पदो का जो 1961 (1961 का 43) के आयकर अधिनियम, अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

अन्य ची

"दुकान नं. 5, जाः वो—इमारत, जावेण्यस मेणन कां— व्याप हा जीवन संभाद्धा ।व. माहाम गप्ते गाम, पाईाम, बम्बई-16 में स्थित है।

श्रमस्चा जैसाका क. मं. पर्र-2/37-ईई/8876/--84-85 और भी सक्षम अधिकारा बम्बई द्वारा दिनाक 3-8-1984 का राजिस्टडे किया नया है।

तारीय 12-4-1955

(जो लागून हा उसे काट दानिए)

मीहर :

Ref. No. AR-II/37EE/8876/84-35.—Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1901 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1.00,0001and bearing Shop No. 5 in B Bldg., Bhaveshwar CHSL, Gupte Lt. D_{i} lip Mansion, Bombay-400016 (and Maliim. described in the Schedule analyted hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tar Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 3-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partie; has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have to t been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this

notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mrs. Parvatiben Moolchand (Transferor)
- 2. Basavray Art Printing (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mamovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No 5 in B Building, Bhaveshwar Mansion Co-op. Housing Society Ltd., Lt. Dilip Gupte Path, Mahim, Bombay-16.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE[8876]84-85 dated 3-8-1984.

Date: 12-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

बम्पई, 10 अप्रैल, 1985

निर्षेण सं. पर्ट-2/37-ईई/10137 84-85:— प्रतः मुसे लक्ष्मण दास शायकर प्रशिनियम 1961 (1961 का 43) (जिंगे इसमें इसके पश्चान्. "उक्त शिधिनियम" कहा गया है) को धारा 269 म के प्रधीन सक्षमप्राधिकारी को यह विश्वास-करने का करण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 100000/-म. में प्रधिक है और जिसकी फ्वैंट न. 8. जो, दूसरी मंजिल, समद प्रपार्टमेंट, बलिमया रोड, माहीम जम्बी-16में स्थित है (और इसमें उपावड प्रमुस्वी में और पूर्ण क्ष्म में बिणत है) और जिसका करार-नाम यायकर प्रधिनियम की धारा 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय वस्वई में रिजस्ट्री है, तारीख 13/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कप्त के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त

- सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिकल स ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है —
- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरफ के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निए और/यर
- (स) ऐसे किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) य धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में सुविधा की निए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269य के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ध की उप धारा (1) के प्रधान, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

- 1. श्री अब्दुल रझाक हाजी जुसब (ग्रन्तरक)
- 2. श्री पुराकन अलिम कुरेणी (श्रन्तिरती)
- 3. अन्तरका

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पन्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रघोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के शंबध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस मुचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिणबद्ध किमी जन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताकरी के पाम लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

"फ्लेट नं. 8, जो 2री मंजिल, "समद अपार्टमेंट", बामिमिया लेन, माहीम, अम्बई-16 में स्थित हैं।

जनमनी जैसा कि कं.स. अ**ई-2/37ईई/10137/84-85** और जो सतम प्राधिकारो बम्बई द्वारा दिनांक 13-8-1984 को रजिल्डाई किया गया है।

ताराख: 10-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 10th April, 1985

No. AR-II|37EE|10137|84-85.--Whereas, I, LANMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and hearing Flat No. 8, 2nd floor, Samad Apartment, Bahmya Road, Mahim, Bombay-16 (and more fully described in the Schedule transferred and the agreehereto), has be≥n section 269AB of under ment registered 38 the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

- 1. Shri Abdul Razak Haji Joosab (Transferor)
- 2. Shri Purqan Alam Qureshi (Transferce)
- 3 Transferor

1

(Person in occupation of the property)

4 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Chiections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publi-

- cation of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Hlat No. 8, 2nd floor, 'Samad Apartment' Balmiya Rane, Mahim, Bombay-400016.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE 10137 84-85, dated 13-8-1984.

Date: 10-4-1985.

(Strike off where not applicable.) बम्बई, 11 अप्रैल, 1985

निर्देश मं, ग्रई-2/37-ईई/10003/84-85 :-- ग्रतः मझे लक्ष्मण दास भ्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त श्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजर मस्य 100000 - रू. से श्रधिक है और जिसकी नं 4, जो, ग्राउंड फलोग्रर, बी-इमारत, "मंज महल" 35, पाली हिल रोड, बम्बई-50. में स्थित है) (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पर्णन्य में वर्णित हैं) और जिसका करारनामा श्रायकर अधिनियम 269 क ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के काप्रलिय, बम्बई में रजिस्टी है, तारीख 14/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिगे अन्तरित की गई है और मझे यह विश्नास भरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशान से अधिक है और अन्तरक (कों) और अंतरिती (प्रों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अंतरण लिखित में वास्वविक रूप में कथित महीं किया किया गया है :-

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की चाबत, आयकर अधि-निया, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायि में कमी करने या उससे दरने में सदिधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी डाय या किसी धर या अन्ये आस्थियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-वर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा

SEAL.

प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- 1. श्री. हितेन चौधरी । (ग्रन्तरक)
- 2. श्री. वाय. एन. नगरवाला और (म्रन्तरिती) एस. एन. मर्चन्ट !
- 3. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. अन्तरितियों

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूक करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस स्चरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

"फलेट नं. 4, जो, ग्राउंड फलोग्रर, बी-इमारत, "मंजू महल", 35, पाली हिल रोड, बम्बई-50 में स्थित है।" ग्रानुसूची जैसा की क्र.सं.ग्रई-2/37ईई/10003/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 11-4-1985

भोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Bombay, the 11th April, 1985
Ref. No. AR-II|37EE|10003|84-85.—Whereas, I,
LAXMAN DAS, being the Competent Authority under
Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of
1961) (hereinafter referred to as the "Said Act"),
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|and bearing Flat No. 4, Ground Floor, Bldg B "Manju
Mahal", 35, Palli Hill Road, Bombay-50 (and more

fully described the Schedule annexed in hereto), has been transferred the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perons, namely:

- 1. Shri Hiten Choudary (Transferor)
- 2. Mr. Y. N. Nagarwala & S. N. Mecrhant (Transferee)
- 3. Transferee

(Person in occupation of the property)

4. Transferee

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 4, Ground Floor, Bldg. B, Manju Mahal, 35, Palli Hill Road, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authoray, Bombay under Serial No. AR-II| 37EE|10003|84-85, dated 14-8-1984.

Date: 11-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म ग्रई-2/37-ईई/8967/84-85:-- म्रत, मुझे, लक्ष्मण दाय, आयकर ग्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके प्रज्वान, "उन्न यधिनियम" कहा गया है) िं धारा 239 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वान करने का कप्रण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रू. से अधिक है और जिसकी स. फ्लेट न. 1, जो, ग्राउड फलोग्रर, प्नाट 383, ब्लू रोत्र सोसाइटी, 15वा रास्ता (30 वा रोड के पास), बांद्रा, बम्बई मे स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णिन है), और जिसका करारनामा स्रायकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्रें है तारीख़ 4/8/1984 को पूर्वीक्त सम्बत्ति के उचित बाजार मुल्य मे कम के दश्यमान प्रतिफत्र के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का हारण है कि यथापर्वीका सम्बाधिक बाजार मृत्य. उसके दरयमान प्रतिफल मे ऐसे दश्यमान प्रतिफन के 15 प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (बों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्र पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखिन में वास्तविक रूप मे कथित नही किया गया है '--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सविधा के िए और/या
- (ख) ऐसे किसी आप या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अप्यक्तर अभिनियम, 1961 (1961 ता 43) या अ--कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगार्थ अन्तरिती द्वरा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब उका अधिनियम की धारा 269ग के अन्मरण मो, मौ उका अधिनियम की धारा 269घ की उर धारा (1) के अधीन, निम्नाविक्ति व्यक्तियों अर्थन् --

- 1. श्री ग्राई वी. मनसुखानी। (ग्रन्तरक)

2 श्री किणन एच रोहरा । (अन्तरिती)

 अनारक ऑस्ट उन १ परिदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

> (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पन्ति में हितबद्ध है)

को यह सचना जारी करके प्रविक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्ण्यकाहिया करू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियां पर म्चना की लामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि दाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (र.) इस स्वरा के राजपत्र में प्रकारन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविक्त में किए जा सकी ।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनस्ची

फ्लैंट नं. 1, जो, ग्राउंड फलोग्रर, प्लाट नं. 383 ब्लू रोझं सोसाइटी, 15 वां रास्ता, (30 वां रास्ता के पास), बाद्रा, बम्बई में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की क.सं.ग्रई-2/37ईई/8967/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 11-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उमे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8967|84-85 —Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,500 and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Plot 383, Blue Rose Society, 15th Road, Near 30th Road, Bandra, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeshid exceeds the apparent consideration therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

4.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:---

- I. Shri I. B. Mansukhani
- (Transferor)
- 2. Shri Kishan H. Rohra
- (Transferee)
- 3. Transferor & His Family

(Person in occupation of the property)

4.

(Per on whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Hat No. 1, Ground Floor, Plot No. 383, Blue Rose Society 15th Road, Near 30th Road, Bandra, Bembay.

The agreement has been registered by the Competent Authority. Bombay under Scrial No. AR-III 37EE'8967|84-85 dated 4-8-1984.

Det · · 11-4-1985.

SEAL .

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. ग्रई-2/37ईई/8838/81-85 ·-- ग्रन मुझे, लक्ष्मण दास, ग्रायकर श्रिधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त ग्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचिन बाजार मुल्य 10,00,00 – रुसे ऋधिक है और जिसकी सं मी, टी, एया मं-बी-686, जो प्लाट नं, 100ए, सेंट मॅंबॅस्टिन को–ग्राप हाउमिंग सोसा**इटी लि.₊** रिवेल्लो रोष्ठ, बांद्रा बम्बई में स्थित है और (इससे उपाबद्ध प्रनृमुची म्प से विणित है) और जिसका पुण **ग्र**धिनियम 2 6 9क ब करारनामा भायकर की धारा के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीरदी है, तारीख 2/8/1984 को पूर्वक्ति सम्पति के बाजार मृत्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यनापर्विति सम्पत्ति का बानार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यां) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित से बाम्तिबक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की राष्ट्र, आयकर अधि-चिएम, 1981 (1981 का 4%) की अधीर कर देने के अन्तरक के दिधिन में किसी करने रा उससे डिटने में स्विभा के निए और/ग
- (ह) ऐसे किसी अब या किसी अन या उन्यं आस्त्रियों ही जिन्हें भारतीय आरकर किशिनयम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) या अन-कि उधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ जन्मरिती हारा प्रकट गृही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिया के निए ।

भतः अक उक्त अधिनियम की भारा 289ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्मतिकित स्पवित्यों अधीन: —

- া. श्रीमति. एम. अल्मेडा और ग्रन्य । (ग्रन्तर्क)
- 2. श्री.ज्युड लोबो । (श्रन्तरिनी)
- श्री डी॰ जो॰ डिमोझा और अन्य (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पिल्त है)
- 4. श्रीमती और कन्धा

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पन्ति में हितबद्ध है)

का यह सब्बा जारी करके पृथीिकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाहिया शरू करता हा । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी शक्षि :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की लारीक्ष से 45 दिन की अविधि, सा तत्संबंधी व्यक्तियों पर गृचना की लामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी ल्यक्ति द्वारा।
- (०) इस सकरा को राजपद यो प्रकाशन की जारीख ये 45 दिन को भीतर अक्षर स्थादर सम्पन्ति मो हित्तबद्ध किपी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित मो किए जा सकीयों।

स्यष्टिकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मी.टी.एस.ची-686, जो, ग्लाट न. 100ए, मेंट मॅब्स्टिन को-धाप. हाउमिंग सोसाइटी लि , रीबेल्ला रोड, बांडा बम्बर्ट में स्थित हैं।

श्रनुसूची जैसा की क.सं.श्रई-2/37ईई/8838/84-85 आर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 2/8/1984 को रजीस्टडं किया गया है।

तारीख: 11/4/1985

मोहर:

(जा लागून हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II/37EE/8838/81-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing C.T.S. B-686, Plot No. 100-A, St. Schastian Co-op. Housing Society Ltd., Rebello Bombay-50 Road, Bandra, (and annexed fully described in the Schedule hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 2-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefore, by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Mrs M. Almeida & others

(Transferor)

2. Mr. Jude Lobo

(Transferee)

3. Shri D. J. D'souza & Others
(Person in occupation of the property)

4. Mis. & Daughter

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

C.1.S. B-686, Plot No. 100-A, St. Sebastian Co-op. Housing Society Ltd., Rebellow Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II' 37EE₁8838|84-85 dated 2-8-1984.

Date: 11-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं पर्द-2/37/ईई 10123/84-85 --- ग्रन: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त प्रधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका र्जाचत बाजार मूल्य 1,00,000/- ह . से प्रधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 9, जो, इलेजन्ट शापिगं सेंटर, 26-38, हिल रोड, बाद्रा बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टी है. तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल मे, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक **है और अंतर**क (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:----

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की ब्राह्म, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के बधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए कोर/या 4.

(स) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय कायकर उधिनियम, 1922 (1922 का 55) या अवस्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधि यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अनः अब उका अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नविक्ति व्यक्तियों अर्थात् :—

- 1. श्री सुलतानग्रली रेहमतुन्लाह और श्री ताजदीन रेहमतुन्लाह । (ग्रन्तरक)
- 2. 1. श्री मोहमद कासम हाजी फक्रूदीन, (ग्रन्तरिती)
 - 2. मोहमद फारूख हाजी फऋदीन और
 - 3. मोहमद इस्माईल हाजी फऋदीन ।

उ. -- (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है।)

→ (वह व्यक्ति,
जिसके बारे
में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है, कि
सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रूष्ट करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध कों कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (सं) इस सूच्यन के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के णस लिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं. 9, जो, इलेजन्ट शापिंग सेंटर, 26-38 हिल रोड, बांद्रा. बम्बई-50 में स्थित है। अनुसूची जैसाकी किंग्सं अई-2/37ईई/10123/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 18/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है

तार व : 11-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10123|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing Shop No. 9, Elegant Shopping Centre, 26-38, Hill Road, Bandras homea. fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is lees than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Shri Sultanally Rehmatulla & Mr. Tajdin Rehamatullan (Transferor)
- 2. (1) Mohamed Kasam Haji Fakrudin
 - (2) Mohamed Farooq Haji Fakrudin &
 - (3) Mohammed Ismile Haji Fakrudin (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Shop No. 9, Elegant Shopping Centre 26-38, Hill Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EE 10123 84-85 on 18-8-1984.

Dated: 11-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable)

निर्देश स. अर्ड-2/37-६६/8961/84-85----अत: मझ लक्ष्मण दास, आयार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् "जुक्त अधिनियम" बहा गरा है। की धारा 269 घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विज्वास रापने का बारण है 🕣 स्थावर सम्पत्ति, जियक्ष उचित्र बाजार मुल्य 100000/- र से अधिष्ठ है और जिएकी सं. फ्लैट न . ३।।, जो, माउंट मेरी अपार्टमेंट, पिटर डायग अभ्बई-50 में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्टी है, तारीख 4/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के कायिक में कमी करने या उससे कचने में स्विधा के लिए और/या 160 GI/85--44 (स) ऐसे किसी आय या किसी अन या उत्य आरिएयों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अप्यकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43) या यन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था विकास जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 200ग के अन्मरण भी, मी उक्त अभिनियम की धारा 260ग की उर धारा (1) के अधीन, निम्निचित्त क्यक्तियों अर्थात् :—

- ा. मा प्र एस. पिरानी ऑप अमीन एस. पिरानी (अन्तरक)
- ताज्यीत गृहा यहाजा और श्रीमती, मेहर निरुषा हाज्यीत मुना । (अन्यतिको)
- 3. अन्तरका

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है. की वह सम्पत्ति में हिनवद्ध है)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां श्रृष्ट करता हो। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध मो कोई भी आक्षप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि, या तस्मबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (स.) इ.ग. स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रमातिस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : - इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्युची

पत्रैटः नं. ३११, जो, माउंट मेरी अपार्टमेंट, पिटर डायपरोट, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

जनुसूची जैला ि क. सं. अई-2/37ईई/8961/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी जम्बई द्वारा दिनां द 4/8/1984 को रिसटर्ड जिया गया है।

तारीख: 11/4/1985

मोहर:

(जो लागू नहीं उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II/37EE₁8961₁34-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001and bearing Flot No. 311, Mount Merry, Aptts., Peter Dais Road, Bandra, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the therme-tax est, 1901, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to helieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other asset, which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of rotice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Sakar S. Pirani & Amin S. Pirani (Transferor)
- 2. Tajdin Moosa Khwaja & Snit Mehtunissa Tajdin Moosa (Transferee)
- 3. Transferor (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned known to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 311, Mount Merry Apartments. Peter Das Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III 37EF 8961[84-85] dated 4-8-1984.

Date: 11-4-1985.

SEAL:

(Strike off where not applicable.)

निक्त मं. अई-2/37-ईई/10380/84-85 - -अर मुझे, लक्ष्मण दास, आयन्त्र अधिनियम, 1961 (1961 का 13) (जिने इसमे इसके पण्चात् "उका अधितिसम" इता गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास धरने का कारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिस्हा उचित्र बाजार मुल्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसुरी स. ए औन्ड बिथ स्टक्चर स्टैडिंग औट चपेल रोड. एच. नं 157 मी जी, बाद्रा, बम्बई-50 से स्थित है (और इासे उपाबद अनसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है). और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, की धारा 269क्स के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजर्म्द्री है, तारीख 27/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृत्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृल्य, उसके दण्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत मे अधिक है और अंतरक/अंतरको और अंतरिती/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निधित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/मा
- (स) ऐसे किसी अाप या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269 के अनुमरण में, मैं उक्षत अिविस्यम की धारा 269 की उप धारा (1) के अधीन, निम्मितिश्वित व्यक्तियों अर्थात् —

- 1 श्रीमनी एस्पेरन्स सिल्वेरा । (अनारः)
- 2 श्री रफायेल सिमन डिमिल्बा, और श्री मिल्टन आर. डिमिल्बा । (अन्तरिती)
- 3 भाइत

(बहु व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है)

4. --

(अह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है. कि वह सम्पत्ति में हितबग्र है)

को यह मूचना जारी करके पत्नोंकित सम्पंति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करताहू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की सारील में 45 दिन की अविधि, या सरसंबंधी व्यक्तियों पर गूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृथीं कर विसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस स्खरा के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिन्बद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के 'शय निक्षित में किए आ सकीगें।

स्पष्टिकरण — इसमा प्रयुक्त इन्द्रो और पदो का, जो आयकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

ए लैंग्ड विध स्ट्रक्चर स्टैंडिंग अट चंपेल रोड, एख सं. 157 सी, बाद्रा, बम्बर्ट- 50 हे स्थित है।

अनुसूची जैसा की क.सं अई-2/37ईई/10380/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनास 27/8/1984 को रिजस्टर्ड किया गया है।

ना : 11-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे शाट दीजिये)

No. AR-II 37LE 10380 84-85. - Whereas, I LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 00,000]and bearing a Land with structure standing at Chapel Road, H. No 157-C, Bandra, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is tegistered under section 286AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to behave that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Smt. Esperance Silveira (Transferor)
- 2 Riphal Simon D'Silva and Milton R. D'Silva (Transferee)
- 3. Tenants

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned known to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expire, later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 lays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Fuplanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

A Land with structure standing at Chapel Road, H. No. 157-C, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EF| 10380|84-85 on 27-8-1984.

Dated: 11-4-1985.

SEAL

(Strike off where not applicable)

निर्देश सं. अर्थ-2/37-ईर्थ/9072/84-85 -- अत महो, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पण्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1,00,000/- ह. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैटनं. 10, जो, यात्रंड फलं।अर, मंजु महल, 35, पाली हिल रोड, बांडा, बम्बई--50 में स्थित है (और इसमे चुपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 269 कुख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई मे रजिस्ट्री है तारीख 9-8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के इचित बाजार मल्य से कम के दण्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक(कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप मे कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई िकमी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगमें बचने में सिख्धा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय अध्यक्षर उधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-धर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मिक्श के लिए

अतः अत उक्त अधिनियम की धारा 269% के अन्सरण मों, मों उक्त अधिनियम की आरा 269% की उप धारा (1) के अधीन, निमालिस्ति ब्यक्तियों अधीत् —

श्रीमती स्रोण णर्मा । (अन्तरः)

श्रीमती अंबिज प्रसाद । (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4.--

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहम्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को यह सृष्टना जारी करके पृथोकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृक्ष करता हां। उक्त रम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किमी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

पत्रैट त. 10, जो ग्राउंड फ्लोर, डी-विंग, मंजू महल, 35, पार्ती हिल रोड, बादा, बण्वई-50 में स्थित हैं।

अनुसूची जैता की का. सं. अई-2/37ईई/9072/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिना है 9/8/1984 को रजिस्टर िया गया है।

ता: 4-4-1985

मोहर:

(जो लागुन हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR.JII37EE19072[84-85.—Whereas 1 LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 10, Ground Floor, Manjoo Mahal, 35, Pali Hill Road, Bandia, Bombay-50 ated at Bombay (and more fully described in the Scheannexed hereto). dule has been transferred agreement registered and İs section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of

such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, there'ore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Smt. Sudesh Sharma

(Transferor)

2. Smt. Ambika Prasad

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

4. ————

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 10, Ground Floor, D-Wing, Manju Mahal, 35 Pali Hill Road, Bandra, Bombay 400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. A.R. II|37EE| 9072|84-85 on 9-8-1984.

Dated: 4th April, 1984.

SEAL:

(Strike off where not applicable) 166 GI/85-62

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10361/84-85: - -अत: मुझे लक्ष्मण दान आयकर अधिनियन, 1961 (1961 🗔 43) (जिले इनमें इनके पश्चात्, "उक्त अधिनियम" शहा गया है) की धारा 269घ के अधीत नक्षम प्राधि-ारी को यह जिल्लास एउने म जारण है हि स्थावर सम्पत्ति, जिसाम उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- र. े अधि है और जित्रकी सं. फ्लैट नं. 9, जो, 2री मंजित, जल तागरीका को-आप. हार्जीनम सो ताइटी लि., प्लाट नं. 1439, 273, आफ गर्टर रोड, बाद्रा, बम्बई-50 में स्थिन है (ओर इ.नि अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), ओर जिल्ला ज्यार-नामा आगार अधिनियम की धारा 269 तख के अधीत, सक्षम प्राधिकारी के नार्यालय, बम्बई में रजिस्टर्ड है, तारीख 24-8-1981 को पूर्वीक्त प्रमाति के उचित बाजार मुल्ज से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वात करने का ारण है ि धयापूर्वोक्त ग्रम्पत्ति का बाजार मुल्य, उनने दुष्यमान प्रतिकल, ऐने दुश्यमान प्रतिफन के पंद्रह प्रतिशत से अधि है और अंतरक (कों) और अंतरितो (यों) के बीच ऐते अंतरण के जिए तय पाता गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य ने उक्त अंतरम लिखिन में वास्तविक रूप से एथित नहीं जिया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आग्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या ध्यानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए,

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. नूरबानू वाली लाखा । (अन्तर:)

2. ताहेरा अमीन गनी । (अन्तरिती)

3. ----

(वह व्यक्ति, जिल्लोहे अधियोग में सम्पत्ति है)

4. ---

(वह व्यक्ति, जिनके वारे में अबोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हू। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृवों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस रूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर मम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसुची

"फ्लैट नं. 9, जो, 2री मंजिल, जल आगरीला को-आप-हाउँ जिंग सोपाइटी लि., प्लाट नं. 1439, 273 आफ ार्टर रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि क. सं. अई-2/37ईई/10261/84-85 और जो तक्षप प्राधि गरी, बन्बई द्वाग दिनों । 24/8/1984 को रजिस्टर्ड िया गरा है।

ता.: 4-4-85

मोहर:

(जो लागून हा उसे बाट दोजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10261|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, havinig a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat No. 9, 2nd Floor, Jal Sagarika Co-Ltd., 273, Off Carter Road, Hsg. Soc. Bandra Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred agreement is registered section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 24-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Neornanu Vali Lakha (Transferor)

2. Tahera Amin Gani (Transferee)

(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 9, 2nd Floor, Jal Sagarica Co-operative Housing Society Ltd., Plot No. 1439, Off. Carter Road, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE| 10261|84-85 on 24-8-1984.

Dated: 4-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10364/84-85:—-अत: मुझे लक्ष्मण दास आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 घा 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चान्, "उक्त अधिनियम" शहा गया है (की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिषारी को यह विश्वास गरने का नारण है छि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैट नं. 706, जो, 7वीं मंजिल, "माउंट मेरी अपार्टमेंटस" इमारत, बांद्रा, वम्बई में स्थित है) और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) और जिसका करारनामा आयश्च अधिनयम की धारा 269 ज्या के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टर्ड है,

तारीख 27/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाय करने जा जरण है जि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्रंह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐस अंतरण के लिए तम पाया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से शियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी क्ष्म या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या क्ष्म-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- मुरादअनो नाझरअलो सुरानो । (अन्तर ३)
- 2. श्री सद्द्योत गातमभाई गिलानी और फरीदा एन. गिलानी (अन्तरितो)
 - (अहं व्यक्ति, जितके अधिमोग में उम्पत्ति है)

4. ---

(बह व्यक्ति, जिउन बार में प्रवोहनतत्तरो जानता है, को बहु सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (रू) इस मुचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में भीतर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्वो

"प्लैट नं. 706, जो 7वीं संजिय, "माउंट मेरी अपार्टपेंट" इनारत, बादा, बम्बई में स्थित है।

अनुसूर्च। जैया ि क. सं. अई-237/ईई/10364/84-85 और जो सक्षम प्राधि गरो, वम्बई द्वारा दिनांक 27-8-1984 को रिजस्टर्ड क्यि। गया है।

ता० 4-4-84

मोहर:

(जो लागू न हा उस काट दी विये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10364|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, havinig a fair market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing Flat No. 706, 7th Floor, Mount Mary Apts, Building, Bandra, Bombay, (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 209AB of the Income-tax Act, 1961, in the Omce of the Competent Authority at Bombay on 27-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of I ransfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mooradali Nazarali Surani (Transferor)
- Shri Sadruddin Kasambhai Gilari, &
 Smt. Farida S. Gilani (Transferee)
- 3. Transferor
 (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the 'aid property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period exputes later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No 706, 7th Floor, Mount Merry Apartments Building, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bondbay under Serial No. AR-II; 37EE, 10364 84-85 on 27-8-1984.

Dated 4-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्वेश नं. अई-2/37ईई/10146/84-85 :--अतः मही भक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उबिन बाजार मृत्य 100000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फर्नेट न. 402-बी, जो. 4थी मीजिल, कल्पना अपार्टमेंटस-बी, शेली राजन रोड़, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ऑर हुत्ते अगदह जनुसनी में और पूर्णम्य में बॉणित है) ओर रिपका अगरनामा आधरार अधिनियम को धाना 269 व्या के अधीन, सक्षम प्राधितारी के कार्यालय, बग्बई में रजिस्ट्रई है, जारीख 18-8-1984 की पूर्वीका सम्पत्ति के उचित बाजार सुल्य स कम के दृश्यमान प्रतिफात के लिये अनारित की गई है जोर मुझे यह विष्याण अपने का कारण है ि यथापूर्वीका अस्पत्ति हा बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पदंह प्रतिशत से ्राधित है और अंत्रिक(को) आर अंतिरती(यीं) के बीच एँग अंतरण के तिए तब पादा गया प्रतिफल, निम्तलिखित प्रदेशम से उत्तन अवस्था विखित में वास्पविक <mark>रूप से</mark> क**थि**त नहीं दिया गया है --

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए और/या (क) ऐसे किसी अप या फिली धन या उन्य आलिएमों की जिन्हें भारतीय आयदर विधिवयम, 1922 (1922 का 11) या ज्यारकर विधिवयम, 1961 (1961 द्या 49) मा धर-सर विधिवयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य व्यास्तिति द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, स्त्रिपाने मा स्तिथा के लिए

अतः अत उका अधिनियम की धारा 200र के अनगरण मा, में उबल अधिनियम की धारा 180ग की उद धारा (1) के अधीन. निम्मिरिंग्लि क्यिंबल्यों अधीन —

1. श्रीमती रेणभा एम० सावन (अंतरक)

श्री विनोद कम्पर चोप्रा (अन्तरिती)

अन्तरिती और उनके परिचार सक्त्र (बर व्यक्ति, जिसके अधिभोग के नष्पत्ति तै)

.\$. ----

(वह व्यक्तिः, जिन्न वारे में अवीत्साक्षरी पानगा है, की वह गम्मींग में हिन्दा है)

को यह सूचना जारी करके प्योक्ति सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया भूम करना हूं। उक्त राम्पत्ति के वर्णन के सर्वभ में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजगत्र मा प्रकाशन को तारीब मा 15 दिन की अवधि, या तत्संवर्भा व्यक्तियों पर सूचना की वासी। से 30 दिन की व-कि, का भी उप्रधि बाद मा समाप्त होती हो, व भी प्रमापित व्यक्तियों मा से कियी व्यक्ति द्वारा ।
- (स) इस नचना को राजपन मो एक दान की नारीस क 45 दिन को भीतर उन्नत म्यादर मम्यात्त मो हिएक द्व किमी जन्य व्यवित द्वारा अभोहम्माक्षरी को प्राप्त किम्पित मो किए जा रकोगे।

स्पादीकरण .—.सभी प्रयोग दादी कीन पदी का जो बायकर विधिनियम. 1961 (1961 का 43) के प्रधास 20क में परिभाषित ही, तहा अर्थ त्मा जो उम अध्यास में दिया गया ही।

अनम ची

फलट न. 403-को जो, ४ थीं मिन्जिल, कारपना अनार्टनेंटम-की मलीं राजन रोड, बाह्या, बस्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क स. अर्ह-2/37ईर्10146/84-85 जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई हारा दिनाक 18/8/1984 को एजिस्टई किया गया है।

नारीख: 4-4-1985

मोहर.

(जो लागून हो उमे काट दीनिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10146|84-85.-Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, havinig a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 402-B, 4th Floor, Kalpana Apart-Sherley Rajan Road. Bandra ments-B, Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the rellowing persons, namely:

- 1. Smt. Reshma S. Sawant (Transferor)
- 2. Shri Vinodkumar Chopra (Transferee)
- 3. Transferee & family members.
 (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later:

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 402-B, 4th Floor, Kalpana Apartments-B, Sherley Rajan Road, Bandra, Bombay-400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II', 37EE. |10146|84-85 on 18-8-1984.

Date: 4-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8741/84-85:--अत: मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इमनें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 100000/- रु. से अधिक है (और जिसकी सं. फर्नेट 2री मंजिल पर, जो, "दिल खश" इमारत, 28, सेंट पाल्स रोड, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के ग्रवीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टरी है तारीख 1/8/1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का बाजार मुख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उददेश्य उक्त लिखित मं वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अभि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में दानी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) मा धन कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट गहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

3.

जत: अब उका अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, में उबन अधिनियम की धारा 269न की उप धारा (1) के अधीन, शंनमाणिकित व्यक्तियों अभात्:—

- था जागाफ अञ्चल गतिक फोनवर गणा (अन्तरक)
- श्रं नो ग्रें में भरोबा डिकॉस्टा (अन्तरिती)
- ्र (बह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. —
(यह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है,
क वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पुत्रोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गृह करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कार्ष भो अध्यक्ष :--

- (क) इस मूबना के राजगत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सबना की तामील 30 दिन की अवधि, जो भी जन्मि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथिक्त व्यक्ति गों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इय कृष्या के राजपण में प्रकाशन की तारीख के 45 पिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबढ़ कियी अन्य ब्योक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पष्टां अरण : इसमें प्रयंक्त शब्दों और पदों का जां आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अप्राय 20क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनस्ची

"फर्नट प्रर्श मजिल, ''विना ग्रुश'' इमारत, 28, मेंट पालम राड, प्राद्वा, वश्वई-50 में स्थित है।

अनसूची जैसा कि क सं. अई-2/37ईई/8741/84-85 और जा सभस प्राधिकारो वम्बई द्वारा दिनांक 1-8-1984 का रजीस्टर्ड किया गया है।

नारीख : 4/4/1985

मोहर:

(जा नागू न हो उसे काट चे जिए)

Ref. No. AR-II|37EE|8741|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat on 2nd Floor, "Dil Khush" Bldg. 28-St. Paul's Bandra, Bombay 400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the

Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section "O" of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the usue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri Altaf Abdul Latif Furnith@wala (Transferor)
- 2. Smt. Bertha Maria Decosta (Transferee)
- 3. —

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the preperty)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underrighed—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Carette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 day: from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat 2nd Floor, "Dil Khush" Building, 28-Saint Paul's Road, Bandra, Bombay 400 050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-H] 37EE[8741[84-85 on 1-8-1984.

Date: 4-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देग म अई-2/37ईह/10031/84-85 ----अत मुझे तदमग तम जानहर जिल्लियम 1961 (1961 का 43) (नि । इ.स. उसरे पण्यान् 'उत्त अधिनियम' सहा गया है) को भारा 269 व के अधीन माम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका र्जीचत बाजार मृत्य 100,000∫- रु. से और जिपकी म पत्नैट उरी मजिल पर, जो, "दिल खुम", इमाएन , 28, पालम रोड, नाद्रा, बम्बई-50 में स्थित हैं (जीर इसर उपाबड फ्रनुगुनी मे और पूर्णक्रप मे बर्णित है) और जिसका करारनापा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 कर के अधीन सधाम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिलाई है नारीच 16-8-1984 को पूर्वन्ति मम्पत्ति के जीवन बाजार मूल्य में कम के दूख्यमान प्रतिफल के लिए अतिरत की गई है और मुसे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्णानन सम्यन्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्य-भान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्रह प्रतिगत र्स काधित है और अनरक(को) और अनरिती(यो) के बोच ऐमे अनरण के निए तक पाया गया प्रतिफल निम्न-लिजित उद्देश से उका अंतरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अलारण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-भिरणम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के प्रियम में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐने किसी अाग या किसी धन या कन्य आस्तियों भी फिन्हें भागीय आदार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अपकार विवित्तम, 1981 (1981 का 43) या धन-एन अनिश्चिम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिणी हारा किस पहिल्ला किया गांव था किया जाना चाहिए था, खापाने में एकिस दें, किए

इन आ उक्त एधिनियम की धारा 269**ग के अन्सरण में,** में डान पीनी एक की धारा 269ग की उप <mark>धारा (1) के अधीन</mark> বৈস্থিতিৰ ক্ৰিয়ে**টা অ**ধিন্ত

उन्हाफ ए. फिनिचर वाला। (अंतरक)

2. श्री बासित डिमोझा। (अन्तरिती)

---(बहु व्यक्ति जिस्के श्रधिभोग में सम्परित है)

(तह क्पेक्षित जिसके बारे में श्रधोहस्पाक्षरी जानता है

 िक वह सम्परिप में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्णश्रीहा। शुरू करा। हा। उक्त म्प्पित के अर्जन के नाम माकोई भी आक्षण ---

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की लागीए से 45 दिन की अवधि, या तत्संबधी व्यक्तिया पा मचना की नामीन से 30 दिन जी अवधि, जो नी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्विंक्त अपिक्तयों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (स) इस सचता को रागाण मो प्रकाशन की सारीण को 45 दिन दो भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति मो हितबद्ध किनी जन्य व्यक्ति द्वारा अनोहम्साक्षरी को पास लिखित मो किए जा सकोगे।

स्पष्टिकरण — इसमे प्रयुक्त घन्नो आँगपदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उत्त अध्याय म दिया गया है।

ग्रनुसूची

''पन्नेट 3री मजिल पर, ''दिल-खुग'' इमारत, 28, सेट पाल्स रोड, बाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।''

अनुसूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/10031/ 84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 16-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है!

तारीख: 4-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उमे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE.|10031|84-85.-Whereas, J. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing Flat on 3rd Floor, Dil Khush Bldg, 28-St. Faul's Road, Bandra, Bombay-400 050 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the con ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any uncome arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the outposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act, or the Weathern Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in per transc of Section 760C of the said Act, I hereby tritiate proceedings for acquittion of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Altaf A. Furniturowala (Transfero)
- 2. Shri Basil D Souza (Transferee)
- (Person in occupation of the property)

(Person v hera the undersigned knows to be inverested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expression; used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHUDULE

Flat on 3rd Floor, "Dil Khush" Building 28-St. Paul's Road, Bandra, Banbay-400 050.

The acreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37FE [10031]84-85 on 16-8-1984.

Date - 4-4-1935.

Seal

(State off where not applicable.)

निर्में स अई-2/37ईई/10083/84-85:—अन मझे लक्ष्मण दाग आपकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चान् "उन्न अधिनियम" कहा गया है) की घारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्य मैं कि स्यावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूख 100000/- क. में अधिक हैं और जिसकी सं.

पर्नेट न. 64, जो, 6 नी मजिल, "मी" इमारत, काक्षीहोम को-जार हार्जाम गोसाहटी नि., 251, पाली हिन,
नाझा, बमार-50 में स्थित है (और उसमें ज्ञायद जनुमची से
और पूर्ण रूप में र्यामत है) और जिपना करारना । अध्यार
अविनियम की धारा 269 क्या के अने में गक्षम क्रियानार
के कार्यात्य बम्बई से रिजिस्टर्ड है तारीख 17-8-1984
को पूर्वांक्त सम्प्री के उत्तित बाजार मृल्य ने तम के दृष्यमान जिलक के तिये प्रकारित की गई है और मुझे यह
विण्वास करने ता दारण है कि यथापूर्वोंनत सम्बन्धि का
बाजार मूल्य उपके दृष्यमान अतिफल से ऐसे दृष्यमान प्रतिफल
के पद्रह प्रतिभा से अधिक है और जनरक/अंतरको आर
अंतरितं/अंतरितियों के बीच ऐसे अंतरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नितिखित उद्देष्य से उत्तर अंतरण विवित में
बासाबित रूप में हिया नहीं तिया गया है:---

- (क) अनारण में हुई किसी आग वी शहत, आयकर अधि-तियम, 1961 (1991 का 43) के अधीर कर देने के अन्तरक के दारित में कमी करने या उपने दुसने में सिटिया के लिए और/या
- (भ) ऐसे किसी उत्तर राकिसी धन या उन्य आस्तियों वी जिन्हें भारतीय आसम्बद्ध अधिनियम, 1932 (1992 वा १) या जायवर शिक्षिस्यम, 1961 (1961 वा 43) या भग-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्योजना जिन्तिती दुरा इकट गहीं किया गया था या किया जाता चाहिएथा, जियाने में गिथा की लिए

कत. अब एका अधिनियम की धारा 269म को अन्सरण भी, भी उसत अभिनियम की धारा 249म की उप धारा (1) को अधीन, निम्नितिष्यत अपविनयों उपति :—

- श्री थामस डिसोझा, और श्रीमती एस. एम. हिसोझा (अन्तरक)
- श्री होणियार सिंग, और श्रीमती पन शत कौर।
 (अन्दरिती)
- ३ अनारितियाँ

(नतु व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्बन्ति है)

4 तांजोडोंस को-पाप हाजीना मोमाइटी विश (वह व्यक्ति जिसके बारे में प्रधोहस्नाक्षरों जानता है कि वह सम्पन्ति में हितपद्ध है)

को यह स्वनः जारी करके पर्योक्षा सम्यक्ति के अर्जन के लिए कार्यवर्ति । यह करण हा । उत्तर सम्यक्ति के अर्जन के संबंध यो कोर्य शी लक्ष्ये —

> (त) इस गुणना के राजाब में प्रकाशन की लागील में 45 िएन की नविन का तत्मबनी व्यक्तिया जर गणना की नामील से 20 िएन की अविक्र को भी गर्जान को नामील होती तो के मीत्र पर्वात्तिस व्यक्तियों में से निसी व्यक्तित होता ।

(क) इस सचल के राजधन मा प्रकाशन की नारीखा । 45 दिए के भीतर उक्त स्थानर सम्मानि मा हिलाबढ़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गांग निक्ति मां किए जा सकेगें।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहों अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्यची

क्लैट नं. 64, जॉ, ''सी'' इमारत, काओंहो हाउसिंग सोसाइटी लि., 251, पाली हिल, 6वी मजिल, बांद्रा. बंबर्ड-50 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि क. सं. अई-2/37 ईई/10083/84- 85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8- 1984 को र्राजस्टई किया गया है।

तारीख: 4/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट द्वीजिये)

Ref. No. AR-II[37EE]10083]84-85,--Whereas_ I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'). have reason to believe that the immovable property, havinig a fair market value exceeding Rs. 100,000]-and bearing Flat No. 64, 6th Floor, 'C' Building, Cozihom Co-op. Hsg. Soc. Ltd; 251-Pali Hill, Bandra, Bombay-400050 (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 17-8-1984 for an apparent enosideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-teston (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.

- 1. Shri Thomas D'Souza, & Smt. S. M. D'Souza (Fransferor)
- 2. Shri Hoshiyar Singh, & Smt. Manjit Kaur (Transferee)
- 3. Transferee.

(Person in occupation of the property)

4. Cozihom Co-op, Housing Society Ltd.

(Person whom the under igned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expites later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 64, 6th Floor, 'C" Building, Cozihom Co-operative Housing Society Ltd; 251-Pah. Hill, Bandra, Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-III 37EE 10083 84-85 on 17-8-1984.

Date 4-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देण सं. अई-2/37-ईई/8934/84-85.—अतः मुझे, लक्ष्मण दास. आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम आधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि म्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100000/- क. से अधिक है और जिसकी सं. पर्लैट नं. 18, जो, प्लॉट नं. 227ए. "आणियाना" पॅरागॉन को आंप. सोसाइटी, रोड नं. 31, टी. भी एस. 3 बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूनी में और पूर्ण म्य बणित है) और जिसका करारनामा

166 GI/85--63

4.

अधिनियम की शारा 269कख के सक्षम प्राधिकारी कं कार्यालय, वस्बई मे रजिस्टर्ड है, तारीख 4-8-1984 को पूर्वीक सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अल्लरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से. ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (का) और अन्रिती (यों) अतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप रो कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की राबत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क दायित्व में कमी करने ला उससे बचने में मिवधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) पा अन्य-आ अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए

क्त. अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उप धारा (1) के अधीन निम्निकिस्ति व्यक्तियों अर्थात् —

- ा. थी के. टी. गजरीया। (अन्तरक)
- श्री एफ. आर. भागवागर और कुमारी जुमी आर. भागवागर। (अन्तरिती)

3: (बह् व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

> (वह त्र्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके प्रवोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप भ

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों 'पर राजना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीनर पृबों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क) इस सदता के राजपत्र में एकाशन की तारीत के 45 दिन के भीतर उत्तर म्पादर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधीहरताक्षरी के एप्स निष्टित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण क्षिमिम प्रयक्त शब्दा और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनमुची

"फ्लैट न. 18, जो, प्लॉट न. 227ए, "आशियाना" पॅरागॉन को-ऑप, सोसाइटी, रोड न. 31,टी.पी.एस. 3, बम्बर्द-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसाकि च. स. अई-2/37ईई/8934/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वस्त्रई द्वारा दिनांक 4/8/1984 को रजिस्टई किया गया है।

नारीख: 4/4/1985.

मोहर.

(जो लागू न ही उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8934|84-85 --- Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'Said Act'), have reason to believe that the ammovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000]-and bearing Flat No. 18, Plot No. 227-A Ashiana Road No. 31, Co-op. Hsg. Society, Paragon T.P.S. 3. Bombay-40(005f) (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 4-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid e ceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferse to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Shri K, T Gajaria (Transferor)
- 2 Shri F. R. Bhakwagar and
- Kum, Kumi R. Bhagwagar (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
 - (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ga external contents.

Explanation The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Flat No. 18, Plot No. 227-A, "Ashiana" Paragon Co-op Hsg Society, Road No. 31, T.P.S. 3, Bom-/bay-400, 050

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II 37EF | 8934 | 84-85 on 4-8-1984.

Dated 4-4-1985.

Seal :

(Strike off where not applicable)

निर्देश स अर्ड-2/37-ईई/10332/84-85 — अन. मझे, लक्ष्मण दास, आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पण्वान् 'उक्त अधिनियम कहा गया है) की भारा 269व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर भस्पति, जिसना उचित बाजार मल्य 1,00,000/- म. मे अविक हे आर जिसकी स. फ्लैट न. 201, जो 2री मित्रल निर्माणाधीन इमारत, प्लॉट 86, सालसाहटे वॉ-ऑप, हार्डासग सोसाइटीज इस्टेट प्लान स. 1, सट डार्मानक राट, बाद्रा, बस्बई-59 में स्थित है (जा इसमें उनवाइ अनुमुखी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) ओर जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 कख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई स रजिस्ट्री है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्तित बाजार मत्य से कम के दश्य-मान प्रतिफाप 🕈 लिए अर्तारन की गई है और मुझे यह विज्ञास करने का रारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफत ये ऐसे दृश्यमान प्रतिफार के पदह प्रतिजात से अधिक है और अनरक (को) और अनिरिती(या) र बीच ऐसे अतरण के निए तय पाया गया प्रतिपाल निम्नलिखित उद्देश्य स उत्तत अंतरण लिखित मे वास्तिविव रूप से किनत नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण में हुई किमी प्राय ती पावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 13) ते प्राय कर देने के अन्तरक व दायित्व मा कमी करने या उसने इचन मा संजिधा के लिए और/पा (स) ऐसे किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) एा ऑग्कर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था एा किया जाना चाहिए था, छिपाने मा सविधा के लिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 269य के अनुसरण मा, मौ उक्त अधिनियम की धारा 269य की उप धारा (1) के अधी., निम्नत्विखित व्यवित्यों अर्थात् —

- 1 मुहेल कन्सट्रवणन्स । (अन्तरक)
- 2 श्रीमती मुनीता मरीयान मोटेरा और श्री क्लारेम पिटरमोटेरो। (अन्तरिती)
- 3 1 श्रीमती एफ. फर्नान्डीस, आनर,
 - 2 श्री इ.पी. रांड्रिक्स, भाडुत, और
 - अो आस्वाल्ड अन्द्राङ, भाडूत ।
 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग मे सम्पत्ति है)

(बह व्यक्ति, जिसके बारे मे अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह मूचना जारी करके प्रविक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध मा कोई भी आक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अवधि, या तत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हा, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों मां से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (म.) इस स्वता के राजगत्र मा प्रकाशन की तारील क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के णाम जिस्ति मा किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण . इसमं प्रयुक्त बच्चों और पद्मों का जा आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जा उस अध्याय स दिया गया है।

अनुसूची

फ्लॅट न 201, जो, 2री मंजिल, निर्माणाधीन इसारत, प्लॉट न, 86, सालसेट्टे को-ऑप. हाउसिंग मोसाइटीज इस्टेट प्लान न. 1, सेंट डोर्मानक रोड, बाह्रा, बस्बई में स्थित है।

जनस्वी जैसाकि क स. अई-2/37ईई/10332/84-85 आर जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25/8/1984 को रजीस्टई किया गया है।

नारीख 4/4/1985

मोहर

(जा लागू न हा उस काट दीजिए)

Ref. No. AR-II|37EE|10332|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, havinig a fair market value exceeding Rs. 100,000|-and bearing Flat No. 201, 2nd Floor, Prop. Bldg. Salsatte Co-op. Hsg. Societies Estate Plan No. 1, Bandra, Bombay, (and more St. Domnic Road, in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax 'under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Suhail Constructions (Transferor)
- 2. Smt. Sunita Mariyan Monterro, & (Transferee)
- 3. Smt. F. Fernandes, Owner
 - 2. Shri E. P. Rodricks, and
 - 3. Shri Oswald Andrade, Tenant (Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 201, 2nd Floor, Prop. Building, Plot No. 86, Salsatte Co-operative Hsg. Societies Estate, Plan No. 1, St. Domnic Road, Bandra, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II | 37EE | 10332 | 84-85 on 25-8-1984.

Dated: 4-4-1985.

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

बम्बई, 10 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/10219/84-85.—अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 7, जो, 3री मंजिल, डी-डोल को-कॉप हाउसिंग सोसाइटी लि., पाली माला रोड, प्लॉट नं. 32, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है(और इससे उपाबद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित रू करारनामा आयकर अधिनियम धारा 269कख के अधीन, प्राधिकारी सक्षम के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री है, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्य-मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का 💆 बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती(यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया, गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गैया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

4.

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उन धारा (1) के अधीन.. निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती मार्था मंधोरा। (अन्तरक)

2. श्रीमती जी. कार्बेल । (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानना है, की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शरू करता हूं। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि: या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (रू) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के णस लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

''फ्लैट नं. 7, जो, 3री मंजिल, डी-डोल को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., पाली माला रोड,प्लॉट नं. 32, बांद्रा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अई-2/37ईई/10219/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी वम्बई द्वारा दिनांक 13/8/1984 को रजीस्टई किया गया है ।

तारीखः 10/4/1985

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

BOMBAY, 10 April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE.|10219|84-85.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000 and bearing a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 7, 3rd floor, DI-Dol Co-op. Hsg. Sec. I td., more fully described in the Schedule annexed hereto, has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or order assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. Mrs. Martha Mandhora (Transferor)
- 2. Mrs. Genevieve Cabrel (Transferee)
- 3.

(Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty-five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 7, 3rd floor, DI-Dol Co-op. H.g. Soc, Ltd., Pali Mala Road, Plot No. 32, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II 37EE. 10219 84-85, dt. 13-8-1984.

Dated: 10-4-1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/10153/84-85.--अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन नक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी फ्लैटन. सी-7, जो, युनिवसेल को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी, सेंट जॉन बाप्टीस्ट रोड, वाद्रा (प), बम्बई में स्थित है (और इसमें उपायद अनुसुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की क, ख प्राधिकारी के ग्रधीन. सक्षम 269 के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री हे, तारीख 13-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई हे ओर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) आर अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अतः अद उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निम्निकिस्त व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री धनवंत व्रजलाल व्होरा। (अन्तरक)

2. डॉ. विनोदकुमार वाबुलाल जैन । (अन्तरिती)

3. अन्तरक। (वह व्यक्ति जिसके ग्रिध-भोग में सम्पत्ति है।)

4. — (वह व्यक्ति जिसके वारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीचित सम्पत्ति के अर्जन के लिल कार्यवाहियां शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित दूर, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

"फ्लैट नं. सी-7, जो, युनिवर्सल को-ऑप. हार्जासग सोसाइटी, सेंट जॉन बाप्टीस्ट रोड, वांद्रा (प), वम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसािक क. सं. अई-2/37ईई/10153/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 13/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख:- 10-4-1985

मोहर:

(जो लागु न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10153|34-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 [and bearing Flat No. C-7, Universal Co-op. Housing Society. St. John Baptista Bandra (W), Bombay (and more Road, fully described in the Schedule annexed hereto); has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 13-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

4.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mr. Dhanvant Vrajlal Vora (Transferor)
- 2. Dr. Vinodkumar Babulal Jain (Transferee)
- 3. Transferor
 (Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C-7, Universal Co-op. Housing Society, St. John Baptista Road, Bandra (W) Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|10153|84-85, dt. 13-8-1984.

Dated: 10th April, 1985

SEAL.

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8874/84-85.—अत: मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. फ्लैंट नं. 8, जो, इमारत ए, शांती सदन को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि॰, 36वां रास्ता, वांद्रा. वम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप र्वाणत है) और जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम की धारा 269 क ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टंड है, तारीख 1-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्न के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पात्रा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में द्वास्तविक रूप से क्थित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की दाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक क शिण्टव में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए और/या
- (ल) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों की जिन्हें भारतीय आदकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) मा अभ्यक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 42) या धन-कर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्पिटा नी लिए

अत: अब उत्तर अधिनियम की धारा 269र के अन्सरण में, मैं उद्भाव धिनियम की धारा 269व की उर धारा (1) के अधीन, निमाराहित व्यक्तियों उथीन :--

- 1. जीत सिंह कोहली। (अन्तरक)
- 2. हर्रामंदर सिंह कोहली। (अन्तरिती)
- अन्तरक और अन्तरिती।
 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पित्ति है)
- --(वह त्र्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता
 है कि वह सम्पित में हितबद्ध है)

को यह सब्धा जारी करके प्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करू करना हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मो कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तानीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (छ) इस मूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के णम लिम्बिन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हाजा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मूची

"फ्लैंट नं. 8, जो, इमारत नं. ए, णांती सदत को-ऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., टी. पी. एस. 282/283, 36वां रस्ता, वाद्रा, बम्बई-50 में स्थित है । अनुसूची जैसाकि क. सं. अई-2/37ईई/8874/84-85

अनुसूचा जमाक %. स. अइ-2/37इइ/8874/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, वम्बई द्वारा दिनांक 1/8/1984 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

तारीख 10/4/1985

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|8874|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 8, Building A, Shanti Co-op. Housing Society Sadan Bandra, Bombay-50 (and 36th Road, fully described in the Schedule an texed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Jit Singh Kohli (Transferor)

2. Harminder Singh Wohli (Transferee)

3. Transferor & Transferee
(Person in occupation of the property)

4. —

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 8, Building A, Shanti Sadan Co-op. Housing Society Ltd., T.P.S. 282|283, 36th Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|8874|84-85, dt. 1-8-1984.

Dated: 10th April, 1985

SALE:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं. अई-2/37-ईई/8997/84-85.--अत: मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. दुकान नं. 25, जो, ग्राउंड फ्लोअर, बिना शॉपिंग सेंटर प्रिमायसेस सोसाइटी लि., बांद्रा (प), बंबई-50 में स्थित है) और इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित और जिसका करारनामा ग्रायकर की धारा 269 कख के ग्रधीऩ सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्टंड है तारीख 6/8/1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से ग्रधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरणं के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या (ख) ऐसे किसी डाम या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

इत अब उका डिश्तिगम की धारा 269ए के अन्सरण में, मैं उदार अधिनियम की धारा 269ए की उप धारा (1) के अदौर, रिमानिस्थित व्यक्तियों डिश्तिम् —

- 1 मैंपर्स डिबाइन कन्स्ट्रकशन कपनी (अन्तरक)
- 2 श्रीमती ताजन्तिमा एस. एम. मुखिया । (अन्तरिती)
- 3 अन्तरिनी।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

4.

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पति में हितबद्ध है।)

को यह मूचना जारी करके प्योक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबश मो कोई भी आक्षेप —

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ्वना की टामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितल ब किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण — इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रन्मुची

दुकान नं. 25, जो ग्राउंड फ्लोअर, विना गॉपिंग सेटर प्रिमायसेस मोसाइटी लि., बांद्रा (प.), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुमूची जैसा की ऋ. म अई-2/37ईई/8997/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनाक 6/8/1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीख - 12/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये) 166 GI/85—64

Ref. No. AR-II|37EE|8997|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No. Shop No. 25, Ground floor, Centre Beena Shopping Premises Soc. Ltd., Bandra (Ŵ), Bombay-50 (and more fully described in the Schodule admered hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 6-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1967 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. M|s. Divine Construction Co. (Transferor)
- 2. Mrs. Tajunisa S. M. Mukhia (Transferee)

3.

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(8) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

SCHEDULE

Shop No. 25 on ground floor, Veena Beena Shopping Centre Premises Society Ltd., Bandra (W), Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-II|37EE|8997|84-85, dt 6-8-1984.

Dated: 12th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-2/37-ईई/10182/84-85 -- अत[.] मझे. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- म. मे अधिक है और जिसकी सं फ्लैट नं 601, जो, 6वी मजिल, ''इमारत अंकरेज'', सी. टी एस नं. 553, मेंट अलेक्झीअस रोड, बांद्रा, बम्बई-50 है (और इसमें जपाबद स्थित अनुमुची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन, सक्षम प्राधि-कारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, तारीख 18-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिमत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उददेशय से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है

- '(क्र) अंदरण से हुई किसी आय की बाबत आयंकर अभि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए और 'या
- (स) ऐसे किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय अध्यक्षर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गंदा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा की जिए

अत अब उक्त अधिनियम की धारा 260ए के दनसरण म , में अवत अधिनियम की धारा 260ए की उप भारा () र अधीर निम्नतिकित व्यक्तियो अर्थान —

- 1 वनामा कल्ट्वणन्स प्राह्वेट ि (अल्नरेक)
- 2. श्री मनोहरलाल वासूदेवा (अन्तरिती)

3. — (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग के सम्पन्ति है)

4

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हिनबद्ध हें)

को यह सचना जारी करके प्रवेकित सस्पत्ति के अर्जन के लिए कार्जनिहरा शुरू करता हो । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सहस्य मो कोई भी आक्षेप .—

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन की अविधि, या तत्सवधी व्यक्तिया पर सचना की नामील से 30 दिन की उटिधि, जो धी अविध बाद मा समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- (क्) इस मचरा के राजपत्र मा एकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित्दा के किसी अस्य व्यक्ति द्वारा अधोहसाक्षरी के प्रक लिलित में किए जा स्कीरों।

रपाटीकरण — इसमो प्रयक्त अब्दो और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क मो परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मा दिया गणा है।

अनसची

फ्लैट न. 601, जो, 6 बी मंजिल, इमारत ''अंकरेज'', सी. टी एस. नं. 553, सेट अलेक्झीअरा रोड बाद्रा, बर्बाइ-50 में स्थित हैं।

अनुसूची जैसाकी क.स. अर्ट-2/37ईई/10182/81-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बर्ट द्वारा दिनाक 1९/8/1981 को रजीस्टर्ड किया गया है।

तारीखः : 12-4-1985

मोहरः

(जो लागू न हो उसे काट दिजिये)

Ref. No. AR-II|37EE|10182|84-85 - - Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property. having a fair market value exceeding Rs 4,00,000 bearing Flat No. 601, 'ANCHORAGE' Bldg., C.T.S No 553, St Alexius Road, Bandra, Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annoyed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tay Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 18-8-1984 for an apparent consideration which is for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market - --- =-=_-

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :—

- facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. Natasha Constructions Pvt. Ltd.

(Transferoi)

2. Mr. Manoharlal Vasudeva (Transferce)

3. –

(Person in occupation of the property)

4

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 601, 6th floor, 'ANCHORAGE' C.T.S. No. 553, St Alexius Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II[37FE]10J82|84-85, dt. 18-8-J984,

Dated: 12th April, 1985

Scal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देश म . अई-2/37-ईई/9951/84-85.--अत: मझे. लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिमे इसमे इसके पश्चात् ''उक्त अधिनियम'' कहा गया है) 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. पलैट नं. सी-4, जो, 15वी मजिल, कांसी अपार्टमेट. रोड, म्ट्रंट्र(प), बम्बई-50 में स्थित है (और इसने उपाबद्ध श्रनुमुची मेर्और पूर्ण रूप में वर्णित है) और जिसका करारनामा श्रायकर ग्रंधिनियम धारा 269 कख के अधीन, सक्षम के कार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है, लारीख 10-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्स सम्पत्ति का बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यो) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरग लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में स्विधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए

अत. अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अन्मरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उर धारा (1) के वधीन, निम्निस्थित व्यक्तियों अर्थात् :--

- ा. मैसर्स कमल अण्ड कपना । (अन्तरक)
- 2 श्री उल्लम चद एस. अलिमचदानी, श्रीमती राधारानी यू. अलिमचदानी, श्री हिरालाल यू. अलिमचदानी, और श्रीमती निशा एच अलिमचदानी। (अन्तरिती)
 - . —— (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 - (वह र्व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पन्ति में हितबद्ध हैं)

को यह मुधना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता ह । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध भे कोई भी आक्षेप .—

(क) इस मूचना के राजपत्र माँ प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्संबधी व्यक्तियों पर मूचना की नामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाँटी हां, के भीतर प्वाँक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।

(क) इस सूक्षरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जां आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्घाः

"प्लैंट नं. सी-4, जो, 15वी मंजिल, कांती अपार्टमेंट, माऊंट मेरी रोड, बोब्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. मं. अई-2/37ईई-9951/84-85और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10/8/1984 की रजिस्टडं किया गया है।

सारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दें जिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9951|84-85.--Whereas, I. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|-C4|15th and bearing Flat No. Floor, Appartment, Mount Mary Kanti Bombay-50 (and more Road, Bandra (W), fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor t pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- 1. M|s. Kamal & Co. (Transferor)
- 2. Mr. Uttam Chand S. Alimchandani, Mrs. Radharani U. Alichandani, Mr. Hiralal U. Alichandani and Mrs. Nisha H. Alichandani, Ambica (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. —

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. C4/15th Floor, Kanti Appartment, Mount Mary Road, Bandra (W), Bombay-50,

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EE|9951|84-85, dt. 10-8-1984.

Dated: 12th April, 1985

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अर्ड-2/37ईई/9993/84-85:—अनः मृझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उदत अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट न. 1, जो, ग्राउंड फ्लोअर, निर्माणधीन इमारत, रेस्हीन्यू बांद्रा, सिटी सर्वे नं. सी/758, विहलं ज, में स्थित है इसरा उपावन अनुमूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है और जिनका रश्यक्तामा श्रधितिचम की धारा 269 कल के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के टार्यालय, बम्बई में रजीस्ट्री है तारीख़ 14 8-1984 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिये भन्तरित की गई है और मुझे यह विख्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति के। बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृष्यमान प्रति-फल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे इचने में सविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर किंपियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गतिधा के लिए

बत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग को अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्निक्ति व्यक्तियों अर्थात्:—

- मेसर्स रोहित बिल्डर्स एण्ड कान्ट्रक्टर्स । (अन्तरक)
- श्री थामस जार्जकोल्लानपाडीकल और श्रीमती यास्मिन थामस कोल्लानपाडीकल।

(अन्तरिती)

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

4. ----

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह मूचना जारी करके पृथों कत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं। जक्त सम्पत्ति के अर्जन के गंबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील से 45 दिन की अविधि, या तरसंबंधी व्यक्तियों पर गुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (७) इस सूचरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर सम्पत्ति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के प्रम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन् सुची

"फर्लट नं. 1, जो, ग्राउड फ्लोअर, निर्माणधान इमारन, रेव्हीन्यू व्हिलेज, बोद्रा, सिटी सर्वे न. सी 758, बम्बर्ड में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37 ईई/9993-/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 14-8-1984 को रिजस्टुई किया गया है।

तारीख: 11-4 1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दें जिये)

Ref. No. AR-II|37EE|9993|84-85.--Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1951 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|and bearing Flat No. 1, Ground Floor, Revenue Village, City Survey No. C|758, Bandra, Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 14-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have now been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid prejectly by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

1. M|s. Rohit Builders & Contractors

(Transferoi)

- 2. Mr. Thomas George Kollanpadical and Mrs. Yasmin Thomas Kollanpadical (Transferce)
- 3. (Person in occupation of the property)

4. ___

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 1, Ground Floor, Bldg. No. 3, Revenue Village, Bandra, City survey No. C-758, Bombay-50. The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Scrial No. AR-II|37EE|9993|8485, dt. 14-8-1984.

Dated: 11th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable)

निर्देश स. अई-2/37ईई/10315/84-85 '--अत: मझे लक्ष्मण दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पण्चात् "उवत अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100,000/- रु. से अधिक है और जिसकी स. फ्लैट नं. 12, जो, 3री मंजिल, हिल फ्रेस्ट को-आप. हाउसिंग सोसाइटी लि . 16 वा रस्ता, बाद्रा (प), बम्बई-50 मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूर्ण रूप से वर्णित है), और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क खंके अधीन, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजीस्टर्ड है, तारीख 16-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,

निम्नलिखित उद्देण्य से उक्त अतरण लिखित मे वास्तिबक स्प से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किमी आय की राइत, आयकर अधि नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बचने में मिविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयक्त अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिर्शा द्वारा अकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में राविधा के लिए

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के अनुसरण भी, मी उक्त अधिनियम की धारा 269र की उद धारा (1) के अधीन, निमानिखित व्यक्तियों अर्थान

श्रीमती चंदण मोहिनी।

(जन्तरह)

 श्रीपती नंदकुमारी सैगल और श्री विलोध कृमार तिलक सैगल (अन्तरिती)

າ —

(बह व्यक्ति जिसके अधिमोग से सम्पत्ति है)

4. --

(वह व्यक्ति जिसके वारे में अधे,हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख् करना है। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सब्ध से कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों. के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा।
- ्ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख के 45 दिन के उक्त स्थावर सम्पत्ति में भेतर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोह-स्ताक्षरी के पास निध्वित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण'—इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदो का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में. परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूची

"फ्लैंट र्न. 12, जो. 3री मंजिल, हिल केस्ट को-आपा. हाउसिंग सोसाइटी लि , 16वा रस्ता, बाद्रा (प), बम्बई 50 में स्थित है ।

अनुमूची जैसा कि क. स. अई-2/37ईई/10315/81-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 11-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे शाट दोजिए)

Ret No. AR-II[37EE]10345[84-85 --- Whereas, J. LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 209B of the income-tax Act, 1961 (43) of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing Flat No. 12, 3rd Floor, Hill Crest Co-op. Howing Society Ltd., 15th Road, Bandra (W), Bombay-56 (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fan market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fan market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any meome or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian, Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Mrs. Chander Mohani (Transferor)
- Mrs. Nand Kumari Saigal and Mr Vinod Tilak Saigal (Transferce)

3,

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of

the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 12, 3rd Floor, Hill Crest Co-op. Housing Society Ltd., 16th Road, Bandra (W), Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-III37|EF|10345|84-85, dt. 25-8-1984.

Dated: 11th April, 1985

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स . अई-2/37ईई_/10293/84-85 :—अतः मुझे, लक्ष्मन दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात "उत्तत अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मृत्य 1,00,000/- म. से अधिक है और जिसकी सं. पर्नट स. 44, जी, धरम ज्योग 2, त्यू कांटवाडी रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनमुची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269कख के अधीन रक्षम प्राधिकारी वे कार्यालय, बस्बई में रिजर्स्ड है, तारीख 25-8-1984 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दब्धमान प्रतिफल के लिये असारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हैकि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुण्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अनरक (कों) और अनरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए उस पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य से उसन अपरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आप की शब्द, आपकर अधि-निष्म, 1961 (1961 को 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे दुचने में सिविधा के लिए और/पा
- (ख) ऐसे किसी अगर या किसी धन या उन्य आस्तियों र्ग जिन्हें भारतीय अध्यहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अध्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ उन्नरिती द्वारा एकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्तिध की जिए;

अत अप अक्त अधिनियम की भारा 269ए के अन्सरण मो, मो उदन अधिनियम की भारा 269ए की उद्धारा (1) के अधीन, विमाणिस्टिन क्टीटनयों उसीन् —

अभिनती असिलिया बरेटटी , और श्री बिल्यूम जे बरेटटा।

(अन्तरक)

 श्री स्वदेण एस. भारहाज, और श्रीमती जसजीत भारहाज। (अन्तरिती) 3. अहनस्रो

(बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ——
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है,
 दि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिए। शुरू करता हा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन का संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस मूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की नारीस से 45 दिन की अविधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कित व्यक्तियों मों से किसी व्यक्ति हारा।
- (ख) इस सच्चा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हिनबद्ध किपी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्नाक्षरी के जन लिखित में किए जा नकींगे।

स्पष्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

फर्नट नं. 44, जो, धरम ज्योत 2, न्यू कांटवाडी रोड, बांद्रा (प), बम्बई-50 में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि क. सं. अई-2/37ईई/10293/84-85 और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 25-8-1984 को रजीस्टर्ड किया गया है।

नारीय : 11/4/1985

मोहर:

(जो लागून हो उसे काटदी जिये)

Ref. No. AR-II]37EE|10293|84-85.-Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43) 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|and bearing No. Flat No. 44, Dharam Jyot II, New Kantawadi Road, Bandra (W), Bombay-50 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 25-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .--

- 1. Mrs. Acelia Barretto & Mr. William J. Baretto (Transferor)
- Mr. Swadesh S. Bharadwaja and Mrs. Jasjit Bharadwaja (Transferce)
- 3. Transferor

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Flat No. 44, Dharam Jyot II, New Kantwadi Read, Bandra, (W), Bombay-400050.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No. AR-II|37EF|10293|84-85, dt. 25-8-1984.

Dated: 11th April, 1985

Seal:

(Strike off where no applicable.)

बम्बई, 12 अप्रैल, 1985

निर्देश सं. अई-2/37ईई/8910/84-85 .--अत मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विशास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- क. से अधिक है और जिसकी सं., फ्लॅंट न . 24, जो, 2री मंजिल, निब्बना, पाली हिल रोड, बाद्रा, सम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन्सूची में अ.र पर्णरूप से बर्णित है), और जिसका करारनामा श्रायकर भ्रधिनियम, की धारा 2.69कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्टी है, नारीख 10-8-1984 को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोका सम्पन्ति का वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रति-शत से श्रधिक है अं/र अतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच' ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित मे वास्तिबिक रूप मे कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अतरण में हुई किमी ग्राय की बाबत आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व मो कमी करने या उमसे बचने मो सविधा के लिए और/या
- (स) ऐसे किसी अप या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आपकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी गुरा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मो मिक्स की लिए

उतः अक उक्त प्रीक्षित्रमं की धारा 269ए के अनमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उप धारा (1) के अधीन, निमाणि किन व्यक्तियो अर्थानः -

श्रीमनी कुम्म कुमारी।

(अन्तरक)

श्रीमती यशोदा देवी।

(अन्तरिनी)

3. श्री बें ० के० मिश्रा एमं० डी० के आर एल (इंडिजा) प्राद्वेट लिए

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पन्ति है)

(वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पन्ति में हिनबद्ध है)

को यह रूदना जारी करके पुर्वाकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हा। उठन सम्पत्ति के अर्जन क भडध म कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीब से 45 दिन को अविधि, या तत्यंबंधी व्यक्तियाँ पर सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा । 166 GI/85-65

(म) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र अ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिंग्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) क अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अच्याय मादिया गया है।

अनुसची

पलैंद नं. 24, जो, 2री मंजिल, "निब्बना", पाली हिल रोड, बादा, बम्बई-50 में स्थित है।

अनम्बी जैसाकि क. स. अई-2/37ईई/8910/84-85-और जो सक्षम प्राधिकारी, बम्बई द्वारा दिनांक 10-8-84 को रिचस्टर्ड किया गया है।

तारीख ' 12/4/1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिय)

Bombay, the 12th April, 1985

Ref. No. AR-II|37EE|8910|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing Flat No. 24, 2nd floor, NIBBANA Palli Hill Road, Bandra, Bombay-50 (and more described Schedule the in hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Income-tax Act, 1961, in the Office of the Competent Authority at Bombay on 10-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideraion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor or pay tax under the said Act, in respect of any income-arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

3.

4.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- 1. Smt. Kusum Kumarı (Fransferor)
- 2. Smt. Yashoda Devi (Transferee)
- Mr. B. K. Mishra, M. D. KRL (India) Pvt Ltd.

(Person in occupation of the property)

4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDUI F

Flat No. 24, 2nd floor, "NJBBANA" Palli Hill Road, Bandra, Bombay-50

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Serial No AR-III37EF[8910]84-85, dt. 10-8-1984,

Dated: 12th April, 1985

Seal :

(Strike off where not applicable.)

निर्देण मं. अर्ह-2/37-जी/3659/अगम्न, 84:—अत: मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पण्नान 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को. यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 1.00.000/- क से अधिक है और जिसकी से सी. सर्वे नं. 41 (अंग), खाजन लेन, एल-प्लॉट, व्हिलेज ओणियरा, वर्सोबा, विकोली रोड, अंधेरी, वस्वई है तथा जो वस्वई में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्णस्प से विण्व है), और रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्याचय, बस्वई में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 8 अगस्न 1984

नो पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिन बाजार मृत्य से कम के दृश्य-मान प्रिनिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल गें, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण में हुई किमी शाय की दावत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगसे बचने में मुविधा के लिए और/या
- (क) ऐसे किसी उस्त या किसी धन या उन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 31) या आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती हारा प्रकट नहीं किया गरा था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में स्विधा के लिए

उत अब उक्त अधिनियम की धारा 269र के उनसरण मो, मो उक्षा अधिनियम की धारा 269र की उनधारा (1) के अधीन. निरालिखन ब्योबनयों अर्थाना :—

- श्री/श्रीमती/कृमारी वेरामजी जिजिभाँय प्राध्वेट लिमिटेड । (अन्तरक)
- 2 श्री/श्रीमती/कृमारी वेलवाई देवणी, अमरीतवेन मालशी, नानजी सोजपार, और चापसी देवशी । (अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्चना जारी करकें पृतीिकत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिए। शर्म करता हा । उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि, या तत्मवंभी व्यक्तियां पर राचना की तामील से 30 दिन की उर्जाध, जो भी सबिध बाद मां समान होती हो, को भीतर प्रवाकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित् हारा ।
- (स) इस सबरा के रायपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एस रियंकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 'च्हासमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसािक विलेख सं. डॉक-2564/67 (न्यु नं. 3341/84) ओर जो उपरिजस्ट्रार, वम्बई द्वारा दिनािक 8-8-1984 को रिजस्टडं किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर:

(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. AR-II₁37G₁3659₁Aug. 84.--Whereas, 1, LAXMAN DAS, being the Competent Authority urder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing Cadastral Survey No. 41 (Pt.), Khajan Lane, L. Plot, Village Oshiwara, Versova, Lane, L Plot, Village Oshiwara, Vikhroli Road Andheri (and more fully des-Schedule annexed hereto), has cribed in the been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 8-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 259C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. M/s. Byramji Jeejeebhov Pvt. Ltd.

(Transferor)

- 2. Mrs. Velbai Devshi, Amritben Malshi, Nanji Sojpar & Chapshi Devshi (Transferee)
- (Person in occupation of the property)
- (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2564|67 (New No. 3341|84) and registered on 8-8-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

Date: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश सं . अई-[[] 3 7-जो| 3 6 6 3|मेप्ट०- 8 4 : ——अत: मझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसवा वाजार मुल्य 100,000 रु. मे अधिक है और जिसर्क: सं. "श्रेयस इमारत", ते मरी मिलल, सी. टी. एस. नं० 127/1, 127/2, 127/3 और म्यानिसिपल वार्ड नं. के 6031 (1) स्ट्रीट नं. 113, जयप्रकाश रोड. अंधेरी (प), बम्बई-58 में स्थित है। तथा जो बम्बई-58 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णहप र्वाणत है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्दीकरण अधिनियम, 1908 (1908/ का 16) अधीन तारीख 18-9-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति उचित बाजार मुल्य कम दश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (कों) और अंतरिती (यों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर अधि-नियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(स) ऐसे किसी अाय या किसी अन या उन्य आस्तियो की जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे मविधाकी लिए

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसर्ण मं, में उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उप धारा (1) के अधीन, निम्नलिस्ति व्यक्तियों अर्थात :--

- श्रीमती चंपाबेन रमणलाल (अन्तरक) पारीख
- 2. (1) श्री दाउद यसुफअली. (अन्तरिती) और (2) क्मारी फरीदा दाउद युमुफअली।
- 3. (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में मम्यत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है, की वह सम्पत्ति में हितबंद है।)

को यह सचना जारी करके पर्धाक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाष्ट्रियां शरूकरताहा। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि, या तत्मबधी व्यक्तियो पर सचना की तामील 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त त्रयक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- ् (क्र) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितदेखे किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्याक्षरी के शस निखित मो किए जा सके गें।

स्पष्टीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का जा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20 कमे परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अन्युची}

रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख: 12-4-1985

मोहर:

(जो साम न हो उसे काट दीजिये।)

अनमूची जैमा कि विलेख मं एस.-2129/83 और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 18-9-1984 को

Ref. No. AR-II[37G]3663[Sept. 84.—Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of (961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason of believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Building, 3rd floor, CTS 127/3, & Mun. Ward No and Fearing Shreyas $127\overline{1}, 127\overline{1},$ K-6031 Street No. 113, Jayaprakash Road. (West). Bombay-400058 more Andhori (and fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Bombay on 18-9-1984 for an apparent which is less than the consideration market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- 1. Smt, Champaben Ramanlal Parikh (Transferor)
- 2. Duwood Yusufali & Miss Farida Dawcod Yusufali (Transferee)
- 3. (Person in occupation of the property)
- 4. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation. The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No S-2129|83, and registered on 18-9-1984 with the Sub-registrar, Bombay.

Date: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश मं. अई-II/37-जी/3661/अगम्न, 84:--अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 1,00,000/- म. मे अधिक है और जिसकी मं. जमीन के खण्ड एवं अंग, न्यु सर्वे तं. 2 आह और जे/35, सी. टी. एस. नं. 995, माहीम डिविजन, बम्बर्ट, है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रोकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 17~8-1984 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत उचित मूल्य, - उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई िना प्राच को बाबन उक्त अधिनियम के -अधीन कर देने के अन्तरक के दाप्रित्र में कमी करने या उपसे बचने में सुविधा वे लिए, और या
- (ख) ऐसी हिसी ग्राय या हिसी धन या अन्य ग्रास्तियों जिन्हें : भारतीय आ उस र ग्रधिनियम, 1922 (1922)11) याँ अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 43) या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 TT 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं िया गया था या िया जाना चाहिए था छिपाने में मुक्किधा के लिए।

मनः भव अधिनियम की धारा 269-ग के भन्सरण में उक्त अधिनियम की धारा 269व की उपवारा (1) के अर्धान निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :---

1. सर्पथी 1. फुर्बानजली तीरोजअली (अन्तरक) हिरजी, और 2. गुराअली नीरोजअली हिरजी 2. श्री कुट्टकल अैयप्राक्ट्टी बासू।

(अन्तरिती)

3. ---

1 ____

(वह क्विन जिनके अधिभोग में सम्पन्ति है)

(वह व्यक्ति, जि.के बारे में अधोहरताक्षरी जानता है कि वह सम्पन्ति में हिन्दबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयन सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां ःस्ता है। उ≢त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबध में कोई भी आक्षेप:→-

- (का) इस सूजना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबधी न्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोत्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किने जा मकेंगे।

स्पर्ध्यःकरण :-- इसमे प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो आवश्य अधिनियम, 1961 (1961 ना 43) ययापरिभाषित अध्याय 20-あ है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुभूची जैसा कि विलेख सं. बॉम-945/81, और जो उपरजिस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनांक 17-8-1984 को रजिस्टर्ड किया गया है।

तारीख 12-4-1985

मोहर

(जो लागू न हो उसे काट दीजिये।)

Ref. No. AR-II]37G|3661|84-85.--Whereas, I, LAXMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|and bearing Land bearing New Survey No. 2 1 & J | 35, C.T.S. No. 995 of Mahim Division, situated at Mahim (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-8-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269E of the said Act to the following persons, namely:

- 1. S'Shri Kurbanali Nowrojali Hırţı, Nuralı Nowrojalı Hırţi (Transferor)
- 2. Sh. Kottukal Ayyappakutty Vasu (Transferce)
- 3. —

(Person in occupation of the property)

4. — (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM 945|81 and registered on 17-8-1984 with the Sub-Registrar, Bombay.

Date: 12-4-1985.

Scal:

(Strike off where not applicable.)

निर्देश स. अई-II/37-जी/3664/िनाम्बर-84 अतः मुझे, लक्ष्मण दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन, सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और जिसकी सं. जमीन प्लॉट नं. 21, सिटी सर्वे नं. 1731, माहीम डिवीजन, बम्बई है तथा जो बम्बई में स्थित है (और इससे

उपाबद्ध अनसनः में और पर्णस्प से 含), मे रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्टोकरण ग्रंधिनियम, 1908 (1908 का शक्षीन 21-9-1984 को पूर्वीक्त गंपाली के उचित बाजार मत्य में कम के दण्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरन को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत ने अधिक है और यह कि श्रन्तरक 🐪 (प्रनारकों) और ग्रन्तरिनी (ग्रन्तरिनया) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित प्रदेशिय से उक्त ग्रम्तरण लिखित में वास्तिक्षिक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई कियी आय की बाबत आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए : और/या
- (ख) ऐसी किसी आय, बा किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 19%2 (19%2 का 11) अं अअहर अबिनियम, 19%1 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी हारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना चाहिए था, छिताने में सुविद्या के निए ;

अतः अव अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियां, अर्थात .——

- श्री रजनी पी. नाडकणीं। (अन्तरक)
- श्रा खिमजी एस. मामनिया (अन्तरिती)
- 3 भाइन--

(ब्रह व्यक्षित, तिसके अधिकांग में सम्पन्ति है)

4. ---- (क्षत व्यक्तिः जिसक बारे के अधीहस्ताक्षरी जानना है ि वह सम्पन्ति भ हिल्लाख्य है)

का यह सुचा। जारो करके पूर्वीका भगास्ति के श्रार्वन के लिए कार्यव हिया शुरू बरता हूं । उका सम्मत्ति के अर्थन के संबंध में बोर्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की नारोख में 4.5 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की नामील में 3.0 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में सनाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोता व्यक्तियों में त किसी व्यक्ति होरा . या
- (ख) इस भ्वता के राजपत म प्रशामन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधाह्मतक्षरों के पास लिखित में किया जा सकेंगे।

स्पर्णातरमः — इनमे प्रयुवन शब्दो स्रीर पदा क, जा आग्नार श्रीधनियम, 1961 (1961 ना 43) क यध्याय 20-क से परिभाषित है, वहीं स्रथं हागा जो उस स्रध्याय में दिया गया है ।

श्रनुसूची

अनुसूची जैमाकि वितेख मं. बॉम-1749/80 और जा उपर्राजस्ट्रार, बम्बई द्वारा दिनाक 21-9-1984 का रजिस्टर्ड किया गया टो

जारीख : 12-4-85

महर.

(जा भागुन हो उसे तट दाजिये)

लक्ष्मण दास, सक्षम प्राधिकारी, नहाज इ लाय इर आपुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज ।

Rel. No AR-II|37G|3664|Sept. 84.--Whereas, I, LAAMAN DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 et 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason of believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing Plot No. 21, C.S. No. 1731 of Mihm Division (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 21-9-1984 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money, or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:

1. Sh. Rajani P. Nadkarni

(Transferor)

2. Sh. Khimji M. Mamnia

(Transferee)

3 Tenants

(Person in occupation of the property)

4.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the 'undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHFDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. BOM,-1749|80 and registered on 21-9-1984 with the Sub-registrar, Bombay,

Date: 12-4-1985.

Seal:

(Strike off where not applicable.)

LAXMAN DAS, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range.